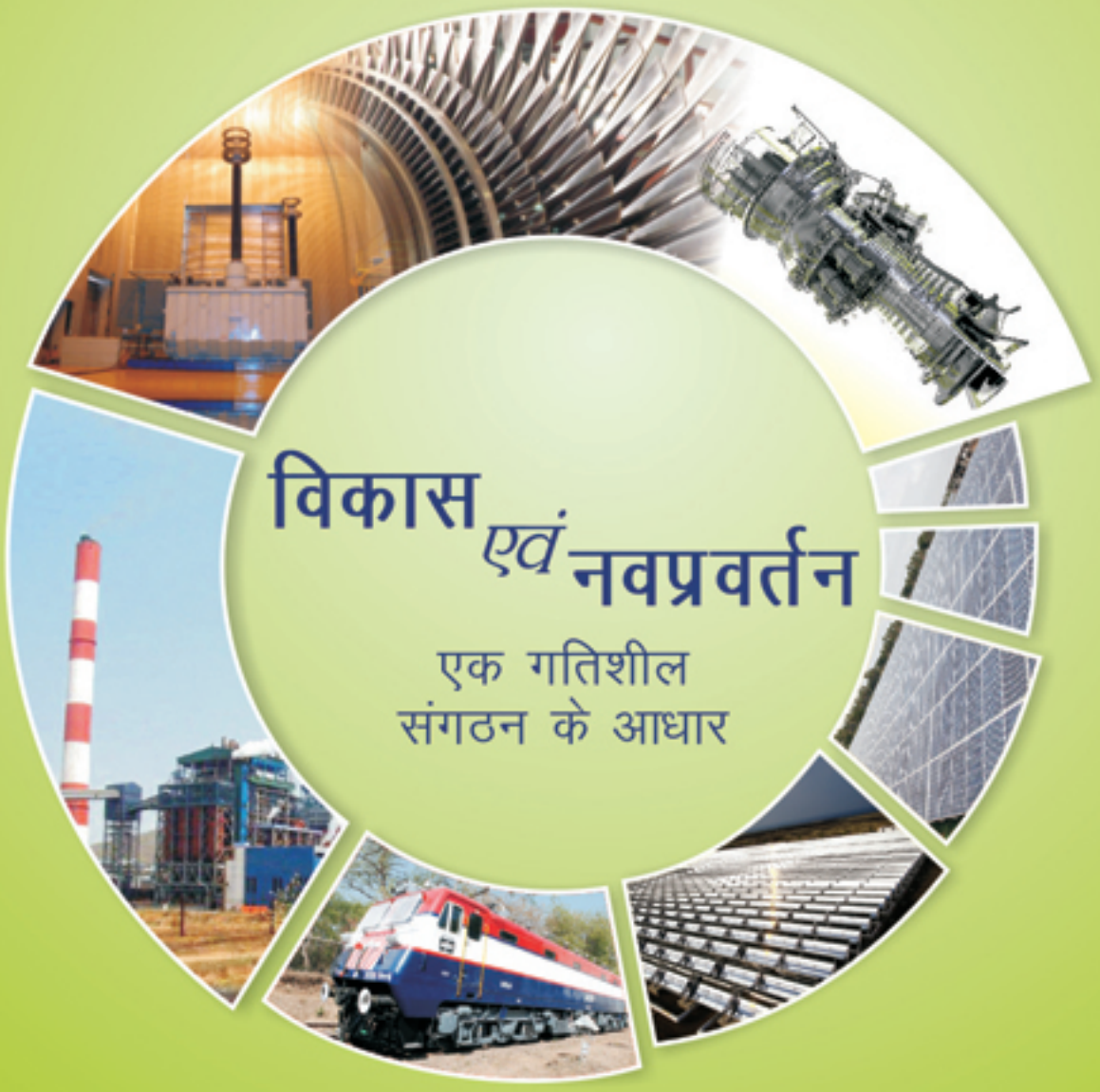

बी एच ई एल
BHEL

विकास एवं नवप्रवर्तन

एक गतिशील संगठन के आधार

वार्षिक रिपोर्ट
2011-12

विजन

बेहतर कल के लिए
समाधान प्रदान करने वाला वैश्विक
अभियांत्रिकी उद्यम

मिशन

ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी
ढांचे के क्षेत्र में संधारणीय व्यावसायिक
समाधान प्रदान करना

मूल्य

अभिशासन : हम अपने भौयरधारकों के निवे   ों के संरक्षक है इस दायित्व को अत्यंत गंभीरतापूर्वक निभाते है। हमसे जुड़े लोगों के जीवन को वि   िष्ट बनाने हेतु उत्तम परिणाम देने के लिए हम जिम्मेदार और जवाबदेह है।

सम्मान : हम प्रत्येक व्यक्ति के अद्वितीय योगदान को महत्व देते हैं। हम मानव प्रतिश्ठा के सम्मान में वि   वास करते हैं एवं पर्यावरण को संरक्षित रखने की आव   यकता का सम्मान करते हैं।

उत्कृष्टता : हम अपने हर कार्य को उत्कृष्टतापूर्वक करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

निष्ठा : हम अपने ग्राहक, कंपनी और एक दूसरे के प्रति निष्ठावान हैं।

सत्यनिष्ठा : हम उच्चतम नैतिक मानकों को कायम रखते हुए ईमानदारीपूर्ण, शालीन एवं निष्पक्ष व्यवहार करते हैं। हम उच्चतम स्तर की व्यक्तिगत और संस्थागत निष्ठा के प्रति समर्पित हैं।

प्रतिबद्धता : हम अपने लिए व्यक्तिगत रूप से एवं टीम के स्तर पर उच्च निष्पादन मानकों को स्थापित करते हैं। हम अपनी प्रतिबद्धताओं को समय पर पूरा करते हैं।

नवप्रवर्तन : हम नई प्रौद्योगिकियों और उत्पादों, उन्नत प्रक्रियाओं तथा बेहतर सेवाओं एवं प्रबंधन प्रणालियों को निरंतर प्रोत्साहित करते हैं।

टीम कार्य : हम अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम समाधान और सेवाएं प्रदान करने के लिए सामूहिक रूप से एक टीम भावना के साथ कार्य करते हैं। सभी पणधारियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों के द्वारा हम अपने ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान करते हैं।

विषय सूची

1. शेयरधारकों को पत्र 2
2. निदेशक मंडल 3
3. प्रबंध समिति 4
4. कॉर्पोरेट संगठनात्मक संरचना 6
5. कॉर्पोरेट रूपरेखा 8
6. वर्ष एक नजर में 16
7. पुरस्कार 19
8. निदेशकों की रिपोर्ट 20
   – प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण 27
   – निदेशकों का संक्षिप्त विवरण 62
   – कॉर्पोरेट अभिशासन 66
   – ऊर्जा संरक्षण 93
   – कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 212 के अनुसरण में विवरण 96
   – लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट 97
   – भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां 102
9. वार्षिक लेखे (स्टैण्डएलोन) 103
   – नकद प्रवाह विवरण और अुनसूचियों के साथ लेखापरीक्षित लेखे 105
   – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 122
10. सहायक कंपनियां 149
    भारत हेवी प्लेट एंड वैसल्स लिमिटेड
   – निदेशकों की रिपोर्ट 151
   – लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट 163
   – भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट 167
   – नकद प्रवाह विवरण और अनुसूचियों के साथ लेखापरीक्षित लेखे 168
   – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 185
    बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड
   – निदेशकों की रिपोर्ट 195
   – लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट 197
   – भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट 200
   – नकद प्रवाह विवरण और अनुसूचियों के साथ लेखापरीक्षित लेखे 201
   – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 211
11. समेकित वित्तीय विवरण 215
   – समेकित वित्तीय विवरण पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 217
   – नकद प्रवाह विवरण और अनुसूचियों के साथ लेखापरीक्षित लेखे 219
   – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां 235
12. स्टेकहोल्डरों के लिए अतिरिक्त सूचना 249
   – दस वर्षों का सार 251
   – अमरीकी जीएएपी के अधीन निवल आय 253
   – आर्थिक मूल्य वर्धन (ईवीए) 255
   – मूल्य वर्धन विवरण 256
   – कार्यनिष्पादन वार्षिक योजना 257
   – राजकोष में अंशदान 257
   – उत्पाद रूपरेखा 258
   – भारत में बीएचईएल 265
   – वैश्विक व्यापार 266
13. सूचना 268
14. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व 279

शेयरधारकों को पत्र

प्रिय शेयरधारकों,

2011–12 आपकी कंपनी बीएचईएल के लिए एक और सफलता का वर्ष रहा है। हमने कार्यनीतिक योजना 2007–12 में 2012 के लिए अपने द्वारा स्थापित किए गए महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा कर लिया है। हमारा कारोबार ₹ 49,510 करोड़ तक बढ़ गया, जबकि हमारा शुद्ध लाभ बढ़कर ₹ 7040 करोड़ हो गया जो कि एक नया रिकार्ड है। यह न केवल हमारे प्रमुख वित्तीय कार्य निष्पादन में संकेतकों में है कि हमने बीएचईएल में अधिक प्रगति की है; बल्कि हमने व्यवस्थित रूप से अपने नवप्रवर्तन और परियोजना निष्पादन क्षमताओं का विस्तार भी किया है।

मैं प्रारंभ में आपको कंपनी के कार्यनिष्पादन की संक्षिप्त जानकारी देना चाहता हूं और इसके बाद रणनीतिक संदर्भ के बारे में आपको अवगत कराऊंगा।

मुख्य निष्पादन संकेतक:

- बीएचईएल ने 2011–12 के दौरान अब तक का सबसे अधिक कारोबार और लाभ दर्ज़ किया है, और वह भी ऐसे समय में जब भारत में आर्थिक और व्यावसायिक वातावरण कुछ असहज बदलाव से गुज़र रहा था। ₹ 49,510 करोड़ के कारोबार और ₹ 7040 करोड़ के शुद्धलाभ के साथ आपकी कंपनी ने पूर्व के वर्षों के लिए वारंटी दायित्वों के लिए प्रावधानों से संबंधित नीति में 2010–11 में परिवर्तन के एक समय प्रभाव को छोड़कर, वर्ष 2010–11 में क्रमशः 19.9% और 24.3% की वृद्धि दर्ज़ की है।
- विद्युत क्षेत्र में ठहराव और घरेलू तथा विदेशी बाज़ारों में गहन प्रतिस्पर्धात्मक दबाव के बावजूद, बीएचईएल ने वर्ष के दौरान ₹ 22,096 करोड़ के आर्डर प्राप्त किए। वर्ष के अंत में 2012–13 के दौरान और आगे निष्पादन के लिए हाथ में संचयी आर्डर करीब ₹ 1,35,300 करोड़ के हैं।
- हमने अपनी निष्पादन क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि की हैं। इसके परिणामस्वरूप 11वीं योजना अवधि के दौरान बीएचईएल ने, 10वीं योजना अवधि में हासिल 13,613 मेगावाट यूटिलिटी सेटों के मुकाबले 25,385 मेगावाट यूटिलिटी सेटों को कमीशन किया है।
- बीएचईएल द्वारा आपूर्त यूटिलिटी सेटों की स्थापित क्षमता गत वर्ष के एक लाख मेगावाट से बढ़कर कुल 1,06,202 मेगावाट हो गई और देश की कुल स्थापित क्षमता 1,80,413 मेगावाट में कंपनी ने अपना अधिकतम हिस्सा बरकरार रखा है।
- 300 मेगावाट की नई रेटिंग के सेटों की शुरूआत की गई है। इससे सबक्रिटिकल रेंज के प्रस्तावों में हमारे थर्मल सेटों की श्रृंखला में वृद्धि हुई है।
- देश में पहली बार बीएचईएल ने न्यू रेटिंग 525 मेगावाट थर्मल सेट कमीशन किए गए।
- इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए कंपनी ने वर्ष के दौरान ₹ 1,198.82 करोड़ का निवेश किया और वर्ष के दौरान 351 पेटेंट फाइल किए। इससे हमें उभरते और वर्तमान क्षेत्रों में अपनी नवप्रवर्तन क्षमताओं के निर्माण और समेकन में सहायता मिली।
- बीएचईएल ने विनिर्माण क्षमताएं बढ़ाने और विनिर्माण इकाइयों तथा विद्युत परियोजना स्थलों पर सुविधाओं के आधुनिकीकरण में 2011–12 के दौरान ₹ 1,122 करोड़ का पूंजी निवेश किया। इसके साथ ही बीएचईएल ने 10वीं योजना में ₹ 1,092 करोड़ के मुकाबले छह गुणा वृद्धि के साथ 11वीं योजना अवधि में ₹ 6,298 करोड़ का पूंजी निवेश किया।
- प्रति शेयर आय (ईपीएस) ₹ 28.76 रही–शेयरों की संख्या के आधार पर पोस्ट स्पलिट पर 2010–11 के मुकाबले 24.3% वृद्धि दर्ज़ की गई।
- स्व– मूल्यांकन के आधार पर बीएचईएल को 2011–12 के लिए एमओयू मानदंड पर 'उत्कृष्ट' के रेटिंग की उम्मीद है।

भावी योजना:

- बीएचईएल ने अपनी स्ट्राटैजिक योजना 2012–17 तैयार की है। योजना का उद्देश्य आपकी कंपनी को एक वैश्विक इंजीनियरिंग उद्यम बनाने की दिशा में अग्रसर करना है। हमारी सफलता के प्रमुख संचालक हैं– ईपीसी क्षमता निर्माण से विद्युत क्षेत्र में अपने प्रस्ताव, औद्योगिक व्यवसाय पर फोकस, स्पेयर्स एवं सेवाओं का विस्तार तथा सहयोगात्मक दृष्टिकोण को अपनाना।
- विद्युत क्षेत्र हमारी सर्वोच्च पंक्ति में प्रमुख योगदानकर्ता बना रहेगा और साथ में परिवहन और ट्रांसमिशन अगले बड़े व्यवसायिक कार्यक्षेत्र होंगे। परमाणु, अक्षय ऊर्जा और जल खण्डों में अपने उपस्थिति को सुदृढ़ करने की रणनीति जारी है।
- हाल के वर्षों में बीएचईएल ने विनिर्माण क्षमता विस्तार के लिए महत्वपूर्ण निवेश किया है। हमने मजबूत विनिर्माण आधार के पूर्ण दोहन के लिए अपनी विनिर्माण मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।
- 'इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी' हमारी ताकत हैं। हमारी मुख्य क्षमता में उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, हम वर्तमान उत्पादों को समकालीन स्तरों तक उन्नत करने और लगातार घरेलू प्रयासों के साथ–साथ नई प्रौद्योगिकियों के अधिग्रहण के जरिए नए उत्पादों का विकास जारी रखेंगे।
- बीएचईएल ने पिछले पांच वर्षों के दौरान सभी स्तरों पर 20,000 से अधिक उच्च प्रतिभावान और सक्षम व्यक्तियों की भर्ती की है। लोगों को अपनी प्रतिस्पर्धा का प्रमुख स्रोत मानते हुए, हम न केवल प्रत्येक व्यक्ति की सक्षमता का बल्कि अपनी जारी व्यवसायिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यनिष्पादन और क्षमता का भी विकास कर रहे हैं।
- '6–बिंदु कार्यसूची' अर्थात सामर्थ्य में वृद्धि, त्वरित परियोजना निष्पादन, उत्पाद लागत प्रतिस्पर्धात्मकता एवं गुणवत्ता, विविधीकरण, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी तथा व्यक्ति विकास अपनी प्रतिस्पर्धी कंपनियों से आगे बने रहने के लिए हमें निष्पादन के लिए सतत् प्रेरित करते रहेंगे।
- चुनौतीपूर्ण व्यवसायिक वातावरण होने के बावजूद, हम 2017 तक 20 अरब अमरीकी डॉलर और 2022 तक 30 अरब अमरीकी डॉलर के स्तर पर पहुंचने की आशा रखते है।

निष्कर्ष

ये सभी सफलता की कहानियां 49,390 लोगों के मज़बूत कार्यबल पर टिकी हैं। हमारी कंपनी और इसके हितधारक उनके उत्साह और उनके उत्कृष्ट कौशल से लाभान्वित हुए हैं। मैं बोर्ड में अपने साथियों और भारत और विदेश में हमारे सभी कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

मैं अपने सम्मानित ग्राहकों, व्यावसायिक साथियों और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर भारी उद्योग विभाग का उनके विश्वास, समझ और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा।

मैं अपने शेयरधारकों का भी, बीएचईएल में उनके विश्वास के लिए, धन्यवाद करना चाहूंगा। 2011–12 बहुत ही कठिन वर्ष था, परंतु आपकी कंपनी अपने शानदार कार्यनिष्पादन को दोहराने में सक्षम थी। बीएचईएल का मज़बूत कार्य निष्पादन बोर्ड द्वारा वर्ष 2011–12 के लिए द्वारा यथा प्रस्तावित 184% के अंतिम लाभांश, पहले भुगतान किए गए 136% के अंतरिम लाभांश के अलावा, जो कि वर्ष के लिए कुल मिलाकर 320% हो जाता है, से भी प्रदर्शित होता है।

कठिन वातावरण में, हम इस बात के भरसक प्रयत्न करेंगे कि व्यवस्थित रूप से लाभ में वृद्धि जारी रखते हुए हम काम जारी रखें। 2012–13 बीएचईएल सहित भारतीय उद्योग के एक चुनौतीपूर्ण वर्ष बना रहेगा। फिर भी, मैं आश्वस्त हूं कि हमारी उद्योग स्थिति, उच्च इंजीनियरिंग कौशलों और मजबूत विनिर्माण आधार के साथ, अर्थात बीएचईएल अपने प्रतियोगियों के मुकाबले अधिक कार्यनिश्पादन जारी रख सकेगा।

बीएचईएल में, हमारे लिए वास्तव में यह महत्व रखता है कि विश्वभर में हम अपने ग्राहकों, कर्मचारियों और हितधारकों को संतुष्ट कर सकते हैं; अपने उपस्करों और सेवाओं को अधिक ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रौद्योगिकियों की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं; हम अपने ग्राहकों को सतत व्यवसाय समाधान उपलब्ध कराएं; और, हम शिक्षा, पर्यावरण तथा एक ज़िम्मेदार समाज के प्रति अपनी व्यापक वचनबद्धता को जारी रख सकते हैं। यह हमारी रणनीति 2017 के प्रमुख घटक हैं। क्योंकि हमें विश्वास है कि यही एक मार्ग है जिसके जरिए आपकी कंपनी बीएचईएल सतत और लाभपरकता के साथ विकास कर सकती है। इसलिए यह हर तरह से वैश्विक इंजीनियरिंग उद्यम बनने की प्रक्रिया का एक अभिन्न हिस्सा है।

मैं आपके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन की आशा करता हूं। आने वाले वर्षों में स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्य वृद्धि हेतु विकास की गति बनाए रखने के लिए हमारे प्रयासों की गति जारी रहेगी।

शवबीपी

नई दिल्ली
13 अगस्त, 2012

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निदेशक मंडल दिनांक 07.08.2012 की यथास्थिति

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री विजय एस. मदान
अपर सचिव एवं
वित्तीय सलाहकार

श्री अम्बुज शर्मा
संयुक्त सचिव

श्री वी.के. जयरथ
निदेशक

श्री त्रिम्बकदास एस. जंवर
निदेशक

श्री एस. रवि
निदेशक

श्री अतुल सराया
निदेशक (पावर)

श्री ओ.पी. भुटानी
निदेशक (ई,आरएंडडी)

श्री एम.के. दुबे
निदेशक (आईएसएंडपी)

श्री पी.के. बाजपेई
निदेशक (वित्त)

श्री आर. कृष्णन
निदेशक (मा.सं.)

श्री आई.पी. सिंह
कंपनी सचिव

प्रबंध समिति

दिनांक 18.07.2012 की यथास्थिति

खड़े हुए (बांए से दाएं) : एस. वी. एस. नारायण, डॉ. एस. शेखर, ए. के. घोष, राजीव पुरी, एस. गोपीनाथ. के. सी. राममूर्ति, एस. सी. मित्तल, डा. सुकुल लोमश, अनिल आहुजा, एन. के. बंसल, अतुल सोबती, के. एस. माथुर, सी. के. श्रीखण्डे, ए. के. दवे, उमेश माथुर, राजीव हजेला, यू. एन. सिंह

बैठे हुए दूसरी पंक्ति में (बांए से दाएं): विजय कुमार, ए. दासगुप्ता, डब्ल्यू. वी. के. कृष्णा शंकर, एस. एस. गुप्ता, टी. एन. वीरराघवन, बी. शंकर, जैनेंद्र कुमार, सुबोध गुप्ता, डी. अशोक, पी. के. उप्पल, एम. राजीव कुमार, आर. के. वांचू, यू. के. दास, एस. गोपालाकृष्णन

बैठे हुए पहली पंक्ति में (बांए से दाएं): ए. वी. कृष्णन, आर. कृष्णन, एम. के. दुबे, अतुल सराया, बी. प्रसाद राव, ओ. पी. भूटानी, पी. के. बाजपेई, वी. पांधी, एस. एम. तालुकदार

बी. प्रसाद राव	– अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल सराया	– पावर सेक्टर व्यवसाय (विपणन, परियोजना इंजीनियरिंग, ईएंडसी, परियोजना प्रबंधन, तकनीकी सेवाएं, स्पेयर्स एवं सर्विसिज)
ओ. पी. भूटानी	– इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास – कार्पोरेट इंजीनियरिंग एवं उत्पाद विकास – कार्पोरेट अनुसंधान एवं विकास – उन्नत अनुसंधान परियोजनाएं – कार्पोरेट विनिर्माण प्रौद्योगिकी एवं निवेश नियोजन – कार्पोरेट मानीटरिंग – कार्पोरेट सामग्री प्रबंधन – प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग और संयुक्त उद्यम तथा एम एंड ए – केंद्रीयकृत स्टैंपिंग यूनिट एवं फैब्रीकेशन प्लांट
एम. के. दुबे	– औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद व्यवसाय (कैप्टिव विद्युत संयंत्र, ट्रांसमिशन, परिवहन, रक्षा, मकैनिकल, इलेक्ट्रिकल्स, परियोजना प्रबंधन) – सेरामिक व्यवसाय – कम्पोनेंट फेब्रीकेशन संयंत्र – परियोजना इंजिनियरी एवं प्रणाली विभाग – क्षेत्रीय प्रचालन प्रभाग
पी. के. बाजपेई	– कॉर्पोरेट वित्त – बजटिंग एवं नियंत्रण – लागत प्रबंधन – राजकोष प्रबंधन – लेखा एवं लेखापरीक्षा – कराधान – विदेशी मुद्रा प्रबंधन – आंतरिक लेखा परीक्षा – वित्तीय सेवाएं
आर. कृष्णन	– मानव संसाधन – कार्पोरेट संचार – कार्पोरेट प्रणाली एवं सूचना प्रौद्योगिकी – सीएसआर, स्वास्थ्य, संरक्षा एवं पर्यावरण
वी. पांधी	– भारी विद्युत उपस्कर संयंत्र – प्रदूषण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान
ए. वी. कृष्णन	– हाई प्रेशर बॉयलर संयंत्र – सीमलैस स्टील ट्यूब संयंत्र – औद्योगिक वाल्व संयंत्र – वेल्डिंग अनुसंधान संस्थान
एस. गोपालाकृष्णन	– पावर सेक्टर विपणन – थर्मल एवं गैस
यू. के. दास	– स्पेयर्स एवं सर्विसिज बिजनेस – भारी उपस्कर मरम्मत संयंत्र
आर. के. वांचू	– भारी विद्युत उपकरण संयंत्र
एम. राजीव कुमार	– पावर सेक्टर – पूर्वी क्षेत्र
पी. के. उप्पल	– अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन
डी. अशोक	– सिरामिक बिजनेस
सुबोध गुप्ता	– कैप्टिव पावर प्लांट बिजनेस – रक्षा व्यवसाय – अक्षय ऊर्जा – उद्योग क्षेत्र–परियोजना प्रबंधन
जैनेंद्र कुमार	– पावर सेक्टर – परियोजना प्रबंधन
बी. शंकर	– मानव संसाधन एवं कार्पोरेट संचार
टी. एन. वीरराघवन	– बायलर सहायक उपकरण संयंत्र
एस. एस. गुप्ता	– भारी विद्युत संयंत्र – इलेक्ट्रिकल मशीन मरम्मत संयंत्र
डब्ल्यू. वी. के. कृष्णा शंकर	– कार्पोरेट नियोजना एवं विकास – सदस्य सचिव, प्रबंधन समिति एवं सचिव कार्यकारी निदेशकों की समिति
ए. दासगुप्ता	– कार्पोरेट प्रणाली एवं सूचना प्रौद्योगिकी
एस. एम. तालुकदार	– विशेष कार्याधिकारी–कार्पोरेट कार्यालय
विजय कुमार	– कार्पोरेट गुणवत्ता – कांट्रैक्ट क्लोजिंग – केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी
राजीव हजेला	– प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग एवं संयुक्त उद्यम – विलयन एवं अधिग्रहण
उमेश माथुर	– ट्रांसमिशन व्यवसाय
ए. के. दवे	– ट्रांसफार्मर संयंत्र
यू. एन. सिंह	– औद्योगिक प्रणाली समूह
सी. के. श्रीखण्डे	– पावर सेक्टर–उत्तरी क्षेत्र
के. एस. माथुर	– पावर सेक्टर–पश्चिमी क्षेत्र
अतुल सोबती	– परियोजना इंजीनियरिंग एवं प्रणाली प्रभाग
एन. के. बंसल	– पावर सेक्टर–तकनीकी सेवाएं
अनिल आहुजा	– औद्योगिक उत्पादन व्यवसाय (इले. एवं मैके.) – परिवहन व्यवसाय
सुकुल लोमश	– केंद्रीयकृत स्टैंपिंग यूनिट – फैब्रीकेशन संयंत्र
एस. सी. मित्तल	– वित्त–वसूली प्रबंधन
के. सी. राममूर्ति	– इलेक्ट्रानिक्स प्रभाग – इलेक्ट्रानिक्स प्रणाली प्रभाग
एस. गोपीनाथ	– पाइपिंग सेंटर – पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट, तिरूमयम
राजीव पुरी	– परियोजना इंजीनियरिंग प्रबंधन

स्थाई रूप से आमंत्रित

ए. के. घोष	– पावर सेक्टर–दक्षिणी क्षेत्र
डा. एस. शेखर	– कार्पोरेट अनुसंधान एवं विकास
एस. वी. एस. नारायण	– केंद्रीय फाउंड्री फोर्ज़ संयंत्र

कॉर्पोरेट संगठनात्मक संरचना

(25.07.2012 की यथास्थिति)

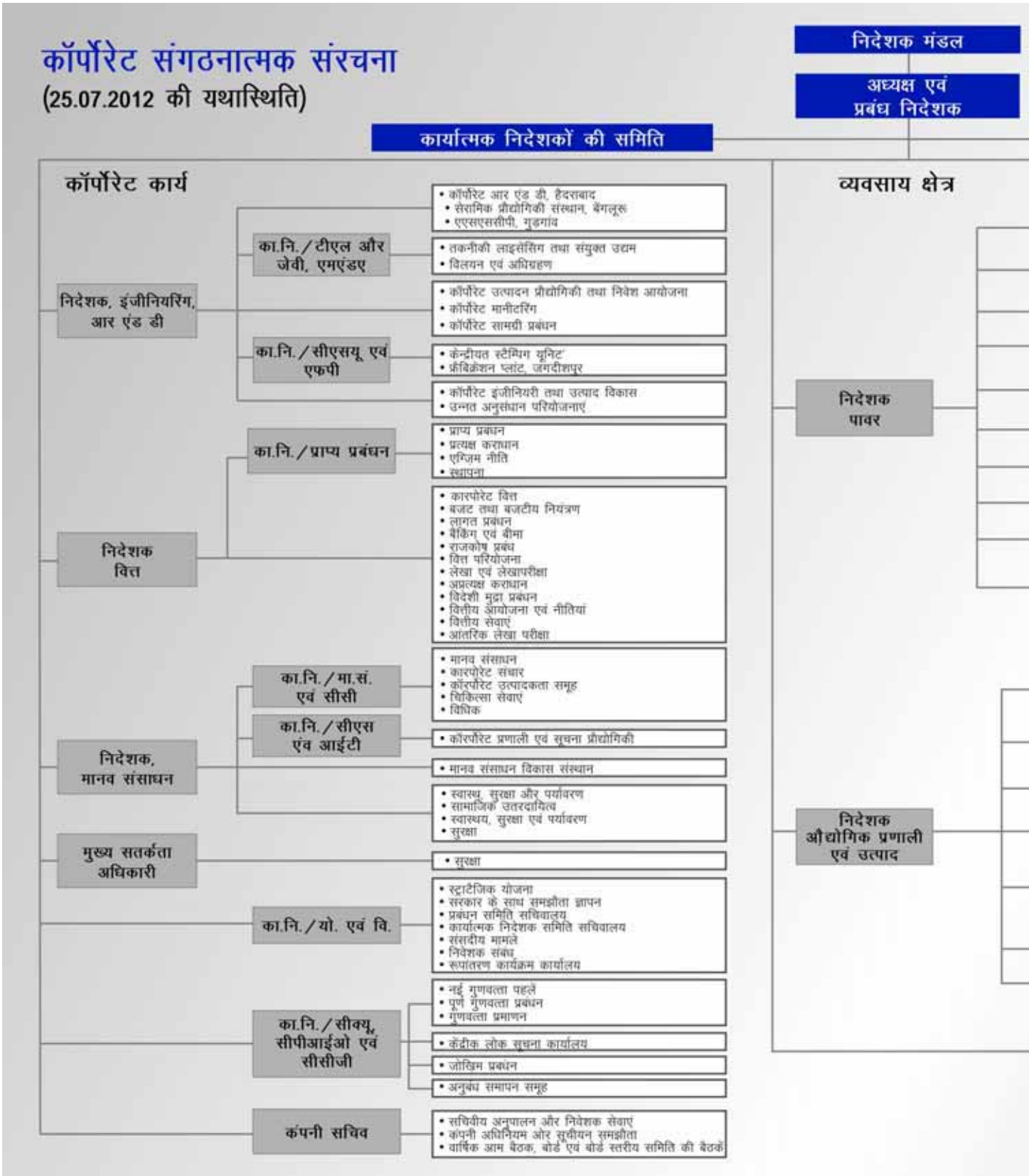

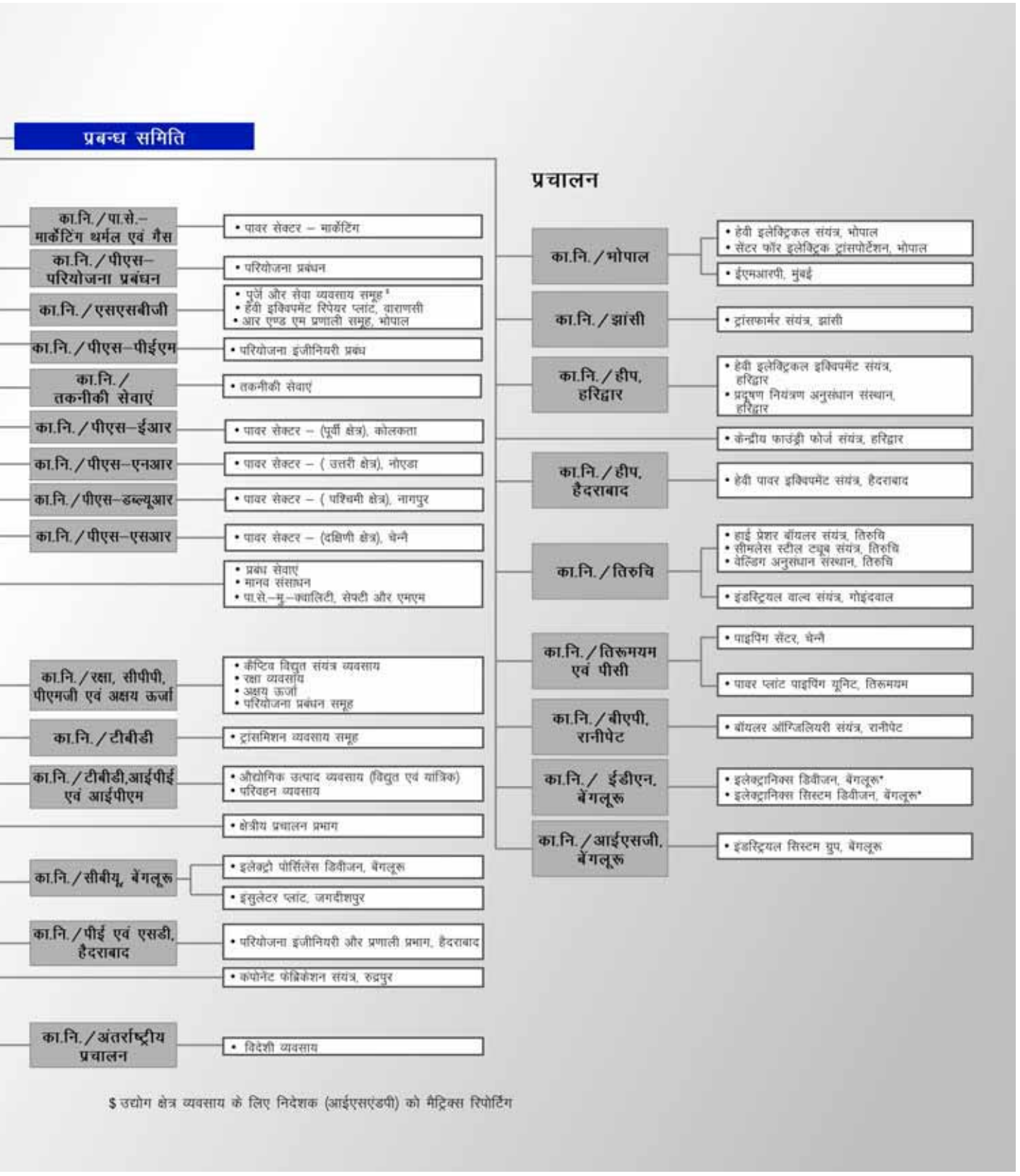

$ उद्योग क्षेत्र व्यवसाय के लिए निदेशक (आईएसएंडपी) को मैट्रिक्स रिपोर्टिंग

कॉर्पोरेट रूपरेखा

बीएचईएल कारोबार की दृष्टि से भारत में एक समन्वित विद्युत संयंत्र उपस्कर विनिर्माता और सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों में से एक है। 1964 में स्थापित, बीएचईएल भारत में स्वदेशी भारी विद्युत उपस्कर उद्योग का अग्रणी बना हुआ है–एक ऐसा स्वप्न जो कि कार्यनिष्पादन के एक सुव्यवस्थित ट्रैक रिकार्ड के साथ स्पष्ट अनुभूति के साथ चरितार्थ हुआ है। कंपनी 1971–72 से लेकर लगातार लाभ अर्जित कर रही है और 1976–77 से लाभांश का भुगतान कर रही है। बीएचईएल अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों अर्थात विद्युत, पारेषण, उद्योग, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस और रक्षा आदि के लिए व्यापक शृंखला के उत्पादों और सेवाओं के डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग और सर्विसिंग में संलग्न है। कंपनी के 15 विनिर्माण प्रभाग, दो मरम्मत इकाइयां, चार क्षेत्रीय कार्यालय, आठ सेवा केंद्र, आठ विदेशी कार्यालय और 15 क्षेत्रीय केंद्र तथा वर्तमान में भारत और विदेश में 150 से अधिक परियोजना स्थल संचालित हैं। कंपनी का नवप्रवर्तन और नई प्रौद्योगिकियों के सृजनात्मक विकास पर मुख्य ज़ोर है। कंपनी ने 20000 मेगावाट प्रति वर्ष के विद्युत उपस्करों की सुपुर्दगी की क्षमता प्राप्त कर ली है, जिससे विद्युत उत्पादन उपस्करों के लिए बढ़ती मांग को पूरी करने में मदद मिली है। हमारे अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) प्रयासों का उद्देश्य न केवल अपने वर्तमान उत्पादों के कार्यनिष्पादन और दक्षता में सुधार लाना है बल्कि नए उत्पादों के विकास के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं का इस्तेमाल करना भी है। यह हमें एक मज़बूत ग्राहक उन्मुखीकरण के लिए सक्षम बनाता है जिससे कि हम उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता तथा बाज़ार में आने वाले परिवर्तनों के अनुसार तेज़ी से काम करें।

हमारे उत्पादों की उच्चस्तरीय गुणवत्ता और विश्वसनीयता अपने स्वयं के आरएंडडी केंद्रो में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों के साथ–साथ जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी, अल्स्टाम एसए, सीमैन्स एजी और मित्सुबिशि हेवी इंडस्ट्रीज लिमि. सहित विश्व की प्रमुख कंपनियों से कुछेक श्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों के प्रापण और अनुकूलन से अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के कारण बनी हुई है।

हमारी अधिकांश विनिर्माण इकाइयों और अन्य संस्थानों को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 9001:2008), पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 14001:2004) और ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम्स (ओएचएसएएस 18001:2007) से मान्यता प्राप्त है। बीएचईएल, जहां आईएओ–9000 के अनुरूप गुणवत्ता प्रणालियों ने जड़ें गहरी कर ली हैं, 2011–12 के दौरान इसकी तीन विनिर्माण इकाइयों और एक पावर सेक्टर–क्षेत्र के लिए 'टीक्यूएम में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति–पत्र' अर्जित करके सीआईआई एग्जिम अवार्ड स्कीम फॉर बिजनेस एक्सीलेंस में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए, कंपनी को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें औद्योगिक क्षेत्र में सर्वोच्च कार्यनिष्पादन करने वाला केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम के तौर पर ''एमओयू एक्सीलेंस अवार्ड 2009–10; 'अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी विकास और अभिनवता के लिए स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार,; 'लगातार दूसरे वर्ष के लिए एनडीटीवी प्रोफिट बिजनेस लीडरशिप अवार्ड; 'गोल्डन पीकॉक अवार्ड फार आक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी 2011' तथा 'गोल्डन पीकॉक आवाड फार इनोवेशन मैनेजमेंट 2011' शामिल हैं। इसके साथ ही तीन गुणता चक्रों ने योकोहामा, जापान में आयोजित इंटरनेशनल क्वालिटी सर्कल कान्फ्रेंस (आईसीक्यूसीसी–2011) में मामला अध्ययन के लिए स्वर्ण पदक और 8 प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार जीते हैं जिनमें दो श्रम भूषण तथा 5 विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

उत्तरी चेन्नै टीपीएस हेतु भेजा गया 600 मेगावाट क्षमता का टरबो जनरेटर

2x660 मेगावाट बाढ़ सुपरक्रिटिकल पावर परियोजना बीएचईएल के निष्पादनाधीन

बीएचईएल द्वारा जीएसईजीएल, हज़ीरा के लिए 351 मेगावाट सीसीपीपी को कमीशन किया गया।

हरिद्वार एवं तिरूचि इकाइयों और पावर सेक्टर पूर्वी क्षेत्र ने, पिछले सर्वेक्षण के बाद कंपनी की गुणवत्ता के प्रति सतत कटिबद्धता के अनुरूप 2011–12 में संचालित ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण के अनुसार ग्राहक संतुष्टि सूचकांक में क्रमशः 5.26%, 5.19% और 7.14 % का सुधार दर्ज़ किया है। लागत प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिये जाने के प्रयासों के भाग के रूप में कंपनी ने प्रक्रिया सुधार एवं लागत कटौती के संबंध 32 मामलों का अध्ययन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

विद्युत उत्पादन:

विद्युत उत्पादन खंड में बीएचईएल थर्मल, न्यूक्लियर, गैस एवं हाइड्रो आधारित यूटिलिटी तथा कैप्टिव विद्युत संयंत्रों हेतु उत्पादों एवं प्रणालियों की व्यापक श्रृंखला की आपूर्ति में भारत का सबसे बड़ा निर्माता है। बीएचईएल के पास संकल्पना से कमीशनिंग तक विद्युत परियोजनाओं को निश्पादित करने की सिद्ध टर्नकी/ईपीसी आधारित क्षमताएं हैं। बीएचईएल 800 मेगावाट तक की स्टील टरबाइनों, जनरेटरों, बॉयलरों और उसके अनुरूप आग्जिलिमरों के साथ–साथ सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी पर आधारित 600/700/800 मेगावाट के सेटों की भी आपूर्ति करता है। बीएचईएल के पास 1000 मेगावाट यूनिट आकार तक जाने की सुविधा है। भारत में उपलब्ध उच्च राख तत्व वाले कोयले का कुषल उपयोग करने के लिए बीएचईएल थर्मल संयंत्रों के लिए सर्कुलेटिंग फ्ल्युडाइल्ड बैड कम्ब्युशंस (सीएफबीसी) बॉयलरों की भी आपूर्ति करता है। बीएचईएल अकेली भारतीय कंपनी है जो बड़े आकार के गैस आधारित संयंत्र बनाती है, जिसमें ओपन एवं कंबाइंड प्रचालनों के लिए 289 मेगावाट (आईएसओ) तक की उन्नत श्रेणी की गैस टरबाइनें शामिल हैं। बीएचईएल कस्टम–निर्मित हाइड्रो विद्युत उपस्करों की इंजीनियरी और उनका निर्माण करते हैं। इसकी श्रृंखला में फ्रांसिस, पेल्टन और कप्लान रनर्स टरबाइनें, पंप टरबाइनें, बल्ब टरबाइनें तथा मिनी–माइक्रो हाइड्रो संयंत्र तथा विभिन्न हैड–डिस्चार्ज मिश्रणों के लिए इसके अनुरूप जनरेटर शामिल है। बढ़ाई गई क्षमता की प्राप्ति के साथ, कंपनी देश में विद्युत संयंत्र उपकरणों के लिए बढ़ती मांग को पूरा करने की अच्छी स्थिति में है।

बीएचईएल विश्व की कुछेक कंपनियों में से एक है जो इंटिग्रेटिड गैसीफिकेशन कंबाइंड साइकिल (आईजीसीसी) प्रौद्योगिकी के विकास में लगी हुई है, इससे स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी का विकास होगा।

31.03.2012 को देश भर में यूटिलिटी सेक्टर में 1,80,000 मेगावाट की स्थापित क्षमता में बीएचईएल द्वारा निर्मित सेट 59 प्रतिशत है और इन सेटों ने 2011–12 के दौरान उत्पादित बिजली में 69 प्रतिशत का योगदान किया है। 11वीं योजना अवधि के दौरान, बीएचईएल ने 25,385 मेगावाट के यूटिलिटी सेट कमीशन किए हैं जो कि 10वीं योजना अवधि के दौरान प्रदान किए सेटों की दोगुणा हैं। गौरतलब है कि देश के विभिन्न केंद्रो पर ताप और जल विद्युत इकाइयों वाली 1625 मेगावाट की संचयी क्षमता के साथ 2011–12 के दौरान ऐतिहासिक उपलब्धि रही है। वर्ष के दौरान एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि पूर्ववर्ती सर्वोच्च 8 सेटों के मुकाबले 500 मेगावाट के 13 सेटों की कमीशनिंग करनी रही।

उद्योग

बीएचईएल कैप्टिव/औद्योगिक विद्युत यूटिलिटीज के अलावा धातुकर्मीय, खान, सीमेंट, कागज, उर्वरक, रिफाइनरी एवं पेट्रो–रसायन आदि कई उद्योगों की मांग को पूरा करने के लिए विविध औद्योगिक प्रणालियों एवं उत्पादों का अग्रणी निर्माता है। बीएचईएल विद्युत यूटिलिटीज को छोड़कर कई उद्योगों को प्रणालियां एवं उत्पाद सहित सेंट्रीफ्यूगल कम्प्रैसर, ड्राइव टरबाइन, औद्योगिक बॉयलर एवं आक्जलरी, वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलर, गैस टरबाइन, पंप, हीट एक्सचेंजर, विद्युत मशीनें, वाल्व, हेवी कास्टिंग एवं फोर्सिंग, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रीसिपीटेटर, आईडी, एफडी फैन सीमलैस स्टील ट्यूबों आदि की आपूर्ति की है। बीएचईएल कंट्रोल्स एवं इंस्ट्रुमेंटेशन प्रणाली विषेशकर विभिन्न विद्युत संयंत्रों एवं उद्योंगों के लिए वितरित डिजीटल कंट्रोल प्रणाली के मुख्य आपूर्तिकर्ता के रूप में भी उभरा है। कंपनी का उद्योग व्यवयाय संकल्पना से कमीशनिंग तक कैप्टिव विद्युत संयंत्रों हेतु ईपीसी संविदाओं को निष्पादित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

परिवहन

भारतीय रेलवे की अधिकतम रेलों में, चाहे इलेक्ट्रिक या डीजल पावर से चलती हों, बीएचईएल की ट्रेक्शन प्रोपल्शन प्रणाली एवं कंट्रोल्स लगे हुए हैं। रेंज में ट्रैक्शन मोटर्स, ट्रैक्शन जनरेटर्स/अल्टरनेटर्स, ट्रांसफार्मर, उपकेंद्र उपकरण, वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स, लोकोमोटिव बोगियां, समूथनिंग रिएक्टर्स, एक्साइटर्स, कन्वर्टर्स, इन्वर्टर्स, चोपर्स और संबद्ध नियंत्रण उपकरण, जैसे कि मास्टर कंट्रोलर्स, चोपर कंट्रोलर्स, ब्रेक और डोर उपकरण, इलेक्ट्रानिक कंट्रोल्स–साफ्टवेयर आधारित कंट्रोल्स सहित जो कि रोलिंग स्टॉक और अन्य परिवहन अनुप्रयोगों से जुड़े हैं, शामिल हैं। सप्लाई की गई प्रणालियों में पारंपरिक डीजी तथा आधुनिकतम एसी ड्राइव्स शामिल हैं। भारत की पहली भूमिगत मेट्रो कोलकाता में बीएचईएल द्वारा सप्लाई किए गए ड्राइव्स और कंट्रोल्स पर चलती है।

लगभग सभी ईएमयू में बीएचईएल द्वारा निर्मित एवं सप्लाई किए गए इलेक्ट्रिकल्स लगे हुए हैं। बीएचईएल ने एसी ड्राइव्स के लिए ऊर्जा कुशल आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन प्रणाली का घरेलू उत्पादन के रूप में स्वयं को सफलतापूर्वक स्थापित करके फिर से अपनी क्षमता और प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता को साबित किया है, जो परिवहन सेक्टर में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। बीएचईएल ने इंडियन रेलवे हेतु ट्रैक रखरखाव, मशीनों तथा कोच निर्माण में भी विविधीकरण किया है और यह रोलिंग स्टॉक की रेट्रोफिटिंग एवं ओवरहालिंग का भी काम करता है। भारतीय रेलवे की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए झांसी में लोको निर्माण क्षमता में विस्तार प्रगति पर है।

अक्षय ऊर्जा

पर्यावरण हेतु अपने सरोकार के अनुरूप बीएचईएल संधारणीय आधार पर अक्षय ऊर्जा आधारित उत्पादों के विकास एवं संवर्धन हेतु राष्ट्रीय प्रयास में योगदान कर रहा है। सौर ऊर्जा चालित स्ट्रीट लाइटिंग, ग्रामीण जल पंपिंग प्रणाली, रेलवे सिग्नलिंग, ऑफशोर ड्रिलिंग प्लेटफार्म जैसे छोटे उपयोग से लेकर बीएचईएल ने बड़े आकार के स्टैंड एलोन तथा ग्रिड इंटरएक्टिव सौर विद्युत

इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव (25 केवी एसी, टाइप डब्ल्यूएजी 7)

लक्षद्वीप में बीएचईएल द्वारा देश का सबसे बड़ा 760 केडब्ल्यूपी क्षमता का डीजल ग्रिड–इंटरेक्टिव सोलर पावर प्लांट कमिशन किया गया ।

संयंत्र देश के कई शहरों एवं दूरस्थ इलाकों में कमीशन किए हैं। ग्रिड संबद्ध सौर विद्युत राष्ट्रीय सौर मिशन के प्रस्तावित 20,000 मेगावाट लक्ष्य के एक अहम् भूमिका निभाने के लिए बीएचईएल ने सघनीकृत सौर थर्मल विद्युत (सीएसपी) क्षेत्रों में, ईपीसी समाधान प्रदान करने में सौर परियोजनाओं मं अग्रणी एबेनगोआ, स्पेन के साथ एक करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। देश भर में 15 एमडब्ल्यूपी ग्रिड इंटरेक्टिव सोलर फोटो वोल्टेईक (एसपीवी) संयंत्रों की संस्थापना से एक नया रिकार्ड स्थापित किया गया है। जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन के संदर्भ में बीएचईएल लक्षद्वीप के विभिन्न द्वपों में एसपीवी संयंत्रों (कुल 2.15 एमडब्ल्यूपी) के नवीनीकरण और प्रचालन तथा अनुरक्षण के लिए आर्डर्स का निष्पादन कर रहा है।

तेल एंव गैस

बीएचईएल के पास भारतीय स्थितियों के अनुकूल विभिन्न प्रकार की ऑनशोर रिगों के डिजाइन, निर्माण एवं सेवा की विशेषता उपलब्ध है। उपस्कारों की श्रृंखला में ऑनशोर डील ड्रिलिंग रिग, सुपर डीप ड्रिलिंग रिग, हेली रिग, वर्क ओवर रिग, मोबाइल रिग और डेजर्स रिग तथा इसके अनुरूप ड्रावर्क्स एवं हायस्टिंग उपस्कर शामिल है। बीएचईएल के पास अब 9,000 मीटर तक की गहराई की ऑनशोर डीप ड्रिलिंग, 3,000 मीटर की गहराई की मोबाइल रिग तथा 6100 मीटर तक के गहरे कुंओं के लिए वेल सर्विसिंग रिग बनाने की क्षमता है। कंपनी ऑनशोर उपयोग के लिए पर्यावरणनुकूल एसी प्रौद्योगिकी आधारित ऑयल रिगों का निर्माण करने की प्रक्रिया में है।

बीएचईएल ऑनशोर ड्रिलिंग रिग उपस्कर जैसे ड्रा वर्क्स, रेटेरी–टेबल, ट्रेवलिंग ब्लॉक स्विवेल, मास्ट एवं सब स्ट्रक्चर, मड सिस्टम, एवं रिग इलेक्ट्रिक्स, ऑनशोर तथा ऑफशोर उपयोग के लिए 10,000 पीएसआई रेटिंग के वेल हेड्स एवं एक्स–मैस ट्री की आपूर्ति ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लि. और निजी ड्रिलिंग कंपनियों को कर रही है।

ट्रांसमिशन

बीएचईएल की भारत में विद्युत ट्रांसमिशन के क्षेत्र में ट्रांसमिशन प्रणाली एवं उत्पादों की व्यापक श्रृंखला के साथ एक मजबूत स्थिति है। बीएचईएल द्वारा निर्मित उत्पादों में पावर ट्रांसफार्मर,

बीएचईएल द्वारा दुर्गापुर में टर्नकी आधार पर 400 केवी सब स्टेशन की स्थापना की गई

इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफार्मर, ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर, शंट रिएक्टर वैक्यूम एवं एसएफ 6 स्विचगीयर, गैस इंसुलेटिड स्विचगीयर, सेरामिक इंसुलेटर आदि शामिल हैं। प्रमुख महत्वपूर्ण हार्डवेयर जैसे कैपीसिटर बैंक, सर्किट ब्रेकर, कंट्रोल एवं रक्षात्मक उपस्कर तथा थाईरिस्टर वाल्व इसकी निर्माण श्रृंखला में हैं।

बीएचईएल ने पीजीसीआईएल के 1200 केवी राष्ट्रीय प्रायौगिक उप केंद्र पर 1200 केवी 33 एमवीए रेटिंग के भारत के उच्चतम वाल्टेज विद्युत ट्रांसफार्मर का सफलतापूर्वक डिजाइन, विनिर्माण और कमीशन किया है। एकल फेस इंटरकनेक्टिंग ट्रांसफार्मर को स्वदेशी इंजीनियरिंग और विनिर्माण प्रौद्योगिकी के साथ विकसित और विनिर्मित किया गया है। बीएचईएल उत्तर–पूर्व और आगरा के बीच विश्व का पहला +800केवी 6,000 मेगावाट अल्ट्रा हाई वाल्टेज मल्टी–टर्मिनल डीसी ट्रांसमिशन लिंक निष्पादित कर रहा रहा है। कंपनी ने स्वदेशी विकसित 36केवी और 145 केवी गैस इंसुलेटिड सबस्टेशनों (जीआईएस) की कमीशनिंग के अलावा पहले 765 केवी 80 एमवीएआर एकल फेस शंट रिएक्टर का विकास किया है और वह 15 एमवीए, 33/6.9 रेटिंग के सबसे बड़े प्राकृतिक वायु कूलित ड्राई टाइप कास्ट रेसिन 3–फेस, 50 हर्टज ट्रांसफार्मर के विनिर्माता के रूप में उभरा है। बीएचईएल के पास पावर सिस्टम स्टडीज एवं संभाव्यता अध्ययन अवधि के संबंधित डिजाइन एवं उपयोग हेतु विशेषज्ञता तथा व्यापक ऑन–दी–जॉब एक्सपोजर है। कंपनी फिक्स्ड सीरीज कंपसेशन/कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर स्कीमों की संभाव्यता/सिस्टम अध्ययन, निष्पादन एवं कमीशनिंग की पूरी परियोजना की जिम्मेदारी लेती है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

बीएचईएल ने बीते वर्षों में विश्व के सभी भागों में 75 देशों में अपने संपर्क स्थापित किए हैं। इन संदर्भों में बीएचईएल उत्पादों और सेवाओं की लगभग सभी रेंज शामिल हैं, जो कि थर्मल, हाइड्रो और गैस आधारित टर्नकी विद्युत परियोजनाओं, उपकेंद्र परियोजनाओं, पुनर्वास परियोजनाओं से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त ट्रासफार्मर, कम्प्रेशर, वाल्व, आयल फील्ड उपकरण, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर्स, फोटोवालटियक उपकरण, इंसुलेटर, हीट एक्सचेंजर, स्विचगियर, कास्टिंग और फोर्जिंग आदि उत्पादों की विभिन्न किस्में हैं।

कंपनी कार्य की जटिलता के साथ–साथ प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता और अन्य अपेक्षाओं के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की अपेक्षाओं को पूरा करने में सफल रही है। बीएचईएल ने फास्ट ट्रैक आधार पर परियोजनाएं संचालित करने की क्षमता को सिद्ध किया है। बिक्री उपरांत सेवाओं पर निरंतर फ़ोकस से इंडोनेशिया, भूटान, ओमान, मलेशिया, बंगलादेश, वियतनाम, श्रीलंका, सऊदी अरब और यूएई से 2011–12 के दौरान आर्डर प्राप्त हुए हैं। स्वयं इसके द्वारा टर्नकी परियोजनाएं संचालित करने के अलावा बीएचईएल के पास बड़ी परियोजनाओं के लिए अन्य अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के साथ इंटरफेस एवं सहायता के लिए अपेक्षित लचीलापन भी है, साथ ही इसने इंटरमीडिएट उत्पादों के निर्माण एवं आपूर्ति में अनुकूलता भी दर्शाई है। कंपनी अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय को और बढ़ाने के लिए कई रणनीतिक व्यावसायिक पहल कर रही है, जिनसे विदेशी बाजारों में सौर तथा संबद्ध परियोजनाओं एवं उपस्करों तथा ट्रांसमिशन एवं वितरण के क्षेत्र में अवसरों की खोज करना शामिल है।

हाल के दिनों में अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में, विशेषकर यूरो क्षेत्र में बने अनिश्चितता के वातावरण ने भी बीएचईएल की व्यवसायिक संभावनाओं को प्रभावित किया है। यूरोप में व्यापक रूप से फैली वित्तीय अस्थिरता और मध्य पूर्व तथा उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) में राजनीतिक उथल–पुथल से वित्तीय समझौतों और परियोजना फाइनेंसिंग में देरी हुई जिसके परिणामस्वरूप नई परियोजनाओं को अंतिम रूप देने के कार्य स्थगित करने पड़े। इन स्थितियों के बावजूद बीएचईएल 2011–12 के दौरान विश्व में 21 देशों में अपने पैर जमाने में कामयाब रही। कंपनी ने विदेशी बाजारों में अपने उत्पादों एवं सेवाओं की पूर्ण श्रृंखला की आपूर्ति को बनाए रखा है, जिसमें थर्मल, हाइड्रो एवं गैस आधारित टर्नकी पावर परियोजनाएं, सबस्टेशन परियोजनाएं, पुनरूद्धार परियोजनाओं के अलावा ट्रांसफार्मरों, मोटरों, कम्प्रैसरों, वाल्वों, इलेक्ट्रोस्टेटिक, प्रीसीपेटरों, फोटोवोल्टेइक उपस्करों, इंसुलेटरों, हीट एक्सचेंजरों, स्विचगीयरों आदि जैसे विविध उत्पाद शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी उन्नयन, अनुसंधान एवं विकास

बीएचईएल के उत्पाद एवं प्रणालियां तीव्र प्रौद्योगिकी परक हैं और आरएंडडी/प्रौद्योगिकी विकास का एक समावेशी इंजीनियरी उद्यम बनाने के अपने प्रयास में एक रणनीतिक महत्व है। तदनुसार बीएचईएल ने भारत सरकार द्वारा घोषित ''नवप्रवर्तन दशक (2010–2020)'' के अनुरूप नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन देते हुए घरेलू उत्पाद विकास की रणनीति अपनाई है। इस दिशा में एक प्रमुख कदम के रूप में कंपनी ने अपनी अनुसंधान एवं विकास नीति को अद्यतन किया है। गौरतलब है कि 2011–12, बीएचईएल ने अनुसंधान एवं विकास पर ₹ 1,198.82 करोड़

ग्रोडनो पावर परियोजना, बेलारूस के लिए बीएचईएल ने एचआरएसजी ड्रम की आपूर्ति की

कार्पोरेट आरएंडडी द्वारा विकसित एचआरएसजी ट्रेनिंग सिमुलेटर

कार्पोरेट आरएंडडी में स्थापित यूएचवी टैस्ट लैबोरेट्री

कार्पोरेट आरएंडडी, हैदराबाद में प्लाज़मा निटराइडिंग सिस्टम

रूपये का निवेश किया है जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 22% अधिक है। नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन देने के लिए बीएचईएल के प्रयासों के परिणामस्वरूप बीएचईएल का आईपीआर कैपिटल टेली, 2011–12 के दौरान दर्ज़ अब तक का सर्वोच्च आईपीआर (351 नं.), 1786 तक पहुंच गया। घरेलू विकसित उत्पादों और सेवाओं से ₹ 9832 करोड़ के कारोबार में पिछले वर्ष के मुकाबले 26% वृद्धि दर्ज़ की गई है।

अमरीका की प्रसिद्ध व्यावसायिक पत्रिका फोर्ब्स ने बीएचईएल को नौंवी सर्वाधिक अभिनव कंपनी का रैंक दिया है। गौरतलब है कि सूची में शामिल बीएचईएल केवल एकमात्र भारतीय इंजीनियरी कंपनी है, और विद्युत उपस्कर क्षेत्र में समान बहुतर्राष्ट्रीय कंपनियों से कहीं अधिक उच्चतर रैंक में है। इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी उद्देश्य के अनुरूप हैदराबाद स्थित कॉर्पोरेट आर एंड डी प्रभाग विकसित होती हुई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके आधुनिक इंजीनियरी संसाधनों को प्रस्तुत करने में बीएचईएल के अनुसंधान प्रयासों का अग्रणी है। हर निर्माणकारी प्रभाग में कार्यरत अनुसंधान एवं उत्पाद विकास केंद्र एक अनुपूरक भूमिका निभा रहा हैं।

अत्याधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञ जनशक्ति के साथ केन्द्रित क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सुविधा के लिए, बीएचईएल ने 13 उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की है जिनमें कार्पोरेट आरएंडडी हैदराबाद में आठ उत्कृष्टता केंद्र शामिल हैं। सिमुलेटरों, कम्प्यूटेषनल फ्ल्युड, डायनामिक्स, परमानेंट मैग्नेट मशीनों और रोबोटिक्स तथा मशीन डायनामिक्स के लिए वर्तमान उत्कृष्टता केंदों के अलावा बीएचईएल ने वर्ष के दौरान उन्नत फैब्रिकेशन टेक्नालॉजी, कोयला अनुसंधान केंद्र, नेनो टेक्नोलोजी अनुप्रयोग और जीआईएस विकास के लिए यूएचवी लैब के क्षेत्रों में चार नए उत्कृष्ट केंद्रों की स्थापना की है।

भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलूरू के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसमें बीएचईएल को संयुक्त अनुसंधान में संलग्नता में सुविधा के लिए संयुक्त अनुसंधान अवसरों के व्यापक क्षेत्र को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य नए उत्पादों, प्रणालियों और अवधारणाओं के विकास और प्रदर्शन की गति को त्वरित करना है। प्रख्यात वैज्ञानिकों तथा भारत सरकार के विशिष्ट अधिकारियों को मिलाकर एक 'आर एंड डी सलाहकार परिषद्' का भी गठन किया गया है जो विकास के लिए आर एंड डी रणनीतियों पर बीएचईएल को सलाह देगी जिससे कि बाजार में नई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बना जा सके। प्रख्यात वैज्ञानिकों तथा भारत सरकार के विशिष्ट अधिकारियों को मिलाकर एक 'आर एंड डी सलाहकार परिषद्' का भी गठन किया गया है जो विकास के लिए आर एंड डी रणनीतियों पर बीएचईएल को सलाह देगी जिससे कि बाजार में नई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बना जा सके।

कॉर्पोरेट आर एंड डी प्रभाग के अलावा, बीएचईएल में चार विशिष्ट संस्थान यथा–तिरूचि में वेल्डिंग अनुसंधान केंद्र, बेंगलूरू में सेरामिक प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल में इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन एवं हाइड्रो लैब केंद्र तथा हरिद्वार में प्रदूषण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान भी हैं।

मानव संसाधन विकास संस्थान

एच आर मिशन अभिकथन ''बीएचईएल मिशन को प्राप्त करने हेतु मानव संसाधन के संपूर्ण सामर्थ्य का उपयोग करते हुए मूल्य–आधारित संस्कृति का संवर्धन एवं विकास करना'' द्वारा निदेशित, मा.सं.वि.सं. विस्तृत संगठनात्मक अनुसंधान पर आधारित दीर्घकालीन प्रशिक्षण प्रक्रिया तथा आवश्यकता पर आधारित कई अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से मानव संसाधन को उनके सामर्थ्य को उभारने और उसे निखारने में समर्थ बनाता है।

परिवर्तित बाजार अपेक्षाओं के अनुरूप बीएचईएल कर्मचारियों का ज्ञान और कौशल लगातार उन्नत किया जाता है। एक प्रमुख उन्नत रूप में एकीकृत मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की गई जिसका उद्देश्य वास्तविक समय के आधार पर आंतरिक स्टेक होल्डरों तक पहुंचना तथा प्रक्रिया मानकीकरण, इष्टतमीकरण एवं अखंड उद्यम एकीकरण के माध्यम से व्यवसाय में रणनीतिक साझेदार के रूप में मानव संसाधन की भूमिका को पुनः परिभाषित करना है। इसके एक भाग के रूप में सक्षमता मैपिंग और चयनित स्तर के लिए व्यावहारिक सक्षमताओं का मूल्यांकन ईडीएन, बंगलौर और झांसी तथा विद्युत क्षेत्र पश्चिमी क्षेत्र और विद्युत क्षेत्र पूर्वी क्षेत्र में 2011–12 के दौरान पूरा कर लिया गया है।

2011–12 के दौरान, मा.सं.वि.सं. ने बायलर और टरबाईन के लिए नव आगंतुकों तथा प्रशिक्षित 2000 कामगारों के लिए शिक्षण मॉडयूल्स तैयार और कार्यान्वित किए हैं। प्रमुख कार्यक्रमों में रणनीतिक आधारित कार्यक्रम, क्षमता आधारित कार्यक्रम तथा उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम, सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम, रणनीतिक प्रबंधन कार्यक्रम, वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, मध्यम प्रबंधन कार्यक्रम, युवा प्रबंधन कार्यक्रम और नए प्रबंधकों के लिए सेल्फ स्टार्टर कार्यक्रम जैसे कार्यपरक कार्यक्रम शामिल हैं। अल्पसंख्यकों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए वर्ष के दौरान 24.2% अल्पसंख्यकों को कौशल और सक्षमता विकास कार्यक्रमों के लिए मनोनीत किया गया।

इसके अलावा, मानव संसाधन विकास संस्थान कॉर्पोरेट मानव संसाधन को तथा इकाइयों/प्रभागों को मा. सं. वि. क्रेंद्रों को प्रोफेशनल सहयोग भी देता है। मा. सं. वि. सं. चयनित रूप में अन्य संगठनों से परामर्शी कार्य भी स्वीकार करता है।

स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंध

बीएचईएल सभी पणधारियों को सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद कार्य वातावरण प्रदान करते हुए अपने सभी कार्यकलापों. उत्पादों और सेवाओं के क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल कंपनी होने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यावरण के प्रति अपने सरोकार के अनुरूप कंपनी ने कई पर्यावरण सुधार परियोजनाएं (ईआईपी) शुरू की हैं। इन परियोजनाओं से पर्यावरण को अच्छा बनाने, जल, ऊर्जा, ईंधन, तेल आदि जैसे कीमती संसाधनों का संरक्षण करने में मदद मिली है। प्रमुख ईआईपी परियोजनाओं के भाग के तौर पर 2011–12 के दौरान कंपनी ने 27545 पेड़ लगाए हैं और ईपीडी बंगलौर यूनिट में स्लिप हाउस बाल मिल बिल्डिंग के लिए जल संरक्षण परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसके अतिरिक्त इकाइयों में अक्षय ऊर्जा के उपयोग के प्रति वचनबद्धता के अनुरूप कंपनी ने 2011–12 के दौरान बंगलौर में आईएसजी बिल्डिंग में और इसके आसपास सौर स्ट्रीट पथ प्रकाश; ईडीएन, बंगलौर में पीसीबी भवन की छत पर पीवी पैनल मॉडयूल और एचपीईपी हैदराबाद में मुख्य रिवीविंग स्टेशनों पर इमरजेंसी सौर प्रकाश की स्थापना की है। हरित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद इकाई में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का अध्ययन पूरा किया गया। इंसुलेटर प्लांट, जगदीशपुर, ईपीडी बंगलौर और एचपीईपी हैदराबाद इकाइयों में ऊर्जा लेखा परीक्षा पूरी की गई।

विद्युत उत्पादन के लिए बीएचईएल सक्रिय रूप से स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का विकास एवं अधिग्रहण कर रहा है, ताकि ग्राहकों को विद्युत उत्पादन से पर्यावरण पर होने वाले प्रभाव को कम से कम करने में समर्थ हो सकें। प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम उपभोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा पर्यावरण हेतु अपने सरोकार पर पुनः बल देने के लिए बीएचईएल ने बॉयलर की कम्ब्यूशन की कुशलता में सुधार लाने और छग उत्सर्जन में कमी लाने के लिए डॉयनामिक क्लासीफायर–प्रणाली का विकास किया है। कंपनी ने अधिक केंद्रित एवं सशक्त रूप में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन कम करने के लिए स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) शुरू किया है। राष्ट्रीय स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन के तत्वावधान मं बीएचईएल आईजीसीएआर, एनटीपीसी और अन्य संगठनों के साथ मिलकर उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी विकसित कर रहा है। हरित ऊर्जा पहल के अनुरूप, वेस्ट हीट में सुधार के लिए 100–140 मेगावाट

गुड़गांव में वैश्विक कैंसर संगठन के कैंसर रोगियों के लिए बीएचईएल सहायता प्राप्त देखभाल केंद

की ऊर्जा कुशल सबसे बड़ी सिंगल सिलिंडर नॉन–रिहीट स्टील टरबाइन का विकास पहले ही कर लिया गया है। बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए 221 वर्ग मीटर स्पेस ग्रेड सोलर पैनल इसरो के विभिन्न उपग्रहों में इस्तेमाल में हैं।

कंपनी ने व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स से व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा 2011 हेतु प्रतिष्ठित **स्वर्ण मयूर पुरस्कार** जीता है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

बीएचईएल ने एक सीएसआर योजना तैयार की है जिसका मिषन है– "प्रतिबद्ध कॉर्पोरेट नागरिक बनो और अपना हर कदम कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के लिए उठाओ"।

अनेकों कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के (सीएसआर) पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के कल्याण में सक्रिय प्रतिभागिता से समाज के प्रति अपना योगदान करने की परम्परा को पोषित करते हुए बीएचईएल देश में फैले अपने विनिर्माण संयंत्रों और परियोजना स्थलों के निकट स्थित गांवों और समुदायों में रहन–सहन दशाओं तथा स्वच्छता में सुधार लाने तथा शिक्षा को संवर्धित हेतु सामाजिक–आर्थिक तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रम चलाता है। आठ क्षेत्रों में स्व–रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक विकास, शिक्षा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा चिकित्सा सहायता, अनाथालय एवं वृद्धाश्रमों, अवसंरचना विकास तथा आपदा/विपदा प्रबंधन में विशेष बल दिया जा रहा है। इसके अलावा बीएचईएल देषभर में सामाजिक गतिविधियों में स्वकार्यरत विभिन्न एन जी ओ/ट्रस्टों/सामाजिक कल्याण सोसाइटियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 2011–12 के दौरान सिक्किम के भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में व्यथित पीड़ितों तक पहुंचकर बीएचईएल ने 2011–12 के दौरान उनकी मदद करके राहत प्रदान की है।

2011–12 के दौरान सामाजिक वचनबद्धता के भाग के तौर पर कंपनी में 7941 एक्ट अप्रेंटिसिस को प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों से 8419 छात्रों/प्रशिक्षुओं ने व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल काम्पैक्ट कार्यक्रम में भागीदारी

विश्व के सबसे बड़े कॉर्पोरेट नागरिक के पहल के रूप में, ग्लोबल कॉम्पैक्ट कार्यक्रम सबसे पहला सरोकार है जो व्यवसाय और बाज़ार की सामाजिक वैधता को दर्शाता और बनाता है। मानव अधिकारों, श्रम मानदंड, पर्यावरण और भ्रश्टाचार रोधी के प्रमुख मूल्यों को बढ़ावा देने के माध्यम से बीएचईएल सीएसआर पर संयुक्त राष्ट्र संघ के ग्लोबल कॉम्पैक्ट कार्यक्रम में एक भुमिका निभा रहा है और इन्हें अपनी कार्यनीति एवं संस्कृति का हिस्सा बना लिया है। बीएचईएल ने यूएनजीसी की वेबसाइट पर नियमित प्रगति के सम्प्रेषण (सीओपी) के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। बीएचईएल पर्यावरणीय मुद्दो के संबंध में ग्लोबल कम्पैक्ट के संगत सिद्धांतों पर प्रगति के संबंध में वार्षिक सम्प्रेषण आवधिक रूप से प्रस्तुत करती है। कंपनी सार्वजनिक रूप से अपने कर्मचारियों तथा अन्य सहयोगियों का समर्थन करती है और अपनी वार्षिक रिपोर्ट, प्रेस कांफ्रेंस तथा अन्य सार्वजनिक दस्तावेजों के माध्यम से ग्लोबल कम्पैक्ट कार्यक्रम में नियमित रूप से अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करती है।

वर्ष एक नजर में

(₹ करोड़ में)

	2011-12	2010-11*	2010-11	परिवर्तन (%)	
	(ए)	(बी)	(सी)	(ए/बी)	(ए/सी)
कारोबार	49510	41299	43337	19.9	14.2
कर पूर्व लाभ	10302	8487	9005	21.4	14.4
कर पश्चात लाभ	7040	5665	6011	24.3	17.1
प्रतिधारित अर्जन	5219	3891	4237	34.1	23.2
कुल परिसंपत्तियां	66776	59260	59260	12.7	12.7
निवल मूल्य	25373	20154	20154	25.9	25.9
दीर्घावधि ऋण	123	102	102	20.6	20.6
ऋण : इक्विटी	0.01	0.01	0.01	-	-
प्रति शेयर (₹ में) :@					
- निवल मूल्य	103.67	82.34	82.34	25.9	25.9
- अर्जन	28.76	23.15	24.56	24.3	17.1
आर्थिक मूल्य वर्धन	4032	3447	3793	17.0	6.3
कर्मचारी (संख्या)	49390	46748	46748	5.7	5.7

*पूर्व के वर्षों के लिए वारंटी दायित्वों के लिए प्रावधान से संबंधित नीति में परिवर्तन के एक बार प्रभाव को छोड़कर

@ 2010–11 के लिए समान आधार पर पोस्ट स्पलिट पर शेयरों की संख्या पर परिकलित

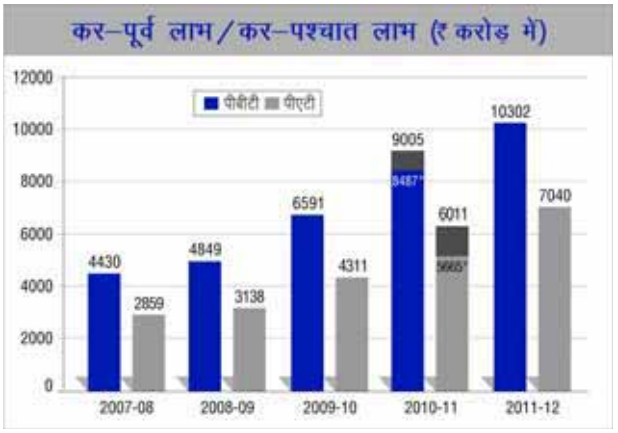

*गत वर्षों की वारंटी अनुबंध नीति में बदलाव से हुए एक बारी प्रभाव को छोड़कर

वित्तीय चार्ट

प्राप्त ऑर्डर/बकाया ऑर्डर (₹ करोड़ में)

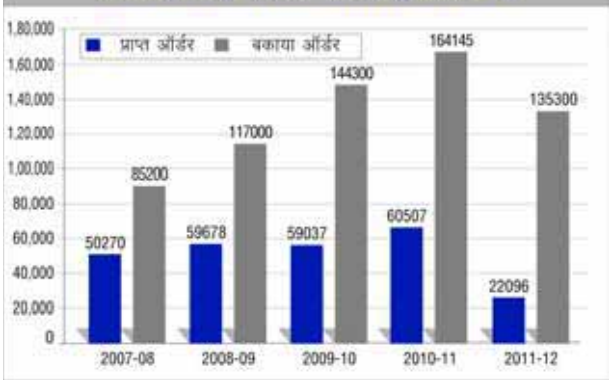

प्रति शेयर निवल मूल्य (₹ में)

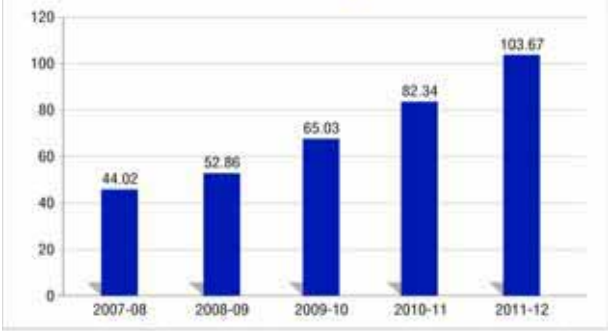

2011–12 से पूर्व के आंकडे शेयरों की संख्या खुलने के बाद, जैसा का तैसा आधार पर दौहराए गए हैं।

लाभांश (₹ करोड़ में)/लाभांश भुगतान अनुपात

प्रति शेयर अर्जन (₹ में)

2011–12 से पूर्व के आंकडे शेयरों की संख्या खुलने के बाद, जैसा का तैसा आधार पर दौहराए गए हैं।
*गत वर्षों की वारंटी अनुबंध नीति में बदलाव से हुए एक बारी प्रभाव को छोड़कर

मानव शक्ति (संख्या में)

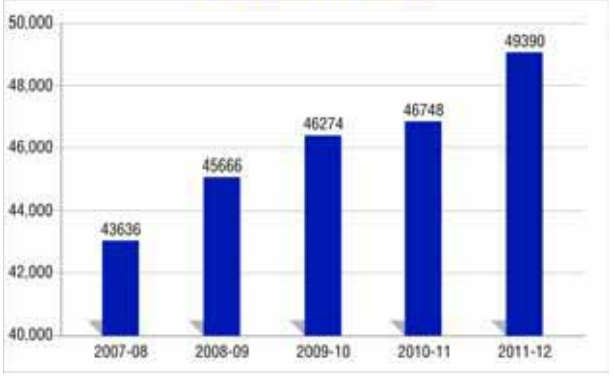

प्रति कर्मचारी कुल कारोबार (₹ करोड़ में)

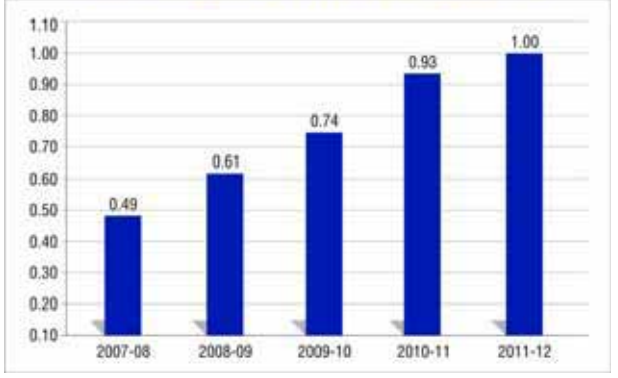

वित्तीय चार्ट

खंड–वार राजस्व और परिणाम (₹ करोड़ में)
विद्युत
उद्योग
40000
35000
30000
25000
20000
15000
10000
5000
0
37863
11659
33165
10214
8184
3342
7935
2282
2011-12
2010-11
2011-12
2010-11
खंड राजस्व
खंड परिणाम

समेकित वित्तीय विवरण कर–पूर्व लाभ/कर–पश्चात लाभ (₹ करोड़ में)
बीएचईएल
सहायक क.
जेवी क.
12000
10000
8000
6000
4000
2000
0
10302
10
55
7040
10
37
2011-12
2010-11
कर–पूर्व लाभ
कर–पश्चात लाभ

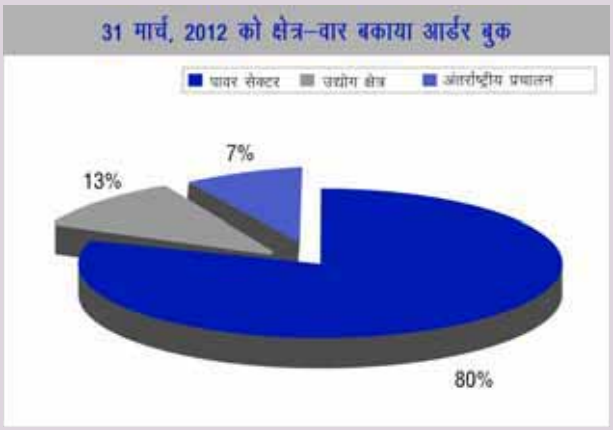
31 मार्च, 2012 को क्षेत्र–वार बकाया आर्डर बुक
पावर सेक्टर
उद्योग क्षेत्र
अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग
7%
13%
80%

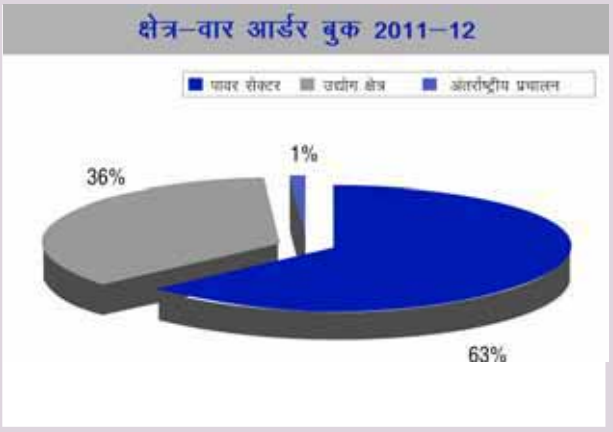
क्षेत्र–वार आर्डर बुक 2011–12
पावर सेक्टर
उद्योग क्षेत्र
अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग
1%
36%
63%

समेकित वित्तीय निष्पादन (₹ करोड़ में)
2011-12
2010-11
55000
45000
35000
25000
15000
5000
0
49898
43636
10367
9065
7087
6053
कारोबार
कर–पूर्व लाभ
कर–पश्चात् लाभ

पुरस्कार

भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति सीएमडी, बीएचईएल को मा.सं.प्र. में श्रेष्ठ प्रथाओं के लिए 'स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान करते हुए

बीएचईएल के सीएमडी 'सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय येगदान के लिए स्कोप एमओयू पुरस्कार 2009–10' भारतीय के माननीय प्रधानमंत्री से प्राप्त करते हुए

बीएचईएल के सीएमडी एवं निदेशक (ई,आरएंडडी) को माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री से बौद्धिक संपदा पुरस्कार 2011 प्रदान करते हुए

बीएचईएल के सीएमडी तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री से इंजीनियरिंग श्रेणी में एनडीटीवी प्रोफिट बिजनेस लीडरशिप अवार्ड 2011 प्राप्त करते हुए

निदेशकों की रिपोर्ट

सदस्यगण,

दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के व्यवसाय और परिचालन पर 48वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए हम अत्यंत प्रसन्न हैं।

वित्तीय निष्पादन

	वित्तीय वर्ष	
(रुपये करोड़ में) सिवाय प्रति शेयर आँकड़ों में	**2011-12**	**2010-11**
क) कुल कारोबार	49510	43337
(ख) प्रचालन से राजस्व (शुद्ध)	47228	41566
(ग) अन्य प्रचालन आय	751	680
(घ) प्रचालन व्यय	38092	33663
(ङ) प्रचालन लाभ	9887	8583
(च) जोड़ें रू अन्य आय	1266	1021
(छ) मूल्यह्रास, वित्त लागत एवं कर व्यय पूर्व लाभ	11153	9604
(ज) घटाएं : मूल्यह्रास	800	544
(झ) घटाएं : वित्त लागत	51	55
(ञ) कर पूर्व लाभ	10302	9005
(ट) घटाएंः कर व्यय	3262	2994
(ठ) कर उपरांत लाभ	7040	6011
(ड) जोड़ें : विगत वर्ष से अग्रेनीत शेष अग्रेनीत शेष	812	575
(ढ) विनियोजन के लिए उपलब्ध शेष	7852	6586
i) लाभांश (अंतरिम लाभांश सहित)	1567	1525
ii) कारपोरेट लाभांश कर (अंतरिम लाभांष में शामिल)	254	249
iii) सामान्य प्रारक्षित निधि अंतरित	5000	4000
(ण) लाभ एवं हानि में शेष	1031	812
(त) प्रति शेयर अर्जन (₹) @	28.76	24.56
(थ) एनएवी प्रति शेयर (₹) @	103.67	82.34
(द) आर्थिक मूल्य वर्धन (₹ करोड़)	4032	3793

@ 2010–11 के लिए समान आधार पर पोस्ट स्पलिट पर शेयरों की संख्या पर परिकलित

वित्तीय उपलब्धियां

वर्ष के दौरान कुल कारोबार 14.2 प्रतिशत बढ़कर पिछले वर्ष के ₹ 43337 करोड़ की तुलना में ₹ 49510 करोड़ हो गया। प्रचालन से राजस्व (शुद्ध) 13.6% प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2010–11 में ₹ 41566 करोड़ के मुकाबले 2011–12 में ₹ 47228 करोड़ हो गया। कर पूर्व लाभ वर्ष 2011–12 में ₹ 10302 करोड़ रहा जबकि वर्ष 2010–11 में यह ₹ 9005 करोड़ था। अतः लाभ में गत वर्ष की तुलना में 14.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कर पश्चात लाभ ₹ 7040 करोड़ रहा है जबकि वर्ष 2010–11 के दौरान यह ₹ 6011 करोड़ था। इसमें गत वर्ष की तुलना में 17.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

2010–11 में पूर्व के वर्षों के लिए वारंटी दायित्व से संबंधित नीति में परिवर्तन के प्रभाव को छोड़कर, 2010–11 की तुलना में 2011–12 में क्रमषः 19.9%, 21.4% और 24.3% की वृद्धि के साथ कुल कारोबार, पीबीटी और पीएटी ₹ 41299 करोड़, ₹ 8487 करोड़ और ₹ 5665 करोड़ रहा।

वर्ष 2011–12 के दौरान कंपनी ने कुल कारोबार, लाभ और अन्य वित्तीय मानकों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज़ की है।

वर्ष के दौरान कंपनी ₹ 10/– की फेस वैल्यू के वर्तमान इक्विटी शेयरों को ₹ 2/– प्रत्येक की फेस वैल्यू के 5 इक्विटी शेयरों में उपविभाजित कर दिया और रिकार्ड तिथि 04 अक्तूबर, 2011 निर्धारित की गई थी।

कम्पनी का निवल मूल्य ₹ 20154 करोड़ से बढ़कर ₹ 25373 करोड़ हो गया, इस प्रकार इसमें 25.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। प्रति शेयर निवल परिसम्पत्ति मूल्य (एनएवी) 2010–11 में 82.34 (पोस्ट–स्पलिट) से बढ़कर 2011–12 में ₹ 103.67 करोड़ हो गया है।

कंपनी ने भारत सरकार की शेयरधारिता में से प्रदत्त इक्विटी पूंजी का 5 प्रतिशत विनिवेश करने के लिए 30.09.2011 को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्र ाफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पैक्ट्स (डीआरएचपी) दिनांक 28.09.2011 दायर किया है। भारी उद्योग विभाग/विनिवेश विभाग से एफपीओ के लिए डीआरएचपी की वापसी के लिए ''अनापत्ति'' प्राप्ति के परिणामस्वरूप निदेशक मण्डल ने 03 अप्रैल, 2012 को हुई अपनी बैठक में सेबी के पास कंपनी द्वारा दायर डीआरएचपी की वापसी का अनुमोदन कर दिया।

लाभांश

निदेशक मंडल ने वर्ष 2011–'12 के लिए 184 प्रतिशत (₹ 3.68 प्रति शेयर) अर्थात ₹ 900.72 करोड़ के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। वर्ष 2011–12 के लिए ₹ 489.52 करोड की शेयर पूंजी पर 136 प्रतिशत (2.72 रुपये प्रति शेयर) अर्थात ₹ 665.75 करोड़ का अंतरिम

बीएचईएल के सीएमडी वित्तीय वर्ष 2011–12 के लिए अंतरिम लाभांश का चैक माननीय केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री को प्रस्तुत करते हुए

लाभांश अदा किया जा चुका है। अतः वर्ष 2011–12 के लिए लाभांश का कुल भुगतान पिछले वर्ष में अदा किए गए ₹ 1524.85 करोड़ की तुलना में ₹ 1566.47 करोड (प्रति शेयर ₹ 6.40) (लाभांश कर रहित) था।

प्रस्तावित अंतिम लाभांश पर कारपोरेट लाभांश कर के लिए ₹ 146. 12 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अंतरिम लाभांश पर ₹ 108 करोड़ का कॉर्पोरेट लाभांश कर पहले से ही अदा किया जा चुका है।

प्राप्त आर्डर

वर्ष के दौरान ₹ 22096 करोड़ मूल्य के आर्डर प्राप्त हुए जबकि वर्ष 2010–11 में ₹ 60507 करोड़ के आर्डर प्राप्त हुए थे। क्षेत्र–वार बुक किए गए आर्डर निम्नानुसार हैं:–

(₹ करोड़ मे)

	2011-12	2010-11
पावर सेक्टर	14012	46393
उद्योग क्षेत्र*	7850	10375
अंतर्राष्ट्रीय परिचालन	234	3739
बुक किए गए कुल आर्डर	22096	60507
वर्ष के अंत में शेष आर्डर बुक	135300	164145

*अंतर–क्षेत्र बुक किए गए आर्डर्स को घटाकर

आर्डर बुक में कमी मुख्यतः भारतीय विद्युत क्षेत्र में तीव्र मंदी के कारण हुई। विकासकर्ता कई तरह की कठिनाइयां, जैसे कि कोयला आबंटन, गैस आबंटन, पर्यावरण स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, कानूनी मुद्दे, फाइनेंसिंग और कोष गठबंधन आदि का सामना कर रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी परियोजनाओं की बोली प्रक्रिया में देरी हुई और कई परियोजनाओं, उन समेत जिनके लिए पिछले वित्तीय वर्ष में बोलियां खोली जा चुकी हैं, उपर्युक्त एक या अधिक कारणों से अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। इसके अतिरिक्त वर्ष 2011–12 में विश्व के विभिन्न भागों में अप्रत्याशित घटनाक्रमों ने बीएचईएल की अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक संभावनाओं को प्रभावित किया।

समझौता ज्ञापन के लक्ष्यों की तुलना में बीएचईएल का दर्जा निर्धारण

वर्ष 2010–11 के लिए बीएचईएल के कार्यनिष्पादन को भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार 'उत्कृष्ट' का दर्जा दिया गया है। बीएचईएल की समझौता ज्ञापन का मिश्रित अंक '1.02' प्रदान किया गया है।

2011–12 के लिए एमओयू रेटिंग के भारत सरकार द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है। तथापि, कम्पनी के स्वंय के आकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2011–12 के लिए कम्पनी का निष्पादन को 'उत्कृष्ट' के रूप में है।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण पर एक रिपोर्ट अनुबंध 1 में दी गई है।

निदेशक मंडल

नियुक्ति

श्री त्रिम्बकदास एस जंवर को 11.10.2011 से अंश कालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री आर कृष्णन को निदेशक (मा.सं.) के पद का प्रभार लेने के लिए 01.04.2012 से अतिरिक्त निदेशक के तौर पर नियुक्त किया गया।

श्री विजय शंकर मदान, आईएएस, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को 19.07.2012 से अंशकालिक सरकारी निदेशक नियुक्त किया गया।

अन्तर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (IV) के अनुसार सर्वश्री त्रिम्बकदास एव. जंवर, आर कृष्णन और विजय शंकर मदान कम्पनी की 48वीं वार्षिक आम बैठक तक अपने निदेशक पद पर बने रहेंगे और बैठक में निदेशकों के रूप में निदेशक की नियुक्ति हेतु पात्र हैं।

सेवा समाप्ति

श्री त्रिम्बकदास एस. जंवर को 12.11.2010 को अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था उन्होंने इस्तीफा दे दिया है और 20.09.2011 वे कम्पनी के निदेशक नहीं हैं।

श्री अनिल सचदेव, जिन्हें 01.09.2007 से निदेशक (मा.सं.) के रूप में नियुक्त किया गया था, 31.03.2012 को अपनी सेवानिवृत्ति की अवधि पूरी होने पर वे कंपनी के निदेशक नहीं रहे।

श्री सौरभ चंद्रा, आईएएस, पूर्व अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने उनकी सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के सचिव के रूप में नियुक्ति होने पर 17.04.2012 से अंश कालिक सरकारी निदेशक के रूप में अपना पद छोड़ दिया।

श्री अशोक कुमार बासु, श्री एम. ए. पठान और श्रीमती रेवा नैयर को 22.06.2009 से अंश कालिक गैर सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, वे 21.06.2012 को अपना कार्यकाल पूरा करने के उपरांत कंपनी के निदेशक नहीं रहे।

निदेशक मण्डल ने श्री अनिल सचदेव, सौरभ चंद्रा, अशोक कुमार बासु, एम. ए. पठान और श्रीमती रेवा नैयर को उनके कार्यकाल के दौरान की गई महत्वपूर्ण सेवाओं तथा दिए गए सलाह, मार्गदर्शन की प्रशंसा को अपने रिकार्ड में रखा है।

इसके अलावा कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 255 व 256 तथा कम्पनी की अन्तर्नियमावली के अनुच्छेद 67(i) के अनुसार में सर्वश्री वी. के. जयरथ, ओ. पी. भुटानी और एस. रवि वार्षिक आम बैठक में चक्रानुक्रम में सेवानिवृत होंगे और पात्र होने पर स्वंय की पुनर्नियुक्ति हेतु पेशकश करेंगे।

सूचीकरण करार के खंड 49 IV (G) (i) के अनुपालन में, नियुक्त और पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण, विशिष्ट कार्यात्मक क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता की प्रकृति और उन कंपनियों, जिनमें वे निदेशक और निदेशक मंडल की समितियों में सदस्य रहे हैं, के नाम निदेशकों की रिर्पोट का भाग होकर **अनुबंध–2** में दिए गए हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन

कम्पनी ने भारत सरकार की नीतियों के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन पर जोर देना जारी रखा। भारत सरकार की राजभाषा नीति की अनुपालन के लिए वर्ष के दौरान किए गए क्रियाकलाप निम्नानुसार हैं:

राजभाषा दिवस पर हिंदी कार्यशाला आयोजित की जा रही है

1. कर्मचारियों को हिंदी में काम करने की झिझक दूर करने और हिंदी में काम करने के लिए आवश्यक जानकारी देने के लिए कॉरर्पोरेट कार्यालय सहित सभी इकाइयों/प्रभागों में हिंदी कार्यशालाएं एवं हिंदी कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

2. कंपनी में हिंदी के प्रयोग के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किए जाने की दिशा में कॉरर्पोरेट कार्यालय सहित सभी यूनिटों/प्रभागों ने 14.9.2011 को हिंदी दिवस के रूप में मनाया और सिंतबर, 2011 में हिंदी सप्ताह माह के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

3. राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचारविमर्श के लिए कोचीन, केरल में 11 और 12 अक्तूबर, 2011 को बीएचईएल हिंदी समन्वयकों की बैठक आयोजित की गई।

4. वर्ष के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के तत्वावधान में सदस्य संगठनों के लिए कार्पोरेट कार्यालय सहित ज्यादातर इकाइयों/प्रभागों द्वारा विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए गए।

5. कॉर्पोरेट कार्यालय और कम्पनी की प्रमुख इकाइयों/प्रभागों में आयोजित किए गए राष्ट्रीय स्तर के सभी समारोह – जैसे गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस आदि का संचालन हिन्दी में किया गया।

6. कम्पनी की प्रमुख इकाइयों तथा प्रभागों ने वर्ष के दौरान 12 वार्षिक हिन्दी पत्रिकाओं यथा ईडीएन ने भेल चन्दन, ईपीडी ने भेल दर्पण, तिरुचि ने भेल किरण, आईएसजी ने सूर्य किरण

आरसीपुरम, हैदराबाद ने भेल यशस्वी, भोपाल ने भेल भारती, हरिद्वार ने भेल गंगा, झाँसी ने सृजन, पावर सेक्टर मुख्यालय ने शक्ति पुँज, पावर सेक्टर – उत्तरी क्षेत्र, नोएडा ने अभिव्यक्ति, पावर सेक्टर – पूर्वी क्षेत्र ने पूर्वाभा का प्रकाशन किया। कॉर्पोरेट कार्यालय ने भी वर्ष के दौरान अपनी त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका 'अरुणिमा' के चार अंक प्रकाशित किए।

7. राजभाषा से संबंधित विभिन्न प्रावधानों के समेकन और हिंदी में कामकाज के लिए कर्मचारियों के लिए लाभदायक सूचनाएं जैसे कि अंग्रेजी–हिंदी शब्दावली और टिप्पणियां, मानक वर्तनी, यूनिटों/डिवीजनों के द्विभाषिक पते, प्रोत्साहन योजनाएं आदि के विवरण से युक्त एक हिंदी पुस्तिका ''राजभाषा दिग्दर्शिका' भी प्रकाशित की गई।

8. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में प्रमुख इकाइयों/प्रभागों तथा कॉर्पोरेट कार्यालय के कर्मचारियों ने कई पुरस्कार जीते।

9. हरिद्वार इकाई को राजभाषा में सक्रिय योगदान के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा हमारी हरिद्वार इकाई के तहत गठित और संचालित की जा रही नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

10. संसदीय राजभाषा समिति ने वर्ष के दौरान हमारे औद्योगिक सेक्टर, पावर सेक्टर –दक्षिण क्षेत्र, आरओडी – मुख्यालय का निरीक्षण किया और सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और कार्यालयी कार्य में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के सम्बन्ध में हमसे कुछ आश्वासन भी लिए।

11. कॉर्पोरेट राजभाषा कार्यान्वयन समूह द्वारा सरकार की नीति के अनुसार हिन्दी का उत्तरोत्तर प्रयोग बढ़ाने में मार्गदर्शन करने की दृष्टि बीएचईएल की इकाइयों/प्रभागों का निरीक्षण किया गया।

संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक समझौते में भागीदारी

बीएचईएल अपने सभी पणधारियों को सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद कार्य वातावरण प्रदान करने के अतिरिक्त, अपने सभी कार्यकलापों, उत्पादों और सेवाओं में एक पर्यावरण अनुकूल कंपनी है और इसने संयुक्त राष्ट्र वैष्विक समझौता कार्यक्रम को कंपनी की कार्यनीति, संस्दृति और दिन–प्रतिदिन के परिचालनों का हिस्सा बनाया है।

बीएचईएल संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता (यूएनजीसी) कार्यक्रम तथा मानवाधिकार, श्रम मानक, पर्यावरण और भ्रष्टाचार रोध पर इसके दस सिद्धांतों में शामिल मुख्य मूल्यों के समूह के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

कंपनी एक उत्तरदायी कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में वैश्विक समझौता (जीसी) के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का आशय रखती है। बीएचईएल ने शीर्षस्थ भारतीय संगठनों द्वारा गठित एक शीर्ष स्तरीय नोडल एजेंसी वैश्विक समझौता सोसायटी (जीसीएन) के माध्यम से अन्य भारतीय संगठनों में वैश्विक समझौता के सिद्धांतों के संवर्धन में अग्रणी भूमिका निभाई है। वर्ष के उल्लेखनीय कार्यकलापों में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन तथा भारतीय संदर्भ में मामला अध्ययनों/संगठनात्मक अनुभवों के आदान–प्रदान, वैश्विक कम्पैक्ट सिद्धांतों का अनुपालन के समाधान करना शामिल हैं।

वैश्विक समझौता कार्यक्रम के समर्थन में बीएचईएल के योगदान और प्रगति पर उल्लेखनीय संप्रेशण के मान्यतास्वरूप संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौता ने बीएचईएल को 'उल्लेखनीय सीओपी' में रखा है।

सतर्कता

बीएचईएल के सतर्कता संगठन का प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी है। बीएचईएल की प्रत्येक इकाई क्षेत्र में वरिष्ठ सतर्कता कार्यपालक के नेतृत्वाधीन एक सतर्कता ढांचा है, जो मुख्य सतर्कता अधिकारी को रिपोर्ट करते हैं। सभी वर्षों में बीएचईएल के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवारतक सतर्कता रही है और वर्ष के दौरान इस पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भ्रष्टाचार और खामियों के दुष्प्रभावों के बारे में सभी स्तरों पर अधिकारियों को संवेदनशील करने के प्रति निवारक सतर्कता का वातावरण सृजित किया गया। उपर्युक्त के अलावा नियमों/प्रक्रियाओं/दिशानिर्देशों की अनुपालन में सुधार करने के लिए निवारक सतर्कता को प्राथमिकता को प्रोएक्टिव तथा भावी सतर्कता पर शिफ्ट करने के प्रयास किए गए। संगठन के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके उनमें जागरूकता पैदा की गई। बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों, क्षेत्रों और कार्यालयों में वर्ष 2011–12 के दौरान ऐसे 83 कार्यक्रम आयोजित किए गए। कम्पनी के नियमों, कार्यविधियों तथा नीतियों के बारे में जानकारी बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्षेत्रों के लाइन कार्यपालकों के

साथ विचार–विमर्श सत्र आयोजित किए गए। प्रणाली को अधिक प्रभावी और मारदर्शी बनाने के लिए सतर्कता विभाग ने 2011–12 के दौरान प्रणाली अध्ययन किया। प्रणाली में सुधार के लिए कई सुझाव दिए गए। सुधार के लिए दिए गए प्रमुख सुझाव इस प्रकार हैं:

- वेंडर्स की ग्राहक स्वीकृति
- एकल वेंडर/दो वेंडर श्रेणियों में वेंडर बेस का विस्तार करना
- निर्यात अनुबंधों के लिए एजेंटों की नियुक्ति के लिए दिशानिर्देश

निम्नलिखित प्रक्रियाओं के कुछे प्रावधानों में सुधार के लिए उपयुक्त सिफारिशें की गईं:

- आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन, अनुमोदन और समीक्षा प्रक्रिया
- क्रय नीति
- रिवर्स नीलामी दिशानिर्देश
- निविदा प्रक्रिया के दौरान प्राप्त वाणिज्यिक प्रस्तावों की वित्तीय लोडिंग हेतु मानदंड
- आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों के साथ बिजनेस व्यवहार का निलंबन

सीवीसी निर्देशों के अनुसार, कम्पनी ने वास्तविक समय के आधार पर वेब पर सभी संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए कई पहल की हैं। इस उद्देश्य के लिए निम्नलिखित को सुनिश्चित करने के लिए आवधिक जाँच की जाती हैं:

- क्रय आदेशों की स्थिति, हर महीने पूरे किए कार्य संविदाओं की स्थिति, सीवीसी फ़ॉर्मेट में सभी इकाइयों द्वारा डाउनलोड की जाती हैं।
- विक्रय पंजीकरण के सम्बन्धित कार्यविधि एवं फ़ॉर्म वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
- विक्रेता पंजीकरण की स्थिति को वेब पर डाला जाता है और विक्रेता इसे देख सकते हैं।
- प्रतिबंधित फर्मों की सूची कंपनी की वेबसाइट पर डाली जाती है।
- पूरे संगठन में विक्रय बिलों का ई–भुगतान किया जाता है विक्रेता बिलों के भुगतान में नियमतः पहले आओ पहले पाओ सिद्धान्त का पालन किया जा रहा है।
- विक्रेता बिलों के भुगतान की स्थिति ऑनलाइन देख सकते हैं।
- इन्डेट ऑनलाइन किए जाते हैं।
- विक्रेता पंजीकरण, बिलों को पास करने आदि की सूचना से सम्बन्धी नियम/कार्यविधि बीएचईएल/इकाइयों की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सुरक्षा

कम्पनी का सुरक्षा तंत्र पर्याप्त है और प्रत्येक संयंत्र/इकाई को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि कम्पनी के अधिकांश संयत्रो की सुरक्षा सीआईएसएफ द्वारा की जाती है फिर भी कम्पनी की अपनी सुरक्षा व्यवस्था है। अन्य संयंत्रों, कॉर्पोरेट कार्यालयों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख पुनर्वास महानिदेशालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित मैसर्स ईएटीएस अथवा एक्स सर्विसमेन कॉरर्पोरेशन जैसी निजी एजेंसियों द्वारा की जाती है।

कम्प्यूटरों की सुरक्षा हेतु पर्याप्त उपाय किए गए हैं। इलैक्ट्रानिक विभाग, भारत सरकार (एसआरएसी) ने की हमारे साफ्टवेयर सुरक्षा तंत्र का निरीक्षण कराया है और उनके सुझाव क्रियान्वित किए गए हैं। प्रमुख संयंत्रों की सुरक्षा लेखापरीक्षा अधिकारिक रूप में आसूचना ब्यूरो द्वारा की जाती है और उनके द्वारा इंगित किए जाने पर अतिरिक्त अपेक्षाएँ संबंधित यूनिटों द्वारा तत्काल पूरी की जाती है। सुरक्षा की समीक्षा समय–समय पर आंतरिक रूप में भी की जाती है। 20 मार्च, 2012 को हुई मा.सं. और सुरक्षा प्रमुखों की बैठक में लिए गए फैसले के अनुसार विभिन्न सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर तिमाही रिपोर्ट के साथ चोरी/उठाईगिरी और आग की घटनाओं पर मासिक रिपोर्ट को कार्पोरेट सुरक्षा विभाग द्वारा संकलित किया जाता है। तिमाही बैठकें भी शुरू की गई हैं और जुलाई 2012 में होने की संभावना है। प्रबंधन, सुरक्षा स्टॉफ तथा कम्पनी के कर्मचारियों को कम्पनी की सुरक्षा जरूरतों से सचेत किया जाता है।

सन्धारणीयता

सन्धारणीयता कम्पनी की रणनीति का एक अभिन्न भाग है। बीएचईएल अपने सभी क्रियाकलाप क्षेत्रों, उत्पादों और सेवाओं में पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनाने, सुरक्षित तथा स्वस्थ कामकाजी माहौल

प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कम्पनी की कार्यनीति के अनुरूप पर्यावरण सुधार परियोजनाओं और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाता है। विगत में बीएचईएल संयंत्रों तथा टाउनशिप में पूरी की गई पर्यावरण सुधार परियोजनाओं में वृक्षारोपण अभियान, वर्षा जल सन्चयन संयंत्र, कुशल जल एवं ऊर्जा प्रबन्धन, ध्वनि स्तर में कमी, रसायन भंडारण में सुधार और उसकी हैंडलिंग प्रणाली अवधि शामिल हैं। लोक उद्यम विभाग (डीपीई) ने 23 सितंबर, 2011 को सतत विकास पर दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशानिर्देशों के अनुरूप कार्पोरेट सामाजिक दायित्व और सतत विकास के लिए एक बोर्ड स्तरीय समिति का गठन किया है। बीएचईएल ने गतिविधियों, उत्पादों और सेवाओं के पैमाने और प्रकृति को ध्यान में रखते हुए अपनी सामाजिक विकास नीति परिभाषित की है। सामाजिक विकासपरियोजनाओं में वर्षा जल संरक्षण, वृक्षारोपण, सौर ऊर्जा आधारित कैप्टिव विद्युत उत्पादन, अक्षय ऊर्जा के उपयोग, ऊर्जा दक्षता एवं संरक्षण और कचड़ निपटान पर ज़ोर दिया जाएगा।

कम्पनी की सभी विनिर्माण इकाइयाँ/क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय मानक तथा आईएसओ 14001 पर्यावरण प्रबन्धन प्रमाणन, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबन्ध हेतु प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिए हैं।

निदेशकों का दायित्व विवरण

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 217 (2कक) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह पुष्टि की जाती है कि :

(i) 31 मार्च, 2011 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट तैयार करते समय महत्वपूर्ण विचलनों के संबंध में समुचित व्याख्या के साथ –साथ लागू लेखाकरण मानकों' का अनुपालन किया गया है।

(ii) निदेशकों ने ऐसी लेखाकरण नीतियों का चयन किया है और उन्हें निरंतर लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान किए हैं जो कि इतने तर्कसंगत और उपयुक्त हैं कि वित्तीय वर्ष 2011–12 के अंत में कंपनी के कारोबार की स्थिति तथा इस अवधि के दौरान कंपनी के लाभ–हानि का सही और उचित दृश्य प्रस्तुत कर सकें।

(iii) निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और जालसाजी तथा अन्य अनियमितताओं से बचाव के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के अनुसार लेखा का समुचित रिकार्ड रखे जाने पर उपयुक्त एवं पर्याप्त ध्यान दिया।

(iv) निदेशकों ने 'गोइंग कंसर्न' आधार पर 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार किया है।

कॉर्पोरेट अभिशासन

सूचीकरण करार के खंड 49 की अपेक्षा अनुसार निम्नलिखित के साथ कॉरपोरेट अभिशासन की विस्तृत रिपोर्ट **अनुबंध–iii** में दी गई है।

(i) सीईओ/सीएफओ प्रमाणपत्र (खंड 49 (ट) के अनुसार), और

(ii) कंपनी के लेखापरीक्षकों से प्रमाणपत्र (खंड 49 (VII) के अनुसार

अन्य प्रकटन

ऊर्जा के संरक्षण, प्रौद्योगिकी आमेलन, विदेशी मुद्रा अर्जन तथा व्यय से संबंधित कंपनी (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में ब्यौरों का प्रकटन) नियम, 1998 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1) (ड) के उपबंधों के अनुसार सूचना **अनुबंध–iv** में दी गई है।

कम्पनी (कर्मचारियों के ब्यौरे) नियम, 1975 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 217 (2क) के अधीन किसी भी कर्मचारी ने वर्ष के दौरान विहित सीमाओं से अधिक पारिश्रमिक नहीं किया है।

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 212 के अनुपालनार्थ सहायक कंपनी का विवरण **अनुबंध–v** में दिया गया है।

तुलन पत्र तिथि के उपरांत घटित घटनाएं

तुलन पत्र तिथि के उपरांत कोई महत्वपूर्ण घटनाएं घटित नहीं हुई है।

लेखापरीक्षक

आपकी कंपनी के लेखापरीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। वर्ष 2011–12 के लिए नियुक्त लेखापरीक्षकों के नाम वार्षिक रिपोर्ट के अलग से मुद्रित है।

2011–12 के लिए नियुक्त किए गए लागत लेखापरीक्षकों का विवरण तथा लागत लेखापरीक्षा विवरण का मुद्रण वार्षिक रिपोर्ट में अलग से किया गया है।

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में उल्लिखित बिंदुओं के उत्तर तथा भारत के नियंत्रण एवं महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियों के उत्तर **अनुबंध–vi** में दिए गए है।

आभार

निदेशक मंडल कंपनी के भारत और विदेश में महत्वपूर्ण ग्राहकों के प्रति संगठन में उनके द्वारा व्यक्त विश्वास और प्रदान किए गए सहयोग के लिए हार्दिक सराहना करता है और भविष्य में आपस में सहयोगपूर्ण संबंधों को बनाए रखने की आशा करता है।

निदेशक मंडल कंपनी के परिचालन और विकास संबंधी योजनाओं में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर भारी उद्योग विभाग से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी दृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करता है। निदेशकगण भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, लेखापरीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों, सांविधिक लेखापरीक्षकों, शाखा लेखापरीक्षकों और लागत लेखापरीक्षकों का भी हार्दिक धन्यवाद देते हैं। कंपनी सभी प्रौद्योगिकी सहयोगियों और आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त निरंतर सहयोग और वित्तीय संस्थाओं तथा बैंकरों द्वारा प्रदान किए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त करती है। निदेशक मंडल बीएचईएल परिवार के सभी सदस्यों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करना चाहता है, जिनके उत्साह, समर्पण और सहयोग से उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन संभव हो सका।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के
निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 जुलाई, 2012

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

क. कंपनी के वित्तीय कार्यनिष्पादन का विश्लेषण

(i) वित्तीय परिणाम

तुलनपत्र

1. शेयर पूंजी

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
प्राधिकृत शेयर पूंजी	2000	2000
जारी अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी	490	490

वर्ष के दौरान कंपनी ने ₹10/– प्रत्येक की फेस मूल्य के वर्तमान इक्विटी शेयरों को प्रत्येक ₹ 2/– के फेस मूल्य के 5 इक्विटी शेयरों में उप विभाजित किया है।

2. प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
प्रारक्षित पूंजी	3	3
सामान्य प्रारक्षित निधि	23849	18849
लाभ और हानि खाते	1031	812
	24883	19664

प्रतिधारित आय में विस्तार के उपरांत प्रारक्षित निधि और अधिशेष वर्ष 2011–12 में 5219 करोड़ ₹ बढ़ गया।
वर्ष 2011–12 के लिए लाभ में से ₹ 5000 करोड़ की राशि को सामान्य प्रारक्षित निधि में स्थानांतरित कर दी गई।

3. दीर्घावधि ऋण

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
रक्षित ऋण	123	102

अनारक्षित ऋण पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां दर्शाता है।

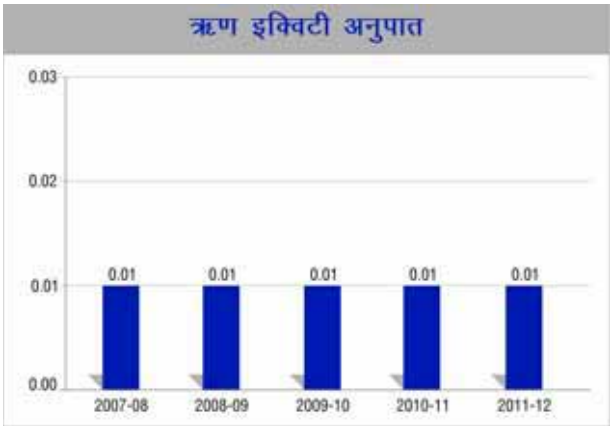

4. अन्य दीर्घावधि/चालू देनदारियां

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011–12			वित्तीय वर्ष 2010–11		
	अन्य दीर्घावधि	वर्तमान देनदारियां	कुल दीर्घावधि	अन्य देनदारियां	वर्तमान देनदारियां	कुल देनदारियां
व्यापार भुगतान (स्वीकृतियों सहित)	618	10271	10889	384	8096	8480
ग्राहकों और अन्य से प्राप्त जमा	104	444	548	95	398	493
ग्राहकों और अन्य से प्राप्त अग्रिम	6829	13152	19981	8663	11727	20390
अन्य देय/देनदारियां	–	2220	2220	–	2044	2044
	7551	26087	33638	9142	22265	31407

अन्य दीर्घावधि देनदारियों और वर्तमान देनदारियां में वृद्धि 2011–12 में ₹ 2231 करोड़, मुख्यतः व्यापार देयता ₹ 2409 करोड़, अन्य देयताएं/देनदारियां ₹ 176 करोड़ और ग्राहकों और अन्यों से जमा ₹ 55 करोड़ के कारण और अंशतः ग्राहकों और अन्य से अग्रिमों में ₹ 409 करोड़ की कमी के कारण है। व्यापार देयता में वृद्धि उच्चतर इन्वेंटरी स्तर की सामग्री की खरीद और निर्माण सामग्री के क्रय में वृद्धि है जिसके परिणामस्वरूप प्रचालन के वॉल्यूम में वृद्धि हुई है।

5. प्रावधान

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	दीर्घावधि	अल्पावधि	कुल	दीर्घावधि	अल्पावधि	कुल
कर्मचारी लाभार्थ प्रावधान	2076	401	2477	1992	902	2894
संविदा अनुबंध हेतु प्रावधान	2793	1057	3850	2339	644	2983
कर–देय हेतु प्रावधान (अग्रिम कर/टीडीएस का शुद्ध मूल्य)	-	-	-	466	-	466
प्रस्तावित लाभांश (लाभांश कर सहित)	-	1047	1047	-	1018	1018
अन्य प्रावधान	136	131	267	127	109	236
	5005	2636	7641	4924	2673	7597

2011–12 में ₹ 44 करोड़ के कुल प्रावधान में वृद्धि मुख्यतः अनुबंधात्मक दायित्व के लिए 867 करोड़ के प्रावधान में वृद्धि और लाभांश और अन्य के लिए ₹ 60 करोड़ की वृद्धि के कारण है जो कि कर्मचारी लाभों के लिए ₹ 417 करोड़ के प्रावधान और कर (शुद्ध) के लिए ₹ 466 करोड़ के प्रावधान में वृद्धि के कारण है।

6. स्थायी परिसंपत्तियां

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
सकल ब्लॉक	9707	8050
घटाएं– मूल्यह्रास/परिषोधन	5413	4649
घटाएं– पट्टा समायोजन लेखा	(3)	-
निवल ब्लॉक	4297	3401
चालू पूंजीगत कार्य	1325	1723
विकासाधीन के तहत अमूर्त संपत्ति	23	10
	5645	5134

वर्ष के दौरान सकल ब्लॉक में ₹ 1657 करोड़ की वृद्धि, और विकास अधीन अमूर्त परिसंपत्तियों सहित प्रगति अधीन पूंजीगत कार्य में ₹ 385 करोड़ की कमी रही है। शुद्ध वृद्धि विभिन्न विनिर्माण इकाइयों में जारी क्षमता वृद्धि कार्यक्रमों और परियोजना स्थलों पर सुविधाएं शुरु करने पर पूंजीगत व्यय के कारण हुई है।

7. गैर वर्तमान निवेश

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
दीर्घावधि व्यापार निवेश	462	439

दीर्घावधि व्यापार निवेश में ₹ 23 करोड़ की वृद्धि मुख्यतः संयुक्त उद्यम कंपनियों में इक्विटी भागीदारी के कारण है।

8. आस्थगित कर आस्तियां (निवल)

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	1546	2164

मुख्य रूप से प्रावधानों में वृद्धि के कारण आस्थगित कर आस्तियों में 618 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

9. ऋण एवं अग्रिम

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011–12			वित्तीय वर्ष 2010–11		
	दीर्घा अवधि	लघु अवधि	कुल	दीर्घा अवधि	लघु अवधि	कुल
ऋण एवं अग्रिम	900	2112	3012	883	2383	3266

ऋणों और अग्रिमों में ₹ 254 करोड़ की कमी मुख्यतः क्रय और अन्य के लिए अग्रिमों में घटाव के कारण है।

10. मालसूची

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
मालसूची	13549	10963

परिचालनों की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप मालसूची पिछले वर्ष की तुलना में 2586 करोड़ रुपये बढ़ गई। कुल कारोबार के दिनों के रूप में यह वर्ष 2010–11 में 99 दिनों से बढ़कर वर्ष 2011–12 में 100 दिन हो गई।

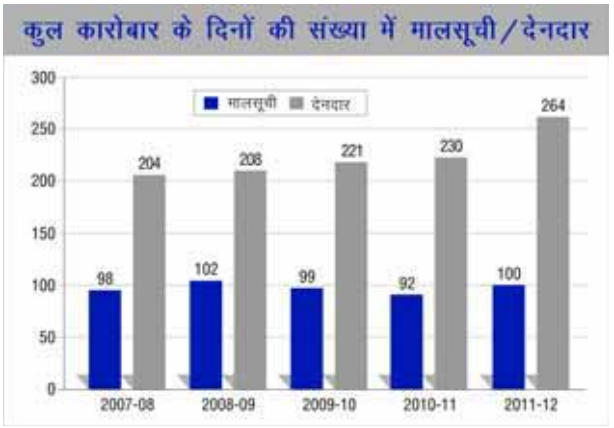

11. प्राप्य

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12			वित्तीय वर्ष 2010-11		
	दीर्घावधि	व्यापार प्राप्य	कुल	दीर्घावधि	व्यापार प्राप्य	कुल
व्यापार प्राप्य (शुद्ध)	9404	26336	35740	7251	20104	27335

प्राप्तियों में रू 8405 करोड़ की वृद्धि मुख्यतः प्रचालनों की मात्रा में वृद्धि और आस्थगित ऋणों में वृद्धि के कारण है। कारोबार के दिनों की संख्या में 2010–11 में 230 दिनों से बढ़कर 2011–12 में 264 हो गई है।

12. नकद और बैंक अधिशेष

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
नकद और बैंक शेष	6672	9630

नकद और नकद समतुल्य वर्ष 2010–11 में 9630 करोड़ रुपये की तुलना में 6672 करोड़ रुपये थे।

13. अन्य चालू परिसंपत्तियां

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
अन्य चालू परिसंपत्तियां	151	310

अन्य चालू परिसंपत्तियां बैंक जमाओं और निवेशों पर प्राप्त ब्याज है।

लाभ–हानि का विवरण

14. परिचालन द्वारा राजस्व

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
सकल कारोबार	49510	43337
घटाएं : उत्पाद शुल्क	1847	1436
घटनाएं : सेवा कर	435	335
प्रचालनों से राजस्व (शुद्ध)	47228	41566

वर्ष के दौरान प्रचालन राजस्व में 13.62% वृद्धि (शुद्ध) हुई, विद्युत क्षेत्र और उद्योग क्षेत्र ने कंपनी के कुल राजस्व के लिए क्रमशः 76 प्रतिशत और 24 प्रतिशत का योगदान किया।

15. अन्य प्रचालन आय

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
निर्यात प्रोत्साहन	12	43
स्क्रैप बिक्री	308	272
अन्य	431	365
	751	680

अन्य प्रचालन आय में ₹ 71 करोड़ की वृद्धि प्रचालन की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप स्क्रैप बिक्री में वृद्धि के कारण हुई।

16. अन्य आय

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
विनिमय विभिन्नता (शुद्ध)	99	100
ब्याज आय	814	627
अन्य आय	353	294
	1266	1021

वर्ष के दौरान अन्य आय में ₹ 245 करोड़ की वृद्धि मुख्यतः ब्याज आय आदि में वृद्धि के कारण है।

17. सामग्री की खपत, स्थापना और इंजीरियरी व्यय

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
कच्ची सामग्री एवं संघटकों की खपत की लागत	24549	19418
स्टोर्स एवं स्पेअर्स की खपत	564	470
इरेक्शन एवं इंजीनियरिंग व्यय	3795	3321
	28908	23209

सामग्री की खपत, इरेक्शन और इंजीनियरिंग व्यय में ₹ 5699 करोड़ अथवा वृद्धि 24.56% मुख्यतः कारोबार/प्रचालन की मात्रा में वृद्धि के कारण है। डब्ल्यूआईपी एवं एफजी में अभिवृद्धि/कमी के समायोजन के उपरांत शुद्ध कारोबार का प्रतिशत 2010–11 में

55.96% से बढ़कर 2011–12 में 60.49% हो गया। (वारंटी नीति परिवर्तन के प्रभाव के समायोजन उपरांत 58.86%)

18. कर्मचारी लाभ व्यय

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
कर्मचारी लाभ व्यय	5466	5397

कर्मचारी पारिश्रमिक और लाभों में 69 करोड़ की वृद्धि के साथ ये 2010–11 के ₹ 5397 से बढ़कर 2011–12 में ₹ 5466 करोड़ हो गए।

19. वित्त लागत

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
ब्याज और अन्य उधार लागत	51	55

ब्याज लागत वित्त लीज पर ली गई परिसंपत्तियों पर लीज किराये के ब्याज घटक तथा वर्ष के दौरान लघु अवधि ऋणें पर ब्याज का प्रतिनिधित्व करती है।

20. विनिर्माण, प्रशासन बिक्री और वितरण के अन्य व्यय

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री और वितरण के अन्य व्यय	3223	2536

वर्ष के दौरान अन्य आय में ₹ 245 करोड़ की वृद्धि मुख्यतः ब्याज आय आदि में वृद्धि के कारण है।

21. प्रावधान (निवल)

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
प्रावधान (शुद्ध)	1403	2715

प्रावधान (निवल) में ₹ 1312 करोड़ की वृद्धि मुख्य रूप से 2010–11 में ₹ 1520 करोड़ के नीति प्रभाव में एक समय परिवर्तन के कारण ₹ 1222 करोड़ की संविदागत देयताओं हेतु प्रावधानों में वृद्धि के कारण हैं।

22. मूल्यह्रास

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
मूल्यह्रास	800	544

मूल्यह्रास में ₹ 256 करोड़ की वृद्धि परिसंपत्तियों के कमीशनिंग पर सकल ब्लॉक में वृद्धि के कारण है।

23. कर व्यय

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
आयकर–चालू वर्ष	3277	3712
-पिछला वर्ष	(632)	(82)
आस्थगित कर प्रभार / (क्रेडिट)	617	(636)
कर व्यय (शुद्ध)	3262	2994

वर्ष में लाभ में वृद्धि के अनुरूप कर व्यय (शुद्ध) में वृद्धि हुई है।

24. कर पश्चात लाभ

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
कर पश्चात लाभ	7040	6011

वर्ष के शुद्ध लाभ में वृद्धि ₹ 1029 करोड़ अथवा 17.12% तक हुई।

25. लाभांश

कंपनी ने वर्ष 2011–12 के दौरान ₹ 489.52 करोड़ की शेयर पूंजी पर 136% (₹ 2.72 प्रति शेयर) अर्थात ₹ 665.75 करोड़ का अंतरिम लाभांश अदा किया है। निदेशक मंडल ने 184 प्रतिशत (₹ 3.68 प्रति शेयर) अर्थात ₹ 900.72 करोड़ के अंतिम लाभांश की भी सिफारिश की है।

वर्ष 2011–12 के लिए लाभांश का कुल भुगतान पिछले वर्ष में ₹ 1524.85 करोड़ की तुलना में ₹ 1566.47 करोड़ (₹ 6.40 प्रति शेयर) है। 1524.85 करोड़ (लाभांश कर रहित) है।

प्रस्तावित अंतिम लाभांश पर कॉर्पोरेट लाभांश कर के लिए ₹ 146.12 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अंतरिम लाभांश पर ₹ 108 करोड़ का कॉर्पोरेट लाभांश कर अदा किया जा चुका है।

26. सामान्य प्रारक्षित निधि में अंतरण

गत वर्ष में ₹ 4000 करोड़ की तुलना में वर्ष 2011–12 के लिए ₹ 4000 करोड़ की राशि सामान्य प्रारक्षित निधि में अंतरित कर दी गई है।

(ii) सहायक कंपनी की वित्तीय पुनरीक्षा

क) भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड

कंपनी ने 100 प्रतिशत सहायक कंपनी के रूप में दिनांक 10.05. 2008 से भारत हेवी प्लेट एंड वेसल्स लिमिटेड (बीएचपीवी) का अधिग्रहण कर लिया है। बीएचईएल पर्याप्त प्रबंधकीय और वित्तीय सहायता से कम्पनी को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया में हैं। 2011–12 में बीएचईएल ने ₹ 155.80 करोड़ के कारोबार पर ₹ 155.80 करोड़ का लाभ कमाया।

बीएचपीवी की वित्तीय स्थिति निम्नलिखित है–

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
इक्विटी में बीएचईएल का निवेश	₹ 1 पर	₹ 1 पर
शेयरों को जारी करने के लि अग्रिम	34.00	34.00
कुल कारोबार	155.80	136.98
कर पश्चात् लाभ	10.44	8.78

ख) बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन्स लिमिटेड

19 जनवरी, 2011 को ₹ 5.36 करोड़ की इक्विटी निवेश के साथ बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड के नाम से एक सहायक कम्पनी का निगमन किया गया जिसने बीएचईएल के पास 51% का मुख्य अंश है और केन्द्र सरकार के पास 49% है। 2011–12 में बीएचईएल ईएमएल ने ₹ 21.14 करोड़ के कारोबार पर ₹ 0.38 करोड़ का घाटा दर्ज़ किया है।

(iii) संयुक्त उपक्रम कंपनियों की वित्तीय समीक्षा

क) बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)

बीजीजीटीएस, बीएचईएल तथा जीई, यूएसए के बीच एक संयुक्त उपक्रम है। इसका गठन जीई द्वारा डिजाइन की गई गैस टर्बाइनों की मरम्मत और सर्विस के लिए किया गया है। कंपनी वित्तीय स्थिति निम्नलिखित है–

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	2.38	2.38
कुल कारोबार	513.28	418.52
कर पश्चात् लाभ	60.76	57.36
निवल मूल्य	114.48	91.34

वर्ष के दौरान बीजीजीटीएस ने ₹ 4.76 करोड़ की इक्विटी शेयर पूंजी पर 480 प्रतिशत अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है और प्रस्तावित अंतिम लाभांश 200% है।

ख) एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)

विद्युत क्षेत्र में ईपीसी कार्यों के निष्पादन के लिए 28 अप्रैल, 2008 को बीएचईएल तथा एनटीपीसी के बीच संयुक्त उपक्रम शुरू किया गया। इसकी वित्तीय उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैः–

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2010-11
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	25.00	25.00
कुल कारोबार	145.55	106.49
कर पश्चात लाभ	13.06	9.26

ग) उड़नगुड़ी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड

उडनगुडी में 1600 मेगावाट (2x800 मेगावाट) सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट निर्मित, प्रापण एवं परिचालन के लिए बीएचईएल तथा टीएनईबी में दिनांक 26 दिसंबर, 2008 को एक संयुक्त उपक्रम शुरू किया गया है।

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2011-12*	वित्तीय वर्ष 2010-11
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	32.50	32.50
निवल ब्लॉक	29.09	29.14
प्रगति में पूंजीगत कार्य	41.75	32.51

*अंनतिम आंकड़ों के आधार पर

घ) रायचूर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड

बीएचईएल ने बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर कर्नाटक में सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के हेतु कर्नाटक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम कम्पनी प्रवर्तित की है। इस संयुक्त उद्यम को ''रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड के नाम से 15 अप्रैल, 2009 को निगमित किया गया।

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2011-12*	वित्तीय वर्ष 2010-11
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	331.52	331.52
निवल ब्लॉक	0.41	0.04
प्रगति में पूंजीगत कार्य (पूंजी व्यय के लिए अग्रिमों सहित)	1473.87	852.35

*अंनतिम आंकड़ों के आधार पर

ड) दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड

बीएचईएल ने निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन आधार पर खंडवा, मध्यप्रदेश में 2X800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने हेतु मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम प्रवर्तित किया है। यह संयुक्त उद्यम ''दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड'' के नाम 25 फरवरी, 2010 को निगमित किया गया था।

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2011-12*	वित्तीय वर्ष 2010-11
बीएचईएल का इक्विटी में निवेश	22.50	2.50
निवल ब्लॉक	0.03	0.02
प्रगति में पूंजीगत कार्य	0.73	0.23

*अंनतिम आंकड़ों के आधार पर

च) लातूर पावर कंपनी लिमि.

बीएचईएल ने लातूर, महाराष्ट्र में 2x660 मेगावाट ताप विद्युत संयंत्र अथवा 1500 मेवा गैस आधारित संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र (सीसीपीपी) की स्थापना के लिए महाराज्य राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमि0 (महाजेनको) के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी प्रमोट की है। ये संयुक्त उद्यम कंपनी 06.04.2011 को ''लातुर पावर कंपनी लिमिटेड'' के नाम से निगमित की गई। जेवीसी की वर्तमान प्रदत्त इक्विटी ₹ 5 करोड़ है जो कि दोनों ही साझेदारों ने समान रूप से अंशदान के रूप में देने की स्वीकृति दी है।

छ) बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड

बीएचईएल तथा पीटीसी के बीच दिनांक 1 सितंबर, 2008 को संयुक्त उपक्रम शुरू किया गया। इस संयुक्त उद्यम का 11.10.2011 से परिसमापन कर दिया गया है और वर्ष के दौरान निवेश बंद कर दिया गया है।

ज) पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड

बीएचईएल तथा सीमेन्स के बीच संयुक्त उपक्रम अभी परिसमापन अधीन है।

(iv) समेकित वित्तीय विवरण (सीएफ़एस)

''संयुक्त उद्यमों में हित की वित्तीय रिपोर्टिंग पर'' समेकित वित्तीय विवरण तथा लेखांकन मानक – 27 पर लेखांकन मा. क्र. 21 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

(आंकड़े ₹ करोड़ में)

	2011–12	2010–11	2010–2011 की तुलना में प्रतिशत की वृद्धि
लाभ व हानि खाता			
कुल कारोबार	49898	43636	14.35
कर पूर्व लाभ	10367	9065	14.36
कर पश्चात लाभ	7087	6053	17.08
तुलन पत्र			
निधियों के स्रोत			
शेयरधारक निधि	25403	20155	26.04
अल्प ब्याज	5	-	
गैर चालू देनदारियां	12867	14205	-9.42
वर्तमान देनदारियां	29155	25257	15.43
कुल	**67430**	**59617**	**13.11**
निधियों का अनुप्रयोग			
शुद्ध ब्लाक (सीडब्ल्यूआईपी सहित)	6282	5366	17.07
गैर चालू निवेश	6	11	-45.45
आस्थगित कर परिसंपत्तियां(शुद्ध)	1549	2165	-28.45
अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां	10503	8487	23.75
चालू परिसंपत्तियां	49090	43588	12.62
कुल	**67430**	**59617**	**13.11**

पावर सेक्टर

बीएचईएल द्वारा कमीशन की गई 2x525 मेगावाट राइट बैंक मैथान परियोजना

ख. व्यवसाय खण्ड का कार्यनिष्पादन

पावर सेक्टर

पिछले वर्ष तक तेज़ी से सर्वाधिक विकसित हो रहे भारतीय विद्युत क्षेत्र ने वर्ष के दौरान गति धीमी दर्शाई। विकासकर्ता कोयला आबंटन, गैस आबंटन, पर्यावरणीय स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, कानूनी मुद्दे, वित्तीय समापन आदि जैसी बहुत सी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं जो कि वर्तमान में चल रही परियोजनाओं के साथ–साथ नई परियोजनाओं को प्रभावित कर रही हैं। उपर्युक्त ए या अधिक कारणों से परिणाम स्वरूप कई परियोजनाओं की बोली प्रक्रिया में देरी हुई और कई परियोजनाओं को, उन सहित जिनकी पिछले वित्तीय वर्ष में बोलियां खोली जा चुकी हैं, अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।

पावर सेक्टर व्यवसाय खंड में बीएचईएल ने देश में जारी ज्यादातर विद्युत संयंत्र एवं संबद्ध उपस्कर आर्डर्स हासिल करते हुए अपनी प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन जारी रखा है। वर्ष के दौरान मुख्य उपस्कर के साथ साथ स्पेयर्स और सेवाओं की आपूर्ति और संस्थापना के लिए ₹ 14,012 करोड़ के आर्डर्स अर्जित किए गए।

वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

- 1x300 मेगावाट विज़ाग के लिए अभिजीत प्रोजैक्ट्स से फोर्सड रीसर्कुलेशन बायलर के साथ प्रथम 300 मेगावाट रेटिंग सेट के लिए आर्डर प्राप्त किया।
- नया ग्राहक जोड़ाः सिंगरेनी कोलेरीज कंपनी लिमि.(एससीसीएल)

पावर सेक्टर में प्राप्त महत्वपूर्ण आर्डरों में शामिल हैंः–

थर्मल:

सब–क्रिटिकल आर्डर्स:

वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 1500 मेगावाट के आर्डर प्राप्त हुए, जिनमें शामिल हैं–

- 2x600 मेगावाट सिंगरेनी कोलैरीज कंपनी लिमि (एससीसीएल)/ अदिलाबाद (मुख्य संयंत्र पैकेज में स्विचयार्ड शामिल है)
- 1x300 मेगावाट अभिजीत पावर प्रोजैक्ट्स/विज़ (बायलर टरबाईन जनरेटर पैकेज)

सुपर–क्रिटिकल आर्डर्स

वर्ष के दौरान 1320 मेगावाट के आर्डर्स प्राप्त किए गए। इसके अलावा सबक्रिटिकल संयंत्रों के लिए बायलर पैकेज, कोल हैंडलिंग प्लांट(सीएचपी) पैकेज और एश हैंडलिंग प्लांट(एएचपी) पैकेज के लिए भी आर्डर प्राप्त हुए। इनमें शामिल हैंः–

- 2x660 मेगावाट डीबी पावर लिमिटेड/सिंगरौली एसटीपीपी (बीटीजी–स्विचयार्ड सहित)
- 2x660 मेगावाट एनटीपीसी/मौदा स्टीम जनरेटर (एसी) पैकेज (थोक निविदा के तहत)
- 2x800 मेगावाट आरपीसीएल/येरामारस सीएचपी एवं एएचपी पैकेज

स्पेयर्स एवं सेवाएँ व्यवसाय समूह (एसएसबीजी)

एसएसबीजी ग्राहकों को पोस्ट वारंटी सेवाओं जैसे कि स्पेयर्स की आपूर्ति, ओवरहालिंग, मरम्मत एवं नवीनीकरण तथा आधुनिकीकरण (आरएंडएम) के लिए एकल खिड़की सुविधा उपलब्ध कराता है। वर्ष के दौरान एसएसबीजी ने स्पेयर्स के लिए ₹ 1842 करोड़, सेवाओं (आरएंडएम सहित) के लिए ₹ 408 करोड़ के आर्डर्स बुक किए जो कि कुल ₹ 2250 करोड़ के हैं।

कमीशनिंग:

बीएचईएल ने देश की स्थापित क्षमता में एक लाख मेगावाट योगदान के निशान को पार कर लिया है। बीएचईएल ने देश की कुल स्थापित क्षमता में अब तक 106202 मेगावाट का योगदान किया है। वर्ष के दौरान बीएचईएल ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कुल मिलकार 9270 मेगावाट क्षमता को कमीशन/समकालिक किया है।

- बीएचईएल ने वर्ष के दौरान देश और विदेश में कुल 8997.8 मेगावाट के 41 सेटों को कमीशन किया है (यूटिलिटी, औद्योगिक और ओवरसीज सेटों सहित)
- यूटिलिटीज परियोजनाओं की कमीशनिंग के अलावा, बीएचईएल ने 272 मेवा (छुटक-1, 2(2X11 मेवा) को सिंक्रोनाइज किया है, क्षमता विस्तार के लिए यूटिलिटीज से स्वीकृति का इंतज़ार है।

वर्ष के दौरान कमीशन किए गए यूटिलिटी सेट हैं–

- कोठागुडम (चरण VI) यू-1(500 मेगावाट), सिमाद्री यू -4 (500 मेगावाट) आंध्र प्रदेश में

निदेशक (पावर), बीएचईएल और समूह प्रबंध निदेशक, अभिजीत ग्रुप आंध्र प्रदेश में 300 मेवा टीपीपी की स्थापना के लिए दस्तावेजों का आदान–प्रदान करते हुए

2x500 मेगावाट टीपीएस को बीएचईएल ने डीवीसी, दुर्गापुर के लिए कमीशन किया।

- लकवा डब्ल्यूएचआरपी (37 मेगावाट) असम में
- प्रगति एसटीजी यू–1 (250 मेगावाट) दिल्ली में
- हज़ीरा सीसीपीपी विस्तार जीटी एवं एसटी (351 मेगावाट) गुजरात में
- झज्जर यू -2 (500 मेगावाट) हरियाणा में
- कोडरमा यू -1 (500 मेगावाट), मैथोन आरबीसी यू -1,2 (2X525 मेगावाट) झारखंड में
- बेल्लारी यू -2 (500 मेगावाट) कर्नाटक में
- भूसावल यू -4,5 (2X500 मेगावाट), खापरखेडा विस्ता -1 (500 मेगावाट) महाराष्ट्र में
- नैवेली (चरण II) यू -1 (250 मेगावाट), वेल्लूर यू–1 (500 मेगावाट) तमिलनाडू में
- हरदूआगंज यू–8 उत्तर प्रदेश में
- कोटेश्वर एचईपी यू–3,4 (2X100 मेगावाट) उत्तराखंड में
- दुर्गापुर यू–1,2 (2X500 मेवा), संतालडीह यू -6 (250 मेगावाट) पश्चिम बंगाल में।

  वर्ष के दौरान बीएचईएल द्वारा विदेशों में कमीशन किए गए सेटों में देवीघाट यू– 4,5 (2X5 मेगावाट), ओमान यू -1,2 (2X126 मेगावाट), ताइवान (63 मेगावाट) शामिल है।

निर्माण एवं कमीशनिंग की मुख्य विशेषताएं

- XI योजना अवधि के दौरान बीएचईएल ने 25385 मेगावाट यूटिलिटी सेटों की कमीशनिंग की जो 10 वीं योजना अवधि में हासिल 13613 मेगावाट से करीब दोगुना है।
- वर्ष के दौरान अब तक की सर्वोच्च 8410 मेगावाट यूटिलिटी परियोजनाएं कमीशन/सिंक्रोनाइज की गईं।
- वर्ष के दौरान यूटिलिटीज के लिए अब तक की सबसे उच्च 8138 मेगावाट क्षमता जोड़ी गईः पिछले वर्ष से 29% अधिक।
- **पहली बार की उपलब्धियां:**
  - बीएचईएल ने हज़ीरा में जीएसईजीएल का 1xFr-9 एफए गैस टरबाईन आधारित संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र (सीसीपीपी–351 मेगावाट) और तदुपरांत प्रगति–III में पीपीसलएल का 2xFr-9 एसए सीसीपीपी (750 मेगावाट–मॉडयूल I) दिल्ली कमीशन किया।
  - बीएचईएल ने मैथोन में 2X525 मेगावाट की कमीशनिंग के साथ अपनी पहली 525 मेवा रेटिंग की इकाई की कमीशनिंग की है। इस नए रेटिंग सेट को देश की विशिष्ट बाजार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शुरू किया गया है।
  - बीएचईएल ने न्येवेली में सीएफबीसी बायलर के साथ इसके प्रथम 250 मेगावाट सेट की क्षमता विस्तार भी हासिल की है। देश में यह सीएफबीसी बायलर संचालित उच्चतम रेटिंग का है।
- वर्ष के दौरान पिछले साल के श्रेष्ठ 8 सेटों की सीमा को पार करते हुए 500/525 मेगावाट रेटिंग्स के 13 सेट कमीशन किए गए।
- केवल एक माह में बीएचईएल ने 3625 मेगावाटा कमीशनिंग की है।
- बीएचईएल की उपस्कर विश्वसनीयता और कमीशनिंग कौशल को दर्शाते हुए एनटीपीसी सिम्हाद्रि यूनिट का सिंक्रोनाइजेशन के 6 घंटे के भीतर पूर्ण लोड प्रचालन हासिल कर लिया गया।
- टीएचडीसी के कोटेश्वर पावर स्टेशन पर बाढ़ के बावजूद 11वीं योजना के दौरान टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए 100 प्रतिशत क्षमता विस्तार लक्ष्य हासिल किया गया।
- गौरतलब है कि मात्र 24 घंटे की अवधि में देश के विभिन्न विद्युत केंद्रों में 1625 मेगावाट की संचयी क्षमता के साथ ताप और जलविद्युत इकाइयों की कमीशनिंग कर दी गई।

बीएचईएल यूटिलिटी सेटों का कार्य निष्पादन

- बीएचईएल थर्मल सेटों (कोयला आधारित) पिछले वर्ष के 435216 एमयू के मुकाबले 459706 एमयू का उत्पादन किया और इस प्रकार पिछले वर्ष के मुकाबले 5.63% की वृद्धि देखी गई तथा थर्मल यूटिलिटी सेटों से देश के उत्पादन में 75

2x100 मेवा (यूनिट 3&4) हाइड्रो सेट–टीएचडीसी, कोटेश्वर के लिए

1500 मेवा प्रगति संयुक्त चक्र विद्युत परियोजना, बवाना

490 मेवा (यूनिट 5) एनसीटीपीपी दादरी की बीएचईएल ने कमीशनिंग की। समय से पहले पूर्ण करने के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता

बीएचईएल सेटों से सुसज्जित विंध्याचल एसटीपीएस – कार्य निष्पादन के लिए स्वर्ण उत्कृष्टता पुरस्कार 2010–11 के विजेता

प्रतिशत (612880एमयू) का योगदान किया।

- बीएचईएल कोयल आधारित सेटों ने 73.3 प्रतिशत की राष्ट्रीय औसत के मुकाबले 75.5 प्रतिशत का संयंत्र पीएलएफ दर्ज़ किया।
- वर्ष के दौरान बीएचईएल द्वारा आपूरित 195/200/210/250/500/525 मेगावाट कोयला आधारित सेटों, जो कि देश के विद्युत उत्पाद की रीढ़ हैं, का उत्पादन 78.9 प्रति के पीएलएफ के साथ 428540 एमयू रहा और देश में इन कोयला आधारित सेटों द्वारा उत्पादित कुल विद्युत ऊर्जा का 89 प्रतिशत, 70 ओए इन सेटों से योगदान का था।
- बीएचईएल उपस्करों से सज्जित सोलह स्टेशनों ने 90 प्रतिशत से ऊपर का पीएलएफ दर्ज़ किया है, ये हैं–धनाऊ (100.9), बज बज (99.9), सीपत (98.5), रायगढ़ (97.3), अमरकंटक एक्स. -210 (93.5), रामागुंडम (93.4), विजयवाड़ा-500 (93.3), मेत्तूर (93.0), सिम्हाद्री (92.7), भटिंडा–एलएम (91.5), कोटा (91.4), सीईएससी (90.9), विजयवाड़ा (90.5), भिलाई (90.4), विंध्याचल (90.2), रिहंद चरण II (90.2).
- 198 बीएचईएल आपूरित कोयला आधारित सेटों ने 70 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ हासिल किया। इनमें से 61 सेटों ने 90 प्रतिशत से अधिक और 82 सेटों ने 80 से 90 प्रतिशत के बीच पीएलएफ हासिल किया है।
- बीएचईएल कोयला सेटों ने 86 प्रतिशत की प्रचालन उपलब्धता (ओ.ए) दर्ज़ की है।
- 149 बीएचईएल थर्मल सेटों ने 90 प्रतिशत से अधिक या समकक्ष ओ.ए हासिल किया है।
- 189 बीएचईएल आपूरित कोयला आधारित सेटों ने वर्ष के दौरान 90 दिनों से अधिक के लिए निर्बाध प्रचालन हासिल किया है, जिनमें से:
  - 106 सेट वर्ष के दौरान 90 से अधिक दिनों के लिए लगातार चले
  - 56 से 90 दिनों से अधिक के लिए दो बार लगातार चले
  - 25 सेट 200 से अधिक दिनों के लिए लगातार चले
  - 2 सेट 90 से अधिक दिनों के लिए लगातार तीन बार चले

उत्कृष्टता पुरस्कारः बीएचईएल आपूरित से युक्त कई पावर स्टेशनों ने इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों के तहत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित ''पावर सेक्टर के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार योजना'' के तहत उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किए।

- **2009–10 के लिए कार्य निष्पादन :**

कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले 12 पावर स्टेशनों में से 9 अंशतः या पूर्णतः बीएचईएल निर्मित सेटों से सज्जित हैं। कार्यनिष्पादन के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले स्टेशन हैं:

स्वर्ण: दादरी#5 टीपीएस [बीएचईएल], दहानु टीपीएस (बीएचईएल), बासपा (हाईड्रो) (गैर बीएचईएल)

रजत: रामागुंडम एसटीपीएस (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), विंध्याचल एसटीपीएस (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), बज बज टीपीएस(गैर बीएचईएल), गेरूसोपा (हाईड्रो) (बीएचईएल)

कांस्य: कोरबा एसटीपीएस (बीएचईएल), तोरंगालु टीपीएस (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), रिहंद एसटीपीएस (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), भैड़ा (हाईड्रो) (गैर बीएचईएल)

सांत्वना: कोठागुंडम एसटीपीएस (बीएचईएल)

- **2010–11 के लिए कार्य निष्पादन:**

कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले 15 पावर स्टेशनों

बीएचईएल द्वारा स्थापित 1x600 मेवा अक्थां टीपीपी,की निर्माण के दौरान उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरक्षण के लिए केडब्ल्यूपीसीएल द्वारा प्रशंसा की गई।

में से 11 अंशतः या पूर्णतः बीएचईएल निर्मित सेटों से युक्त हैं। कार्यनिष्पादन के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले स्टेशन हैं:

स्वर्ण: विंध्याचल एसटीपीएस (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), उडुपी टीपीएस #1 [गैर बीएचईएल], आरएपीएस (न्यूक्लियर) (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), नाथपा झाकरी (हाईड्रो) (बीएचईएल/गैर बीएचईएल)

रजत: रामागुंडम एसटीपीएस (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), तोरंगालु टीपीएस (बीएचईएल/गैर बीएचईएल), मुंदड़ा #5 [गैर बीएचईएल], न्येवेली टीपीएस (विस्तार-I) [गैर बीएचईएल], बासपा (हाईड्रो) [गैर बीएचईएल].

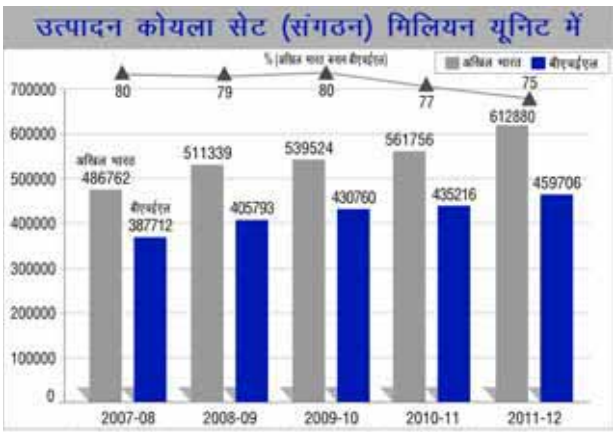

*बीएचईएल के 30 मेगावाट की रेटिंग वाले सेट और 3 निजी संगठन (तोरनगल्लू, टाटा जोजोबेरा और सूरत लिग्नाइट) शामिल नही है।

कांस्य: धहानु टीपीएस (बीएचईएल), रिहंद एसटीपीएस (बीएचईएल/ गैर बीएचईएल), ट्राम्बे सीसीपीपी (बीएचईएल /गैर बीएचईएल), पोंग पावर हाउस (हाईड्रो) (बीएचईएल)

सांत्वना: कोरबा (पूर्व) (बीएचईएल), तारापुर एपीएस (न्यूक्लियर) (बीएचईएल/गैर बीएचईएल)

सेवाएं

बीएचईएल ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति की सुविधा और विद्युत संयंत्रों को अच्छी चालू हालत में रखते के उद्देश्य से दक्ष ग्राहक सेवा को जारी रखा। वर्ष के दौरान पावर सेक्टर ने 150 यूटिलिटी/कैप्टिव सेटों को (गैर बीएचईएल सेटों सहित) ओवरहाल किया गया।

निष्पादित हुए प्रमुख सेवाएं आर्डर्स हैं:–

- तारापुर परमाणु विद्युत केंद्र(टीएपीएस) यूनिट–4 (540 मेगावाट) में अपनी तरह के सबसे बड़े बीएचईएल निर्मित न्यूक्लियर टीजी की कैपिटल ओवरहालिंग, टीएपीएस में सभी सावधानियों, संरक्षा उपायों और प्रक्रियाओं के साथ समय पर पूरी की गईं।
- देवीघाट एचईपी, नेपाल (3X5 मेगावाट) का पुनरुद्धार 9 माह (करीब 270 दिन) के नियोजित कार्यक्रम के तहत 247 दिनों में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- जेपीएल रायगढ़ यूनिट–3/250 मेगावाट (एलपी टरबाईन, जनरेटर, बियरिंग निरीक्षण एवं वाल्व आदि) की ओवरहालिंग बारिंग गियर से बारिंग गियर तक 15 दिनों के मुकाबले 8 दिनों में पूरी की गई।
- यूपीआरवीयूएनएल रिहंद एचईपी यूनिट–5 (50 मेगावाट) को 02.05.2011 को सफलतापूर्वक समकालिक किया गया और इसने 55 मेगावाट आउटपुट के निशान को पार किया। (इसकी मूल रेटिंग से 10 प्रतिशत ऊपर)

ग्राहक प्रशंसा

कई प्रतिष्ठित ग्राहकों (जैसे कि मैथान पावर लिमिटेड, आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड (एपीजीईएनसीओ), कोरबा वेस्ट पावर कंपनी लिमि, बोकारो सप्लाई कंपनी प्रा. लिमि., केरल राज्य बिजली बोर्ड, एमएसपीजीसीएल, अभिजीत प्रोजैक्ट्स लिमि आदि) से बीएचईएल द्वारा दिए गए उत्कृष्ट सहयोग के लिए प्रशंसाएं प्राप्त हुई हैं।

जीजीएस रिफाइनरी, भटिंडा में बीएचईएल द्वारा 153 मेवा कैप्टिव पावर प्लांट की कमीशनिंग की गई।

उद्योग क्षेत्र

उद्योग क्षेत्र में बीएचईएल ने कैप्टिव पावर, रेल परिवहन, विद्युत ट्रांसमिशन, तेल एवं गैस, अक्षय ऊर्जा तथा अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में ₹ 8782 करोड़ के आर्डर प्राप्त किए।

वर्ष के दौरान उद्योग खंडवार प्राप्त मुख्य आर्डर/अन्य व्यावसायिक उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:–

कैप्टिव विद्युत संयंत्र

- मै. कृभको लि. से उसके हजीरा काम्पलैक्स के लिए चिलर के साथ जीटीजी के लिए प्रथम आर्डर प्राप्त किया। चिलर के उपयोग के परिणामस्वरूप विद्युत आउटपुट में वृद्धि हुई है। आर्डर कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल किया गया।
- 100 प्रतिशत कोयला मिडलिंग्स पर चलने वाला सीएफबीसी बायलर डिजाइन किए गए सीपीपी ग्रुप हेतु पहला आर्डर प्राप्त किया। मै. कोहिनूर पावर, कोलकाता द्वारा स्थापित किए जा रहे विद्युत संयंत्र के लिए मैसर्स टेकप्रो सिस्टम्स लिमि. से 280टीपीएच सीएफबीसी बायलर के साथ 67.5 मेगावाट बीटीजी के लिए आर्डर हासिल किया गया।
- ग्रासिम सैल्युलोसिक डिवीजन ने क्रमशः विलायत में अपनी निर्यात उन्मुख इकाई और हरिहरमें ग्रासिलीन डिवीजन के लिए 3x32 मेगावाट और 1x20 मेगावाट एसटीजी के लिए आर्डर प्रस्तुत करके बीएचईएल में अपना विश्वास जताया।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच डहेज संयंत्र के लिए 2 नग फ्रेम 6बी जीटीजी के लिए आर्डर जारी करके बीएचईएल में विश्वास जताया।

अक्षय ऊर्जा

- कर्नाटक पावर कार्पोरेशन और इंडियन आयल कार्पोरेशन प्रत्येक से उनकी क्रमशः मांडया और फलोदी परियोजनाओं के लिए 5 मेगावाट के दो ग्रिड इंटरेक्टिव सोलर पीवी पावर प्लांट्स के लिए आर्डर मिले।

इस खंड में अन्य व्यावसायिक उपलब्धियां:

- बीएचईएल का सतत आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा आधारित उत्पादों के विकास और प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय प्रयासों में योगदान करने का रहा है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने देश के विभिन्न भागों में 15एमडब्ल्यूपी के सौर विद्युत संयंत्रों की कमीशनिंग द्वारा सोलर फोटोवाल्टियक (पीवी) बिजनेस में नया रिकार्ड स्थापित किया है। इनमें 5एमडब्ल्यूपी आईओसीएल फलौदी, 3एमडब्ल्यूपी केपीसीएल रायचुर, 2 एमडब्ल्यूपी इंडिया बुल्स पावर लिमि. बरेली, 4एमडब्ल्यूपी इंडिया बुल्स पावर लिमि, काटोल, और 1.18 एमडब्ल्यूपी लक्षद्वीप में शामिल है। ये परियोजनाएं क्रिस्टेलीन सिलिकान फोटोवाल्टियक (cSi PV) टेक्नालोजी पर आधारित हैं और विश्व में सबसे लंबा प्रचालन अनुभव रखते हैं।
- सौर क्षेत्र में संयुक्त विकास कार्य के लिए आईओसीएल और आईआईटी–राजस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस संयुक्त प्रयास के तहत विकसित उत्पादों और प्रणालियों को जोधपुर में आईआईटी–राजस्थान के आने वाले परिसर में सृजित किए जा रहे सौर क्षेत्र में परीक्षित और प्रदर्शित किया जाएगा।

रक्षा व्यवसाय

- एवीआईओ इटली में सफल फैक्ट्री स्वीकार्यता परीक्षण (एफएटी) के उपरांत प्रथम ऑक्स नियंत्रण प्रणाली (एसीएस) नौसेना जहाज (पी15ए) पर स्थापना के लिए सुपुर्द कर दी गई है, इस तरह उत्पाद को सफलतापूर्वक लांच किया गया है।

रेल परिहवन

- आईसीएफ, चेन्नई से 85 सेट 25 केवी एसी ईएमयू (कन्व) के लिए और रेलवे बोर्ड से 870 व्हील एवं एक्सल असेम्बली सेटों के लिए एकल सबसे बड़ा आर्डर प्राप्त किया।

इस खंड में अन्य व्यावसायिक उपलब्धियां:

- इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स पर उपयोग के लिए आईजीबीटी

बीएचईएल द्वारा कर्नाटक के 5 मेगावाट का एकल सबसे बड़ा ग्रिड कनेक्टिड सौर विद्युत संयंत्र कमीशन किया गया।

बीएचईएल के आईजीबीटी–आधारित ट्रैक्शन एवं सहायक कन्वर्टर्स युक्त सीएलडब्ल्यू का 6000 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव

आधारित ट्रैक्शन पावर कन्वर्टर, सहायक कन्वर्टर और वाहन नियंत्रण इकाई बीएचईएल द्वारा विकसित की गई। बीएचईएल निर्मित आईजीबीटी आधारित ट्रैक्शन कन्वर्टर/इन्वर्टर, सहायक कन्वर्टर के साथ फिटिड ए 25केवी एसी 6000 एचपी इलेक्ट्रिक लोको भारतीय रेल के सिकंदराबाद खंड में सफल व्यावसायिक प्रचालन में है और 60000 कि.मी. दर्ज़ कर चुका है।

- एचएचपी डीईएमयू में उपयोग के लिए भारतीय रेल हेतु एक न्यू ट्रैक्शन अल्टरनेटर टाइप टीए 6801एजेड विकसित। नया अल्टरनेटर 12 प्रतिशत छोटा और वजन में 20 प्रतिशत हल्का है जिसके परिणामस्वरूप अनुरक्षण में आसानी के साथ लागत प्रभावकारिता, कोच में बेहतर दक्षता उत्पन्न हुई है।

औद्योगिक उत्पाद–मैकेनिकल

- मैसर्स ओएनजीसी के साथ वैल हैड एवं क्रिसमस ट्रीज की आपूर्ति हेतु दर अनुबंधन को अंतिम रूप प्रदान किया गया। बीएचईएल पर ओएनजीसी द्वारा ये लगातार तीसरा रेट प्लेसमेंट है, जिससे बीएचईएल में ओएनजीसी का विश्वास झलकता है।
- 18 वर्ष के अंतर के उपरांत ओएनजीसी से अत्याधुनिक एसी ड्रिलिंग रिग्स की आपूर्ति के लिए आर्डर प्राप्त हुआ। एसी मोटर्स के उच्चतर विद्युत घटक के तौर पर अधिक दक्ष रिग प्रचालन के कारण एसी ड्राईव के साथ रिग्स विश्वव्यापी नवीनतम ट्रैंड हैं।
- रिफाइनरी सेक्टर (आईओसीएल मथुरा), पेट्रो–केमिकल सेक्टर (गेल, विजयपुर एवं गेल पाटा) तथा फर्टिलाइजर क्षेत्र में एनएफएल पानीपत/भटिण्डा(एनएफएल पानीपत/भटिण्डा से सीओ2 कम्प्रेशर रीवैम्प से कम्प्रेशर) आर्डर्स प्राप्त।

औद्योगिक उत्पाद–इलेक्ट्रिकल

- सीएचपी/एएचपी सप्लायर्स से 217 मोटर्स और 15 नं. 980–6500केवी मोटर्स के लिए मानिकगढ़ सीमेंट से रिकार्ड आर्डर,।
- औद्योगिक मोटर्स व्यवसाय में 9 नए ग्राहक जोड़े गए।

ट्रांसमिशन प्रणाली–सबस्टेशन/स्विचचार्ड

- कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच पावरग्रिड से रायचूर में 765/400 kV सबस्टेशन, 400/220 kV औरंगाबाद सबस्टेशन और 400केवी वर्धा सब स्टेशन एक्सटेंशन पैकेज हेतु आर्डर प्राप्त किया। 765/400 kV सबस्टेशन आर्डर ने बीएचईएल के 765 केवी सबस्टेशन खण्ड में मार्ग को प्रशस्त किया है।

इस खंड में अन्य व्यावसायिक उपलब्धियां:

- ग्राहकों को अत्याधुनिक उत्पादों और प्रौद्योगिकियां प्रस्तुत करने के इसके प्रयासों के भाग के तौर पर, बीएचईएल ने पीजीसीआई के 1200केवल राष्ट्रीय प्रायौगिक उप केंद्र में 1200 केवी 33 एमवीए रेटिंग के भारत के सर्वोच्च वॉल्टेज विद्युत ट्रांसफार्मर को डिज़ाइन, विनिर्मित और कमीशन किया। एकल फेस इंटरकनेक्टिंग ट्रांसफार्मर घरेलू इंजीनियरी और

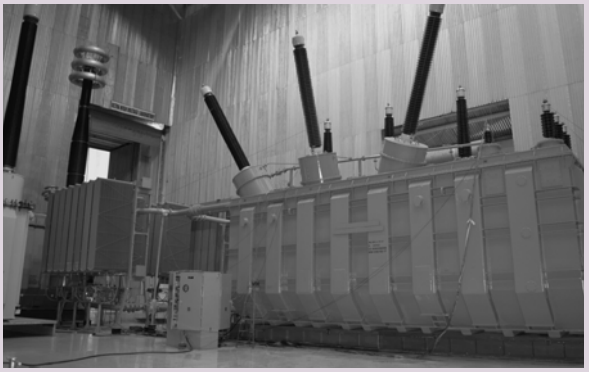

स्वदेशी रूप से विकसित 400केवी, 315 एमवीए (3फेस), फेस शिफ्टिंग ट्रांसफार्मर का व्यवसायीकरण

विनिर्माण प्रौद्योगिकी के साथ विकसित और विनिर्मित किया गया है।

- बामनौली परियोजना के लिए पीपीसीएल के लिए 400 केवी ओवरहैड पारेशण लाइन को रिप्लेस करने के लिए भारत में पहली बार प्रयुक्त ईएचवी केबल–400 केवी, 2500 वर्ग एममएम के उच्चतम आकार का प्रयोग करते हुए भूमिगत 400 केवी केबल नेटवर्क का अभियांत्रिकी कार्य किया।
- घरेलू प्रौद्योगिकी के साथ विकसित पहले 765 kV 80 MVA एक फेस शंट रिएक्टर का आईईसी मानकों के अनुरूप सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

ट्रांसमिशन उत्पाद

- एनपीसीआई के केएपीपी और आरएपीपी परमाणु विद्युत संयंत्रों के लिए 14 नं. 285 एमवए, 400केवी जनरेटर ट्रांसफार्मर्स के महत्वपूर्ण आर्डर।
- बीएचईएल में ग्राहकों ने विश्वास जताया–पीएसटीसीएल (पंजाब) से बीएचईएल ने 28 नग 100 एमवीए, 220/66केवी और 12 नग 160 एमवीए, 220/66 केवी विद्युत ट्रांसफार्मर्स के लिए पूर्ण आर्डर प्राप्त किया।
- जेआईसीए (जापान) वित्तपोषित निविदाओं के तहत एमपीपीटीसीएल से 19 नग 160 एमवीए, 220/132केवी ऑटो ट्रांसफार्मर्स और 32 नग 40एमवीए, 132केवी ट्रांसफार्मर्स का बड़ा आर्डर प्राप्त किया।

इस खंड में अन्य व्यावसायिक उपलब्धियां:

- बीएचईएल झांसी ने 400 केवी पावर और इंस्ट्रश्युमेंट ट्रांसफार्मर्स की आपूर्ति की क्षमता विकसित की।
- देश में उच्चतम रेटिंग ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर का सफलतापूर्वक परीक्षण और आपूर्ति की। झांसी संयंत्र द्वारा देश में पहली बार 15एमवीए, 36केवी ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर रिलायंस सासन के लिए ब्ल्यूस्टार के जरिए विकसित किया गया।
- बीएचईएल को तमिल चैंबर ऑफ कामर्स द्वारा आयात श्रेणी में 'एग्ज़िम एचीवमेंट अवार्ड' प्रदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

ओमान के पीडीओ अमाल में बीएचईएल द्वारा कमीशन की गई 2x फ्रेम 9ई जीटीजी यूनिटें

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

- वर्ष 2011–12 में विश्व के कई हिस्सो में अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आए जिसने बीएचईएल की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संभावनाओं को प्रभावित किया। यूरोप में व्यापक वित्तीय अस्थिरता और मध्य पूर्व तथा उत्तर अफ्रीका (एमईएनए) क्षेत्र में राजनीतिक परिवर्तनशीलता वित्तीय समापन और परियोजना वित्तपोषण में देरी का कारण बनी जिसके परिणामस्वरूप नई परियोजनाओं का अंतिम रूप दिये जाने के काम में देरी हुई। मध्यपूर्व और उत्तर अफ्रीका में हाल की इस राजनैतिक और नागरिक अशांति तथा बढ़ती सुरक्षा चिंताओं ने हमारे परंपरागत बाजारों में व्यवसाय संभावनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया।
- इन कठिन और अनिश्चित रूझानों के बावजूद बीएचईएल ने अपने अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के वॉल्यूम को बनाए रखने में लगातार प्रयास किए हैं। हालांकि वर्ष के दौरान अंतिम रूप दिये जाने की आशा वाले कुछेक बड़े आर्डर्स में देरी हुई, हमारे ठोस प्रयासों ने विश्व के 21 देशों से आर्डर प्राप्त करते हुए हमें अपने पैर ज़माने में मदद की।
- वर्ष में मौजूदा बाजारों और उत्पाद क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति दृढ़तापूर्वक स्थापित करने के अतिरिक्त, नए बाजारों और नए उत्पाद क्षेत्रों में सफल प्रवेश से वैश्वीकरण की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया।

वर्ष 2011–12 के दौरान मुख्य उपलब्धियां:

वर्ष के दौरान बीएचईएल ने निम्नलिखित प्रतिष्ठित ऑर्डर प्राप्त किए हैं:

- ट्रांसफामर्स के लिए एकल सबसे बड़ा निर्यात आर्डर– पुनातसांगछु हाइड्रो प्रोजैक्ट अथॉरिटी–1, भूटान से ट्रांसफार्मर्स के लिए एकल सबसे बड़ा निर्यात आर्डर (वित्तीय मूल्य की दृष्टि से) प्राप्त किया।
- नए देश में प्रवेश–यक्रेन–यूक्रेन से 27 मेगावाट भाप टाइरबाईन जनरेटर के लिए आर्डर अर्जित करते हुए बीएचईएल ने यूक्रेन में अपना सफलतापूर्वक प्रवेश सुनिश्चित किया। बीएचईएल ने 15 वर्षों के अंतराल के बाद यूरोपनीय देश से भाप टरबाईन के लिए आर्डर प्राप्त किया है।
- केन्या से मोटर्स के लिए दोबारा आर्डर–वर्तमान ग्राहकों के विश्वास को पुनः पुष्ट करते हुए बीएचईएल ने मामबासा सीमेंट लिमि, केन्या से 2500 केडबल्यू और 1400 केडब्ल्यू स्लिप रिंग इंडक्शन मोटर्स की आपूर्ति के लिए दोबारा आर्डर प्राप्त किए।
- वर्तमान बाजार में नए उत्पाद– जार्जिया से वैलहैड्स–पहली बार जार्जिया से वैलहैड्स के निर्यात आर्डर अर्जित करने के लिए सीआईएस बाजार से वैलहैडस के लिए पहली बार एक आर्डर प्राप्त किया है।
- भूटान से 6x170 मेगावाट पुनात्सांगछु– II और 4x180 मेवा मांगडेछु हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं के लिए मेवाट लेटर ऑफ इन्टेंट्स प्राप्त किया।
- विश्व भर से 68 आर्डर प्राप्त करके 21 देशों में पैर जमाए– अन्य उत्पादों के लिए आर्डरों में इंडोनेशिया से 15मेवा एसटीजी की बहाली, इराक सेट्रांसफार्मर्स, बंगलादेश, यमन और नाईजीरिया से मोटर्स और यूएई से सूट ब्लोअर्स के आर्डर प्राप्त किए गए।

6x170 मेगावाट पुनात्संगछु II एचईपी, भूटान के इलेक्ट्रो–मैकेनिकल पैकेज के लिए बीएचईएल और पीएचपीए–II के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हुए

चेक गणराज्य के उद्योग और व्यापार मंत्रालय में उप मंत्री बीएचईएल को निर्यात में उत्कृष्टता के लिए ईईपीसी ऑल इंडिया पुरस्कार प्रदान करते हुए

- विक्रय उपरांत सेवाओं पर निरंतर फ़ोकस देने से विश्व के विभिन्न भागों से स्पेयर्स और सेवाओं के लिए आर्डर्स प्राप्त हुए, जिनमें आस्ट्रेलिया, बंगलादेश, भूटान, जार्जिया, इंडोनेशिया, इराक, कजाख़्स्तान, मलेशिया, मालटा, सऊदी अरब, श्रीलंका, यूएई, अमरीका, वियतनाम और यमन शामिल है।

प्रमुख विदेशी आर्डरों का निष्पादन:

वर्ष 2011–12 में बीएचईएल ने विदेशी बाजारों में 325 मेगावाट के विद्युत संयंत्र क्षमता को सफलतापूर्वक कमीशन किया।

वर्ष के दौरान निष्पादित प्रमुख परियोजनाएं हैं:–

- ओमान – 2x126 MW (2xFr-9E) ओमान के पेट्रोलियम विकास के लिए अमाल पावर परियोजना।
- नेपाल–3x5 मेगावाट देवीघाट पनबिजली विद्युत संयंत्र की दो इकाइयां चालू की गईं और परियोजना नेपाल विद्युत प्राधिकरण को सौंप दी गई।
- ताइवान–63 मेगावाट भिहाई हाइड्रो इलेक्ट्रिक संयंत्र चालू किया गया। बीएचईएल ने गारंटीज आंकड़ों की तुलना में महत्वपूर्ण उच्चतर दक्षता हासिल करके अपनी तकनीकी सक्षमता को प्रमाणित किया।
- काबुल– 220/110/20 केवी चिमताला सब–स्टेशन परियोजना सफलतापूर्वक चालू की गई।

बीएचईएल वर्तमान में विश्व के 19 देशों में फैसले 24 ठेकों का निष्पादन कर रही है, इनमें से कुछेक देश हैं– अफगानिस्तान, बेलारूस, भूटान, इथियोपिया, इंडोनेशिया, न्यू कैलेडोनिया, ओमान, रवांडा, सूडान, सीरिया और वियतनाम।

ग्राहक प्रशंसा

- अफगानिस्तान– 220/110kV काबुल सब–स्टेशन परियोजना– चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रिकार्ड समय में सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे करने के लिए ग्राहक से प्रशंसा प्राप्त हुई।
- नेपाल–3 x 5 मेगावाट देवीघाट जलविद्युत परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए नेपाल विद्युत प्राधिकरण से प्रशंसा पत्र प्राप्त।
- भूटान–चूखा पनबिजली संयंत्र की बहाली के लिए(मात्र उन्नीस दिनों में) और ताला जलविद्युत संयंत्र की यूनिट 1 एवं 2 के महत्वपूर्ण घटकों की रिप्लेसमेंट के लिए ड्रक ग्रीन पावर कार्पोरेशन लिमिटेड से प्रशंसा प्राप्त।

बीएचईएल द्वारा सूडान में 4x125 मेगावाट कोस्ती टीपीएस निष्पादनाधीन

बंगलादेश में बीएचईएल द्वारा टर्नकी आधार पर स्थापित 230 केवी बाघाबाड़ी सब–स्टेशन

पूंजी निवेश

बीएचईएल, तिरूचिरापल्ली में तेल क्षेत्र उपस्कर के लिए 30,000 पीएसआई हाइड्रो टैस्ट बैंच

एचपीईपी, हैदराबाद में प्लाजमा कोटिंग सिस्टम

बीएचईएल, झांसी में एसी लोकोमोटिव के लिए बोगी मशीनिंग सेंटर

एचईईपी, हरिद्वार में स्पेशल परपज फर ट्री गरूव मिलिंग मशीन

ग. पूंजी निवेश

- बीएचईएल ने विनिर्माण यूनिटों और विद्युत परियोजना कार्यस्थलों में विनिर्माण क्षमता की वृद्धि और सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर 2011–12 के दौरान ₹ 1122 करोड़ का पूंजी निवेश किया। इनमें विनिर्माण इकाइयों और पावर सेक्टर क्षेत्रों में क्षमता विस्तार के लिए ₹ 840 करोड़ का पूंजी निवेश शामिल है।
- मौजूदा पुरानी सुविधाओं की अवधि, विश्वसनीयता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए 2011–12 के दौरान ₹ 76 करोड़ के अतिरिक्त निवेश के माध्यम से उनके पुनःनिर्माण तथा रिट्रोफिटिंग पर ध्यान केन्द्रित किया गया।
- बीएचईएल प्रति वर्ष 20,000 मेगावाट विद्युत संयंत्र उपस्करों की सुपुर्दगी के लिए सक्षमता हासिल कर ली है। इसमें अन्य के अलावा ईडीएन, बंगलौर में 7000 क्यूबिकल्स/वर्ष तक नियंत्रण उपस्कर का विस्तार, बीएपी, रानीपेट में बायलर सहायक उपकरण, हैदराबाद में गैस टरबाईन के लिए असेम्बली खंड, तिरूचि में बायलर शॉप और एचईईपी, हरिद्वार में न्यू ब्लेड शॉप शामिल है।
- 80000 एमटी हाई प्रेशर पाइपिंग की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ तिरूमयम, तमिलनाडु में "पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट (पीपीपीयू)" ने वर्ष के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया।
- बीएचईएल इकाइयों में संचालित विभिन्न क्षमता विस्तार योजनाओं के तहत वर्ष 2011–12 के दौरान करीब 70 अत्याधुनिक–मशीनिंग सुविधाएं/प्रोसेस कमीशन किए गए जिनमें 51 नग अत्याधुनिक सीएनसी मशीनें शामिल हैं। फ़ोकस स्वचालित प्रक्रियाओं की शुरूआत और उत्पादका सुधार की मल्टी टास्किंग सुविधाओं के साथ क्षमता विस्तार पर रहा। वर्ष के दौरान कमीशन की गई कुछेक अनुपम सुविधाओं में बायलर ड्रमों के लिए 8000 टी प्रेस, 20टोर्च पैनल वैल्डिंग स्टेशन, सीएनसी गेंट्री ड्रिलिंग एवं मिलिंग मशीन, बोगी मशीनिंग सेंटर, 1000 मेगावाट रेटिंग तक के लिए पंख परीक्षण केंद्र आदि शामिल है।

  उपर्युक्त के साथ, बीएचईएल के पास कुल 557 नग सीएनसी मशीनें हैं जिनमें बड़े आकार की लैथ, वर्टिकल बोरर्स, मशीनिंग सेंटर, फलेम कटिंग मशीनें, 5–एक्सि मशीनिंग सेंटर, इन्क्रीमेंटर पाइप ब्लेंडिंग मशीनें, स्पेशल परपज मशीनें आदि शामिल हैं।

घ संयुक्त उपक्रम

I) बीएचईएल जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस) –

जीई द्वारा डिजाइन की गई गैस टर्बाइनों की मरम्मत और सर्विसिंग के लिए बीएचईएल और जीई, यूएस द्वारा संयुक्त उपक्रम के रूप में संवर्धित बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड (बीजीजीटीएस) ने अपने परिचालन के चौदह पूर्ण वित्तीय वर्ष पूरे कर लिए हैं।

बीजीजीटीएस ने वर्ष 2011–12 के दौरान ₹ 60.76 करोड़ के कर उपरांत लाभ के साथ ₹ 513.28 करोड़ का कुल कारोबार किया। वर्ष के दौरान बीजीजीटीएस द्वारा कवास में जीटी पैकेज के नवीनीकरण के लिए एनटीपीसी से प्राप्त लगभग ₹ 453 करोड़ के आर्डर सहित अनुमानतः ₹ 1047.36 करोड़ के आर्डर बुक किए। बीजीजीटीएस ने सरकारी तथा निजी क्षेत्रों के ग्राहकों को सफलतापूर्वक गैस टर्बाइन सर्विसिंग पूरी करने के साथ–साथ स्पेयर्स सप्लाई किए हैं। वर्ष 2011–12 के लिए बीजीजीटीएस ने लगातार सुधरा हुआ रिकार्ड कार्यनिष्पादन दर्शाते हुए 680 प्रतिशत लाभांश की घोषणा की।

एचपीबीपी, तिरूचिरापल्ली में 8000 टी प्रेस

बीएपी, रानीपेट में पंखा परीक्षण केंद

II) पावर प्लांट परफार्मेंस इन्प्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल)–

पुराने जीवाश्म ईंधन चालित पावर प्लांटों के कार्यनिष्पादन में सुधार के लिए बीएचईएल ने सीमेंस, जर्मनी के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी पावर प्लांट परफार्मेंस इन्प्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल) को संवर्धित किया गया है।

पीपीआईएल बकाया मामलों के समाधान तथा लंबित अनुबंधों के रुके हुए भुगतान की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है। चूंकि, कंपनी की पर्याप्त व्यवसाय व्यवहार्यता दिखाई नहीं देती, इसलिए दोनों प्रवर्तक साझेदार पारस्परिक रूप से धीरे–धीरे कंपनी को बंद करने पर सहमत हो गए हैं।

III) एनटीपीसी, बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एनबीपीपीएल) –

बीएचईएल ने भारत और विदेश में विद्युत संयंत्रों और अन्य अवसंरचना परियोजनाओं के लिए ईपीसी संविदा पूरी करने के लिए संयुक्त उपक्रम कंपनी "एनटीपीसी– बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड" को संवर्धित किया है। संयुक्त उपक्रम कंपनी विद्युत संयंत्रों और अन्य अवसंरचना परियोजनाओं, जो प्रवर्तक कंपनियों के किसी चालू सहयोग करार के अधीन किसी सीमाबद्धता अथवा प्रतिबंध के अंतर्गत नहीं है, के लिए उपस्करों का विनिर्माण और आपूर्ति भी कर सकती है। बीएचईएल बोर्ड ने बीएचईएल के अंशदान को ₹ 5 लाख से बढ़ाकर ₹ 100 करोड़ करने का निर्णय लिया है जिसे आवश्यकताओं पर निर्भर करते हुए किस्तों में किया जाएगा। संयुक्त उपक्रम कंपनी की वर्तमान प्रदत्त पूंजी ₹ 50 करोड़ है, जिसमें बीएचईएल और एनटीपीसी प्रत्येक का ₹ 25 करोड़ का अभिदान है। जेवीसी ने मन्नवरम, आन्ध्र प्रदेश में भूमि का अधिग्रहण भी कर लिया है और पहले से ही अनुमोदित निवेश के चरण – I का कार्यान्वयन प्रक्रिया में है। जेवीसी इसको दिए गए बैलेन्स ऑफ़ प्लान्ट्स के ऑर्डर भी निष्पादित कर रही है। वित्तीय वर्ष 2011–12 के लिए जेवीसी ने ₹ 145.55 करोड़ का कुल कारोबार और अनुमानतः कर पश्चात लाभ ₹ 13.06 करोड अर्जित किया है। एनबीपीपीएल ने कोयला हैंडलिंग संयन्त्रों की आपूर्ति के लिए मैसर्स डीएमडब्ल्यू अमेरिका के साथ तकनीकी सहयोग करार भी किया है।

IV) बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड(बीपीपलएल)

बीएचईएल ने सिल्चर, असम में सीएफबीसी आधारित 2X125 मेगावाट के विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए पीटीसी इंडिया लिमिटेड के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी बनाई की है। संयुक्त उपक्रम कंपनी 1 सितंबर, 2008 को बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से स्थापित की गई। इसके लिए बीएचईएल तथा पीटीसी द्वारा समान रूप से ₹ 10 लाख की अधिकृत तथा प्रदत्त पूंजी प्रदान की गई है। स्थानीय कोयला अनुपलब्ध होने के कारण यह विद्युत संयंत्र संभाव्य नहीं पाया गया। प्रोमोटर्स बकाया देनदारियों के निपटारे और जेवीसी को बंद करने के लिए प्रत्येक ने अपना अंशदान ₹ 5 लाख से ₹ 8.5 लाख तक बढ़ा दिया है। कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार जेवीसी को 11.10.2011 से बंद कर दिया गया है।

V) उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल)

बीएचईएल ने उडनगुडी, तूतीकोरिन, तमिलनाडु में बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर 2X800 मेगावाट सुपरक्रिटीकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना के लिए तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी संवर्धित की है। संयुक्त उपक्रम कंपनी 26 दिसंबर, 2008 को 'उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड' के नाम से निगमित की गई थी। संयुक्त उपक्रम में प्रारंभिक अधिकृत और प्रदत्त इक्विटी ₹ 10 करोड़ है जिसमें टीएनईबी और बीएचईएल ने समान रूप से अभिदान किया है।

इक्विटी संरचना को बाद में वित्तीय संस्थान/बैंकों आदि को लाने के लिए कम किया जाएगा जो 48 प्रतिशत इक्विटी रखेंगे और टीएनईबी और बीएचईएल समान रूप से 26 प्रतिशत की इक्विटी रखेंगे। वर्तमान में जेवीसी की प्रदत्त पूंजी ₹ 65 करोड़ है जिसमें बीएचईएल और टीएनईबी का प्रत्येक का ₹ 32.5 करोड़ का अंशदान है। संयुक्त उपक्रम कंपनी भी कोयला लिंकेज, पर्यावरण और वन मंत्रालय की स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया में है और बीएचईएल को मुख्य संयंत्र उपस्कर के आर्डर को देने के लिए अंतिम रूप दे रही है। मार्च, 2012 में तमिलनाडु सरकार ने संकेत दिया कि वह इस परियोजना को एक संयुक्त उद्यम परियोजना की बजाए राज्य परियोजना के रूप में आगे बढ़ाएगी।

VI) रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड –

बीएचईएल ने येरामारुस, रायचूर, कर्नाटक में 2X800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट तथा एदलापुर, रायचूर, कर्नाटक में 1X800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट को बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर स्थापित करने के लिए कर्नाटक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) के साथ संयुक्त उपक्रम कंपनी संवर्धित की है। केपीसीएल के साथ संयुक्त उपक्रम करार पर 12 जनवरी, 2009 को हस्ताक्षर किया गया था और सं.उ.कं. को 15 अप्रैल, 2009 को 'रायचूर पावर कारपोरेशन

लिमिटेड' के नाम से निगमित किया गया था। संयुक्त उपक्रम में प्रारंभिक अधिकृत तथा प्रदत्त इक्विटी ₹ 10 करोड़ है। इसमें केपीसीएल और बीएचईएल द्वारा समान रूप से अभिदान किया गया है। नवंबर 2011 में वित्तीय क्लोजर के अनुरूप और आईएफसीआई को तीसरा इक्विटी साझेदार के रूप में जोड़ने पर इक्विटी ढांचे में बदलाव पर सहमति हुई और अंततः केपीसीएल 50 प्रतिशत, बीएचईएल 26 प्रतिशत और आईएफसीआई 24 प्रतिशत इक्विटी धारण करेगा। संयुक्त उपक्रम कंपनी ने 2X800 मेगावाट की येरामारुस विद्युत परियोजना के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय की स्वीकृति प्राप्त कर ली है और 2X800 मेगावाट की येरामारुस परियोजना के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर की आपूर्ति और इएंडसी हेतु बीएचईएल को आर्डर दे दिया गया है जिसका मूल्य ₹ 6300 करोड़ है। ₹ 3100 करोड़ के मूल्य की 1X800 मेगावाट की इदलापुर परियोजना के लिए आर्डर को अंतिम रूप दिया जा चुका है और एमओईएफ की अनुमति के बाद एलओए भेजा जाएगा। इस समय जेवीसी की कुल प्रदत्त इक्विटी पूंजी ₹ 728 करोड़ है और इसमें बीएचईएल की होल्डिंग ₹ 331.5 करोड़ केपीसीएल की होल्डिंग ₹ 346.5 करोड़ और आईएफसीआई की होल्डिंग ₹ 50 करोड़ है।

VII) दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड

बीएचईएल ने बनाने, अपनाने और परिचालित करने के आधार पर खंडवा, मध्यप्रदेश में 2X800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) के साथ एक संयुक्त उपक्रम कंपनी संवर्धित की है। एमपीपीजीसीएल के साथ संयुक्त उपक्रम करार पर दिनांक 28 जनवरी, 2010 को हस्ताक्षर किए गए थे और संयुक्त उपक्रम कंपनी "दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड" के नाम से दिनांक 25 फरवरी, 2010 को निगमित की गई थी। संयुक्त उपक्रम कंपनी की प्रारंभिक प्राधिकृत और चुकता इक्विटी ₹ 5 करोड़ है, जिसमें एमपीपीजीसीएल और बीएचईएल का बराबर का अभिदान होगा। इक्विटी संरचना में परिवर्तन स्वीकृत हो गया है जिसमें बीएचईएल का हिस्सा 26 प्रतिशत एमपीपीजीसीएफ की 10 प्रतिशत पीएसयू/ पीएसयूएफ़आई/पीएसयू बैंक की 16 प्रतिशत और शेष 48 हिस्सा प्रतिशत साझेदार का होगा। 48 प्रतिशत के साझेदार के चयन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। वर्तमान में प्रदत्त इक्विटी पूंजी को ₹ 45 करोड़ है, इसमें बीएचईएल एवं एमपीपीजीसीएल का प्रत्येक का अंशदान ₹ 22.5 करोड़ है ताकि जेवीसी भूमि अधिग्रहण खर्चों को पूरा किया जा सके। जेवीसी को बीएचईएल को मुख्य संयंत्र उपस्कर के आर्डर को अंतिम देने की कार्रवाही से पूर्व कोयला लिंकेज और पर्यावरण और वन मंत्रालय की स्वीकृति प्राप्त करने का इंतजार है।

VIII) लातूर पावर कम्पनी लिमिटेड (एलपीसीएल)

बीएचईएल ने महाराष्ट्र राज्य विद्युत जेनरेशन कम्पनी लि. (महाजेनको) के साथ मिलकर लातूर, महाराष्ट्र में 2×600 मेगावाट थर्मल पावर प्लान्ट या 1500 मेगावॉट गैस आधारित कम्बाइन्ड साइकिल पावर प्लान्ट (सीसीपीपी) लगाने के लिए एक संयुक्त उद्यम कम्पनी बनाई है। महाजेनको के साथ संयुक्त उद्यम करार 11 नवम्बर, 2010 को हस्ताक्षर किए गए और ''लातूर पावर कम्पनी लिमिटेड'' के नाम से 6 अप्रैल, 2011 को जेवीसी का निगमन किया गया। जेवीसी की वर्तमान प्रदत्त इक्विटी ₹ 5 करोड़ है। इक्विटी संरचना को बाद में वित्तीय संस्थानों, बैंकों, आदि को भी दी जाएगी ताकि महाजेनको और बीएचईएल प्रत्येक 26 प्रतिशत की इक्विटी धारित कर सकें। जेवीसी परियोजना के लिए पर्याप्त पानी और ईंधन की उपलब्धता में कठिनाइयों को देखते हुए कोयला आधारित या गैस आधारित परियोजना की स्थापना के विभिन्न विकल्पों की समीक्षा कर रही है।

ड. अनुसंधान और विकास तथा प्रौद्योगिकीय उपलब्धियां

बीएचईएल उन्नयन एवं रचनात्मक विकास पर अधिक ज़ोर देता है, अतः कम्पनी के अनुसन्धान एवं विकास के प्रयासों का उद्देश्य विद्यमान उत्पादों के निष्पादन एवं कुशलता में सुधार करने के साथ–साथ आधुनिकतम प्रौद्योगिकी तथा प्रक्रियाओं का उपयोग करते हुए नए उत्पादों का विकास करना है, ताकि वे प्रौद्योगिकी एवं विशेषताओं के अलावा वैश्विक बैन्चमार्कों की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। तदनुसार बीएचईएल दो तीखी रणनीतियाँ यथा–आक्रामक आन्तरिक प्रयास और नवप्रर्वतन को प्रेरित करना रहा है, जो भारत सरकार द्वारा घोषित ''नवप्रर्वतनकारी दशक

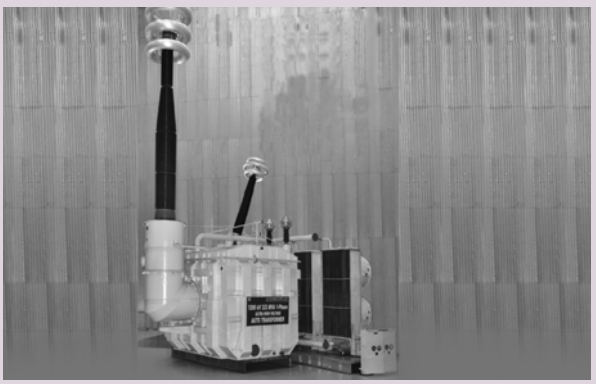

बीएचईएल द्वारा डिज़ाइन और विनिर्मित किया गया 1200 kV, 333 MVA अल्ट्रा वाल्टेज ऑटो ट्रांसफार्मर

(2010–2020)'' के अनुरूप हैं इसके परिणामस्वरूप, कम्पनी ने आर एंड डी के खर्च में पिछले वित्तीय वर्ष (₹ 982 करोड़ के स्थान पर ₹ 1198.82 करोड़) की तुलना में 22 प्रतिशत वृद्धि की है, और आन्तरिक रूप से विकसित उत्पादों एवं सेवाओं के कारोबार में 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ ₹ 9832 करोड़ का कारोबार हुआ है, तो कम्पनी के कुल कारोबार का लगभग 20 प्रतिशत है।

बीएचईएल के नवप्रवर्तन की प्रेरणा से बीएचईएल की आईपीआर पूंजी 1786 आईपीआर की हो गई है और इस साल सबसे अधिक आईपीआर (351) फाइल किए गए हैं।

वर्ष के दौरान संचालित किए गए कुछ महत्वपूर्ण विकास कार्य निम्नानुसार हैं:

- ग्राहकों को अति आधुनिक उत्पाद और प्रौद्योगिकियां प्रस्तुत करने करने के इसके प्रयासों के तहत बीएचईएल ने पीजीसीआईएल के 1200केवल राष्ट्रीय प्रायौगिक उपकेंद्र में 1200 केवी333 एमवीए रेटिंग के भारत के सर्वोच्च वोल्टेज विद्युत ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक डिज़ाइन, विनिर्माण और चालू किया है। एकल फेस इंटरकनेक्टिंग ट्रांसफार्मर को घरेलू इंजीनियरी और विनिर्माण प्रौद्योगिकी के साथ विकसित और विनिर्मित किया गया है।

- पावरग्रिड के लिए बीएचईएल द्वारा विनिर्मित पहले 400/220/33kV 500 MVA ऑटो ट्रांसफार्मर का भी सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

- स्वदेशी प्रौद्योगिकी के साथ विकसित प्रथम 765 kV 80 MVAr सिंगल फेस शंट रिएक्टर का आईईसी मानकों के अनुरूप सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

- बीएचईएल ने वर्तमान 270 मेगावाट रेटिंग के ऊपर हीट रेट में 3 प्रतिशत के सुधार के साथ नई रेटिंग 300 मेगावाट थर्मल सेट शुरू किए हैं जिससे अधिक दक्ष और पर्यावरण अनुकूल विद्युत उत्पादन में मदद मिली है। बीएचईएल ने पहले ही प्रतिस्पर्धी बोली के जरिए अभिजीत समूह से विशाखापत्तनम टीपीपी के लिए इस रेटिंग हेतु अपना पहला आर्डर जीत लिया है।

- बीएचईएल ने भारत का सबसे बड़ा 15 MVA, 33/6.9 kV, 3 फेस, 50 Hz, प्राकृतिक एयर कूल्ड ड्राई टाइप कास्ट रेसिन ट्रांसफार्मर शुरू किया है। नए ट्रांसफार्मर आग के जोखिम से मुक्त तथा अनुरक्षण मुक्त होने के कारण परंपरागत ऑयल फील्ड ट्रांसफार्मर से अधिक लाभदायक हैं। ट्रांसफार्मर अल्ट्रा मेगा सुपर थर्मल पावर प्रोजैक्ट के लिए कोयले के लगातार एक्सट्रेक्शन के एि ओपन कास्ट कोल माइनिंग के लिए विशाल ड्रेजर्स को विद्युत आपूर्ति के लिए उपयोग किया जाएगा।

- राष्ट्र के पहले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर आधारित विद्युत संयंत्र के लिए, संयंत्र के सुरक्षित और विश्वसनीय प्रचालन की विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पहली बार नई प्रणाली जैसे कि ओजीडीएचआर [ऑपरेशन ग्रेड डिके हीट रिमूवल सिस्टम], एसजीटीएसडीसी [स्टीम जनरेटर ट्यूब साइड डिप्रेशराइजेशन सर्किट], आदि विकसित की गई है। प्रचालन के विभिन्न अंगों के लिए पूर्ण मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और सीएंडआई डिज़ाइन ओर क्रिटिकल सबसिस्टम्स के सुरक्षित प्रचालन के लिए घरेलू क्षमताओं का उपयोग किया गया है।

- 660 मेवा सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्र अनुप्रयोगों के लिए मेन स्टीम स्टॉप के लिए एक स्वदेशी डिजाइन एवं विनिर्माण क्षमता स्थापित की गई है। 600मेगावाट परियोजनाओं के लिए इकानोमाइज़र इनलेट लाइन तथा 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल बायलर्स की वाटर स्टोरेज डाउन कोमर लाइनों के लिए वाल्व खोलने के दौरान अचानक प्रेशर सर्ज की देखरेख के लिए कम लागत वाले स्विंग चैक नॉन–रिटर्न वाल्व का नया डिजाइन वेरिएंट भी विकसित किया गया है।

- सोलर पीवी प्रणाली की लागत में सुधार करने के अपने सतत प्रयासों में बीएचईएल ने उच्चतर पहलु अनुपात (ग्रिड लाइन ऊंचाई/ग्रिड लाइन चौड़ाई) हासिल करने के लिए सोलर सैल्स के लिए एक आप्टिमाइज़्ड प्रिंटिंग प्रोसेस विकसित किया है जिसके परिणामस्वरूप 227 वा से 240 वा तक बढ़ी हुई पीवी मॉडयूल आउटपुट के साथ 18 प्रतिशत की अब तक की सबसे ऊंची सोलर सैल कन्वर्जन दक्षता प्राप्त की जा सकी है। बीएचईएल ने क्रिस्टललाइन सिलिकान सोलर सैल्स के किनारें पर जंक्शन को हटाने के लिए लागू एक नई लेजर आधारित आइसोलेशन तकनीक भी विकसित की है जिसके परिणामस्वरूप कार्य 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा दक्षता में फायदा हुआ है।

- इसरो के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में, बीएचईएल ने जीसैट–8 उपग्रह पर अपने स्पेस ग्रेड सोलर पैनलों को सफलतापूर्वक तैनात करने के साथ एक

बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फ्रेंच गुयाना से छोड़ा गया उपग्रह इसरो का सबसे भारी उपग्रह है जिसका लिफ्ट–आफ पर वजन करीब 3100 कि.ग्रा. है। जीसैट–8 के लिए बीएचईएल द्वारा आपूरित चार सौर पैनलों का प्रत्येक का क्षेत्र 5 वर्ग मीटर से अधिक है जो कि करीब 21 मीटर होता है और इनमें श्रृंखला में और समानांतर संयोजन में मल्टी–जंक्शन सोलर सैल्स हैं, साथ में कुल विद्युत क्षमता 4.5 कि.वा. है। बीएचईएल ने इसरो के विभिन्न उपग्रहों के लिए क्षेत्र में कुल 221 वर्ग मीटर के 51 स्पेस ग्रेड पैनल्स की आपूर्ति की है, जो कि इनसेट 3ए, इनसेट 3ई, जीसेट 2, जीसेट3, जीसेट4, आईआरएसपी 5 और एडुसेट उपग्रहों पर, अब कक्षा में, तैनात हैं।

- फैब्रिकेशन प्रकियाओं को स्वालित करने के अपने प्रयासों के तहत बीएचईएल ने बॉसिल बायलर्स के री–हीटर काइल्स और कम तापमान सुपर हीटर कोइल्स (एलटीएसएच) में प्रयुक्त 'मेन्युफैक्चर ऑफ बाइफरकेट कम्पोनेंट्स' के लिए वैल्डिंग प्रक्रिया को स्वचालित किया है। स्वचालित प्रक्रिया से उत्पादकता में वृद्धि हुई है और दोष दर में कमी आई है।
- प्रौद्योगिकी में आधुनिक बने रहे के प्रयासों के तहत बीएचईएल ने नियंत्रण पैनल के साथ साथ मानव मशीन इंटरफेस साइडों पर सक्षमता के वास्ते सीएंडआई प्लेटफार्म पर अत्याधुनिक आईईसी 61850 कार्यान्वित किया है जिससे जल विद्युत संयंत्रों में विभिन्न थर्ड पार्टी आईईडी (इंटेलीजेंट इलेक्ट्रानिक डिवाइस) के सीमलैस इंटेग्रेशन हो जाता है।
- अपने ग्राहकों के लिए उन्नत उत्पाद जीवन के रूप में कोल नोज़ल टिप्स के लिए सिरेमिक की एक लागत प्रभावी नई किस्म, जिसमें बेहतर थमल शॉक रेसिसटेंस है, भारत में पहली बार विकसित की गई है। इन लाइनर्स ने नोज़ल टिप्स के जीवन में वृद्धि की है और इन्हें 660/800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्रों में तैनात किया जाएगा।
- बीएचईएल ने वर्ष 2011–12 के दौरान 4 नए उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की है– (i) एडवांस फैब्रीकेशन टेक्नालॉजी, (ii) कोयला अनुसंधान केंद्र, (iii) नैनो टेक्नोलोजी अनुप्रयोग (iv) जीआईएस विकास के लिए यूएचवी लैब

  इसके साथ ही बीएचईएल ने नए उत्पादों, प्रक्रियाओं के विकास, वर्तमान उत्पादों के डिजाइन में सुधार, दक्षता वृद्धि और जीवनचक्र बढ़ाने के लिए विश्लेषणात्मक टूल्स पर केंद्रित 13 उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापनाा की है जो कि औद्योगिक और रणनीतिक अनुप्रयोगों दोनों के लिए नई उत्पाद प्रणालियों के विकास के लिए अपेक्षित कंपनी की और राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं।

बीएचईएल द्वारा स्थापित नैनो प्रौद्योगिकी केन्द्र

च. गुणवत्ता कार्य निष्पादन विशेषताएं

1. उत्कृष्टता हासिल करने की इसकी सतत परंपरा को जारी रखते हुए बीएचईएल की तीन इकाइयों (हैदराबाद, पीएसईआर और ईडीएन) को 2011–12 में वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त गुणवत्ता प्रबंध के लिए यूरोपीय फाउण्डेशन(ईएफक्यूएम) के मॉडल के अनुरूप व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए सीआईआई एग्जिम बैंक पुरस्कार योजना के तहत ''महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए प्रशंसा' तथा बीएचईएल–रानीपेट ने ''कमेंडेशन फार स्ट्रांग कमिटमेंट टू एक्सल'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
2. गुणवत्ता के प्रति कंपनी की सतत वचनबद्धता को स्थापित करते हुए, 2011–12 में हरिद्वार और तिरूचि इकाइयों तथा पावर सेक्टर पूर्वी क्षेत्र में संचालित संतुष्टि सर्वेक्षण से पिछले साले के मुकाबले ग्राहक संतुष्टि सूचकांक में क्रमशः 5.26%, 5.19% और 7.14% सुधार हुआ है।
3. लागत प्रभावकारिता सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिए जाने के भाग के तौर पर कंपनी ने प्रक्रिया सुधार और लागत कटौती के संबंध में 32 मामले अध्ययन सफलतापूर्वक पूरे किए हैं।
4. बीएचईएल के तीन गुणता सर्कलों ने योकोहाका, जापान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता सर्कल कान्फ्रेंस (आईसीक्यूसीसी –2011) में अपने मामला अध्ययन प्रस्तुतीकरण के लिए स्वर्ण पुरस्कार जीता है।

छ. मानव संसाधन प्रबंधन

1) औद्योगिक संबंध

1. वर्ष के दौरान भागीदारिता की संस्कृति पर बल देना जारी रहा और कंपनी की विभिन्न यूनिटों और सेवा प्रभागों में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण रहे। अतः वर्ष 2011–12 के दौरान मानव दिवसों की हानि शून्य थी।
2. शीर्ष–स्तरीय द्विपक्षीय मंच नामतः "बीएचईएल की संयुक्त समिति" की वर्ष के दौरान 02 बैठकें हुईं। संयुक्त समिति के पुनर्गठन के लिए चुनाव सभी इकाइयों में, जहां कहीं होने थे, दो चरणों में 10 मई और 26 मई, 2011 को कराए गए। संयुक्त समिति में कुल 48 सदस्यों को शामिल करते हुए पुनर्गठन किया गया। कार्यपालकों और पर्यवेक्षकों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें आयोजित की गईं जिनमें कंपनी और कर्मचारियों दोनों के हितों से संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श किया गया।
3. संयुक्त समितियों का दो दिवसीय विशेष सत्र 26 और 27 अगस्त, 2011 को जयपुर में आयोजित किया गया जिसमें पूर्व की कार्यशालाओं में उभर कर आई अनुशंसाओं के कार्यान्वयन की स्थिति पर अनुवर्ती कार्रवाई हेतु चर्चा की गई। सभी इकाइयों द्वारा तीन पारियों के प्रचालन के कार्यान्वयन में हुई प्रगति पर प्रस्तुतीकरण दिया गया ताकि ओवरटाइम खर्च को घटाया जा सके और कार्यबल की उत्पादकता बढ़ाने में आने वाले अवरोधों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है।
4. वर्ष के दौरान कंपनी की विभिन्न इकाइयों में संयंत्र परिषदों की 60 बैठकें और शॉप परिषदों की 240 बैठकें हुईं जिनमें संपूर्ण कार्यनिष्पादन में सुधार के लिए लागत में कमी, उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करना और ग्राहक वचनबद्धता, क्रमिक सुपुर्दगी, उत्पाद गुणवत्ता आदि जैसे मुद्दों पर व्यापक विचार–विमर्श किया गया।

2) बीएचईएल, यूनिटों तथा कर्मचारियों द्वारा जीते गए पुरस्कार

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार को जीतने की परंपरा को जारी रखते हुए संगठन और इसके कर्मचारियों ने वर्ष 2011–12 के दौरान कई पुरस्कार जीते। इनमें से प्रमुख हैं:

- 'अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी विकास और नवप्रवर्तन के लिए स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार'। पुरस्कार भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने सीएमडी, बीएचईएल को प्रदान किया।
- 'औद्योगिक क्षेत्र' में सर्वोच्च कार्यनिष्पादन सीपीएसई के रूप में 'एमओयू उत्कृष्टता पुरस्कार 2009–10' पुरस्कार भारत के माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने सीएमडी, बीएचईएल को प्रदान किया।
- बीएचईएल को लगातार दूसरे वर्ष ''एनडीटीवी प्रोफिट बिजनेस लीडरशिप अवार्ड' के लिए सर्वसम्मति से चुना गया अकेला पीएसयू बन गया है। 2011 के लिए पुरस्कार बीएचईएल को इंडस्ट्री वर्टिकल ऑफ इंजीनियरिंग क्षेत्र में प्रदान किया गया।
- बीएचईएल को 2010–11 के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र कंपनियों के बीच 'लागत प्रबंध में उत्कृष्टता के लिए 04 आईसीडब्ल्यूएआई राष्ट्रीय पुरस्कार'' प्रदान किए गए। बीएचईएल को ये पुरस्कार लगातार सातवें वर्ष मिले हैं।
- 'एस्सार स्टील इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सीलेंस अवार्ड 2011' बीएचईएल को सीएनबीसी टीवी18 द्वारा प्रदान किया गया।
- बीएचईएल की हैदराबाद और तिरूचि इकाइयों को उनके कामकाज में सबसे लंबी दुर्घटना रहित अवधि और कम से कम दुर्घटना फ्रीक्वेन्सी दर के लिए उत्कृष्ट उपलब्धियों हेतु 3 'राष्ट्रीय संरक्षा' पुरस्कार प्रदान किए गए।
- डून एंड ब्रैडस्ट्रीट के रोल्टा कार्पोरेट अवार्ड्स 2010 के तहत बीएचईएल को इंजीनियरिंग/पूंजीगत सामान क्षेत्र के अंतर्गत भारत की सर्वोच्च कंपनी के रूप में चुना गया।
- सीआईआई द्वारा बीएचईएल को 'बौद्धिक संपदा पुरस्कार 2011' प्रदान किया गया।
- बीएचईएल ने विनिर्माण क्षेत्र श्रेणी में 'गोल्डन पीकॉक अवार्ड फार आक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी 2011' तथा 'गोल्डन पीकॉक अवार्ड फार इनोवेशन मैनेजमेंट 2011' भी जीता है।
- बीएचईएल को आयात श्रेणी में मिल चैंबर ऑफ कामर्स ने 'एग्जिम अचीवमेंट अवार्ड' प्रदान किया है।
- अन्य पुरस्कारों में भारी उद्योगों की केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम श्रेणी में उत्कृष्टता के लिए 'दैनिक भास्कर इंडिया प्राइड गोल्ड अवार्ड 2011'; 'दलाल स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट जर्नल से 'जेंटल ज्याइंट' पुरस्कार और परंपरागत ऊर्जा (थर्मल, न्यूक्लियर आदि) के लिए प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन के तहत ''एनर्शिया अवार्ड 2011' शामिल है।
- अपने उत्कृष्ट निर्यात कार्य निष्पादन के लिए बीएचईएल ने

लगातार 22वें वर्ष इंजीनियरिंग निर्यात प्रोत्साहन परिषद (ईईपीसी) का सर्वाच्च निर्यात पुरस्कार जीता है।

- प्रसिद्ध अमरीकी बिजनेस पत्रिका फोर्ब्स ने बीएचईएल को नौवीं सर्वाधिक नवप्रवर्तनकारी कंपनी का रैंक प्रदान किया है। गौरतलब है कि बीएचईएल सूची में शामिल और विद्युत उपस्कर क्षेत्र में समान बहुर्राष्ट्रीय कंपनियों के बीच उच्च रैंक प्राप्त करने वाली एकमात्र भारतीय इंजीनियरिंग कंपनी है।
- बीएचईएल को बिजनेस टूडे पत्रिका द्वारा इंजीनियरिंग और ऑटोमोटिव श्रेणी में ''बेस्ट इंजीनियरिंग कंपनी टू वर्क फार' के रूप में मान्यता प्रदान की गई।
- उत्कृष्टता प्राप्त करने की इसकी सतत परंपरा को जारी रखते हुए बीएचईएल की तीन इकाइयों यथाः एचपीईपी हैदराबाद, ईडीएन बंगलौर और पावर सेक्टर पूर्वी क्षेत्र ने मान्यता प्राप्त गुणवत्ता प्रबंध के लिए यूरोपीय फाउंडेशन (ईएफक्यूएम) के मॉडल के अनुरूप व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए सीआईआई एग्जिम अवार्ड योजना के तहत ''टीक्यूएम में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए प्रशंसा' पुरस्कार जीत है। इसके अलावा इसकी बीएपी रानीपेट इकाई को ''कमेंडेशन फार स्ट्रांग कमिटमेंट टू एक्सल'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- तीन गुणवत्ता सर्कलों ने योकोहामा, जापान में हुई अंतर्राष्ट्रीय क्वालिटी सर्कल कान्फ्रेंस (आईसीक्यूसीसी–2011) में अपने मामला अध्ययनों के लिए स्वर्ण पदक जीते हैं।
- आठ प्रधानमंत्री 'श्रम पुरस्कार' जिनमें 2 'श्रम भूषण' और 5 'विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार' शामिल हैं।
- सीएमडी, बीएचईएल को व्यक्तिगत श्रेणी में निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गए:
- व्यक्तिगत नेतृत्व श्रेणी में 'स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड 2009–10' (महारत्न और नवरत्न पीएसईज') भारत के माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा प्रदान किया गया।
  - इंडियन इंजीनियरिंग कांग्रेस में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) से 'एमिनेंट इंजीनियरिंग पर्सनल्टी ऑफ इंडिया अवार्ड'
  - 'श्रेष्ठ सीईओ पब्लिक सेक्टर' श्रेणी में 'फोर्ब्स इंडिया लीडरशिप अवार्ड 2011'
  - आंध्र प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री ई. एस. एल. नरसिंहमन द्वारा सनातम धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट का 'शिवानंद प्रमुख नागरिक पुरस्कार–2011'।
  - भारत में ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री बी जार्न रोजनग्रेन, अध्यक्ष एवं सीईओ वार्टशिला कार्पोरेशन द्वारा '9वां वार्टशिला मनतोश सोंधी पुरस्कार'

3) मानव संसाधन विकास

- **नई पहलें**
- मा.सं.वि.सं. ने सीनियर प्रबंधन के लिए निम्नलिखित तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।:
  - बीएचईएल के 15 महाप्रबंधकों ने एनटीपीसी के 15 महाप्रबंधकों के साथ प्रशिक्षण (2 सप्ताह आईआईएम–अहमदाबाद और तदुपरांत 1 सप्ताह एआईएम, मनीला में) प्राप्त किया

भारत के माननीय प्रधानमंत्री बीएचईएल के श्रम पुरस्कार विजेताओं के साथ

भारत के माननीय प्रधानमंत्री व्यक्तिगत श्रेणी में 'स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार' बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को प्रदान करते हुए

- पांच महाप्रबंधकों ने वैश्विक लीडरशिप कार्यक्रम में भाग लिया जिनके मॉडयूल में एक सप्ताह भारत में और 2 सप्ताह विदेश में शामिल था।
- चार अपर महाप्रबंधकों ने आईआईएम–अहमदाबाद द्वारा भूटान में आयोजित 2 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- युवा पीढ़ी पर सर्वेक्षण–मा. सं. वि.सं. ने बीएचईएल युवा सर्वेक्षण आयोजित किया जिसमें यह समझने का प्रयास किया गया कि कौन से कारक बीएचईएल के कर्मचारियों की युवा पीढ़ी (जिनका 1980 के बाद जन्म हुआ) कर्मचारियों को संगठन में अधिकतम योगदान में समर्थ बनाते हैं। बीएचईएल में युवा पीढ़ी कर्मचारियों से 1079 प्रत्युत्तर प्राप्त हुए और तीन आयामों के अंतर्गत इनका विश्लेशण किया गयाः
  - कार्य
  - संबंध
  - प्रतिपूर्ति

  इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों से नए कदम उठाने का मार्ग प्रशस्त होगा जो युवा पीढ़ी को बीएचईएल की संस्कृति में ढल जाने में सहायक होंगे।
  - बोर्ड सदस्यों के लिए प्रशिक्षण योजना को अनुमोदित कर दिया गया है।
  - प्रबंधन ने मा सं वि गतिविधियों की संकल्पना वाली पांच वर्षीय रणनीतिक योजना दस्तावेज को मंजूरी दी है।

- **प्रशिक्षण**
  - वर्ष 2011–12 में कुल 31758 कर्मचारियों को प्रति कर्मचारी 15.10 प्रशिक्षण मानव दिवस में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किया गया। कर्मचारियों के अतिरिक्त, 7941 अधिनियम प्रशिक्षुओं को 1445298 प्रशिक्षण मानव दिवस देते हुए विभिन्न यूनिटों में प्रशिक्षित किया गया था।
  - बीएचईएल में ग्राहक प्रशिक्षण एक नियमित कार्यकलाप रहा है और वर्ष के दौरान 143873 मानव दिवसों में 1916 ग्राहकों यथा आईओसीएल, गेल, हिनको, सीएफसीएल, जीएनएफसी, टोयो, जीएसईजी, जीपीपीसी, एस्ससर, ओएनजीसी, केएसके, श्रीराम, सेल, एमआरपीएल, बीपीसीएल आदि को प्रशिक्षित किया गया था।
  - सामाजिक प्रतिबद्धता के प्रति सजग होकर विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों से 8419 व्यावसायिक प्रशिक्षणार्थियों को भी 301296 मानव दिवसों में प्रशिक्षित किया गया था।

- **मेंटरिंग**
  - वर्ष 2011–12 के दौरान भोपाल, हैदराबाद, तिरूचि, विंध्याचल और हरिद्वार में 519 मेंटरों और मेंटियों को प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

4) मानवशक्ति संख्या

दिनांक 31.03.2012 की यथास्थिति कंपनी की जनशक्ति संख्या 49,390 थी।

5) राष्ट्रपति के निर्देशों से संबंधित स्थिति

आरक्षित श्रेणी के व्यक्तियों के लिए आरक्षण नीति संबंधी निर्देश

आरक्षण नीति के संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा समय–समय पर जारी राष्ट्रपति निदेशों पदों और निर्दिष्ट आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों अर्थात अजा, अजजा, और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए सीधी भर्ती तथा पदोन्नति में कुछ प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त इन निर्देशों में निर्दिष्ट श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए सीधी भर्ती तथा पदोन्नति में रियायतों और शिथिलताओं तथा आवास में आरक्षण के भी प्रावधान भी निहित है। इस विषय पर समय–समय पर जारी राष्ट्रपति आदेशों का सख़्ती से पालन किया गया है और सरकार द्वारा निर्धारित पद आधारित रोस्टर प्रणाली के माध्यम से आरक्षण प्रतिशत को सुनिश्चित किया जाता है। तथापि इन दिशानिर्देशों से कम्पनी की वित्तीय स्थिति पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ा है।

अजा और अजजा के कल्याण के लिए कम्पनी की गतिविधियाँ

कंपनी राष्ट्रपति के निर्देशों और भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अ.पि.व. एवं शा. वि. के आरक्षण के संबंध में समय–समय पर जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रही है। वर्ष 2011–12 के दौरान अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के सामाजिक–आर्थिक विकास पर केन्द्रित विभिन्न

समुदाय विकास गतिविधियों का बीएचईएल (भेल) यूनिटों के भीतर और इसके आसपास के विभिन्न स्थानों जहां बीएचईएल कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व स्कीम के अंतर्गत कंपनी विद्यमान हैं, में आयोजन किया गया है।

I) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/कर्मचारियों का प्रतिनिधित्वः

कर्मचारियों की कुल संख्या में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व दिनांक 01.12.2012 को क्रमशः 19.75 प्रतिशत, 5.72 प्रतिशत तथा 22.22 प्रतिशत था।

तथापि वर्ष के दौरान सीधी भर्ती में आरक्षण अनुसूचित जाति के लिए 18.71 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 6.81 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 35.16 प्रतिशत था। इसमें ऐसे व्यक्ति शामिल नहीं हैं जिन्हें ऑफर जारी कर दिए गए थे लेकिन उन्होंने 01.01.2012 के बाद कार्यग्रहण किया। इस मामले में अपेक्षित प्रतिशत आरक्षण का ध्यान रखा गया था।

दिनांक 01 जनवरी, 2010 तक की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व और पिछले कैलेंडर वर्श के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या दर्षाते हुए संषोधित निर्धारित प्रपत्र में सरकार को प्रस्तुत वार्शिक विवरण **अनुबंध–क** में दिया गया है।

II) 01 जनवरी, 2012 तक की स्थिति के अनुसार शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारियों की संख्या

दिनांक 01.01.2012 तक की स्थिति के अनुसार बी एच ई एल (भेल) में इस समय शारीरिक रूप से विकलांग कुल 823 कर्मचारी हैं। 01.01.2011 तक की स्थिति के अनुसार कंपनी में शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारियों की समूहवार संख्या **अनुबंध–ख** में दी गई है।

ज. मुख्य कॉर्पोरेट सामजिक दायित्व और टिकाऊ विकास

(क) स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी मुख्य बातें

बी एच ई एल (भेल) ने पर्यावरण के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्वता को जारी रखा। कंपनी ने वर्ष 2011–12 के दौरान विभिन्न पर्यावरण सुधार परियोजनाओं (ई आई पी) को सफलतार्वूक पूरा किया। इन परियोजनाओं से पर्यावरण को समृद्ध करने और ऊर्जा, जल, ईंधन तेल, शीतलक जैसे मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने में मदद मिली। ईकाइयों/क्षेत्रों और स्थलों पर तथा इसके आस–पास पूरी की गई ई आई पी में शामिल हैंः (i) वर्षा जल संरक्षण संयंत्र (ii) वृक्षारोपण और (iii) हरित कवरेज का विकास।

की गई अन्य प्रमुख ई आई पी पहलें जल संरक्षण परियोजना, कार्यकुशल प्रौद्योगिकियों का प्रयोग कर ऊर्जा बचल प्रणाली, धूम कर्शण प्रणाली में संस्थापन/सुधार, पेंट बूथ का संस्थापन, शोर स्तर कमी प्रणाली, रासायनिक भंडारण और हैंडलिंग प्रणाली, संसाधन संरक्षण (स्नेहक/धातु/प्रतीशतक) और गैर–परंपरागत ऊर्जा स्रोतों का उपयोग

उपर्युक्त गतिविधियों के अतिरिक्त बी एच ई एल (भेल) ने कर्मचारियों और ठेकेदारों के श्रमिकों आदि के लिए पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा तथा कौशल विकास कार्यक्रम पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

टिकाऊ पर्यावरणात्मक प्रबंधन/विकास नीतिः

बी एच ई एल (भेल) ने देश की कार्य नीति के अभिन्न अंग के रूप में अपनी टिकाऊ विकास नीति तैयार की है। टिकाऊ विकास परियोजनाओं और गतिविधियों के लिए 100 करोड़ ₹ से ऊपर 50 लाख ₹ जमा करोपरांत लाभ (पैट) 0.1 प्रतिशत निर्धारिति किया गया है। वर्ष 2011–12 के लिए टिकाऊ विकास व्यय हेतु 6.41 करोड ₹ की राशि प्रदान की गई है

कंपनी की सभी विनिर्माण इकाइयां क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली मानक प्रत्यायित किया गया है, नामतः

पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए आई एस ओ–14001 प्रमाणन तथा पेशेगत स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन के लिए ओ एच एस ए एस–18001 प्रमाणन बी एच ई एल (भेल) अपनी सभी गतिविधियों, उत्पादों और सेवाओं में पर्यावरण के अनुकूल कंपनी है। इसके अतिरिक्त यह अपने सभी पणधारियों को सुरक्षित और स्वस्थ कार्य–माहौल उपलब्ध कराती है। तथा इसने यू एन पी सी कार्यक्रम को कंपनी की रणनीति संस्कृति और दैनिक प्रचालनों का भाग बना दिया है।

बी एच ई एल (भेल) ने यूनाइटेड नेशंस ग्लोबल कंपैक्ट (यू एन जी सी) कार्यक्रम के प्रति अपनी वचनबद्वता दोहराई है

और मानवाधिकारों, श्रमिक मानकों और पर्यावरण तथा भ्रष्टाचार विरोध के संबंध में कोर मूल्य निर्धारित किए है जो इसके सिद्वांतों में निहित है।

जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में कंपनी ग्लोबल कंपैक्ट (जी सी) सिद्वांतों को आगे बढ़ाना चाहती है बी एच ई एल (भेल) ने प्रमुख भारतीय संगठनों द्वारा गठित शीर्ष स्तरीय नोडल एजेंसी ग्लोबल कंपैक्ट नेटवर्क (जीसीएन) के माध्यम से अन्य भारतीय संगठनों में जी सी सिद्वांतों को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभाई है। भेल, नेटवर्क की सभी गतिविधियों में अग्रणी रहा क्योंकि सचिव/जी सी एन भेल द्वारा नामित व्यक्ति था। वर्ष की उल्लेखनीय गतिविधियां राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेना तथा केस अध्ययनों संगठनात्मक, अनुभव की साझेदारी के माध्यम से नेटवर्क की मासिक बैठकें आयोजित करना तथा भारतीय संदर्भ में वैष्विक प्रभाव सिद्वांतों (ग्लोबल कंपैक्ट प्रिंसिपुल्स) पर बल देना था।

ग्लोबल कंपैक्ट प्रोग्राम के समर्थन में भेल के योगदान तथा इसके प्रगति संबंधी उत्कृष्ट संचार (सी ओ पी) के लिए यू एन जी सी ने भेल का उल्लेखनीय काप श्रेणी में रखना जारी रखा।

(ख) कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की झलकियां

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सी एस आर) संबंधी बी एच ई एल (भेल) की स्कीम वर्षों में विकसित हुई हैं और इस महत्वपूर्ण सिद्वांत से संबंधित नीतिगत वक्तव्य के रूप में शीर्ष प्रबंधन द्वारा समर्थित है कि कंपनी समर्पित कॉर्पोरेट नागरिक है जो अपनी व्यावसायिक रणनीति के भाग के रूप में व्यापार और सी एस आर के बीच सहयोग विकसित करने की आवश्यकता के प्रति पूरी तरह जागरूक है।

समाज के अभिन्न अंग के रूप में भेल अपने सामाजिक दायित्व के लक्ष्यों को प्राप्त कर आगे बढ़ रहा है। बीते वर्षों में कंपनी ने स्वास्थ्य, पर्यावरण संवर्धन, स्वच्छता, शिक्षा, सामुदायिक विकास, स्वयं को शक्ति संपन्न बनाने आदि जैसे विविध क्षेत्रों में परियोजनाएं शुरू कर, वानिकी और जल संरक्षण के कार्यक्रमों को समर्थन देकर, पेय जल के साधन उपलब्ध करा कर, देश भर में अनेक सामाजिक पहलों को समर्थन दिया है। इसके अतिरिक्त सामान्य बीमारियों के निदान और दवा–वितरण के लिए इकाइयों/परियोजना स्थलों के आस–पास स्वास्थ्य शिविर लगाए। वर्ष 2011–12 में सी एस आर परियोजनाओं के 30.05 करोड़ ₹ (वर्ष 2011–12 के पैट का 0.5 प्रतिशत) निर्धारित किया गया।

सामुदायिक विकासः

- कंपनी ने गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई, उतराखंड पेय जल निगम, हरिद्वार को आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए सफलतापूर्वक हरिद्वार स्थित जल मल प्रणाली (सीवेज सिस्टम) में सुधार किया।
- अक्षय पात्र द्वारा प्रबंधित मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली रसोई के लिए बेस किचेन में सुरक्षित और शुद्ध जल उपलब्ध करवाने के लिए बेलारी, हुबली, पुरी, वाराणसी, गांधी नगर और बड़ोदरा ने छह रिजर्व आस्मोसिस प्लांट यूनिटें लगाई गई हैं।

स्व–रोजगारः

स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों से आगे सामुदायिक विकास पर बल देते हुए बी एच ई एल (भेल) सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें शक्ति संपन्न बनाने हेतु उनकी प्रतिभा के विकास हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित करता है। इसने महाराष्ट्र के छिंदवाड़ा जिले में गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के छात्रों के एपैटल ट्रेनिंग के लिए इस प्रकार के एक कार्यक्रम को सहायता दी। महिलाओं को जीविका प्रदान करने तथा उन्हें अधिकार संपन्न बनाने के लिए गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से झांसी की महिलाओं के लिए कटिंग और सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

स्वास्थ्य और स्वच्छताः

सी एस आर के प्रति बहु–विशयी दृष्टिकोण जिसमें स्वास्थ्य और चिकित्सीय देखभाल, स्वच्छता, सफाई, स्वच्छ पेय जल और शिक्षा के प्रावधान को उच्च प्राथमिकता मिलती है, को अपना कर बी एच ई एल (भेल) ने (i) पांच सौ मरीजों के कैटेरेक्ट आपरेशन के लिए आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में; 'विजन टू माल' नामक परियोजना और (ii) एक दूसरी परियोजना शुरू की जिसमें विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) शंकर फाउंडेशन आई हास्पिटल में आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के आंख के मरीजों की 300 अरबिट सर्जरी की गई।

बी एच ई एल (भेल), अनेक बीमारियों से बचाव के लिए भिन्न–भिन्न स्थलों/क्षेत्रों में अपने श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

शिविर लगाता रहा है।

बी एच ई एल (भेल) ने भारत सरकार के 'सर्व शिक्षा अभियान' के तहत मध्याह्न भोजन कार्यक्रम को सहायता देने के लिए असम के गुवाहाटी क्षेत्र में पांच खाद्य सामग्री वितरण वैन उपलब्ध कराए। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को स्वच्छ और गर्म भोजन उपलब्ध कराना है।

शिक्षा:

कंपनी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति के विभिन्न कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत इकाइयों द्वारा गोद लिए गए स्कूलों और गांवों की विधवाओं के बच्चों को वित्तीय सहायता दी जाती है। यह शिक्षा संस्थाओं में आवश्यकता के अनुसार छात्रावासों, कक्षाओं और शौचालयों के निर्माण के लिए भी सहायता देती है।

आपदा प्रबंधन:

बी एच ई एल (भेल) ने सिक्किम में आए भूकंप में बुरी तरह से ध्वस्त सरकारी स्कूलों के पुनर्निर्माण के लिए प्रयास शुरू किए। वहां के भूकंप पीड़ित लोगों की आवाज पर अत्यंत करूणापूर्वक कार्य किया है।

प्रतिभा उन्नयन/कौशल विकास:

देश की दक्ष जनशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए भेल ने भारत सरकार की जी पी सी स्कीम के तहत अनेक आई आई टी को गोद लिया है (हैदराबाद ईकाई द्वारा गवर्नमेंट आई टी आई लातूर) रूद्रपुर इकाई द्वारा गवर्नमेंट आई टी आई, बाजपुर, भोपाल इकाई द्वारा गवर्नमेंट वूमन आई टी आई, खंडवा और आई टी आई, खांकर, तिरूचि इकाई द्वारा गवर्नमेंट आई टी आई पेरामवालूर, राज्य तकनीकी बोर्ड के अनुमोदन से हरिद्वार इकाई द्वारा गवर्नमेंट आई टी आई, एस आई डी सी यू एल, हरिद्वार –राज्य के तकनीकी बोर्ड के अनुमोदन के अंतर्गत।

प्रतिभा उन्नयन/कौशल के विकास से संबंधित सी एस आर पहल के भाग के रूप में बी एच ई एल (भेल) ने सी आई एल, डी वी सी और एस एस डी ए के सहयोग बोलपुर, शांति निकेतन (पश्चिम बंगाल में कबिगुरू औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (के जी आई टी सी) की स्थापना की है ताकि क्षेत्र के आर्थिक विकास की जरूरत पर बल दिया जा सके।

संस्थान का चरण–I तैयार है। चारों ट्रेडों अर्थात फिटर, वेल्डर, प्लम्बर और परिधान निर्माण को एन सी वी टी के तहत सबद्व किया गया है। संस्थान ने धारा 80 जी के तहत आयकर से हुए प्राप्त की है। फिटर ट्रेड के लिए अगस्त, 2010 से कक्षाएं चल रही है जिसमें 42 छात्र (2 लड़कियों सहित) है। शेष 03 ट्रेडों–वेल्डर, प्लम्बर और परिधान निर्माण के लिए शुरू होने वाले सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया चल रही है।

सी एस आर प्रशिक्षण और विकास:

अपने कर्मचारियों और स्टाफ के प्रशिक्षण की आवश्यकता में दृढ़ विश्वास रखते हुए कंपनी ने बी एच ई एल (भेल) की भिन्न–भिन्न इकाइयों/क्षेत्रों के 12 सी एस आर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया ताकि वे लोक उद्यम विभाग (डी पी ई) द्वारा जारी किए गए सी एस आर दिशानिर्देशों को भलीभांति समझ कर उनका कार्यान्वयन कर सकें। बी एच ई एल ने नेशनल सी एस आर हब, टी आई एस एस, मुंबई के साथ मिल कर केन्द्रीय क्षेत्र के सी पी एस ई के लिए भोपाल में द्वितीय सी एस आर कानक्लेव का आयोजन किया।

जहां तक भेल में सी एस आर गतिविधियों को बढ़ावा देने का संबंध है, कंपनी ने कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सी एस आर) परियोजनाओं के लिए रूचि की अभिव्यक्ति (ई ओ आई) के रूप में रूचि की अभिव्यक्ति (ई ओ आई) अपने वेब पेज www.bhel.com पर अधिसूचित की। पिछले वर्ष की नजीर के रूप में पिछले वर्ष के पैट के आधे प्रतिशत के बराबर व्ययगत न होने वाली सी एस आई निधि सी एस आर गतिविधियों के लिए निर्धारित की गई है।

(ग) अभिप्रेरक उपायों के माध्यम से लोगों के विकास के लिए प्रतिबद्व संगठन के रूप में बी एच ई एल (भेल) महिला कर्मचारियों के लिए मौजूदा प्रसूति अवकाश और फैक्ट्रियों में शिशु सदन (क्रेच) सुविधा के अतिरिक्ति उनके लिए बालचर्या अवकाश भी शुरू कर रहा है।

I. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

- बीएचईएल (भेल) सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 को अक्षरशः लागू करने में अग्रणी है। आरटीआई समूह के भाग के रूप में अपीलीय प्राधिकरण के साथ कंपनी स्तर पर एक मुख्य लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) तथा एक केन्द्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) और प्रत्येक प्रशासनिक यूनिट के लिए 15 मुख्य लोक सूचना अधिकारी कार्यरत हैं।
- बीएचईएल(भेल) की वेबसाइट के माध्यम से अधिनियम की धारा 4(1) (ख) के अनुरूप पूर्वक्रियात्मक प्रकटन किए गए थे। सूचना मांगने वाले आवेदकों की सुविधा के लिए बीएचईएल

की वेबसाइट पर आरटीआई वेब पेज पर उचित दिशानिर्देश दिए गए हैं। अधिनियम की अनिवार्य अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक यूनिटों और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

- वर्ष 2011–12 के दौरान बीएचईएल को सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत 1297 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 159 आवेदन अपीलें प्रथम अपील अधिकारी के पास फाईल की गईं। इन सभी आवेदनों और अपीलों का अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निपटान किया गया।
- स्टैडिंग कांफ्रेस आफ पब्लिक इन्टरप्राइजेज (एस सी ओ पी ई) द्वारा गठित सूचना का अधिकार संबंधी संचालन समिति के सक्रिय सदस्य के रूप में बी एच ई एल (भेल) 29 से 30 जुलाई, 2011 तक बेंगलुरू में आयोजित केन्द्रीय सार्वजनिक उद्यमों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर संगोष्ठी में भाग लिया।
- सूचना का अधिकार के क्षेत्र में हाल में हुए विकास को अद्यतन करने के लिए एक परस्पर प्रभावकारी कार्यक्रम मौजूदा सी पी आई ओ तथा हाल में प्रभार लेने वाले सी पी आई ओ के लिए आयोजित किया जिसमें अन्य वक्ताओं के साथ–साथ केन्द्रीय सूचना आयोग की माननीय सूचना आयुक्त सुश्री सुषमा सिंह ने सहभागियों को सम्बोधित किया।

ञ. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

- कंपनी की प्रमुख विनिर्माण यूनिटों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में आंतरिक लेखापरीक्षा प्रकोष्ठ स्थापित हैं जो निदेशक (वित्त)/ बोर्ड स्तरीय लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखापरीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखापरीक्षा करते हैं। आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग विभिन्न नीतियों तथा प्रक्रियाओं की नियमित लेखापरीक्षा, प्रणाली पुनरीक्षा और अनुपालन की देखरेख के जरिये आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता और प्रभाव की जांच करता है। आंतरिक लेखापरीक्षा के कामकाज और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता की पुनरीक्षा बोर्ड स्तरीय लेखापरीक्षा समितियों द्वारा की जाती है जिन्हें यूनिट स्तर की लेखा परीक्षा समितियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।
- कंपनी की आंतरिक नियंत्रण और दस्तावेजी प्रकिया की उचित और पर्याप्त प्रणाली है जिसमें सभी वित्तीय और प्रचालनात्मक कार्य आते हैं। पर्याप्त आंतरिक उपाय विभिन्न कोडो, मैनुअलों और प्रक्रियाओं के रूप में हैं जिन्हें प्रबंधन नें जारी किया है। इसमें सभी महत्वपूर्ण गतिविधियां जैसे खरीद, सामग्री, भंडारण, निर्माण, वित्त और कार्मिक आदि आते हैं। इन कोडों, मैनुअलों और प्रक्रियाओं को समय–समय पर अद्यतन किया जाता है और उनका सख्ती से पालन किया जाता है जिसकी मानीटरिंग आंतरिक लेखापरीक्षा द्वारा की जाती है। कंपनी ने अपनी प्रक्रियाओं और नियंत्रणों को विश्व की सर्वोत्तम पद्धतियों के साथ समायोजित करना जारी रखा।

ट. विलयन और अधिग्रहण

बीएचईएल (भेल) यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में ऊर्जा क्षेत्र में कोर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र जिसमें नवीकरणीय तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे परिवहन और पारेशण शामिल हैं, सक्रियतापूर्वक अधिग्रहणों के लिए कार्रवाई कर रहा है ताकि प्रौद्योगिकी तक पहुंच बनाई जा सके, वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाई जा सके, वैश्विक आपूर्ति स्रोत सुरक्षित किए जा सकें, संबंधित और नए व्यापारिक क्षेत्रों आदि को विविध बनाया जा सके ताकि रणनीतिक योजना 2017 में यथापरिकल्पित वृद्धि लक्ष्यों की ऊपरी सीमा और निचली सीमा को प्राप्त किया जा सके।

इस कार्य में बी एच ई एल (भेल) अपने प्रौद्योगिकी प्रोफाइल, उत्पाद मिश्रण का आंकलन कर रहा है और अपने पैनलबद्ध अंतर्राष्ट्रीय एम एंड ए सलाहकारों के साथ समन्वय कर उपयुक्त लक्षित अवसरों के लिए नए मजबूत बाजारों की तालाश कर रहा है।

बी एच ई एल (भेल) के पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स, विशाखापत्तनम (बी एच पी वी) ने वित्त वर्ष 2011–12 में 10.44 करोड़ ₹ का शुद्ध लाभ प्राप्त किया! बी एच पी वी को औद्योगिक ब्वायलरों का हब बनाने के लिए यहां 231 करोड़ ₹ खर्च कर आधुनिकीकरण की एक स्कीम कार्यान्वित की जा रही है।

बी एच ई एल (भेल) के बोर्ड ने भेल के साथ बी एच पी वी के विलयन की सिफारिश की है तथा विलयन के ब्यौरे भारत सरकार को प्रस्तुत कर दिए गए हैं।

ठ. अवसर और खतरे

विश्व

वर्ष 2008–09 के दौरान संकटग्रस्त होने वाली अर्थव्यवस्था में 2010 में सुधार दिखाई दिया। हाल ही में विश्वास में तेजी से कमी होने के कारण इसमें उतार–चढ़ाव आया है तथा जापान में सुनामी आने और कुछ तेल उत्पादक देशों में अशांति जैसे यूरो जोन में अव्यवस्था जैसी समस्याओं के कारण खतरे बढ़ रहे हैं। हालांकि अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं में 2 प्रतिशत की मंद दर (डब्लू ई ओ के अनुसार) पर प्रसार की संभावनाएं दिखी हैं, परंतु उदीयमान अर्थव्यवस्था वाले देशों में स्थिति अधिक अनिश्चित हो गई है। नीतियों में कठोरता कम करने से उदीयमान अर्थव्यवस्थाओं में बेहतर वृद्धि के लिए माहौल बनेगा।

जनसांख्यिकीय और आर्थिक विस्तार के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है। वैश्विक आर्थिक स्थिति में सुधार अगले अनेक वर्षों में ऊर्जा की संभावना में निहित है, परंतु जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के बारे में चुनौती के संबंध में सरकारी की प्रतिक्रिया से दीर्घकालिक ऊर्जा के भविष्य का निर्माण होगा। बी पी द्वारा की गई विश्व ऊर्जा की समीक्षा से पता चलता है कि कम और और मध्यम आय वाले देशों का द्रुत विकास होने पर ऊर्जा क्षमता विश्व में प्रति वर्ष 1.2 प्रतिशत की दर पर बढ़ेगी जो बाद के 20 वर्षों में 1.2 प्रतिशत वार्षिक हो जाएगी। बी पी ऊर्जा आउटलुक 2030 के अनुसार बिजली उत्पादन के लिए प्रयुक्त होने वाली ऊर्जा तीव्रतम विकासमान सेक्टर है जिसमें 2030 तक प्राथमिक ऊर्जा खपत में अनुमानित वृद्धि 57 प्रतिशत होगी जबकि 1990–2010 के दौरान यह 54 प्रतिशत थी।

हाल के वर्षों में विश्व में नीति तैयार करने में अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक जमात ने उल्लेखनीय कार्य किया है, जिन्होंने जलवायु परिवर्तन पर महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय करार, अकुशल जीवाश्म ईंधन सब्सिडी में सुधार तथा वैश्विक ऊर्जा प्रणलियों को रूपांतरित कर देने की क्षमता रखने वाली कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रयोग के संबंध में बातचीत की है।

वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2011 के अनुसार विश्व में प्राथमिक ऊर्जा की मांग में 2010 और 2035 के बीच 33 प्रतिशत वृद्धि होने, विश्व की जनसंख्या में 1.7 बिलियन की वृद्धि होने तथा विश्व अर्थव्यवस्था में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वर्ष 2011–2035 के दौरान सभी प्रकार की ऊर्जा की मांग में 01 प्रतिशत की वार्षिक औसत दर से वृद्धि होने की संभावना है। ऊर्जा के प्रमुख स्रोत के रूप में प्राकृतिक गैस की मांग सबसे ज्यादा रहेगी, हालांकि वर्ष 2025 तक कोयला प्रमुख ईधन बना रहेगा। इसके बाद इसमें कमी आएगी और कम कार्बन वाले ऊर्जा को प्रमुखता मिलेगी और इस क्षेत्र में ओ ई सी डी तथा चीन आगे रहेंगे। ऊर्जा के मिश्रण में प्राकृतिक गैस के हिस्से की वृद्धि के बावजूद वैश्विक प्राथमिक खपत में जीवाश्म ईधन के भाग में कुछ कमी आने की संभावना है जो 2010 में 81 प्रतिशत से घटकर 2035 में 75 प्रतिशत हो जाएगी। ऊर्जा आपूति की अवसंरचना में वैश्विक निवेश 2011–2035 के बीच 38 ट्रिलियन डालर होने की संभावना है। इससे प्राथमिक ऊर्जा की खोज से लेकर विद्युत उत्पादन तक के अवसर उपलब्ध होगें। वर्ष 2035 तक चीन को विश्व की 22 प्रतिशत ऊर्जा की जरूरत होगी जबकि आज यह मांगा 7 प्रतिशत है। इसके बाद दूसरे स्थान पर भरत रहेगा जिसकी मांग 18 प्रतिशत हो जाएगी।

विश्व को अधिक सुरक्षित विश्वसनीय और टिकाऊ ऊर्जा के पथ पर ले जाने में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को केन्द्रीय भूमिका निभानी होनी। विद्युत उत्पादन में गैर–हाइड्रो नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 2009 में 3 प्रतिशत से बढ़कर 2035 में 15 प्रतिशत हो जाने की आशा है जिसमें चीन तथा ई यू इस विस्तार को बढ़ाकर विकास के आधे भाग तक पहुंचा देंगे। क्षमता निश्चित रूप से बहुत बड़ी है परंतु अमली जामा पहनाने की गति सरकार की सहायता पर निर्भर करती है जिसमें अन्य ऊर्जा स्रोतों की तुलना में नवीकरणीय ऊर्जा को लागत प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नति को बढ़ावा देने के सरकार सहायता देती है।

उपलब्धता, पहुंच और जवाबदेही की चुनौतियों का सामना करने वाले ऊर्जा सेक्टर के लिए नीतिगत नवाचर और प्रौद्योगिकीय नवाचार की जरूरत है ताकि नवीकरणीय सहित विभिन्न स्रोतों और अधिक विद्युत उत्पादन किया जा सके।

भारत

मुद्रास्फीति की दर अत्यधिक ऊंची होने, घाटे का स्तर ऊंचा होने, रूपये का मूल्य तेजी से घटने से आयात पर प्रभाव पड़ने, सुधार की प्रक्रिया में अनिश्चितता होने तथा निर्यात कम होने के कारण पिछले वर्ष की 8.4 प्रतिशत की तुलना 2011–12 में सकल घरेलू उत्पाद दर 6.5 प्रतिशत रही है जो अर्थव्यवस्था और रोजगार की स्थिति के लिए चिंता का विषय है।

सेक्टरों के संकेतक भी उत्साहवर्धक नही हैं क्योंकि कृषि और विनिर्माण में वृद्धि कम रही जबकि खनन में कमी आई। विद्युत

गैस और जलापूर्ति के क्षेत्र में पिछले वर्ष की 3 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्त वर्ष 2012 में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारतीय रुपया डालर के मुकाबले अब तक के सबसे कम स्तर पर पहुंच गया जिसके मूल में अनेक माक्रो–इकोनामिक कारण जैसे विदेशी निवेश का कम होना, चालू खाते में काफी घाटा होना, आयात का खर्च बढ़ना तथा नकारात्मक दृष्टि पर आधारित व्यापार संबंधी अनुमान था। सी पी ओ द्वारा जारी किए गए आई आई पी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण और पूंजी में अपेक्षित निष्पादन न होने के कारण मार्च, 2012 में औद्योगिक वृद्धि में 3.2 प्रतिशत की कमी आई। पूंजीगत माल के सेक्टर में की 2011–12 के पूरे वर्ष के दौरान कम निष्पादन हुआ है इसका कारण अत्यधिक ऊंची ब्याज दर और परियोजनाओं को अंतिम रूप देने में अनिश्चितता के कारण निवेश के लिए अच्छे माहौल का न होना है।

पावर सेक्टर

भारत सरकार बड़े स्तर पर निजी व विदेशी निवेश तथा आधारित प्रौद्योगिकी के साथ एक कुशल एवं तीव्र विकासशील बिजली सेक्टर बनाने के लिए मज़बूती से प्रतिबद्ध है। विभिन्न नीतियाँ एवं नियामक सुधार जैसे बिजली अधिनियम 2003 इसका उदाहरण है। इसके परिणामस्वरूप पिछले दो योजनावधियों में इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 12 वीं योजना में वृद्धि के लिए बड़े अवसर उपलब्ध हैं क्योंकि इसमें भारी विद्युत उद्योग के लिए 300 बिलियन अमेरिकी डालर की परिकल्पना की गई है। 11वीं योजना में देश में अब तक की सबसे बड़ी क्षमता वृद्धि अर्थात 54964 मेगावाट की वृद्धि हुई जो 10 वीं योजना से दुगनी है। अभी देश का पावर सेक्टर, उल्लेखनीय अपवादों को छोड़कर तीव्र मांग–आपूर्ति के असन्तुलन, बार–बार पावर कट और अपर्याप्त कवरेज से आरोपित है। 2011–12 में पीक लोड कमी 10.8 प्रतिशत थी। यह माना जाता है कि बिजली की उपलब्धता में कमी अर्थव्यवस्था के सतत विकास में एक महत्वपूर्ण बाधा है। इस सन्दर्भ में मांग एवं आपूर्ति में अन्तर एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है और इसके परिणामस्वरूप इस सेक्टर के विभिन्न खंडों; उत्पादन, ट्रान्समिशन एवं वितरण में अधिक क्षमता विस्तार किया जा रहा है। 12वीं एवं 13वीं योजनाअवधि में भारत सरकार की योजना प्रत्येक योजना में राष्ट्र की विद्युत क्षमता में 100 जीडब्ल्यू के विस्तार तथा इसके अनुरूप टी एंड डी में भी विस्तार करने की है। इसलिए सभी स्टेकहोल्डरों के लिए बड़े अवसर उपलब्ध हैं। इस सफलता की कहानी को आगे बढ़ाते हुए देश विद्युत उपस्कर सेक्टर में बड़ा निवेश कर विनिर्माण क्षमता बढ़ा रहा है। भारत, चीन और विकसित देशों की कम्पनियाँ भी भारत के बाज़ारों से इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रयास कर रही है। भारी वैद्युत और ऊर्जा उपस्कर उद्योग का कार्य निष्पादन विद्युत परियोजनाओं को अंतिम रूप दिए जाने से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है तथापि, वर्ष 2011–12 में निवेश संबंधी निर्णयों को स्थापित किए जाने, कोयले की उपलब्धता के संबंध में अस्पष्टता, भूमि से जुड़े मुद्दों, गैस की अनुपलब्धता और रूपये के मूल्य में ह्रास होने से कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत के कारण इस सेक्टर में अनिश्चितता बनी रही। कौशल में कमी, महत्वपूर्ण कच्चे माल की बाधित उपलब्धता, बुनियादी सुविधाओं में बाधा और परियोजना आयातों को प्रशुल्क लाभ के संबंध में समान अवसर की कमी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर तुरंत ध्यान दिए जाने की जरूरत है ताकि विद्युत और भारी वैद्युत उपस्करों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। विशेष रूप से संयत्र क्षेत्रों के संतुलन क्षमता असंतुलन इस क्षेत्र के क्षमता वृद्धि लक्ष्यों को मूर्त रूप देने के मार्ग में एक प्रमुख बाधा बनी हैं भूमि अधिग्रहण की परेशानी, रेगुलेटरी अनुमति में देर, ईंधन की त्रुटिपूर्ण आपूर्ति, पर्याप्त अवसंरचना में कमी और राज्यों की यूटिलिटी की बदतर होती वित्तीय स्थिति ऐसे जोखिम हैं जो सेक्टर के लिए आवश्यक वृद्धि दर को बनाए रखने में बाधक हैं।

घरेलू उद्योग द्वारा पीड़ित किए गए वंचितों काध्यान रखने के प्रशुल्क उपायों का कार्यन्वयन कुछ समय से सरकार के विचाराधीन है। हाल ही में मंत्रिमंडल के सभी विद्युत परियोजनाओं के लिए विद्युत उपस्कर पर सीमा शुल्क लग दिया है और इसके अधिसूचित किए जाने की आशा है। इससे विदेशी प्रतिस्पधियों के मुकाबले में भेल को हुए नुकसान की कुछ हद तक क्षतिपूर्ति हो जाएगी।

उद्योग क्षेत्र

अर्थव्यवस्था की वृद्धि में गिरावट आने तथा औद्योगिक उत्पादन स्थिर हो जाने के कारण उद्योग क्षेत्र की प्रगति वास्तव में चिंता का विषय रही है।

2011–12 के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में गिरावट आई क्योंकि आई आई पी की वृद्धि अस्थिरता की बीच–बीच में होने वाली घटनाओं के कारण मध्यम रही जिसका मुख्य कारण उच्च मूल प्रभाव और पूंजी तथा निवेश में कमी के कारण खनन और विनिर्माण में गिरावट तथा इंटरमीडिए माल, कोयले की उपलब्धता और पहुंच से जुड़ी परेशानियां, जमीन से जुड़े मुद्दें तथा पूरे वर्ष के दौरान ऊंची

ईडीएन, बेंगलूरू में एसएमटी असेम्बली लाइन

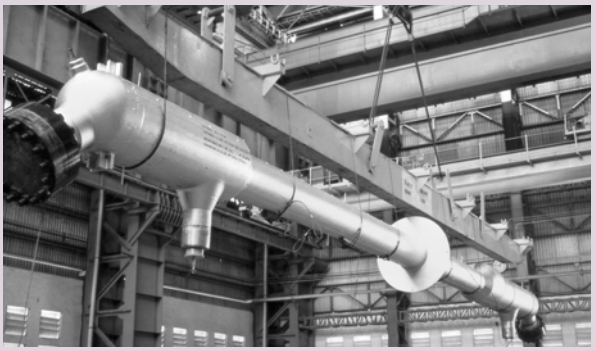

500 एमडब्ल्यूई पीएफबीआर परियोजना के लिए इवापोरेटर

मुद्दा स्फीति। देश की अर्थव्यवस्था मूल तत्वों को देखते हुए अप्रभावक भावनाओं के बने रहने की संभावना नहीं है। देश की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए ऊर्जा और अवसंरचनात्मक विकास की आवश्यकता के कारण मांग के मध्य से दीर्घ स्तर तक पुनः बहाल होने की संभावना है। समुचित नीतिगत उपायों द्वारा सहायता प्राप्त होने पर शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में खपत में वृद्धि होने पर अर्थव्यवस्था पटरी पर आएगी।

ड. भविष्य के लिए तैयारी

- कंपनी द्वारा अंगीकृत रणनीतिक योजना 2012–17 में कंपनी का प्रयास कि यह वैश्विक इंजीनियरी उद्यम बन जाए। इसमें ई पी सी क्षमता बना कर विद्युत क्षेत्र में हमारी पेशकशों का विस्तार करना, औद्योगिक व्यापार पर ध्यान केन्द्रित करना और अतिरिक्त उपायों और सेवाओं का विस्तार करना और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है।
- विद्युत क्षेत्र में वर्तमान स्थिरता के बावजूद हमारा विश्वास है कि विद्युत क्षेत्र, परिवहन और पारेषण जैसे उदीयमान व्यापारिक क्षेत्रों के लिए प्रमुख योगदानकर्ता बना रहेगा। हम लोग नाभिकीय नवीकरणीय और जल खंड में अपनी उपस्थिति मजबूत बनाना जारी रखेंगे।
- उत्पाद विकास और इंजीनियरी में प्रबल क्षमता विकसित करने के लिए नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी की कोर क्षमता में अपनी प्रतिष्ठा और उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए हम लोग मौजूदा उत्पादों और प्रणालियों का स्तर बढ़ा कर समसामयिक स्तर तक लाना जारी रखेंगे तथा सतत इन हाउस प्रयासों द्वारा और नई प्रौद्योगिकियां प्राप्त कर नये उत्पाद विकसित करेंगे।
- हाल के वर्षों में बी एच ई एल (भेल) ने अपनी विनिर्माण क्षमता में विस्तार किया है। हम लोग अपनी विनिर्माण वैल्यू चेन को सरल बनाने के लिए अनेक पहल कर रहे हैं ताकि मजबूत विनिर्माण आधार का पूरा लाभ उठाया जा सके।
- बी एच ई एल (भेल) ने पिछले पांच वर्षों के दौरान सभी स्तर पर 20,000 से अधिक प्रतिभाशाली और सक्षम व्यक्तियों की भर्ती की है। मानव संसाधन का बल, प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता उसका निष्पादन और शक्ति व्यापारिक योजनाओं के अनुरूप विकसित करने की होगी। नेतृत्व विकास, क्षमता मापन, निष्पादन से जुड़ा वेतन, करियर योजना तथा उत्तराधिकार योजना संबंधी पहलें विकास के विभिन्न चरणों में हैं।
- छह सूची कार्यसूची अर्थात क्षमता वृद्धि, परियोजना का द्रुत गति से कार्यान्वयन, उत्पाद लागत प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता विविधीकरण, इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी तथा लोक विकास हमे अपने समकक्षों से आगे रखने के लिए निष्पादन प्रीमियम का लाभ देने के लिए प्रेरित करता रहेगा।
- व्यापारिक माहौल में अनिश्चिता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा की तीव्रता के बावजूद हमारी आशा है कि वर्ष 2017 तक 20 बिलियन अमेरिकी डालर के कारोबार के स्तर तक पहुंचा दिया जाए।

ढ जोखिम और चिंताएं

वैश्विक मन्दी से उबरना अभी भी अनिश्चिता से ग्रस्त है। वैश्विक वित्तीय स्थिति अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि यूरो–जोन संकट और 'मेना' क्षेत्र जैसे विश्व के कुछ भागों में राजनीतिक उथल–पुथल है। इससे देश में कम होता व्यापार और सिकुड़ गया है और परियोजनाओं के कार्यान्वयन की गति और धीमी हो गई। मांग में अनिश्चितता होने से वैश्विक आर्थिक मंदी में

सुधार और इसके संभावित प्रभाव पर्यावरणीय अनुमति और भूमि अधिग्रहण, रेग्युलेटरी मुद्दे तथा कोयले की उपलब्धता जैसे सेक्टर विशिष्ट मुद्दे से विकास की गति धीमी हो जाती है। इसके अतिरिक्त पूंजी की अधिक लागत ने हमारे देश की अर्थव्यवस्था की वर्षद्धि को स्थिर कर दिया है।

पिछले कुछ वर्षों में देश में नियोजित विद्युत क्षमता में काफी वृद्धि होने से भारतीय विद्युत सेक्टर की ओर विश्व का ध्यान आकर्षित हुआ है। इसके परिणामस्वरूप विद्युत उपस्करों से जुड़े अनेक अंतरराष्ट्रीय व्यापारियों और आपूर्तिकताओं ने घरेलू कंपनियों से जुड़कर विनिर्माण सुविधाएं स्थापित कर या अपनी क्षमता बढ़ाकर विकासशील भारतीय अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया है। घरेलू विद्युत विकासकर्ता/यूटिलिटी आपूर्ति बाधित होने के कारण कोयले की कमी का सामना कर रही हैं क्योंकि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो रही है। असंतोषजनक संभारिकी के कारण सुपुर्दगी प्रभावित होने से यह स्थिति और बिगड़ जाती है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा और घरेलू बाजार में खुली पहुंच से लाभ (मार्जिन) पर दबाव बढ़ रहा है क्योंकि नए इस क्षेत्र में आए नए खिलाड़ी बोली लगाने की प्रक्रिया से बाजारी हिस्सा प्राप्त कर सकते हैं। इससे आगे चल कर बी एच ई एल (भेल) के लिए प्रतिस्पर्धी तीव्रता बढ़ जाएगी। मुद्रा का अवमूल्यन होने से वस्तुओं विशेषकर इस्पात अैर तांबे की कीमत में अप्रत्याशित वृद्धि होने से भी लाभ (मार्जिन) पर प्रभाव पड़ सकता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देश को पूंजीगत माल के निर्यात में गैर प्रशुल्क अंकुशों के कारण नुकसान होता है जिससे प्रतिस्पर्धी हानि होती है।

विश्व के संदर्भ में ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंता बढ़ रही है। उदीयमान अर्थव्यवस्थाओं में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर चिंता बढ़ रही है। कुल मिलाकर भारत का रणनीतिक उद्देश्य टिकाऊ ऊर्जा प्रयोग के लक्ष्य को संतुलित करना, प्रतिस्पर्धा बढ़ाना तथा ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा का रख–रखाव करना है। भारतीय बाजार, सुपर क्रिटिकल टेक्नोलाजी को अपनाने तथा उसे समाहित करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है जिससे आरंभिक प्रौद्योगिकीय संतुलन बनाया जा सके। घरेलू विद्युत सेक्टर की अलग चिंताएं है जैसे देश में प्लांट वेंडरों की क्षमता का संतुलन तथा बड़े आकार की विद्युत परियोजनाओं के निर्माण तथा निर्माण के कारण बढ़े भार को संभालने वाले सक्षम/योग्य ठेकेदारों की संख्या कम होना, शिकमी ठेककेदारों के पास कुशल जन शक्ति की कमी, परियोजना प्राधिकारियों/डेवलपर्स, ठेकेदारों और उनके शिकमी ठेकेदारों आदि के बीच संविदा मुद्दे।

जिन अधिकांश व्यापारिक क्षेत्रों मं बी एच ई एल (भेल) प्रचालनरत है वहां वृद्धि की संभावनाएं, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर नीतिगत निर्णयों और मौजूदा व्यापारिक रूझानों पर निर्भर करती हैं।

निदेशक मंडल की ओर से उन्हीं के लिए

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

बी प्रसाद राव

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 26 जुलाई, 2012

अनुबंध–क

दिनांक 31.12.2011 को अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व तथा पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या दर्शाने वाला वार्षिक विवरण

	अजा/अजजा/अ.पि.व. का प्रतिनिधित्व (दिनांक 01.01.2012 की यथास्थिति)				कैलेंडर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की सं.									
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा**			प्रतिनियुक्ति/विलयन से		
समूह	कर्मचारियों की कुल सं.	अजा	अजजा	अपिव	कुल	अजा	अजजा	अपिव	कुल	अजा	अजजा	कुल	अज	अजजा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
समूह क	14370	2264	890	2369	1311	201	96	363						
समूह ख	10313	1736	258	811	0	0	0	0						
समूह ग	21644	5001	1542	6996	3233	646	214	1238						
समूह घ (स.क. छोड़कर)	1082	261	31	384	9	5	0	0						
समूह घ (स.क.)	137	130	1	3	0	0	0	0						
कुल	47546	9392	2722	10563	4553	852	310	1601	0	0	0	0	0	0

** बीएचईएल में पदोन्नति द्वारा प्रवेश स्तर पर कोई नियुक्ति नहीं होती है।

अनुबंध–ख

विकलांग व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व

	कर्मचारियों की संख्या (प्रतिनिधित्व)				सीधी भर्ती (कैलेंडर वर्ष 2011 के दौरान)							पदोन्नति*						
					आरक्षित रिक्तियों की सं.			भरी गई रिक्तियों की सं. (नियुक्त)				आरक्षित रिक्तियों की सं.			भरी गई रिक्तियों की सं. (नियुक्त)			
समूह	(01.01.2012 को)																	
	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
समूह क	14370	2	9	148	0	0	1	1311	1	0	24							
समूह ख	10313	7	7	108	0	0	0	0	0	0	0							
समूह ग	21644	33	35	459	35	39	22	3233	2	5	93							
समूह घ	1219	1	4	10	0	0	0	9	0	0	0							
कुल	47546	43	55	725	35	39	23	4553	3	5	117							

नोटः (i) वीएच का अभिप्रायः दृष्टि विकलांग है (इसके अंतर्गत नेत्रहीन अथवा अल्प दृष्टि वाले लोग आते हैं)

(ii) एचएच का अभिप्रायः श्रवण विकलांग है (इसके अंतर्गत बहरे व्यक्ति आते हैं)

(iii) ओएच का अभिप्रायः अस्थि विकलांग है (इसके अंतर्गत लोकोमीटर अथवा प्रमस्तिष्क आघात से पीड़ित व्यक्ति आते हैं)

* समूह ख से क तथा समूह क में पदोन्नति के लिए कोई आरक्षण नहीं है। बीएचईएल में समूह–ग और घ में कैरियर आधारित पदोन्नति का अनुसरण किया जाता है, इसलिए ग्रेड मे निर्धारित पात्रता अवधि पूरी कर लेने पर सभी कर्मचारियों को उनके संतोषजनक कार्यनिष्पादन, आचरण के आधार पर अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नत किया जाता है।

सूचीकरण करार [(खंड, 49 IV (छ) (i)] के अनुसार नियुक्ति और पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण

अंशकालिक सरकारी निदेशक

श्री विजय एस. मदान

55 वर्षीय श्री विजय एस. मदान को 19 जुलाई, 2012 से बीएचईएल के बोर्ड में अंशकालिक सरकीर निदेशक के रूप में शामिल किया गया था। श्री मदान भारतीय प्रशासनिक सेवा से संबंधित हैं और वर्तमान में औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार हैं। वे भारी उद्योग मंत्रालय, एमएसएमई और लोक उद्यम विभाग में अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के पदों का अतिरिक्त प्रभार धारण किए हुए हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा (एमबीबीएस) पूरी करने के उपरांत श्री मदान 1981 में भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्य बने और केंद्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर सरकार में बढ़ती हुई जिम्मेदारियों के पदों पर काम किया। वे 1989 में उदारीकरण से पूर्व के समय में जब कार्पोरेट अस्पतालों की अवधारणा अभी प्रारंभिक अवस्था में थी, भारत की पहली संयुक्त उद्यम परियोजना (इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल), की स्थापना में शामिल थे। एक एम्बुलेंस सेवा (कैटस) के संस्थापक परियोजना प्रशासक के तौर पर उन पर एक संस्थान की स्थापना के साथ–साथ बहु–कौशल कार्मिकों से संचालित की जाने वाली 25 एम्बुलेंसों के साथ इस प्रायोगिक परियोजना की कमीशनिंग की जिम्मेदारी थी।

श्री मदान के पास अंतर्राष्ट्रीय सिविल सेवा का अनुभव है, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की एक विशेषीकृत एजेंसी एयर ट्रांसपोर्ट ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल सिविल एवियेशन आर्गेनाइजेशन (आईसीएओ) के एयर ट्रांसपोर्ट ब्यूरो में आर्थिक नीति के प्रमुख के तौर पर काम किया (2001–02)। इससे पहले उन्होंने आईसीएओ की परिषद में भारत के प्रतिनिधि के रूप में काम किया। (1996-99).

आईसीएओ में दो असाइनमेंट्स के लिए काम करते हुए उन्होंने दो बार गोवा सरकार में वित्त, उद्योग, विद्युत आदि के प्रभारी सचिव एवं आयुक्त के रूप में और विद्युत, उच्चतर/तकनीकी शिक्षा, हवाई अड्डों और सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित विभागों के लिए जिम्मेदार सरकार के सचिव के रूप में काम किया। इस अवधि के दौरान श्री मदान पर गोवा राज्य में शैक्षणिक संपदाओं की स्थापना के लिए एक वैधानिक निगम के रूप में गोवा शिक्षण विकास निगम (जीईडीसी) बनाने की जिम्मेदारी थी, और इसके पहले कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सेवा की।

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के अधीन सचिव–सह–आयुक्त परिवहन के रूप में (2005-06) श्री मदान ने दिल्ली इंटेग्रेटिड मल्टी–मॉउल ट्रांजिट सिस्टम्स (डीआईएमटीएस) के नाम से एक विशेष उद्देश्यीय वाहक की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसके प्रथम प्रबंध निदेशक के तौर पर काम किया। इस अवधि के दौरान उन्होंने सचिव पर्यटन और जन संपर्क का अतिरिक्त प्रभार धारण किया।

अपने वर्तमान असाइनमेंट से पहले श्री मदान ने संस्कृति मंत्रालय में काम किया जहां उन्होंने अपर महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (मार्च 2007 से अप्रैल 2009), महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय (अतिरिक्त प्रभार आधार), और संयुक्त सचिव (नवंबर 2008 से जून 2012 तक) के रूप में काम किया।

श्री मदान के पास बीएचईएल का कोई शेयर नहीं है।

अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक

श्री वी. के. जयरथ

53 वर्षीय श्री वी. के. जयरथ को 12 नवंबर, 2009 से बीएचईएल के बोर्ड में अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक के रूप में शामिल किया गया था। वे 1982 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं और उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से कला में बैचलर तथा विधि में बैचलर की डिग्री धारण की है। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, यू.के. से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्री भी धारण की है। उन्हें रॉकफैलर फाउंडेशन (यूएसए) द्वारा पर्यावरण और विकास में लीडर के रूप में चुना गया।

भारत सरकार और महाराष्ट्र राज्य सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों का कार्यरत रहते हुए श्री जयरथ के पास लोक प्रशासन, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, अवसंरचना, वित्त, उद्योग, शहरी विकास, पर्यावरण प्रबंधन और निजी क्षेत्र का 30 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्होंने प्रधान सचिव (उद्योग), महाराष्ट्र सरकार के रूप में फरवरी, 2005 और मार्च, 2008 के बीच कार्य किया तथा औद्योगिक निवेश और अवसंरचना विकास में नीतियां तैयार करने

में महत्वूपर्ण भूमिका निभाई। वे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों में विद्युत उत्पादन और वितरण के लिए अवसंरचना पहलों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे।

उन्होंने स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन ऑफ महाराष्ट्र (एसआईसीओएम), महानगर गैस लिमि., मैंगनीज ओर इंडिया लिमि, यूनाइटेड वेस्टर्न बैंक, सांगली बैंक लिमि, महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमआईडीसी), महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड के निदेशक मंडल में पदेन निदेशक के रूप में काम किया। एसआईसीओएम के प्रबंध निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 150 व्यावसायिकों के दल का नेतृत्व किया और एक प्रमुख पुनर्गठन की कार्रवाई शुरू की जो कि कंपनी के कार्य निष्पादन में व्यापक बदलाव के रूप में सामने आई।

वर्तमान में श्री जयरथ टाटा मोटर्स लिमि. के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के अंशकालिक सदस्य हैं। टाटा मोटर्स लिमि. में निवेशक शिकायत एवं नीति एवं अनुपालना और ऑडिट समिति के सदस्य भी हैं।

श्री जयरथ के पास बीएचईएल का कोई शेयर नहीं है।

श्री. एस. रवि

श्री एस. रवि की आयु 53 वर्ष है और उन्हे बीएचईएल के बोर्ड में अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में 10 मार्च, 2011 को शामिल किया गया है। वे इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के फेलो सदस्य हैं तथा वे वाणिज्य स्नातकोत्तर डिग्री धारक हैं।

उनके अनुभव में बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, परिसंपत्ति प्रबंध कंपनी, मर्चेंट बैंकिंग में शामिल कंपनी और प्राथमिक डीलर के रूप में प्रचालनरत कंपनी के निदेशक मंडल पर कई पद धारित करना शामिल है। रवि राजन एण्ड कंपनी के प्रवर्त्तक और प्रबंध निदेशक के रूप में वे फर्म के लेखापरीक्षा तथा लेखाकरण कार्यकलायों को संपूर्ण सीमाक्षेत्र का पर्यवेक्षण करते हैं और व्यावसायिक मूल्यांकन ब्रांड मूल्यांकन, विलयन और अधिग्रहण, पुनर्वास, पुनर्निर्माण तथा आमूल–चूल परिवर्तन कार्यनीतियों को शामिल करते हुए विशिष्ट क्षेत्रों में वित्तीय और प्रबंध परामर्श प्रदान करते हैं। वे आरआरसीएस एंड एसोसिएट्स के प्रबंधन साझेदार भी हैं।

उन्हें बैंकिग क्षेत्र का समृद्ध अनुभव हैं, जिसमें यूको बैंक के निदेशक (भारत सरकार द्वारा नियुक्त) के रूप में कार्यकाल शामिल है। वर्ष 2000–02 के दौरान देना बैंक के शेयरधारक निदेशक के रूप में वे लेखापरीक्षा समिति, परिसंपति–देयता और जोखिम प्रबंध समिति तथा एनपीए के अनुवीक्षण के लिए निदेशक मंडल की समिति के सदस्य थे। वे निदेशक मंडल की वित्तीय समीक्षा समिति के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने कारपोरेशन बैंक के निदेशक मंडल में भी कार्य किया है और उसकी लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष थे। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में उनके अनुभव में आईएफसीआई, कैनबैंक फंड और प्रिंसिपल ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में कार्य करना भी शामिल है। वे पंजाब एंड सिंध बैंक की तकनीकी विशेषज्ञ समिति तथा सरकारी प्रतिभूति विधेयक, 2004 के ढांचे के भीतर प्रारूप सरकारी प्रतिभूति विनियन की तैयारी के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित कार्य समूह के भी सदस्य थे। इस समय, वे आईडीबीआई बैंक लिमिटेड और एसबीआई–एसजी ग्लोबल सिक्यूरिटीज सर्विसिज प्रा. लिमि. के बोर्ड में अपर निदेशक हैं।

इस समय, श्री एस. रवि महेन्द्र उगीन स्टील लि., आईडीबीआई कैपिटल मार्किट सर्विसेज लि., यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि., एलआईसी हांउसिंग फाइनेंस लि., महर्षि हाउसिंग डवलपमेंट फाइनेंस लि., जीएमआर चेन्नै आउटर रिंग रोड प्रा. लि., एसएमई रेटिंग एजेन्सी ऑफ़ इंडिया, कैन बैंक वेन्चर्स कैप्टिव फ़ंड लि. और एस. रवि फाइनेंशियल मैंनेजमेंट सर्विसज प्राइवेट लिमिटेड में मंडल में निदेशक हैं।

श्री एस. रवि महिंद्रा युगीन स्टील कंपनी लिमि, आईडीबीआई कैपिटल मार्किट्स लिमि, यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्रा लिमि., एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमि, रेलीगेयर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड, जीएमआर चेन्नई आउटर रिंग रोड प्रा लिमि, एसएमई रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लिमिटेड, कैनबैंक वेंचर कैपिटल फंड लिमि और एस रवि फाइनेंशियल मैनेजमेंट सर्विर्सिज प्रा. लिमि के बोर्ड में भी निदेशक हैं। वह बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के सदस्य भी हैं। इसके अलावा कार्पोरेट सामाजिक दायित्व मामलों पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) में स्थित होने वाली एक सांस्थानिक संरचना के सृजन के लिए संभावित औपचारिकताएं सुझाने के लिए भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय द्वारा गठित कार्य समूह के सदस्य तथा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउण्टेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की पेशेवर विकास समिति के सदस्य भी हैं। वे आईडीबीआई कैपिटल मार्केट सर्विसेज लिमिटेड, एलआईसी हाउसिंग फ़ाइनेन्स लिमिटेड और रेलिगेअर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन लिमि. की लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष हैं तथा वे महीन्द्रा युगीन स्टील कम्पनी लि. और एलआईसी हाउसिंग फ़ाइनेन्स लि. के निदेशक शिकायत समिति के अध्यक्ष भी हैं।

श्री एस. रवि के पास बीएचईएल का कोई शेयर नहीं है।

श्री त्रिम्बकदास एस जंवर

58 वर्षीय **श्री त्रिम्बकदास एस जंवर** को बीएचईएल बोर्ड में अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक के रूप में 11 अक्तूबर, 2011 को शामिल किया गया। श्री जंवर विधि में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त हैं। इन्हें सामाजिक, राजनीतिक और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों का अनुभव हैं वे राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर गठित कई समितियों के सदस्य रहे हैं। वर्तमान में वे साक्षरता परिषद (राज्य साक्षरता परिषद, राज्य मन्त्री के स्तर के) अध्यक्ष हैं और मराठवाड़ा राज्य शिक्षा एवं कृषि अनुसन्धान परिषद, मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, परभानी एवं लातूर जिला योजना एवं विकास समिति के सदस्य हैं। वर्तमान में श्री जंवर, श्री साईबाबा शुगर्स लिमिटेड के निदेशक बोर्ड में हैं।

श्री त्रिम्बकदास एस. जंवर के पास बीएचईएल का कोई भी शेयर नहीं है।

कार्यकारी निदेशक

श्री ओ. पी. भुटानी

59 वर्षीय श्री ओ. पी. भूटानी को 24 दिसंबर, 2009 को निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) के रूप में शामिल किया गया था। वे दिल्ली कालेज ऑफ इंजीनियरिंग से यांत्रिक इंजीनियरी में स्नातक हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय से एमबीए हैं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके से भी प्रबंध में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

बीएचईएल में 1976 में इंजीनियर प्रशिक्षार्थी के रूप में कार्यग्रहण करने के उपरांत श्री भूटानी का व्यापक कार्य रेंज वाला 36 वर्ष का प्रतिष्ठित कॅरिअर रहा है जिसमें विपणन एवं व्यवसाय विकास; परियोजना निष्पादन; निर्माण प्रबंधन; उत्पाद डिजाइन एवं इंजीनियरिंग; प्रचालन एवं नियोजन और रणनीतिक प्रबंधन शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन प्रभाग में विभिन्न स्तरों पर और विशेष कर 2007 से व्यवसाय क्षेत्र के प्रमुख के तौर पर, उन्होंने सभी छह महाद्वीपों में सत्तर से अधिक देशों में विदेशी संदर्भों के साथ बीएचईएल को विश्व मानचित्र में स्थान दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और पिछले दशक के दौरान विदेशी व्यापार में करीब बीस गुणा वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान रणनीतिक समझौतों से समर्थित सुपुर्दगी उन्मुख और केन्द्रित दृष्टि के साथ बड़ी परियोजनाओं के निष्पादन के प्रति बड़ी उपलब्धियां रही हैं जिसने कई नए बाजारों में बीएचईएल की उपस्थिति दर्ज़ कराने में योगदान किया। उन्होंने बीएचईएल को एक वैश्विक कंपनी के रूप में परिवर्तन करने के लिए बीएचईएल की वैश्विक 'रणनीतिक योजना 2012' को भी नेतृत्व प्रदान किया है। इससे पहले उन्होंने बीएचईएल के ओमान प्रचालनों के प्रमुख के रूप में सेवा की। ओमान में प्रतिष्ठित विद्युत परियोजना के परियोजना प्रबंधक के रूप में उन्होंने कंपनी को ग्राहकों के प्रति जबर्दस्त आकर्षित किया जिसके परिणामस्वरूप दोबारा आर्डर्स प्राप्त हुए और कंपनी के लिए ओमान को एक प्रमुख बाजार के रूप में स्थापित किया। बीएचईएल के उद्योग क्षेत्र के परिवहन और रक्षा व्यवसायों के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान श्री भूटानी ने भारतीय रेलवे के लिए अनुरक्षण वाहनों में रोलिंग स्टॉक और विविधिकरण के लिए तीन फेस इलेक्ट्रिक्स में प्रौद्योगिकी अंतर को पाटने और साथ ही रक्षा क्षेत्र के लिए नए उत्पादों के लिए रणनीतिक प्रयासों की शुरूआत और सुविधा जुटाई।

इंजी. और अनुसंधान एवं विकास कार्यों में श्री भूटानी ने देश में प्रमुख स्थान बनाए रखने के लिए बीएचईएल के प्रत्येक उत्पादों के लिए चुनौतीपूर्ण और समयबद्ध माध्यम तथा दीर्घावधि प्रौद्योगिकीय लक्ष्यों की स्थापना की है और इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए। उनकी धारणा के अनुसार ऊर्जा क्षेत्र समाज की पर्यावरणीय चिंताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए उन्होंने स्वच्छ प्रौद्योगिकियों जैसे कि अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल, इंटेग्रेटिड गैसिफिकेशन कम्बाइन्ड साइकल और नवीकरणीय ऊर्जा तथा कुलमिलाकर सभी उत्पादों में ऊर्जा दक्षता सुधार लाने पर मज़बूत ज़ोर दिया।

कंपनी में अत्याधुनिक उत्पादों और प्रौद्योगिकयों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यों में योगदान करने के लिए श्री ओ पी भूटानी पर कंपनी के लिए व्यापक आरएंडडी नीति तैयार करने की जिम्मेदारी थी, जिसे कार्यान्वयन के लिए निदेशक मंडल ने भी अनुमोदित कर दिया है। इस आरएंडडी नीति पर अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थानों तथा अकादमियों के साथ नवप्रवर्तन, सृजनात्मकता और सहयोगतात्मक अनुसंधान पर विधिवत बल दिया जाता है।नीति में आवश्यक सशक्तीकरण का विधिवत प्रावधान किया गया है जिसे आरएंडडी परियोजना टीम को तकनीकी रूप से श्रेष्ठ विशेषज्ञ और संस्थान की पहचान और नियुक्ति के लिए उपलब्ध कराया जाना है। आरएंडडी अचीवर्स को प्रेरित करने के लिए नई प्रोत्साहन और पुरस्कार योजना को भी शामिल किया गया है। श्री भूटानी द्वारा बहुत से नए कदम उठाए गए हैं जिनमें ''उत्पाद जीवनचक्र प्रबंध(पीएलएम)'' और ''कंपनी के संपूर्ण उत्पाद स्पैक्ट्रम में इंजीनियरी चक्र समय को लघुतम करने के लिए ''ज्ञान आधारित इंजीनियरिंग (केबीई), ''रणनीतिक योजना–2012–17'' के भाग के तौर पर ''मिशन मोड प्रोजैक्ट्स''

की पहचान और शुरूआत तथाा कंपनी की ''प्रौद्योगिकी योजनाओं'' का कार्यान्वयन शामिल है।

निदेशक (इंजी, आरएंडडी) के रूप में, इंजीनियरिंग और आरएंडडी कार्यों के अलावा, उन पर कार्पोरेट निगरानी, पूंजी निवेश नियोजना और सामग्री प्रबंधन कार्यों की भी जिम्मेदारी है। निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर वे विद्युत उपस्कर के विनिर्माण में नए प्रवेशकर्ताओं/स्थापित खिलाड़ियों से पेश आ रही प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए अवसंरचना और प्रक्रियाओं दोनों में कंपनी के क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

श्री भूटानी ने बीएचइएल का कई मंचों पर प्रतिनिधित्व किया है जिनमें भारत सरकार की ऊर्जा सुरक्षा समिति, सीआईआई की व्यापार समिति, कई कार्य समूह और अंतर–सरकार संयुक्त आयोग, उच्चाधिकार प्राप्त सरकारी प्रतिनिधिमण्डल और भारत की व्यापार संस्थाएं शामिल हैं तथा परियोजना निर्यात के विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर के नीतिगत बदलावों के वास्ते एक उत्प्रेरक के रूप में काम किया।

श्री भूटानी लातूर पावर कंपनी लिमि. के अंशकालिक अध्यक्ष और उडानगुडी पावर कार्पोरेशन लिमि. के बोर्ड में अंशकालिक निदेशक हैं। वे उडानगुड पावर कार्पोरेशन लिमि. में ऑडिट कमेटी के अध्यक्ष भी हैं।

श्री भूटानी के पास पास बीएचईएल का कोई भी शेयर नहीं है।

श्री आर. कृष्णन

57 वर्षीय श्री आर. कृष्णन ने नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र इंजीनिरिंग एवं निर्माण उद्यम, बीएचईएल के निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में 01 अप्रैल 2012 को कार्यभार ग्रहण किया।

आरईसी, तिरूचि (अब एनआईटी) से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर तथा एमएसीटी, भोपाल (वर्तमान में एमएएनआईटी, भोपाल) से भारी विद्युत उपस्कर के डिज़ाइन और उत्पादन में स्नातकोत्तर श्री कृष्णन ने 1977 में इंजीनियर ट्रेनी के रूप में बीएचईएल में कार्य ग्रहण किया। उनके पास बीएचईएल के प्रमुख खंडों में कार्य करते हुए 35 वर्षों का विविधतापूर्ण और बहुमुखी और पेशेवर अनुभव है।

निदेशक (मा.स.) के रूप में नियुक्ति से पूर्व श्री कृष्णन कंपनी के भारी विद्युत उपस्कर संयंत्र, हैदराबाद का कार्यपलक निदेशक के रूप में नेतृत्व कर रहे थे। उनके नेतृत्व में कंपनी के हैदराबाद संयंत्र ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं जिनमें मात्र दो वर्ष की अवधि में लगभग सभी उतपादों में भौतिक कारोबार को दोगुना करना, ई–2000 ऑयल रिग्स के लिए एसी–एसी टेक्नालोजी की शुरूआत, सुपरक्रिटिकल अनुप्रयोगों के लिए फ्रेम 9एफए गैस टरबाइनों और पंपों के लिए नई प्रौद्योगिकी और लगातार दो वर्ष सीआईआई–एग्जिम–बिजनेस मॉडल में महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रशंसा–पत्र' शामिल है। श्री कृष्णन ने विभिन्न साइटों को गैस टरबाइनों के वितरण के लिए मल्टी माडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम की भी स्थापना की जिसमें एक बंगलादेश के जरिए शामिल है। प्रथम उत्पाद पल्वराइजर के लिए इकाई में टेक्नो–कामर्शियल एमओयू संकल्पना शुरू की और बीएफपी–डीटी, एचपी हीटर्स, पंपो एवं पल्वराइजरों जैसे उत्पादों में वॅल्यू स्ट्रीम मैपिंग (लीन मैन्युफैक्चरिंग) का मार्गदर्शन दिया।

उनके नेतृत्व में हैदरबाद इकाई ने 'इम्प्रेस' के लिए सीएमडी ट्राफी (अधिक सुझाव पुरस्कार) जीती है। श्री कृष्णन इकाई प्रमुख के दायित्व के अलावा हैदराबाद के मा.सं. कार्य का भी नेतृत्व कर रहे थे। श्री कृष्णन के पास औद्योगिक संबंध मुद्दों में व्यापक और विविध प्रकार का अनुभव है तथा यूनिट में सदैव सौहार्दपूर्ण और सदभावपूर्ण औद्योगिक संबंध परिदृश्य को बनाए रखा है।

इससे पूर्व, उन्होंने हैदरबाद में बीएचईएल के कार्पोरेट अनुसंधान एवं विकास प्रभाग की महाप्रबंधक (प्रभारी) के तौर पर और कार्यकारी कार्यपालक निदेशक के रूप में कमान संभाली।

महाप्रबंधक बीएचईएल, भोपाल के रूप में श्री कृष्णन पर नियोजन, विकास और गुणवत्ता की जिम्मेदारी थी। वे बीएचईएल भोपाल द्वारा विनिर्मित सभी उत्पादों के गुणवत्ता कार्यों के अलावा लंबी रेंज नियोजन, प्रचालन नियोजन और रणनीतिक नियोजन में शामिल थे। इसके अलावा महाप्रबंधक के तौर पर वे इलेक्ट्रिकल मशीन उत्पादों के लिए प्रभारी थे जिनमें 25 मेगावाट रेंज तक की मोटरों के विनिर्माण के लिए कामर्शियल, सामग्री प्रबंधन, इंजीनियरिंग, उत्पादन और बिक्री उपरांत सेवा शामिल है। उन पर 200 मेगावाट तक के हाइड्रो जनरेटरों के डिजाइन और उत्पादन का भी दायित्व था और वे भारतीय रेल के एसी/डीसी, डीजल, एसी ईएमयू और डीईएमये अनुप्रयोगों के लिए मोटर्स और अल्टरनेटर्स जैसे परिवहन उत्पादों के प्रभारी थे।

श्री कृष्णन को बीएचईएल के इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट (ईएमआपी), मुंबई का भी अतिरिक्त दायित्व दिया गया था।

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के फैलो और चार्टर्ड इंजीनियर श्री कृष्णन लातूर पावर कंपनी लिमि.(बीएचईएल और महाजेनको के बीच संयुक्त उद्यम) के निदेशक भी हैं।

श्री कृष्णन के पास पास बीएचईएल का कोई भी शेयर नहीं है।

कॉर्पोरेट अभिशासन

1. कॉर्पोरेट अभिशासन पर हमारी विचारधारा

बीएचईएल ने कारपोरेट अभिशासन का एक सुदृढ़ ढांचा विकसित किया है जो अभिशासन की गुणवत्ता, पारदर्शिता, प्रकटन, हितधारकों के महत्व के निरंतर विस्तार और कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति वचनबद्धता के दर्शाता है। बीएचईएल शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और संपूर्ण समाज सहित अपने हितधारकों (स्टेकहोल्डरों) के महत्व पर सतत रूप से ध्यान केन्द्रित करते हुए कारपोरेटे अभिशासन के विनियामक ढांचे और बुनियादी अपेक्षाओं से बहुत अधिक आगे जाने का प्रयास करता है। कंपनी के सभी, विशेषकर अल्पसंख्यक शेयरधारकों को पारदर्शिता, प्रकटन और औचित्य सुनिश्चित करने के लिए ढांचा विकसित किया है।

बीएचईएल के विजन में बेहर कल के लिए समाधान उपलब्ध कराने के लिए एक वैश्विक इंजीनियरिंग उद्यम बनना है तथा इसका मिशन ''ऊर्जा, उद्योग और अवसंरचना के क्षेत्रों में सतत् व्यवसाय समाधान उपलब्ध कराना' है।

बीएचईएल की कॉर्पोरेट अभिशासन नीति पारदर्शिता, पूर्ण प्रकटन, स्वतंत्र मानीटरिंग और सभी के लिए औचित्य के चार स्तंभों पर आश्रित है। इसे सुदृढ़ करने के लिए, बीएचईएल ने ''सत्यनिष्ठा करार'' अपनाने के लिए ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। हमारी कारपोरेट संरचना व्यावसायिक कार्यविधियों और प्रकटन पद्धतियों ने हमारी कारपोरेट अभिशासन नीति के साथ सुदृढ़ साम्यता प्राप्त कर ली है, जिससे लक्ष्यों तथा व्यावसायकि नैतिकता के उच्च स्तर की प्राप्ति हुई है। बीएचईएल की कारपोरेट अभिशासन नीति निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित है:

i) निदेशक मंडल की स्वतंत्रता और परिवर्तनीयता

ii) सभी कार्मिकों को सत्यनिष्ठा और नैतिक व्यवहार

iii) सभी हितधारकों–ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों , आपूर्तिकर्ताओं और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की पहचान

iv) प्रकटन और पारदर्शिता का उच्च स्तर

v) सभी क्षेत्रों जिसमें कंपनी प्रचालन करती है, में कानूनों का पूर्ण अनुपालन।

vi) लोगों और पर्यावरण के लिए सहानुभूति के साथ उपरोक्त लक्ष्यों की प्राप्ति।

कंपनी का विश्वास है कि कारपोरेट अभिशासन की कार्यविधियों तथा आचार संहिता का अनुपालन करते हुए व्यवसाय करना हमारे प्रत्येक प्रधान मूल्य का प्रतिपादन करता है, जो हमें अपने शेयरधारकों को दीर्घावधि प्रतिफल प्रदान करने मे समर्थ बनाता है, हमारे ग्राहकों को अनुकूल परिणाम तथा हमारे कर्मचारियों को अच्छे अवसर प्रदान करता है और आपूर्तिकर्ताओं को समाज की प्रगति और समृद्धि करने में भागीदार बनाता है।

2. निदेशक मंडल

i. संरचना और निदेशकों की श्रेणी

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 के अनुसरण में बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है। क्योंकि कंपनी की कुल प्रदत्त शेयर पूंजी का 67.72 प्रतिशत भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित है।

निदेशक मंडल में बोर्ड की स्वतंत्रता बनाए रखने और प्रबंधन के निदेशक मंडल के कार्यों और नियंत्रण को अलग करने के लिए अ. एवं प्र.नि. सहित कार्यात्मक निदेशकों के प्रतिनिधित्व में कार्यपालकों और सरकारी नामितियों द्वारा प्रतिनिधित्व में गैर–कार्यपालक निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों का उपयुक्त संयोजन है। चूंकि अध्यक्ष कार्यकारी निदेशक हैं इसलिए स्वतंत्र निदेशकों की संख्या निदेशक मंडल की संख्या की आधी है।

निदेशक मंडल की संरचना निम्नानुसार है:

विवरण	बोर्ड की संरचना	31.03.2012 को वास्तविक स्थिति
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1	1
पूर्णकालिक कार्यकारी (कार्यात्मक) निदेशक	5	5
पूर्णकालिक कार्यकारी (कार्यात्मक) निदेशक भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले	2	2
अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	8	6
कुल	**16**	**14**

दिनांक 31.03.2012 की यथास्थिति कंपनी के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों की दो रिक्तियां मौजूद हैं। इन रिक्तियों को भरने का मामला भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के विचाराधीन है।

ii. 2011–12 के दौरान निदेशक मंडल की बैठकों और पिछली आम वार्षिक बैठक में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति

निदेशक का नाम	निदेशक मंडल की बैठकों की संख्या		पिछली आम वार्षिक बैठक (20.09.2011)
	आयोजित	भाग लिया	
कार्यपालक निदेशक			
बी. प्रसाद राव @ अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक	11	11	हाँ
अनिल सचदेव निदेशक (मा.सं.) (31.03.2012 को सेवानिवृत्त)	11	9	हाँ
अतुल सराया निदेशक (पावर)	11	11	हाँ
ओ. पी. भूटानी # निदेशक (ई, आर एंड डी)	11	10	नहीं
एम. के. दुबे निदेशक (आईएसएंडपी) (25.06.2011से)	8	8	हाँ
पी. के. बाजपेयी निदेशक (वित्त) (01.07.2011से)	8	8	हाँ
अंश–कालिक सरकारी निदेशक–सरकारी नामांकित			
सौरभ चंद्रा अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	11	8	हाँ
अम्बुज शर्मा संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग	11	11	हाँ
अंशकालिक गैर सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक			
अशोक कुमार बासु	11	8	नहीं
एम. ए. पठान	11	8	हाँ
श्रीमती रेवा नैयर	11	10	हाँ
वी. के. जयरथ	11	6	नहीं
एस. रवि	11	11	हाँ
त्रिम्बकदास एस. ज़ंवर * (19.09.2011तक) (11.10.2011से पुनर्नियुक्ति)	9	9	—

@ 24.06.2011 तक निदेशक (आईएसएंडपी) का अतिरिक्त प्रभार धारण किए हुए हैं।

10.06.2011 तक निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार धारण किए हुए है।

*** यह दर्शाता है कि संबंधित व्यक्ति पिछली आम वार्षिक बैठक की तारीख को बीएचईएल के निदेशक नहीं थे।**

iii. 31 मार्च, 2012 को अन्य बोर्डों या बोर्ड समितियों की संख्या जिनमें बीएचईएल के निदेशक सदस्य या अध्यक्ष के रूप में हैं।

निदेशक का नाम सर्वश्री	अन्य कंपनियों में निदेशक पद का ब्यौरा	समिति की सदस्यता और समिति की अध्यक्षता का ब्यौरा
बी. प्रसाद राव अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	भारत हेवी प्लेटस एंड वेसेल्स लिमिटेड	–शून्य–
अनिल सचदेव निदेशक (मा.सं.) (31.03.2012 तक)	रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड	–शून्य–
अतुल सराया निदेशक (पावर)	1. एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्राईवेट लिमि. 2. उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड 3. रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड 4. दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड	–शून्य–
ओ.पी. भूटानी निदेशक (इंजी., आर एंड डी)	1. उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड 2. लातूर पावर कंपनी लिमि.	**लेखा परीक्षा समिति** उडनगुडी पावर कारपोरेशन लिमिटेड (अध्यक्ष)
एम. के. दुबे निदेशक (आईएसएंडपी)	–शून्य–	–शून्य–
पी. के. बाजपेई निदेशक (वित्त)	लातूर पावर कंपनी लिमि.	**लेखा परीक्षा समिति:** लातूर पावर कंपनी लिमि. (अध्यक्ष)
सौरभ चंद्रा अंशकालिक सरकारी निदेशक	1. एचएमटी लिमि. 2. हैवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमि. (एचईसी)	–शून्य–
अम्बुज शर्मा अंशकालिक सरकारी निदेशक	–शून्य–	–शून्य–
अशोक कुमार बासु अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक	1. टाटा मेटालिक्स लिमिटेड 2. दि टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड 3. टाटा पावर कंपनी लिमिटेड 4. वीजा पावर लिमिटेड (सदस्य) 5. वीजा रिसोर्सिस इंडिया लिमि. 6. जेएसडब्ल्यू बंगाल स्टील लिमि. (सदस्य) 7. कार्टर इंजीनियरिंग प्रा. लिमि.	**लेखा परीक्षा समिति:** 1. टाटा मेटालिक्स लिमिटेड (सदस्य) 2. दि टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सदस्य) 3. वीजा पावर लिमिटेड (सदस्य) 4. वीजा रिसोर्सिस इंडिया लिमि. 5. जेएसडब्ल्यू बंगाल स्टील लिमि. (सदस्य)

		शेयरधारक / निवेशक शिकायत समिति 1. टाटा मेटालिक्स लिमिटेड (सदस्य) 2. दि टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (अध्यक्ष)
एम. ए. पठान अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक	1. आईओटी इंजिनीयरिंग एवं प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 2. नागार्जुन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड 3. तगरज इलियत कंपनी लिमि.	- शून्य-
श्रीमती रेवा नैयर अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक	एसेल सोशल वेलफेयर फाउण्डेशन	- शून्य-
वी. के. जयरथ अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक	टाटा मोटर्स लिमि.	**लेखा परीक्षा समिति:** 1. टाटा मोटर्स लिमि. (सदस्य) **शेयरधारक / निवेशक' शिकायत समिति** 1. टाटा मोटर्स लिमि. (सदस्य)
त्रिम्बकदास एस ज़ंवर अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक	श्री साइबाबा शूगर्स लिमि.	- शून्य-
एस. रवि अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक	1. महिन्द्र उगीन स्टील लिमिटेड 2. आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स सार्विसेज लिमि. 3. यूटीआई ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड 4. एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 5. एस. रवि फाइनेंशियल मैंनजमेंट सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड 6. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 7. रेलिगेअर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन लिमि. 8. जीएमआर चेननई आउटर रिंग रोड प्रा.लिमि. 9. कैनबैंक वेन्चर्स कैपिटल फंड लिमिटेड 10. एसएमई रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लिमि.	**लेखापरीक्षा समिति :** 1. महिन्द्र उगीन स्टील कम्पनी लिमिटेड (सदस्य) 2. आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स सर्विसेज लिमिटेड (अध्यक्ष) 3. एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमि. (अध्यक्ष) 4. रेलिगेअर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन लिमि. (अध्यक्ष) 5. एसएमई रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लिमि. (सदस्य) **शेयरधारक / निवेशक शिकायत समिति :** 1. महिन्द्रा उगीन स्टील लिमिटेड (सदस्य) 2. एलआईसी हाउसिंग फ़ाइनेन्स लिमि. (सदस्य)

* केवल लेखापरीक्षक समिति और शेयरधारक / निदेशक शिकायत समिति की अध्यक्षता / सदस्यता पर विचार किया गया है।

कंपनी का कोई निदेशक एक ही समय में पंद्रह (15) कंपनियों से अधिक में निदेशक का पद धारित नहीं करता है। कंपनी का कोई निदेशक दस (10) से अधिक समितियों का सदस्य अथवा सभी कंपनियों जिसमें वे निदेशक है, में पांच (5) समितियों से अधिक के अध्यक्ष नहीं है।

iv. निदेशक मंडल की आयोजित बैठकों की संख्या और तारीख

निदेशक मंडल की बैठकें सामान्यतः कंपनी के नई दिल्ली स्थित पंजीदृत कार्यालय में आयोजित की जाती हैं और उन्हें बहुत पहले निर्धारित किया जाता है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से कंपनी सचिव प्रत्येक निदेशक को लिखित में प्रत्येक बैठक का नोटिस भेजता है। निदेशक मंडल की कार्यसूची पहले से ही निदेशकों को परिचालित की जाती है।

निदेशक मंडल के सदस्यों की कंपनी की सभी सूचनाओं तक पहुंच होती है और वे चर्चा के लिए कार्यसूची में किसी विषय को शामिल करने की सिफारिश के लिए स्वतंत्र होते हैं। आवश्यकता होने पर चर्चा की जा रही मदों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी प्रदान करने और/अथवा निदेशक मंडल प्रस्तुतिकरण करने के लिए निदेशक मंडल की बैठकों में भाग लेने हेतु वरिष्ठ प्रबंधन को आमंत्रित किया जाता है। निदेशक मंडल तिमाही परिणामों और कार्यसूची पर अन्य मदों की समीक्षा करने के लिए तिमाही में कम से कम एक बार अपनी बैठक करता है। आवश्यकता होने पर अतिरिक्त बैठकें आयोजित की जाती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निदेशक मंडल ने निम्नलिखित तारीखों को 11 बैठकें कीं :

(i) 4 अप्रैल, 2011	(ii) 7 एवं 8 मई, 2011
(iii) 23 मई, 2011	(iv) 1 जुलाई, 2011
(v) 26 जुलाई, 2011	(vi) 20 सितंबर, 2011
(vii) 28 सितबंबर 2011	(viii) 14 और 15 नवंबर, 2011
(ix) 07 दिसंबर, 2011	(x) 27 जनवरी, 2012
(Xi) 02 मार्च, 2012	

v. निदेशक मंडल के उत्तरदायित्वः

निदेशक मंडल के अधिधेश का उद्देश्य कंपनी का कार्यनीतिक दिशा पर निगरानी रखना, कारपोरेट कार्यनिष्पादन की समीक्षा और मॉनीटरिंग करना, नियामक अनुपालन सुनिश्चित करना और शेयरधारकों के हित की रक्षा करना है।

vi. स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका

निदेशक मंडल और समिति की बैठकों में विचार–विमर्श में स्वतंत्र निदेशक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इंजीनियरी, वित्त, प्रबंधन विधि और सरकारी नीति के क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता कंपनी को प्रदान करते हैं।

निदेशक मंडल ने स्वतंत्र निदेशकों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देते हुए लेखापरीक्षा समिति, शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति, शेयर अंतरण समिति, पारिश्रमिक समिति, परियोजना समीक्षा समिति, विलय और अधिग्रहण समिति, पीआरपी पर पारिश्रमिक समिति तथा मानव संसाधन नीतिगत समिति आदि जैसी विभिन्न समितियां स्थापित की हैं।

सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुसार लेखापरीक्षा समिति और शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति और पारिश्रमिक समिति की अध्यक्षता स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और उक्त समिति के कार्य परिभाषित विचारार्थ विषय के भीतर हैं। समिति की बैठकों का कार्यवृत्त परिचालित किया जाता है और निदेशक मंडल की बैठकों में उन पर चर्चा की जाती है। इसके अलावा सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट अधिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कम्पनी ने स्वतन्त्र निदेशक की अध्यक्षता में निष्पादन सम्बद्ध वेतन पर एक पारिश्रामिक समिति का गठन किया है। इसके अलावा सतत विकास पर डीपीई दिशानिर्देशों पर निदेशक मंडल का लक्ष्य है कि समिति सतत विकास गतिविधियों की भी देखरेख करेगी। तदनुार उक्त समिति को पुनःपदनामित करके ''कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) और सतत विकास (एसडी) हेतु बोर्ड स्तरीय समिति' कर दिया गया है। समिति की बैठकों के कार्यवृत्त बोर्ड की बैठकों में परिचालित किए जाते हैं और उन पर विचारविमर्श किया जाता है।

vii. निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत सूचनाः

निम्नलिखित शीर्शों के अंतर्गत सूचना सामान्यतः बीएचईएल के निदेशक मंडल को कार्यसूची कागजातों के भाग के रूप में प्रस्तुत की जाती है अथवा बोर्ड की बैठक के दौरान पेश/प्रस्तुत की जाती है :

- वार्षिक प्रचालन योजनाएं तथा बजट एवं कोई अद्यतन सूचना
- पूंजी बजट एवं कोई अद्यतन सूचना
- कंपनी तथा इसके कार्यात्मक प्रभागों अथवा व्यवसाय खंडों के तिमाही परिणाम
- लेखापरीक्षा समिति तथा निदेशक मंडल की अन्य समितियों की बैठकों का कार्यवृत्त
- गैर–सूचीबद्ध सहायक कंपनियों की बैठकों का कार्यवृत्त

- गैर सूचीबद्ध सहायक कंपनियों द्वारा किए गए सभी महत्वपूर्ण लेन–देनों और व्यवस्थाओं का विवरण
- बोर्ड स्तर से ठीक नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती एवं पारिश्रमिक संबंधी सूचना
- निदेशक मंडल के अनुमोदनार्थ अपेक्षित किसी संयुक्त उद्यम अथवा अनुसंधान एवं विकास परियोजना अथवा तकनीकी सहयोग करार का विवरण
- महत्वपूर्ण श्रम समस्याएं तथाउनके प्रस्तावित समाधान। वेतन समझौते पर हस्ताक्षर, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का कार्यान्वयन आदि जैसी मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध मोर्चे पर कोई महत्वपूर्ण घटना।
- महत्वपूर्ण प्रदृति के निवेशों, सहायक कंपनियों, परिसंपत्तियों की बिक्री, जो कि व्यवसाय की सामान्य क्रिया में नहीं है।
- बोर्ड की इच्छानुसार विषयों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट।
- निदेशकों द्वारा उनकी निदेशक पदधारिता तथा उनकी रुचि की अन्य कंपनियों में से उनके द्वारा हासिल समिति पदों के बारे मे सूचना
- विभिन्न कानूनों के अनुपालन संबंधी तिमाही रिपोर्ट
- प्रमुख कानूनी विवादों से संबंधित सूचना
- मध्यस्थता मामलों की स्थिति
- अधिशेष निधियों का अल्पकालिक निवेश
- कोई संविदा (संविदाएं) जिनमें निदेशक (निदेशकों) की रुचि मानी जाती है।
- शेयरधारकों की शिकायतों संबंधी त्रैमासिक स्थिति
- विद्युत तथा उद्योग क्षेत्रों एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्य प्रभाग में त्रैमासिक आधार पर सूचना/स्थिति
- महत्वपूर्ण पूंजी निवेश प्रस्ताव
- महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों और पद्धतियों में परिवर्तन और उसके कारण
- विभिन्न इकाइयों/कार्यों के निष्पादन संबंधी, विस्तृत विवरण
- अचसूचना तथा अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित अन्य कोई सूचना

viii. नए निदेशकों का चयन

बीएचईएल के अतर्नियमावली के अनुसार भारत के राष्ट्रपति भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के माध्यम से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कार्यात्मक निदेशकों और बीएचईएल के बोर्ड में अंशकालिक सरकारी निदेशक नियुक्त करते हैं और बीएचईएल के निदेशक मंडल में अंशकालिक और गैर–सरकारी (स्वतंत्र निदेशकों) को भी नामित करते हैं।

स्वतंत्र निदेशकों का चयन भारी उद्योग विभाग द्वारा लोक उद्यम की खोज समिति, जो प्रबंधन, वित्त, इंजीनियरी प्रशासन और उद्योग में व्यापाक अनुभव रखने वाले प्रख्यात व्यक्तियों की सूची रखता है, के परामर्श से किया जाता है।

ix. सदस्यता अवधि और सेवानिवृत्ति नीति

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति ऐसी शर्तों, पारिश्रमिक और कार्यकाल पर होती है जिसे राष्ट्रपति समय–समय पर निर्धारित करे।

दो अंशकालिक निदेशक अर्थात भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय के अपर सचिव/संयुक्त सचिव तथा वाणिज्य मंत्रालय के अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार बीएचईएल के निदेशक मंडल में भारत सरकार द्वारा नामित किए जाते हैं। वे भारत सरकार के विवेक पर बीएचईएल के निदेशक मंडल में बने रहते हैं।

अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों के कार्यकाल का निर्णय भारी उद्योग विभाग द्वारा किया जाता है। सामान्यतः स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति तीन वर्षों की अवधि के लिए की जाती है। ऐसे सभी नियुक्त व्यक्ति बीएचईएल के अंतर्नियमावली के उपबंधों के अनुसार चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होने के योग्य होते हैं।

x. आचार संहिता

बीएचईएल के आचरण के उच्च मानक निर्धारित करने के सतत प्रयास के भाग के रूप में निदेशक मंडल के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंध कार्मिकों के लिए एक 'व्यावसायिक आचरण और नैतिकता की संहिता' निर्धारित की गई है।

संहिता में निम्नलिखित बातें शामिल हैं–

- सामान्य नैतिक अनिवार्यताएं,
- विशिष्ट व्यावसायिक उत्तरदायित्व, और
- निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिकों के लिए अतिरिक्त कर्तव्य/अनिवार्यताएं

उक्त संहिता की प्रति कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर उपलब्ध कराई गई है। उक्त संहिता में सुधार करने के लिए अतिरिक्त सुझावों/विचारों को हर्षपूर्वक आमंत्रित किया जाता है।

xi. निदेशक बोर्ड का चार्टर

बोर्ड तथा प्रत्येक निदेशक की भूमिका एवं दायित्वों को स्पष्ट रूप परिभाषित करने के लिए बोर्ड ने निदेशक बोर्ड का एक चार्टर अनाया है। इस चार्टर में कॉर्पोरेट अधिशासन के उद्देश्यों एवं दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया गया है।

xii. सीईओ/सीएफओ प्रमाणीकरण

सूचीकरण करार के खंड 49 (v) के अनुसरण में सीईओ/सीएफओ प्रमाणीकरण संलग्न हैं।

3. लेखापरीक्षा समिति

i. विचारार्थ विषयों का संक्षिप्त विवरण :

निदेशक मंडल द्वारा निर्दिष्ट लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषय सूचीकरण करार के संशोधित खंड 49 तथा साथ ही कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 292 क की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। ये निम्नानुसार हैं–

1. कंपनी कि वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया को देखना और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त तथा विश्वसनीय हैं, इसकी वित्तीय सूचना प्रस्तुत करना।
2. निदेशक मंडल को सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति, पुनः नियुक्ति और अगर अपेक्षित हो, उनके प्रतिस्थापन अथवा उन्हें हटाने तथा लेखापरीक्षा शुल्क के नियतन की सिफारिश करना।
3. सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा प्रदान की गई किसी अन्य सेवाओं के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान का अनुमोदन।
4. निम्नलिखित के विशेष संदर्भ में निदेशक मंडल के अनुमोदनार्थ वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने के पूर्व प्रबंधन के साथ समीक्षा करनाः
   - क. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 के खंड (2कक) के अनुसार निदेशक मंडल की रिपोर्ट में शामिल किए जाने के लिए निदेशकों के उत्तरदायित्व विवरण में शामिल किए जाने हेतु अपेक्षित मामले।
   - ख. लेखाकरण नीतियों और पद्धतियों में परिवर्तन, अगर कोई हो और उसके लिए कारण
   - ग. प्रबंधन के निर्णय के आधार पर अनुमानों वाली मुख्य लेखाकरण प्रविष्टियां
   - घ. लेखापरीक्षा निष्कर्षों के उत्पन्न वित्तीय विवरण में किए गए महत्वपूर्ण समायोजन
   - ड. वित्तीय विवरण से संबंधित सूचीकरण और अन्य कानूनी अपेक्षाओं का अनुपालन
   - च. किसी संबद्ध पक्ष के साथ लेन–देन के संबंध में जानकारी प्रस्तुत करना
   - छ. प्रारूप लेखापरीक्षा रिपोर्ट में अर्हताएं
5. प्रबंधन के साथ निदेशक मंडल के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करने के पूर्व तिमाही वित्तीय विवरण की समीक्षा करना
6. (i) प्रबंधन के साथ सांविधिक आंतरिक लेखापरीक्षकों के निष्पादन, आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता की समीक्षा करना।
   (ii) आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों का अनुपालन सुनिश्चित करना।
7. आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, कर्मचारियों की संख्या और विभाग का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों की वरिष्ठता रिपोर्टिंग संरचना कवरेज और आंतरिक लेखापरीक्षा की बारंबारता सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य करने की पर्याप्तता अगर कोई हो, की समीक्षा करना।

8. किसी महत्वपूर्ण निष्कर्ष और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ विचार–विमर्श।

9. आंतरिक लेखापरीक्षा द्वारा ऐसे विषयों की आंतरिक जांच, जिनमें धोखाधड़ी अथवा अनियमितता या वास्तविक रूप से आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता का संदेह हो, उनके निष्कर्षों की समीक्षा करना और बोर्ड को इस विषय में जानकारी देना।

10. (i) आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के बारे में आवधिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों/आंतरिक लेखा– परीक्षकों के साथ विचार–विमर्श।

    (ii) लेखापरीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व लेखापरीक्षकों के स्वरूप और कार्यक्षेत्र के बारे में सांविधिक लेखापरीक्षकों के साथ विचार–विमर्श करना तथा साथ ही लेखापरीक्षकों के अवलोकनों सहित चिंता के किसी सत्र को सुनिश्चित करने के लिए लेखापरीक्षा पश्चात विचार–विमर्श करना।

11. जमाकर्ताओं, डिबेंचरधारकों, शेयरधारकों और भुगतान (घोषित लाभांश का भुगतान नहीं करने के मामले में) और ऋणदाताओं को भुगतान में पर्याप्त चूक करने के कारणों पर गौर करना।

12. व्हिसल ब्लोअर कार्यतंत्र, अगर मौजूद हो, तो उसकी कार्यशीलता की समीक्षा करना।

13. आंतरिक लेखापरीक्षा/बोर्ड और अथवा भारत सरकार द्वारा बीएलएसी में उल्लिखित लेखापरीक्षा पैरा की समीक्षा करना और उसमें उल्लिखित मुद्दों पर अपना सुझाव/मार्गदर्शन/टिप्पणियां प्रस्तुत करना।

14. लेखापरीक्षा समिति के विचारार्थ विषयों के अनुसार यथाउल्लिखित, कोई अन्य कार्य करना।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम और उपस्थिति

जैसा कि सूचीकरण करार में अधिदेशित है, लेखापरीक्षा समिति में अधिकांशतः स्वतंत्र निदेशक शामिल होते हैं। सदस्य निदेशकों में वाणिज्य, वित्त, प्रशासन और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनों अधिशासन की पृष्ठभूमि वाले ख्यातिप्राप्त व्यावसायिक शामिल होते हैं।

लेखापरीक्षा समिति का पिछला गठन 04 अप्रैल, 2011 को हुआ था और इस समय इसमें निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:–

निदेशक का नाम सर्व/श्री	पद	इनके कार्यकाल में आयोजित बैठकें	भाग ली गई बैठकों की संख्या
एस. रवि (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक) अध्यक्ष (16.05.2011से)	अध्यक्ष	10	10
	सदस्य	1	1
अम्बुज शर्मा (अंशकालिक गैर सरकारी निदशक)	सदस्य (04.04.2011से)	10	10
एम. ए. पठान (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक) (अध्यक्ष 15.05.2011तक)	अध्यक्ष	1	0
	सदस्य	10	9
श्रीमती रेवा नैयर (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक)	सदस्य	11	11

कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है। निदेशक (वित्त) कॉर्पोरेट आंतरिक लेखापरीक्षा प्रमुख और सांविधिक लेखापरीक्षक आमंत्रित सदस्य के रूप में बैठक में भाग लेते हैं।

iii. वर्ष 2011–12 के दौरान लेखापरीक्षा समिति की बैठकें

लेखापरीक्षा समिति की बैठक वर्ष 2011–12 में 4 अप्रैल, 2011, 16 मई, 2011, 23 मई, 2011, 10 जून, 2011, 1 जुलाई, 2011, 26 जुलाई, 2011, 28 सितंबर, 2011,14 नवंबर, 2011, , 05 दिसंबर, 2011, 27 जनवरी, 2012 और 2 मार्च, 2012 को कुल 11 बार हुई।

4. पारिश्रमिक समिति

i. पारिश्रमिक नीति

सरकारी क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक / कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक के नियतन का निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जाता है जबकि अंशकालिक और गैर–कार्यपालक निदेशकों को निदेशक मंडल अथवा उसकी समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक

फीस को छोड़कर कोई पारिश्रमिक अदा नहीं किया जाता। इसके अतिरिक्त, भारत के राष्ट्रपति द्वारा यथा अनुमोदित अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें बीएचईएल के नियमानुसार पट्टा आवास, उत्पादकता संबद्ध प्रोत्साहन, आदि जैसी परिलब्धियों और लाभों की व्यवस्था करती है। इसलिए सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुरूप निदेशक मंडल ने दिनांक 7 दिसंबर, 2005 को निम्नलिखित विचारार्थ विषय सहित एक पारिश्रमिक समिति का गठन किया था।

ii. विचारार्थ विषय

क) पेंशन अधिकारों और कोई प्रतिपूर्ति भुगतान जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियत नहीं किया जाता है, सहित पूर्णकालिक निदेशक के लिए विशिष्ट पारिश्रमिक पैकेज परिलब्धियों पर कंपनी की नीति पर गौर करना।

ख) पूर्णकालिक निदेशकों के लिए कतिपय परिलब्धियों को अनुमोदित करना, जो निदेशक मंडल की शक्तियों के भीतर हों। मुख्य समूहों, जैसे प्रोत्साहन/लाभ, बोनस, स्टॉक विकल्प, पेंशन आदि के अधीन सारांश दिए गए प्रत्येक निदेशक के पारिश्रमिक पैकेज के अवयवों की समीक्षा की।

ग) अनुपलब्धियों और लाभों तथा अन्य संबद्ध मामले पर नीतियों को अंतिम रूप देना, जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियत नहीं किए जाते परंतु निदेशक मंडल की शक्तियों के भीतर हैं।

घ) कार्यनिष्पादन मानदंडों पर आधारित नियत संघटक और कार्यनिष्पादन संबद्ध प्रोत्साहन का अनुमोदन।

ङ) गैर–कार्यपालक निदेशकों को भुगतान करने के मानदंड को अंतिम रूप देना।

च) स्वतंत्र निदेशकों, निदेशक मंडल/शेयरधारकों सहित गैर–कार्यपालक निदेशकों को फीस/प्रतिपूर्ति/स्टॉक विकल्प, अगर कोई हो, का भुगतान/प्रदान करने की सिफारिश करना।

छ) पारिश्रमिक समिति के विचारार्थ विषयों से संबद्ध अन्य कोई कार्य करना।

iii. संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम तथा उपस्थिति

पारिश्रमिक समिति का पिछली बार दिनांक 23 मई, 2011को पुनर्गठन किया गया था। पारिश्रमिक समिति में सदस्यों और अध्यक्ष के नाम का ब्यौरा निम्नानुसार है:

निदेशक का नाम **सर्व/श्री**	**पद**
अशोक कुमार बसू (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक)	अध्यक्ष
श्रीमती रेवा नैयर (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक)	सदस्य
एस. रवि अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक)	सदस्य
निदेशक (वित्त)	सदस्य
निदेशक (मा.सं)	सदस्य

कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

iv. वर्ष के दौरान बैठकें

वर्ष में पारिश्रमिक समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

v. वर्ष 2011–12 के दौरान कार्यात्मक निदेशकों के पारिश्रमिक का ब्यौरा नीचे दिया गया है–

(₹ में)

क्रम सं.	निदेशक का नाम सर्व/श्री	वेतन	लाभ	कार्यनिष्पादन संबद्ध प्रोत्साहन	कुल	सेवा संविदा/ नोटिस अवधि विच्छेदन शुल्क
1.	बी. प्रसाद राव	2157726	966730	1996560	5121016	—
2.	अनिल सचदेव	4736411	960657	1532482	7229550*	सेवानिवृत्ति पर 31.03.2012 को कार्यमुक्त
3.	अतुल सराया	1852008	797772	1363500	4013280	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य
4.	ओ. पी. भुटानी	2120588	696434	1363500	4180522	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य
5.	एम. के. दुबे (25.06.2011से)	1496320	399362	624076	2519758	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य
6.	पी. के. बाजपेई (01.07.2011 से)	1599844	268764	621454	2490062	चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होने योग्य

* अवकाश नकदीकरण, सेवानिवृत्ति पर भुगतान शामिल।

vi. वर्ष 2010–11 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों को किए गए भुगतानों का ब्यौरा नीचे दिया गया है–

(₹में)

स्वतंत्र निदेशकों का नाम	बैठक फीस		कुल
सर्व/श्री	निदेशक मंडल की बैठक	समिति की बैठक	
अशोक कुमार बासु	1,60,000/-	45,000/-	2,05,000/-
एम.ए. पठान	1,60,000/-	3,00,000/-	4,60,000/-
श्रीमती रेवा नैयर	2,00,000/-	3,30,000/-	5,30,000/-
वी.के. जयरथ	1,20,000/-	1,50,000/-	2,70,000/-
एस. रवि	2,20,000/-	3,30,000/-	5,50,000/-
त्रिम्बकदास एस. ज़ंवर	1,80,000/-	75,000/-	2,55,000/-

स्वतंत्र निदेशक उनके द्वारा भाग ली गई निदेशक मंडल की प्रत्येक बैठक ₹ 20,000/– और प्रति बोर्ड स्तरीय बैठक ₹ 15000/– की दर पर बैठक फीस के हकदार थे।

vii. निदशकों द्वारा धारित इक्विटी शेयर

यहां नीचे वर्णित को छोड़कर कोई भी निदेशक बीएचईएल में कोई इक्विटी शेयर धारित नहीं करता है (दिनांक 31 मार्च, 2012 को)

निदेशक का नाम	धारित शेयरो की संख्या
श्री बी. प्रसाद राव	2000
श्री अतुल सराया	1000
श्री एम. के. दुबे	100

वर्ष 2011–12 के दौरान कंपनी ने कोई स्टॉक ऑप्शन जारी नहीं किया है।

5. शेयरधारक समिति

5.1 शेयर अंतरण समिति

निदेषक मंडल ने दिनांक 25 मार्च, 1992 को एक शेयर अंतरण समिति गठित की थी, जिसमें कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (पावर) और निदेशक (वित्त) शामिल थे।

शेयर अंतरण समिति डीमैट मोड के अधीन लाभार्थी की स्थिति का ध्यान रखने के अतिरिक्त सभी शेयर संबद्ध मुद्दों, शेयरों के अंतरण/प्रेषण, वास्तविक मोड में शेयर प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करने आदि पर विचार कर अनुमोदित करती है।

वर्ष 2011–12 के दौरान बैठकें

शेयर अंतरण समिति की वर्ष के दौरान 24 बार बैठक हुईं। शेयर अंतरण समिति की बैठकों का कार्यवृत्त आवधिक रूप से निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

5.2 शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति (एसआईजीसी)

i. विचारार्थ विषय

शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति का गठन विशेष रूप से शेयरों के अंतरण, तुलन–पत्र, लाभांश की अप्राप्ति जैसी शेयरधारकों/निवेशकों की शिकायतों और शेयरधारकों की अन्य संगत शिकायतों से संबद्ध मामलों पर गौर करने के लिए दिनांक 26 जुलाई, 2001 को किया गया था।

ii. समिति की संरचना सदस्यों और अध्यक्ष का नाम एवं उपस्थिति

शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति को 22 जुलाई, 2009 को पुनर्गठित किया गया था।

समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम	पद	इनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकों की संख्या	भाग ली गई बैठकों की संख्या
श्रीमती रेवा नैयर (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्षा	4	4
निदेशक (वित्त)	सदस्य	4	4
निदेशक (मा. सं.)	सदस्य	4	2

कंपनी सचिव स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीकरण करार के खण्ड 47 के अनुसार अनुपालन अधिकारी हैं।

iii. वर्ष 2011–12 के दौरान बैठकें

समिति ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दिनांक 23 मई, 2011, 9 अगस्त, 2011, 19 अक्तूबर, 2011, 27 जनवरी, 2012 को चार बैठकें आयोजित कीं। प्रत्येक सदस्य की कुल उपस्थिति विवरण उपर्युक्त टेबल में दिया गया है।

शेयरधारकों से प्राप्त शिकायतों की संख्या

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड (आरटीए) द्वारा "सेबी" को जैसा सूचित किया गया है, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शेयरधारकों की 811 शिकायतें प्राप्त हुई थीं और दिनांक 31 मार्च, 2012 तक सभी शिकायतों का निपटारा कर दिया गया था। रिपोर्ट की अवधि के अंत में कोई शिकायत लंबित नहीं थी।

6. मानव संसाधन समिति

निदेशक मंडल ने विशेषकर निम्नलिखित मामलों पर गौर करने के लिए दिनांक 31 मई, 2006 को मानव संसाधन समिति का गठन किया।

क. कार्यपालकों के पुरस्कार/प्रोत्साहन तथा पदोन्नति के संबंध में मौजूदा नीतियों की समीक्षा करना।

ख. बीएचईएल को परिवर्तित/उभरते हुए वातावरण के लिए तैयार करने हेतु दीर्घावधि और अल्पकालिक नीतियां सुझाना।

संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम

मानव संसाधन समिति का पिछला पुनर्गठन दिनांक 23.05.2011 को किया गया था। समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:–

निदेशक का नाम सर्व/श्री	पद	इनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकों की संख्या	भाग ली गई बैठकों की संख्या
श्रीमती रेवा नैयर (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्षा	1	1
अम्बुज शर्मा अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य (23.05.2011तक)	1	1
एम.ए. पठान (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	1	1
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	1	1
निदेशक (वित्त)	सदस्य	1	1

कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

वर्ष 2011–12 के दौरान बैठक

वर्ष के दौरान मानव संसाधन समिति की 25 मई, 2011 को एक बैठक हुई।

7. आमेलन एवं अधिग्रहण समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल ने विशेषकर निम्नलिखित मामलों को देखने के लिए दिनांक 25 जनवरी, 2007 को आमेलन एवं अधिप्राप्ति समिति का गठन किया।

क. आमेलन, अधिग्रहण और नवरत्न पीएसयू के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदत्त शक्तियों के संदर्भ में अधिकार प्राप्ति से संबंधित प्रस्तावों की व्यवहार्यता की जांच करना तथा निदेशक मंडल को आवश्यक सिफारिश करना।

ख. बीएचईएल और बैठकों एवं विलियन एवं अधिग्रहण अवसरों के बीच उचित सहक्रियात्मक एवं कार्यनीतिक उपयुक्तता की जांच करना और उचित सावधानी के साथ विभिन्न चरणों पर सिफारिशों पर निर्णय लेना।

ग. लक्ष्य, निविदा कार्यनीति, टर्मशीट, वित्तीय पद्धति के मूल्यांकन पर विचार करना और शेयर होल्डर तथा षेयर खरीद करार आदि जैसे आवश्यक जटिल दस्तावेजों के संबंध में सिफारिशों को अंतिम रूप देना।

घ. आमेलन एवं अधिग्रहण पश्चात प्रबंधन पुनःसंरचना के मुद्दों, मूल कंपनी के संबंधों तथा अन्य संबद्ध मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करना।

ii. संरचना, सदस्यों के नाम तथा अध्यक्ष

आमेंलन एवं अधिग्रहण समिति पिछली बार 26 मार्च, 2011 को पुर्नगठित की गई थी। आमेलन एवं अधिग्रहण समिति के सदस्यों और अध्यक्ष के नामों का ब्यौरा नीचे दिया गया हैः

निदेशक का नाम सर्व/श्री	पद	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	भाग ली गई बैठकों की संख्या
श्री. अम्बुज शर्मा (अंशकालिक सरकारी निदेशक)	अध्यक्ष	2	2
वी.के.जयरथ (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक)	सदस्य	2	2
एस. रवि (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	2	2
निदेशक (पावर)	सदस्य	2	2
निदेशक (ई, आरएंडडी)	सदस्य	2	2
निदेशक (आईएस एंडपी)	सदस्य	2	2
निदेशक (वित्त)	सदस्य	2	2

विलयन एवं अधिग्रहण के प्रमुख स्थायी रूप से आमन्त्रित होंगें और कम्पनी सचिव समिति को सचिवीय सहायता देंगे।

iii.बैठक और उपस्थिति

समिति ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 27 जनवरी, 2012 और 01 मार्च, 2012 को दो बार अपनी बैठकें आयोजित कीं। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का ब्यौरा ऊपर तालिका में दिया गया है।

8. परियोजना समीक्षा समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल ने निम्नलिखित विचारार्थ विषयों के साथ 25 जनवरी, 2007 को परियोजना समीक्षा समिति का गठन किया है–

क. परियोजना समीक्षा समिति की वर्ष में कम से कम 4 बैठकें होंगी।

ख. बैठक हेतु कोरम तीन सदस्यों का होगा।

ग. परियोजना समीक्षा समिति तिमाही आधार पर ₹ 100 करोड़ और उससे अधिक की परियोजना लागत वाली परियोजनाओं की स्थिति, प्राप्त/अप्राप्त ऑर्डरों, ऊर्जा एवं उद्योग क्षेत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन प्रभाग के संबंध में प्रमुख उपभोक्ता शिकायतों की समीक्षा करेगी।

घ. परियोजना समीक्षा समिति उन कार्यपालकों को समिति की बैठक में आमंत्रित कर सकती है, जिनकी उपस्थिति को वह बैठक में उचित समझे।

ङ परियोजना समीक्षा समिति, जब कभी आवश्यक समझे, पावर सेक्टर, उद्योग क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन के संबंध में परियोजना हेतु एवं अन्य संबंधित मुद्दों पर भी निदेशक मंडल को आवश्यक सिफारिश करेगी।

ii. संरचना तथा सदस्यों और अध्यक्ष का नाम

समिति को अन्तिम बार 23 जुलाई, 2010 को पुनर्गठित किया गया और समिति में निम्नलिखित शामिल हैं:–

निदेशक का नाम सर्व/श्री	पद	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	भाग ली गई बैठकों की संख्या
एम. ए. पठान (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्ष	4	4
अशोक कुमार बसु (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	4	3
वी. के. जयरथ (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	4	3
निदेशक (पावर)	सदस्य	4	4
निदेशक (आईएसएंडपी)	सदस्य	4	3

बीएचईएल के निदेशक मंडल में शामिल भारी उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव/अपर सचिव स्थायी आमंत्रिती होंगे और बीएचईएल के अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन प्रमुख को जब भी अपेक्षित हो, आमंत्रित किया जाएगा। कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

iii. बैठक और उपस्थिति

समिति ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 04 बार 23 मई, 2011, 21 सितम्बर, 2011 तथा 07 दिसम्बर, 2011 और 01 मार्च, 2012 को बैठक की। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का ब्यौरा संयुक्त तालिका में दिया गया है।

9. कार्यनिष्पादन संबद्ध वेतन पर पारिश्रमिक समिति

दिनांक 26.11.2008 के कार्यालय ज्ञापन सं. 2(70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी) द्वारा जारी लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों के अनुरूप निदेशक मंडल ने कार्यपालकों और गैर–यूनियन वाले पर्यवेक्षकों में बोनस/परिवर्तनीय वेतन तथा उसके वितरण की नीति पर निर्णय लेने के लिए दिनांक 23 अप्रैल, 2009 को कार्यनिष्पादन संबद्ध वेतन पर पारिश्रमिक समिति गठित किया।

i. बैठकें, उपस्थिति, संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम

कार्यनिष्पादन संबद्ध वेतन पर पारिश्रमिक समिति के सदस्यों, अध्यक्ष के नाम ब्यौरा निम्नानुसार हैः

बोर्ड ने समिति का पिछला पुनर्गठन 23.05.2011 को किया। समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम सर्व/श्री	पद	इनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकों की संख्या	भाग ली गई बैठकों की संख्या
श्रीमती रेवा नैयर (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्षा	1	1
एस. रवि (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य (23.05.2011तक)	1	1
वी. के. जयरथ (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	1	—

निदेशक (मा. सं.) समिति में स्थायी आमन्त्रिती होंगे।

ii. बैठक एवं उपस्थिति

समिति की बैठक वर्ष में एक बार 19 अक्तूबर, 2011 को बैठक हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में किया गया।

10. कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पर बोर्ड स्तरीय उच्च–समिति

सीपीएसई के लिये कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पर डीपीआई दिशानिर्देशों के अनुरूप बोर्ड ने सीएसआर गतिविधियों की उचित एक आवधिक मॉनीटरिंग के लिये 25 नवम्बर, 2010 को बोर्ड स्तरीय उच्च समिति का गठन किया है। इसके अलावा सतत विकास पर लोक उद्यम विभाग

के दिशानिर्देशों के अनुरूप निदेशक मंडल ने तय किया कि समिति सतत विकास गतिविधियों की देखरेख भी करेगी। तदनुसार उक्त समिति का ''कार्पोरेट सामाजिक दायित (सीएसआर) और सतत विकास (एसडी)'' के रूप में पुनः नामकरण किया गया।

बैठक, उपस्थिति, संरचना, सदस्यों एवं अध्यक्ष का नाम

समिति की वर्ष में पांच बार 23 मई, 2011, 18 अगस्त, 2011, 2 दिसंबर, 2011, 27 जनवरी, 2012 और 1 मार्च, 2012 को बैठक हुई।

समिति का पिछला पनुर्गठन 14 नवंबर, 2011 को किया गया था। सीएसआर ओर एसडी हेतु बोर्ड स्तरीय समिति के सदस्यों, अध्यक्ष के नामों का विवरण तथा प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति निम्नानुसार हैः–

निदेशक का नाम सर्व/श्री	पद	उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकों की संख्या	भाग ली गई बैठकों की संख्या
श्रीमती रेवा नैयर (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	अध्यक्ष	5	5
वी. के. जयरथ (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	5	5
त्रिम्बकदास एस. जंवर (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक)	सदस्य	5	5
निदेशक (मा.स.)	सदस्य	5	5
निदेशक (वित्त)	सदस्य	5	5

कार्यपालक निदेशक (मा. सं./सीसी/महाप्रबंधक प्रभारी (एचएसई एवं सीएसआर) स्थायी आमन्त्रिती होंगे। कम्पनी के कम्पनी सचिव समिति के सचिव होंगे।)

11. आम बैठकें

i. पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों का स्थान और समय

वर्ष	अवस्थान	तारीख	समय
वित्तीय वर्ष 2008–09 (45वीं वार्षिक आम बैठक)	फिक्की सभागार बाराखम्बा रोड तानसेन मार्ग, नई दिल्ली–110001	17 सितम्बर, 2009	10.00 बजे पूर्वाह्न
वित्तीय वर्ष 2009–10 (46वीं वार्षिक आम बैठक)	–तदैव–	17 सितम्बर, 2010	10.00 बजे पूर्वाह्न
वित्तीय वर्ष 2010–11 (47वीं वार्षिक आम बैठक)	तालकटोरा इंडोर स्टेडियम तालकटोरा गार्डन, नई दिल्ली–110001	20 सितम्बर, 2011	10.00 बजे पूर्वाह्न

ii. पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों/कार्यपालक आम बैठकों में पारित विशेष संकल्पों का ब्यौरा

वर्ष के दौरान, 20.09.2011 को हुई वार्षिक आम बैठक में संस्था के अंतर्नियमों में संशोधन के संबंध में (₹ 10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयरों का प्रत्येक ₹ 2/– के 5 इक्विटी शेयरों में उप विखंडन के लिए) एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया।

iii. डाक मतपत्र

पिछले वर्ष कोई विशेष संकल्प डाक मतपत्र के माध्यम से पारित नहीं किया गया। वर्ष के दौरान डाक मतपत्र के माध्यम से ऐसा कोई संकल्प प्रस्ताव नहीं है।

12. प्रकटीकरण

i. संबद्ध पक्ष के साथ वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण लेन–देन का प्रकटीकरण, जिससे व्यापक रूप से कंपनी के हित के विरुद्ध होने की संभावना हो।

कंपनी ने वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण संबद्ध पक्ष के साथ कोई लेन–देन नहीं किया है, जिनका कंपनी के हित के विरुद्ध होने की संभावना हो। फिर भी द्वि–पक्षों के साथ लेन–देनों को वार्षिक रिपोर्ट में लेखे की अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 31 में प्रकट किया गया है।

ii. पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार के संबंध में कंपनी पर लगाए गए गैर–अनुपालन/दंड और आलोचना

पिछले तीन वर्षों में कंपनी पर न तो कोई दंड लगाया गया है अथवा न तो आलोचना की गई और न ही ऐसी कोई गैर अनुपालन की घटना हुई है। कंपनी कानूनों के अनुपालन और अनुरूपता के संबंध में उच्चतम मानक निर्धारित किए हैं ओर संविधि द्वारा निर्दिष्ट समयसीमा के पूर्व सभी अनुपालन किए जाते हैं।

iii. व्हिसिल ब्लोअर नीति

बीएचईएल ने कर्मचारियों के लिए अभी तक व्हिसिल ब्लोअर नीति स्थापित नहीं की है। फिर भी, किसी भी कार्मिक को लेखापरीक्षा समिति तक पहुंच को नहीं नकारा गया है।

iv. खंड 49 की अनिवार्य अपेक्षाओं के अनुपालन और गैर–अनिवार्य अपेक्षाओं को अपनाने सहित कॉर्पोरेट अभिशासन एवं अनुपालन पर डीपीई दिशानिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुपालन का ब्यौरा

कम्पनी ने सीपीएसई कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई के सभी दिशानिर्देशों का पालन किया हैं इस के अलावा सूचीकरण करार के खंड 49 में यथादर्शित सभी अनिवार्य आवश्यकताओं का कंपनी द्वारा अनुपालन किया गया है। इसका ब्यौरा इस रिपोर्ट में उपयुक्त स्थानों में दिया गया है।

अनिवार्य अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अलावा बीएचईएल खंड 49 में दी गई निम्नलिखित कुछ और अनिवार्य अपेक्षाओं का भी अनुकरण कर रही है। कम्पनी ने निदेशकों के पारिश्रमिक के विशिष्ट कक्षों को अनुमोदित करने के लिये पहले ही पारिश्रमिक समिति बना दी है। कम्पनी पहले से ही अन अहर्ता वित्तीय आधार पर कम्पनी द्वारा किया जायेगा। लेखा अहियों में कोई खर्च डेबिट नहीं किया गया, तो व्यवसाय के लिये नहीं है और किसी भी इस व्यक्तिगत खर्च को नहीं किया गया है, और हिसाब में नहीं लिया है, जिसे निदेशक मंडल और उच्च प्रबन्धन के लिये किया गया।

v. राष्ट्रपति निर्देश

कम्पनी के बीएचईएल की अन्तर्नियमावली के अनुच्छेद 116 के अनुसरण में भारत के राष्ट्रपति की ओर से 30.04.2009 को कार्यपालकों, और गैर–यूनियन सुपरवाइज़रों के वेतनमान संशोधन के सम्बन्ध में निर्देश प्राप्त हुआ है। इसका कार्यान्वयन किया जा चुका है।

vi. जोखिम प्रबंधन

सूचीयन समझौते के अनुच्छेद49(IV) (सी) और सीपीएसईज के लिए कार्पोरेट शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुच्छेद 7.3 की अनुपालन में बोर्ड सदस्यों को जोखिम मूल्यांकन और न्यूनीकरण के बारे में सूचित करने की प्रक्रिया निर्धारित करते हुए एक जोखिम प्रबंधन चार्टर एवं नीति (आरएमसीवी) को निदेशक मण्डल ने 14 नवंबर, 2011 को अनुमोदित किया है।इस नीति में कंपनी की जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया के लिए संपूर्ण फ्रेमवर्क है। जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया में जोखिम पहचान, जोखिम मूल्यांकन, जोखिम समीक्षा, श्रेणीकरण, जोखिमों के न्यूनीकरण/बचाव के लिए जोखिम समाधान योजना/परिभाषित प्रक्रिया के अनुसार बोर्ड को जोखिमों की रिपोर्टिंग तथा आवधिकता और जोखिम प्रबंधन शासन अवसंरचना शामिल है। आरएमसीपी में जोखिमों की समीक्षा और इसकी आवधिकता के लिए तंत्र शामिल है।

vii. कारपोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र

कारपोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षक का प्रमाणपत्र संलग्न है।

13. वित्तीय और अन्य सूचना का संप्रेषण

खंड 41 के अधीन अपेक्षानुसार कंपनी निदेशक मंडल की उस बैठक जिसमें अलेखापरीक्षित/लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम विचारार्थ होते हैं, के लिए स्टॉक एक्सचेंज को कम से कम 7 दिन पूर्व नोटिस जारी करती है। इसके अतिरिक्त, उक्त परिणाम को तत्काल रिकार्ड पर रखने/अनुमोदित करने के बाद स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किए जाते हैं। ये वित्तीय परिणाम सामान्यतः इकॉनामिक टाइम्स और इंडियन एक्सप्रेस (अंग्रेजी) तथा नवभारत टाइम्स (हिन्दी) में प्रकाशित किए जाते हैं और उक्त बैठक की समाप्ति के 48 घंटे के भीतर कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर भी प्रदर्शित किए जाते हैं।

दिनांक 31.03.2012 तक उक्त सूचना "सेबी" एडिफार (इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्फॉरमेशन फाइलिंग एंड रिट्रीवल) वेबसाइट "www.sebiedifar.nic.in" पर और दिनांक 01.04.2010 से सीएफडीएस (कारपोरेट फाइलिंग एंड डिस्सेमिनेशन सिस्टम) वेबसाइट "www.corpfiling.co.in"] जहां वे

किसी व्यक्ति द्वारा मुक्त रूप से पहुंच योग्य हैं, पर भी दर्ज की जाती है।

बड़े ऑर्डरों की प्राप्ति तथा साथ ही निवेशकों की आवधिक बैठकों में निवेशकों और विश्लेषकों को किए गए प्रस्तुतिकरणों जैसे महत्वपूर्ण अवसरों सहित आधिकारिक समाचार विज्ञप्तियां कंपनी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित की जाती हैं।

सूचीयन समझाते के अनुच्छेद 54 की अनुपालना में कंपनी की वेबसाइट पर अतिरिक्त अद्यतन सूचना जैसे कि शेयरधारिता पद्धति, कार्पोरेट शासन की अनुपालना, निवेशकों की सहायता और शिकायतों आदि की देखरेख के लिए जिम्मेदार कंपनी के पदनामित अधिकारियों की संपर्क सूचना भी उपलब्ध होती है।

14. शेयरधारक के लिए सामान्य सूचना

i. वार्षिक आम बैठक (तारीख, समय और स्थान)

	तारीख	समय	स्थान
	19 सितंबर, 2012	प्रातः 10.00 बजे	फिक्की सभागार, बाराखम्बा रोड तानसेन मार्ग), नई दिल्ली–110001
ii.	**वित्तीय वर्ष**	–	1 अप्रैल, 2011 से 31 मार्च, 2012 तक
iii.	**खाता बंदी की तारीख**	–	10 सितंबर, 2012 से 19 सितबंर, 2012 (दोनों दिन मिलाकर)
iv.	**लाभांश भुगतान की तारीख**	–	दिनांक 18 अक्तूबर, 2012 को अथवा इससे पूर्व

v. लाभांश का ब्यौरा

लाभांश भुगतान के संबंध में बीएचईएल **'स्थिरता एवं वृद्धि'** नीति अपनाता रहा है। विगत 10 वर्षों के दौरान बीएचईएल द्वारा भुगतान किए गए लाभांश और 31.03.2012 तक दावा न की गई लाभांश राशि का सारांश निम्नलिखित है–

वर्ष	लाभांश की दर	शेयरों की सं.	भुगतान किए गए लाभांश की कुल राशि (₹)	तारीख, जिसमें लाभांश की घोषणा की गई	31.03.2012 को अदावाकृत लाभांश (₹)
2002-2003	40 प्रतिशत	244,760,000	979,040,000	30.09.2003	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में पहले से अंतरित
2003-2004 (अंतरिम)	30 प्रतिशत	244,760,000	734,280,000	01.03.2004*	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में पहले से अंतरित
2003-2004 (अंतिम)	30 प्रतिशत	244,760,000	734,280,000	28.09.2004	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में पहले से अंतरित
2004-2005 (अंतरिम)	35 प्रतिशत	244,760,000	856,662,089	10.12.2004*	निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में संरक्षण निधि में
2004-2005 (अंतिम)	45 प्रतिशत	244,760,000	1,101,423,062	29.09.2005	327338#
2005-2006 (अंतरिम)	40 प्रतिशत	244,760,000	979,040,000	07.12.2005*	261352$
2005-2006 (विशेष अंतरिम)	85 प्रतिशत	244,760,000	2,080,460,000	07.03.2006*	508215$$
2005-2006 (अंतिम)	20 प्रतिशत	244,760,000	489,520,000	15.09.2006	157958
2006-2007 (अंतरिम)	125 प्रतिशत	244,760,000	3,059,513,890	25.01.2007*	839765
2006-2007 (अंतिम)	60 प्रतिशत	489,520,000	2,937,120,000	17.09.2007	981510
2007-2008 (अंतरिम)	90 प्रतिशत	489,520,000	4,405,680,000	25.01.2008*	1623753
2007-2008 (अंतिम)	62.50 प्रतिशत	489,520,000	3,059,541,073	17.09.2008	1710633
2008-2009 (अंतरिम)	90 प्रतिशत	489,520,000	4,405,680,000	29.01.2009*	2430765
2008-2009 (अंतिम)	80 प्रतिशत	489,520,000	3,916,160,000	17.09.2009	1562928
2009-2010 (अंतरिम)	110 प्रतिशत	489,520,000	5,384,720,000	21.01.2010*	2703833
2009-2010 (अंतिम)	123 प्रतिशत	489,520,000	6,021,119,004	17.09.2010	2762485
2010-2011 (अंतरिम)	132.50 प्रतिशत	489,520,000	6,486,174,770	15.03.2011*	2411519
2010-2011 (अंतिम)	179 प्रतिशत	489,520,000	8,762,445,814	20.09.2011	3490147
2011-2012 (अंतरिम)	136 प्रतिशत	2,447,600,000@	6,657,472,357	02.03.2012*	9217967

*निदेशक मंडल की बैठक की वह तारीख, जिसमें अंतरिम लाभांश घोषित किया गया।
#28.10.2012 को निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा फंड (आईईपीएफ़) में अन्तरण के लिए प्रस्तावित है।
$05.01.2013 को निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा फंड (आईईपीएफ़) में अन्तरण के लिए प्रस्तावित है।
$$05.04.2013 को निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा फंड (आईईपीएफ़) में अन्तरण के लिए प्रस्तावित है।
@ ₹ 2 की फेस वैल्यू के शेयरों की पोस्ट–स्पलिट संख्या-

vi. स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीकरण और स्टॉक कोड

बीएचईएल के शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, जिसके लिए 2011–12 के लिए फीस का भुगतान किया जा चुका है।

	स्टॉक एक्सचेंज का नाम	स्टॉक कोड
1.	बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड दलाल स्ट्रीट मुंबई – 400001	500103
2.	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा" सी–1, ब्लॉक–जी, बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (ईस्ट), मुंबई – 400 051	बीएचईएल

vii. इक्विटी शेयरों को सूची से हटाना

बीएचईएल ने इक्विटी शेयरों को सूची से हटाने के बारे में कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड के पास आवश्यक आवेदन दाखिल किया था। कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड से सूची से हटाने का अनुमोदन अभी तक प्रतीक्षित है। तथापि, बीएचईएल के शेयरों को सीएस में सूचीगत सेक्यूरिटी की में नहीं दिखाया गया है।

viii. बीएसई सूचकांक, बीएसई, पीएसयू सूचकांक और एसएंडपी सीएनएक्स निफ्टी सूचकांक जैसे वृहद आधार वाले सूचकांकों की तुलना में बाजार मूल्य आंकड़ा और निष्पादन निम्नानुसार है–

बीएचईएल की तुलना में बीएसई सूचकांक

बीएसई सेंसेक्स की तुलना में **बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई)** में दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान बीएचईएल के उच्च और निम्न बाजार शेयर मूल्य, व्यापार में किए गए शेयरों की संख्या और निवल कुल कारोबार का सारांश निम्नानुसार है–

महीना	बीएसई में बीएचईएल के शेयर (₹)			बीएसई सेंसेक्स			कारोबार किए गए शेयरों की	कारोबार
	उच्च	निम्न	बंद	उच्च	निम्न	बंद	संख्यां	(₹लाख में)
अप्रैल-11	2,251.00	1,976.15	2,000.75	19,811.14	18,976.19	19,135.96	1,812,242	38,387.85
मई-11	2,108.90	1,892.00	1,944.10	19,253.87	17,786.13	18,503.28	2,513,687	50,240.38
जून-11	2,063.05	1,872.50	2,046.55	18,873.39	17,314.38	18,845.87	1,163,372	22,622.94
जुलाई-11	2,074.40	1,802.00	1,838.35	19,131.70	18,131.86	18,197.20	2,230,492	42,939.76
अगस्त-11	1,861.00	1,662.00	1,767.70	18,440.07	15,765.53	16,676.75	1,902,942	33,409.58
सितंबर-11	1,820.00	1,575.00	1,637.15	17,211.80	15,801.01	16,453.76	1,870,452	31,372.37
अक्तूबर-11	344.00*	310.50*	317.85*	17,908.13	15,745.43	17,705.01	4,412,896	14,369.85
नवंबर-11	340.00*	246.20*	282.20*	17,702.26	15,478.69	16,123.46	10,275,972	29,432.95
दिसंबर-11	295.50*	225.00*	239.00*	17,003.71	15,135.86	15,454.92	12,244,544	30,967.63
जनवरी-12	287.20*	233.50*	250.55*	17,258.97	15,358.02	17,193.55	14,812,197	38,616.81
फरवरी-12	328.35*	247.25*	308.20*	18,523.78	17,061.55	17,752.68	25,927,663	75,698.21
मार्च-12	306.00*	246.25*	256.95*	18,040.69	16,920.61	17,404.20	18,574,896	50,964.43

* विभाजन उपरांत

स्रोत: www.bseindia.com

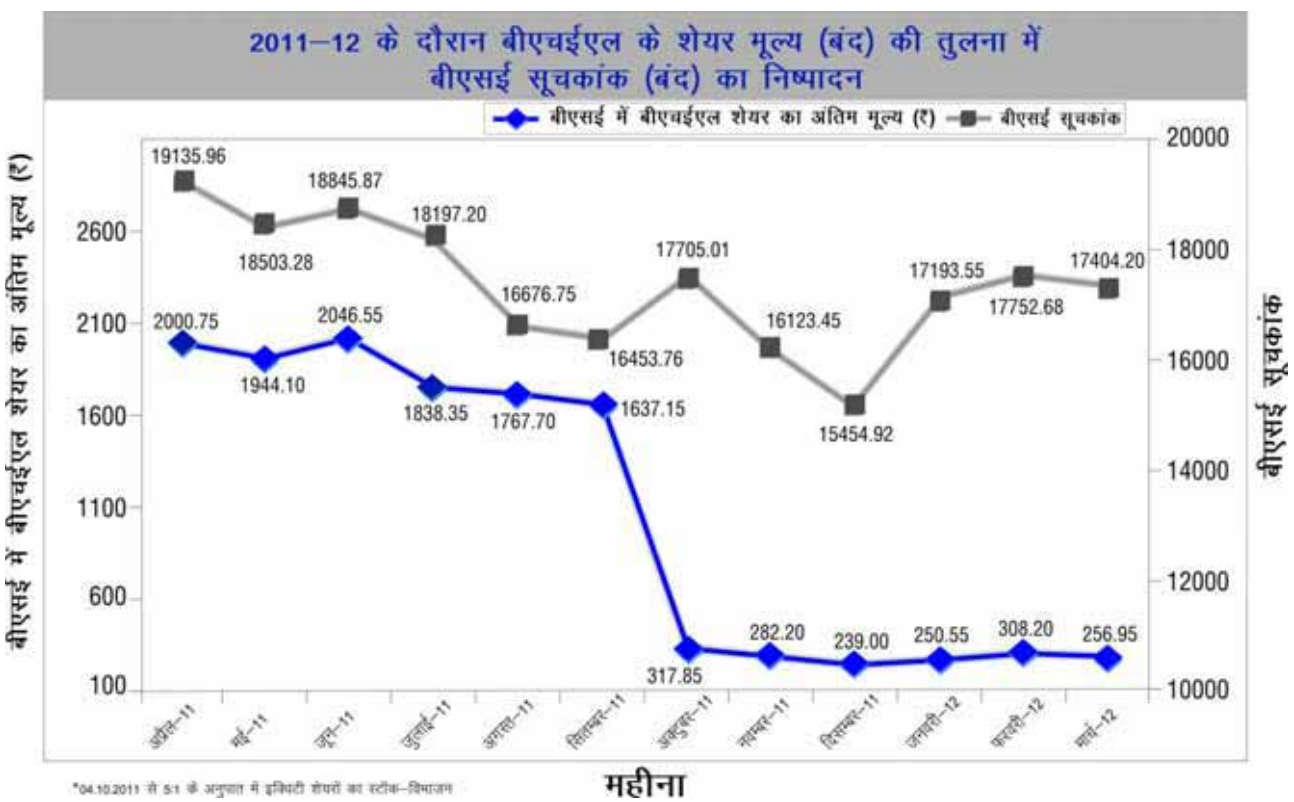

बीएचईएल की तुलना में बीएसई पीएसयू सूचकांक

दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान बीएसई पीएसयू सूचकांक की तुलना में **बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई)** पर बीएचईएल के उच्च और निम्न बाजार शेयर मूल्य का सारांश निम्नानुसार है–

महीना	बीएचईएल में बीएसई का शेयर मूल्य (₹)			बीएसई पीएसयू सूचकांक		
	उच्च	निम्न	बंद	उच्च	निम्न	बंद
अप्रैल-11	2,251.00	1,976.15	2,000.75	9,254.33	8,932.48	9,070.29
मई-11	2,108.90	1,892.00	1,944.10	9,099.14	8,176.56	8,582.38
जून-11	2,063.05	1,872.50	2,046.55	8,680.23	8,118.30	8,542.74
जुलाई-11	2,074.40	1,802.00	1,838.35	8,712.19	8,297.03	8,307.52
अगस्त-11	1,861.00	1,662.00	1,767.70	8,393.26	7,423.17	7,615.62
सितंबर-11	1,820.00	1,575.00	1,637.15	7,804.40	7,301.06	7,403.82
अक्तूबर-11	344.00*	310.50*	317.85*	7,640.72	7,141.93	7,555.08
नवंबर-11	340.00*	246.20*	282.20*	7,659.78	6,504.15	6,858.57
दसंबर-11	295.50*	225.00*	239.00*	7,150.39	6,204.05	6,364.89
जनवरी-12	287.20*	233.50*	250.55*	7,451.27	6,345.88	7,356.68
फरवरी-12	328.35*	247.25*	308.20*	8,062.60	7,273.97	7,764.04
मार्च-12	306.00*	246.25*	256.95*	7,844.03	7,073.77	7,311.47

* विभाजन उपरांत

स्रोत: www.bseindia.com

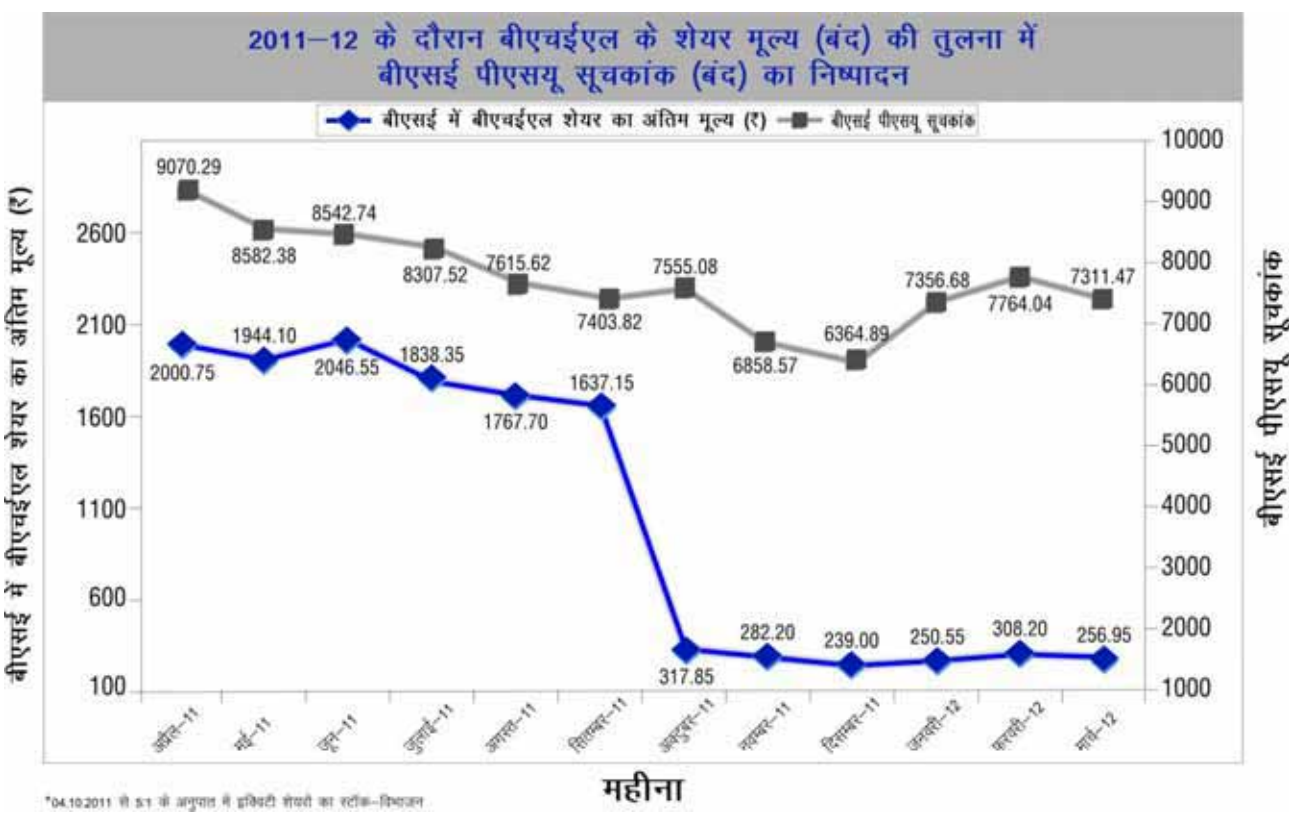

बीएचईएल बनाव एसएंडपी सीएनएक्स निफ्टी

दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक माह के दौरान **एसएंडपी सीएनएक्स निफ्टी** की तुलना में **दि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई)** पर बीएचईएल के शेयर के बाजार मूल्य का उच्च और निम्न, व्यापार किए गए शेयर और निवल कुल कारोबार का सारांश निम्नानुसार है–

महीना	बीएचईएल में एनएसई का शेयर मूल्य (₹)			एनएसई निफ्टी			कारोबार किए गए शेयरों की संख्यां	कारोबार (₹लाख में)
	उच्च	निम्न	बंद	उच्च	निम्न	बंद		
अप्रैल-11	2,250.00	1,975.00	2,000.60	5944.45	5693.25	5749.50	15,462,296	327,881.59
मई-11	2,109.40	1,890.00	1,943.15	5775.25	5328.70	5560.15	14,090,707	281,864.48
जून-11	2,062.80	1,871.55	2,050.55	5657.90	5195.90	5647.40	11,397,807	221,955.13
जुलाई-11	2,075.00	1,800.00	1,839.60	5740.40	5453.95	5482.00	17,824,288	342,434.15
अगस्त-11	1,853.00	1,660.35	1,768.35	5551.90	4720.00	5001.00	16,297,343	285,718.55
सितंबर-11	1,822.00	1,573.05	1,639.65	5169.25	4758.85	4943.25	14,259,170	240,151.14
अक्तूबर-11	344.45*	309.45*	317.80*	5399.70	4728.30	5326.60	41,960,863	135,986.10
नवंबर-11	338.90*	246.00*	282.70*	5326.45	4639.10	4832.05	80,584,684	231,566.71
दिसंबर-11	295.65*	223.35*	238.85*	5099.25	4531.15	4624.30	76,724,489	194,172.64
जनवरी-12	287.15*	233.65*	250.60*	5217.00	4588.05	5199.25	108,467,474	285,205.34
फरवरी-12	328.00*	246.65*	307.35*	5629.95	5159.00	5385.20	162,339,531	472,403.15
मार्च-12	304.95*	246.00*	257.15*	5499.40	5135.95	5295.55	126,379,558	345,883.85

* विभाजन उपरांत

स्रोत: www.nseindia.com

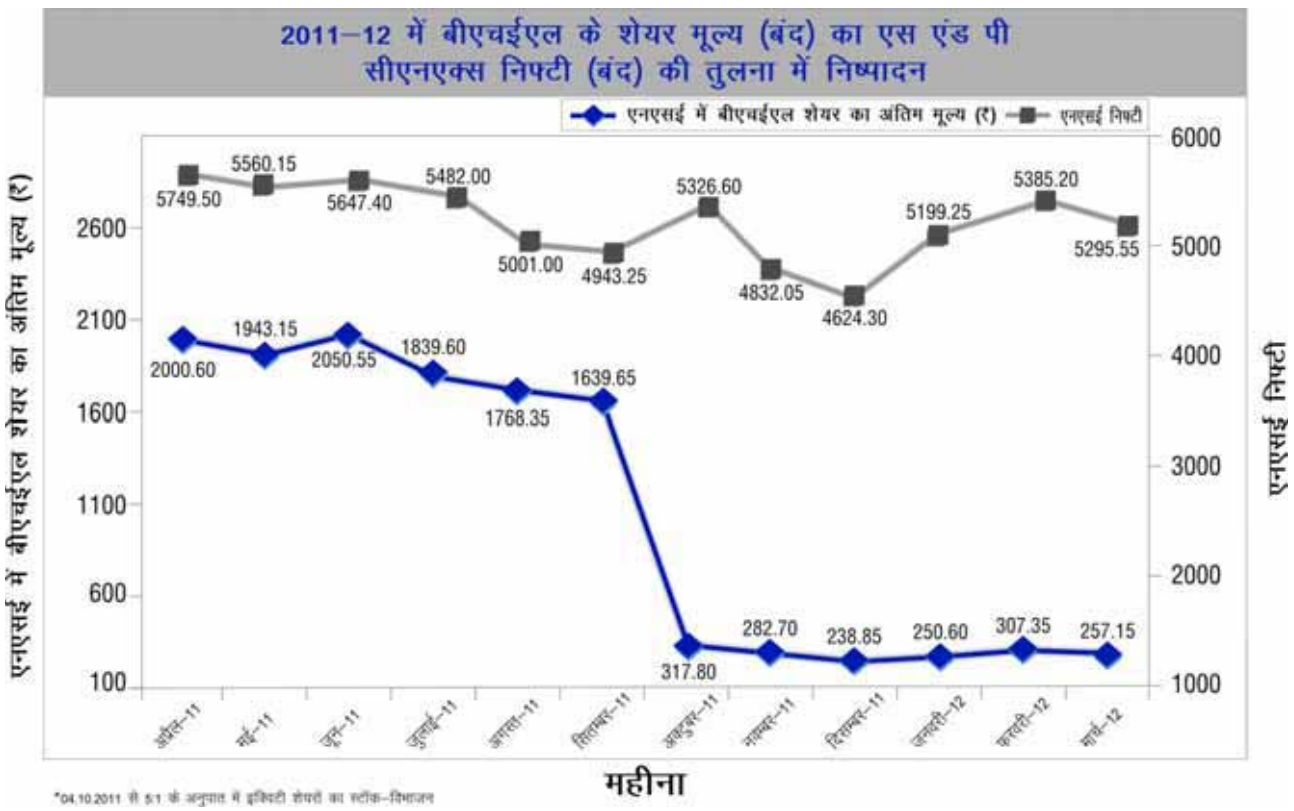

ix. आतंरिक व्यापार पर नीति

बीएचईएल का प्रयास है कि अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचना की गोपनीयता को बनाए रखा जाए ताकि इस प्रकार की सूचना के दुरुपयोग की रोकथाम की जा सके। इस प्रयोजन के लिए तथा सेबी (आंतरिक व्यापार निषेध) विनियमन, 1992 के अनुसार कंपनी ने 26 अगस्त, 2002 को ''आंतरिक व्यापार की रोकथाम के लिए आचार संहिता'' को अपनाया था।

नवंबर, 2008 को जारी सेबी (आंतरिक व्यापार निषेध) (संशोधन) विनियमन, 2008 के अनुपालनार्थ बीएचईएल ने अपनी ''आंतरिक व्यापार की रोकथाम के लिए आचार संहिता'' को संशोधित किया था। बीएचईएल की संशोधित ''आंतरिक व्यापार की रोकथाम के लिए आचार संहिता'' 29 जनवरी, 2009 को लागू की गई थी। इस संहिता का उद्देश्य अंतरंगों (निदेशक, पदनामित कर्मचारी और अन्य संबद्ध व्यक्ति) को विनिर्दिष्ट सीमाओं से बाहर कंपनी के शेयरों क्रय–विक्रय से रोकना है तथा संहिता में दी गई परिभाषा के अनुसार उनसे समय–समय पर संबंधित सूचना को प्रकट करना अपेक्षित है। निदेशक मंडल ने निदेशक (वित्त) को संहिता के अंतर्गत अनुपालन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

x. रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए)
मैसर्ज़ कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड

दिल्ली का पता:
यूनिट : **बीएचईएल**
105–108, अरूणाचल बिल्डिंग,
19, बाराखंबा रोड,
नई दिल्ली – 110001
फोन : 011–23324401
43681700 / 01 / 02 / 21
फैक्स : 011–23730743
ई–मेल: ksbldelhi@karvy.com

हैदराबाद का पता:
यूनिट : **बीएचईएल**
17–24, विट्टल राव नगर,
माधापुर, हैदराबाद–500 081
टेली. : 040–44655000
फैक्स : 040–44655024
ई मेल : madhusudhan@karvy.com
einward.ris@karvy.com
वेबसाइट : www.karvycomputershare.co

शेयरधारकों की सेवा के लिए आरटीए का निष्पादन संतोषजनक रहा है। निवेशकों की सभी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया है

xi. शेयर अंतरण पद्धति

प्रत्यक्ष खंड के अधीन संपूर्ण शेयर अंतरण संबंधी कार्यकलाप यथा दस्तावेजों की प्राप्ति उनका सत्यापन और अंतरण इस प्रकार कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्रा. लिमिटेड द्वारा किए जाते हैं। शेयर अंतरण प्रणाली में अंतरिती से अंतरण विलेख के साथ शेयरों की प्राप्ति, उसका सत्यापन, अंतरण समिति द्वारा उसके अनुमोदन और सूचीकरण करार के अनुसार, निर्धारित समय के भीतर अंतरितियों को अंतरित प्रमाणपत्र भेजने जैसे कार्यकलाप शामिल हैं।

xii. शेयरधारिता का वितरण

(क) 31 मार्च, 2012 को धारिता के आकार के अनुसार शेयरों का वितरण

धारिता इक्विटी शेयरों की सं.	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता का प्रतिशत
1 - 500	345596	93.26	32,755,533	1.34
501 - 1000	14023	3.78	11,184,457	0.46
1001 - 2000	6040	1.63	9,297,269	0.38
2001 - 3000	1751	0.47	4,430,444	0.18
3001 - 4000	652	0.18	2,320,100	0.09
4001 - 5000	579	0.16	2,768,364	0.11
5001 - 10 000	767	0.21	5,623,092	0.23
10001 एवं ऊपर	1149	0.31	2,379,220,741	97.21
कुल	**370557**	**100%**	**2,447,600,000**	**100%**

(ii) 31 मार्च, 2012 के अनुसार शेयरधारिता का स्वरूप

श्रेणी	2012 मत सं. (प्रतिशत)	2012 धारिता शेयरों की सं.* (फेस वैल्यू ₹ 2)	2011 मत सं. (प्रतिशत)	2011 धारिता शेयरों की सं. (फेस वैल्यू ₹10)
प्रवर्तकों की धारिता				
भारतीय प्रवर्तक -				
- भारत के राष्ट्रपति	67.72	1,657,552,000	67.72	331,510,000
- भारत के राष्ट्रपति के नामिती	0.00	0.00	0.00	400
कुल प्रवर्तक धारिता	**67.72**	**1,657,552,000**	**67.72**	**331,510,400**
गैर–प्रवर्तक निवेशक				
संस्थागत निवेशक				
म्युचुअल फंड तथा यूटीआई	1.44	35,324,113	7.03	34,415,090
बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां	11.40	278,981,481	5.68	27,806,836
विदेशी संस्थागत निवेशक	13.49	330,058,708	12.91	63,170,722
अन्य				
निदेशक तथा संबंधी	0.00	3100	0.00	600
निजी कॉर्पोरेट निकाय	2.83	69,234,164	4.49	21,980,537
व्यक्ति	2.69	65,769,748	1.87	9,152,130
विदेशी नागरिक	0.00	790	0.00	8
एनआरआई	0.19	4,738,757	0.13	639,450
ट्रस्ट	0.05	1,262,523	0.03	149,967
क्लीयरिंग सदस्य	0.19	4,674,616	0.14	694,260
कुल गैर प्रवर्तक धारिता	**32.28**	**790,048,000**	**32.28**	**158,009,600**
कुल जोड़	**100.00**	**2,447,600,000**	**100.00**	**489,520,000**

* इक्विटी शेयरों को 04.10.2011 से 5:1 के अनुपात में उप–खंडित किया गया था।

दिनांक 31 मार्च, 2012 को शेयरधारिता पैटर्न

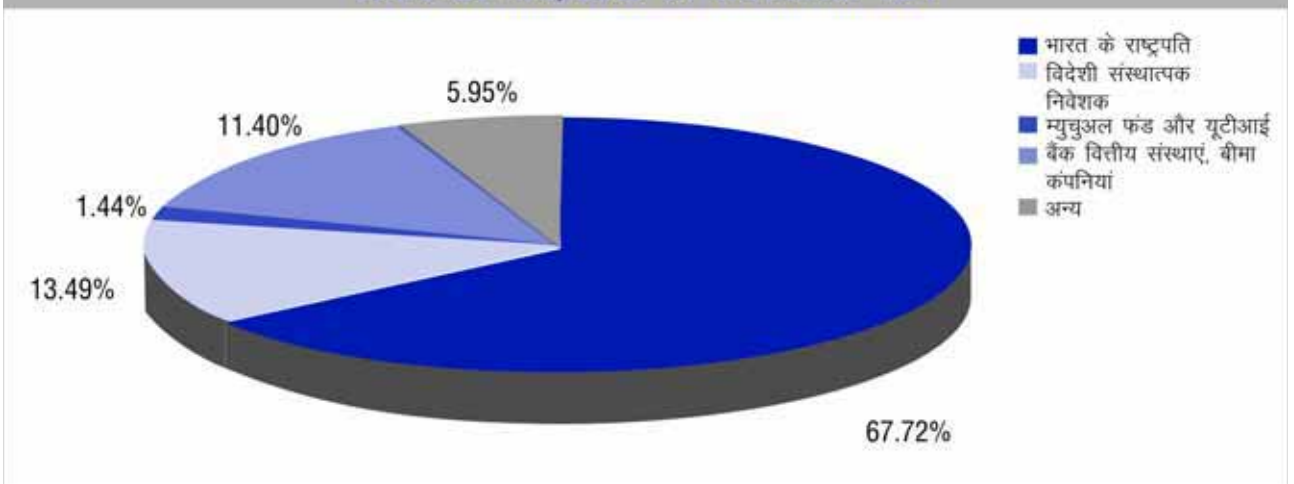

(iii) उन शेयरधारकों की सूची जो दिनांक 31 मार्च, 2012 को कंपनी के शेयरों का 1 प्रतिशत से अधिक धारित कर रहे हैं।

श्रेणी तथा शेयरधारकों के नाम	2012	
	मत सं. (प्रतिशत)	धारित शेयरों की सं.
प्रवर्तक		
1. भारत के राष्ट्रपति	67.72	1,657,552,000
गैर–प्रवर्तक		
1. भारतीय जीवन बीमा निगम	5.78	141,433,662
2. लज़ार्ड एसेट मैनेजमेंट एलएलसी अकाउंट लजार्ड एमरजिंग मार्किटस पोर्टफोलिया	1.36	33,372,660
3. एलआईसी ऑफ इंडिया मार्किट प्लस 1 ग्रोथ फंड	1.02	24,939,880

xiii. शेयरों और नकदी निधि का अमूर्तकरण

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के निर्देशों के अनुसार सभी श्रेणियों के निवेशकों द्वारा, बीएचईएल के शेयरों का अमूर्त (डीमैट) रूप में व्यापार दिनांक 3 अप्रैल, 1999 से अनिवार्य कर दिया गया है। बीएचईएल ने देश के दोनों निक्षेपागारों अर्थात नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपाजिटरी सिक्योरिटीज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ अपनी प्रतिभूतियों के डीमैट रूप में प्रवेश के लिए करार निष्पादित किया है। दिनांक 31 मार्च, 2012 को बीएचईएल की कुल इक्विटी शेयर पूंजी 99.94 प्रतिशत को शेयरधारकों ने अमूर्त करा लिया है और एनएसडीएल/सीडीएसएल के नाम से धारित है। वर्ष के दौरान भारत के राष्ट्रपति की शेयर धारिता (जो कि कंपनी की प्रदत्त पूंजी का 67.72 प्रतिशत बनती है) को अमूर्त करा लिया गया। कंपनी को आबंटित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) आईएनई 257A01026 है।

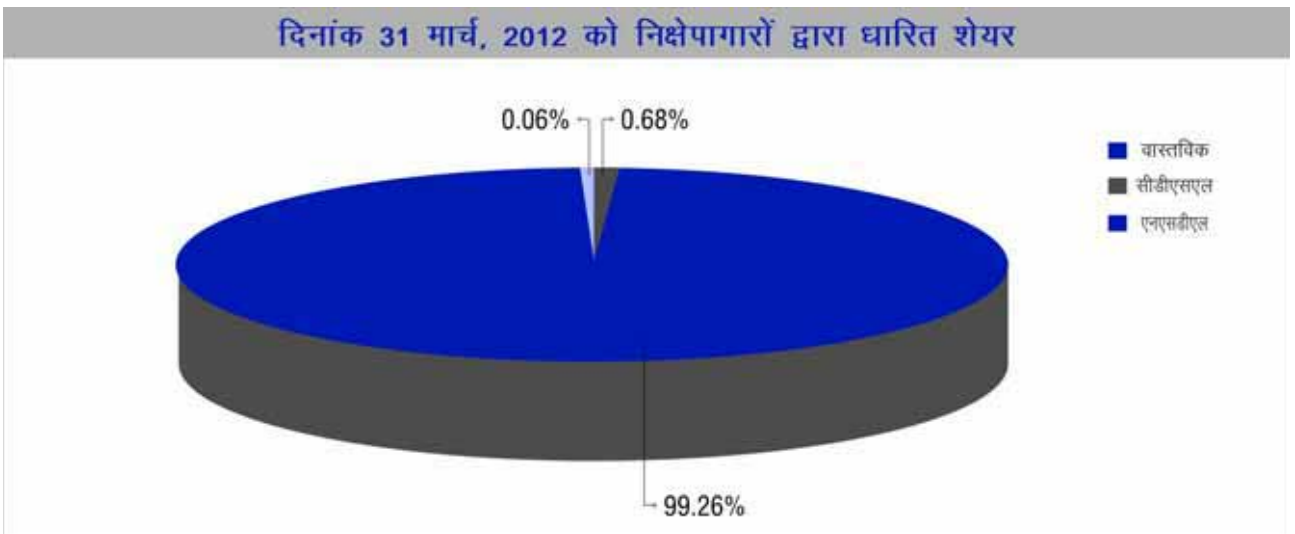

xiv. व्यय जीडीआर/एडीआर/वारंट अथवा अन्य कोई परिवर्तन की तारीख और इक्विटी पर संभावित प्रभाव।

शून्य

xv. संयंत्र स्थल

बीएचईएल उत्पादन इकाइयां	बेंगलूरू	1.	इलेक्ट्रानिक्स डिवीजन
		2.	इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिवीजन
		3.	इलेक्ट्रो पोर्सलीन डिवीजन
	भोपाल	4.	हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट
	गोइंदवाल	5.	इंडस्ट्रियल वाल्व्स प्लांट
	हरिद्वार	6.	हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट
		7.	सेंट्रल फाउंडरी फोर्ड प्लांट
	हैदराबाद	8.	हेवी पावर इक्विपमेट प्लांट
	जगदीशपुर	9.	इंसुलेटर प्लांट
		10.	सेन्ट्रल स्टैम्पिंग यूनिट
	झांसी	11.	ट्रांसफार्मर प्लांट
	रूद्रपुर	12.	कम्पोनेंट फैब्रीकेशन प्लांट
	रानीपेट	13.	बॉयलर ऑग्लीलियरीज प्लांट
	तिरुचिरापल्ली	14.	हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट
		15.	सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट
बीएचईएल मरम्मत इकाइयां	मुम्बई	1.	इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट
	वाराणसी	2.	हेवी इक्विपमेंट रिपेयर प्लांट
बीएचईएल सहायक कंपनी	विशाखापट्टनम	1.	भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड
	कासरगोड	2.	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड

xvi. पत्राचार के लिए पता

शेयरधारक शेयरों के अंतरण/अमूर्तकरण, शेयरों पर लाभांश भुगतान, लाभांश वारंटी का पुनःवैधीकरण और कंपनी के शेयरों से संबंधित अन्य पूछताछ के लिए शेयरधारक अपने पत्र निम्नांकित में से किसी को भी प्रेषित कर सकते हैं –

श्री आई.पी. सिंह
कम्पनी सचिव
बीएचईएल
रजि. कार्यालय– बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट
नई दिल्ली–110 049
फोन : 011–26001046
फैक्स : 011–66337533
ई–मेल : shareholderquery@bhel.in

अथवा

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट : **बीएचईएल**

दिल्ली :	105–108, अरूणाचल बिल्डिंग, 19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110 001	फोन	: 011–23324401 43681700/01/02/21
		फैक्स	: 011–23730743
		ई–मेल	: ksbldelhi@karvy.com
हैदराबाद :	17–24, विट्ठलराव नगर, माधापुर हैदराबाद–500 081	फोन	: 040–44655000
		फैक्स	: 040–44655024
		ई–मेल	: madhusudhan@karvy.com mailmanager@karvy.com

नोटः इलेक्ट्रानिक मोड में शेयरधारित करने वाले शेयरधारकों को सभी पत्राचार अपने संबंधित निक्षेपागार के साथ करना चाहिए।

घोषणाः स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीकरण करार के खंड 49(घ) के अनुसरण में एतदद्वारा यह घोषणा की जाती है कि निदेशक मंडल के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 'वित्तीय वर्ष 2011–12 के लिए बीएचईएल की व्यवसाय' आचरण और नैतिकता की संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

कृते निदेशक मंडल की ओर से
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 जुलाई, 2012

मुख्य कार्यपालक अधिकारी और सीएफओ प्रमाणीकरण

सेवा में,

निदेशक मंडल,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

(क) हमने दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण और नकद प्रवाह विवरण की समीक्षा की है और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार–

(i) इन विवरणों में वास्तविक रूप से कोई असत्य विवरण नहीं है अथवा किसी वास्तविक तथ्य को नहीं हटाया गया है या ऐसा कोई विवरण निहित नहीं, जो भ्रामक हो।

(ii) ये विवरण एक साथ कंपनी के कार्य का सही और उचित कृश्य प्रस्तुत करते हैं और ये मौजूदा लेखाकरण मानक, लागू कानून और विनियमों के अनुपालन में हैं।

(ख) हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार वर्ष 2011–12 के दौरान कंपनी द्वारा ऐसा कोई लेन–देन नहीं किया गया है जो धोखाधड़ीपूर्ण, गैर–कानूनी अथवा कंपनी की आचरण संहिता के उल्लंघन में हो।

(ग) हम आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए उत्तरदायित्व स्वीकार करते हैं कि हमने कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन किया है और हमने लेखापरीक्षकों और लेखापरीक्षा समिति को ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन अथवा प्रचालन में कमियां, अगर कोई हों, जिससे हम अवगत हैं और इन कमियों को सुधारने के लिए किए गए उपायों तथा किए जाने के लिए प्रस्तावित उपायों को बताया है।

(घ) हमने लेखापरीक्षकों और लेखापरीक्षा समिति को निम्नलिखित दर्शाया है–

(i) वर्ष 2011–12 के दौरान आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण परिवर्तन

(ii) वर्ष 2011–12 के दौरान लेखाकरण नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन और उन्हें वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में दर्शाया गया है, और

(iii) धोखाधड़ी के महत्वपूर्ण उदाहरण, जिनसे हम अवगत हैं और कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका रखने वाले प्रबंधन अथवा किसी कर्मचारी की उनमें भागीदारी।

हस्ता./–

(पी. के. बाजपेई)
निदेशक (वित्त)

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकः 23 मई, 2012

कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र

सदस्यगण,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
'बीएचईएल हाउस', सीरी फोर्ट
नई दिल्ली

महोदय,

हमने स्टॉक एक्सचेंज के साथ उक्त कंपनी के सूचीकरण करार के खंड 49 और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के लिए कार्पोरेट शासन पर लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों (डीपीई दिशानिर्देशों) में यथानिर्दिष्ट दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की जांच कर ली है।

कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारी जांच कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यविधि और उसके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो लेखापरीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों के संबंध में राय की अभिव्यक्ति।

हमारी राय में सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार निम्नलिखित के अधीन हम उल्लेख करते हैं कि:

कंपनी ने 31 मार्च, 2012 को के उपयुक्त लिखित सूचीकरण करार में उल्लिखित कॉर्पोरेट अभिशासन की सभी शर्तों के स्वंतत्र निदेशकों की संख्या के संदर्भ में, सूचीकरण करार के खंड 49 (1) (ए) के संबंध में (डीपीई दिशानिर्देशों का अनुच्छेद 3.1.4) को छोड़कर, जो कि निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों के कम से कम 50 प्रतिशत होने के संबंध में है, अनुपालन सुनिश्चित किया है।

हम यह भी उल्लेख करते हैं कि यह अनुपालन न तो कंपनी की भविष्यकालीन व्यवहार्यता का और न ही कंपनी के कार्यों को संचालित करने में प्रबंधन की कुशलता अथवा प्रभावशीलता का आश्वासन है।

दृते एवं एस. एन. धवन एंड कम्पनी की ओर से
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफ़आरएन नं. : 000050एन

हस्ता/–
(एस. के. खट्टर)
साझेदार
सदस्यता सं. 84993

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 जुलाई, 2012

निदेशकों की रिपोर्ट का अनुबंध–4

ऊर्जा संरक्षण

बीएचईएल में ऊर्जा प्रबन्धन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। बीएचईएल अपने प्रचालन में ऊर्जा संरक्षण में सक्रिय बनी हुई है। बीएचईएल में ऊर्जा संरक्षण का व्यापक फ्रेमवर्क या कार्रवाई योजना निम्नानुसार है:

क. वर्तमान उपकरणों की दक्षता में वृद्धि

ख. बीईई लेबल वाले उपकरणों की खरीद

ग. कर्मचारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों के बीच जागरूकता का फैलाव

घ. अक्षय ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहन

ऊर्जा संरक्षण के लिए संचालित की गई प्रमुख गतिविधियां (वर्ष 2011–12 के दौरान) थीं:

1. प्रमुख कार्मिकों को विनिर्माण इकाइयों में ऊर्जा प्रबंधक/ऊर्जा ऑडिटर के रूप में प्रमाणित किया गया।
2. पूरी कंपनी में 14 से 21 दिसंबर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया गया। इकाइयों/कार्यालयों, स्कूलों और टाउनशिपों में चित्रकला, क्षेत्रीय भाषा में निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
3. सुधार की संभावनाओं (ओएफआई) का पता लगाने के लिए एचपीईपी हैदराबाद, आईपी जगदीशपुर और ईपीडी बेंगलूरू में में ऊर्जा आडिट संचालित किया गया।
4. अक्षय ऊर्जा के उपयोग के लिए सोलर स्ट्रीट लाइटिंग स्थापित की गई हैं।
5. एलसीसीए (लाइफ साइकल कोस्टिंग एनालिसिस) के आधार पर ऊर्जा दक्ष उपकरणों की खरीद के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए।

प्रौद्योगिकी आमेलन और अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान एवं विकास

1. विशिष्ट क्षेत्र, जिनमें कंपनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां संचालित की गईं हैं,
2. उपर्युक्त आरएंडडी के परिणाम स्वरूप हुए लाभ

} "आरएंडडी एवं टेक्नोलाजी" के अंतर्गत निदेशकों की रिपोर्ट में दिए गए हैं।

3. भविष्य की कार्रवाई योजना:

अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिक पर बल दिए जाने वाले प्रमुख क्षेत्र निम्न प्रकार हैं:–

- सुपरक्रिटिकल पैरामीटरों का प्रयोग करते हुए अत्यधिक सक्षम पारंपरिक ताप विद्युत संयंत्र
- अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल एंड एडवान्स्ड अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल पैरामीटरों का प्रयोग करते हुए अत्यधिक सक्षम पारम्परिक ताप विद्युत संयंत्र
- ताप विद्युत संयंत्र एवं औद्योगिक उपयोग हेतु एडवांस कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन प्लेटफॉर्म
- भारतीय कोयले की विशेषताओं का पता लगाने के लिए कोयला अनुसंधान
- इंटीग्रेटिड गैसीफिकेशन कम्बाइंड साइकल (आईजीसीसी) पावर प्लांट्स
- अंडरग्राउंड कोल गैसिफिकेशन, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) प्रोजेक्ट्स आदि के उत्सर्जन में कमी के लिए ग्रीन टेक्नोलॉजी
- एटमोसफेरिक एंड सर्कुलेटिंग फ्लूडाडइज्ड बेड कंल्युशन (सीएफबीसी) बॉयलर्स
- उच्च कार्यकुशलता तथा लम्बी आयु वाले हाइड्रो पावर प्लांट
- उन्नत एचवीडीसी ट्रांसमिशन सिस्टम, यथा ±800 केवी एचवीडीसी, 765केवी, 1200केवी ट्रांसमिशन सिस्टम/उत्पाद

- फ्लेक्सीबल ए सी ट्रांसमिशन सिस्टम्स तथा अन्य उपकरण जैसे थाइरिस्टर कंट्रोल्ड सीरीज कम्पनसेशन, फेज शिफ्टिंग ट्रांसफार्मर, स्टेटिक सिंक्रोनाइज्ड कम्पनसेटर (स्टेटकॉम), कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर आदि
- गैस इंसुलेटिड स्विचगीयर
- कार्यकुशल, विश्वसनीय एवं लागत प्रभावी ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम सहित आईजीबीटी – ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में आधारित अनुप्रयोग जैसे डीजल इलेक्ट्रिक लोको के लिए थ्री फेज ए सी ड्राइव सिस्टम
- उच्चतम रेटिंग की इंडस्ट्रियल स्टीम टर्बाइन
- मौजूदा उत्पादों की क्षमता वृद्धि
- ग्रिड सम्बद्ध सोलर पीवी सोलर थर्मल, विंड आदि जैसी गैर–परंपरागत ऊर्जा प्रणालियां
- सिमुलेटर्स
- एडवांस्ड फेब्रिकेटर्स टेक्नोलॉजी
- सेरामिक उपयोग सहित सरफेस कोटिंग्स
- अवशेष आयु मूल्यांकन अध्ययन
- साइकल टाइम तथा लागत घटाने के लिए नई टेक्नोलॉजियों सहित इंटेलिजेन्ट मशीनें एवं रोबोटों का उपयोग
- विशिष्ट इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग
- ज्ञान प्रबंधन
- ऑटोमेशन पर फोकस के साथ ईपीसी सहित सम्पूर्ण इंजिनीयरिंग समाधान
- कम्पन एवं शोर में कमी
- उच्च तापमान सुपरकंडक्टर्स पर आधारित अनुप्रयोग
- डिसेलिनेशन एवं जल–शोधन संयन्त्र
- नैनो टेक्टनोलॉजी अनुप्रयोग
- हाइड्रोजन एनर्जी तथा फ्यूल सैल्स

अनुसंधान एवं विकास पर व्यय

	कुल	....	₹ 1198.82 करोड़
क)	आवर्ती	....	₹ 1160.52 करोड़
ख)	पूंजीगत	....	₹ 38.30 करोड़
	कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में व्यय	....	2.42 प्रतिशत

प्रौद्योगिकी आमेलन एवं व्यय

पिछले पांच वर्षों के दौरान आयातित प्रौद्योगिक की विवरण :

प्रौद्योगिकी	आयात वर्ष	आमेलन स्थिति
उच्चतर रेटिंग वाले ताप विद्युत संयंत्रों के लिए पम्प	2007	प्रौद्योगिकी आमेलन प्रगति पर है।
बड़े आकार की फोर्जिंग्स	2010	प्रौद्योगिकी आमेलन प्रगति पर है।
सेन्ट्रिफ़्यूगल कम्प्रेसर	2010	प्रौद्योगिकी आमेलन प्रगति पर है।
जल शोधन प्रणाली	2011	प्रौद्योगिकी आमेलन प्रगति पर है।

विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

(₹ करोड़ में)

	2011-12	2010-11
(i) प्रयुक्त विदेशी मुद्रा	**9815**	8389
(ii) अर्जित विदेशी मुद्रा	**14419**	9226

कृते निदेशक मंडल की ओर से
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 जुलाई, 2012

कंपनी अधिनियम, 1956 के खंड 212 के अनुपालनार्थ सहायक कंपनी से संबंधित विवरण

	सहायक कंपनी का नाम	भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लि.
1	सहायक कंपनी समाप्ति का वित्तीय वर्ष	31 मार्च, 2012	31 मार्च, 2012
2	सहायक कंपनी बनने की तारीख	10 मई, 2008	19 जनवरी, 2011
3	31 मार्च, 2012 की यथा स्थिति कम्पनी द्वारा धारिता सहायक कम्पनी का शेयर क) संख्या तथा अंकित मूल्य ख) धारिता की मात्रा	₹ 1000/– प्रत्येक के पूर्ण प्रदत्त 337978 इक्विटी शेयर 100 प्रतिशत	₹ 10/– प्रत्येक के पूर्ण प्रदत्त 5355000 इक्विटी शेयर 51 प्रतिशत
4	धारिता कंपनी की सदस्य होने ते नाते सहायक कंपनी की कुल लाभ/ हानि की राशि	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)
	क) धारिता कंपनी के खातों से संबंधित नहीं		
	i) 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	10.44	(-) 0.19
	ii) सहायक कंपनी के पिछले वित्तीय वर्ष तक	(-) 43.82	शून्य
	ख) धारिता कंपनी के खातों से संबंधित		
	i) 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	शून्य	शून्य
	ii) धारिता कंपनी की सहायक कंपनी बनने की तारीखसे सहायक कंपनी के पिछले वित्तीय वर्ष के लिए	शून्य	शून्य

कृते निदेशक मंडल की ओर से
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26 जुलाई, 2012

निदेशकों की रिपोर्ट का अनुबंध–6

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में, सदस्यगण, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड

1. हमने इसके साथ संलग्न **भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड** का 31.03.2012 का तुलन पत्र, इसी तारीख को समाप्त लाभ एवं हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण कंपनी प्रावधान की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. हमने अपनी लेखापरीक्षा सामान्य रूप से भारत में स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानदंडों के आधार पर की है। इन मानदंडों में यह अपेक्षित है कि लेखापरीक्षा से यह उपयुक्त आश्वासन प्राप्त हो कि क्या वित्तीय लेखाविवरण किसी भी गलत विवरण से रहित हैं। लेखा परीक्षा में परीक्षण के आधार पर जांच और राशि के समर्थन में संलग्न प्रलेख और वित्तीय विवरण के प्रकटन शामिल रहते हैं। लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन एवं महत्वपूर्ण आकलन तथा प्रस्तुत वित्तीय विवरणों का संपूर्ण मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उपयुक्त आधार प्रदान करती है।

3. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 की धारा 4(क) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा संशोधित आदेश 2003 के अंतर्गत कंपनी द्वारा यथा अपेक्षित (लेखापरीक्षित रिपोर्ट) हम उक्त आदेश के पैरा 4 एवं 5 में निर्दिष्ट विषयों पर अभिकथन का अनुबंध संलग्न करते हैं।

4. उपर्युक्त पैरा 3 में उल्लिखित अनुबंध में अपनी टिप्पणी के क्रम में हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

   (क) हमने सभी सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी लेखापरीक्षाके लिए आवश्यक थे।

   (ख) हमारी राय में कंपनी में विधि द्वारा अपेक्षित उपयुक्त लेखा बहियों को रखा है। जैसा कि हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट तैयार करने में पर्याप्त लेखा बहियों और उचित विवरणियों की जांच से पता चलता है जो हमें उन शाखाओं से प्राप्त हुईं हैं जहां हम नहीं जा पाए थे।

   (ग) हमारे पास भेजी गई शाखाओं की लेखापरीक्षक रिपोर्टों को हमने अपनी रिपोर्ट तैयार करते समय ध्यान में रखा है।

   (घ) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता, नकद प्रवाह विवरण, शाखाओं से प्राप्त लेखा बहियों और लेखापरीक्षित विवरणियों के अनुसार हैं।

   (ड.) हमारी राय में हमारी रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उपधारा (3ग) में उल्लिखित मानदंडों के अनुसार हैं।

   (च) भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग द्वारा जारी दिनांक 21.10.2003 की अधिसूचना संख्या जीएसआर 829 (ई) के संदर्भ में, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(जी) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं हैं।

   (छ) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और लेखों की टिप्पणियों के साथ पठित उपर्युक्त लेखे कंपनी अधिनियम, 1956 द्वारा अपेक्षित रूप से अपेक्षित सूचना देते हैं और भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक वास्तविक और सही स्थिति प्रस्तुत करते हैं:

   (i) तुलन पत्र की स्थिति में 31 मार्च, 2012 तक के कंपनी के कार्य

   (ii) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ के लाभ एवं हानि खाते के मामले में

   (iii) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह के नकद प्रवाह विवरण के मामले में

कृते गांधी मिनोचा एण्ड कं.
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 000458 एन
हस्ता./–
(भूपिंदर सिंह)
सदस्यता नं. 092867

कृते एस.एन. धवन एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 000050 एन
हस्ता./–
(सुरेश सेठ)
सदस्यता नं. 010577

दिनांक : 23 मई, 2012
स्थान : नई दिल्ली

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध

(भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की 31 मार्च, 2012 को समाप्त लेखों की समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के पैरा–3 में उल्लिखित)

i) (क) कंपनी ने सामान्यतः मात्रात्मक विवरण और अपनी स्थायी परिसंपत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित रिकार्ड रखा है।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार प्रबंधन ने सामान्य तौर पर अपने वास्तवित सत्यापन के चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार स्थाई परिसंपत्तियों के एक मात्र वास्तवितक सत्यापन करना है, जो कम्पनी के आकार और व्यवसाय स्वरूप के दृष्टिगत समुचित समझा जाता है और वर्ष के दौरान कराए गए सत्यापन में कोई मूर्त विंसगति नही देखी गई। वास्तविक सत्यापन के बिना भारतीय रेलवे में पट्टे पर दिए 65 लोकोमोटिव के संबंध में इन लोकोमोटिव के वास्तविक अधिकार की पुष्टि करते हुए एक प्रमाण पत्र भारतीय रेलवे पट्टा करार के अनुसार प्राप्त किया गया है।

(ग) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने नियत परिसंपत्तियों के अधिकांश हिस्से का निपटान नहीं किया है, जिससे कि इसकी गोइंग कंसर्न की संकल्पना प्रभावित हो।

ii) (क) हमें जैसा स्पष्ट किया गया है, कुछ यूनिटों मे चालू कार्य के भंडार और तैयार माल, जहां ऐसी यूनिटों के उत्पादन योजना विभाग का नरीक्षभण तथा उत्पादन रिपोर्टों के संदर्भ में इनका वर्ष के अंत में सत्यापन किया जाता है, को छोड़कर वर्ष के दौरान नियमित अंतरालों पर स्थायी मालसूची कार्यक्रम के अधीन प्रबंधन द्वारा मालसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया है। संविदाकारों/फैब्रिकेटरों और अन्य पक्षों के पास पड़े हुए स्टाक के संबंध में केवल कुछ मामलों में पुष्टियां प्राप्त हुई थीं। उपयुक्त के अधीन, हमारी राय में सत्यापन की बारंबारता उचित है।

(ख) हमारी राय में प्रबंधन द्वारा मालसूची के वास्तविक सत्यापन के लिए अपनाई गई कार्यविधि कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रदृति के संबंध में सामान्यतः उचित और पर्याप्त है।

(ग) मालसूची के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर हमारी राय है कि कंपनी ने सामान्यतः मालसूची का समुचित रिकार्ड रखा हुआ है और मालसूची के सत्यापन में कंपनी के आकार और कार्य की प्रदृति के संदर्भ में दर्शाई गई विसंगतियां महत्वपूर्ण नहीं थीं तथा इन्हें कंपनी की लेखा बही में समुचित स्थान दिया गया है।

iii) (क) हमें दी गई सूचना के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में शामिल कंपनियों, फर्मों अथवा किसी अन्य पक्षों को रक्षित अथवा आरक्षित ऋण नहीं दिया है। तदनुसार चालू वर्ष के लिए कंपनी (लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश पैरा 4 के खंड (iii) (ख) से (iii) (घ) कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(ख) हमें दी गई सूचना के अनुसार कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अंतर्गत रखे गए रजिस्टर में शामिल कम्पनियों अथवा आरक्षित ऋण नही लिया है। अतः आदेश के पैराग्राफ 4 के खंड (iii) (च) से (iii) (छ) कम्पनी पर लागू नहीं है।

iv) हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी के आकार और इसके व्यवसाय के अनुरूप माल की खरीद और अन्य परिसंपत्तियों तथा सामग्रियों की बिक्री के लिए पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण कार्यविधि है। इसके अलावा, कंपनी की बहियों एवं रिकार्डों की जांच के आधार पर तथा हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त आंतरिक नियंत्रण क्रियाविधि में किसी बड़ी कमी के संकेत न तो हमें मिलें हैं और न ही किसी से जानकारी प्राप्त हुई है। लेखापरीक्षा के दौरान हमने ऐसा नहीं पाया कि आंतरिक नियंत्रण की किसी बड़ी कमी मे सुधार न किया जा रहा हो।

v) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के आधार पर हमारी राय में वर्ष के दौरान अधिनियम की धारा 301 में किसी संविदा और प्रबंधन का उल्लेख नहीं है। कंपनी ने कोई ऐसा लेन–देन नहीं किया है, जिसे रजिस्टर में दर्ज किए जाने की आवश्यकता है। तदानुसार कंपनी पर आदेश पैराग्राफ–4 के खंड – (v) (ख) लागू नहीं हैं।

vi) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने अधिनियम की धारा 58 क और 58कक अथवा अन्य संगत प्रावधान और उसके अधीन बनाए कंपनी (जमा राशि की स्वीदृति) नियम, 1975 के अनुसरण के वर्श के दौरान जनता से कोई जमाराशि स्वीकार नहीं की है।

vii) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी में मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों और इकाइयों के विभिन्न विभागों में अनुमोदित लेखापरीक्षा योजना के अनुसार आंतरिक लेखापरीक्षा करने के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग भी है। हमारी राय में कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली व्यापक तौर पर कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रदृति के अनुरूप है।

viii) हमने, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209(I) (घ) द्वारा निर्धारित कंपनी (लागत लेखा रिकार्ड) नियम, 2011 के अनुसरण में मौटे तौर पर कंपनी द्वारा रखे गए लेखा बहियों और रिकार्ड की समीक्षा की है। और हमारे विचार से प्रथम कृष्टया निर्धारित लेखा और रिकार्ड तैयार किए गए हैं और उन्हें रखा गया है। लेकिन हमने इन रिकार्डों की विस्तृत जांच इस दृष्टि से नहीं की है कि वे ठीक और पूरे हैं।

ix) (क) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रस्तुत की गई तथा हमारे द्वारा जांची गई बहियों और रिकार्ड के अनुसार, हमारी राय में, कंपनी सामान्यतः नियमित रूप से भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धन कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर और उपयुक्त प्राधिकारियों पर यथा लागू कोई अन्य वास्तविक सांविधिक देयताएं सहित अविवादित सांविधिक देय राशियों को जमा कर रही है।

(ख) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार भुगतान की तारीख से के 6 महीने से अधिक माह की अवधि हेतु 31 मार्च, 2012 को भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धनकर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर और अन्य. सांविधिक देयता बकाया राशि विवादित नहीं थी। ***केवल लीबिया में एक मामले को छोड़कर, वहां पर करार के अनुसार आयकर देयताओं का उन्मोचन ग्राहक द्वारा सीधे लीबियाई सरकार के साथ किया जाना ही है। छह महीने से अधिक की बकाया राशि*** ₹ 15.55 **करोड़ है जो वित्तीय वर्ष 2008–09 से संबधित है।**

इसके अलावा केन्द्रीय सरकार ने आज के दिन तक कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 441 के अधीन देय उपकर की राशि निर्धारित नहीं की है, इसलिए हम इस राशि को जमा कराने में क्षेत्रीय प्रचालन प्रभागों की नियमितता पर या अन्यथा रूप से टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं।

(ग) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार जिस बिक्री कर, आयकर, उत्पाद शुल्क, सेवा कर, सीमा शुल्क और उपकर को विवाद के कारण जमा नहीं किया है, वह निम्न प्रकार है:

क्र. सं.	सांविधि का नाम	देयताओं की प्रकृति	बकाया राशि (₹ करोड़ में)	राशि (₹ करोड़ में)	मंच, जिसके समक्ष विवाद लंबित है
1.	केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, कार्य अनुबंध कर अधिनियम, पट्टा कर, प्रवेश कर अधिनियम तथा विभिन्न राज्यों के बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर	25.28	5.55	आकलन अधिकारी/
		प्रवेश कर	258.23	11.12	संयुक्त आयुक्त/
		तथा कार्य			आयुक्त अपील
		अनुबंध	218.44	29.11	अपीलीय अधिकरण
		कर	119.75	43.47	उच्च न्यायालय
			3.43	3.38	उच्चतम न्यायालय
			107.57	5.76	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी
2	आयकर अधिनियम, 1961	आय कर	3.18	-	उच्च न्यायालय
			26.50	-	अपीलीय अधिकरण
			15.52	-	आयुक्त (अपील)
3	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	30.20	0.06	आकलन अधिकारी
			72.96	0.40	आयुक्त (अपील)
			72.96	0.40	अपीलीय अधिकरण
			174.25	3.06	उच्च न्यायालय
			42.88	4.37	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी
4	वित्त अधिनियम, 1994 के अधीन सेवा कर	सेवा कर	24.73	-	आयुक्त (अपील)
			4.53	-	अपीलीय अधिकरण
			97.21	-	आकलन अधिकरी
			5.70	-	उच्च न्यायालय

x) कंपनी को 31 मार्च, 2012 तक कोई संचित हानि नहीं थी और इसने उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष या उसके तत्काल बाद के वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं उठाई है।

xi) हमारे द्वारा जांच की गई कंपनी के रिकार्डों और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वित्तीय संस्थानों, बैंकों अथवा डिबेंचरधारकों को बकाए की वापसी अदायगी में कोई चूक नहीं की है।

xii) कंपनी ने शेयरों, डिबेंचरी तथ अन्य प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है।

xiii) हमारी राय में कंपनी चिट फंड या निधि/म्युचुअल लाभ फंड/सोसायटी नहीं है। अतः कंपनी पर आदेश के पैराग्राफ 4 के खंड (xiv) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

xiv) हमारी राय में कंपनी शेयरों, प्रतिभूतियों, डिबेंचरों और अन्य निवेशों में व्यवसाय अथवा व्यापार नहीं कर रही है। तदनुसार, कंपनी पर ऑर्डर के पैरा 4 के खंड (xiv) के उपबंध कंपनी पर लागू नहीं हैं।

xv) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण के असार कंपनी ने वर्ष के दौरान बैंकों अथवा वित्तीय संस्थाओं से अन्य लोगों द्वारा लिए गए ऋणों के लिए कोई गारंटी नहीं दी है।

xvi) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वर्श के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है।

xvii) हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरण और कंपनी के तुलन पत्र की समग्र जांच के अनुसार, हम रिपोर्ट देते हैं कि अल्पावधि आधार पर ली गई निधि का दीर्घावधि निवेश हेत उपयोग नहीं किया गया है।

xviii) वर्ष के दौरान कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अधीन रख रजिस्टर में शामिल पार्टियों और कंपनियों को शेयरों का अधिमान्य आबंटन नहीं किया है।

xix) हमारी राय में वर्ष के दौरान कंपनी न कोई डिबेंचर जारी नहीं किया है। अतः कंपनी पर आदेश के पैरा 4 के खंड (xix) के प्रावधान लागू नहीं हैं।

xx) वर्ष के दौरान कंपनी ने पब्लिक इष्यु से कोई धन अर्जित नही किया है। अतः कंपनी पर आदेश के पैरा 4 के खंड (xx) के प्रावधान लागू नहीं हैं।

xxi) कंपनी कि बहियों और रिकार्डों की जांच की अवधि में जो कि सामान्यतः भारत में अपनाई जा रही लेखापरीक्षा प्रणालियों तथा हमें प्रदान की गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार है वर्ष के दौरान कंपनी पर अथवा कंपनी द्वारा किसी प्रकार की धोखाधड़ी का मामला सामने नहीं आया और न ही इसके बारे मे सूचित किया गया।

कृते गांधी मिनोचा एंड कं.
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 000458 एन

हस्ता./–
(भूपिंदर सिंह)
सदस्यता सं. 092867

कृते एस एन धवन एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 000050 एन

हस्ता./–
(सुरेश सेठ)
सदस्यता सं. 010577

दिनांक : 23 मई, 2012
स्थान : नई दिल्ली

बिंदु संख्या (ix) (ख) पर प्रबंधन का उत्तर : संविदा के अनुसार आयकर की देयता को ग्राहक (इको) द्वारा पूरी की जानी है। ग्राहक ने भुगतान की पुनः अनुसूची के लिए लीबियाई सरकार से सीधे सम्पर्क किया है, और इको द्वारा लीबियाई प्राधिकारियों को अंशतः भुगतान कर दिया गया है। वर्तमान में साइट मोबिलाइजेशन चरण में है और इको ने दृढ़तापूर्वक कहा है कि वे अपनी वचनबद्धता का सम्मान करेंगे।

गोपनीय

सं/No. प्रति/24-24/2012-13/Vol-V/274

प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा
एवं पदेन सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड-III,
नई दिल्ली

PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL AUDIT
& EX-OFFICIO MEMBER, AUDIT BOARD-III,
NEW DELHI

दिनांक/Dated: 29/6/2012

सेवा में,

अध्यक्ष एंव प्रबंध निदेशक,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
नई दिल्ली

विषयः- 31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष के लिये भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली, के वार्षिक लेखों पर कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 619(4) के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ ।

महोदय,

मैं भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली, के वर्ष 2011-12 के लेखों पर कंपनी अधिनियम, 1956, की धारा 619(4) के अधीन भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अग्रेषित करता हूँ । कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए ।

भवदीय,

संलग्नः यथोपरि ।

प्रवीण कुमार 29.6.12
(प्रवीण कुमार सिंह)
प्रधान निदेशक

दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली का वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक लेखापरीक्षा और उनके व्यावसायिक निकाय इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा निर्धारित आश्वासन मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अधीन इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के उत्तरदायी हैं। इसे उनकी दिनांक 23 मई, 2012 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट द्वारा किया गया बताया जाता है।

मैंने भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3)(ख) के अधीन दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के वित्तीय विवरण की पूरक लेखापरीक्षा की है। यह पूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्यकरण कागजातों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ तथा कुछ लेखाकरण रिकार्ड की चयनात्मक जांच तक सीमित होती है। मेरी लेखापरीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में ऐसी कोई महत्वपूर्ण बात नहीं आई है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन सांविधिक लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी करने का कारण बनती है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक
के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–

(प्रवीण कुमार सिंह)

प्रधान वाणिज्यिक लेखापरीक्षा निदेशक
और पदेन सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड–III,
नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 जून, 2012

वार्षिक लेखे

तुलन पत्र
31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार

(₹ करोड़ में)

विवरण	अनुसूची सं.	31.03.2012 को		31.03.2011को	
I. इक्विटी एवं देनदारियां					
(1) शेयरधारक निधियां					
(क) शेयर पूंजी	**1**	**489.52**		489.52	
(ख) प्रारक्षित एवं अधिशेष	**2**	**24883.69**	**25373.21**	19664.32	20153.84
(2) गैर–चालू देनदारियां					
(क) दीर्घावधि ऋण	**3**	**123.43**		102.14	
(ख) अन्य दीर्घावधि देनदारियां	**4**	**7550.77**		9142.40	
(ग) दीर्घावधि प्रावधान	**5**	**5005.68**	**12679.88**	4923.23	14167.77
(3) चालू देनदारियां					
(क) लघु अवधि ऋण	**6**	**0.00**		0.00	
(ख) व्यापार भुगतान	**7**	**10271.31**		8095.42	
(ग) अन्य चालू देनदारियां	**8**	**15815.93**		14169.95	
(घ) लघु अवधि प्रावधान	**9**	**2635.69**	**28722.93**	2673.31	24938.68
कुल			**66776.02**		59260.29
II. परिसंपत्तियां					
(1) गैर चालू परिसंपत्तियां					
(क) अचल परिसंपत्तियां	**10**				
(i) मूर्त परिसंपत्तियां		**4160.72**		3265.28	
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां		**136.09**		135.64	
(iii) पूंजीगत कार्य–प्रगति में		**1324.63**		1723.40	
(iv) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां		**22.98**	**5644.42**	10.36	5134.68
(ख) गैर चालू निवेश	**11**	**461.67**		439.17	
(ग) आस्थगित कर संपत्तियां (शुद्ध)	**12**	**1546.24**		2163.55	
(घ) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	**13**	**900.10**		882.91	
(ड़) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां	**14**	**9508.65**	**12416.66**	7362.12	10847.75
(2) चालू परिसंपत्तियां					
(क) माल सूचियां	**15**	**13444.50**		10852.05	
(ख) व्यापार प्राप्तियां	**16**	**26336.13**		20103.50	
(ग) नकदी एवं नकदी समकक्षता	**17**	**6671.98**		9630.15	
(घ) लघु अवधि ऋण एवं अग्रिम	**18**	**2111.72**		2382.53	
(ड़) अन्य चालू परिसंपत्तियां	**19**	**150.61**	**48714.94**	309.63	43277.86
कुल			**66776.02**		59260.29
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां वित्तीय विवरणों के संबंध में अन्य अनुसूचियां	**31**				

अनुसूची 1 से 31 तथा महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां तुलनपत्र का अभिन्न भाग हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–
(आई. पी. सिंह)
कंपनी सचिव

हस्ता./–
(पी. के. बाजपेई)
निदेशक (वित्त)

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस.एन. धवन एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000050एन

हस्ता./–
(सुरेश सेठ)
साझेदार
सदस्यता सं. 10577

कृते गांधी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000458एन

हस्ता./–
(भूपिन्दर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 मई, 2012

लाभ एवं हानि खाता
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	अनुसूची सं.	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के लिए	
I. प्रचालनों से राजस्व (सकल)	**20**		**49509.78**		43337.00
घटाएं : उत्पाद शुल्क तथा सेवाएं			**2281.92**		1770.87
प्रचालनों से राजस्व (शुद्ध)			**47227.86**		41566.13
II. अन्य प्रचालन आय	**21**		**751.03**		680.46
III. अन्य आय	**22**		**1265.55**		1020.64
कुल राजस्व (I to III)			**49244.44**		43267.23
IV. व्यय					
सामग्री खपत, निर्माण और इंजीनियरिंग व्यय	**23**		**28907.73**		23209.07
प्रगति अधीन कार्य में वृद्धि और तैयार माल	**24**		**-823.20**		-127.35
कर्मचारी लाभ व्यय	**25**		**5465.83**		5396.71
वित्त लागत	**26**		**51.28**		54.73
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	**10.1**		**800.00**		544.12
उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा विवरण संबंधी अन्य व्यय	**27**		**3222.82**		2536.11
प्रावधान (शुद्ध)	**28**		**1402.58**		2715.12
घटाएं: आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्य की लागत			**104.11**		68.51
कुल व्यय			**38922.93**		34260.00
V. पूर्वाधि समायोजन ओर कर पूर्व लाभ			**10321.51**		9007.23
VI. जोड़ें / घटाएं: पूर्व अवधि समायोजन (शुद्ध)	**29**		**-19.25**		-1.79
VII. वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ			**10302.26**		9005.44
VIII. घटाएं: कर व्यय	**30**				
क) चालू कर		**2645.00**		3630.55	
ख) आस्थगित कर		**617.30**	**3262.30**	-636.31	2994.24
IX. वर्ष के लिए लाभ			**7039.96**		6011.20
प्रति शेयर आय (मूल एवं मिश्रित) (संदर्भ अनुसूची 31 की बिंदू सं. 21) ₹) में			**28.76**		24.56
प्रति शेयर अंकित मूल्य (₹ में) (संदर्भ अनुसूची 31 का बिंदू सं. 21(क)			**2.00**		2.00
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां					
वित्तीय विवरणों के संबंध में अन्य अनुसूचियां	**31**				

1 से 31 संलग्न नोट तथा महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां वित्तीय विवरण का अभिन्न भाग हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–
(आई. पी. सिंह)
कंपनी सचिव

हस्ता./–
(पी. के. बाजपेई)
निदेशक (वित्त)

शरबिप
(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस.एन. धवन एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000050एन

कृते गांधी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000458एन

हस्ता./–
(सुरेश सेठ)
साझेदार
सदस्यता सं. 10577

हस्ता./–
(भूपिन्दर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 मई, 2012

नकद प्रवाह विवरण

31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

	2011-12	2010-11
क. प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ	**10302.26**	**9005.44**
निम्नलिखित के लिए समायोजित		
मूल्यह्रास/परिशोधन	802.67	544.44
पटटा समकरण	-3.82	-14.05
प्रावधान(निवल)	539.77	630.61
अशोध्य ऋण एवं बही खाते डली गई एलटी	97.29	40.97
निवेश में कमी के लिए प्रावधान	0.00	0.05
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	-4.01	-4.27
वित्त लागत	51.28	54.73
ब्याज/लाभांश आय	-830.63	-641.82
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	**10954.81**	**9616.10**
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
व्यापार तथा अन्य प्राप्तियों में जोड़ें/(घटाएं)	-8793.32	-7873.19
मालसूची में जोड़ें/(घटाएं) –	-2576.01	-1737.98
व्यापार देय तथा अग्रिम में जोड़ें/(घटाएं)	2784.13	5586.52
प्रचालनों से सृजित रोकड़	**2369.61**	**5591.45**
भुगतान किए गए प्रत्यक्ष कर (शुद्ध वापसी)	-3183.18	-2932.83
प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह/ / (अंतर्वाह)	**-813.57**	**2658.62**
ख. निवेश गतिविधियों से नकद राशि		
स्थाई परिसंपत्तियों की खरीद	-1307.21	-1730.04
स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री और निपटान	9.27	6.26
सहायक एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश	-22.50	-359.38
ब्याज एवं लाभांश आय	990.73	740.34
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी	**329.70**	**1342.82**
ग. वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
उधार	28.60	35.11
भुगतान किया गया लाभांश (लाभांश पर कर सहित)	-1793.70	-1456.32
वित्त लागत	-49.80	-54.51
वित्तीय गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी	**1814.90**	**1475.72**
घ. नकद एवं नकद समतुल्यों में निवल कमी	**-2958.17**	**-159.93**
नकद तथा नकद समतुल्यों का अथशेष	9630.15	9790.08
नकद तथा नकद समतुल्यों का इतिशेष	6671.98	9630.15

नोटः 1 : नकद तथा नकद के समतुल्यों में नकद तथा बैंक अधिशेष एवं बैंकों में जमा राशियां शामिल हैं।
2 : पिछले वर्ष के आंकड़ों को, जहां भी आवश्यक समझा गया, पुनः समूहित/पुनः व्यवस्थित कर दिया गया है।
3 : नकद तथा नकद समतुल्यों में मनोनीत बैंक खातों में पड़े दावा रहित ₹ 2.18 करोड़ (₹ 3.74 करोड़) का लाभांश शामिल है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–
(आई. पी. सिंह)
कंपनी सचिव

हस्ता./–
(पी. के. बाजपेई)
निदेशक (वित्त)

हस्ता./–
(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस.एन. धवन एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000050एन

हस्ता./–
(सुरेश सेठ)
साझेदार
सदस्यता सं. 10577

कृते गांधी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000458एन

हस्ता./–
(भूपिन्दर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 मई, 2012

1 - शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं		31.03.2011 को संख्याएं	
प्राधिकृत				
प्रत्येक ₹ 2 के 1000,00,00,000 (पिछले वर्ष प्रत्येक ₹ 10 के 200,00,00,000) इक्विटी शेयर	**2000.00**		2000.00	
जारी, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी	**489.52**		489.52	
प्रत्येक ₹ 2 के 244,76,00,000 के पूर्णतः चुकता शेयर (पिछले वर्ष प्रत्येक ₹ 10 के 48,95,20,000 शेयर)				
क) इनमें से प्रत्येक ₹ 2 के 122,38,00,000 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष प्रत्येक ₹ 10 के 24,47,60,000 के) बोनस शेयर के रूप में आबंटित				
ख) बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का पुनर्मिलान नीचे दर्शाया गया है:				
वर्ष के आरंभ में बकाया शेयर	489520000		489520000	
वर्ष के दौरान ₹ 10 से ₹ 2 प्रति शेयर में विघटन के प्रति जारी शेयर	1958080000		–	
वर्ष के दौरान पुनः क्रय किए गए शेयर	–		–	
वर्ष के अंत में बकाया शेयर	**2447600000**		489520000	
ग) वर्ष के अंत में 5 प्रतिशत से अधिक शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों का विवरण	शेयरों की संख्या	धारित का %	शेयरों की संख्या	धारित का %
भारत के राष्ट्रपति (पीओआई) साथ में नामिती	1657552000	67.72%	331510400	67.72%
भारतीय जीवन बीमा निगम	141433662	5.78%	-	-
प्रति शेयर फेस वैल्यू	**2.00**		10.00	

घ) इक्विटी शेयरों से संबंधित पर्तें/अधिकार:

कंपनी के पास इक्विटी शेयरों की केवल एक श्रेणी है जिसमें प्रति शेयर ₹ 2 की कीमत है। (पिछले वर्ष ₹ 10 प्रति शेयर) इक्विटी शेयरों का प्रत्येक धारक प्रति शेयर एक वोट के लिए हकदार है।

2 - प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं		31.03.2011 को संख्याएं	
प्रारक्षित पूंजी				
अथशेष	**2.74**		2.74	
जोड़ें: परिवर्धन	**-**		-	
घटाएं: कटौतियां	**-**	**2.74**	-	2.74
सामान्य प्रारक्षित				
अथशेष	**18849.72**		14849.72	
जोड़ें: लाभ एवं हानि के अधिशेष से अंतरित	**5000.00**		4000.00	
घटाएं: कटौतियां	**-**	**23849.72**	-	18849.72
लाभ एवं हानि विवरण से अथशेष				
अथशेष	**811.86**		575.39	
जोड़ें: वर्ष के लिए लाभ	**7039.96**		6011.20	
विनियोग के लिए उपलब्ध लाभ	**7851.82**		6586.59	
घटाएं: विनियोग-				
— सामान्य प्रारक्षित	**5000.00**		4000.00	
— लाभांश (₹ 665.75 करोड़ के लाभांश सहित) पिछले वर्ष ₹ 648.61 करोड़)	**1566.47**		1524.85	
— कार्पोरेट लाभांश कर (अंतरिम लाभांश पर कर ₹108 करोड सहित, पिछले वर्ष ₹ 107.73 करोड़)	**254.12**	**1031.23**	249.88	811.86
		24883.69		19664.32
प्रति इक्विटी शेयर पर प्रस्तावित लाभांश (₹)		**3.68**		3.58

3 - दीर्घावधि उधार

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
प्रारक्षित		
डिबेंचर्स / बांड्स	**-**	-
राज्य सरकार से अवधि ऋण	**-**	-
वित्तीय संस्थानों से अवधि ऋण	**-**	-
	-	-
असुरक्षित		
वित्त पट्टा दायित्वों की दीर्घावधि परिपक्वताएं	**123.43**	102.14
	123.43	102.14
	123.43	102.14

4 - अन्य दीर्घावधि देनदारियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
व्यापार देयताएं	**617.76**	384.00
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम और	**6829.04**	8663.28
ठेकेदारों व अन्य से प्राप्त जमा	**103.97**	95.12
	7550.77	9142.40

5 - दीर्घावधि प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान	**2076.18**	1991.83
संविदात्मक दायित्व	**2793.48**	2338.60
अन्य दीर्घावधि प्रावधान	**136.02**	126.93
कर हेतु प्रावधान (निवल अग्रिम कर / टीडीएस ₹ 7433.57 करोड़)	**-**	465.87
	5005.68	4923.23

6 - लघु अवधि उधार

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
प्रारक्षित		
बैंकों से ऋण		
कैश क्रेडिट		
(कच्चे माल, अवयवों, प्रगति अधीन कार्य, तैयार वस्तुओं, बुक ऋणों और अन्य चालू परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य की दोनों को गिरवी रखकर प्रथम वसूली से प्रारक्षित)	-	-
पैकिंग क्रेडिट	-	-
(कच्चे माल, अवयवों, प्रगति अधीन कार्य, तैयार वस्तुओं, बुक ऋणों और अन्य चालू परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य की दोनों को गिरवी रखकर प्रथम वसूली से प्रारक्षित)	-	-

7 - व्यापार देयताएं

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
व्यापार देयताएं	**10160.38**	8052.58
स्वीकृत बिल	**110.93**	42.84
	10271.31	8095.42

(सूक्ष्म और लघु उद्यम प्रकटीकरण के लिए बिंदु सं. 10 नोट 31 के संदर्भ में)

8 - अन्य चालू देनदारियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
वित्त पट्टा दायित्वों की दीर्घावधि परिपक्वताएं	**62.43**	55.12
ग्राहकों और अन्यों से प्राप्त अग्रिम		
(मूल्यांकन समायोजन क्रेडिट सहित)	**13152.24**	11727.32
ठेकेदारों और अन्यों से जमा	**444.27**	398.24
अदावाकृत लाभांश *	**2.18**	3.74
अन्य देयताएं/देनदारियां	**2147.01**	1979.20
ब्याज उपर्जित परंतु देय नहीं	**0.65**	0.25
ब्याज उपार्जित और राज्य सरकार		
ऋणों पर देय	**2.33**	2.33
वित्त पट्टा	**4.82**	3.75
	15815.93	14169.95

* तुलन पत्र की तिथि को कोई राशि देय या बकाया नहीं है क्योंकि राशि को निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में अंतरित किया जाना है।

9 - लघु अवधि प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
कर्मचारी लाभों के लिए प्रावधान	**401.38**	902.24
प्रस्तावित लाभांश	**900.72**	876.24
कार्पोरेट लाभांश कर	**146.12**	142.15
अनुबंधात्मक दायित्व	**1057.43**	643.57
अन्य लघु अवधि प्रावधान	**87.61**	91.86
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व निधि	**42.43**	17.25
	2635.69	2673.31

10 - अचल परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
(i) मूर्त परिसंपत्तियां		
सकल खंड	**9406.70**	7781.98
घटाएं: संचित मूल्यह्रास	**5249.62**	4516.52
घटाएं: पट्टा समायोजन खाता	**-3.64**	0.18
शुद्ध खण्ड	**4160.72**	3265.28
(ii) मूर्त परिसंपत्तियां		
सकल खंड	**299.94**	267.76
घटाएं: संचित मूल्यह्रास	**163.85**	132.12
शुद्ध खंड	**136.09**	135.64
(iii) प्रगति अधीन पूंजीगत कार्य		
निर्माण कार्य प्रगति पर–सिविल	**338.31**	321.08
निर्माण स्टोर्स (ट्रांजिट सहित)	**9.99**	13.13
संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य उपकरण		
- निर्माणाधीन / निर्माण प्रतीक्षारत	**702.25**	911.82
- ट्रांजिट	**273.80**	472.97
निर्माणाधीन पट्टे पर परिसंपत्तियां	**0.28**	4.40
	1324.63	1723.40
(iv) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	**22.98**	10.36
	22.98	10.36
कुल जोड़	**5644.42**	5134.68
नोट 10.1 में विवरण का संदर्भ लें		

अनुसूची 10.1

स्थाई परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

	सकल ब्लाक				मूल्यह्रास		निवल ब्लाक		
	31.03.2011 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	31.03.12 को लागत	पट्टा समायोजन लेखा	31.03.2012 तक मूल्यह्रास/ परिशोधन	31.03.2012 की यथा स्थिति	31.03.2011 की यथा स्थिति	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/ परिशोधन
फैक्टरी/कार्यालय काम्पलेक्स									
(i) मूर्त परिसंपत्तियां									
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	15.74	1.13		16.87			16.87	15.74	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित))	6.05			6.05		0.39	5.66	5.67	0.01
सड़के, पुल और पुलियां निर्माण	15.09	5.44		20.53		3.71	16.82	11.71	0.33
भवन	1070.84	267.70	4.94	1333.60		471.40	862.20	696.73	101.47
पट्टाधारित भवन	3.12			3.12		1.33	1.79	1.84	0.05
जल निकासी, जल–मल निकासी	18.75	2.67	0.05	21.37		11.13	10.24	8.14	0.50
रेलवे साइडिंग	11.01	3.86		14.87		8.48	6.39	3.00	0.46
लोकोमोटिव तथा वैगन	27.73	3.24		30.97		19.19	11.78	9.69	1.15
प्लांट तथा मशीनरी	4858.15	1116.17	8.72	5965.60		3364.12	2601.48	2010.08	523.82
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग	133.53	1.39	-0.94	135.86		130.05	5.81	6.90	2.14
विद्युत संस्थापना	197.46	82.25	2.96	276.75		101.17	175.58	111.89	14.35
निर्माण उपकरण	184.72	29.25	1.80	212.17		133.90	78.27	75.33	26.30
वाहन	18.81	0.63	0.48	18.96		16.08	2.88	2.75	0.49
फर्नीचर और फिक्चर्स	29.98	13.16	0.06	43.08		11.54	31.54	20.48	2.26
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	110.19	37.06	0.55	146.70		72.58	74.12	44.77	7.51
10,000 रुपये तक की स्थायी परिसंपत्तियां	77.38	21.61	1.41	97.58		97.58			21.59
पूंजीगत व्यय	0.44			0.44		0.44			
पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां	497.15			497.15	3.64	497.00	3.79	4.15	4.18
पट्टे पर ली गई ईडीपी परिसंपत्तियां	287.61	74.62	22.09	340.14		184.39	155.75	138.12	55.63
कार्यालय तथा अन्य उपकरण पट्टे पर	2.49	2.18		4.67		0.45	4.22	2.23	0.20
पटटे पर ली गई अन्य परिसंपत्तियां	1.19	0.15		1.34		1.34		0.28	0.45
कुल मूर्त परिसंपत्तियां–फैक्टरी	**7567.43**	**1662.51**	**42.12**	**9187.82**	**3.64**	**5126.27**	**4065.19**	**3169.50**	**762.89**
(ii) मूर्त परिसंपत्तियां									
- आंतरिक विकसित									
अन्य	18.67	11.32	0.03	29.96		14.20	15.76	11.29	6.87
- अन्य									
साफ्टवेयर	114.92	4.94	0.03	119.83		110.00	9.83	16.40	11.49
पेटेंट्स एवं ट्रेड मार्कस									
तकनीकी जानकारी	125.32	15.98		141.30		30.85	110.45	107.90	13.43
अन्य	8.85			8.85		8.80	0.05		
कुल मूर्त परिसंपत्तियां–फैक्टरी	**267.76**	**32.24**	**0.06**	**299.94**		**163.85**	**136.09**	**135.59**	**31.79**
फैक्टरी परिसंपत्तियों का कुल जोड	**7835.19**	**1694.75**	**42.18**	**9487.76**	**3.64**	**5290.12**	**4201.28**	**3305.09**	**794.68**
टाउनशिप/आवासीय									
(i) मूर्त परिसंपत्तियां									
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	2.09			2.09			2.09	2.09	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	1.99			1.99		0.58	1.41	1.43	0.02
सड़के, पुल, पुलिया, निर्माण	5.09			5.09		2.92	2.17	2.25	0.08
भवन	130.87	0.72	0.66	130.93		62.18	68.75	70.16	2.06
पट्टाधारित भवन	0.27			0.27		0.20	0.07	0.08	0.01
जल निकासी, जल–मल निकासी	17.14	0.05		17.19		14.15	3.04	3.38	0.39
प्लांट तथा मशीनरी	16.58	1.05	0.08	17.55		11.19	6.36	6.41	1.09
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग									
विद्युत संस्थापना	17.13	0.62	0.02	17.73		14.52	3.21	3.03	0.42
वाहन	1.08			1.08		1.01	0.07	0.08	0.01
फर्नीचर और फिक्चर्स	0.73	0.12		0.85		0.29	0.56	0.52	0.08
पट्टे पर लिया गया कार्यालय तथा अन्य	19.22	2.60	0.15	21.67		13.87	7.80	6.40	1.07
उपकरण 10,000 रुपये तक की स्थायी परिसंत्तियां	2.36	0.09	0.01	2.44		2.44			0.09
कुल मूर्त परिसंपत्तियां–टाउनशिप	**214.55**	**5.25**	**0.92**	**218.88**		**123.35**	**95.53**	**95.83**	**5.32**
टाउनशिप परिसंपत्तियों का कुल जोड	**214.55**	**5.25**	**0.92**	**218.88**		**123.35**	**95.53**	**95.83**	**5.32**
मूर्त परिसंपत्तियों का जोड	**7781.98**	**1667.76**	**43.04**	**9406.70**	**3.64**	**5249.62**	**4160.72**	**3265.33**	**768.21**
अमूर्त परिसंपत्तियों का जोड	**267.76**	**32.24**	**0.06**	**299.94**		**163.85**	**136.09**	**135.59**	**31.79**
फैक्टरी और टाउनशिप का जोड	**8049.74**	**1700.00**	**43.10**	**9706.64**	**3.64**	**5413.47**	**4296.81**	**3400.92**	**800.00**
पिछला वर्ष	**6580.14**	**1517.90**	**48.30**	**8049.74**	**-0.18**	**4648.64**	**3400.92**	**2415.40**	**544.12**
ऊपर सम्मिलित आरएंडडी पूंजीगत मदों का विवरण									
संयंत्र एवं मशीनरी और अन्य उपकरण	**303.61**	**57.80**	**2.29**	**359.12**		**234.87**	**124.25**	**75.94**	**28.53**
भवन	**25.80**	**5.82**		**31.62**		**16.64**	**14.98**	**11.21**	**0.92**

31.03.2012 को सकल ब्लॉक में बेकार और सक्रिय प्रयोग से हटाई गई ₹ 59.20 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 49.99 करोड़) की परिसंपत्तियां शामिल हैं।

31.03.2012 को सकल ब्लॉक में बेकर और सक्रिय प्रयोग से हटाई गई ₹ 0.19 करोड़ की परिसंपत्तियां शामिल हैं (पिछले वर्ष ₹ 0.19 करोड़)

सकल ब्लॉक में निष्पादक एजेंसी के रूप में अनुसंधान के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से खरीदी गई परिसंपत्तियों की लागत शामिल नहीं है क्योंकि परिसंपत्ति कंपनी के सकल ब्लॉक में निष्पादक एजेंसी के के रूप में अनुसंधान के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से खरीदी गई वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्ति में कोई कमी की हानि नहीं है। क्योंकि संपत्ति कंपनी के पास नहीं थी।

2011-12	2010-11
30.81	30.81

11 - गैर चालू निवेश

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं		31.03.2011 को संख्याएं	
दीर्घावधि निवेश (लागत पर)				
गैर उद्धृत शेयर(पूर्णतः प्रदत्त):				
व्यापार:				
इंजीनियरिंग प्रोजैक्ट्स(इंडिया) लिमि. के 1402 (पिछले वर्ष 360) प्रत्येक ₹10/– इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष ₹ 38.95 प्रत्येक शेयर).	*		*	
एपी गैस पावर कार्पोरेश्न लिमि के 728960 (पिछले वर्ष 728960) प्रत्येक ₹ 10/–इक्विटी शेयर .	**0.91**		0.91	
नीलाचल इस्पात निगम लिमि के 5000000 (पिछले वर्ष 5000000) प्रत्येक ₹ 10/– के इक्विटी शेयर.	**5.00**	**5.91**	5.00	5.91
सहायक कंपनियां -				
भारत हेवी प्लेट एंड वैसल्स लिमि न्यूनतम मूल्य ₹ 1/– पर 337978 (पिछले वर्ष 337978) प्रत्येक ₹ 1000/– के इक्विटी शेयर अधिगृहीत किए	*		*	
भारत इलेक्ट्रिकल मशीन्स लि. के ₹ 10 प्रत्येक के 5355000 (पिछले वर्ष 51000) इक्विटी शेयर.	**5.36**	**5.36**	0.05	0.05
संयुक्त उद्यम कंपनियाँ				
— पावर प्लांट परफ़ॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड के ₹10/– तक के 1999999 (पिछले वर्ष 1999999) इक्विटी शेयर	**2.00**		2.00	
घटाएँ: मूल्य में कमी के हेतु प्रावधान	**2.00**		2.00	
— बराक पावर लिमिटेड के ₹ 10/– प्रत्येक के शून्य (पिछले वर्ष 50000) इक्विटी शेयर	**-**		0.05	
घटाएँ: मूल्य में कमी हेतु प्रावधान	**-**	**0.00**	0.05	0.00
— एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोज्क्टस प्रा लि के ₹ 10/– प्रत्येक के 25000000 (पिछले वर्ष 25000000) इक्विटी शेयर 50000) इक्विटी शेयर	**25.00**		25.00	
— उडनगुड पावर कार्पोरेशन लिमि के ₹ 10/– प्रत्येक के 32500000 (पिछले वर्ष 32500000) इक्विटी शेयर	**32.50**		32.50	
रायचुर पावर कार्पोरेशन लिमि के ₹ 10/–प्रत्येक के 331523312 (पिछले वर्ष 331523312) इक्विटी शेयर।	**331.52**		331.52	
दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमि के ₹ 10/– प्रत्येक के 22500000 (पिछले वर्ष 2500000) इक्विटी शेयर	**22.50**		2.50	
लातूर पावर कंपनी लिमि के ₹ 10/– प्रत्येक के 2500000 (पिछले वर्ष शून्य) इक्विटी शेयर	**2.50**		-	
बीएचईएल–जीई गैस टरबाईन सर्विसिज प्रा. लिमि के ₹ 10/– प्रत्येक के 2379999 (पिछले वर्ष 2379999) इक्विटी शेयर	**2.38**	**416.40**	2.38	393.90
अग्रिम में प्रदत्त शेयर राशि				
भारत हेवी पलेट एंड वैसल्स लिमि(सहायक कंपनी)	**34.00**		34.00	
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमि(सहायक कंपनी)-	**-**	**34.00**	5.31	39.31
व्यापार के अलावा:				
बीएचईएल हाउस बिल्डिंग को–ऑपरेटिव सोसाइटी लि. हैदराबाद के 3(पिछले वर्ष 3) ₹ 100/– प्रत्येक		*		*
* ₹ 1 लाख से कम मूल्य				
		461.67		439.17
अनुद्धृत निवेश का कुल मूल्य		**461.67**		439.17
निवेशों के मूल्यह्रास में सकल प्रावधान		**2.00**		2.05

12 - आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
प्रावधान	**1018.58**	1819.50
वैधानिक देयताएं	**555.64**	411.99
मॉडवैट समायोजन	**75.57**	45.43
अन्य	**36.47**	9.64
	1686.26	2286.56
आस्थगित कर देनदारियां		
अवमूल्यन	**140.02**	123.01
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	**1546.24**	2163.55

13 - दीर्घावधि ऋण और अग्रिम

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं		31.03.2011 को संख्याएं	
ऋण				
सहायक कंपनियों को ऋण	**218.87**		217.54	
पूंजी अग्रिम	**21.77**		28.42	
जमा राशियां	**42.65**		36.85	
कर्मचारियों को ऋण	**0.01**		0.01	
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों को ऋण	**16.00**		0.00	
अन्यों को ऋण	**0.01**		0.02	
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों को ऋण	**0.78**	**300.09**	1.39	284.23
अग्रिम(नकद वसूली योग्य या अन्य प्रकार से या प्राप्त किये जाने वाले मूल्य के लिए)				
क्रय हेतु	**416.66**		469.09	
अन्यों को	**118.02**	**534.68**	136.71	605.80
जमा राशियां				
कस्टम, पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास अधिशेष		**38.50**		33.82
अग्रिम कर/टीडीएस (कराधान के लिए शुद्ध प्रावधान ₹ 8293.49 करोड़)		**72.31**		-
		945.59		923.85
घटाएं: प्रावधान		**45.49**		40.94
		900.10		882.91
उप वर्गीकरण:-				
प्रारक्षित अच्छा माना		**16.27**		1.24
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**883.83**		881.67
संदेहपूर्ण		**45.49**		40.94
		945.59		923.85
शामिल:				
निदेशकों से देय		**-**		-
अधिकारियों से देय		**-**		0.01

14 - अन्य गैर–चालू परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं		31.03.2011 को संख्याएं	
दीर्घावधि प्राप्तियां	**11494.90**		8496.03	
घटनाएं: बुरे और संदग्धि ऋण	**1749.90**		1034.16	
घटाएं–स्वतः मूल्य कटौती समायोजन	**340.59**	**9404.42**	210.74	7251.13
अचल माल सूची	**162.39**		178.82	
घटाएं: गैर अचल वस्तुओं के लिए प्रावधान:	**58.16**	**104.23**	67.83	110.99
		9508.65		7362.12
उप वर्गीकरण: लघु अवधि व्यापार प्राप्तियां				
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**-**		-
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**9404.42**		7251.13
संदेहपूर्ण		**2090.49**		1244.90
		11494.90		8496.03
दीर्घावधि व्यापार प्राप्तियों में आस्थगित ऋण ₹ 8194.77 करोड (पिछले वर्ष ₹ 6810.73 करोड़) शामिल है।				

15 - माल सूचियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं		31.03.2011 को संख्याएं	
कच्चा माल तथा संघटक	**4937.63**		3699.91	
मार्गस्थ सामग्री	**1846.42**	**6784.05**	1445.99	5145.90
चल रहा कार्य		**4820.87**		4126.25
(उप–टेकेदारों के साथ वस्तुओं सहित)				
तैयार माल	**951.41**		855.91	
मार्गस्थ अन्तर–प्रभाग अन्तरण में	**199.60**	**1151.01**	176.29	1032.20
स्टोर्स एवं हिस्से पुर्जे				
उत्पादन	**209.83**		165.07	
ईंधन स्टोर्स	**15.03**		20.57	
विविध	**35.87**	**260.73**	25.52	211.16
फ़ैब्रिकेटर्स / टेकेदारों के पास सामग्री		**316.70**		237.07
खुले औज़ार		**46.16**		29.25
रद्दी माल (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)		**64.98**		70.22
		13444.50		10852.05
मूल्यांकन की पद्धति के संबंध में महत्वपूर्ण लेखाकरण नीती 8 को देखें				

16 - व्यापार प्राप्तियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
छह माह से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	**10279.39**	9252.38
अन्य ऋण	**16811.30**	11656.34
	27090.69	20908.72
घटाएं : बुरे और संदेहपूर्ण ऋणों एवं		
स्वतः मूल्य कमी समायोजन हेतु प्रावधान	**754.56**	805.22
	26336.13	20103.50
व्यापार प्राप्तियों में आस्थगित ऋण शामिल हैं		
- ₹ 6057.02 करोड (पिछले वर्ष ₹ 4090.74 करोड़)		
व्यापार प्राप्तियों में वितरित वस्तुओं के लंबित बिल शामिल हैं–		
- ₹ 1717.07 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1828.39 करोड़)		
व्यापार प्राप्तियों का विवरण :		
अप्रारक्षित, अच्छा माना	**-**	-
अप्रारक्षित, अच्छा माना	**26336.13**	20103.50
संदेहपूर्ण	**754.56**	805.22
	27090.69	20908.72

17 - रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2011 को संख्याएं
बैंकों में अधिशेष*	**6311.62**	9186.53
चैक, डिमांड ड्राफ्ट के रूप में	**359.11**	433.52
नकदी और स्टैम्पस के रूप में	**1.25**	1.46
पारगमन में प्रेषण	**0.00**	8.64
	6671.98	9630.15
*** सम्मिलित**		
अदावाकृत लाभांश के तहत चिन्हित	**2.18**	3.74
गैर प्रत्यावर्तनीय खाते	**19.28**	21.79

18 - लघु अवधि ऋण और अग्रिम

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं		31.03.2011 को संख्याएं	
ऋण				
सहायक कंपनियों को ऋण	**1.70**		-	
कर्मचारियों को ऋण	**0.02**		0.03	
उधारपर जारी सामग्री	**9.74**		10.05	
अन्य को ऋण	**0.01**		0.01	
सार्वजनिक प्रतिष्ठानों को ऋण	**4.00**		0.00	
अर्जित ब्याज और या ऋण पर देय	**1.59**	**17.06**	2.06	12.15
अग्रिम(नकद प्राप्तियां या किसी अन्य प्रकार या मूल्य के रूप में प्राप्त)				
सहायक कंपनियों को	**1.86**		1.76	
कर्मचारियों को	**30.97**		30.28	
क्रय के लिए	**945.26**		1036.96	
अन्य के लिए	**844.57**	**1822.66**	914.61	1983.61
जमा				
कस्टम, पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास अधिशेष		**285.34**		243.79
अन्य		**44.50**		195.69
		2169.56		2435.24
घटाएं: संदेहपूर्ण ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान		**57.83**		52.71
		2111.72		2382.53
ऋणों और अग्रिमों का विवरण:-				
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**4.25**		10.38
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**2107.47**		2372.15
संदेहपूर्ण		**57.83**		52.71
		2169.56		2435.24
शामिल:				
निदेषकों से देय		-		*
अधिकारियों से देय		**0.13**		0.13
₹ 1 लाख से कम मूल्य*				

19 - अन्य चालू परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को संख्याएं	31.03.2012 को संख्याएं
बैंक जमा और निवेशों पर अर्जित ब्याज	**150.61**	309.63
	150.61	309.63

20 - प्रचालनों से राजस्व

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
प्रतिफल रहित बिक्री (सकल)	**44147.75**	38312.97
बाहरी इरेक्शन और अन्य सेवाओं से आय और वर्क्स कान्ट्रेक्ट से राजस्व	**5362.03**	5024.03
	49509.78	43337.00

21 - अन्य प्रचालन आय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
निर्यात प्रोत्साहन		**11.95**		42.89
लीज़ पर परिसंपत्तियों से किराए की आय	**0.93**		0.93	
लीज इक्वेलाइजेशन अकाउंट	**3.82**	**4.75**	14.05	14.98
स्क्रैप की बिकी		**307.59**		271.68
बिकी/अधिशेष के स्थानांतरण से प्राप्ति		**0.17**		0.05
अन्य		**426.57**		350.86
		751.03		680.46

22 - अन्य आय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
क. अन्य आय		
स्थायी परिसंपत्तियों और पूंजीगत स्टोर्स की बिकी से लाभ (शुद्ध)	**4.01**	4.27
निवेश पर लाभांश (दीर्घावधि–व्यापार)	**16.98**	14.99
विनिमय अंतर प्राप्ति (निवल)	**99.32**	99.69
अन्य अनुसन्धान एवं विकास परियोजना पर भारत सरकार से प्राप्त ₹ 0.33 करोड़ (गत वर्ष ₹ 0.33 करोड़) अनुदान सहित	**331.37**	274.87
कुल (क)	**451.68**	393.82
ख. ब्याज आय*		
ग्राहकों से	**2.56**	0.01
कर्मचारियों से	**0.00**	0.01
बैंकों से	**786.78**	610.03
अन्य	**24.53**	16.77
*(टीडीएस ₹ 83.22 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 56.96 करोड़)		
कुल (ख)	**813.87**	626.82
कुल अन्य आय **कुल(क+ख)**	**1265.55**	1020.64

23 - सामग्री की खपत, इरेक्शन और इंजीनियरिंग व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
कच्चे माल और उपकरणों की खपत	**24549.35**	19417.59
भंडार और पुर्ज़ों की खपत	**563.77**	469.86
इरेक्शन तथा इंजीनियरी व्यय – उपठेकेदारों को भुगतान	**3794.61**	3321.62
	28907.73	23209.07

24 - चल रहे कार्य में वृद्धि तथा तैयार माल

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
चल रहा कार्य				
अंतः शेष	**4821.13**		4126.60	
प्रारंभिक शेष	**4126.60**	**694.53**	4321.40	-194.80
तैयार माल				
अंतः शेष	**952.42**		858.65	
प्रारंभिक शेष	**858.65**	**93.77**	599.53	259.12
अंतर प्रभागीय अंतरण		**34.90**		63.03
		823.20		127.35
टिप्पणी:				
तैयार माल में उत्पाद शुल्क का तत्व				
अंतः शेष		**99.97**		81.96
प्रारंभिक शेष		**81.96**		53.06

25 - कर्मचारी लाभ पर खर्च

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	**4595.08**	4540.04
उपदान निधि में अंशदान	**150.66**	216.92
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	**275.77**	269.38
समूह बीमा	**12.12**	9.90
कर्मचारी कल्याण व्यय	**432.20**	360.47
	5465.83	5396.71

26 - वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
बैंकों/वित्तीय संस्थानों से उधार पर ब्याज	**47.34**	54.73
अन्य उधार लागत	**3.94**	-
	51.28	54.73
घटाएं: पूंजीकृत उधार लागत	**-**	-
	51.28	54.73

27 - उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण पर अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
रॉयल्टी, तकनीकी प्रलेखीकरण, परामर्श प्रभार और अन्य परामर्श प्रभार	**79.84**	133.22
किराया	**94.92**	79.99
उत्पाद शुल्क	**248.30**	209.13
बिजली और ईंधन	**510.25**	402.86
दरें और कर	**46.26**	38.52
सेवा कर	**15.15**	12.21
बीमा	**133.46**	109.22
मरम्मत एवं अनुरक्षण		
भवन	**79.64**	54.01
प्लांट तथा मशीनरी	**35.60**	27.92
अन्य	**138.21**	119.31
निर्यात से संबंधितं अन्य व्यय	**26.79**	33.14
बट्टाकृत निवेशों पर हानि	**0.09**	-
अशोध्य ऋण तथा बट्टाकृत राशि	**22.64**	20.94
बाह्य ढुलाई प्रभार	**623.06**	358.00
यात्रा और वाहन	**183.02**	164.52
विविध व्यय	**874.39**	731.36
प्रभारित किये गये निर्णीत हर्ज़ाने	**74.56**	20.03
दान	**0.17**	0.18
कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व और संधारणीय विकास पर व्यय	**36.46**	21.55
	3222.82	2536.11

28 - प्रावधान (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
सन्दिग्ध ऋण, निर्णीत हर्ज़ाने तथा ऋण और अग्रिम				
वर्ष के दौरान सृजित	**973.61**		729.76	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	**345.30**	**628.31**	240.70	489.06
संविदात्मक दायित्व				
वर्ष के दौरान सृजित	**1193.73**		2687.58	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	**330.92**	**862.81**	603.07	2084.51
अन्य				
वर्ष के दौरान सृजित	**52.56**		168.37	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	**141.10**	**-88.54**	26.82	141.55
		1402.58		2715.12

29 - पूर्व अवधि समायोजन (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
आय				
प्रतिफल रहित बिक्री	**-19.32**		-1.74	
प्रचालन आय (अन्य)	**0.30**		-	
अन्य आय	**0.17**		-	
ब्याज आय	**-0.21**	**-19.06**	-	-1.74
व्यय				
कच्चा माल तथा संघटकों की खपत	**1.64**		0.24	
मूल्यह्रास	**2.67**		0.32	
विविध व्यय	**-4.11**	**0.19**	-0.51	0.05
		-19.25		-1.79

30 - कर व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
क) वर्तमान कर				
वर्तमान वर्ष के लिए	**3277.00**		3712.00	
पूर्व में सृजित अतिरेक प्रावधान पुनः आलेखित	**-632.00**	**2645.00**	-81.45	3630.55
ख) आस्थगित कर प्रभार / (क्रेडिट)		**617.30**		-636.31
		3262.30		2994.24

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण, ऐतिहासिक लागत और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखाकरण की प्रोद्भवन विधि तथा कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, जैसा कि कंपनी द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

2. स्थायी परिसंपत्तियां

स्थायी परिसंपत्तियां (राज्य से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि से भिन्न) अधिग्रहण या निर्माण अथवा संग्रहित मूल्यह्रास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती हैं। लागत के अंतर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हो, में लिए गए पूंजीगत कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है। स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/ऋणों के संबंध में अवमूल्यन/पुर्नमूल्यन जैसी असाधारण घटनाओं के प्रभाव को लागत में जोड़ा/घटाया जाता है। राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि का मूल्य 1 रुपये लगाया गया है, सिवाए इसके कि वह 16 जुलाई, 1969 के पश्चात् न अधिग्रहित की गई हो, क्योंकि उस मामले में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी प्रारक्षित निधि में समतुल्य जमा द्वारा अधिग्रहण मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

3. पट्टे

वित्तीय पट्टा

क) (1) 1 अप्रैल, 2001 से पूर्व पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत की जाती हैं और उन्हें बिक्री के रूप में माना जाता है।

उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। पट्टा किराए पर समतुल्य प्रभार पट्टा समकरण लेखा द्वारा तैयार किया जाता है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

(2) 1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/एनपीवी पर बिक्री के रूप में मान्यता दी जाती है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतें पट्टा शुरू होने पर खर्च कर दी जाती है।

ख) 1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को उचित मूल्य/एनपीवी/ संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है।

उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। यदि पट्टा परिसंपत्तियां, पट्टा अवधि समाप्त होने पर पट्टादाता को वापस करनी है तो उनकी उपयोगी अवधि या पट्टा अवधि, जो भी अल्प हो, के लिए मूल्यह्रासित किया जाता है।

किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों से संबद्ध वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी, में विभाजित कर दिया जाता है।

प्रचालन पट्टा

क) पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं। उनसे होने वाली पट्टा आय को पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

ख) पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

प्रचालन पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ व्यय माना जाता है।

4. अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां

क. अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियो को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, अगर

(क) यह संभाव्य हो कि भविष्य में परिसंपत्ति के कारण होने वाला आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होगा, और

(ख) कंपनी का परिसंपत्तियों पर नियंत्रण होगा, और

(ग) इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है और ₹10,000 से अधिक है।

अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को उनकी अनुमानित उपयोगी अवधि में सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर परिशोधित किया जाएगा, जो सॉफ्टवेयर के मामले में तीन वर्षो और अन्य के मामले में दस वर्षो से अधिक नहीं होगी।

ख. (क) अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित

अनुसंधान पर व्यय को होने वाले वर्ष में लाभ और हानि में प्रभारित किया जाता है।

(ख) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों पर लेखाकरण मानक के अनुसार मानदंड पूरी करने वाली अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के विकास चरण के दौरान व्यय सहित विकास पर किए गए व्यय को अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है।

(ग) अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ अधिग्रहित स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागतें

उधार लागतें, जो अर्हक परिसंपत्तियों के विनिर्माण, अधिग्रहण या निर्माण पर व्यय की जाती हैं, ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के भाग के रूप में शामिल की जाती हैं।

अर्हक परिसंपत्ति वह होती है जो अभिप्रेत उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से बारह महीने से अधिक का समय लेती है।

अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है, जिसमें उन्हें खर्च किया जाता है।

6. मूल्यह्रास

(i) स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यह्रास, उसे छोड़कर जहां मूल्यह्रास, तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रभारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
स्वचालित/अर्ध–स्वाचालित मशीनें	10%	15%	20%
स्थापना उपकरण, पूंजीगत औजार तथा साज–सामान	20%		
टाउनशिप बिल्डिंगें			
– द्वितीय श्रेणी	2.5%		
– तृतीय श्रेणी	3.5%		
रेलवे साइडिंग	8%		
लोकोमोटिव तथा वैगन	8%		
विद्युतीय संस्थापनाएं	8%		
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8%		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा अन्य जल आपूर्ति	3.34%		
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	20%		

निर्धारित दरों के अनुसार सीधी–रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल लागत तक प्रभारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है–

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि/से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार, यथानुपात मासिक आधार पर होता है.

(ii) दीर्घावधिक संविदाओं के अनुसरण में भारत से बाहर प्रयुक्त स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) ₹10,000 कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा उन परिसंपत्तियों, जिनका ह्रासित मूल्य वर्ष के प्रारंभ में ₹ 10,000 या कम है, का पूर्णतः मूल्यह्रास होता है। जहां तक, टाउनशिप भवनों का प्रश्न है, वहां प्रति मकान की लागत ₹ 10,000 की सीमा के लिए आधार है।

(iv) निर्माण/परियोजना स्थल पर सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि में पूर्णतः परिशोधित की जाती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंगें, विद्युतीय संस्थापनाओं और इस प्रकार के अन्य समर्थकारी कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण, लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर अवशिष्ट मूल्य के रूप में 10 प्रतिशत प्रतिधारित करते हुए उन्हें मूल्यह्रासित किया जाता है।

(v) लकड़ी के ढांचों जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रासित किया जाता है।

(vi) पट्टाधारित भूमि और भवनों को पट्टे की अवधि में परिशोधित किया जाता है। पट्टे पर ली गई भूमि पर निर्मित भवनों का मूल्यह्रास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी कम हो, में होता है।

7. निवेश

(i) दीर्घावधि निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा, ऐसे निवेशों में गिरावट को मान्यता दी जाती है और इसके लिए व्यवस्था की जाती है।

(ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत/उचित मूल्य, जो भी कम है, पर किए जाते हैं। अउद्धृत चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

(iii) निवेश की लागत में अधिग्रहण प्रभार जैसे, दलाली, शुल्क तथा ड्यूटी शामिल है

मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि में लेखा प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

8. मालसूची मूल्यांकन

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित लागत अथवा निवल वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(ii) गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सैटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेटों के संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक/ अनुमानित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांकित औसत लागत है।

(v) क) 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए–

जहां संविदा की लागत के वर्तमान अनुमान और विक्रय मूल्य हानि दर्शाते हैं, वहां ऐसी संविदा के लिए प्रत्याशित हानि को तुरंत मान्यता प्रदान की जाती है, चाहे कार्य शुरू हो गया है या नहीं।

ख) अन्य सभी संविदाओं के लिए–

जहां किसी संविदा का भाग होने वाली पृथक रूप से अभिज्ञात परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधी वर्तमान अनुमान हानि दर्शाता है, वहां ऐसी परियोजना के संबंध में, जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि को मान्यता दी जाती है।

(ग) प्रत्याशित हानि निर्धारण में प्राप्त कुल आय पर विचार किया जाता है, जिसमें निर्यातों/माने गए निर्यातों पर प्रोत्साहन भी शामिल होते हैं।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीद/विनिर्मित संघटकों और अन्य सामग्रियों, जिन्हें अथिशेष घोषित किया गया हो, को तकनीकी अनुमानों के आधार पर अवशिष्ट मूल्य प्रतिधारित करते हुए राजस्व पर प्रभारित किया जाता है।

9. राजस्व मान्यता

ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अंतर्गत आंषिक शिपमेंट द्वारा ग्राहक को प्रेषित किया गया माल आता है।

क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए राजस्व को संविदा की कुल अनुमानित लागत पर सूचना तिथि तक व्यय की गई वास्तविक लागत की प्रतिशतता पर आधारित प्रतिशतता समापन विधि से मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिएः

(i) लम्बे उत्पादन चक्र वाली मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबंध में बिक्री राजस्व को मान्यता तकनीकी अनुमानों पर दी जाती है। जब शिपमेंट का कुल मूल्य प्रापणीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत या प्रापजीय मूल्य न होने पर, उद्धृत मूल्य पर विचार किया जाता है। अन्यथा, उन पर वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

(ii) निर्माण और परियोजना प्रबंध सेवाओं को निम्नलिखित आधार पर मान्यता दी जाती है–पूर्णता की प्रतिशतता, अथवा

अंतर्भूत मूल्य की गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(iii) प्रदान की गई इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय को पूरे किए गए कार्य की प्रतिशतता के आधार पर प्रापणीय मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

(iv) बीएचईएल में निर्माण न किए गए उपस्करों/प्रणालियों और सिविल कार्यों की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेशणों /परियोजना स्थल पर किए गए कार्यों पर आधारित होती है।

10. विदेशी मुद्रा लेन–देन के लिए लेखाकरण

विदेशी मुद्रा लेन–देनों को लेन–देनों की तारीख को विद्यमान विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को वर्ष के अंत में विनिमय दरो पर रूपांतरित किया जाता है। लेन–देनों के निपटान और मौद्रिक मदों के रूपांतरण पर उत्पन्न हुए विनिमय अंतर को उस वर्श जिसमें वे उत्पन्न होते हैं, में आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।?

11. अभिन्न विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों का रूपांतरणः

(i) आय और व्यय की मदें, मूल्यह्रास, जिसे समतुल्य अचल परिसंपत्तियों के लिए अपनाई गई दरों पर परिवर्तित किया जाता है, को छोड़कर औसत दर पर रूपांतरित की जाती हैं।

(ii) मौद्रिक मदें इतिशेष दर पर रूपांतरित की जाती हैं, ऐतिहासिक लागत पर लाई गई गैर–मौद्रिक मदें रूपांतरण की तारीख को लागू दरों पर रूपांतरित की जाती हैं, उचित मूल्य पर लाई गई गैर–मौद्रिक मदें, उन विनिमय दरों, जो मूल्य निर्धारित करने के समय मौजूद थी, पर रूपांतरित की जाती हैं।

(iii) रूपांतरणों की सभी भिन्नताओं को लाभ और हानि लेखे में लाया जाता है।

12. कर्मचारी लाभ

अर्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, भविष्य निधि और कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्रोद्भवन आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। उपदान, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावे और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार लेखाबद्ध की जाती है। बीमांकिक देयता कर्मचारियों के संदर्भ में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अधीन प्रतिपूर्ति होने वाले वर्ष में यथानुपात मासिक आधार पर प्रभारित की जाती है।?

13. कंपनी द्वारा/के विरुद्ध दावे

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन–देनों के अनुभवों द्वारा अनुपूरित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है।

(ii) निर्यात प्रोत्साहन, शुल्क वापसी, सीमा शुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे आदि प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्य वृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य के परिवर्तनों के संबंध में देय राशियों को केवल तभी राजस्व के रूप में माना जाता है जब संविदाओं से ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हों और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साक्ष्य हो। तथापि वृद्धि आंतरिक मूल्य तक प्रतिबंधित होती है।

14. वारंटियों के प्रावधान

(i) 1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिए :

संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान परीक्षण प्रचालन समाप्त होने पर संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है।

(ii) अन्य सभी संविदाओं के लिएः

वर्ष के अंत में वारंटी के अंतर्गत संविदाओं के लिए संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान संविदा मूल्य के 2 5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति वाली संविदाओं के मामले में पूरे किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

(iii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को जब भी व्यय किया जाता है, प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है और वर्ष के अंत में प्रावधानों पर प्रभारित किया जाता है।

15. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो।

अचल मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है, जबकि गैर–मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व सबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते, तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर संबद्ध हैं, राजस्व के रूप में माना जाता है।

गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नाममात्र मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है, अगर वे निःशुल्क प्राप्त होते हैं।

31- लेखा विवरणों पर अन्य टिप्पणियां

क्र सं.	विवरण		2011-12	2010-11
1	अग्रिम को छोड़कर संविदाओं की अनुमानित राशि, जिन्हें पूंजीगत खाते में निष्पादित किया जाता है और जिनके लिए प्रावधान नहीं किया जा सकता	₹ करोड़	**625.12**	1331.82
	उपर्युक्त में अमूर्ति संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए राशि सम्मिलित	₹ करोड़	**13.84**	4.68
	व्यवसाय की प्रकषति के मद्देनज़र, दीर्घावधि निर्माण अनुबंध होने के कारण वस्तुओं आदि की खरीद हेतुए अन्य वायदे हो सकते हैं, जिन्हें सामान्य व्यवसाय के रूप में विचारित किया गया है, अतः इन्हें प्रकट नहीं किया गया।			
2	भूमि तथा भवन में शामिल हैं			
क)	(i) एकड़ भूमि जिसके लिये औपचारिक हस्तान्तरण/ लीज़ डीड निष्पादित नहीं की गई है	एकड़	**8662.27**	8662.27
	(ii) फ़्लैटों की संख्या, जिनके लिये औपचारिक हस्तान्तरण/लीज़ डीड निष्पादित नहीं की गई है	सं.	**12**	12
	(iii) फ़्लैटों की संख्या, जिनके लिये औपचारिक हस्तान्तरण/लीज़ डीड निष्पादित नहीं की गई है	सं.	**1**	1
	(iv) एकड़ भूमि जिसके लिए भुगतान किया गया है, वह अनंतिम है पंजीकरण प्रभार तथा स्टाम्प शुल्क (पहले से ही किए गए प्रावधान को घटाकर) यदि कोई है तो उसे भुगतान के समय हिसाब में लिया जाएगा	एकड़	**91.52**	91.52
ख)	एकड़ भूमि रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के विभागों तथा अन्य को छोड़कर लीज़ पर दी गई है	एकड़	**28.77**	28.77
ग)	एकड़ भूमि रक्षा मन्त्रालय को उपर्युक्त के लिये दी गई है जिसके लिये लाइसेन्स रखने हेतु सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन की प्रतीक्षा है	एकड़	**180.00**	180.00
घ)	एकड़ भूमि प्रतिफल कब्ज़े में है.	एकड़	**122.94**	97.25
3	प्रत्येक ₹ 10,000 तक की अचल संपत्ति पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास देने पर लाभ में प्रमाण इस प्रकार है जहाँ पर पूर्व पूर्व वर्षों में ऐसे ब्याज को विचार में नहीं लिया जाएगा,			
	लेखा वर्ष में ₹ 10,000 की परिसंपत्ति पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास को छोड़ लिया (चार्ज ऑफ़)	₹ करोड़	**22.98**	10.02
	उपर्युक्त पर सामान्य मूल्यह्लास	₹ करोड़	**5.79**	2.99
	अधिक राशि प्रभारित की गई	₹ करोड़	**17.19**	7.03
4	प्रतिफल को घटाकर बिक्री			
	क इसमें अंतरिम मूल्य पर आधारित शामिल है;	₹ करोड़	**242.89**	0.70
	ख इसमें विक्रय संविदा के अनुसार किए गए दावे में वृद्धि प्रोद्भूत आधार पर, जहाँ तक नवीनतम सूचियाँ उपलब्ध हैं;	₹ करोड़	**2156.26**	1388.54
	ग. इसमें ग्राहक के अनुरोध पर उनकी ओर से रोके गए उन उपकरणों की डिस्पैच शामिल है, जिसके लिए कंपनी को भुगतान प्राप्त हो चुका है; और	₹ करोड़	**30.88**	96.99
	घ. इसमें संविदा की षर्त के अनुसार डिलीवरी में देरी के लिए मूल्य में कमी शामिल नहीं है (रिफ़ंड को छोड़कर) शामिल नहीं हैं	₹ करोड़	**263.79**	13.94

5 आकस्मिक देयताएं:

कंपनी के विरूद्ध दावे, जिन्हें ऋण नहीं माना गया है:

i)	क आयकर लम्बित अपीलें	₹ करोड़	**45.20**	32.61
	ख विरोध स्वरूप किया गया भुगतान, जिन्हें ''जमा अन्य'' शीर्ष में शामिल किया गया है।	₹ करोड़	**0.00**	0.02
ii)	क. विक्रय कर मांग	₹ करोड़	**732.70**	509.84
	ख. विरोध स्वरूप किया गया भुगतान जिसे ''वसूली योग्य अग्रिम' शीर्ष में शामिल किया गया है।	₹ करोड़	**98.39**	92.97
iii)	क. उत्पाद शुल्क मांगें	₹ करोड़	**320.08**	216.14
	ख. विरोध स्वरूप किया गया भुगतान जिसे ''वसूली योग्य अग्रिम'' शीर्ष में शामिल किया गया है।	₹ करोड़	**7.84**	8.41
iv)	क. सीमा शुल्क मांगें	₹ करोड़	**0.21**	0.21
	ख. विरोध स्वरूप किया गया भुगतान जिसे ''वसूली योग्य अग्रिम'' शीर्ष में शामिल किया गया है।	₹ करोड़	**0.06**	0.06
v)	न्यायालय एवं मध्यस्थ मामले	₹ करोड़	**559.23**	375.07
vi)	क. निर्णीत हर्जाने	₹ करोड़	**2283.63**	1401.11
	ख. vi) क में शामिल एल डी हेतु ग्राहक द्वारा काटी गई राशि	₹ करोड़	**1579.19**	825.70
vii)	ठेकेदारों द्वारा प्रति दावे	₹ करोड़	**0.61**	0.61
viii)	क. सेवा कर मांग	₹ करोड़	**132.17**	214.13
	ख. जिनका भुगतान विरोधस्वरूप किया गया।	₹ करोड़	**0.00**	0.22
ix)	अन्य	₹ करोड़	**106.34**	120.58
x)	सहायक कंपनी (बीएचपीवी) की ओर से दी गई कारपोरेट गारंटी	₹ करोड़	**9.57**	-

(विभिन्न न्यायालय मामले और मुकदमों तथा कंपनी द्वारा विवादित दावों को ध्यान में रखते हुए इस चरण पर संसाधनों के आउटफ्लो पर वित्तीय प्रभाव का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।)

6 बैंकों से ₹ 3000 करोड़ (गत वर्ष 600 करोड़) की नकद ऋण सीमा तथा कच्चे माल, उपकरण, चालू कार्य, तैयार माल, स्टोर्स, बही ऋण तथा वर्तमान तथा वर्तमान एवं माली व चालू परिसंपत्तियों को गिरवी के माध्यम से प्रथम प्रभार द्वारा बैंकों के संघ द्वारा स्वीकृत ₹ 52000 करोड़ (गत वर्ष ₹ 49,400 करोड़) की बैंक गारंटी/ऋण सीमा पत्र के संबंध में कंपनी की प्रति गारंटी/क्षतिपूर्ति देयताएं रक्षित हैं। 31.03.2012 को बकाया बैंक गारंटियां ₹ 38200 (गत वर्ष ₹ 37474 करोड़) तथा 31.03.2012 को कॉर्पोरेट बैंक गारंटी ₹ 4448.14 करोड़ (गत वर्ष ₹ 4192 करोड़) है।

7 अन्य देयताओं में 1990–91 तक सरकार के निर्देश पर कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋण के संबंध में सरकार द्वारा मांगी गई गारंटी फीस के लिए ₹ 100.51 (गत वर्ष ₹ 100.51 करोड़) की राशि शामिल है। इससे छूट लेने के लिए सरकार के साथ इस मामले को उठाया गया है क्योंकि जिस समय ऋण लिया गया था (सरकार द्वारा गारंटीड) उस समय ऐसी गारंटी फीस के लिए कोई शर्ते नहीं थी। बीएचईएल के 18.02.2011 के पत्र द्वारा गारंटी फीस से छूट के लिए भारी उद्योग विभाग से फिर अनुरोध किया गया है। मामला भारी उद्योग विभाग के विचाराधीन है।

8 एमोरफॉस सिलिकॉन सोलर सैल प्लांट (एएसएससीपी) गुड़गांव को 1 अप्रैल, 1999 को अपारंपरिक ऊर्जा संसाधन से 30 वर्षों के लिए लीज पर लिया गया है। अपारंपरिक ऊर्जा संसाधन मंत्रालय से ऑपचारिक लीज करार अभी निश्चित किया जाना है।

9 देनदार, लेनदार, ठेकेदार के अग्रिम जमा तथा उप ठेकेदार/फेब्रिकेटर के पास पड़े स्टाक/सामग्री पुष्टि, समाधान एवं परिणामी समायोजन यदि है तो, उसके अधीन है। समाधान सतत् आधार पर किये जाते हैं और जहां भी आवश्यक समझे गए हैं प्रावधान दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए हैं।

				2011-12	2010-11
10	**सूक्ष्म तथा लघु उद्यम से संबंधित प्रकटन**				
	लेखा वर्ष के अंत में कुल बकाया			**554.33**	312.63
	i	लेखा वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को शेष अप्रदत्त मूल धनराशि	₹ करोड़	**542.82**	302.81
	ii	लेखावर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को शेष अप्रदत्त मूल धन पर ब्याज	₹ करोड़	**11.51**	9.82
	iii	वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि के साथ प्रदत्त ब्याज की राशि	₹ करोड़	**0.00**	0.02
	iv	वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राषि सहित धारा 18 के संदर्भ में प्रदत्त ब्याज की राषि	₹ करोड़	**0.00**	0.00
	v	भुगतान में विलम्ब की अवधि के लिए देयताएं भुगतान योग्य ब्याज की राशि (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद किया गया है) लेकिन इसमें इस अधिनियम के अंतर्गत निर्दिष्ट ब्याज की राशि बिना जोड़े	₹ करोड़	**1.76**	0.78
	vi	वर्ष के दौरान उद्भूत ब्याज की राशि जो वर्ष के अंत में अप्रदत्त रही।	₹ करोड़	**4.05**	4.11
	vii	आगामी वर्ष में बकाया एवं अतिरिक्त ब्याज उस तारीख तक जब ब्याज की उपर्युक्त बकाया राशि लघु उद्योग को वास्तव में कटौती योग्य खर्च के रूप में डिसअलाउंस के उद्देश्य के लिए अदा की गई।	₹ करोड़	**5.22**	2.61

11 क) लेखांकन मानक–7 (संशोधित) की अपेक्षाओं के अनुसार 01.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओ के संबंध में प्रकटन इस प्रकार है :–:

(₹ करोड़)

	2011-12	**2010-11**
संविदा वर्ष के लिए मान्यता प्राप्त संविदा राजस्व	**41979.32**	37108.87
वर्ष के अंत में चल रही संविदा के संबंध में;		
खर्च की लागत एवं मान्यता प्राप्त लाभ (मान्यता प्राप्त हानि को घटाकर)	**166382.69**	126492.61
प्राप्त अग्रिम की राशि	**10231.36**	10936.59
प्रतिधारण की राशि (आस्थागित ऋण)	**13466.79**	9689.76
ग्राहकों से बकाया राशि के संबंध में		
परिसंपत्ति के रूप में संविदा कार्य के लिए ग्राहकों द्वारा देय सकल राशि	**2658.54**	4946.97
देयता के रूप में संविदा कार्य के लिए ग्राहकों को देय सकल राशि	**4021.67**	3401.12
आकस्मिक	**-**	-

ख) लेखांकन मानक (ए एस)–7 (आर) निर्माण संविदाओं के अनुसार 1 अप्रैल, 2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के संबंध में कुल लागतों और कुल राजस्व का परिकलन की समीक्षा की जाती है और राजस्व मान्यता के लिए पूर्ति प्रतिशत निर्धारित करने हेतु उनको आवधिक रूप से अद्यतन किया जाता है। लेकिन अनुमानों में परिवर्तन के प्रभाव की मात्र का पता लगाना अव्यवहारिकता है।

12 कंपनी भारत सरकार, लोक उद्यम विभाग विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अनुरूप 30 दिन के महीने को आधार मानकर छुट्टी नकदीकरण व्यय की गणना करती है। यह पूर्व में 26 दिन के महीने को आधार मानकर छुट्टी नकदीकरण की गणना के पहले से फार्मूले के तहत है। इस परिवर्तन के कारण वर्ष 2011–12 के लिए कर पूर्व लाभ पर प्रभाव ₹ 180.46 करोड़ बढ़ा है। तथापि, कुछ कामगार यूनियनों ने इस परिवर्तन के खिलाफ अपील दायर की है और अदालत ने स्थगन आदेश दिया है। इसके परिणामी प्रभाव, यदि कोई होंगे, तो उसकी गणना समझौते के वर्ष में की जाएगी।

13 लीबिया में चल रही गड़बड़ी के कारण लीबियाई परियोजना को नौएडा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में रखे गए अलेखापरीक्षित लेखों के आधार पर समेकित किया गया है।

14 वर्ष के दौरान अनुसंधान एवं विकास पर किए गए खर्च का विवरण जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(2एबी) के अधीन कटौती योग्य है।.

क. अनुसंधान एवं विकास पर पूंजीगत व्यय		**2011-12**	**2010-11**
भूमि	₹ करोड़	**0.04**	0.00
भवन	₹ करोड़	**5.82**	2.12
संयंत्र एवं मशीनरी तथा अन्य उपस्कर	₹ करोड़	**55.51**	52.36
कुल पूंजी व्यय	₹ करोड़	**61.37**	54.48
ख. अनुसंधान एवं विकास पर राजस्व खर्च			
वेतन एवं मजदूरी	₹ करोड़	**158.86**	156.55
उपभोग्य सामग्री/स्पेयर्स	₹ करोड़	**27.13**	29.14
निर्माण एवं अन्य खर्चे (आय को छोड़कर)	₹ करोड़	**63.97**	54.01
कुल राजस्व व्यय(शुद्ध आय का)	₹ करोड़	**249.96**	239.70

टिप्पणीः भूमि तथा भवन पर व्यय को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(2एबी) के अधीन कटौती योग्य नहीं माना गया है।

15 व्युत्पन्न लिखतों से संबंधित प्रकटनः

क) व्युत्पन्न लिखत जो 31.03.2012 को रक्षित और बकाया है वह शून्य (गत वर्ष शून्य) है।

ख) विदेशी मुद्रा जिन्हें व्युत्पन्न लिखतों या अन्यथा रक्षित नहीं किया जाता है, वे इस प्रकार हैं

		2011-12	**2010-11**
क) परिसंपत्तियाँ/प्राप्तव्य (अर्थात् देनदार)			
विदेशी मुद्रा में			
अमरीकी डॉलर में	करोड़ में	**55.61**	34.60
यूरो में	करोड़ में	**46.69**	34.32
एलवाईडी में	करोड़ में	**0.87**	0.94
आरओ में	करोड़ में	**0.03**	0.19
भारतीय मुद्रा में			
अमरीकी डॉलर में	₹ करोड़	**2774.30**	1542.12
यूरो में	₹ करोड़	**3123.98**	2127.66
एलवाईडी में	₹ करोड़	**35.60**	34.39
आरओ में	₹ करोड़	**4.48**	22.05
अन्य में	₹ करोड़	**43.59**	38.92
ख) देयताएं (अर्थात ग्राहकों/लेनदारों में अग्रिम) विदेशी मुद्रा में			
विदेशी मुद्रा में			
अमरीकी डॉलर में	₹ करोड़	**35.37**	29.40
यूरो में	करोड़ में	**34.17**	32.26
एलवाईडी में	करोड़ में	**1.49**	1.46
भारतीय मुद्रा में			
अमरीकी डॉलर में	₹ करोड़	**1777.45**	1326.04
यूरो में	₹ करोड़	**2347.33**	2064.51
एलवाईडी में	₹ करोड़	**62.18**	54.78
अन्य में	₹ करोड़	**230.31**	115.28

(₹ करोड़)

16 निदेशकों को प्रदत्त/देय पारिश्रमिक (अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक को मिलाकर)*	2011-12	2010-11
वेतन एवं भत्ते	**2.15**	1.67
भविष्य निधि में अंशदान	**0.10**	0.06
ग्रेच्यूटी में अंशदान	**0.08**	0.06
अन्य	**0.21**	0.24

*उपर्युक्त राशि में भुगतान के आधार पर छुट्टी नकदीकरण शामिल हैं, लेकिन समूह बीमा प्रीमियम शामिल नहीं है:

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों को ड्यूटी एवं गैर–ड्यूटी यात्राओं के लिये स्टाफ़ कार का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। नियुक्ति की निबन्धन एवं शर्तों के अनुसार निर्धारित राशि की वसूली के आधार पर गैर–ड्यूटी यात्रा की सीमा 1000 कि. मी. प्रति माह आय कर नियम, 1962 के प्रावधानों के अनुसार कार के उपयोग हेतु, अनुलब्धियों मौद्रिक परिकलित किया जाये तो उसकी राशि ₹ 0.02 करोड़ (पूर्व वर्ष में ₹ 0.01 करोड़) होगी।

(₹ करोड़)

17			2011-12	2010-11
क)	विभागीय मरम्मत एवं रखरखाव पर खर्च का विवरण इस प्रकार हैं:			
	प्लान्ट एवं मशीनरी		**178.30**	157.27
	भवन		**54.93**	45.54
	अन्य		**36.75**	30.33
ख)	निर्यात के सम्बन्ध में खर्चों में शामिल निर्यात पर एजेन्सी कमीशन		**17.48**	21.63
ग)	अनुसन्धान एवं विकास पर खर्च		**320.26**	360.83
घ)	किराया आवासीय		**73.55**	65.70
ड)	लेखापरीक्षकों को भुगतान			
	लेखापरीक्षा फ़ीस		**0.50**	0.40
	इसमें विदेश में किया गया भुगतान शामिल है		**0.04**	0.01
	व्यय की प्रतिपूर्ति		**0.16**	0.17
	आयकर मामलें (प्रमाणन सहित)		**0.14**	0.10
	इसमें विदेश में किया गया भुगतान भी शामिल		**0.02**	0.01
	अन्य सेवाएं		**0.33**	0.24
च)	लागत लेखापरीक्षकों का भुगतान		**0.01**	0.01
छ)	आवगमन पर व्यय		**8.00**	6.45
ज)	विदेशी यात्रा पर व्यय			
	दौरों की संख्या		**933**	994
	रुपये में व्यय		**17.20**	17.43
i)	प्रचार एवं जनसम्पर्क वेतन भत्तों एवं अन्य लाभों पर व्यय		**10.40**	9.89
	अन्य व्यय		**15.11**	16.08
ञ)	निदेशकों की फीस		**0.23**	0.16

18 ए एस–15 (आर) से संबधित प्रकटन–कर्मचारी लाभ

क) उपदान योजना

भावी भुगतानों के कारण उपदान देयता पैदा हुई है, जिसका भुगतान सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु या आहरण की दशा में करना अपेक्षित होता है। देयता का अनुमान प्रदर्शित इकाई क्रेडिट बीमांकक पद्धति के आधार पर किया गया है।

वर्ष की समाप्ति पर परिभाषित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य के प्रारम्भिक एवं अंत शेषों का समाधान इस प्रकार हैं :

(₹ करोड़)

		2011-12	2010-11
1	दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन		
	क) प्रारंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1770.22**	1657.46
	ख) अधिग्रहण समायोजन	**-**	-
	ग) ब्याज लागत	**150.47**	124.31
	घ) पूर्व सेवा लागत	**-**	-
	ङ) वर्तमान सेवा लागत	**78.85**	72.04
	च) कटौती लागत/(जमा)	**-**	-
	छ) निपटान लागत/(जमा)	**-**	-
	ज) अदा किया गया लाभ	**-239.80**	-240.70
	झ) बीमांकिक (लाभ)/हानि	**68.47**	157.12
	ञ) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1828.21**	1770.22
2	योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन		
	क) प्रारंभ में योजना परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य	**1770.26**	637.62
	ख) अधिग्रहण समायोजना	**-**	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	**150.47**	54.20
	घ) अंशदान	**-**	1019.83
	ङ) अदा किए गए लाभ	**-239.80**	-240.70
	च) योजना परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लाभ/(हानि)	**-3.53**	82.27
	छ) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**1677.40**	1553.22
3	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		
	क) प्रारंभ में योजना परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य	**1770.26**	637.62
	ख) अधिग्रहण समायोजना	**-**	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	**146.94**	136.47
	घ) अंशदान	**-**	1019.83
	ङ) अदा किए गए लाभ	**-239.80**	-240.70
	च) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**1677.40**	1553.22
	छ) वित्तपोषित स्थिति	**-150.81**	-217.00
	ज) योजना परिसंपत्तियों के अनुमानित प्रतिफल पर वास्तविक से अधिक राशि	**-3.53**	82.27
4	माना गया बीमांकिक लाभ/हानि		
	क) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि) दायित्व	**-68.47**	-157.12
	ख) अवधि के लिए बीमांकिक (लाभ/(हानि) – योजना परिसंपत्तियां	**3.53**	-82.27
	ग) वर्ष के लिए (लाभ)/हानि	**72.00**	74.85
	घ) अवधि के लिए माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	**72.00**	74.85
	ङ) अवधि के अंत में नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	**-**	-
5	तुलन पत्र और लाभ एवं हानि विवरण में मानी गई राशि		
	क) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1828.21**	1770.22
	ख) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**1677.40**	1553.22

	ग) वित्तपोषण की स्थिति	**-150.81**	-217.00
	घ) अनुमानित के स्थान पर वास्तविक से अधिक	**-3.53**	82.27
	ङ) न माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	**-**	-
	च) तुलन पत्र में मानी गई निवल परिसंपत्तियां/(देयता)	**-150.81**	-217.00
6	लाभ और हानि विवरण में माना गया व्यय		
	क) वर्तमान सेवा लागत	**78.85**	72.04
	ख) सेवा उपरांत लागत	**-**	-
	ग) ब्याज लागत	**150.47**	124.31
	घ) योजना परिसंपत्तियों से अपेक्षित रिटर्न	**-150.47**	-54.20
	ङ) कटौती लागत/(जमा)	**-**	-
	च) निपटान लागत/(जमा)	**-**	-
	छ) अवधि में माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	**72.00**	74.85
	ज) लाभ और हानि से विवरण में माना गया व्यय	**150.85**	217.00

पूर्वानुमान–बट्टा दर – 8.50 प्रतिशत (पिछले वर्ष 7.50 प्रतिशत), भावी वेतन वृद्धि 6.00 प्रतिशत (पिछले वर्ष 5.00 प्रतिशत), योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल की प्रत्याशित दर – 8.50 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.50 प्रतिशत)

ख)	**सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना**		(₹ करोड)
1	दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	**2011-12**	**2010-11**
	क) प्रारंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**951.35**	860.43
	ख) अधिग्रहण समायोजन	**0.00**	0.00
	ग) ब्याज लागत	**80.86**	64.53
	घ) पूर्व सेवा लागत	**0.00**	0.00
	ङ) वर्तमान सेवा लागत	**18.54**	17.19
	च) कटौती लागत/(जमा)	**0.00**	0.00
	छ) निपटान लागत/(जमा)	**0.00**	0.00
	ज) अदा किया गया लाभ	**-56.54**	-36.10
	झ) बीमांकिक (लाभ)/हानि	**74.90**	45.30
	ञ) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1069.10**	951.35
2	योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	**-**	-
3	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**-**	-
	वित्तपोषित स्थिति	**-1069.10**	-951.35
4	माना गया बीमांकिक लाभ/हानि		
	क) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि) दायित्व	**74.90**	45.30
	ख) अवधि के लिए बीमांकिक (लाभ/हानि) – योजना परिसंपत्तियां	**-**	-
	ग) वित्तपोषण की स्थिति	**74.90**	45.30
	घ) तुलना पत्र में मानी गई निवल परिसंपत्तियां/(देयता)	**74.90**	45.30
	ङ) अवधि के अंत में नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	**-**	-

5	तुलन पत्र और लाभ एवं हानि वितरण में मानी गई राशि		
	क) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1069.10**	951.35
	ख) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों/(दायित्व)	**-**	-
	ग) वित्तपोषण की स्थिति	**-1069.10**	-951.35
	घ) अवधि के लिए माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	**-1069.10**	-951.35
6	लाभ और हानि विवरण में माना गया व्यय		
	क) वर्तमान सेवा लागत	**18.54**	17.19
	ख) ब्याज लागत	**80.86**	64.53
	ग) अवधि में माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	**74.90**	45.30
	घ) लाभ और हानि के विवरण में माना गया व्यय	**174.30**	127.02

ग) दीर्घावधि छुट्टी देयता (नकदीकरण योग्य छुट्टी/गैर–नकदीकरण योग्य छुट्टी /अर्धवेतन छुट्टी) (₹ करोड़ में)

छुट्टी देयता को दीर्घ अवधि लाभ माना गया है और प्रक्षेपित इकाई क्रेडिट बीमांकिक पद्धति का उपयोग करते हुए उसका निर्धारण किया गया है।

1	दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	**2011-12**	**2010-11**
	क) प्रारंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1192.95**	1294.22
	ख) अधिग्रहण समायोजन	**-**	-
	ग) ब्याज लागत	**101.40**	97.07
	घ) पूव सेवा लागत	**-**	-
	ङ) वर्तमान सेवा लागत	**42.84**	87.53
	च) कटौती लागत/(जमा)	**-**	-
	छ) निपटान लागत/(जमा)	**-**	-
	ज) अदा किया गया लाभ	**-259.62**	-207.59
	झ) बीमांकिक (लाभ)/हानि	**121.65**	-78.27
	ट) अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1199.22**	1192.95
2	योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	**-**	-
	क) योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**-**	-
	ख) अधिग्रहण समायोजन	-	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों से अपेक्षित रिटर्न	**-**	-
	घ) अंशदान	**-**	-
	ड़) भुगतान किया गया लाभ	**-**	-
	च) योजना परिसंपत्तियों पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	**-**	-
	छ) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**-**	-
3	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		
	क) प्रारंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**-**	-
	ख) अधिग्रहण समायोजना	**-**	-
	ग) योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	**-**	-
	घ) अंशदान	**-**	-

	ङ) अदा किए गए लाभ	**-**	-
	च) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**-**	-
	छ) वित्तपोषित स्थिति	**-1199.22**	-1192.95
	ज) योजना परिसंपत्तियों की अनुमानित वापसी से ऊपर वास्तविक अधिकता	**-**	-
4	माना गया बीमांकिक लाभ/हानि		
	क) अवधि के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि) दायित्व	**-121.65**	78.28
	ख) अवधि के लिए बीमांकिक (लाभ/(हानि) – योजना परिसंपत्तियां	**-**	-
	ग) वर्ष के लिए (लाभ)/हानि	**121.65**	-78.28
	घ) अवधि के लिए माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	**121.65**	-78.28
	ङ) अवधि के अंत में नहीं माना गया बीमांकिक (लाभ)/हानि	**-**	-
5	तुलन पत्र और लाभ एवं हानि विवरण में मानी गई राशि		
	क) वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**1199.22**	1192.95
	ख) वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**-**	-
	ग) वित्तपोषण की स्थिति	**-1199.22**	-1192.95
	घ) अनुमानित के स्थान पर वास्तविक से अधिक	**-**	-
	ङ) न माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	**-**	-
	च) तुलन पत्र में मानी गई निवल परिसंपत्तियां/(देयता)	**-1199.22**	-1192.95
6	लाभ और हानि विवरण में माना गया व्यय		
	क) वर्तमान सेवा लागत	**42.84**	87.53
	ख) पूर्व सेवा लागत	**-**	-
	ग) ब्याज लागत	**101.40**	97.07
	घ) योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित वापसी	**-**	-
	ङ) कटौती लागत/(जमा)	**-**	-
	च) निपटान लागत/(जमा)	**-**	-
	छ) अवधि में माना गया निवल बीमांकिक (लाभ)/हानि	**121.65**	-78.28
	ज) लाभ और हानि से विवरण में माना गया व्यय	**265.89**	106.32

घ) एएस–15(आर) पर दिशानिर्देशन टिप्पणी के अनुरूप, कंपनी ने यूनिटों/क्षेत्रों के पीएफ ट्रस्टों के संबंध में भविष्य निधि का बीमांकिक मूल्यांकन कराया है। बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाण–पत्र के अनुसार संभावित ब्याज में कमी की प्रतिपूर्ति कंपनी द्वारा पीएफ ट्रस्ट को की जानी है, जिसका लेखों में प्रावधान किया गया है।

वर्ष के लिए बीमांकिक मूल्यांकन पर आधारित पीएफ ब्याज देनदारी में कमी हेतु प्रावधान (निकासी) किया गया।	₹ करोड़	**4.96**	11.04
बीमांकिक मूल्यांकन पर आधारित पीएफ ब्याज देयता में कमी हेतु संचयी प्रावधान	₹ करोड़	**32.14**	27.18

19 संबद्ध पार्टियों के साथ लेन–देन:

i) संबद्ध पार्टियां, जहाँ नियंत्रण मौजूद है (संयुक्त उद्यम):

पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड

बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड

एनटीपीसी–बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड
उडनगुडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड
बराक पॉवर प्राईवेट लिमिटेड(11.10.2011 से बंद)
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड
दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड
लातूर पावर कंपनी लिमि(06.04.2011)

ii) अन्य संबद्ध पार्टियां (मुख्य प्रबन्धन कार्मिक – कार्यात्मक निदेशक मौजूदा और सेवानिवृत्त)

सर्वश्री बी. पी. राव, अनिल सचदेव(31.03.2012 तक), अतुल सराया, ओ. पी. भुटानी और एम. के. दूबे (25.06.2011 से) और पी. के. बाजपेई (01.07.2011 से)

iii) लेन–देन का ब्योरा

संयुक्त उद्यम		2011-12	2010-11
वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री	₹ करोड़	**98.14**	76.06
माल एवं सेवाओं की बिक्री	₹ करोड़	**654.23**	67.28
सेवाएँ प्राप्त करना	₹ करोड़	**97.52**	25.24
लाभांश आय	₹ करोड़	**46.98**	101.18
रॉयल्टी आय	₹ करोड़	**16.96**	14.99
शेयरों की खरीद	₹ करोड़	**0.63**	0.78
शेयरों की खरीद	₹ करोड़	**22.50**	354.02
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशियाँ	₹ करोड़	**595.06**	59.68
वर्ष के अंत में बीएचईएल से देय राशि(अग्रिमों सहित)	₹ करोड़	**1022.24**	145.01
शेयर जारी करने के लिए अग्रिम जमा	₹ करोड़	**0.00**	0.00
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	₹ करोड़	**0.76**	0.02
दिए गए अग्रिम	₹ करोड़	**8.36**	27.04
नोटः प्रमुख लेन–देन बीजीजीटीस, एनबीपीपीएल और रायचूर पावर कॉपोटरेशन लि. के साथ है।			
प्रमुख प्रावधान कर्मचारी (केएमपी)			
वेतन का भुगतान	₹ करोड़	**2.54**	2.02
केएमपी के संबंधी			
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशि	₹ करोड़	**0.00**	0.01
वेतन का भुगतान	₹ करोड़	**0.20**	0.20

20 पट्टा

1 अप्रैल, 2001 को अथवा उसके बाद वित्त पट्टा पर ली गई परिसंपत्तियों के ब्यौरे निम्नलिखित हैं–

i) <u>वित्तीय पट्टा</u>:

क. न्यूनतम पट्टा भुगतानों का बकाया शेष		2011-12	2010-11
एक वर्ष से अधिक नहीं	₹ करोड़	**81.80**	65.52
एक वर्ष से अधिक किंतु पाँच वर्ष तक	₹ करोड़	**143.89**	120.30
पाँच वर्ष से अधिक	₹ करोड़	**0.00**	0.00
तुलन पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	₹ करोड़	**225.69**	185.82

ख.	उक्त (क) का वर्तमान मूल्य			
	एक वर्ष से अधिक नहीं	₹ करोड़	**62.43**	55.12
	एक वर्ष से अधिक, किंतु पाँच वर्ष तक	₹ करोड़	**123.43**	102.14
	पाँच वर्ष से अधिक	₹ करोड़	**0.00**	0.00
	तुलन पत्र की तारीख को कुल वर्तमान मूल्य	₹ करोड़	**185.86**	157.26
ग. 1	वित्त प्रभार	₹ करोड़	**39.83**	28.56
ग. 2	अवशिष्ट मूल्य, यदि कोई है, तो उसका वर्तमान मूल्य	₹ करोड़	**0.01**	0.01

ii) कंपनी में कर्मचारियों के लिए मकानों, कार्यालय भवनों और ईडीपी उपस्करों को रद्द करने योग्य तथा रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे पर लेने की परंपरा है।

iii)	<u>प्रचालन पट्टा</u>		**2011-12**	**2010-11**
	रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे के अंतर्गत भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान निम्नानुसार है:			
	एक वर्ष तक	₹ करोड़	**3.97**	3.75
	एक वर्ष से अधिक किंतु पाँच वर्ष तक	₹ करोड़	**3.29**	6.25
	पांच वर्ष से अधिक	₹ करोड़	**0.79**	0.85
iv)	1.4.2001 से पहले पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के किराये के विवरण नीचे दिए गए हैं:			
	परिसंपत्तियों की लागत			
	भूमि तथा भवन	₹ करोड़	**0.01**	0.01
	कम्प्यूटर तथा सहायक उपकरण	₹ करोड़	**0.00**	0.00
	पट्टे की असमाप्त अवधि पर देय किराया			
	भूमि तथा भवन	₹ करोड़	**0.02**	0.02
	कम्प्यूटर तथा सहायक उपकरण	₹ करोड़	**0.00**	0.00

21 प्रति शेयर अर्जन

		2011-12	**2010-11**
वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (क)	संख्या करोड़ में	**244.760**	48.952
इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य	(₹)	**2.00**	10.00
वर्ष के लिए वित्त लाभ (ख)	(₹ करोड़)	**7039.96**	6011.20
प्रति शेयर मूल एवं विलयित अर्जन (ख)/(क)	(₹)	**28.76**	122.80
प्रति शेयर मूल एवं विलयित अर्जन (ख)/(क) – पुनःविनिर्दिष्ट	(₹)	**28.76**	24.56

क) वर्ष के दौरान कंपनी ने ₹10/– के फेस वैल्यू के वर्तमान इक्विटी शेयरों को ₹ 2/– के फेस वैल्यू के 5 इक्विटी शेयरों के रूप में उप विभाजित किया गया है और रिकार्ड तिथि 04.10.2011 निर्धारित की गई है। अतः पूर्ववर्ती वर्ष की मूल और प्रति शेयर तदानुसार प्रति शेयर आय पुनर्लिखित की गई हे।

21.1 कंपनी ने भारत सरकार की शेयरधारिता में से प्रदत्त इक्विटी पूंजी का 5 प्रतिशत विनिवेश करने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट हेरिंग प्रॉस्पैक्टस (डीआरएचपी) दिनांक 30.09.2011 दायर किया है। भारी उद्योग विभाग/विनिवेश विभाग से एफपीओ के लिए डीआरएचपी की वापसी के लिए 'अनापत्ति' की प्राप्ति के फलस्वरूप, निदेशक मंडल ने 03.04.2012 को अपनी बैठक में कंपनी द्वारा सेबी के पास दायर डीआरएचपी की वापसी का अनुमोदन कर दिया है।

22 संयुक्त उद्यम

भारतीय चाटर्ड लेखाकार सस्थान द्वारा जारी लेखांकन स्टैंडर्ड 27 के अनुपालन में संयुक्त उद्यमों कें संबध में संगत प्रकटन इस प्रकार है :

क) संयुक्त उद्यम का नाम	निगमन का देश	स्मात्वि का अनुपात 2011-12	2010-11
पॉवर प्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमि.	भारत }	एक शेयर	एक शेयर
बीएचईएल–जीईई गैस टर्बाइन सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड	भारत }	50%से कम	50%से कम
एनटीपीसी–बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	50%	50%
उडनगुडी पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	भारत	50%	50%
लातूर पावर कंपनी लिमि.	भारत	50%	50%
रायचूर पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	भारत	46%	50%
दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड	भारत	50%	50%

ख) पीपीआईएल में निवेश उद्यमों के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान किया गया है, क्योंकि कंपनी परिसमापन में है और इक्विटी के साथ में प्रदत्त राशि वसूली योग्य नहीं है। बराक पावर प्रा. लिमि में निवेश बंद कर दिया गया है क्योंकि कंपनी 11.10.2011 से बंद कर दी गई है।

ग) लेखों के अनुसार संयुक्त उद्यमों में कंपनी की कुल ब्याज राशि निम्नलिखित है:

बीएचईएल–जीई गैस टरबाईन सर्विसेज प्रा. लि. (₹करोड़)

	2011-12	2010-11
स्थायी परिसंपत्तियां	**4.40**	3.86
निवल चालू परिसंपत्तियां	**50.17**	36.09
ऋण निधियाँ	**0.22**	0.17
बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	**0.00**	0.00
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	**2.11**	1.56
शेयरधारकों की निधियाँ	**57.24**	45.67
आय	**260.56**	212.13
व्यय	**215.35**	169.12
आकस्मिक देयताएँ	**6.04**	3.05
पूंजीगत प्रतिबद्धताएँ	**0.18**	0.77

एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. (₹करोड़)

	2011-12	2010-11
स्थायी परिसंपत्तियां	**12.90**	2.79
निवल चालू परिसंपत्तियां	**21.11**	22.05
ऋण निधियाँ	**0.05**	0.09
बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	**0.00**	0.00

आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	**1.13**	0.06
शेयरधारकों की निधियाँ	**33.15**	26.61
आय	**73.46**	54.61
व्यय	**64.74**	46.51
आकस्मिक देयताएँ	**4.81**	1.72
पूंजीगत प्रतिबद्धताएँ	**15.26**	22.58

उडनगुड़ी पावर कॉर्पोरेशन लि. (₹ करोड़)

	2011-12*	**2010-11**
स्थायी परिसंपत्तियां	**35.42**	30.82
निवल चालू परिसंपत्तियां	**-2.64**	1.91
ऋण निधियाँ	**0.00**	0.00
बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	**0.00**	0.00
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	**0.00**	0.00
शेयरधारकों की निधियाँ	**32.78**	32.73
आय	**0.08**	0.11
व्यय	**0.00**	0.00
आकस्मिक देयताएँ	**0.00**	0.00
पूंजीगत प्रतिबद्धताएँ	**0.00**	6.74

2011–12 के आंकड़े अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर आधारित हैं

रायचूर पॉवर कॉर्पोरेशन लि. (₹ करोड़)

	2011-12*	**2010-11**
स्थायी परिसंपत्तियां	**678.11**	426.16
निवल चालू परिसंपत्तिया	**-167.89**	-88.25
ऋण निधियाँ	**159.52**	0.00
बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	**0.00**	0.00
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	**0.00**	0.00
शेयरधारकों की निधियाँ	**333.91**	331.52
आय	**0.06**	0.22
व्यय	**21.73**	4.26

2011–12 के आंकड़े अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर आधारित हैं

दादा धूनीवाले खंडवा पॉवर लिमिटेड (₹ करोड़)

	2011-12*	**2010-11**
स्थायी परिसंपत्तियां	**0.38**	0.12
निवल चालू परिसंपत्तिया	**4.48**	2.22

ऋण निधियाँ	**0.00**	0.00
बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	**0.00**	0.00
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	**0.00**	0.00
शेयरधारकों की निधियाँ	**22.63**	2.35
आय	**0.40**	0.12
व्यय	**0.00**	0.23

2011–12 के आंकड़े अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर आधारित हैं

लातूर पावर कार्पोरेशन लिमि. (₹ करोड़)

	2011-12
स्थायी परिसंपत्तियां	**0.00**
निवल चालू परिसंपत्तियां	**2.32**
ऋण निधियाँ	**0.00**
बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	**0.28**
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	**0.00**
शेयरधारकों की निधियाँ	**2.60**
आय	**0.14**
व्यय	**0.00**
आकस्मिक देयताएं	**0.00**
पूंजी वचनबद्धता	**15.00**

लातूर पावर कंपनी लिमि. का गठन 06.04.2011 को किया गया था। अतएव कंपनी का पहला लेखा–जोखा 06.04.2011 से 31.03.2012 तक तैयार किया गया है।

23 स्टॉक एक्सचेंजों के साथ किए गए सूचीकरण करार के अनुसार कंपनी द्वारा दिए गए ऋण तथा अग्रिमों का उचित ब्यौरा नीचे दिया गया है–

i) सहायक कंपनी के संबंध में

(₹ करोड़)

	2011-12	**2010-11**
भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड (ब्याज मुक्त)		
ऋण और अग्रिम बकाया ऋणों के रूप में	**218.87**	217.54
वर्ष के दौरान ऋण के रूप में ऋण तथा अग्रिमों की अधिकतम बकाया राशि	**218.87**	217.54
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स मशीन्स लिमिटेड		
ऋण के रूप में ऋण तथा अग्रिमों की बकाया राशि	**1.70**	-
वर्ष के दौरान ऋण के रूप में ऋण तथा अग्रिमों की अधिकतम बकाया राशि	**1.70**	-

ii) कोई भी ऋण (कर्मचारियों को दिए गए ऋणों को छोड़कर) नहीं दिया गया है जिनमें कोई वापसी भुगतान समय–अनुसूची अथवा सात वर्षों के बाद वापसी भुगतान नहीं हैं, और

iii) फ़र्मों/कंपनियों, जिनमें निदेशकों का हित है, को ऋणों की प्रकृति का कोई ऋण और अग्रिम नहीं है

24 लेखाकरण मानक–29 से संबंधित प्रकटन

			(₹ करोड़)
क)	**निर्णीत हर्जाना**	**2011-12**	**2010-11**
	प्रारंभिक	**697.96**	483.25
	परिवर्धन	**555.86**	282.61
	उपयोग/बट्टा खाते/भुगतान	**-74.56**	-20.03
	आहरण/समायोजन	**-41.82**	-47.87
	अंतिम शेष	**1137.44**	697.96
	संविदागत दायित्व		
	प्रारंभिक	**2982.16**	895.36
	परिवर्धन	**1193.73**	2687.58
	उपयोग/बट्टा खाते/भुगतान	**-133.48**	-99.09
	राशि, निकाली/समायोजन	**-191.50**	-501.69
	अंतिम शेष	**3850.91**	2982.16

ख) निर्णीत हर्जाना कंपनी की लेखाकरण नीति के अनुरूप प्रदान किया जाता है और भुगतान के समय अथवा अन्यथा उचित रूप से विचार किया जाता है। निर्णीत हर्जाने से संबंधित आकस्मिक देयता अनुसूची–31 की टिप्पणी सं. 5 में दर्शाई गई है।

ग) संविदात्मक दायित्व के लिए प्रावधान संविदा के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार वारंटी के दायित्व की पूर्ति के लिए महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 14 अनुसूची नं. 1 के अनुरूप संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत की दर पर किया जाता है। उसे संविदा के वारंटी दायित्वों के पूरा हाने तक प्रतिधारित किया जाता है। वास्तविक वारंटी दायित्व संबंधित संविदा की शर्तों पर निर्भर करते हुए संविदा दर संविदा और वर्ष दर वर्ष भिन्न हो सकता है।

25 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष से वित्तीय विवरण कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा लागू कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार किया गया है। तदनुरूप परिसंपत्तियों और देनदारियों को 12 माह की अवधि के प्रचालन चक्रम के रूप में विचारित चालू और गैर चालू के बीच वर्गीकृत किया गया है। संषोधित अनुसूची VI की अनुपालना वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए अनुपालित पहचान एवं मापन को प्रभावित नहीं करती। लेकिन इसका वित्तीय विवरणों में प्रस्तुतिकरण और प्रकटन पर प्रभाव होता है। परिणामस्वरूप कंपनी ने इस वर्ष के आंकड़ों की पुष्टि के लिए पिछले साल के आंकड़े पुन–वर्गीकृत किए हैं।

26 ₹ एक लाख से कम व्यय और आय की मद पर पूर्वावधि मदों को अधीन बुक करने के लिए विचार नहीं किया गया है।

27. खंड सूचना

(₹ करोड़)

	31.3.2012 को समाप्त वर्ष के लिए			31.3.2011 को समाप्त वर्ष के लिए		
क. प्राथमिक खंड – व्यावसायिक खंड						
	विद्युत	**उद्योग**	**योग**	**विद्युत**	**उद्योग**	**योग**
I. **खंड राजस्व**						
क. खंड राजस्व	37862.87	11658.86	**49521.73**	33165.45	10214.44	43379.89
ख. प्रचालन राजस्व – बाह्य	37862.87	11658.86	**49521.73**	33165.45	10214.44	43379.89
II. **खंड राजस्व**						
क. खंड परिणाम	8183.81	3342.42	**11526.23**	7935.07	2282.21	10217.28
ख. अनाबंटित व्यय (आय का निवल)			**1172.69**			1157.11
ग. ब्याज पूर्व लाभ, डीआरई एवं आय कर (क) – (ख)			**10353.54**			9060.17
घ. ब्याज			**51.28**			54.73
ङ. आय कर पूर्व निवल लाभ (ग) – (घ)			**10302.26**			9005.44
च. आय कर			**3262.30**			2994.24
छ. आय कर पश्चात निवल लाभ			**7039.96**			6011.20
III **परिसंपत्तियाँ तथा देयताएँ**						
क. खंड परिस्थितियाँ	44134.64	13430.20	**57564.84**	35367.69	11021.75	46389.44
ख. अनाबंटित परिस्थितियाँ			**9211.18**			12870.85
ग. कुल परिसंपत्तियाँ			**66776.02**			59260.29
घ. खंड देयताएँ	31973.02	8074.50	**40047.52**	29405.57	7172.56	36578.13
ङ. अनाबंटित देयताएँ			**1355.29**			2528.32
च. कुल देयताएँ			**41402.81**			39106.45
IV **अन्य सूचना**						
क. स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण की अवधि के दौरान व्यय की गई लागत (सीडब्ल्यूआईपी सहित)	792.95	434.94		1186.39	455.99	
ख. मूल्यह्रास	598.46	150.75		408.18	122.05	
ग. गैर नकद व्यय (मूल्यह्रास के अतिरिक्त)	1397.25	120.37		2256.87	412.98	
ख. अनुपूरक खंड – भौगोलिक क्षेत्र						
	भारत में	भारत के बाहर	**कुल**	भारत में	भारत के बाहर	कुल
1 निवल बिक्री/प्रचालनों से आय	48059.05	1462.68	**49521.73**	41979.58	1400.31	43379.89
2 कुल परिसंपत्तियाँ	66297.33	478.69	**66776.02**	58862.41	397.88	59260.29
3 स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण की अवधि के दौरान व्यय की गई लागत	1263.95	0.15	**1264.10**	1680.31	1.42	1681.73

प्रारंभिक खंडों की संबंधित व्यवसाय क्षेत्रों द्वारा बुक किए गए आर्डर्स के आधार पर 'विद्युत' और 'उद्योग' के रूप में पहचान की गई है। अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन समूह द्वारा बुक किए गए आदेश विद्युत या उद्योग, जो भी मामला हो, के अंतर्गत लिए जाते हैं।

28. अन्य सूचना

क. बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(₹ करोड)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2011–12 के दौरान बिक्री		01.04.2011 का तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.03.2012 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
एचईपी, भोपाल							
स्विचगीयर, कन्ट्रोल गीयर,रेक्टिफ़ायर, कैपेसिटर्स							
स्विचगीयर – 11 के. वी. से 220 के. वी.	सं.	3972	306.87	29	1.64	16	0.67
उच्च गति वाले एयर ब्लास्ट सर्किट ब्रेकर्स		(2726)	(299.38)	0	0.00	(29)	(1.64)
कंट्रोल पैनल	सं.	250	69.79	0	0.02	0	0.08
		(351)	(89.01)	(2)	(0.34)	0	(0.02)
औद्योगिक कंट्रोल गीयर	सं.	0	15.13	0	0.00	0	0.00
		0	(24.01)	0	0.00	0	0.00
ए. सी., डी. सी. तथा डीज़ल प्रणाली के लिए	सेट	247	164.56	8	1.07	0	0.92
ट्रैक्शन कंट्रोल गीयर		(128)	(119.80)	(1)	(0.11)	(8)	(1.07)
इलेक्ट्रॉनिक्स सहित रेक्टीफ़ायर	सं.	357	107.29	0	0.00	0	0.00
		(593)	(140.03)	(5)	(0.57)	0	0.00
कैपेसिटर्स	एमवीए आर	1590	12.39	23	0.45	27	0.28
	एमवीए आर	(2686)	(20.66)	(100)	(1.28)	(23)	(0.45)
बुशिंग्स		0	20.73	0	0.18	0	0.20
		0	(23.43)	0	0.00	0	(0.18)
ट्रांसफ़ॉर्मर्स							
पॉवर ट्रांसफ़ॉर्मर्स (400 के. वी. तक)	एमवीए	23389	851.44	540	13.25	311	22.73
	एमवीए	(17752)	(702.90)	0	(0.12)	(540)	(13.25)
इंस्ट्रुमेंट, वेल्डिंग, ट्रांसफ़ॉर्मर्स	एमवीए	0	16.32	0	0.03	0	0.19
तथा रिएक्टर्स	सं.	354		25		24	
	एमवीए	0	(15.37)	0	0.00	(0)	(0.03)
	सं.	(389)		0	0.00	(25)	
औद्योगिक एवं ट्रैक्शन मशीनें							
एसी, डीसी तथा डीज़ल प्रणाली, मुख्य/	सं.	2009	493.35	30	4.50	0	10.79
सहायक जेनरेटरों के लिए ट्रैक्शन मोटरें		(2113)	(539.46)	(30)	(3.83)	(30)	(4.50)
औद्योगिक मशीनें, 1000 एच. पी. तक की एसी	सं.	1392	383.25	37	5.94	108	12.18
मोटरें, सभी प्रकार की डीसी मोटरे		(1319)	(348.57)	(37)	(5.15)	(37)	(5.94)
तथा जेनरेटर							
हेवी रोटेटिंग प्लांट तथा टर्बाइन							
1000 एचपी से अधिक बड़ी	सं.	389	432.08	10	11.46	30	17.42
इलेक्ट्रिकल मशीनें		(383)	(347.28)	(7)	(3.03)	(10)	(11.46)
वाटर व्हील आल्टर्नेटर्स तथा वाटर	सं./	22	467.85	12	52.98	0	50.94
टर्बाइन और मिनी माइक्रो टर्बाइन	एमडब्ल्यू	854	0.00				
एवं जेनरेटर	सं./	9	275.18	0	32.35	0	39.16
	एमडब्ल्यू	380					
	सं./	(15)	(347.08)	0	(4.08)	0	(32.35)
	एमडब्ल्यू	(1149)					
	सं./	(2)	(403.88)	0	(11.93)	(12)	(52.98)
	एमडब्ल्यू	(1256)					
टर्बो आल्टर्नेटर्स तथा	सेट	2	465.12	0	1.43	0	4.05
स्टीम टर्बाइन	सेट	0	(174.08)	0	0.00	0	0.00
हीट एक्सचेंजर्स	सं.	46	264.24	0	0.00	0	0.00
	सं.	(42)	(258.92)	0	(0.44)	0	(1.43)
अन्य			222.27		0.63		0.35
			(206.28)		(0.90)		(0.63)
		कुल	**4567.86**		**125.93**		**159.96**

(₹ करोड़)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2011–12 के दौरान बिक्री		01.04.2011 का तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.03.2012 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
टीपी, झांसी							
पावर ट्रांसफ़ॉर्मर्स	सं.	157	548.18	4	14.03		
एवं विशेष ट्रांसफ़ॉर्मर्स		(149)	(443.91)	(2)	(1.53)	(4)	(14.03)
ईएसपी ट्रांसफ़ॉर्मर्स	सं.	1280	142.83	4	0.15	4	0.19
		(1232)	(121.67)	(8)	(0.51)	(4)	(0.15)
एसीईएमयू, ट्रांसफ़ॉर्मस	सं.	17	3.12				
		(5)	(1.45)	0	0.00	0	0.00
फ्रेट लोको ट्रांसफ़ॉर्मर्स	सं.	67	51.25			8	6.49
		(76)	(32.89)	0	0.00	0	0.00
इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफ़ॉर्मर्स	सं.	335	7.36	0	0.00		
		(462)	(21.48)	(6)	(0.15)	0	0.00
बस डक्ट	सं./सेट		0.67				
		0	(1.52)	0	0.00	0	0.00
ड्राई टाइप ट्रांसफ़ॉर्मर्स	सं.	88	38.02	2	0.07		
		(162)	(58.74)	(2)	(0.07)	(2)	(0.07)
डीज़ल शटर्स	सं.	10	32.02	0	0.00		
		(7)	(29.26)	(1)	(0.00)	0	0.00
ए सी लोको	सं.	53	367.96	1	5.62		
		(30)	(198.09)	0	0.00	(1)	(5.62)
अन्य / विविध	सं.		22.68		1.47		0.31
		0	(13.64)	0	0.00	0	(1.47)
		कुल	**1214.09**		**21.34**		**6.99**
एचईईपी, हरिद्वार							
इलेक्ट्रिकल मशीनें	एमडब्ल्यू/सं.			1/2	0.22	1/2	0.22
		0.00	0.00	(1/2)	(0.22)	(1/2)	(0.22)
औद्योगिक कंट्रोल पैनल	सं.			3	0.18	3.00	0.19
		0.00	0.00	(3)	(0.19)	(3)	(0.18)
टर्बो सेट							
टबाईन मॉड्यूल्स	एमडब्ल्यू/सं.	8356/131				99/3	
		(7018/106)	4816.67	(137/2)	12.89		69.07
हाइड्रो सेट	एमडब्ल्यू/सं.	3498/28	(3599.90)		(31.48)		(12.89)
		(2833/24)		(41/0.5)			
टर्बोजनरेटर मॉडॅयूल्स	एमडब्ल्यू/सं.		4.07	0	0.05		
		(200/2)	(11.10)	0	(0.14)	0	(0.05)
सुपर रेपिड गन माउंट	सं.	3	111.83	0	0.00		
		(2)	(53.11)	0	0.00	0	0.00
गैस टर्बाइन	एमडब्ल्यू/सं.		4.06	0	0.00		
		0.00	(46.53)	0	0.00	0	0.00
अन्य			475.72	0	12.29		22.70
		0.00	(519.94)	0	(7.60)	0	(12.29)
		कुल	**5412.35**		**25.63**		**92.18**

(₹ करोड)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2011–12 के दौरान बिक्री		01.04.2011 का तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.03.2012 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
एचपीबीपी, तिरुचि							
बॉयलर	एमटी	692272	13953.26	21717	328.53	16047	285.09
		(597345)	(11793.58)	(23123)	(337.78)	(21717)	(328.53)
वॉल्व	सं.	155976	552.14	6541	12.07	2341	45.55
		(123128)	(457.69)	(5025)	(15.43)	(6541)	(12.07)
परीक्षण तथा अन्य			6.10	0	0.00		
सेवाओं से आय		0	(6.55)	0	0.00	0	0.00
सीमलेस स्टील ट्यूब	एमटी	41	0.72				
		(98)	(1.31)				
		कुल	**14512.22**		**340.60**		**330.64**
बीएपी, रानीपेट							
बॉयलर ऑग्ज़िलरी	एमटी	304303	4201.22	23279	173.15	37701	256.25
		(281923)	(3573.62)	(12738)	(95.56)	(23279)	(173.15)
विंड मिल	एमटी	0	0.00	0	0.00	0.00	0.00
		0	(0.03)	0	0.00	0.00	0.00
परीक्षण तथा अन्य			5.25				
अन्य सेवाएं		0	(3.03)	0	0.00	0.00	0.00
सेवाओं से आय			0.24				
बाहरी इरेक्शन तथा अन्य		0	(0.84)	0	0.00	0.00	0.00
		कुल	**4206.71**		**173.15**		**256.25**
एचपीईपी, हैदराबाद							
60 एमडब्ल्यू सेट	सं.	P	1065.66	7P	8.63	1P	12.11
यूटिलिटी सेट		(3P)	(518.00)	(1P)	(12.04)	(7P)	(8.63)
लघु तथा मध्यम सेट्स	सं.	12P	276.56	7P	6.47	1P	11.11
		(14P)	(498.37)	(1P)	(12.29)	(7P)	(6.47)
पम्प तथा हीटर	सं.	8P	1138.43	2P	3.46	7P	2.49
		(9P)	(1034.79)	(3P)	(5.18)	(2P)	(3.46)
कम्प्रेसर	सं.	7P	655.20	3P	4.61	P	17.78
		(20P)	(596.10)	(1)	(7.56)	(3P)	(4.61)
गैस टर्बाइन	सं.	10P	2475.10	3P	102.30	P	6.97
		(9P)	(2930.91)	(2P)	(2.70)	(3P)	(102.30)
बॉउल मिल्स	सं.	19P	1260.15	0.00	0.00		
		(10P)	(899.35)	(3.00)	(1.20)	0.00	0.00
हीट एक्सचेंजर्स	सं.	P	1.65	0.00	0.00		
		(P)	(23.64)	0.00	0.00	0.00	0.00
इरेक्शन आय			40.90		0.00		
			(18.66)		0.00		0.00
कास्टिंग			3.29		0.00		
			(2.65)		0.00		0.00
ब्रेकर	सं.	16	9.09				
		(5)	(10.36)	0	0.00		0.00
ऑयल रिग्स	सं.	P	74.56				
		(P)	(116.40)				
		कुल	**7000.59**		**125.47**		**50.46**

(₹ करोड)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2011–12 के दौरान बिक्री		01.04.2011 का तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.03.2012 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
आईएसजी, बेंगलुरू							
अन्य सेवाएँ			999.29	0.00	0.00	0.00	0.00
		0	(686.89)	0	0.00	0	0.00
		कुल	**999.29**		**0.00**		**0.00**
ईडीएन, बेंगलुरू							
पावर डिवाइसिस*	सं.	7461	1.89	72	0.29	129	0.06
		(6252)	(1.09)	(146)	(0.19)	(72)	(0.29)
फ़ोटोवोल्टेइक्स	के. डब्ल्यू.	17521	267.55	1	0.01	1	0.01
		(4699)	(68.06)	0	0.00	(1)	(0.01)
कंट्रोल उपकरण	क्यूबिकल्स	5650	1950.59	19	11.79	176	26.49
		(5983)	(1875.63)	(20)	(3.58)	(19)	(11.79)
		कुल	**2220.03**		**12.09**		**26.56**
ईपीडी, बेंगलुरू							
इंसुलेटर्स तथा बुशिंग	एमटी	7970	123.22	595	9.13	513	5.25
		(8058)	(120.26)	(397)	(4.33)	(595)	(9.13)
सेरालिन	एमटी	4020	97.25	388	3.55	28	0.35
		(3085)	(65.35)	(60)	(0.56)	(388)	(3.55)
परीक्षण तथा			0.03	0	0.00		
अन्य सेवाओं से आय		(0)	(2.10)	(0)	(0.00)	(0)	(0.00)
		कुल	**220.50**		**12.68**		**5.60**
पॉवर ग्रुप							
इरेक्शन तथा अन्य सेवाओं एवं			8118.83		-5.79		1.55
अतिरिक्त पुर्जों से आय			(7811.94)		(3.98)		(-5.79)
		कुल	**8118.83**		**-5.79**		**1.55**
आईपी, जगदीशपुर							
इंसुलेटर्स	सीएमटी	6967.00	74.66	459.91	5.46	699.46	8.84
		(7002.36)	(76.46)	(286.36)	(3.38)	(459.91)	(5.46)
सेरालिन	एमटी	4391.00	71.28	134.60	2.66	36.12	1.11
		(4140.00)	(63.39)	(67.64)	(2.79)	(134.60)	(2.66)
		कुल	**145.94**		**8.12**		**9.95**
आईवीपी, गोइंदवाल							
औद्योगिक वाल्व	सं.	0	0.00	307	1.21	364.00	1.07
		0	0.00	(125)	(0.53)	(307)	(1.21)
ईंधन पाइप कपलिंग	सं.				16		0.01
					0		0.00
		कुल	**0.00**		**1.21**		**1.08**
सीएफ़पी, रुद्रपुर							
बस डक्ट प्रोजेक्ट	सेट	35	134.85	14	8.98	21	6.76
		(32)	(88.01)	(1)	(0.49)	(14)	(8.98)
		कुल	**134.85**		**8.98**		**6.76**

(₹ करोड़)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2011–12 के दौरान बिक्री		01.04.2011 का तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		31.03.2012 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
एचईआरपी, वाराणसी							
बॉयलर/टर्बाइन तथा आग्जियलरी			209.20		0.28		0.22
के लिए अतिरिक्त पुर्ज़े और मरम्मत			(186.86)	0.00	(0.36)	0.00	(0.28)
	कुल		**209.20**		**0.28**		**0.22**
ट्रांसमिशन व्यवसाय समूह							
अतिरिक्त पुर्ज़े (सेवाओं सहित)			380.65		8.37		4.22
			(782.80)		(14.41)		(8.37)
	कुल		**380.65**		**8.37**		**4.22**
ईएमआरपी, मुम्बई							
मरम्मत तथा परियोजना कार्य			38.82		0.00		0.00
			(48.44)		0.00		0.00.
	कुल		**38.82**		**0.00**		**0.00**
अंतराष्ट्रीय प्रचालन							
बिक्री से आय (राजस्व मान्यता समायोजन)			20.54		0.00		0.00
			(57.19)		0.00		0.00
	कुल		**20.54**		**0.00**		**0.00**
उद्योग क्षेत्र							
बिक्री से आय (राजस्व मान्यता समायोजन)			71.64		0.00		0.00
			(-183.99)		0.00		0.00
	कुल		**71.64**		**0.00**		**0.00**
पीईएंडएसडी							
औद्योगिक सेट			42.94				
गैस टरबाईन			14.52				
	कुल		**57.46**				
समायोजन			**-21.79**				**0.59**
			(-112.73)		**(1.52)**		**(0.59)**
कुल जोड़			**49509.78**		**858.65**		**952.42**
			(43337.00)		**(599.53)**		**(858.65)**

(₹ करोड़)

	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
ख. आयात का मूल्य		
सीआईएफ आधार		
कच्चा माल	**4884.27**	4243.07
संघटक तथा अतिरिक्त पुर्ज़े	**4049.33**	2837.80
पूंजीगत माल	**401.25**	700.94
ग. विदेशी मुद्रा में व्यय		
रॉयल्टी	**68.59**	52.96
तकनीकी ज्ञान	**4.28**	132.10
व्यावसायिक एवं परामर्श शुल्क	**1.93**	0.29
ब्याज तथा अन्य (विदेशी परियोजना स्थलों सहित)	**405.16**	421.61
लाभांश :@		
क) अप्रवासी शेयरधारकों की संख्या	**6698**	5058
ख) धारित शेयरों की संख्या	**63851148**	74213588
ग) लाभांश की सकल राशि	**114.29**	91.28
घ) लाभांश जिस वर्ष का है	**2010-11**	2009-10
अंतरिम लाभांश :@	**(अंतिम लाभांश)**	(अंतिम लाभांश)
क) अप्रवासी शेयरधारकों की संख्या	**8292**	5938
ख) धारित शेयरों की संख्या	**339026338**	64320886
ग) लाभांश की सकल राशि	**92.22**	85.22
घ) लाभांश जिस वर्ष का है	**2011-12**	2010-11
	(अंतरिम लाभांश)	(अंतरिम लाभांश)
@ कंपनी ने लाभांश का भुगतान विदेशी मुद्रा में नहीं किया है। बैंकरों/अप्रवासी शेयरधारकों के पॉवर ऑफ़ अटॉर्नी धारकों को भारतीय रूपयों में भुगतान कर दिया गया है ।		
घ. कच्चे माल, संघटकों, भंडार और अतिरिक्त पुर्ज़ों की खपत का मूल्य		
#आयातित (सीमा शुल्क सहित)	**8048.81**	6217.12
स्वदेशी	**17064.31**	13669.89
कुल खपत का प्रतिशत		
आयातित	**32**	31
स्वदेशी	**68**	69
ड़. विदेशी मुद्रा में आय		
माल का निर्यात (एफओबी आधार पर) **	**1006.53**	769.21
ब्याज	**0.03**	0.01
इरेक्शन तथा अन्य सेवाएँ**	**477.01**	449.57
मानित निर्यात में विदेशी मुद्रा (घरेलू संविदाओं सहित)	**12935.58**	8007.21
# सारणीबद्ध मदें, जहाँ कहीं भी अभिलिखित हैं, सम्मिलित की गई हैं।		

(₹ करोड़)

		31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
च. कच्चे माल और संघटकों की खपत का विवरण					
सामग्री समूह	इकाई	**मात्रा**	**मूल्य**	**मात्रा**	**मूल्य**
लौह सामग्री					
	एमटी	**647585**		630011	
	मीटर	**16084481**		13749271	
	सं.	**5839126**		5184210	
	वर्ग मीटर	**50035**		958	
	कि. ग्रा.	**64246360**		67442605	
	अन्य	**143**		93	
			5774.15		5017.28
अलौह सामग्री					
	एमटी	**6101**		23782	
	मीटर	**3050477**		1757921	
	सं.	**211852**		274269	
	वर्ग मीटर	**96**		242	
	कि. ग्रा.	**6967175**		8015569	
	आरएल	**26960**		27781	
	अन्य	**444**		688	
			554.30		497.14
इंसुलेटिंग सामग्री					
	मीटर	**79130216**		68635813	
	एमटी	**33058**		76561	
	सं.	**469400**		730866	
	वर्ग मीटर	**2024396**		1653750	
	कि. ग्रा.	**1242793**		987949	
	एलटी	**5268930**		7290736	
	आरएल	**135391**		216335	
	एम2	**171330**		113102	
	एसटी	**509**		411	
	अन्य	**31596**		41404	
			280.41		227.51
इंसुलेटिंग केबल तथा मैग्नेट वायर					
	मीटर	**3762371**		2786052	
	सं.	**153753**		175718	
	कि.ग्रा.	**6149**		9661	
			60.09		41.02
संघटक			**10739.08**		10504.74
अन्य			**7141.32**		3129.90
			24549.35		19417.59

सहायक कंपनी

भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड

निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में,
शेयरधारक
भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड
विशाखापट्टनम

निदेशक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के व्यवसाय तथा प्रचालन पर 46वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहे हैं।

बिक्री

कंपनी ने पिछले वर्ष ₹ 136.98 करोड़ की तुलना में ₹ 155.80 करोड़ का कुल कारोबार किया है। (अर्थात पिछले वर्ष की तुलना में 13.74 प्रतिशत की वृद्धि)

वित्तीय कार्यनिष्पादन

वर्ष के दौरान कंपनी के वित्तीय कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

(₹ करोड़ में)

	2011-2012	2010-2011
1. कुल करोबार	155.80	136.98
2. सकल लाभ	12.70	3.53
3. ब्याज	1.40	1.40
4. मूल्यह्रास	1.02	1.10
5. लाभ/हानि (असाधारण मदों से पहले)	10.28	1.03
6 असाधाराण आय	0.16	7.75
7 कर पूर्व लाभ/हानि	10.44	8.78
8. कर उपरांत लाभ/हानि	10.44	8.78

वर्ष 2011–12 के लिए सकल लाभ पिछले वर्ष के ₹ 3.53 करोड के मुकाबले ₹ 12.71 करोड़ है। वर्ष 2011–12 में कर पूर्व लाभ/हानि ₹ 2010–11 के दौरान ₹ 8.78 करोड़ के मुकाबले ₹ 10.44 करोड़ है। आपकी कम्पनी में उपर्युक्त निष्पादन वित्तीय सहायता अधिकारियों की तैनाती, ब्याज मुक्त ऋण/अग्रिम आदि के माध्यम से धारक कंपनी बीएचईएल द्वारा दी गई सहायता से प्राप्त की है।

राजकोष में अंशदान

आपकी कंपनी ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार वर्ष 2010–11 के दौरान सार्वजनिक राजकोष में ₹ 17.89 करोड़ के राजस्व की तुलना में वर्ष 2011–12 के दौरान ₹ 17.89 करोड़ के राजस्व का अंशदान किया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

	2011-2012	2010-2011
उत्पाद शुल्क/सेवा कर	9.58	14.25
सीमा शुल्क	1.15	0.05
बिक्री कर	7.16	1.86
	17.89	16.16

आर्डर बुक

कंपनी ने पुराने और नए आदेशों के निष्पादन में पुरानी प्लान्ट एवं मशीनरी से होने के कारण विलम्ब होने के कारण आर्डर अंतप्रवाह में कई समस्याओं का सामना किया। पुनरीक्षाधीन वर्ष के दौरान देश और विदेश में मूल्य और सुपुर्दगी को लेकर कड़ी प्रतियोगिता और कठोर पूर्व अर्हकता मानदंडों के कारण कंपनी की आर्डर बुक स्थिति संकटपूर्ण रही। आपकी कंपनी ने मुख्यतः बीएचईएल–तिरूचि और एडीए–बेंगलूरू आदि से आर्डर प्राप्त किए। कम्पनी ने ₹ 412 करोड़ (एमओयू उत्कृष्ट) के लक्ष्य के स्थान पर ₹ 124.11 करोड़ के ऑर्डर बुक किए तथा कंपनी के पास उपलब्ध ऑर्डर 31.03.2012 की यथास्थिति ₹ 402.97 करोड (31.03.2011 की यथास्थिति ₹ 460.45 करोड़ के स्थान पर) के थे। आपकी कम्पनी विभिन्न परियोजनाओं के लिए अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर रही है और ज्यादा से ज्यादा आर्डर प्राप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रबंधन विचार–विमर्श तथा विश्लेषण

प्रबंधन विचार–विमर्श और विश्लेषण संबंधी रिपोर्ट अनुबंध–1 में दी गई है।

निदेशक मंडल

नियुक्ति

- श्री आर पी गोयल, निदेशक, भारी उद्योग विभाग को 21.04.2011 से बीएचपीवी के निदेशक बोर्ड में अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।
- श्री. ए एस नागराजा, निदेशक (प्रचालन), बीएचपीवी को प्रबंधन निदेशक बीएचपीवी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया और उन्होंने 18.05.2011/अपराह्न को कार्यभार संभाला।
- श्री बी डी कलेर को बीआईएफआर ने बीएचपीसी के बोर्ड में विशेष निदेशक के तौर पर तत्काल प्रभाव अर्थात 25.05.2011 (आदेश की तिथि) नियुक्त किया।

- श्री पीवी श्रीधरन, निदेशक (मा.सं.), बीएचपीवी को 01.05.2012 से 3 माह के लिए अथवा अगले आदेशों तक निदेशक (प्रचालन) के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।
- श्री बी पी राव भारी उद्योग विभाग के आदेश एफ नं. 22 (04)/2011–पीई– XI के तहत बीएचईएल में उनकी सेवानिवृत्ति तक अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, बीएचपीवी के अंशकालिक अध्यक्ष बने रहेंगे।

पदत्याग

- श्री. अम्बुज शर्मा, संयुक्त सचिव, डीएचआई ने 21.04.2011 से कंपनी के अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक का पदभार त्याग दिया।
- श्री ए एस नागराजा, निदेषक (प्रचालन), जिनके पास प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार था, बीएचपीवी में उनकी सेवानिवृत्ति को देखते हुए 30.04.2012 से कंपनी के निदेशक पद को त्याग दिया।

राजभाषा कार्यान्वयन

वर्ष 2011–12 के दौरान कंपनी ने राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा नियम 1976 के अनुसार भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन जारी रखने पर बल देना जारी रखा।

41 कर्मचारियों को हिन्दी प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ कक्षाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। हिन्दी प्राज्ञ परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कर्मचारियों को एक वर्ष के लिए वेतनवृद्धि प्रदान की गई।

माह दिसंबर, 2011 के दौरान हिंदी शिक्षण योजना के जरिए हमारे हिंदी स्टाफ को एक सप्ताह के लिए कम्प्यूटरों पर हिंदी टंकण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

हिन्दी कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों के लाभ के लिए जुलाई, 2011 में राजभाषा अधिनियम एवं नियमों पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

21 सितंबर, 2011 को हिन्दी दिवस मनाया गया। हिंदी और ग़ैर हिंदी भाषी कर्मचारियों के लिए अलग–अलग विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी परीक्षाएं पास करने वाले कर्मचारियों को नकद पुरस्कार और मैरिट प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। तीन हिंदी पत्रिकाएं खरीद कर नियमित रूप से कर्मचारियों में वितरित की जाती हैं। बीएचपीवी और बीएचईएल के बीच 2012–13 के लिए एमओयू द्विभाषी रूप में तैयार किया गया।

सतर्कता

आपकी कंपनी सरल, आसान, पारदर्शी एवं बेहतर प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है ताकि पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार रहित वातावरण बनाया जा सके। भेल की नीति के अनुरूप नई खरीद नीति क्रियान्वयन हेतु अनुमोदित की गई थी। कर्मचारियों में बेहतर जागरूकता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए 31.10.2011 से 05.11.2011 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया। सभी कर्मचारियों को उनके विभागाध्यक्षों ने 31.10.2011 को सतर्कता शपथ दिलाई गई। इस अवधि के दौरान फैक्टरी परिसर के अंदर और बाहर प्रमुख स्थानों पर बैनर प्रदर्शित करने के अलावा कर्मचारियों के लिए अतिथि भाषण और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। केन्द्रीय सतर्कता अयोग द्वारा समय–समय पर जारी सभी निर्देशों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के बीच भी प्रणालीगत सुधारों पर विशेष विचार विमर्श सत्र आयोजित किए गए।

इस अवसर पर सतर्कता रोकथाम पर 'क्या करें और क्या न करें' के उल्लेख वाली एक पुस्तिका का विमोचन किया गया और सभी अधिशासियों तथा पर्यवेक्षकों को इसकी प्रतियां वितरित की गईं। सतर्कता जागरूकता बढ़ाने और सांगठनिक संस्कृति में सुधार के लिए अधिशासियों और पर्यवेक्षकों के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा समय समय पर जारी किए गए सभी अनुदेशों की अनुपालन की गई।

गुणवत्ता

बीएचपीवी के उत्पाद अपनी उच्च गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध हैं। बीएचपीवी इस स्थिति को आईएसओ 9001:2008, अंतराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रबंधन मानदंड को लागू करते हुए बरकरार रखे हुए है। आईएसओ 9001:2008 का वर्तमान प्रमाणन 24.04.2012 तक वैध है। वर्ष 2011–12 के दौरान बीएचपीवी गुणवत्ता प्रबधंन प्रणाली का ब्यूरो वेरटास सर्टिफिकेशन इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड द्वारा पूर्ण ऑडिट किया गया, जिसने बीएचपीवी को पुनः आईएसओ 9001:2008 प्रमाणन और तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रदान करने की अनुशंसा की है।

इसी प्रकार लॉयड रजिस्टर ने ''फ़्यूशन वेल्डिड प्रेशर वेसल्स क्लास 1'' के निर्माता के रूप में बीएचपीवी की मान्यता 25 अगस्त, 2013 तक बढ़ा दी गई है।

एनसिलरीज/सब वेन्डर्स

समीक्षाधीन वर्ष के लिए एनसिलरीज/सब–वेंडर्स द्वारा कुल आउटपुट पिछले वर्ष ₹ 40 करोड़ की तुलना में ₹ 80 करोड़ रही। आउटसोर्सिंग के लिए नए वेन्डरों को रजिस्टर किया गया। लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वेन्डरों की संख्या बढ़ाई जारही है। वेंडर्स की यूनिटों में मुफ़्त सामग्री जारी करने के साथ संरचनात्मक मदों के फैब्रीकेशन के लिए वार्षिक दर अनुबंध किए गए।

विदेशी दौरे

वर्ष 2011–12 के दौरान व्यावसायिक गतिविधियों के लिए विदेश दौरों पर कोई राशि खर्च नहीं की गई।

निदेशकों का उत्तरदायित्व विवरण

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 217 (2कक) के प्रावधानों के अनुपालनार्थ एतद्द्वारा पुष्टि कि जाती है कि :

- 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखे तैयार करते समय महत्वपूर्ण विचलन के संबंध में उचित स्पष्टीकरण के साथ–साथ लागू लेखांकन मानदंडों का अनुसरण किया गया।
- निदेशकों ने ऐसी नीतियों का चयन किया और उनको सतत रूप से लागू किया और ऐसे निर्णय और परिकलन किए जो वित्तीय 2011–12 के अन्त में कम्पनी की स्थिति तथा इस अवधि में कम्पनी के लाभ के बारे में एक सटीक और उचित विचार देने के लिए उचित एवं विवेकपूर्ण हैं।
- निदेशकों ने कम्पनी के अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार कंपनियों की परिसंपत्तियों की सुरक्षा तथा धोखाधड़ी एवं अनियमितताओं की रोकथाम हेतु इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसरण में पर्याप्त लेखांकन रिकार्डों के रखरखाव पर उचित एवं पर्याप्त ध्यान दिया।
- 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखे गोइंग कंसर्न आधार पर तैयार किए गए हैं।

कॉर्पोरेट अभिशासन

लोक उद्यम विभाग ने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन मार्गनिर्देश जारी किए हैं। ये दिशनिर्देश का ज्ञा. संख्या 18 (8) 2005 जीएम दिनांक

14.05.2010 के द्वारा अनिवार्य बनाए गए हैं। कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई द्वारा निर्धारित अपेक्षाओं के अनुपालन की तिमाही रिपोर्ट भी प्रशसनिक मन्त्रालय (डीएचआई) नियमित भेजी जाती है। कॉर्पोरेट अभिशसन पर रिपोर्ट तथा सांविधिक लेखापरीक्षकों के प्रमाणपत्र की रिपोर्ट डॉयरेक्टर्स रिपोर्ट के अनुबंध के रूप में संलग्न है।

अन्य प्रकटन

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 217(1)(ड), कंपनी नियम,1988 (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में विवरणों का प्रकटन) के साथ पठित के प्रावधानों के अनुसरण में ऊर्जा संरक्षण, टेक्नोलॉजी अवशेषण तथा विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय का ब्यौरा नीचे दिया गया है–

ऊर्जा संरक्षण

आपकी कंपनी बिजली, एलपीजी, पेट्रोल तथा डीजल की बचत के लिए निरंतर विभिन्न उपाय कर रही है। वर्ष के दौरान ऊर्जा की बचत के लिए अपनाए गए विभिन्न उपायों का ब्यौरा निम्नलिखित है:

- वर्तमान केपेसिटर बैंकों की 3 उपकेंद्रों के लिए रिकन्डीशनिंग की गई। ऐसा करने के बाद फैक्टरी की पावर फैक्टर में सुधार आया। पावर फैक्टर को यूनिटी (एक) के निकट बनाए रखने के लिए कैपेसिटर बैंक की निकट से निगरानी भी की जाती है (''ऑन'' और ''ऑफ'') जिसके परिणाम स्वरूप बिजली ऊर्जा की खपत में महत्वपूर्ण बच हो रही है।
- उपकरणों को स्विच 'आफ' करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जैसे कि 24 वॉ. हैंड लैंप प्वाइंट्स के लिए विद्युत आपूर्ति ट्रांसफार्मर, रोलर पोजीसनर्स, दूर संचालित ईआईटी केन्स, मैन कूलर्स आदि, जिन्हें बेकार में ही 'ऑन' छोड़ दिया जाता है।
- एक एलएमएस बिल्डिंग 4 बेज की शॉप लाइटिंग के लिए प्रीसेट टाइम्स पर ''ऑन' और ''आफ'' की स्वचालित स्विचिंग के लिए टाइमर्स संस्थापित किए जाते हैं और प्रत्येक तीन माह के अंतराल के बाद सभी टाइमर्स को परिवर्तित किया जाता है जिससे ऊर्जा की काफी बचत होती है। शेष शॉप फ्लोर बिल्डिंग में भी इसे कार्यान्वित किए जाने की योजना है।
- एलपीजी/डीजल के संरक्षण के लिए कार्यों को जहां कहीं संभव होता है फर्नेस लोडिंग करते समय एक साथ मिला दिया जाता है। एलपीजी/डीजल फायरड बर्नर्स की दक्षतापूर्ण कार्य हेतु आवधिक सफाई या रिप्लेसिंग की जाती है।
- टाउनशिप में स्ट्रीट लाइटों, पार्कों, संयुक्त सुविधाओं आदि के लिए प्रीसेट टाइम्स पर ''ऑन' और ''आफ'' की स्वचालित स्विचिंग के लिए टाइमर्स संस्थापित किए जाते हैं और प्रत्येक तीन माह के अंतराल के बाद सभी टाइमर्स को परिवर्तित किया जाता है जिससे ऊर्जा की काफी बचत होती है।
- बिजली ऊर्जा और उपयोग पर बेहतर नियंत्रण के लिए पुरानी ओसीबीज को रिप्लेस करते हुए 3 नए 11केवी वीसीबीज संस्थापित किए गए हैं।

  कुल कारोबार की प्रतिषतता के तौर पर विद्युत और ईंधन लागत , निवल उत्पाद कर, पिछले वर्ष के 2.71 प्रतिशत के मुकाबले 2.50 प्रतिशत है।

अनुसंधान और विकास

कंपनी का अनुसंधान एवं विकास विभाग नए उत्पादों के विकास और प्रोटोटाइप टेस्टिंग के बाद निरंतर नए उत्पादों के डिजाइन और व्यावसायिक उत्पादन हेतु प्रयास कर रहा है।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की गईः–

- अनुसंधान एवं विकास में कार्यनिष्पादन अर्थात मैसर्स एचएएल

बंगलौर से सीरीज प्रोड्क्शन (एसपी) आर्डर हेतु तेजस एयरक्राफ्ट के कम्पैक्ट हीट एक्सचेन्जर्स का विनिर्माण, परीक्षण और आपूर्ति कार्य जारी रखे गए। वर्ष के दौरान मैसर्स एचएएल बेंगलूरू को ₹ 402.88 लाख मूल्य के 43 कम्पैक्ट हीट एक्सचेन्जर बनाए गए, परीक्षण किए गए और सुपुर्द किए गए।

- अनुसंधान एवं विकास में तेजस एयरक्राफ्ट हेतु एडीए बैंगलूर को ₹ 24.20 लाख मूल्य के 2 प्रीकूलर यूनिटों का सफलतापूर्वक निर्माण, परीक्षण और आपूर्ति की गई।
- इसके अलावा एडीए, बेंगलूरू को ₹ 37.50 लाख रूपये के 2 प्री–कूलर्स को फैब्रीकेट, परीक्षण और आपूर्ति की गई।

उपर्युक्त 3 कम्पैक्ट हीटर एक्सचेंजर्स के अलावा ₹ 22 लाख मूल्य के सेकेंडरी पावर सिस्टम भी एडीए बेंगलूरू के लिए निनिर्मित, परीक्षित और आपूर्ति किए गए।

प्रौद्योगिकी उन्ननयन

- बीसीपीएल के लिए बायलर ड्रम हाफ (प्रेस्ड) शैल्स की मशीनिंग:

बीएचपीवी शॉप में पहली बार क्षैतिज बोरिंग मशीन (डब्ल्यूडी200) पर रेडियस 15 एमएम और 5 एमएम नोज, साइज ID914mm X 110mm Thk., और ID 1372mm X 110mm Thk./ 150mmThk , अंदर 45 deg V-bevel, बाहर 4 deg J-bevel L/seam bevels के साथ सफलतापूर्वक संचालित किया गया। (4 सेटिंग्स में प्रत्येक हाफ सैल)

विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय

कच्चे माल एवं संघटकों की प्राप्ति, इंजीनियरिंग की प्राप्ति तथा ख्यातिप्राप्त विदेशी कंपनियों के तकनीकी बैकअप आर्डरों के निष्पादन हेतु अपेक्षित व्यय के लिए ₹ 0.72 करोड़ की विदेशी मुद्रा खर्च की गई। वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा अर्जन शून्य रहा।

कर्मचारियों का विवरण

इस अवधि के दौरान किसी भी कर्मचारी ने कंपनी अधिनियम 1956 के अनुच्छेद 217 (2क) कंपनी नियमावली (कर्मचारियों का विवरण), 1975 के साथ पठित के अनुसार निर्धारित सीमा से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त नहीं किया है।

पर्यावरण प्रबंधन तथा प्रदूषण नियंत्रण

आपकी कंपनी प्रदूषण से होने वाले कुप्रभावों के प्रति अपने उत्तरदायित्व से सचेत है। इसने फैक्टरी परिसर और इसके आस–पास स्वच्छ तथा स्वास्थ्यवर्धक पर्यावरण बनाएं रखने हेतु विभिन्न उपाय किए हैं। फैक्टरी के भीतर तथा टाउनशिप में व्यापक रूप में हरित पट्टी का रखरखाव किया जाता है।

जल (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 25/26 तथा वायु (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 21 के अंतर्गत आवश्यक सांविधिक सहमति तथा जोखिमकारी अपशिष्ट प्राधिकरण हेतु सहमति एपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त की गई है जो 30.04.2012 तक वैध है। 30.04.2013 तक वैधता नवीनीकरण प्रक्रिया पहले ही षुरू की जा चुकी है।

लेखापरीक्षक

वर्ष 2011–12 के लिए मैसर्स ग्रांधी एंड कंप, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, विशाखापट्टनम को कंपनी का सांविधिक लेखापरीक्षक नियुक्त किया गया। कंपनी के लेखापरीक्षित लेखे कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 619 के तहत नियंत्रक एवं महालेखाकार को प्रस्तुत किए गए। लेखापरीक्षकों रिपोर्ट में संदभित बिंदुओं के उत्तर अनुबंध 3 में दिए गए हैं।

नियंत्रक एवं महालेखाकार की टिप्पणियां

कंपनी के 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लेखों पर कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 619 (4) के अंतर्गत नियंत्रक एवं महालेखाकार की टिप्पणियां इस रिपोर्ट के अनुबंध में दी गई हैं।

आभार

निदेशक मंडल भारी उद्योग विभाग, भारत सरकार, आंध्रप्रदेश सरकार, होल्डिंग कंपनी (बीएचईएल), सप्लायरों, प्रतिष्ठित ग्राहकों और बैंकरों से मिले निरंतर सहयोग और उपयुक्त मार्गदर्शन के लिए सभी का आभार व्यक्त करता है। आपके निदेशक इस लेखापरीक्षा को रिकॉर्ड समय पर पूरा करवाने के लिए व्यावसायिक लेखापरीक्षा के प्रधान निदेशक तथा लेखापरीक्षा बोर्ड के पदेन सदस्यों और सांविधिक लेखापरीक्षकों का भी धन्यवाद देते हैं। निदेशक मंडल इन प्रयासों में सभी स्तरों पर कर्मचारियों के अथक प्रयासों और कर्तव्यनिष्ठा की भी उन्मुक्त रूप से प्रशंसा करता है।

कृते निदेशक मंडल की ओर से
भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष

दिनांकः 19.07.2012
स्थानः नई दिल्ली

प्रबंधन चर्चा तथा विश्लेषण रिपोर्ट

उद्योग संरचना एवं विकासः

इंजीनियरिंग उद्योग के रूप में कंपनी की स्थापना मुख्य रूप से कोर सेक्टर उद्योगों, जैसे रिफाइनरियों, स्टील, फर्टिलाइजरों तथा न्यूक्लियर पावर आदि की जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी। यह कोर उद्योग के लिए अपेक्षित पूंजीगत उपकरणों/मशीनरी के निर्माण, सप्लाई और संस्थापना आदि कार्यों में लगी हुई है। वर्ष 2008–09 के दौरान, कंपनी बीएचईएल की पूर्णस्वामित्वाधीन कंपनी बन गई। औद्योगिक बायलर क्षमता में वृद्धि, तिरूची, हैदराबाद, हरिद्वार तथा बीएचईएल के अन्य संयंत्रों की लोड शेयरिंग करने तथा इंडस्ट्रियल बॉयलरों और एचआरएसजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बीएचईएल के निरंतर सहयोग हेतु कार्यनीतिक गठबंधन किए जा रहे हैं।

अवसर तथा खतरेः

अवसर

कंपनी में उच्च विकास की क्षमताएं हैं और कंपनी के समक्ष क) बीएचईएल के लिए औद्योगिक बायलरों का हब बनने,)बीएचईएल को विद्युत संयंत्रों की आपूर्ति करने और ग) बीएचपीवी के वर्तमान पोर्टफोलिया की मांग को पूरा करने के अवसर हैं।

खतरे

i) निजी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा,

ii) परंपरागत कार्यों के लिए कम दरें प्रस्तुत करने वाली राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कंपनियां,

iii) ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना,

iv) कड़ी डिलीवरी शर्तें

कार्यनिष्पादन

(रू करोड़ में)

	2011-12	2010-2011
1. कुल कारोबार	155.80	136.98
2. मूल्यवर्धन	68.25	58.37
3. कर पूर्व लाभ	10.44	8.78
4. कर पश्चात लाभ	10.44	8.78
5. वित्त लागत (ब्याज़)	1.40	1.40
6. असाधारण आय	0.16	7.75
7. नियोजित पूंजी	43.63	30.71
8. सकल ब्लॉक	82.64	81.53
9. निवल ब्लॉक	4.49	4.41
10. कार्यशील पूंजी	39.13	26.30
11. सकल मूल्य	(-) 219.32	(-) 229.76
अनुपातः		
कारोबार के प्रतिशत के रूप में पीबीडीआईटी	8.16	2.58
कारोबार के प्रतिशत के रूप में पीएटी	6.70	6.41
जीटीओ की प्रतिशत के रूप में मूल्यवर्धन (ईडी का नेट)	46.70	46.17

पिछले पांच वर्षों का बिक्री निष्पादन

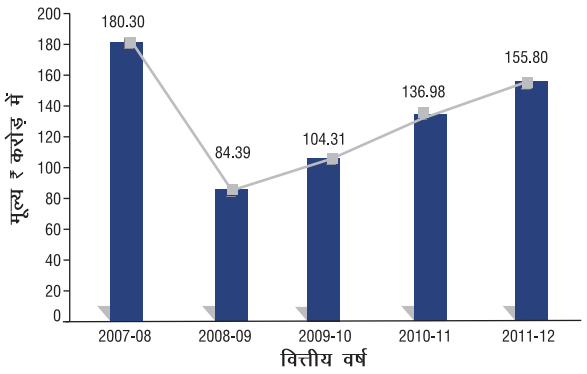

पिछले पांच वर्षों में कर पश्चात लाभ

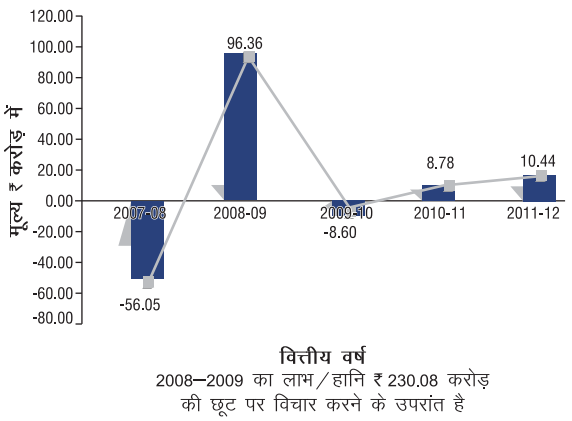

2008–2009 का लाभ/हानि ₹ 230.08 करोड़ की छूट पर विचार करने के उपरांत है

वर्ष की मुख्य उपलब्धियों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपकरणों के विनिर्माण और आपूर्ति शामिल है:

- **एमआरपीएल और एमएसआईएल–I और II परियोजनाओं के लिए डक्ट बर्नर एसेम्बली:**

  एमआरपीएल के लिए डक्ट बर्नर असेम्बली विशिष्टीकृत और महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसमें आयल गन का फैब्रीकेशन, एसएस मद आदि का फैब्रीकेशन और मशीनीकरण। डक्ट बर्नर असेम्बली के फैब्रीकेशन के लिए विक्रेताओं (वेंडर) की संख्या काफी कम है ओर इन सीमित विक्रेताओं (वेंडर) में से अधिकांश विक्रेता तिरूची में रहते है। एक स्थानीय विक्रेता (वेंडर) की पहचान कर ली गई है और इसके लिए तैयार कर लिया गया है जिसने दोनों परियोजनाओं में डक्ट बर्नर असेम्बली को सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है।

- **ओआईसीएल के लिए ढांचा - पारादीप**

  विक्रेता (वेंडर) यूनिटों में वायलर परियोजनाओं के लिए संचनात्मक सामग्रियों के फैब्रीकेशन हेतु वार्षिक दर संविदा को मुफ्त जारी करने सहित अंतिम रूप दिया गया। आई ओसीएल–पाराक्षीय III और IV परियोजनाओं के 1700 एम टी ढांचे का सफलतापर्वूक पूरा किया गया।

- **सीपीसीएल, चेन्नै के लिए एनएन2 भंडारण टैंक:**

  9 वर्षों के अंतराल के बाद क्रायोजेनिक स्टोरेज वेसेल (लिक्विड नाइट्रोजन स्टोरेज टैंक) दोबारा शुरू किया गया। सीमित संसाधनों और कौशलयुक्त जनशक्ति द्वारा दुकानों में 45–एम^3 क्षमता वाले एल एन2 भंडारण टैंक फैब्रीकेशन और मूल्यांकन कार्य किए गए।

- **कंडेशनर ट्यूब सपोर्ट प्लेट्स :**

  एचएमटी होराइजेंटल ड्रिलिंग मशीन जो खराब पड़ी थी, पुनः प्रचालरत बनाई गई और पूरी तरह से ड्रिलिंग होल (127 प्लेटों–प्रत्येक प्लेट में लगभग 7000 होलो) का कार्य मशीन की सहायता से सफलतापूर्वक पूरा किया गया)

  उपर्युक्त के अतिरिक्त बाहरी सेवा स्तर पर कंपनी ने निम्नलिखित कार्य पूरे किए है:

  (i) बीएचपीवी लोवागार्डेन साइट पर 2 x 135एम डब्लू सीएफबीसी वायलर कंपोनेंट का माड्यूलराइजेशन किया जा रहा है। इस कार्य में अलग–अलग डी यू घटकों की असेम्बली और वेन्डिंग तथा ओवर डाइमेंशनल कनसाइनमेंट का बड़ा पैक तथा कोनियाम्बो निकिल परियोजना के लिए समुद्री मार्ग से परिवहन शामिल है।

  घटक जैसे लाइम स्टोन बंकर लाइम स्टोन बंकर, होपर, बेड मैटेरियल बंकर और होपर, कानीकल एंड सिलेंडिटिकल साइक्लोन एंड डक्ट पोर्शन, बैग हाउस फिल्टर, बड़ी असेम्बली (संख्या में 4) छोटी असेम्बली (संख्या में 4) छह जहाजों में कोनियाम्बो निकेल प्रोजेक्ट को भेजे गए हैं।

  (ii) ओडीसी कनसाइनमेंट का उत्थापन (संख्या में छह) अर्थात आक्सीजन बफर वेसेल्स–संख्या में 3 जो प्रत्येक 105 एमटी के आस–पास वजन तौलती हो, नाइट्रोजन बफर वेसेल–संख्या में 2 जो प्रत्येक 140 एमटी के आस–पास वजन तौलती हो और अर्गोन बफर वेसेल–संख्या में 1 जो 30 एमटी के पास वजन तौलती हो, मेसर्स टाटा स्टील लिमि.जमशेदपुर में सफलतापूर्वक पूरी की गई। 2 आक्सीजन वेसेल, 1 आक्सीजन वेसेल और 1 आर्गन वेसेल का प्रारंभण किया जा चुका है।

  (iii) आईओसीएल–पाराक्षीय के लिए बीएचईएल(भेल) हैदराबाद के 2डी एरेटर स्टोरेज टैंक का फैब्रीकेशन असेम्बली और वेल्डिंग ।

दृष्टिकोण

- बीआईएफआर द्वारा मंजूर पुनर्वास योजना (डीआरएस) के अनुसार, बीएचपीवी का लक्ष्य 2015–16 तक 1000 करोड़ के करोबारी मार्क को पार करना तथा उस समय तक सकारात्मक निवल मूल्य भी प्राप्त करने वाली कम्पनी बनना है।
- प्रोसेस प्लांट उपकरण हेतु क्वालिटी सप्लायर के रूप में बीएचपीवी की प्रतिष्ठा से तेल तथा उर्वरक क्षेत्रों से और आर्डर मिलने में मदद मिली है। इंडस्ट्रियल बॉयलरों और एचआरएसजी हेतु बीएचईएल से और आर्डरों के निष्पादन के साथ इसके मिलने से आने वाले वर्षों में कम्पनी के कारोबार में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी और बीएचपीवी अपने मार्ग पर चल पड़ेगा। मौजूदा तथा नए ग्राहकों से और आर्डर प्राप्त करने हेतु लगातार प्रयास भी किए जा रहे हैं।
- बीएचईएल के बोर्ड द्वारा अनुमोदित आधुनिकीकरण और पूंजी निवेश स्कीम के अनुरूप सुविधाओं के नवीकरण और आधुनिकीकरण के लिए ₹ 230.91 करोड़ निवेश किए जा रहे हैं। इसकी प्रगति की समीक्षा करने के लिए एक समीक्षा समिति गठित की गई है जिसमें भेल और बी एचपीवी के कार्मिक शामिल किए गए है।

- विभिन्न स्तरों पर चिन्हित कौशल अन्तरों के ब्रिजिंग हेतु, नए कार्यपालकों एवं सुपरवाइज़रों की भर्ती प्रक्रिया हाल में शुरू की गई है और अन्य संवर्गों हेतु भी प्रक्रिया 2012–13 में भी जारी रहेगी।
- विकास कार्यसूची के अनुरूप बीएचपीवी तथा बीएचईएल के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों को भी बीएचईएल के व्यवसाय सैक्टरों और विनिर्माण इकाइयों के परामर्श से तलाश की जा रही है।

समझौता ज्ञापन 2012–13 के अनुसार लक्षित कार्य निष्पादन पैरामीटर

आर्डर बुकिंग	:	₹ 432.00 करोड़
बिक्री/कारोबार	:	₹ 287.00 करोड़
कर पूर्व लाभ	:	₹ 6.33 करोड़

जोखिम और कठिनाइयां:

- मौजूदा और विविधीकृत व्यापार के लिए विनिर्माण सुविधाओं का त्वरित स्तरोन्नयन।
- कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा करने के लिए बेहतर प्रतिपूर्ति पैकेज के कार्यान्वयन में देर ।
- मौजूदा परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के माध्यम से ग्राहक का विश्वास प्राप्त करना।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली तथा इसका पर्याप्तता

लेखा परीक्षा करने के लिए कंपनी का एक आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है जिसके परिभाषित लेखा परीक्षा कार्यक्रम है। आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग का अध्यक्ष उप महाप्रबंधक है और प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करता है। कंपनी ने निदेशकों की लेखा परीक्षा समिति गठित की है तथा आंतरिक लेखा परीक्षा के कार्य और छमाही/तिमाही रिपोर्टों की आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है तथा सतत सुधार के लिए उपचारी कदम उठाए जाते हैं। सांविधिक लेखा परीक्षा द्वारा आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाओं की पर्याप्तता की समीक्षा की जाती है तथा उनके द्वारा अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इसकी रिपोर्ट की जाती है। सतर्कता विभाग सतर्कता और अनुशासनिक मामले देखता है। सरकारी कंपनी होने के नाते आपकी कंपनी की सरकार द्वारा भी लेखा परीक्षा की जाती है।

मानव संसाधनों/औद्योगिक संबंधों के क्रम में विभिन्न लोगों की नियुक्ति सहित सामग्री विकास

मार्च, 2012 की समाप्ति पर कर्मचारियों की कुल संख्या 1186 थी जबकि वर्ष के प्रारंभ में इनकी संख्या 1116 थी। कल्याण उपायों के भाग के रूप में मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा निम्नलिखित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

1) कम्पनी के भीतर प्रशिक्षण कार्यक्रम:

कम्पनी ने 15 आन्तरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें 433 कर्मचारियों को शामिल किया गया। इनमें अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा कर्मकार शामिल हुए। इन कार्यक्रमों में डिजाइन संबंधी प्रशिक्षण, फैब्रीकेशन और प्रेशर वेसेलों का निरीक्षण निष्पादन प्रबंधन प्रणाली, सामग्री के भौतिक परीक्षण, कंप्यूटर का प्रयोग, हिन्दी दिवस के कार्यक्रम, सतर्कता, आई एस ओ 9000 तथा वेल्डर रिफ्रेशमेंट पाठयक्रम शामिल थे।

2) बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रम:

वर्ष के दौरान 11 बाहरी/आउट स्टेशन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सत्रह कार्यपालकों को प्रायोजित किया गया। ये कार्यक्रम निर्यात प्रोत्साहन में नवीनतम विकास, सीमा शुल्क, वेल्डिंग फार इकोनामिक फैब्रीकेशन, उद्योग में मरम्मत और रख–रखाव दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए मानव संसाधन विकास, तनाव सुलझाने और झगड़ा बचाने, संविदा पर लिए गए श्रमिकों के प्रबंधन आदि से संबंधित थे।

400 कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के उत्कृष्ट एम ओ यू लक्ष्य के स्थान पर वर्ष के दौरान कुछ 433 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष के दौरान संगठन में समरसता और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। कार्यसंस्कृति औद्योगिक संबंधों उत्पादकता में सुधार तथा विवादों के समाधान के लिए विभिन्न भागीदारी निकायों और विचारविमर्शों के जरिए सहभागी संस्कृति को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

रोजगार तथा शारीरिक विकलांग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/भूतपूर्व सैनिक/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की स्थिति

- शारीरिक रूप से विकलांग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/भूतपूर्व सैनिक/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशों/मार्गनिर्देशों का कंपनी द्वारा नियमित रूप से पालन किया जाता है।
- अ.जा., अ.ज.जा. तथा ओबीसी के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाला एक वार्षिक विवरण 01.01.2012 तक की स्थिति के अनुसार निर्धारित प्रारूप में साथ ही सरकार को यथा प्रस्तुत पूर्ववर्ती कैलेन्डर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या अनुबंध 'क' के रूप में दिया गया है।

01.01.2012 तक की स्थिति के अनुसार शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की संख्या

- इस समय 01.01.2012 तक की स्थिति के अनुसार हमारे यहां कुल 30 विकलांग कर्मचारी हैं। कम्पनी में 01.01.2011 की यथास्थिति समूह–वार श्रम बल के बारे में अनुबंध 'ख' में जानकारी प्रस्तुत है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

समाज के प्रति सचेत कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में कंपनी सामुदायिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान देने का प्रयास कर रही है। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। कंपनी अंग्रेजी माध्यम से रियायती शिक्षा दे रही है जिस पर ₹ 25.00 (अनंतिम) लाख खर्च हुए। कंपनी ने स्पेशल स्कूल और मनोविकास पुनर्वास केंद्र के मानसिक रूप से बीमार बच्चों के लिए परीक्षण आयोजित किया और उनका ईलाज किया। पल्स पोलियो कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

सचेतपरक अभिकथन

इस प्रबंधन एवं विश्लेषण रिपोर्ट में कंपनी के उद्देश्यों, योजनाओं, अनुमानों को लागू कानून और विनियमों के दायरे में रहते हुए प्रदर्शित किया गया है। वास्तविक परिणाम व्यवहार्य रूप से इनसे भिन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कारक जो कंपनी के प्रचालन को प्रभावित कर सकते है, में शामिल हैंः मांग पूर्ति को प्रभावित करने वाली आर्थिक स्थितियां, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग पूर्ति की स्थिति, सरकार की नीतियां और विनियम और संविधि, कामगार संबंध तथा आनुषंगिक करार।

अनुबंध– ए

01.01.2012 को अ.जा., अ.ज.जा. तथा अ.पि.व. का प्रतिनिधित्व और कलैण्डर वर्ष 2011 के दौरान की गई नियुक्तियों को दर्शाता वार्षिक विवरण

ग्रुप	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.वा का प्रतिनिधित्व (01.01.2012)				कलैंडर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियां									
					सीधी भर्ती				पदोन्नति द्वारा**			अन्य पद्धति द्वारा		
	कर्मचारियों की संख्या	अ.जा	अ.ज.जा	अ.पि.व.	कुल	अ.जा	अ.ज.जा	अ.पि.व.	कुल	अ.जा	अ.ज.जा	कुल	अ.जा	अ.ज.जा
ग्रुप – ए	206	39	9	23	10	1	1	3	11	2	2	—	—	—
ग्रुप – बी	65	11	11	10	—	—	—	—	36	9	4	—	—	—
ग्रुप – सी	913	134	87	241	162	23	8	70	74	9	—	—	—	—
ग्रुप – डी (एस डब्ल्यू के अलावा)	10	3	—	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग्रुप – डी (एस डब्ल्यू)	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
कुल	1194	187	107	275	172	24	9	73	121	20	6	—	—	—

अनुबंध– बी

विकलांग व्यक्तियों का प्रतिधित्व

ग्रुप	कर्मचारियों की संख्या (प्रतिनिधित्व) (01.01.2012) को				कलैण्डर वर्ष 2011 के दौरान सीधी भर्ती							प्रोन्नत						
					आरक्षित रिक्तियों की संख्या			भरी गई रिक्तियों की संख्या (नियुक्ति)				आरक्षित रिक्तियों की संख्या			भरी गई रिक्तियों की संख्या (नियुक्ति)			
	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच
ग्रुप – ए	206	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग्रुप – बी	65	—	—	2	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग्रुप – सी	913	2	6	20	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग्रुप – डी	10	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
कुल	1194	2	6	22	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

(I) वीएच का मतलब दृष्टि विकलांगता (अन्धापन या कम दिखाई देने से ग्रसित व्यक्ति)

(ii) एचएच– श्रवण विकलांगता (श्रवण विकलांगता से ग्रसित व्यक्ति)

(iii) ओएच – अस्थि विकलांगता (लोकोमोटर विकलांगता या तन्तु विकलांगता से ग्रसित व्यक्ति)

कॉर्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट

उद्देश्यः

अच्छे कारपोरेट अभिशासन का मूल तत्व कार्य ढांचे के भीतर कम्पनी में सर्वोत्तम व्यवसाय प्रक्रियाओं को अपनाना है। कम्पनी के प्रबंधन में मूल्यों और नीतियों के प्रति प्रतिबद्धता और पारदर्शिता होती है। यह बेहतर कारपोरेट व्यवहार सुनिश्चित करने और स्टेक–होल्डरों यथा निवेशकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, सरकार, वेन्डर तथा समाज के हितों की रक्षा के लिए जवावदेही एव कर्तव्यनिष्ठा, मार्गनिर्देशों एवं प्रणाली के क्रियान्वयन पर बल देते हैं।

विचारधाराः

कम्पनी का दृढ़ विश्वास है कि कम्पनी के संबंद्ध सभी व्यक्तियों के हित में वृद्धि हेतु बेहतर कारपोरेट अभिशासन का होना बेहद जरूरी है। कम्पनी अपने कार्यकलापों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करती रही है। एक जवाबदेह नागरिक और एक सार्वजनिक प्राधिकरण के रूप में कम्पनी सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (आरटीआई एक्ट) के उपबंधों के तहत भारत के नागरिकों को उपयुक्त रूप में सूचना प्रदान करती है।

निदेशक मंडलः

बोर्ड में पांच निदेशक होते हैं। वर्ष के दौरान श्री आर पी गोयल, निदेशक डीएचआई को श्री अम्बुज शर्मा के स्थान पर 21.04.2011 से भारत सरकार, भारी उद्योग विभाग के प्रतिनिधि के रूप में बीएचपीवी के बोर्ड में अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। श्री ए एस नागराजा, निदेशक (प्रचानल), बीएचपीवी को प्रबंध निदेशक बीएचपीवी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया और उन्होंने 18.05.2011/अपराह्न से कार्यभार ग्रहण किया। श्री बी डी कलेर को 25.05.2011 से बीएचपीवी के बोर्ड में बीआईएफआर द्वारा विशेष निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। निदेशकों के लिए कोई अर्हक शेयर रखना अपेक्षित नहीं है। कम्पनी के निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

सभी पूर्णकालिक/कार्यात्मक निदेशकों के पारिश्रमिक सहित नियुक्ति की निबंधन एवं शर्तें भारत सरकार द्वारा जारी की जाएंगी। निदेशक मंडल/ समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र निदेशकों को उनकी प्रति सिटिंग फीस का भुगतान भारी उद्योग विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है और बोर्ड/बोर्ड समिति की बैठकों में भाग लेने पर वास्तविक व्यय में प्रतिपूर्ति की जाती है।

बोर्ड की बैठकें नियमित रूप से होती हैं और कम्पनी को उचित मार्गदर्शन तथा प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होता है। पूर्णकालिक निदेशक कंपनी के दैनिक कार्यों का प्रबंध करते हैं। बोर्ड की बैठक की पूर्व सूचना सभी निदेशकों को दी गई है। कई बार तत्काल जरूरत होने पर अल्पकालीन सूचना पर बैठक आयोजित की गई है अथवा अनिवार्य होने पर सर्कुलेशन द्वारा प्रस्ताव पारित किए गए हैं। बोर्ड के सदस्यों के पास सभी जानकारियों तक पूरी पहुंच है तथा वह बैठक के दौरान किसी भी वरिष्ठ अधिकारी को अतिरिक्त जानकारी/स्पष्टीकरण के लिए बुलाने के लिए स्वतंत्र हैं।

बोर्ड की बैठकें एवं उपस्थिति

31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष में निदेशक बोर्ड की चार बैठकें हुईं और किसी भी दो बैठकों के बीच में चार कैलेंडर माह से अधिक का अंतर नहीं था। बोर्ड की बैठकें 16.05.2011, 06.09.2011, 26.12.2011 और 27.03.2012 को आयोजित की गईं। 2011–12 में बोर्ड की बैठकों, निदेशकों की उपस्थिति, वार्षिक आम बैठक तथा अन्य निदेशक स्तरीय आयोजित बैठकों का विवरण नीचे दिया गया है :

क्र. सं.	निदेशकों के नाम	श्रेणी/ अवधि	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की	बैठकों में भाग लिया	क्या आम वार्षिक बैठक में भाग लिया	अन्य अयोजित निदेशक स्तरीय बैठके
1.	श्री बी.पी. राव	अध्यक्ष/24-10-2009 पूर्वाह्न से	4	4	-	2
2.	श्री ए.एस. नागराजा	निदेशक (प्रचालन)/ 20.11.2009 से एवं एमडी का अतिरिक्त प्रभार 18.05.2011	4	4	हां, बैठक के अध्यक्ष	शून्य
3.	श्री आर पी गोयल	अंशकालिक सरकार (सरकारी निदेशक) / 21.04.2011से	4	4	-	शून्य
4.	श्री पी वी श्रीधरन	निदेशक(मा.सं.)/प्रभारी–वित्त 09.11.2009 से	4	4	हां	शून्य
5.	श्री बी डी कलेर	25.05.2011 से बीआईएफआर द्वारा विशेष निदेशक नियुक्त किया गया	4	4	हां	1

लेखा परीक्षा समितिः

वर्ष 2011–12 के दौरान लेखा परीक्षा समिति का पुनर्गठन श्री अम्बुज शर्मा के स्थान पर श्री आर पी गोयल को भारत सरकार, भारी उद्योग विभाग के प्रतिनिधि के रूप में, बोर्ड का अंशकालिक निदेशक नियुक्ति किए जाने पर 21.04.2011 को किया गया था। लेखा परीक्षा समिति को पुनः 25.05.2011 से बीएफआईआर द्वारा विशेष निदेशक के रूप में श्री बी डी कलेर की नियुक्ति किए जाने पर पुनर्गठित किया गया था। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

2011–12 का वार्षिक लेखाजोखा लेखा परीक्षा समिति के समक्ष 17.05.2012 को आयोजित इसकी बैठक में अनुमोदन हेतु तथा कम्पनी के निदेशक मंडल के अनुमोदन व संतुष्टि हेतु रखे गये थे। चूंकि दो स्वतंत्र निदेशकों ने अपनी नियुक्ति का कार्यकाल मार्च, 2010 में पूरा कर लिया था, अतः लेखापरीक्षा समिति में कोई भी गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक नहीं था। गैर सरकारी निदेशकों की नियुक्ति का मामला भारी उद्योग विभाग के ध्यान में लाया जा चुका है।

सरकार द्वारा जारी लंबित आईआर पैरा की पुनरीक्षा करती है, सांविधिक लेखापरीक्षकों की बैठकों के निष्कर्षों एवं सुझावो तथा अन्य संबंधित मामलों पर विचार–विमर्श करती है। इसके अलावा, यह समिति कंपनी द्वारा अपनाई जा रही मुख्य लेखांकन नीतियों तथा वार्षिक वित्तीय विवरणों को कंपनी के निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व इनकी पुनरीक्षा करती है तथा निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले किसी भी मामले की छानबीन करने का इसे पूरा अधिकार होता है।

आम बैठकें :–

पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों का विवरण :–

वित्तीय वर्ष	एजीएम की तिथि तथा समय	स्थान
2008-09 43वीं आम बैठक	8 सितम्बर, 2009 को अप. 3.30 बजे	दि पार्क होटल, विशाखापटनम
2009-10 44वीं आम बैठक	14 सितम्बर, 2010 को प्रातः 9.00 बजे	बीएचपीवी बोर्ड कक्ष विशखापटनम
2010-11 44वीं आम बैठक	14 सितम्बर, 2010 को प्रातः 9.00 बजे	बीएचपीवी बोर्ड कक्ष विशाखापटनम

आचार संहिता

निदेशक मंडल ने बोर्ड के सदस्यों और कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए कार्य आचार संहिता निर्धारित की है।

संहिता में निम्नलिखित शामिल हैः

- सामान्य नैतिक अनिवार्यता;
- विनिर्दिष्ट व्यावसायिक दायित्व; और
- बोर्ड सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लि विनिर्दिष्ट अतिरिक्त प्रावधान। उक्त संहिता की प्रति वेबसाइट 'www.bhpvl.com' पर उपलब्ध कराई गई है।

निदेशक मंडल का प्रशिक्षण :

बोर्ड में कार्य ग्रहण करने वाले निदेशकों को प्रलेखों एवं बुकलेटों का सेट दिया जाता है। इसमें कंपनी से निष्पादन संबधी महत्वपूर्ण आंकड़े, कंपनी के उद्देश्य एवं अंतर्नियमावली कॉर्पोरेट अधिशासन दिशानिर्देश, शक्तियों का प्रत्यायोजन, उत्पादन लाइन ब्रोशर आदि शामिल रहते है। निदेशकों की स्थिति, कर्तव्यों, दायित्वों पर मोनोग्राफ की प्रति सभी निदेशकों को परिचालित की जाती है।

सहायक कम्पनियांः

कम्पनी बीएचईएल की पूर्ण स्वामित्वाधीन सहायक कम्पनी है। बीएचपीवी के पास अब कोई भी सहायक कम्पनी नहीं है।

संयंत्र अवस्थितिः

मैसर्स भारत हेवी प्लेट एण्ड वेसेल्स लिमिटेड

नाथयापालेम,

विशाखापत्तनम–530 012, (आंध्रप्रदेश)

प्रकटन

कम्पनी अधिनियम की धारा 297 के प्रावधानों यथा उपबंधित निदेशक नियमित रूप से कम्पनी के हितों के अनुरूप यह प्रकटन करते हैं कि कम्पनी के साथ प्रबंधन अथवा उसके संबंधी का फर्म से किसी प्रकार का लेन–देन अथवा व्यवसाय नहीं है। कम्पनी नीतिगत मानकों को बनाए रखने के लिए विभिन्न कानूनों के अनुरूप समुचित प्रकटन सुनिश्चित कर रही है।

सांविधिक देयों की स्थिति के साथ सांविधिक अनुपालन रिपोर्ट बोर्ड के समक्ष नियमित रूप से रखी जा रहीं है। वर्ष के दौरान भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रपति के निर्देशों का कम्पनी द्वारा अनुपालन किया गया है।

वर्ष के दौरान बहियों और लेखाओं में कोई व्यय नहीं डाला गया है जो व्यवसाय व्यय के प्रयोजनार्थ नहीं हैं और वैयक्तिक स्वरूप का कोई काम निदेशक मंडल तथा सर्वोच्च प्रबंधन द्वारा नहीं किया गया है।

कंपनी के पास विशल ब्लोअर नीति का कोई तंत्र नहीं है। लेकिन किसी तरह की कोई शिकायत रखने वाले किसी कार्मिक/कर्मचारी को लेखा परीक्षा समिति की पहुंच से इन्कार नहीं गया है।

चूंकि कम्पनी एक गैर सूचीबद्ध केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है, सेबी तथा स्टॉक एक्सचेंज की अपेक्षा अथवा सूचीबद्धन के प्रावधान लागू नहीं हैं। तथापि समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कम्पनी ने बीएचईएल की सहायक कम्पनी होने की सभी अपेक्षाओं को पूरा किया।

सम्प्रेषण का माध्यम

कंपनी ने प्रेस, इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से कंपनी में महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा घटनाओं का व्यापक रूप से प्रसार किया है। कंपनी अपनी कार्यकरण की सूचना वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराती है। सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी के रिकार्ड नियंत्रक एवं महालेखाकार की लेखापरीक्षा तथा सतर्कता/ सीबीआई आदि की जांच हेतु हमेशा खुले हैं।

कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में : सदस्यगण
मैसर्स भारत हेवी प्लेट एण्ड वेसेल्स लिमिटेड
विशाखापत्तनम

महोदय,

हमने भारत हेवी प्लेट एवं वेसेल्स लि. (कंपनी) द्वारा 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष में कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है, जिनका उल्लेख कार्पोरेट अभिशासन पर लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी 14 मई, 2011 के दिशा निर्देशों में किया गया है।

कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का पालन करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जांच उपर्युक्त दिशानिर्देशों में उल्लिखित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यविधि एवं उनके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो लेखापरीक्षित है और न ही कंपनी के वित्तीय परिणामों पर हमारी राय की अभिव्यक्ति है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, निम्न के अधीन कि असूचीबद्ध सीजीएमई पर लागू कॉर्पोरेट अभिशासन दिशानिर्देशों के अनुसार, कम से कम बोर्ड के एक तिहाई सदस्य स्वतंत्र निदेशक होंगे। बोर्ड में स्वत्रंत निदेशकों की अवधि समाप्त होने से हुई रिक्ति के कारण कंपनी शर्तों को पूरा नहीं कर सकी। अतः कंपनी के बोर्ड में वर्ष के दौरान स्वतंत्र निदेशक नहीं थे।

हम यह प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने उपर्युक्त उल्लिखित संशोधित दिशानिर्देशों में उल्लिखित कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

हमारा यह भी कहना है कि कंपनी की भावी संभाव्यता के संबंध में यह अनुपालन न तो आश्वासन है और न ही प्रभावनीयता की कुशलता है, जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के कार्यों का संचालन किया है।

कृते मै. ग्रांधी एंड कंपनी
एफआरएन नं.: 001007एस
चार्टड एकाउन्टेट्स

हस्ता./–
नरेश चंद्र जीवी
साझेदार
सदस्यता सं. 201754

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.05.2012

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

अनुबंध–3

प्रबन्धन का उत्तर

सेवा में, सदस्य,
भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड
विशाखापट्ट्नम।

हमने 31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार भारत हेवी प्लेट तथा वेसेल्स लिमिटेड के संलग्न तुलनपत्र, लाभ हानि खाते और नकद प्रवाह विवरण की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व केवल अपनी लेखापरीक्षा विवरणों के आधार पर अपनी राय व्यक्त करना है।

हमने भारत में आमतौर पर स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानदंडों के अनुसार लेखापरीक्षा की है। इन मानदंडों के अनुसार अपेक्षा की जाती है कि वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा इस प्रकार से की जाए कि उनमें किसी भी प्रकार का अनुचित विवरण न हो। लेखापरीक्षा में उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के परीक्षण आधार पर जांच का कार्य किया जाता है। इसके अलावा, लेखापरीक्षा में लेखांकन सिद्धांतों तथा प्रबंधन द्वारा लगाए गए अनुमानों का व्यापक रूप से उपयोग करके समग्र वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया जाता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करेगी।

कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 227 के प्रावधानों के अनुसार हम सूचित करते हैं कि:

I. कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 227 के उप अनुच्छेद (4ए) के अनुसरण में भारत की केन्द्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लखापरीक्षकों की रिपोर्ट) आदेष, 2003 की अपेक्षानुसार तथा कम्पनी की बहियों और रिकार्डों की ऐसी जांच के अवसर पर जिसे हमने उचित समझा तथा हमें प्राप्त सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार हमने उक्त आदेश के पैरा 4 और 5 में निर्दिष्ट मामलों पर विवरण संलग्न अनुबंधों में दिया है।

II. ऊपर पैरा (i) में दिए गए अनुबंध में अपनी टिप्पणियों के अलावा हम यह भी सूचित करते हैं कि:

   क) हमने लेखापरीक्षा के प्रयोजन से अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सभी आवश्यक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं,

   ख) जहां तक कंपनी की बहियों की जांच का प्रश्न है, हमारी राय में कंपनी ने लागू कानून की अपेक्षानुसार अपनी बहियों का उचित रखरखाव किया है,

   ग) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण लेखा बहियों के अनुबंध के अनुसार है,

   घ) हमारी राय में इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र, लाभ एवं हानि खाते, नकद प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 22 के उप अनुच्छेद 3ग) में उल्लिखित लेखांकन मानदंडों के अनुरूप हैं–

   ड) कंपनी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 21.10.2003 को जारी अधिसूचना सं. जीएसआर 829(ई)

के अनुसरण में कंपनी अधिनियम, 1956 के अनुच्छेद 274 (1)(छ) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते।

च) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार अनुसूची 19 में लेखांकन नीतियों और व्याख्यात्मक टिप्पणियों के साथ पठित उक्त लेखे कंपनी अधिनियम, 1956 की अपेक्षानुसार और जिस रूप में हम चाहते हैं उसके अनुसार तथा सामान्य रूप से स्वीकार्य सिद्धातों के अनुरूप सही और उचित विचार देते हैं।

(i) 31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार कंपनी के क्रियाकलापों के तुलन पत्र के मामले में,

(ii) वर्ष की समाप्ति की तारीख को कंपनी के लाभ–हानि खाते के मामले में,

(iii) वर्ष की समाप्ति की तारीख को कंपनी के नकद प्रवाह विवरण के मामले में।

कृते मै. ग्रांधी एंड कंपनी
एफआरएन नं.: 001007एस
चार्टर्ड एकाउन्टेट्स

हस्ता./–
नरेश चंद्र जीवी
साझेदार
सदस्यता सं. 201754

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.05.2012

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट हेतु अनुबंध

(सम तारीख की हमारी रिपोर्ट के पैरा 1 में संदर्भित)

i) (क) कंपनी ने सामान्य तौर पर अपनी स्थायी परिसम्पत्तियों के मात्रात्मक ब्यौरों और स्थिति सहित पूर्ण विवरणों को दर्शाने वाले समुचित दस्तावेज बनाए रखे हैं।

(ख) हमें सूचित किया गया है कि प्रबंधन ने वास्तविक सत्यापन के अपने चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार स्थायी सम्पत्तियों के एक भाग का सामान्य तौर पर वास्तविक सत्यापन कराया है, जिसे कम्पनी के अनुसार और व्यवसाय के स्वरूप को देखते हुए समुचित समझा जाता है और ऐसे सत्यापन पर कोई वास्तविक विरोधाभास नहीं देखा गया है।

(ग) कम्पनी ने अपनी स्थाई सम्पत्तियों के किसी भाग को बेचा नहीं है जिससे कि इसकी जारी स्थिति प्रभावित हो।

ii) (क) जैसाकि हमें स्पष्ट किया गया है, केवल ऐसे स्टॉक जिस पर कार्य प्रगति पर है तथा कुछ कार्यस्थल कार्यालयों पर परिष्कृत सामान के अलावा जहां इनका सत्यापन स्थापना विभाग की निरीक्षण रिपोर्टों और उत्पदान रिपोर्टों के संदर्भ में वर्ष के अंत में किया जाता है, वर्ष के दौरान नियमित अंतराल पर सतत् मालसूची के अन्तर्गत प्रबंधन द्वारा मालसूची का वास्तविक सत्यापन कराया गया है। संविदाकारों/फैब्रिकेटरों तथा अन्य पार्टियों के पास पडे स्टॉक के सम्बन्ध में केवल कुछ मामलों में ही पुष्टियां प्राप्त हुई थी। हमारी राय में सत्यापन की फ्रिक्वेंसी समुचित है।

(ख) हमारी राय में प्रबंधन द्वारा अपनायी जा रही मालसूची की वास्तविक सत्यापन की प्रक्रियाएं कम्पनी के आकार और इसके व्यवसाय स्वरूप के दृष्टिगत सामान्य तौर पर समुचित और पर्याप्त हैं।

(ग) कम्पनी ने मालसूची के समुचित रिकार्ड रखें हैं और कम्पनी के आकार तथा प्रचालन स्वरूप के दृष्टिगत मालसूची के वास्तविक सत्यापन के समय पाई गई विसंगतियां मूर्त रूप में नहीं थी और इन्हें कम्पनी के बहीखातों में समुचित रूप में ठीक कर लिया गया था।

iii) (क) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अन्तर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में कवर कम्पनियां, फर्मों और अन्य पार्टियों को कोई ऋण, सुरक्षित अथवा असुरक्षित नहीं प्राप्त किया है। तद्नुसार कम्पनी (लेखा परीक्षण की रिपोर्ट) आदेश, 2003 के पैरा 4 का खण्ड (iii) (ख) से (iii) (घ) चालू वर्ष के लिए कम्पनी पर लागू नहीं है।

(ख) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अंतर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में कवर कम्पनियों, फर्मों और अन्य पार्टियों से कोई ऋण सुरक्षित अथवा असुरक्षित नहीं लिया है। तद्नुसार, कम्पनी (लेखा परीक्षक की रिर्पोट) आदेश, 2003 के पैरा 4 का खण्ड (iii) (च) से (iii) (छ) चालू वर्ष के लिए कम्पनी पर लागू नहीं है।

iv) हमारी राय में तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार मालसूची स्थायी परिसम्पत्तियों की खरीद तथा माल एवं सेवाओं की बिक्री के संबंध में कम्पनी के आकार तथा इसके व्यवसाय स्वरूप के समनुरूप पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां हैं। इसके अतिरिक्त कम्पनी की बहियों तथा रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार हमें आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों में बड़ी कमजोरियों को सुधार करने में लगातार असफल रहने के बारे में न तो पता चला है और न ही कोई सूचना मिली है।

v) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी राय है कि वर्ष के दौरान अधिनियम की धारा 301 में संदर्भित कोई संविदाएं अथवा व्यवस्थाएं नहीं हैं जिनकी उस धारा के अंतर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में प्रविष्टि किए जाने की जरूरत हो। तद्नुसार कम्पनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश 2003 के पैरा 4 का खण्ड (v) (ख) चालू वर्ष के लिए कम्पनी पर लागू नहीं है।

vi) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कम्पनी ने अधिनियम की धारा 58ए तथा 58एए अथवा किसी अन्य संगत उपबंधो और उसके अन्तर्गत बनाई गई कम्पनी (जमाओं की स्वीकृति) नियमावली के तात्पर्य के भीतर वर्ष के दौरान जनता से कोई जमा स्वीकार किया गया है।

vii) हमारी राय में कम्पनी की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली इसके व्यवसाय के आकार और स्वरूप के अनुसार सुदृढ़ किये जाने के अनुरूप है।

viii) केन्द्र सरकार ने व्यवसाय स्वरूप के संबंध में कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत लागत रिकार्ड का रखरखाव विहित नहीं है।

ix) (क) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार हमें प्रस्तुत तथा हमारे द्वारा जांच की गई बहियों और रिकार्डों के बारे में हमारी राय में कम्पनी सामान्य तौर पर समुचित प्राधिकरण के साथ साथ अनुप्रयोग भविष्य निधि निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्रीकर, सम्पत्ति कर, सेवाकर, उत्पाद शुल्क सीमा शुल्क, उपकर तथा अन्य कोई सांविधिक देयों सहित अविवादित सांविधिक देयों को जमा कराने में नियमित रही है।

(ख) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार 31 मार्च, 2012 की यथास्थिति भुगतेय तारीख से छः माह से अधिक की अवधि के लिए आयकर, बिक्रीकर/वैट, सेवाकर उत्पाद शुल्क, सीमाशुल्क उपकर तथा अन्य संविधिक देयों के संबंध में अविवादित राशि भुगतेय हो।

क्र. सं.	संविधि का नाम	देय राशि का स्वरूप	राशि (₹ करोड़ में)
1.	उत्पाद शुल्क	विक्रय आदेश आंकलन (सीओडी ने बीएचपीवी को सीईउएसटीएसी के पास आगे अपील करने की अनुमति नहीं दी)	2.73

प्रबंधन का उत्तर :

विषयगत देयता इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि सीओडी ने बीएचपीवी सीईएसटीएटी में मामला ले जाने की अनुमति नहीं दी है। लेकिन इसे डीआरएस में अधित्याग/मांगी गई छूट की सूची में रखा गया है।

हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, बिक्रीकर आयकर, उत्पाद शुल्क तथा उपकर का विवरण जो विवाद के कारण जमा नहीं कराए गए हैं निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	संविधि का नाम	देयों का स्वरूप	राशि (₹ करोड़ मे)	मंच जहां विवाद लम्बित है
1.	केन्द्रीय बिक्रीकर अधिनियम तथा कार्य संविदा कर अधिनियम	बिक्री कर तथा कार्य संविदा कर	6.81	प्रथम अपीलीय प्रधिकारी उपायुक्त / आयुक्त
			0.87	न्यायाधिकरण
2.	केन्द्रीय उत्पाद अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	3.01	आयुक्त (अपील)
			101.55	सीईएसटीएटी, बेंगलूरू
3.	वित्त अधिनियम, 1994 के अंतर्गत सेवाकर	सेवा कर	0.09	आयुक्त (अपील)
			19.04	सीईएसटीएटी, बेंगलूरू
	कुल		**131.38**	

x) कम्पनी को 31 मार्च, 2012 की यथास्थिति रू 25313.56 लाख की संचित हानि हुई है और लेखा परीक्षित तथा इससे पूर्व के वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई है।

xi) हमारे द्वारा जांच किए गए कम्पनी के रिकार्डों और हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कम्पनी ने वित्तीय संस्थानों, बैंकों अथवा डिबेन्चर धारकों को देय राशियों की अदायगी में कोई चूक नहीं की है। तथापि, कम्पनी ने अभी तक वर्ष 1998–99 के दौरान जारी बाण्डों को चुकता नहीं किया है।

प्रबंधन का उत्तर:

बीएफआईआर के संदर्भाधीन एक बीमार कंपनी होने के कारण कंपनी निधियों को अत्यधिक कमी का सामना कर रही है। अतः कुछेक भुगतान नहीं किए जा सके। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी ने एक बॉण्डधारक को पूर्ण और अंतिम निपटान के तौर पर ₹ 5.00 लाख की राशि (पूर्ववर्ती वर्ष में 14 बॉण्ड धारकों को ₹ 2.45 करोड) की मूल धनराशि का पुनर्भुगतान किया है। शेष 8 असुरक्षित बॉण्ड धारकों के लिए मूलधन और ब्याज के रूप देय ₹ 10.08 करोड़ (मूल धनराशि ₹ 2.06 करोड़ जमा ब्याज ₹ 8.03 करोड़) का लेखा बहियों में प्रावधान किया गया है।

xii) कम्पनी ने शेयरों डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर प्रतिभूति आधार पर कोई ऋण और अग्रिम नहीं प्रदान किया है।

xiii) चिट फंड/निधि/म्युचुअल बेनिफट फन्ड/सोसाइटियों के लिए लागू किसी विशेष संविधा के उपबंध कम्पनी पर लागू नहीं होते हैं।

xiv) हमारी राय में कम्पनी शेयरों, प्रतिभूतियों, डिबेंचरों और अन्य निवेशों के कार्य अथवा व्यापार से नहीं लगी है। तद्नुसार, कम्पनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2003 के खण्ड के उपबंध कम्पनी के लिए लागू नहीं है।

xv) हमारी राय में तथा हमें प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार कम्पनी ने वर्ष के दौरान बैंकों अथवा वित्तीय संस्थानों से अन्यों द्वारा लिए गए ऋण के लिए कोई गारंटी नहीं दी है।

xvi) हमारी राय में तथा हमें प्रस्तुत की गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार कम्पनी ने वर्ष के दौरान कोई आवधिक ऋण नहीं लिया है।

xvii) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कम्पनी के तुलनपत्र की समग्र जांच किए जाने पर, हम सूचित करते हैं कि अल्पावधि आधार पर जुटाई गई निधियों का दीर्घावधि निवेश के लिए उपयोग नहीं किया गया है।

xvii) कम्पनी ने वर्ष के दौरान कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अन्तर्गत रखे जाने वाले रजिस्टर में कवर पार्टियों और कम्पनियों को शेयरों का कोई अधिमानी आवंटन नहीं किया है।

xix) हमारी राय में कम्पनी ने वर्ष के दौरान कोई डिबेंचर जारी नहीं किया है।

xx) कम्पनी ने वर्ष के दौरान सार्वजनिक इशू द्वारा कोई धन नहीं जुटाया है।

xxi) कम्पनी की बहियों और रिकार्डों की हमारी जांच के दौरान, यह भारत में सामान्य रूप में स्वीकार्य लेखा परीक्षा प्रणालियों तथा हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार की गई है, हमें वर्ष के दौरान कम्पनी पर अथवा कम्पनी द्वारा किसी प्रकार की धोखाधड़ी का मामला सामने नहीं आया और न सूचना दी गई।

कृते मै. ग्रांधी एंड कंपनी
एफआरएन नं.: 001007एस
चार्टड एकाउन्टेट्स

हस्ता./–
नरेश चंद्र जीवी
साझेदार
सदस्यता सं. 201754

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.05.2012

दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापट्टनम के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापट्टनम का वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक लेखापरीक्षा और उनके व्यावसायिक निकाय इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा निर्धारित आश्वासन मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अधीन इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के उत्तरदायी हैं। इसे उनकी दिनांक 17 मई, 2012 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट द्वारा किया गया बताया जाता है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3)(ख) के अधीन दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापट्टनम के वित्तीय विवरण की पूरक लेखापरीक्षा की है। यह पूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्यकरण कागजातों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ तथा कुछ लेखाकरण रिकार्ड की चयनात्मक जांच तक सीमित है। प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरणों में किए गए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए लेखों के हिस्से के रूप में टिप्पणियों की टिप्पणी क्रम सं. 26 में यथा उल्लिखित अनुपूरक लेखापरीक्षा में अंकित मेरी लेखा परीक्षा टिप्पणियों के परिणामस्वरूप कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अंतर्गत सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के अनुपूरक में मुझे कुछ और नहीं कहना है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक
के लिए और उसकी ओर से

हस्ता./–
(वाई.एन.ठाकरे)
प्रधान वाणिज्यिक लेखापरीक्षा निदेशक और
पदेन सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड, हैदराबाद

स्थान : हैदराबाद
दिनांक 29 जून 2012

तुलन पत्र

31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार

(₹ लाख में)

	अनुसूची सं.	31.03.2012 को		31.03.2011 को	
इक्विटी और देयताएं					
(1) **शेयरधारक निधि:**					
(क) शेयर पूंजी	**1**	**3379.78**		3379.78	
(ख) मुख्य कार्यालय से निधियां	**1A**	**0.00**		0.00	
(ग) प्रारक्षित तथा अथशेष	**2**	**-25311.55**	**-21931.77**	-26355.72	-22975.94
लंबित आबंटन के लिए शेयर आवेदन राशि			**3400.00**		3400.00
(2) अन्तर प्रभाग लेखे (जमा शेष)	**1B**		**0.00**		0.00
(3) निगमित कार्या. की ओर से निधियां – सीसीसी लेखा (जमा शेष)	**1D**		**0.00**		0.00
(4) **गैर–चालू देनदारियां**					
दीर्घावधि ऋण	**3**	**21887.18**		21754.23	
आस्थगित कर देयताएं (निवल)	**12**	**0.00**		0.00	
अन्य दीर्घावधि देनदारियां	**4**	**2522.47**		1755.33	
दीर्घावधि प्रावधान	**5**	**525.86**		977.65	
कुल गैर–चालू देनदारियां			**24935.51**		24487.21
(5) **चालू देनदारियां**					
लघु अवधि ऋण	**6**	**205.50**		210.50	
व्यापार भुगतान	**7**	**4510.19**		2845.31	
अन्य चालू देनदारियां	**8**	**12365.08**		13496.54	
लघु अवधि प्रावधान	**9**	**2344.23**		1734.63	
कुल चालू देनदारियां			**19425.00**		18286.98
कुल इक्विटी एवं देनदारियां			**25828.74**		23198.25
परिसंपत्तियां					
1 **गैर चालू परिसंपत्तियां**	**10**				
(क) अचल परिसंपत्तियां					
(i) मूर्त परिसंपत्तियां		**449.09**		440.90	
(ii) अमूर्ति परिसंपत्तियां		**0.00**		0.00	
(iii) पूंजीगत कार्य–प्रगति में		**0.40**		0.00	
(iv) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां		**0.00**	**449.49**	0.00	440.90
(ख) गैर चालू निवेश	**11**	**1.31**		1.31	
(ग) आस्थगित कर संपत्तियां (शुद्ध)	**12**	**0.00**		0.00	
(घ) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	**13**	**274.04**		288.62	
(ड़) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां	**14**	**2684.41**	**2959.76**	2342.83	2632.76
2 **चालू परिसंपत्तियां**					
(क) चालू परिसंपत्तियां	**15**	**0.00**		0.00	
(ख) माल सूचियां	**16**	**6330.83**		4954.90	
(ग) व्यापार प्राप्तियां	**17**	**11626.28**		9753.73	
(घ) नकदी एवं नकदी समकक्षता	**18**	**1069.14**		720.99	
(ड़) लघु अवधि ऋण एवं अग्रिम	**19**	**3366.34**		4670.23	
(च) अन्य चालू परिसंपत्तियां	**20**	**26.90**	**22419.49**	24.74	20124.59
3 अन्तर प्रभाग लेखे (प्रत्यक्षशेष)	**1C**		**0.00**		0.00
4 कार्पोरेट कार्यालय को तथा उन की ओर से निधियां सीसीसी खाता (प्रत्यक्ष शेष)	**1E**		**0.00**		0.00
	कुल		**25828.74**		23198.25

लेखा से संबंधित अन्य टिप्पणियां: **33**

देखें अनुसूची 1 से 20, 33 तथा महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां तुलनपत्र का अभिन्न भाग हैं।

कृते निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	
ए.एस.एस. शर्मा	**सुनित शोमे**	**पी.वी. श्रीधरन**	**बी. प्रसाद राव**
कंपनी सचिव	महाप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मा.सं.)	अध्यक्ष

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते मै. ग्रांधी एंड कंपनी

एफआरएन नं.: 001007एस

चार्टर्ड एकाउन्टेट्स

हस्ता./–

नरेश चंद्र जीवी

सदस्यता सं. 201754

साझेदार

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 17 मई, 2012

लाभ एवं हानि खाता
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ लाख में)

		अनुसूची सं.	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
I	**प्रचालनों से राजस्व (सकल)**	**21**	**15580.08**	13697.54
	घटाएं : उत्पाद शुल्क तथा सेवाएं		**1398.37**	950.92
			14181.71	12746.62
II	अन्य प्रचालनों से आय	**22**	**504.44**	312.54
III	अन्य आय	**23**	**41.69**	131.74
IV	अन्य प्रभागों को स्थानांतरित	**23A**		
V	अन्य प्रभागों को खर्च का आबंटन	**25A**		
	कुल राजस्व		**14727.84**	13190.90
VI	**व्यय**			
	डब्ल्यूआईपी/एफजी में अभिवृद्धि (कमी)	**24**	**-432.09**	105.78
	सामग्री की खपत, संस्थापना तथा इंजीनियरिंग व्यय	**25**	**7649.03**	6644.88
	कर्मचारियों का पारिश्रमिक तथा लाभ	**26**	**4787.30**	4661.20
	उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा			
	वितरण संबंधी अन्य व्यय	**27**	**1170.97**	1190.14
	प्रावधान (शुद्ध)	**28**	**282.04**	236.05
	वित्त एवं उधार लागत	**29**	**140.31**	140.14
	अवमूल्यन, परिशोधन, हानि		**102.35**	109.92
	घटाएं: आंतरिक उपयोग हेतु किए गए लागत कार्य			
	कुल व्यय		**13699.91**	13088.11
VII	पूर्वावधि मदों तथा असाधारण मदों से पूर्व लाभ (हानि)		**1027.93**	102.79
	असाधारण मदों से आय/व्यय			
VIII	जोड़ें/घटाएं: विशिष्ट मदें	**30**	**16.24**	774.77
IX	जोड़ें/(घटाएं) पूर्वावधि मदें (निवल)	**31**	**0.00**	0.00
X	वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ/हानि		**1044.17**	877.56
XI	घटाएं कराधान का प्रावधान		**0.00**	0.00
	वर्ष के लिए कर उपरांत लाभ (हानि)		**1044.17**	877.56
	निरंतर प्रचालनों से अवधि के लिए लाभ (हानि)		**1044.17**	877.56
	अन्य लेखा टिप्पणियां:	**33**		

देखें अनुसूची 21 से 34 तथा महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां जो कि लाभ एवं हानि खाते का एकीकृत भाग हैं।

कृते निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	
ए.एस.एस. शर्मा	**सुनित शोमे**	**पी.वी. श्रीधरन**	**बी. प्रसाद राव**
कंपनी सचिव	महाप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मा.सं.)	अध्यक्ष

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते मै. ग्रांधी एंड कंपनी
एफआरएन नं.: 001007एस
चार्टर्ड एकाउन्टेट्स

हस्ता./–
नरेश चंद्र जीवी
सदस्यता सं. 201754
साझेदार

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17 मई, 2012

नकद प्रवाह विवरण

31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ लाख में)

	विवरण	31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए
	प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
	शुद्ध लाभ	**1044.17**	877.56
	निम्नलिखित के लिए समायोजित		
	मूल्यह्रास	**102.35**	109.92
	माल सूची में वृद्धि/कमी	**-1442.77**	-688.03
	ऋण तथा अग्रिम में कमी	**3625.44**	-886.95
	व्यापार प्राप्तियों में वृद्धि/कमी	**-4275.00**	-238.71
	आस्थगित राजस्व व्यय में वृद्धि/कमी	**0.00**	0.00
	व्यापार देयताओं/देनदारियों में वृद्धि/कमी	**999.52**	502.69
	प्रावधानों में वृद्धि/कमी	**157.82**	602.73
	योग	**-832.64**	-598.35
क.	**प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकद प्रवाह**	**211.53**	279.21
	निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह		
	अचल परिसंपत्यिों की खरीद	**-110.94**	-89.91
	निवेश में वृद्धि/कमी	**0.00**	0.00
ख.	**निवेश गतिविधियों में इस्तेमाल शुद्ध नकद**	**-110.94**	-89.91
	वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह		
	ऋणों में वृद्धि/कमी	**263.80**	-257.58
	ब्याज माफी (असाधारण मदें)	**-16.24**	-774.77
ग	**वित्तीय गतिविधियों से सृजित शुद्ध नकद**	**247.56**	-1032.35
	नकद तथा नकद समकरण में शुद्ध वृद्धि	**348.15**	-843.05
	01 अप्रैल, 2011 की यथास्थिति नकद तथा नकद समकरण	**720.99**	1564.04
	31 मार्च, 2012 की यथास्थिति नकद तथा नकद समकरण	**1069.14**	720.99

कृते निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	
ए.एस.एस. शर्मा	**सुनित शोमे**	**पी.वी. श्रीधरन**	**बी. प्रसाद राव**
कंपनी सचिव	महाप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मा.सं.)	अध्यक्ष

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते मै. ग्रांधी एंड कंपनी

एफआरएन नं.: 001007एस

चार्टर्ड एकाउन्टेट्स

हस्ता./–

नरेश चंद्र जीवी

सदस्यता सं. 201754

साझेदार

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 17 मई, 2012

अनुसूची : 1 शेयर पूंजी

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
अधिकृत		
₹ 1000 प्रत्येक के		
3,50,000 इक्विटी शेयर	**3500.00**	3500.00
जारी, अंशदायी तथा प्रदत्त पूंजी :		
₹ 1000 प्रत्येक के 3,37,978 पूर्ण प्रदत्त		
(गत वर्ष 3,37,978) इक्विटी शेयर पूर्ण प्रदत		
(₹ 1000 प्रत्येक	**3379.78**	3379.78
के सभी 3,37,978 इक्विटी शेयर धारक कंपनी		
मैसर्स भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड		
नई दिल्ली तथा इसके नामित द्वारा धारित है)		
योग	**3379.78**	3379.78

अनुसूची : 1ए–1ई

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
1ए. प्रधान कार्यालय से निधियां	**0.00**	0.00
1बी. अंतर प्रभाग लेखा (क्रेडिट शेष)	**0.00**	0.00
1सी. अंतर प्रभाग लेखा (ऋण शेष)	**0.00**	0.00
1डी. सेन्ट्रल कैश क्रेडिट एकाउन्ट के अन्तर्गत कॉर्पोरेट कार्यालय की ओर से निधियां (क्रेडिट शेष)		
1ई. सेन्ट्रल कैश क्रैडिट एकाउन्ट के अन्तर्गत कॉर्पोरेट कार्यालय की ओर से निधियां (ऋण शेष)		
योग	**0.00**	0.00

अनुसूची 2 : प्रारक्षित एवं अधिशेष

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
(क) पूंजी प्रारक्षित				
प्रारंभिक शेष	**2.01**		2.01	
जोडें: परिवर्धन/समायोजन	**0.00**		0.00	
घटाएं: कटौतियां/समायोजन	**0.00**	**2.01**	0.00	2.01
(ख) प्रतिभूति प्रीमियम खाता				
प्रारंभिक शेष	**0.00**		0.00	
जोडें: परिवर्धन/समायोजन	**0.00**		0.00	
घटाएं: कटौतियां/समायोजन	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
(ग) विदेशी परियोजना आरक्षित				
प्रारंभिक शेष	**0.00**		0.00	
जोडें: परिवर्धन/समायोजन	**0.00**		0.00	
घटाएं: कटौतियां/समायोजन	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
(घ) बाण्ड विमोचन आरक्षित				
प्रारंभिक शेष	**0.00**		0.00	
जोडें: परिवर्धन/समायोजन	**0.00**		0.00	
घटाएं: कटौतियां/समायोजन	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
(ड) सामान्य प्रारक्षित				
प्रारंभिक शेष	**0.00**		0.00	
जोडें: परिवर्धन/समायोजन	**0.00**		0.00	
घटाएं: कटौतियां/समायोजन	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
वर्ष के लिए लाभ व हानि				
(लाभ वं हानि का विवरण)	**1044.17**		877.56	
पिछले वर्ष से आगे लाया गया लाभ(हानि) का अधिशेष	**-26357.73**		-27235.29	
विदेषी परियोजना प्रारक्षित वापस लिखित	**0.00**		0.00	
यूनिटों को पिछले वर्ष के आयकर, लाभांश आदि का वितरण	**0.00**		0.00	
विनियोग के लिए उपलब्ध लाभ	**-25313.56**		-26357.73	
घटाएं: विनियोग	**0.00**		0.00	
- विदेशी परियोजना आरक्षित	**0.00**		0.00	
-बाण्ड प्रतिदान प्रारक्षित	**0.00**		0.00	
-सामान्य प्रारक्षित	**0.00**		0.00	
-लाभांश	**0.00**		0.00	
-कार्पोरेट लाभांश कर	**0.00**	**-25313.56**	0.00	-26357.73
कुल		**-25311.55**		-26355.72

अनुसूची 3 : दीर्घावधि ऋण

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
रक्षित		
डिबेन्चर्स/बांड	**0.00**	0.00
राज्य सरकारों से ऋण	**0.00**	0.00
वित्तीय संस्थानों से ऋण	**0.00**	0.00
आरक्षित		
सार्वजनिक जमा	**0.00**	0.00
निम्नलिखित से आवधिक ऋण और अग्रिम		
भारत सरकार	**0.00**	0.00
राज्य सरकारें	**0.00**	0.00
वित्तीय संस्थान	**0.00**	0.00
विदेशी वित्तीय संस्थान	**0.00**	0.00
वित्त लीज दायित्वों की दीर्घावधि परिपक्वता		
कंपनियां - (बीएचईएल, धारक कंपनी)	**21887.18**	21754.23
पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए ऋण	**0.00**	0.00
	21887.18	21754.23

अनुसूची 4 : अन्य दीर्घावधि देनदारियां

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
व्यापार देयताएं	**0.00**	0.00
ग्राहकों/अन्य से प्राप्त अग्रिम	**2486.70**	1698.57
जमा राशि	**35.77**	56.76
योग	**2522.47**	1755.33

अनुसूची 5 : दीर्घावधि प्रावधान

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
संविदात्मक दायित्व	**525.86**	977.65
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान	**0.00**	0.00
अन्य	**0.00**	0.00
	525.86	977.65

अनुसूची 6 : लघु अवधि उधार

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
रक्षित		
बैंकों से ऋण और अग्रिम		
कैश क्रेडिट (क्रेडिट अधिशेष)	**0.00**	0.00
(कच्चे माल, अवयवों, प्रगति अधीन कार्य, तैयार वस्तुओं, बुक ऋणों और अन्य चालू परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य की दोनों को गिरवी रखकर)		
पैकिंग क्रेडिट	**0.00**	0.00
(कच्चे माल, अवयवों, प्रगति अधीन कार्य, तैयार वस्तुओं, और स्टोर्स को गिरवी रखकर प्रथम वसूली से प्रारक्षित)		
नया बिल मार्किट स्कीम	**0.00**	0.00
(कच्चे माल, अवयवों, प्रगति अधीन कार्य, तैयार वस्तुओं, और स्टोर्स तथा डिमांड बिलों को गिरवी रखकर प्रथम वसूली से प्रारक्षित)		
-कंपनियां (बीएचईएल)	**0.00**	0.00
अरक्षित		
बैंकों से	**0.00**	0.00
वाणिज्य कागजात	**0.00**	0.00
शिपमेंट पश्चात ऋण	**0.00**	0.00
पोस्ट शिपमेंट क्रेडिट–एग्जिम बैंक	**0.00**	0.00
अन्यों से		
-कंपनियों से	**0.00**	0.0
-वित्तीय संस्थानों से	**0.00**	0.00
पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए ऋण	**0.00**	0.00
अन्य (पुराने बांड)	**205.50**	210.50
योग	**205.50**	210.50

अनुसूची 7 : व्यापार देयताएं

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
व्यापार देयताएं	**4510.19**	2845.31
योग	**4510.19**	2845.31

अनुसूची 8 : अन्य चालू देनदारियां

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
वित्त पट्टा दायित्वों की वर्तमान परिपक्वताएं				
स्वीकृत बिल	**0.00**		0.00	
ग्राहकों और अन्यों से प्राप्त अग्रिम	**2815.12**		3977.50	
ठेकेदारों और अन्यों से जमा	**921.06**		863.15	
अदावाकृत लाभांश*	**0.00**		0.00	
अन्य देयताएं/देनदारियां	**7825.62**		7972.22	
ब्याज उपर्जित परंतु देय नहीं	**0.00**	**11561.80**	0.00	12812.87
उपर्जित ब्याज और निम्न से				
ऋण पर देय राज्य सरकार		**0.00**		0.00
वित्तीय संस्थान, बांड और अन्य (पुराने बांड)		**803.28**		683.67
पैकिंग क्रेडिट		**0.00**		0.00
निम्न पर उपार्जित और देय ब्याज				
पोस्ट शिपमेंट क्रेटिड		**0.00**		0.00
सरकारी ऋण		**0.00**		0.00
राज्य सरकार से ऋण		**0.00**		0.00
पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए ऋण		**0.00**		0.00
वित्तीय संस्थान और अन्य		**0.00**		0.00
विदेशी वित्तीय संस्थान		**0.00**		0.00
सार्वजनिक जमा राशियां		**0.00**		0.00
कुल		**12365.08**		13496.54

अनुसूची 9 : लघु अवधि प्रावधान

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
लाभांश	**0.00**	0.00
कार्पोरेट लाभांश कर	**0.00**	0.00
अनुबंधात्मक दायित्व	**752.54**	143.99
सेवानिवृत्ति लाभ	**0.00**	0.00
अन्य	**1591.69**	1590.64
	2344.23	1734.63

अनुसूची 10 : अचल परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
(i) मूर्त परिसंपत्तियां		
सकल खण्ड	**8264.01**	8153.47
घटाएं: संचित मूल्यह्रास	**7814.92**	7712.57
घटाएं: संचित क्षति	**0.00**	0.00
घटाएं: पट्टा समायोजन खाता		
शुद्ध ब्लाक	**449.09**	440.90
(ii) मूर्त परिसंपत्तियां		
सकल खंड	**0.00**	0.00
घटाएं: संचित मूल्यह्रास/हानि	**0.00**	0.00
शुद्ध खण्ड	**0.00**	0.00
(iii) प्रगति अधीन पूंजीगत कार्य		
निर्माण कार्य प्रगति पर–सिविल	**0.00**	0.00
निर्माण स्टोर्स (ट्रांजिट सहित)	**0.00**	0.00
संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य उपकरण		
- इरेक्शन/फेब्रिकेशन के अधीन/इरेक्शन की प्रतीक्षा में	**0.40**	0.00
- ट्रांजिट में	**0.00**	0.00
इरेक्शन के अधीन पट्टे पर परिसंपत्तियां	**0.00**	0.00
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	**0.00**	0.00
कुल जोड़	**449.49**	440.90
विवरण के लिए नोट 10.1 को देखें		

अनुसूची 10.1

अचल परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		निवल ब्लॉक		
	31.03.2011 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	31.03.2012 को कुल लागत	01.04.2011 को मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष	31.03.2012 समायोजित मूल्यह्रास	31.03.2012 को	31.03.2011 को	वर्ष के लिए मूल्यह्रास
फैक्टरी/कार्यालय काम्पलेक्स									
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	16.41	0.00	0.00	16.41	0.00	0.00	16.41	16.41	0.00
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)									
सड़के, पुल और पुंलियां निर्माण	24.82	0.00	0.00	24.82	16.72	17.13	7.69	8.10	0.41
भवन	979.43	0.00	0.00	979.43	870.61	880.17	99.26	108.82	9.56
पट्टाधारित भवन									
जल निकासी, जल–मल निकासी	44.23	0.00	0.00	44.23	36.15	37.10	7.13	8.08	0.95
रेलवे साइडिंग	18.38	0.00	0.00	18.38	18.38	18.38	0.00	0.00	0.00
लोकोमोटिव तथा वैगन	16.61	0.00	0.00	16.61	16.61	16.61	0.00	0.00	0.00
प्लांट तथा मशीनरी	5162.87	84.96	0.00	5247.83	4997.25	5057.36	190.47	165.62	60.11
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	450.39	12.79	0.00	463.18	442.19	451.06	12.12	8.20	8.87
विद्युत संस्थापना	151.97	0.00	0.00	151.97	151.97	151.97	0.00	0.00	0.00
निर्माण उपकरण	442.68	0.00	0.00	442.68	442.68	442.68	0.00	0.00	0.00
वाहन	55.86	0.00	0.00	55.86	49.66	50.68	5.18	6.20	1.02
फर्नीचर और फिक्चर्स	217.40	0.77	0.00	218.17	205.44	208.98	9.19	11.96	3.54
लीज पर ली गई परिसंपत्तियां									
- संयंत्र एवं मशीनरी									
- ईडीपी उपकरण	91.05	0.00	0.00	91.05	26.12	41.46	49.59	64.93	15.34
कुल (क)	**7672.11**	**98.52**	**0.00**	**7770.63**	**7273.79**	**7373.58**	**397.05**	**398.33**	**99.80**
टाउनशिप									
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	7.68	0.00	0.00	7.68	0.00	0.00	7.68	7.68	0.00
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)									
सड़के, पुल और पुंलियां निर्माण	20.05	0.00	0.00	20.05	9.93	10.25	9.80	10.12	0.32
भवन	387.50	0.00	0.00	387.50	365.90	366.93	20.57	21.60	1.03
पट्टाधारित भवन									
जल निकासी, जल–मल निकासी	21.57	0.00	0.00	21.57	18.40	18.80	2.77	3.17	0.40
- संयंत्र एवं मशीनरी									
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण									
विद्युत संस्थापना	35.37	12.02	0.00	47.39	35.37	36.17	11.22	0.00	0.80
वाहन									
फर्नीचर और फिक्चर्स	9.19	0.00	0.00	9.19	9.19	9.19	0.00	0.00	0.00
कुल (ख)	**481.36**	**12.02**	**0.00**	**493.38**	**438.77**	**441.34**	**52.04**	**42.57**	**2.55**
योग (क)+(ख)	**8153.47**	**110.54**	**0.00**	**8264.01**	**7712.57**	**7814.92**	**449.09**	**440.90**	**102.35**
पिछला वर्ष	**8063.56**	**89.91**	**0.00**	**8153.47**	**7602.65**	**7712.57**	**440.90**	**460.91**	**109.92**

अनुसूची 11 : गैर चालू निवेश

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
दीर्घावधि				
(लागत पर)				
गैर उद्धृत शेयर(पूर्णतः प्रदत्त):				
व्यापार:				
मै. इंजीनियरिंग प्रोजैक्ट्स (इंडिया) लिमि. के 490				
प्रत्येक ₹ 10 इक्विटी शेयर		**1.26**		1.26
व्यापार के अलावा				
बीएचपीवी कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी भंडार लिमिटेड में				
प्रत्येक ₹ 10 के 250 शेयर (पूर्णतः प्रदत्त)	**0.02**		0.02	
कुफे परेड परसोफिल्स परमिसिज सोसाइटी लिमि, मंबई				
में प्रत्येक ₹ 50 के 10 शेयर (पूर्णतः प्रदत्त)	**0.01**		0.01	
हिल व्यू को–आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि. मुंबई				
प्रत्येक ₹ 50 के 20 शेयर (पूर्णतः प्रदत्त)	**0.01**		0.01	
मै. रीटा इन्टरप्राइज मुंबई को प्रत्येक ₹ 10 के 50 शेयरों के				
आबंटन के लिए अग्रिम शेयर राशि का भुगतान किया।	**0.01**		0.01	
मैसर्स आशीष इंटरप्राइजिज मुंबई को प्रत्येक ₹ 10				
के 50 शेयर आबंटित करने के लिए अग्रिम शेयर राशि का भुगतान	**0.00**	**0.05**	0.00	0.05
कुल		**1.31**		1.31

अनुसूची 12 : आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
प्रावधान	**0.00**		0.00	
वैधानिक देयताएं	**0.00**		0.00	
मॉडवैट समायोजन	**0.00**		0.00	
अन्य	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
आस्थगित कर देनदारियां	**0.00**		0.00	
अवमूल्यन	**0.00**		0.00	
अन्य	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)		**0.00**		0.00

अनुसूची 13 : दीर्घावधि ऋण और अग्रिम

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
सहायक कंपनियों को ऋण				
पूंजी व्यय के लिए अग्रिम	**0.00**		0.00	
जमाएं	**117.33**		117.48	
कर्मचारियों को ऋण	**156.39**		170.88	
ऋणों पर उपार्जित ब्याज और देय	**0.00**		0.00	
अन्य	**0.00**	**273.72**	0.00	288.36
अग्रिम(नकद वसूली योग्य या अन्य प्रकार से या प्राप्त किये जाने वाले मूल्य के लिए)				
क्रय हेतु	**0.00**		0.00	
अन्यों को	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
जमाएं				
कस्टम, पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सरकारी प्राधिकारियों	**0.00**		0.00	
के पास अधिशेष	**0.32**	**0.32**	0.26	0.26
घटाएंः प्रावधान				
उप वर्गीकरण				
प्रारक्षित अच्छा माना ₹ शून्य लाख				
अप्रारक्षित, अच्छा माना ₹ 273.72 लाख				
संदेहपूर्ण ₹ शून्य लाख				
कुल		**274.04**	0.00	288.62

अनुसूची 14 : अन्य गैर–चालू परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
दीर्घावधि प्राप्तियां	**2315.38**		2040.64	
घटाएंः बुरे और संदग्धि ऋण	**0.00**		0.00	
घटाएं–स्वतः मूल्य कटौती समायोजन	**0.00**	**2315.38**	0.00	2040.64
उप वर्गीकरणः				
अप्रारक्षित, अच्छा माना ₹ लाख				
अप्रारक्षित, अच्छा माना ₹ 2315.38 लाख				
संदेहपूर्ण ₹ 0.00 लाख				
अचल माल सूची	**1423.32**		1232.25	
घटनाएंः अचल माल सूची के लिए प्रावधान	**1054.29**	**369.03**	930.06	302.19
कुल		**2684.41**		2342.83

अनुसूची 15 : चालू निवेश

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति	31.03.2011 की यथास्थिति
चालू		
अउद्धृत(पूर्णतः प्रदत्त)	**0.00**	0.00
व्यापार के अलावा	**0.00**	0.00
	0.00	0.00

अनुसूची 16 : माल सूचियां

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
भण्डार एवं स्पेयर्स:				
- उत्पादन	**407.43**		290.70	
- ईंधन स्टोर्स	**16.01**		7.13	
- विविध	**241.74**	**665.18**	211.20	509.03
कच्चा माल तथा संघटक		**3241.94**		2422.81
मार्गस्थ सामग्री		**51.21**		111.70
फ़ैब्रिकेटर्स/टेकेदारों के पास सामग्री		**0.00**		0.00
खुले औज़ार		**21.47**		21.51
रद्दी माल (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)		**337.14**		308.05
तैयार माल		**18.59**		11.35
मार्गस्थ अन्तर–प्रभाग अन्तरण में		**0.00**		0.00
चल रहा कार्य (उप–टेकेदारों के साथ वस्तुओं सहित)		**1995.30**		1570.45
@ महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति 8 के संदर्भ में मूल्यांकित		**6330.83**		4954.90

अनुसूची 17 : चालू व्यापार प्राप्ति योग्य

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
- छह माह से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	**12096.51**		10601.36	
- अन्य ऋण	**5734.34**		5356.94	
	17830.85		15958.30	
घटाएं : संदेहपूर्ण ऋणों एवं	**6204.57**		6204.57	
घटाएं : संदेहपूर्ण ऋणों एवं	**0.00**	**11626.28**	0.00	9753.73
स्वतः मूल्य कमी समायोजन हेतु प्रावधान				
₹ 4391-22 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2418.00 लाख)				
व्यापार प्राप्तियों में वितरित वस्तुओं के लंबित बिल शामिल हैं–				
-₹ शून्य लाख (पिछले वर्ष ₹ शून्य लाख				
व्यापार प्राप्तियों का विवरण :				
अप्रारक्षित, अच्छा माना ₹ शून्य लाख				
अप्रारक्षित, अच्छा माना ₹ 11626.01 लाख				
संदेहपूर्ण ₹ 6204.57 लाख				
योग		**11626.28**		9753.73

अनुसूची 18 : रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
नकदी और स्टैम्पस के रूप में		**2.28**		13.58
चैक, डिमांड ड्राफ्ट के रूप में		**244.05**		0.00
ट्रांजिट में प्रेषण		**0.00**		0.00
अनुसूचित बैंकों में अधिशेष:				
चालू खाता	**294.06**		447.91	
जमा खाता	**528.75**		259.50	
12 माह से अधिक परिवक्वता अवधि के साथ जमाएं	**0.00**	**822.81**	0.00	707.41
ग़ैर अनुसूचित बैंकों के साथ अधिशेष				
चालू खाता ₹ शून्य लाख				
जमा खता ₹ शून्य लाख				
12 माह से अधिक परिवक्वता अवधि के साथ जमा राशियां शून्य लाख				
		1069.14		720.99

अनुसूची 19 : लघु अवधि ऋण और अग्रिम

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
ऋण				
सहायक कंपनियों को ऋण	**0.00**		0.00	
कर्मचारियों को ऋण	**0.00**		0.00	
उधारपर जारी सामग्री	**0.00**		0.00	
अन्य को ऋण	**0.00**		0.00	
सार्वजनिक प्रतिष्ठानों को ऋण	**0.00**		0.00	
अर्जित ब्याज और या ऋण पर देय	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
अग्रिम				
(नकद प्राप्तियां या किसी अन्य प्रकार या मूल्य के रूप में प्राप्त)				
सहायक कंपनियों को	**0.00**		0.00	
कर्मचारियों को	**113.41**		66.67	
क्रय के लिए	**2204.25**		2228.01	
अन्य के लिए	**2905.86**	**5223.52**	2673.25	4967.93
जमा				
कस्टम, पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास अधिशेष	**802.95**		1986.46	
अंतर कार्पोरेट जमा/ऋण	**0.00**		0.00	
अंतर कार्पोरेट जमाओं/ऋणें पर उपार्जित ब्याज	**0.00**		0.00	
अन्य से	**263.72**		314.03	
अग्रिम कर/टीडीएस (कराधान के लिए निवल प्रावधान)	**55.65**	**1122.32**	362.82	2663.31
जोड़		**6345.84**		7631.24
घटाएं: संदेहपूर्ण ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान		**2979.50**		2961.01
ऋणों और अग्रिमों का विवरण:				
प्रारक्षित, अच्छा माना ₹ शून्य लाख				
अप्रारक्षित, अच्छा माना ₹ 6345.84 लाख				
संदेहपूण ₹ 2979.50 लाख				
		3366.34		4670.23

अनुसूची 20 : अन्य चालू परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 की यथास्थिति		31.03.2011 की यथास्थिति	
बैंक जमा राशियों और निवेशों पर अर्जित ब्याज		**26.90**		24.74
पट्टे पर परिसंपत्तियों से प्रापणयोग्य किराया	**0.00**		0.00	
घटाएं: अनुपार्जित वित्त आय	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
		26.90		24.74

अनुसूची 21 : प्रचालनों से राजस्व

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
बिक्री घटाएं प्रतिफल	**13740.14**	12688.34
बाहरी इरेक्शन और अन्य सेवाओं से आय और	**1839.94**	1009.20
वर्क्स ठेकों से राजस्व	**0.00**	0.00
वित्त लीज़ पर दी गई परिसंपत्तियां	**0.00**	0.00
योग	**15580.08**	13697.54

अनुसूची 22 : अन्य प्रचालन आय

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
निर्यात प्रोत्साहन		**0.00**		0.00
लीज़ पर परिसंपत्तियों से किराये की आय	**0.00**		0.00	
लीज इक्वेलाइजेशन अकाउंट	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
वित्त लीज़ पर दी गई परिसंपत्तियों पर वित्त आय		**0.00**		0.00
स्क्रैप		**211.12**		78.46
बिक्री/अधिशेष के स्थानांतरण से प्राप्ति		**0.00**		0.00
अन्य		**293.32**		234.08
योग		**504.44**		312.54

अनुसूची 23 : अन्य आय

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
क. अन्य आय		
यूनिटों या बॉडों की बिक्री पर लाभ	**0.00**	0.00
स्थायी परिसंपत्तियों और पूंजीगत स्टोर्स की बिक्री से लाभ (शुद्ध)	**0.00**	0.00
निवेश पर लाभांश (दीर्घावधि–व्यापार)	**0.01**	0.01
विनिमय अंतर प्राप्ति (निवल)	**0.00**	0.00
अन्य अनुसन्धान एवं विकास परियोजना पर भारत सरकार से प्राप्त	**0.00**	0.00
ख. ब्याज आय		
ग्राहकों से	**0.00**	0.00
कर्मचारियों से	**0.00**	0.00
बैंकों से	**41.68**	131.73
निवेशों से (चालू, ट्रेड के अलावा)	**0.00**	0.00
अंतर प्रभागीय कारोबार (निवल अधिशेष)	**0.00**	0.00
अन्य	**0.00**	0.00
(टीडीएस ₹ 1.72 लाख (पिछले साल ₹ 6.07 लाख)		
कुल	**41.69**	131.74

अनुसूची 24 : तैयार माल में वृद्धि/कमी तथा चल रहा कार्य

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
क. कार्य की प्रगति				
अंतः शेष	**1995.30**		1570.45	
प्रारंभिक शेष	**1570.45**	**424.85**	1638.20	-67.75
ख. तैयार माल का स्टॉक:				
अंतः शेष	**18.59**		11.35	
प्रारंभिक शेष	**11.35**	**7.24**	49.38	-38.03
ट्रांजिट में अंतर प्रभागीय अंतरण		**0.00**		0.00
कुल (क+ख)		**432.09**		-105.78

टिप्पणी:

तैयार माल में उत्पाद कर का हिस्सा:		(₹ लाख में)
क्लोजिंग स्टॉक	**0.00**	0.00
प्रारंभिक स्टॉक	**0.00**	0.00

अनुसूची 25 : सामग्री की खपत, इरेक्शन और इंजीनियरी व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
कच्चे माल और संघटकों की खपत	**7115.22**		6252.17	
घटाएं: अन्य प्रभागों को अंतरित	**0.00**	**7115.22**	0.00	6252.17
भण्डारों एवं स्पेअर्स की खपत	**224.42**		183.34	
घटाएं: अन्य प्रभागों को अंतरित	**0.00**	**224.42**	0.00	183.34
सामग्रियों में अंतरित		**0.00**		0.00
अन्य सेवाओं में अंतरित		**0.00**		0.00
इरेक्शन तथा इंजीनियरी व्यय – उप–ठेकेदारों को भुगतान		**309.39**		209.37
योग		**7649.03**		6644.88

अनुसूची 26 : कर्मचारी का पारिश्रमिक और लाभ

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	**3552.70**	2959.96
उपदान निधि में अंशदान	**189.81**	776.28
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	**279.63**	256.13
समूह बीमा	**0.00**	0.00
कर्मचारी कल्याण व्यय	**765.16**	668.83
योग	**4787.30**	4661.20

अनुसूची 27 : उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण पर अन्य व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
रेजीडेंट परामर्शदाता प्रभार		**0.00**		0.00
रॉयल्टी, तकनीकी प्रलेखीकरण, परामर्श प्रभार और अन्य परामर्श		**0.00**		0.00
किराया : आवासीय		**0.00**		0.00
गैर आवासीय		**0.00**		0.00
उत्पाद कर		**25.17**		17.84
विद्युत एवं ईंधन		**364.67**		342.43
दरें और कर		**7.32**		-20.63
सेवा कर		**0.00**		0.00
विनिमय परिवर्तन (अधिशेष)		**0.00**		6.59
बीमा		**10.01**		11.22
मरम्मत:				
भवन	**75.21**		86.29	
संयंत्र एवं मशीनरी	**39.70**		107.55	
अन्य	**19.72**	**134.63**	25.93	219.77
निर्यात से संबंधित अन्य व्यय		**0.00**		0.00
बट्टाकृत निवेशों पर हानि		**0.00**		0.00
वर्ष के दौरान बट्टाकृत अशोध्य ऋण		**0.00**		0.00
बाह्य ढुलाई प्रभार		**120.45**		155.30
यात्रा और वाहन		**44.86**		32.04
विविध व्यय		**463.86**		425.58
रोकड़ छूट		**0.00**		0.00
प्रभारित किये गये निर्णीत हर्ज़ाने		**0.00**		0.00
गारंटी फीस		**0.00**		0.00
निर्माणाधीन प्रभागों को स्टोर्स के स्थानांतर पर मूल्य अंतर		**0.00**		0.00
दान	**0.00**		0.00	
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व		**0.00**		0.00
बाँडों के मोचन पर हानि/प्रीमियम		**0.00**		0.00
पूंजीगत स्टोर्स/अचल परिसंपत्यिों की बिक्री पर हानि (निवल))		**0.00**		0.00
अन्य प्रभागों से व्यय का आबंटन (अधिशेष)		**0.00**		0.00
योग		**1170.97**		1190.14

अनुसूची 28 : प्रावधान (शुद्ध)

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
सन्दिग्ध ऋण, निर्णीत हर्ज़ाने तथा ऋण और अग्रिम				
वर्ष के दौरान सृजित	**0.00**		0.00	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	**0.00**	**0.00**	143.94	-143.94
संविदात्मक दायित्व				
वर्ष के दौरान सृजित	**311.64**		895.50	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	**154.88**	**156.76**	292.77	602.73
अन्य				
वर्ष के दौरान सृजित	**125.28**		-222.74	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	**0.00**	**125.28**	0.00	-222.74
योग		282.04		236.05

अनुसूची 29 : वित्त एवं अन्य ऋण लागत

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
निम्न पर ब्याज:		
बांड/डिबेंचर्स/केंद्रीय/राज्य सरकार से ऋण	**135.85**	120.42
बैंकों/वित्तीय संस्थानों से ऋण	**0.00**	0.00
आस्थगित ऋण	**0.00**	0.00
अंतर प्रभाग लेनदेन (अधिशेष)	**0.00**	0.00
विदेशी वित्तीय संस्थान	**0.00**	0.00
अन्य	**4.46**	19.72
अन्य उधारी लागत	**0.00**	0.00
	140.31	140.14
घटाएं: उधार लागत पूंजीकृत	**0.00**	0.00
योग	**140.31**	140.14

अनुसूची 30 : विशिष्ट मदें

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
आय		
पुराने बांडों के निपटान पर ब्याज की माफी	**16.24**	774.77
व्यय	**0.00**	0.00
विशिष्ट मदें (निवल)	**16.24**	774.77

अनुसूची 31 : पूर्व अवधि मदें

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
आय				
प्रतिफल रहित बिक्री	**0.00**		0.00	
ब्याज आय/अन्य	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
व्यय				
कच्चा माल तथा संघटकों की खपत	**0.00**		0.00	
ब्याज	**0.00**		0.00	
विविध व्यय	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00
पूर्वावधि समायोजन (निवल)		**0.00**		0.00

अनुसूची 32 : कर व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्तमान वर्ष के लिए		
- चालू कर	**0.00**	0.00
- फ्रिंज लाभ कर	**0.00**	0.00
- आस्थगित कर	**0.00**	0.00
पहले के वर्ष के लिए		
- कर	**0.00**	0.00
- आस्थगित कर	**0.00**	0.00
योग	**0.00**	0.00

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण, ऐतिहासिक लागत और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखाकरण की प्रोद्भवन विधि तथा कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, जैसा कि कंपनी द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

2. स्थायी परिसंपत्तियां

क) स्थायी परिसंपत्तियां (राज्य से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि से भिन्न) अधिग्रहण या निर्माण अथवा संग्रहित मूल्यह्रास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती हैं। लागत के अंतर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हो, में लिए गए पूंजीगत कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है।

ख) स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/ऋणों के संबंध में अवमूल्यन/पुर्नमूल्यन जैसी असाधारण घटनाओं के प्रभाव को लागत में जोड़ा/घटाया जाता है।

ग) राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि का मूल्य ₹ 1 लगाया गया है, सिवाए इसके कि वह 16 जुलाई, 1969 के पश्चात् न अधिग्रहित की गई हो, क्योंकि उस मामले में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी प्रारक्षित निधि में समतुल्य जमा द्वारा अधिग्रहण मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

3. वित्तीय पट्टा

क) पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

क. विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत की जाती हैं और उन्हें बिक्री के रूप में माना जाता है।

ख. वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

ग. आरंभिक प्रत्यक लागतों पट्टा शुरू होने पर व्यय किया जाता है।

ख) 1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

क) पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को उचित मूल्य/एनपीवी/ संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है।

ख) उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। यदि पट्टा परिसंपत्तियां, पट्टा अवधि समाप्त होने पर पट्टादाता को वापस करनी है तो उनकी उपयोगी अवधि या पट्टा अवधि, जो भी अल्प हो, के लिए मूल्यह्रासित किया जाता है।

ग) किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों से संबद्ध वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी, में विभाजित कर दिया जाता है।

ग) प्रचालन पट्टा

क) पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं। उनसे होने वाली पट्टा आय को पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

ख) पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

प्रचालन पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ व्यय माना जाता है।

4. अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां

अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियो को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, अगर

(क) यह संभाव्य हो कि भविष्य में परिसंपत्ति के कारण होने वाला आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होगा, और

(ख) कंपनी का परिसंपत्तियों पर नियंत्रण होगा, और

(ग) इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है और ₹ 10,000 से अधिक है।

अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को उनकी अनुमानित उपयोगी अवधि में सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर परिशोधित किया जाएगा, जो सॉफ्टवेयर के मामले में तीन वर्षों और अन्य के मामले में दस वर्षों से अधिक नहीं होगी।

(क) अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित अनुसंधान पर व्यय को होने वाले वर्ष में लाभ और हानि में प्रभारित किया जाता है।

(ख) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों पर लेखाकरण मानक के अनुसार मानदंड पूरी करने वाली अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के विकास चरण के दौरान व्यय सहित विकास पर किए गए व्यय को अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है।

(ग) अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ अधिग्रहित स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागतें

क) उधार लागतें, जो अर्हक परिसंपत्तियों के विनिर्माण, अधिग्रहण या निर्माण पर व्यय की जाती हैं, ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के भाग के रूप में शामिल की जाती हैं।

ख) अर्हक परिसंपत्ति वह होती है जो अभिप्रेत उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से बारह महीने से अधिक का समय लेती है।

ग) अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है, जिसमें उन्हें खर्च किया जाता है।

6. मूल्यह्रास

(i) स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यह्रास, उसे छोड़कर जहां मूल्यह्रास, तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रभारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी–रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल लागत तक प्रभारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है–

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
स्वचालित/अर्ध–स्वाचालित मशीनें	10%	15%	20%
स्थापना उपकरण, पूंजीगत औजार तथा साज–सामान	20%		
टाउनशिप बिल्डिंगें			
– द्वितीय श्रेणी	2.5%		
– तृतीय श्रेणी	3.5%		
रेलवे साइडिंग	8%		
लोकोमोटिव तथा वैगन	8%		
विद्युतीय संस्थापनाएं	8%		
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8%		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा अन्य जल आपूर्ति	3.34%		
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	20%		

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि/से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार, यथानुपात मासिक आधार पर होता है.

(ii) दीर्घावधिक संविदाओं के अनुसरण में भारत से बाहर प्रयुक्त स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) ₹10,000 या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा उन परिसंपत्तियों, जिनका ह्रासित मूल्य वर्ष के प्रारंभ में ₹10,000 या कम है, का पूर्णतः मूल्यह्रास होता है। जहां तक, टाउनशिप भवनों का प्रश्न है, वहां प्रति मकान की लागत ₹10,000 की सीमा के लिए आधार है।

(iv) निर्माण/परियोजना स्थल पर सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि में पूर्णतः परिशोधित की जाती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंगें, विद्युतीय संस्थापनाओं और इस प्रकार के अन्य समर्थकारी कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण, लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर अवशिष्ट मूल्य के रूप में 10 प्रतिशत प्रतिधारित करते हुए उन्हें मूल्यह्रासित किया जाता है।

(v) लकड़ी के ढांचों जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रासित किया जाता है।

(vi) पट्टाधारित भूमि और भवनों को पट्टे की अवधि में परिशोधित किया जाता है। पट्टे पर ली गई भूमि पर निर्मित भवनों का मूल्यह्रास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी कम हो, में होता है।

7. निवेश

(i) दीर्घावधि निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा, ऐसे निवेशों में गिरावट को मान्यता दी जाती है और इसके लिए व्यवस्था की जाती है।

(ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत/उचित मूल्य, जो भी कम है, पर किए जाते हैं। अउद्धृत चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

(iii) निवेश की लागत में अधिग्रहण प्रभार जैसे, दलाली, शुल्क तथा ड्यूटी शामिल है।

मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि में लेखा प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

8. मालसूची मूल्यांकन

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित लागत अथवा निवल वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(ii) गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सैटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेटों के संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक/ अनुमानित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांकित औसत लागत है।

(v) क) 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए–

जहां संविदा की लागत के वर्तमान अनुमान और विक्रय मूल्य हानि दर्शाते हैं, वहां ऐसी संविदा के लिए प्रत्याशित हानि को तुरंत मान्यता प्रदान की जाती है, चाहे कार्य शुरू हो गया है या नहीं।

ख) अन्य सभी संविदाओं के लिए–

जहां किसी संविदा का भाग होने वाली पृथक रूप से अभिज्ञात परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधी वर्तमान अनुमान हानि दर्शाता है, वहां ऐसी परियोजना के संबंध में, जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि को मान्यता दी जाती है।

(ग) प्रत्याशित हानि निर्धारण में प्राप्त कुल आय पर विचार किया जाता है, जिसमें निर्यातों/माने गए निर्यातों पर प्रोत्साहन भी शामिल होते हैं।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीद/विनिर्मित संघटकों और अन्य सामग्रियों, जिन्हें अथिशेष घोषित किया गया हो, को तकनीकी अनुमानों के आधार पर अवशिट मूल्य प्रतिधारित करते हुए राजस्व पर प्रभारित किया जाता है।

9. राजस्व मान्यता

ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अंतर्गत आंशिक शिपमेंट द्वारा ग्राहक को प्रेषित किया गया माल आता है।

क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए राजस्व को संविदा की कुल अनुमानित लागत पर सूचना तिथि तक व्यय की गई वास्तविक लागत की प्रतिशतता पर आधारित प्रतिशतता समापन विधि से मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए:

(i) लम्बे उत्पादन चक्र वाली मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबंध में बिक्री राजस्व को मान्यता तकनीकी अनुमानों पर दी जाती है। जब शिपमेंट का कुल मूल्य प्रापणीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत या प्रापजीय मूल्य न होने पर, उद्धृत मूल्य पर विचार किया जाता है। अन्यथा, उन पर वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

(ii) निर्माण और परियोजना प्रबंध सेवाओं को निम्नलिखित आधार पर मान्यता दी जाती है–

पूर्णता की प्रतिशतता, अथवा अंतर्भूत मूल्य की गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(iii) प्रदान की गई इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय को पूरे किए गए कार्य की प्रतिशतता के आधार पर प्रापणीय मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

(iv) बीएचईएल में निर्माण न किए गए उपस्करों/प्रणालियों और सिविल कार्यों की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेषणों/परियोजना स्थल पर किए गए कार्यों पर आधारित होती है।

10. विदेशी मुद्रा लेन–देन के लिए लेखाकरण

विदेशी मुद्रा लेन–देनों को लेन–देनों की तारीख को विद्यमान विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को वर्ष के अंत में विनिमय दरो पर रूपांतरित किया जाता है। लेन–देनों के निपटान और मौद्रिक मदों के रूपांतरण पर उत्पन्न हुए विनिमय अंतर को उस वर्ष जिसमें वे उत्पन्न होते हैं, में आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

11. कर्मचारी लाभ

अर्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, भविष्य निधि और कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्रोद्भवन आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। उपदान, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावे और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार लेखाबद्ध की जाती है। बीमांकिक देयता कर्मचारियों के संदर्भ में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अधीन प्रतिपूर्ति होने वाले वर्ष में यथानुपात मासिक आधार पर प्रभारित की जाती है।

12. कंपनी द्वारा/के विरुद्ध दावे

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन–देनों के अनुभवों द्वारा अनुपूरित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के

आकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है।

(ii) निर्यात प्रोत्साहन, शुल्क वापसी, सीमा शुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे आदि प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्य वृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य के परिवर्तनों के संबंध में देय राशियों को केवल तभी राजस्व के रूप में माना जाता है जब संविदाओं से ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हों और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साक्ष्य हो। तथापि वृद्धि आंतरिक मूल्य तक प्रतिबंधित होती है।

13. वारंटियों के प्रावधान

(i) 1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिए :

संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान परीक्षण प्रचालन समाप्त होने पर संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है।

(ii) **अन्य सभी संविदाओं के लिए:**

वर्ष के अंत में वारंटी के अंतर्गत संविदाओं के लिए संविदात्मक दायित्वों का प्रावधान संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति वाली संविदाओं के मामले में पूरे किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

(iii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को जब भी व्यय किया जाता है, प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है और वर्ष के अंत में प्रावधानों पर प्रभारित किया जाता है।

14. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो। अचल मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है, जबकि गैर–मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व सबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते, तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर संबद्ध हैं, राजस्व के रूप में माना जाता है।

गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नॉमिनल मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है, अगर वे निःशुल्क प्राप्त होते हैं।

नोट : 33
तुलन पत्र तथा लाभ–हानि लेखे के भाग के रूप में टिप्पणियां

1. अनुबंधों की अनुमानित राशि, निवल अग्रिम राशि, पूंजीगत लेखे पर निष्पादन शेष राशि तथा प्रदान न की गई राशि ₹ 1111.00 लाख है (गत ₹ 132.00 लाख शून्य)। उक्त में अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों का अधिग्रहण षामिल है।

2. भूमि तथा भवन में 380.48 एकड़ भूमि शामिल हैं जिसके लिए औपचारिक हस्तांतरण विलेख आंध्र प्रदेश सरकार के जी ओ संख्या एमएस 96 दिनांक 30.04.2007 तथा 696 तारीख 03.10.2008 के अनुरूप वर्ष 2009–10 के दौरान की स्थिति तक निष्पादित/पंजीकृत।

3. ₹ 10,000 तक की प्रत्येक स्थायी परिसंपत्ति पर 100 प्रतिशत मूल्यहास के प्रावधान के लाभ–हानि खाते पर प्रभाव ₹ 6.74 लाख है। इसमें 10,000 तक की वृद्धियों पर प्रदान किया गया ₹ 6.30 लाख का मूल्यहास भी शामिल है।

4. ग्राहकों को विक्रय एवं प्रेषण में शामिल है:

   (क) अनंतिम मूल्यों पर आधारित बिक्री ₹ शून्य (गत वर्ष ₹ शून्य)

   (ख) वर्ष के दौरान रेलवे के साथ तय मूल्य के अनुसार पहले किए गए प्रेषण के लिए अतिरिक्त मूल्य शामिल है

   (ग) वृद्धि अद्यतन दावे ₹ शून्य (गत वर्ष ₹ शून्य) प्रोद्भूत आधार पर वृद्धि दावे ₹ शून्य (गत वर्ष ₹ शून्य)

   (घ) ग्राहकों के अनुरोध पर उनकी ओर से भेजे गए ₹ 107.04 लाख के मूल्य उपस्करों के प्रेषण (गत वर्ष ₹1538.04 लाख) जिनके लिए कंपनी को भुगतान प्राप्त हो चुका है

   (ड.) इसमें संविदा की शर्तों के अनुसार सुपुर्दगी में देर के कारण मूल्य में कमी (कुल रिफंड) शामिल नहीं है।

5. **आकस्मिक देयताएं**

   कंपनी के विरुद्ध दावों, जो ऋण के रूप में नहीं माने गए हैं, में निम्नलिखित शामिल हैं–

   (क) आय कर अपीलें – ₹ 31.56 लाख रुपये (गत वर्ष ₹ 31.56) जिसमें से विरोध/समायोजन के तहत रिफंड में से शून्य लाख (गत वर्ष ₹ 31.04 लाख) का भुगतान किया गया।

   (ख) बिक्री कर मांग – ₹ 1528.51 लाख (गत वर्ष ₹1152.28 लाख) जिसमें से विरोध स्वरूप/कोर्ट आदेश के अंतर्गत ₹ 760.08 लाख (पिछले वर्ष यह ₹ 646.20 लाख का भुगतान किया गया।

   (ग) उत्पाद शुल्क मांग – ₹ 10456.06 लाख (गत वर्ष ₹ 10456.06 लाख) जिसमें से ₹ 279.85 लाख का भुगतान विरोध/कोर्ट आर्डर के कारण किया गया है। (गत वर्ष ₹ 59.85 लाख)

   (घ) सीमा शुल्क मांग – ₹ शून्य (पिछले वर्ष ₹शून्य)

   (ड) न्यायालय/मध्यस्थता मामले – ₹ 3194.66 लाख (गत वर्ष ₹ 3458.14 लाख)

   (च) निर्णीत हर्जाना – ₹1084.23 लाख (गत वर्ष–₹ 795.55 लाख)

   (छ) ठेकेदारों द्वारा कांउटर दावे –₹शून्य (गत वर्ष ₹ शून्य)

   (ज) सेवा कर मांग–₹ 1913.71 (गत वर्ष ₹ 1922.23 लाख) जिसमें से ₹ शून्य राशि का भुगतान विरोध/कोर्ट आर्डर के कारण किया गया सात वर्ष ₹ शून्य लाख

   (झ) अन्य (कर्मचारी विवाद, कर्मचारियों तथा अंग्रेजी माध्यम से स्कूल स्टाफ को बढ़ाया वेतन सहित) ₹ 10218.91 लाख (गत वर्ष ₹ 8929.05 लाख)

   (ञ) एएस–29 मार्गनिर्देशों के अनुसार 31.03.2012 को बकाया बैंक गारंटी : ₹ 194.25 लाख (गत वर्ष ₹ 248-10 लाख)

   (ट) 31.03.2012 को बकाया कॉर्पोरेट गारंटी – ₹ 1175.29 लाख (गत वर्ष ₹ 2073.16 लाख)। इसके अतिरिक्त निष्पादन गारंटी के लिए आर सी एफ, थाल के पक्ष में बी एच पी वी की ओर से भेल द्वारा ₹ 957.32 लाख की कार्पोरेट गारंटी दी गई।

6. उप ठेकेदार/फैब्रीकेटर के पास पड़े लेनदारों, पेनदारों, ठेकेदारों के अग्रिम, जमा और स्टॉक/सामग्री पुष्टि, समायोजन और परिणामी समायोजन के अध्यधीन है। समायोजन सतत आधार पर किया जाता है और जहां कही भी आवश्यक समझा जाता है दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रावधान किए गए है।

7. 1.4.2001 से पूर्व पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के मामले में किराया संबंधी ब्यौरा: ₹ शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)

8. वर्ष के दौरान पूंजीकृत उधार लागत राशि शून्य (गत वर्ष शून्य)

9. 1 अप्रैल, 2001 को अथवा इसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों का ब्यौराः

क.सं.	विवरण	वर्ष	पूंजीगत मूल्य
1	कम्प्यूटर/पेरीफरल्स	2009-10	₹ 34.24 लाख
2	कम्प्यूटर/पेरीफरल्स	2010-11	₹ 56.81 लाख
3	कम्प्यूटर/पेरीफरल्स	2011-12	₹ शून्य

10. एएस–15 (संशोधित से संबंधित मार्गदर्शन नोट के अनुरूप कंपनी के उपदाव और छुट्टी के वेतन का वास्तविक मूल्यांकन किया है।

11. निर्णीत हानि के लिए प्रावधान/आकस्मिक देयता तथा संविदात्मक दायित्वों के लिए प्रावधान की व्यवस्था कमर्शियल विभाग की सलाह के अनुसार प्रदान की गई/वापस ले ली गई।

12. वर्ष के दौरान अनुसंधान और विकास पर हुए खर्च जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (2एबी) के तहत घटाने योग्य हैं, का ब्यौराः–

पूंजी व्यय

भूमि	:	₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)
भवन	:	₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)
संयंत्र और मशीनरी	:	₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)
राजस्व व्यय	:	
वेतन और भत्ते	:	₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)
उपभोज्य सामग्री/अतिरिक्त सामग्री)	:	₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)
विनिर्माण और अन्य सामग्री	:	₹ शून्य लाख (गत वर्ष शून्य लाख
कुल राजस्व व्यय	:	₹ शून्य लाख

(गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

13. एएस–18 के अनुसार संबंधित पार्टी लेन–देन–

क) नियंत्रणाधीन संबद्ध पार्टियां (होल्डिंग कंपनी)

पार्टी का नामः भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

संबंध की प्रकृतिः होल्डिंग कंपनी

ख) अन्य संबद्ध पार्टियां (प्रमुख प्रबंधन कार्मिक)

श्री ए .एस. नागराजा, प्रबंध निदेशक, बीएचपीवी लिमिटेड (30.04.2012 तक),

श्री पी. वी. श्रीधरन, निदेशक (एच आर), बीएचपीवी लिमिटेड

(₹ लाख में)

SL	लेन–देन की प्रकति	होल्डिंग कंपनी अर्थात भेल	प्रमुख प्रबंधन
1	माल की खरीद	1906.91	-
2	माल की बिक्री	13759.58	-
3	बीएचईएल से प्राप्य राशि	5885.81	-
4	बीएचईएल से प्राप्य दौरा व्यय	2159.69	-
5	आर्डरों के लिए अग्रिम	3400.00	-
6	लिए गए ऋण/अग्रिम	21887.18	-

(ग) 31.03.2012 तक की स्थिति के अनुसार आठ होल्डिंग कंपनियों द्वारा भेजे गए कार्यपालक बी एच पीवी में काम कर रहे हैं। वेतन तथा भत्तों की लागत होल्डिंग कंपनी द्वारा वहन की जाती है।

14. कंपनी ने छुट्टी नकदीकरण व्यय माह में 30 दिन के लिए गणना कर दर्ज किया है जो इस विषय पर डी पी ई के विशिष्ट अनुदेशों के अनुसार नकदीकरण की गणना के लिए आधार है।

15. (क) विभागीय मरम्मत और रख–रखाव पर व्यय इस प्रकारद्य हैः

संयंत्र और मशीनरी : ₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

भवन : ₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

अन्य : ₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

(ख) एजेंसी के निर्यात संबंधी कमीशन में निर्यात संबंधी व्यय शामिल हैः ₹शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

(ग) अनुसंधान और विकास पर व्यय 100.07 लाख (गत वर्ष ₹ 63.25 लाख)

(घ) रेंट रेजीडेंसियल ₹17.71 लाख (गत वर्ष ₹ 11.47 लाख)

(ड.) लेखा परीक्षकों को भुगतान

(₹ लाख में)

	2011-12	2010-11
लेखा परीक्षक	1.33	1.23
कराधान मामले	0.25	0.25
कंपनी विधि मामले	शून्य	शून्य
प्रबंधन सेवा	शून्य	शून्य
अन्य सेवा	0.28	शून्य
व्यय की प्रतिपूर्ति	0.04	0.14

(च) लागत लेखा परीक्षकों को भुगतानः ₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

(छ) मनोरंजन पर व्ययः ₹ 5.06 लाख (गत वर्ष ₹6.55 लाख)

(ज) विदेशी यात्रा पर व्यय

(₹ लाख में)

	2011-12	2010-11
दौरों की संख्या	शून्य	शून्य
व्यय ₹ में	शून्य	शून्य

(झ) व्यय प्रचार और जन संपर्क पर व्यय

(₹ लाख में)

	2011-12	2010-11
वेतन भत्ते तथा अन्य लाभ	29.12	18.25
अन्य व्यय	18.03	13.49

(ञ) निदेशक की फीसः ₹ 0.22 लाख (गत वर्ष ₹ 0.05 लाख)

16. वर्ष के अंत में चल रहे अनुबंध के संबंध में संशोधित एएस–7 के अनुसार वर्ष के लिए माने गए अनुबंध राजस्व के मामले में प्राप्त निर्माण अनुबंध से संबंधित प्रकटनः

(क) वर्ष के लिए माना गया अनुबंध राजस्व ₹10203.60 लाख (गत वर्ष ₹ 8731.32 लाख)

(ख) लागत व्यय तथा माना गया लाभ (घटाएं–मानी गई हानि) ₹ 29973.10 लाख (गत वर्ष ₹ 13935.54 लाख)

(ग) प्राप्त अग्रिम राशिः 1569.70 लाख (गत वर्ष ₹ 2471.16 लाख)

(घ) प्रतिधारण राशि (आस्थगित ऋण) 4457.33 लाख) (गत वर्ष ₹ 1637.82 लाख)

(ड) उपयुक्त नेटिंग आफ के बाद ग्राहकों से देय राशि के संबंध में परिसंपत्ति के रूप में अनुबंध कार्य के लिए ग्राहकों से देय सकल राशि ₹ 6067.03 लाख (गत वर्ष ₹ 2008.47 लाख) देयता के रूप में अनुबंध कार्य के लिए ग्राहकों से देय सकल राशि ₹ 223.47 लाख (गत वर्ष ₹ 1012.11 लाख)

(च) आकस्मिकताएं– ₹ शून्य (गत वर्ष ₹ शून्य)

(एएस)–7 के अनुसार 1 अप्रैल, 2003 को अथवा इसके बाद किए गए निर्माण अनुबंधों के मामले में कुल लागतों तथा कुल राजस्व का अनुमान। निर्माण अनुबंध वर्ष के दौरान कमेटी द्वारा पुनरीक्षित एवं अद्यतन किए जाते हैं तथा चालू वर्ष के खाते में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं।

17. निदेशको भुगतान किया गया/किया जाने वाला पारिश्रमिक (इसमें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक भी शामिल है)

वेतन और भत्ते : ₹ शून्य लाख
(गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

भविष्य निधि में अंशदान : ₹ शून्य लाख
(गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

उपदान निधि में अंशदान : ₹ शून्य लाख
(गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

अन्य : ₹ शून्य लाख (गत वर्ष ₹ शून्य लाख)

उपर्युक्त के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक/निदेशक को कंपनी के नियमानुसार उनके/उनकी निजी यात्रा के लिए भुगतान आधार पर कंपनी के परिवहन की सुविधा प्राप्त करने की अनुमति थी।

18. व्युत्पन्न लिखतों से संबंधित प्रकटन – शून्य (गत वर्ष शून्य)

19. सूक्ष्म तथा लघु उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सप्लायरों से संबंधित प्रकटन–कंपनी ने सूक्ष्म, लघु अथवा मध्यम उद्यम के रूप में 31 मार्च, 2012 तक की स्थिति के अनुसार अपने दर्जे का दावा करने वाले (सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सप्लायरों द्वारा अधिसूचित प्राधिकार के तहत भरा जाना अपेक्षित) से ज्ञापन प्राप्त नहीं हुआ। तत्पश्चात, वर्ष के दौरान इस पार्टियों को भुगतान की गई/भुगतान की जाने वाली राशि शून्य रही।

20. लेखाकरण मानदंड 29 से संबंधित प्रकटन

(क)

(₹ लाख में)

निर्णीत हानि (कुल)	**2011-12**	**2010-11**
आदि शेष	3029.45	2962.33
जमा	295.81	67.12
उपयोग/बट्टे खाते डालना/भुगतान	7.13	0.00
आहरण/समायोजन	0.00	0.00
अंत शेष	**3318.13**	**3029.45**
संविदात्मक दायित्व(कुल)		
आदि शेष	1121.64	518.91
जमा	311.64	895.50
उपयोग/बट्टे खाते डालना/भुगतान	0.00	0.00
आहरण/समायोजना	154.88	292.77
अंत शेष	**1278.40**	**1121.64**

(ख) कंपनी की लेखांकन नीति के अनुरूप निर्णीत हानियों का प्रावधान किया जाता है और उपयुक्त रूप से इस पर निपटान संबंधी खातों या अन्यथा कार्रवाई की जाती है। निर्णीत हानि से संबंधित आकस्मिक देयताएं नोट सं.33 के विंदु संख्या 5 पर दर्शाई गई है।

(ग) संविदा दायित्व के लिए प्रावधान महत्वपूर्ण लेखांकन नीति 13 के अनुरूप संविदा राजस्व के 2.5 प्रतिशत की दर से किया जाता है ताकि संविदा की शर्तों और निबंधनों के अनुसार दायित्वों को पूरा किया जा सके। संविदा के वारंटी दायित्व पूरा होने तक उसे सुरक्षित रखा जाता है। वांरटी दायित्व से संबंधित वास्तविक व्यय संबंधित संविदा की शर्तों और निबंधनों के आधार पर अलग–अलग संविदाओं में और अलग समय पर भिन्न–भिन्न हो सकता है।

21. जहां कही व्यावहारिक है, पूर्व वर्ष के आंकड़े पुनर्व्यवस्थित/पुनः समूहबद्ध किए गए है ताकि उन्हें चालू वर्ष के आंकड़ों से तुलनीय बनाया जा सके तथा निकटम हजार रूपये में राउंड आफ किया जा सके। इसके अतिरिक्त पूर्व वर्ष के आंकड़े चालू वित्त वर्ष 2011–12 संशोधित कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित अनुसूची–VI में दिए गए हैं।

22. सूक्ष्म और लघु उद्यमों के कारण हुए दायित्व की गणना ऐसे उपक्रमां के डेटाबेस के आधार पर की गई है जिन्हें आपूर्तिकर्ताओं/शिकमी ठेकेदारों से उनके स्तरों के अनुसार प्राप्त उत्तरों के आधार इकाइयों/प्रभागों द्वारा तैयार किया गया है। इसे नीचे दिया जा रहा है।

	2011–12	2010–11
	लाख	लाख
सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया देयताएं	शून्य	शून्य

23. महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 9ए के अनुसार पहचाने गए राजस्व को सभी संबंधित आदेशों में अग्रेनीत किया गया।

24. शिकमी ठेकेदार/फैब्रीकेटर के पास पड़े देनदारों, पेनदारों, ठेकेदारों के अग्रिम, जमा और स्टॉक/सामग्री पुष्टि, समायोजन और परिणामी समायोजन के अधीन है। समायोजन सतत आधार पर किया जाता है और जहां कही भी आवश्यक समझा गया है दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रावधान किए गए है।

25. लेखाकरण मानदंड 3 7(आर),15 (आर), 17, 20, 21, 22, 27 तथा 27 और कंपनी अधिनियम की अनुसूची VI के भाग IV की प्रकटन अपेक्षाएं कंपनी स्तर पर तैयार की जाती हैं।

(क) लेखाकरण मानदंड–17 कंपनी टर्नकी अथवा अन्यथा आधार पर सिंगल प्राइमरी व्यवसाय अर्थात फैब्रिकेशन/संस्थापना से परिचालित होती है। कंपनी द्वारा निर्मित संघटक केवल इस प्रकार की परियोजनाओं में इस्तेमाल के लिए होते हैं। अतः, कंपनी किसी प्रकार के अलग प्रकटन की आवश्यकता महसूस नहीं करती।

(ख) लेखाकरण मानदंड 20– प्रति शेयर अर्जन की गणना (ईपीएस) नीचे दी गई हैः

(₹ in Lakh)

क्रम सं	विवरण	2011-12	2010-11
1	शेयरों की सं.	337978 Nos	337978 Nos
2	असाधारण मदों पर विचार करने से पूर्व लाभ/हानि	1027.93	102.79
3	असाधारण मदों पर विचार करने से पूर्व ईपीएस	0.003	0.0003
4	असाधारण मदों पर विचार करने के बाद लाभ/हानि	1044.17	877.56
5	असाधारण मदों पर विचार करने के बाद ईपीएस	0.0031	0.0025

(ग) लेखाकरण मानदंड 22– भावी करयोग्य आय की निश्चित उपलब्धता के न होने के कारण आस्थगित कर परिसंपत्ति/देयता की पहचान नहीं की जा सकी।

(घ) लेखाकरण मानदंड–27– कंपनी का कोई संयुक्त उपक्रम नहीं है।

(ड) लेखाकरण मानदंड – 28 – एएस – 28 के अनुसार परिसंपत्तियों के नुकसान की गणना नहीं की जा सकी क्योंकि परिसंपत्तियों के नुकसान पर संभावित हानि का कोई संकेत नहीं था।

(च) लेखाकरण मानदंड–5 के प्रकटीकरण की अपेक्षाओं का सही रूप से अनुपालन किया गया।

(छ) कंपनी ने एएस 15 के प्रावधान लागू किया है और इसके अनुसार नकद एवं प्रोदभवन आधार पर उपदान तथा अवकाश वेतन बनाने की प्रणाली में परिवर्तन किया है। वास्तविक गणना के आधार पर उपदान के लिए ₹ 1530.27 लाख (गत वर्ष ₹1706.27 लाख) और छुट्टी वेतन के लिए ₹ 643.74 लाख (गत वर्ष ₹ 702.41 लाख) की राशि प्रदान की गई है। छुटटी वेतन दायित्व को अल्पावधि दायित्व के रूप में समझा जाता है, और इसलिए गणन्य बीमांकन आधार पर की जाती है। वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर उपदान और वेतन की गणना निम्नलिखित है–

(₹ लाख में)

क्र. सं.	उपदान राशि और छुट्टी के वेतन के प्रावधान का ब्यौरा	उपदान	छुट्टी वेतन
1	प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	1706.27	702.41
2	ब्याज लागत	136.50	56.19
3	चालू सेवा लागत	63.13	17.48
4	भुगतान किया गया लाभ	(365.50)	(265.98)
5	दायित्व पर बीमांकक (प्राप्तियां)/हानि	(9.83)	133.63
6	अंतिम परिभाशित लाभ दायित्व	1530.57	643.74

(ज) विदेशी मुद्रा प्राप्ति एवं व्ययः विदेशी मुद्रा की प्राप्ति शून्य रही (गत वर्ष ₹ शून्य), कच्चे माल के आयात के लिए विदेशी मुद्रा व्यय ₹ 71.85 लाख रहा (गत वर्ष ₹ 525.24 लाख)।

(झ) कंपनी निरंतर डब्ल्यूआईपी मूल्यांकन विधि का अनुसरण कर रही है। कंपनी भविष्य में लागत को नियंत्रित करने और लगाए गए अनुमान के भीतर कार्य करने के प्रति आश्वस्त है।

(ञ) शेष राशियों की पुष्टि के लिए अनुरोध भेजे गए थे और पार्टियों के साथ समायोजन सतत प्रकिया के रूप में किया जाता है कंपनी नियमित तौर पर उधार न चुकाने वालों से लंबित मामलों के समायोजन और वसूली के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

(ट) कंपनी अधिनियम, 1956 (कारोबार पर उपकर) के अनुच्छेद 441ए के अंतर्गत कंपनी द्वारा किसी प्रकार की राशि भुगतान/प्राप्तियोग्य नहीं है क्योंकि सेस के भुगतान से संबंधित नियमों को केन्द्र सरकार द्वारा अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है।

26. एक लाख से कम से आय और व्यय के मद पर पूर्व अवधि के मद के लिए बुकिंग करने पर विचार नहीं किया जाता।

27. भारत सरकार के दिनांक 7.5.2008 के पत्र सं. एफ सं. 1(11)/2004–पी ई (IV) के अनुसार भेल ने बी एच पी वी में ₹ 34 करोड़ अतिरिक्त पूंजी लगाई है। उपर्युक्त राशि की अतिरिक्त शेयर पूंजी जारी होने से पूर्व अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाई जानी है। निदेशक मंडल ने संगम ज्ञापन तथा संगम अनुच्छेदों के खंड में संशोधन करने के प्रस्ताव की जांच की है ताकि अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाई जा सके। साथ ही निदेशक मंडल ने विधीक्षा के लिए प्रस्तावित संशोधनों को भारी उद्योग विभाग को भेजने का निदेश दिया है। तदनुसार कागजात विधीक्षा लिए के भारी उद्योग विभाग भेजे गए थे। डी एच आई से अभी अनुमति प्राप्त नहीं हुई है अतः शेयर पूंजी के लिए भेल से प्राप्त राशि को अग्रिम माना गया है और वर्ष 2010–11 के तुलन पत्र में (असुरक्षित देनदारी के रूप में दर्शाया गया है।

तथापि, प्रबंधन समिति (जिसमें प्रबंध निदेशक, बी एच पी वी, बी आई एफ आर द्वारा नियुक्ति विशेष निदेशक और मानीटरिंग एजेंसी का प्रतिनिधि शामिल है) द्वारा की गई टिप्पणी के अनुसार अतिरिक्त शेयर पूंजी के रूप में प्राप्त ₹ 34.00 करोड़ की राशि वर्ष 2011–12 के दौरान आंबटन लंबित होने के कारण शेयर पूंजी के रूप में लेखांकित की जाती है।

निदेशक मंडल की ओर से उन्ही के लिए

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–	
ए.एस.एस. शर्मा	**सुनीत शोमे**	**पी.वी. श्रीधरन**	**बी. प्रसाद राव**
कंपनी सचिव	महप्रबंधक (वित्त)	निदेशक (मानव संसांधन)	अध्यक्ष

हमारी समसंख्यक तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

कृते ग्रांधी एंड कंपनी
एफ आर एन नं. 001007S
चार्टर्ड एकाउंटेट्स

हस्ता./–
नरेश चंद्र जीवी
एम नं. : 201754
साझेदार

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकः 17.05.2012

2011–2012 के लिए प्रबंधन द्वारा वर्गीकृत एवं प्रमाणित मात्रात्मक एवं अन्य डाटा

1 कारोबार, अंतिम एवं प्रारंभिक स्टॉक

	कारोबार		अंतिम स्टॉक		प्रारंभिक स्टॉक	
	टन (ईक्यू)	₹ लाख में	टन(ईक्यू)	₹ लाख में	टन(ईक्यू)	₹ लाख में
I) उर्वरक, रसायन तथा	765	1134	2	11	2	11
अन्य उपकरण	(5204)	(4433)	(2)	(11)	(2)	(12)
Ii) क्रायोजेनिक प्लांट तथा वेसेल्स	897	2533	0	0	0	0
	(486)	(1222)	(0)	(0)	(0)	(0)
Iii) इंडस्ट्रियल बॉयलर्स	6673	11913	32	8	0	0
	(6684)	(7092)	(0)	(0)	(85)	(37)
कुल	8335	15580	34	19	2	11
	(12374)	(12747)	(2)	(11)	(87)	(49)

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।

2 खपत हुआ कच्चा माल, संघटक तथा भंडार एवं औजार

	2010-12		2010-11	
	मात्रा	मूल्य (₹ लाख मे)	मात्रा	मूल्य (₹ लाख मे)
क कच्चा माल तथा संघटकः				
1. सीएस ट्यूब्स (टन में)	4082	2222	2823	1246
2. एसएस प्लेट (टन में)	162	405	101	258
3. एसएस ट्यूब्स (मीटर में)	123781	829	65971	450
4. एसएस ट्यूब्स (मीटर में)	5346	150	3488	119
5. एचई ट्यूब्स (संख्या में)	972	21	12161	808
6. अन्य आयरन और स्टील सामग्री संघटकों सहित		3487		3371
कुल कः		7115		6252
ख. भंडार तथा खुले औजार		224		183
कुल (क)+(ख)		**7339**		**6435**

(₹ लाख मे)

	2011-12	2010-11
3. (क) आयात मूल्य (सीआईएफ)		
1. क. कच्चा माल तथा संघटक	74	532
ख. मार्गस्थ सामग्री	6	67
2. स्पयेर्स	5	16
3. पूंजीगत समान		
(ख) विदेशी मुद्रा व्यय (प्रावधान सहित)		
1 रायल्टी	0	0
2 इंजीनियरिंग शुल्क	0	0
3 तकनीकी ज्ञान	0	0
4 अन्य मामलें	0	0
(ग) आयातित तथा स्वदेशी कच्चे माल, संघटकों तथा खपत हुए पुर्जो का ब्यौराः		
1. वर्ष के दौरान इस्तेमाल हुए संघटकों तथा पुर्जों सहित आयातित कच्चे माल का मूल्य	61	468
2. वर्ष के दौरान इस्तेमाल हुए संघटकों तथा पुर्जो सहित स्वदेशी सामग्री का मूल्य	7278	5967
	7339	**6435**
3. मद (1) की प्रतिशत के कुल खपत	0.83	7.27
4. मद (2) की प्रतिशत के कुल खपत	99.17	92.73
(घ) लाभांश के मामलें में विदेशी मुद्रा में प्रेषित राशि	शून्य	शून्य
(ड़) विदेशी मुदा में अर्जन		
1 सप्लाई (एफओबी)	0	0
2 सेवाएं	0	0

बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड

निदेशकों की रिपोर्ट

प्रिय सदस्यगण,

आपके निदेशकों को आपके समक्ष कंपनी की पहली वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है। आपकी कंपनी का गठन केरल सरकार के साथ मिलकर भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, एक नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम की एक सहायक कंपनी के रूप में 19.01.2011 को किया गया था। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते के तहत कंपनी की पूंजी में बीएचईएल के 51% इक्विटी शेयर होंगे तथा शेष शेयर केरल सरकार धारण करेगी। कंपनी का गठन बीएचईएल और केरल सरकार ने किया था और संयुक्त उद्यम समझौते के प्रावधानों के अनुसारउनके प्रतिनिधि इक्विटी शेयरों को धारण करते हैं। कंपनी ने कारोबारी शुरूआत के लिए 07.03.2011 को प्रमाण–पत्र प्राप्त किया। संयुक्त उद्यम समझौते के आधार पर केरल इलेक्ट्रिकल एंड एलॉयड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड लिमिटेड की कासरगोड यूनिट की सभी चल और अचल परिसंपत्तियां कन्वेयंस/बिक्री के तहत कंपनी को स्थानांतरित की गईं।

परिसंपत्तियों के स्थानांतरण का विचार अंशतः नकद रूप में और अंशतः केरल इलेक्ट्रिकल एंड एलॉयड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को शेयरों के आबंटन के तहत संपन्न किया गया। संयुक्त उद्यम समझौते की शर्तों के अनुसार मैसर्स केरल इलेक्ट्रिकल एंड एलायड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को आबंटित शेयरों को केरल सरकार को स्थानांतरित करना होगा। कंपनी ने केरल इलेक्ट्रिकल्स एंड एलॉयड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड की कासरगोड इकाई के 193 कर्मचारियों का भी संयुक्त उद्यम समझौते के प्रावधानों के अनुसार विलय कर लिया।

कंपनी जून, 2011 में ही पूर्ण व्यावसायिक गतिविधियां आरंभ कर सकी और इस प्रकार आपकी कंपनी के केवल नौ माह की गतिविधियों के प्रचालनों पर प्रकाश डाला गया है। संलग्न लाभ एवं हानि लेखा में किए गए उल्लेख के अनुसार कंपनी कुल कारोबार ₹ 2113.76 लाख कर सकी है और प्रचालनों में ₹ 92.93 लाख की अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्लास के लिए प्रावधान के उपरांत ₹ 37.52 लाख की शुद्ध हानि हुई है। उपार्जित हानि को तुलनपत्र में आगे संचालित किया जा रहा है।

आपकी कंपनी की भावी महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं और इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में विशेषीकृत विकल्पों को विकास करना है। अप्रत्याशित घटनाओं को छोड़कर आपके निदेशकों को यह विश्वास है कि चालू वर्ष में आपकी कंपनी के प्रचालनों में सुधार हो सकता है।

निदेशकों का दायित्व विवरणः

आपके निदेशक एतद्द्वारा पुष्टि करते हैं किः–

31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखाजोखा तैयार करते समय सामग्री प्रस्थान के संबंध में उपयुक्त व्याख्या के साथ–साथ, जहां कहीं आवश्यक है, लागू लेखाकरण मानकों' का अनुपालन किया गया है। निदेशकों ने ऐसी लेखाकरण नीतियों का चयन किया है और उन्हें निरंतर लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान किए हैं जो कि इतने तर्कसंगत और उपयुक्त हैं कि 31 मार्च 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के कारोबार की स्थिति तथा इस अवधि के दौरान कंपनी के लाभ–हानि का सही और उचित दृश्य प्रस्तुत कर सकें। निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और जालसाजी तथा अन्य अनियमितताओं से बचाव के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के अनुसार लेखा का समुचित रिकार्ड रखे जाने पर उपयुक्त एवं पर्याप्त ध्यान दिया। निदेशकों ने 'गोइंग कंसर्न' आधार पर वार्षिक लेखा तैयार किया है।

चूंकि आपकी कंपनी ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान किसी भी शेयर की पुनर्खरीद नहीं की है, अतः अनुच्छेद 217 (2बी) के संबंध में सूचना कंपनी पर लागू नहीं है।

कंपनी के वर्तमान निदेशक मंडल में केवल तीन निदेशक है जिसमें बोर्ड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सहित, जिन दोनों को भारत हेवी इलेट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा और एक केरल सरकार द्वारा मनोनीत किया जाता है, श्रेणीकरण और नए निदेशक की नियुक्ति लंबित होने के कारण लेखा परीक्षा समिति का गठन नहीं किया गया है और वर्तमान बोर्ड लेखा परीक्षा समिति के रूप में भी काम करती है।

निदेशक

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान श्री वी पांधि ने कंपनी के निदेशक पद को छोड़ दिया। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान बीएचईएल के मनोनीत निदेशक के रूप में श्री अनिल आहुजा की नियुक्ति की गई। उनकी नियुक्ति के संबंध में आवश्यक प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक में प्रस्तुत किया जा रहा है। उपर्युक्त के अलावा रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल के गठन में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

शेयर पूंजी:

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी की अधिकृत और प्रदत्त पूंजी बढ़कर क्रमशः ₹ 1500 लाख और ₹ 1050 लाख हो गई।

कार्मिक:

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम की धारा 217 (2ए) के तहत विनिर्दिष्ट सीमाओं के बाहर कोई भी कर्मचारी पारिश्रमिक नहीं प्राप्त कर रहा था।

लेखा परीक्षकः

मैसर्स जैकब आइजक एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, कानहांगाड को, जिनकी बैंगलूरू–575001 में शाखा है, भारत के नियंत्रण और महालेखा परीक्षक द्वारा कंपनी का लेखा परीक्षक नियुक्त किया और वे पहली आम बैठक संपन्न होने तक जारी रहेंगे। कंपनी अधिनियम की धारा 224(8(एए) के अनुरूप उनके पारिश्रमिक के निर्धारण के लिए आवश्यक प्रस्ताव वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत किया जा रहा है।

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी उन्नयन और विदेश मुद्रा कारोबार

आपकी कंपनी उन उद्योगों की सूची में नहीं आएगी जिनके लिए ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी उन्नयन आदि के लिए उठाए गए कदमों का अनिवार्यतः प्रकट करना होता है। लेकिन ऊर्जा खपत को न्यूनतम और उपयुक्त रूप में करने और प्रचानल लागत में कमी लाने के संबंध में सभी कदम उठाए जा रहे हैं। अनुसंधान एवं विकास विंग को सुदृढ़ किया जा रहास है ताकि कंपनी नए उत्पादों का विकास कर सके। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कोई विदेशी मुद्रा प्रवाह नहीं है। कच्चे माल की खरीद के लिए बाहर गई कुल विदेशी मुद्रा रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान ₹ 3558119/– के समकक्ष थी।

आभार:

आपकी कंपनी धारक कंपनी, राज्य सरकार और स्थानी अधिकारियों, बैंकों, कंपनी के वेडरों और कंपनी के ग्राहकों तथा कंपनी से जुड़े अन्य सभी व्यक्तियों की प्रशंसा और धन्यवाद रिकार्ड में लेनाचाहती है। बोर्ड कंपनी के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों को तह दिल से दिए गए गंभीर सहयोग को रिकार्ड में लेना चाहता है।

निदेशक मण्डल के लिए और की ओर से

हस्ता./–
अनिल आहुजा
अध्यक्ष

स्थान : कासरगोड
दिनांक : जून 18, 2012

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में, सदस्यगण, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड

हमने इसके साथ संलग्न बीएचईएल इलेक्टिकल मशीन्स लिमिटेड पो.आ. बेडराढका, कासरगोड का 31.03.2012 का तुलन पत्र, इसी तारीख को समाप्त लाभ एवं हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण कंपनी प्रावधान की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

हमने अपनी लेखापरीक्षा सामान्य रूप से भारत में स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानदंडों के आधार पर की है। इन मानदंडों में यह अपेक्षित है कि लेखापरीक्षा से यह उपयुक्त आश्वासन प्राप्त हो कि क्या वित्तीय लेखाविवरण किसी भी गलत विवरण से रहित हैं। लेखा परीक्षा में परीक्षण के आधार पर जांच और राशि के समर्थन में संलग्न प्रलेख और वित्तीय विवरण के प्रकटन शामिल रहते हैं। लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन एवं महत्वपूर्ण आकलन तथा प्रस्तुत वित्तीय विवरणों का संपूर्ण मूल्यांकन भी शमिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उपयुक्त आधार प्रदान करती है।

1. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 की धारा 4(क) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा संशोधित आदेश 2003 के अंतर्गत कंपनी द्वारा यथा अपेक्षित (लेखापरीक्षित रिपोर्ट) हम उक्त आदेश के पैरा 4 एवं 5 में निर्दिष्ट विषयों पर अभिकथन का अनुबंध संलग्न करते हैं।

2. उपर्युक्त पैरा 3 में उल्लिखित अनुबंध में अपनी टिप्पणी के क्रम में हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

   (क) हमने सभी सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक थे।

   (ख) हमारी राय में कंपनी में विधि द्वारा अपेक्षित उपयुक्त लेखा बहियों को रखा है। जैसा कि हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट तैयार करने में पर्याप्त लेखा बहियों और उचित विवरणियों की जांच से पता चलता है जो हमें उन शाखाओं से प्राप्त हुईं हैं जहां हम नहीं जा पाए थे।

   (ग) हमारे पास भेजी गई शाखाओं की लेखापरीक्षक रिपोर्टों को हमने अपनी रिपोर्ट तैयार करते समय ध्यान में रखा है।

   (घ) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता, नकद प्रवाह विवरण, शाखाओं से प्राप्त लेखा बहियों और लेखापरीक्षित विवरणियों के अनुसार हैं।

   (ड.) हमारी राय में हमारी रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उपधारा (3ग) में उल्लिखित मानदंडों के अनुसार हैं।

   (च) भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग द्वारा जारी दिनांक 21.10.2003 की अधिसूचना संख्या जीएसआर 829 (ई) के संदर्भ में, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(जी) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं हैं।

3. हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और लेखों की टिप्पणियों के साथ पठित उपर्युक्त लेखे कंपनी अधिनियम, 1956 द्वारा अपेक्षित रूप से अपेक्षित सूचना देते हैं और भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक वास्तविक और सही स्थिति प्रस्तुत करते हैं:

   (क) तुलन पत्र की स्थिति में 31 मार्च, 2012 तक के कंपनी के कार्य

   (ख) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ के लाभ एवं हानि खाते के मामले में

   (ग) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह के नकद प्रवाह विवरण के मामले में

कृते मैसर्स जैकब एंड आइसेक एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन 007675 एस

हस्ता./–
के पी मोहम्मद आइसेक
साझेदार
(स.सं.. 204171)

स्थानः मैंगलौर
दिनांक: अप्रैल 28, 2012

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 227(4क) के अनुरूप कंपनी लॉ बोर्ड द्वारा जारी अद्यतन यथासंशोधित कंपनी (लेखा परीक्षा रिपोर्ट) आदेश, 2003 के तहत यथापेक्षित और लेखा परीक्षा के दौरान हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के आधार पर, जिन्हें उपयुक्त समझा गया, कंपनी की बहियों और रिकार्ड के सत्यापन के आधार पर हम आगे बयान करते हैं कि:

(i) क) कंपनी ने पर्याप्त विवरण दर्शाने वाले अचल परिसंपत्तियों के रजिस्टर को अनुरक्षित किया है।

ख) हमें सूचित किया गया है कि अचल परिसंपत्तियों का एक उचित अंतराल पर प्रबंधन ने भौतिक सत्या किया है। कोई तथ्यात्मक त्रुटि सूचना में नहीं आई है।

ग) वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों के ठोस हिस्से का निपटान नहीं किया गया है।

(ii) क) प्रबंधन ने उचित अंतराल के बाद मालसूची का भौतिक सत्यापन किया गया है।

ख) मालसूची के भौतिक सत्यापन के संबंध में अनुपालित प्रक्रिया का कंपनी के आकार और इसके व्यवसाय की प्रकृतिक के अनुरूप युक्तिसंगत और पर्याप्त है।

ग) कंपनी मालसूची का रिकार्ड उचित प्रकार से रख रही है और भौतिक सत्यापन में कोई त्रुटि सामने नहीं आई है।

(iii) क) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 370(1–बी) के तहत यथा परिभाषित समान पबंधन के अंतर्गत धारा 301 के तहत अनुरक्षित कंपनियों के रजिस्टर में सूचीबद्ध कंपनियों, फर्मों और अन्य पक्षों से सुरक्षित और असुरक्षित कोई ऋण नहीं लिया या दिया है।

क) लागू नहीं

ख) लागू नहीं

ग) लागू नहीं

घ) लागू नहीं

ड़) लागू नहीं

(iv) हमारी राय में और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी के आकार और स्टोर्स, संयंत्र और मशीनरी उपकरणों तथा अन्य परिसंपत्तियों के क्रय तथा वस्तुओं की बिक्री और सेवाओं के लिए इसके व्यवसाय की प्रकृति के अनुरूप कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया है। आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में कोई बड़ी खामी में सुधार के लिए हमारी सूचना में कोई निरन्तर असफलता की बात नहीं आई है।

(v) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के तहत अनुरक्षित रजिस्टर में प्रविष्ट अनुबंधों या प्रबंधों के अनुरूप वस्तुओं और सामग्रियों को कोई कारोबार नहीं हुआ है और प्रत्येक पक्ष के संबंध में वर्ष के दौरान कुल कारोबार कुल मूल्य के रूप में में ₹ 500000 से अधिक का नहीं है।

ख) लागू नहीं होता

(vi) लागू नहीं होता, क्योंकि कंपनी ने वर्ष के दौरान जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किया है।

(vii) लागू नहीं होता।

(viii) लागू नहीं होता

(ix) क) कंपनी नियमित रूप से वैधानिक देयताएं जमा का रही है।

ख) छह माह से अधिक के लिए कोई अविवादित राशि भुगतेय नहीं है।

x) कंपनी एक वर्ष पुरानी है, अतः लागू नहीं होता।

xi) कंपनी वित्तीय संस्थान, या बैंक या डिबेंचर धारकों को देयताओं के पुनर्भुगतान में दोषी नहीं है। .

xii) कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई ऋण नहीं दिया ।

xiii) लागू नहीं होता, क्योंकि कंपनी कोई चिट फंड, निधि/म्युच्युअल लाभ निधि/सोसाइटी नहीं है।

xiv) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी शेयरों, प्रतिभूतियों, डिबेंचरों और अन्य निवेश से जुड़े कार्य नहीं कर रही है।

xv) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने किसी अन्य द्वारा बैंक या वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण के लिए कोई गारंटी नहीं दी है।

xvi) वर्ष के दौरान कंपनी ने कोई आवधिक ऋण नहीं लिया है।

xvii) लेखा परीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है।

xviii) लेखा परीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है।

xix) लेखा परीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है।

xx) कोई सार्वजनिक इश्यू नहीं किया गया।

xxi) कंपनी की बहियों और रिकार्डों की जांच के अनुसार तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुरूप लेखा परीक्षाधीन वर्ष के दौरान को धोखाधड़ी की सूचना नहीं है।

कृते मैसर्स जैकब एंड आइसेक एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन 007675 एस

हस्ता./–
के पी मोहम्मद आइसेक
साझेदार
(स.सं.. 204171)

स्थान: मैंगलौर
दिनांक: 28, अप्रैल 2012

दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड, कासरगोड के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए **बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड, कासरगोड** का वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अधीन भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक लेखापरीक्षा और उनके व्यावसायिक निकाय इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा निर्धारित आश्वासन मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अधीन इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के उत्तरदायी हैं। इसे उनकी दिनांक 23 मई, 2012 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट द्वारा किया गया बताया जाता है।

मैंने भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ओर से कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3)(ख) के अधीन दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए **बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड, कासरगोड** के वित्तीय विवरण की पूरक लेखापरीक्षा की है। यह पूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्यकरण कागजातों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ तथा कुछ लेखाकरण रिकार्ड की चयनात्मक जांच तक सीमित होती है। मेरी लेखापरीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में ऐसी कोई महत्वपूर्ण बात नहीं आई है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन सांविधिक लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी करने का कारण बनती है।

हस्ता./–

(एस रजनी)
प्रधान निदेशक– वाणिज्यिक लेखा परीक्षा
एवं पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड, चेन्नै

स्थानः चेन्नै
दिनांक: जुलाई 30, 2012

तुलन पत्र
31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार

(₹ लाख में)

विवरण	नोट सं.	31.03.2012 को	
इक्विटी एवं देनदारियां			
(1) शेयरधारक निधियां			
(क) शेयर पूंजी	1	**1050.00**	
(ख) प्रारक्षित एवं अधिशेष	2	**-37.52**	**1012.48**
(2) गैर–चालू देनदारियां			
(क) दीर्घावधि ऋण		-	
(ख) आस्थगित कर देनदानियां(निवल)		-	
(ग) अन्य दीर्घावधि देनदारियां		-	
(घ) लघु अवधि प्रावधान	3	**236.94**	**236.94**
(3) चालू देनदारियां			
(क) लघु अवधि ऋण	4	**186.40**	
(ख) व्यापार भुगतान	5	**377.43**	
(ग) अन्य चालू देनदारियां	6	**123.32**	
(घ) लघु अवधि प्रावधान			**687.15**
कुल			**1936.57**
II. परिसंपत्तियां			
(1) गैर चालू परिसंपत्तियां			
(क) अचल परिसंपत्तियां			
(i) मूर्त परिसंपत्तियां	7	**963.30**	
(ii) अमूर्ति परिसंपत्तियां		-	
(iii) पूंजीगत कार्य–प्रगति में		-	**963.30**
(2) चालू परिसंपत्तियां			
(क) चालू निवेश	8	**20.80**	
(ख) माल सूचियां	9	**382.88**	
(ग) व्यापार प्राप्तियां	10	**557.90**	
(घ) नकदी एवं नकदी समकक्षता	11	**0.29**	
(च)लघु अवधि ऋण एवं अग्रिम	12	**11.40**	
(छ) अन्य चालू परिसंपत्तियां			**973.27**
कुल			**1936.57**

लेखे की टिप्पणियां

अनुसूची 1से 12 और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां तुलन पत्र का अभिन्न अंग है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
के. भरत कुमार शेट्टी	**कोमोडोर(रिटा.) के शमसुद्दीन**	**एल गोपालकृष्णन**
प्रबंधक(वित्त)	निदेशक	प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते जैकब एंड आइसेक एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स
एफआरएन नं: : 001007S

हस्ता./–
के. पी. मोहम्मद आइसेक
साझेदार
सदस्य सं..: 204171

स्थान : मैंगलौर
दिनांक : 28 अप्रैल, 2012

लाभ एवं हानि खाता विवरण
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	अनुसूची सं.	31.03.2012 को
I. प्रचालनों से राजस्व (सकल)	13	**2113.76**
घटाएं : उत्पाद शुल्क तथा सेवाएं		**185.25**
		1928.51
II. अन्य प्रचालन आय	14	**13.64**
III. अन्य आय	15	**4.04**
कुल राजस्व (I to III)		**1946.19**
IV. व्यय		
सामग्री खपत, निर्माण और इंजीनियरिंग व्यय	16	**1482.89**
प्रगति अधीन कार्य में वृद्धि और तैयार वस्तुए	17	**-187.54**
कर्मचारी लाभ व्यय		**498.59**
उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा विवरण संबंधी अन्य व्यय	19	**119.58**
प्रावधान (शुद्ध)	20	**-32.50**
वित्त लागत	21	**9.76**
मूल्यह्लास एवं परिशोधन व्यय		**92.93**
घटाएं: आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्य की लागत		**-**
कुल व्यय		**1983.71**
V. पूर्व अवधि समायोजन लाभ(हानि), विशिष्ट मदें और कर		**-37.52**
घटाएं: कर व्यय		**-**
VI. जारी प्रचालनों से अवधि के लिए लाभ (हानि)		**-37.52**

अनुसूची 13से 21 और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां लाभ एवं हानि विवरण का भाग है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
के. भरत कुमार शेट्टी	**कोमोडोर(रिटा.) के शमसुद्दीन**	**एल गोपालकृष्णन**
प्रबंधक(वित्त)	निदेशक	प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते जैकब एंड आइसेक एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स
एफआरएन नंः : 001007S

हस्ता./–
के. पी. मोहम्मद आइसेक
साझेदार
सदस्य सं.: 204171

स्थान : मैंगलौर
दिनांक : 28 अप्रैल, 2012

क. नकद प्रवाह विवरण

31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ लाख में)

	2010-12
क. प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	
शुद्ध लाभ (हानि)	**-37.52**
निम्नलिखित के लिए समायोजित	
मूल्यह्रास	**92.93**
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**-**
आस्थगित राजस्व व्यय	**-**
ब्याज व्यय	**-**
प्रचालन लाभ	**55.41**
निम्नलिखित के लिए समायोजन	
व्यापार तथा अन्य प्राप्तियों में घटाएं/(जोडें)	**-590.10**
मालसूची में घटाएं/(जोडें) –	**-382.88**
व्यापार देय तथा अग्रिम में जोड़ें/(घटाएं)	**737.69**
प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह/ (अंतर्वाह)	**-235.29**
ख. निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह	
परिसंपत्तियों की बिक्री	**-**
प्राप्त ब्याज	-
(स्थाई परिसंपत्तियों की खरीद)	**-6.23**
निवेश गतिविधियों से नकद राशि	**-6.23**
ग. वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह	
दीर्घावधि ऋण में वृद्धि(कमी)	-
लघु अवधि ऋण में वृद्धि(कमी)	**186.40**
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी	**186.40**
कुल	**0.29**
अवधि के अंत में नकदी/नकदी समतुल्य	**-**
अवधि के अंत में नकदी/नकदी समतुल्य	**0.29**

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
के. भरत कुमार शेट्टी	**कोमोडोर(रिटा.) के शमसुद्दीन**	**एल गोपालकृष्णन**
प्रबंधक(वित्त)	निदेशक	प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते जैकब एंड आइसेक एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स
एफआरएन नं: : 001007S

हस्ता./–
के. पी. मोहम्मद आइसेक
साझेदार
सदस्य सं..: 204171

स्थान : मैंगलौर
दिनांक : 28 अप्रैल, 2012

अनुसूची 1- शेयर पूंजी

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
प्राधिकृत :	
@ ₹ 10 प्रत्येक के 15000000 **शेयर**	**1500.00**
जारी, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी	
@ ₹ 10 प्रत्येक के 10500000 **शेयर पूर्णः प्रदत्त**	**1050.00**
	1050.00

अनुसूची 2- प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
वर्ष के लिए लाभ/हानि	
(लाभ एव हानि का विवरण)	**-37.52**
पिछले वर्ष से आगे ले जाया गया लाभ (हानि) का शेष	**-**
विदेशी परियोजना प्रारक्षित पुनर्लेखन	**-**
यूनिटों को पिछले वर्ष के आयकर, लाभांश आदि का वितरण	**-**
विनियोग के लिए उपलब्ध लाभ	**-37.52**

अनुसूची 3- दीर्घावधि प्रावधान

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
संविदात्मक दायित्व–दीर्घावधि	**-**
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान	**236.94**
अन्य दीर्घावधि प्रावधान	**-**
	236.94

अनुसूची 4- लघु अवधि उधार

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
प्रारक्षित	
बैंकों से ऋण एवं अग्रिम	
कैश क्रेडिट (कच्चे माल, अवयवों, स्टोर्स एवं स्पेयर्स प्रगति अधीन कार्य, तैयार वस्तुओं, बुक ऋणों और अन्य चालू परिसंपत्तियों, को गिरवी द्वारा प्रारक्षित)	**11.50**
अप्रारक्षित	
- कंपनियों से	**174.90**
बीएचईएल - ₹ 170 लाख	
केईएल - ₹ 4.90 लाख	
	186.40

अनुसूची 5 – व्यापार देयताएं

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
व्यापार देयताएं	**377.43**
	377.43

अनुसूची 6 – अन्य चालू देनदारियां

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
ग्राहकों और अन्यों से प्राप्त अग्रिम	**79.18**
ठेकेदारों और अन्यों से जमा	**0.24**
अन्य देयताएं/देनदारियां	**43.90**
	123.32

अनुसूची 7 – मूर्त परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
(i) मूर्त परिसंपत्तियां	
सकल खंड	**1056.24**
घटाएं: संचित मूल्यह्लास	**92.94**
घटाएं: संचित हानि	**-**
घटाएं: पट्टा समायोजन खाता	**-**
शुद्ध खंड	**963.30**
अनुसूची 7.1 में विवरण का संदर्भ लें	

अनुसूची 7.1

मूर्त परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

	₹ 10000 से अधिक की अचल परिसंपत्तियां					मूल्यह्लास				
मद	प्रारंभिक शेष	प्रारंभिक शेष में 10000 से कम	शुद्ध	वर्ष के दौरान वर्द्धन	**100%** मूल्यह्लास मद	सकल ब्लॉक	मूल्यह्लास प्रारंभिक परिसंपत्तियों पर	वर्द्धन पर मूल्यह्लास	संचित मूल्यह्लास	शुद्ध ब्लॉक
भूमि एवं भूमि सुधार	31.15		31.15			31.15	0		0	31.15
फैक्टरी भवन	254.72		254.72			254.72	8.51		8.51	246.21
कार्यालय भवन	82.19		82.19			82.19	2.88		2.88	79.31
सोसाइटी भवन	0.52		0.52			0.52	0.02		0.02	0.5
संयंत्र एवं मशीनरी	611.62		611.62			611.62	73.39		73.39	538.23
इलेक्ट्रिकल संस्थापना	33.83		33.83			33.83	2.71		2.71	31.12
पैटर्न	17.62		17.62			17.62	2.11		2.11	15.51
मापन यंत्र	9.40		9.4			9.4	1.13		1.13	8.27
पैलेट ट्रक	3.41		3.41			3.41	0.41		0.41	3
कार्यालय उपकरण	3.36	0.23	3.14	2.32	0.19	5.27	0.25	0.06	0.31	4.96
कम्पयूटर	2.15		2.15	2.51	0.10	4.56	0.43	0.24	0.67	3.89
फर्नीचर	0.03	0.03	0	0.06	0.07	0	0	0	0	0
गेस्ट हाउस उपकरण	0		0	0.89	0.12	0.77	0	0.05	0.05	0.72
वाहन	0		0	0.44		0.44	0	0.01	0.01	0.43
	1050.00	**0.26**	**1049.75**	**6.22**	**0.48**	**1055.50**	**91.84**	**0.36**	**92.20**	**963.30**

अनुसूची 8 – चालू निवेश

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
चालू निवेश	
प्रचालन के लिए एसबीआई में जमा मार्जिन धन	**20.80**
लैटर ऑफ क्रेडिट	
	20.80

अनुसूची 9 - मालसूचियां @

(₹ लाख में)

		31.03.2012 की यथास्थिति
भंडार और अतिरिक्त पुर्ज़े		
उत्पादन	**1.93**	
ईंधन भंडार	**-**	
विविध	**-**	**1.93**
कच्चा माल तथा संघटक	**187.90**	
मार्गस्थ सामग्री	**5.51**	**193.41**
स्क्रैप (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)		**-**
तैयार माल		**123.70**
कार्य प्रगति पर		**63.84**
@ महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों के अनुरूप मूल्यांकित		**382.88**

अनुसूची 10 - व्यापार प्राप्तियां

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
छह माह से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	**30.26**
अन्य ऋण	**527.64**
घटाएं : बुरे और संदेहपूर्ण ऋणों एवं	**-**
घटाएं : स्वचालित मूल्य कमी समायोजन खाता	**-**
	557.90

अनुसूची 11 - रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
नकदी और स्टैम्पस के रूप में	**0.15**
चैक, डिमांड ड्राफ्ट के रूप में	**-**
पारगम में प्रेषण	**-**
अनुसूचित बैंकों में अधिशेष	
चालू खाता	**0.14**
जमा खाता	**-**
12 माह की परिपक्वता से अधिक की जमा राशि	**-**
	0.29

अनुसूची 12 - लघु अवधि ऋण और अग्रिम

(₹ लाख में)

		31.03.2012 की यथास्थिति	
अग्रिम			
(नकद प्राप्तियां या किसी अन्य प्रकार या मूल्य के रूप में प्राप्त)			
सहायक कंपनियों को		-	
कर्मचारियों को		10.96	
क्रय के लिए		1.06	
अन्य के लिए		-25.65	-13.63
जमा			
कस्टम, पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास अधिशेष		0.03	
अन्य	5.22		
अग्रिम कर/टीडीएस(कराधान हेतु प्रावधान का शुद्ध)		19.78	25.03
ऋणों और अग्रिमों का विवरण:-			
प्रारक्षित, अच्छा माना			-
अप्रारक्षित, अच्छा माना			11.40
संदेहपूर्ण			-

अनुसूची 13 - प्रचालनों से राजस्व

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति	
प्रतिफल रहित बिक्री		2093.60
बाहरी इरेक्शन और अन्य सेवाओं से आय		20.16
वर्क्स ठेकों से राजस्व		-
वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां		-
		2113.76

अनुसूची 14 - अन्य प्रचालनीय आय

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति	
निर्यात प्रोत्साहन		-
लीज़ पर परिसंपत्तियों से किराये की आय		-
लीज इक्वेलाइजेशन अकाउंट		-
वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर वित्त आय		-
विनिमय भिन्नताएं (क्रेडिट बैलंस)		-
स्क्रैप की बिक्री		13.64
बिक्री/अधिशेष के स्थानांतरण से प्राप्ति		-
		13.64

अनुसूची 15 - ब्याज आय

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
ग्राहकों से	-
कर्मचारियों से	-
बैंकों से	4.04
निवेश से (चालू–व्यापार के अलावा)	-
अंतर–प्रभागीय लेनदेन (क्रडिट बैलेंस)	-
	4.04

अनुसूची 16 - सामग्री की लागत, इरेक्शन एवं इंजीनियरिंग व्यय

(₹ लाख में)

		31.03.2012 की यथास्थिति
कच्चे माल और संघटकों की खपत	1461.24	
घटाएं–अन्य प्रभागों को स्थानांतरित किया गया	-	1461.24
भंडार और पुर्ज़ों की खपत	8.87	
घटाएं–अन्य प्रभागों को स्थानांतरित किया गया	-	8.87
इरेक्शन तथा इंजीनियरी व्यय – उपठेकेदारों को भुगतान		12.78
		1482.89

अनुसूची 17 - चल रहे कार्य एवं तैयार माल में वृद्धि/कमी

(₹ लाख में)

		31.03.2012 की यथास्थिति
कार्य प्रगति पर		
अंतः अधिशेष	63.84	
प्रारंभिक अधिशेष	-	63.84
तैयार माल		
अंतः अधिशेष	123.70	
प्रारंभिक अधिशेष	-	123.70
तैयार माल में उत्पाद शुल्क का तत्व	13.61	
		187.54

अनुसूची 18 - कर्मचारी लाभ

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	**391.86**
उपदान निधि में अंशदान	**5.33**
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	**45.22**
कर्मचारी कल्याण व्यय	**56.18**
	498.59

अनुसूची 19 - उत्पादन, बिक्री, प्रशासन पर अन्य व्यय

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति
किरायाः आवासीय	**1.76**
उत्पाद शुल्क (तैयार माल और स्क्रैप पर)	**14.92**
बिजली और ईन्धन	**35.39**
दरें और कर	**14.41**
सेवा कर (जीटीए आउटवार्ड)	**0.31**
बीमा	**1.14**
मरम्मत	**2.06**
बाह्य ढुलाई प्रभार	**13.97**
यात्रा और वाहन	**12.16**
विविध व्यय	**23.46**
	119.58

अनुसूची 20 - प्रावधान

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति	
सन्दिग्ध ऋण, निर्णीत हर्ज़ाने तथा ऋण और अग्रिम		
वर्ष के दौरान सृजित	-	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	-	-
संविदात्मक दायित्व		
वर्ष के दौरान सृजित	-	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	-	-
अन्य		
वर्ष के दौरान सृजित	-	
घटाएँ : वर्ष के दौरान पुरांकित	**32.50**	**-32.50**
		-32.50

अनुसूची 21 - वित्त लागत

(₹ लाख में)

	31.03.2012 की यथास्थिति	
डिबेंचर/बांड, केंद्रीय और राज्य सरकार से ऋण		-
बैंकों/वित्तीय संस्थानों से उधार		-
आस्थगित ऋण		-
अन्य	**9.76**	
अन्य ऋण लागत	-	
घटाएं: पूंजीकृत उधारी लागत	-	-
		9.76

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1 वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखाकरण की प्राद्भवन विधि तथा कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर तैयार गिए गए है, जैसा कि कंपनी द्वारा निरंतर रूप में अपनाया जा रहा है।

2 स्थायी परिसंपत्तियां

स्थायी परिसंपत्तियां अधिग्रहण या निर्माण अथवा संचयित मूल्यह्लास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती है। ₹ 10000 या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियां या जिनका लिखित मूल्य वर्ष के प्रारंभ में ₹ 10000 या कम होता है उसका पूर्णतः अवमूल्यन किया जाता है।

3 अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां

अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियो को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, अगर

(क) यह संभाव्य हो कि भविष्य में परिसंपत्ति के कारण होने वाला आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होगा, और

(ख) कंपनी का परिसंपत्तियों पर नियंत्रण होगा, और

(ग) इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है और ₹10,000 से अधिक है तो अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को उनकी अनुमानित उपयोगी अवधि में सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर परिशोधित किया जाएगा, जो सॉफ्टवेयर के मामले में तीन वर्षों और अन्य के मामले में दस वर्षों से अधिक नहीं होगी।

4. मूल्यह्रास

स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यह्रास, उसे छोड़कर जहां मूल्यह्रास, तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रभारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी–रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल लागत तक प्रभारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है–

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
रेलवे साइडिंग	3.5%		
विद्युतीय संस्थापनाएं	8%		
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8%		
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	20%		

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि/से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार, यथानुपात मासिक आधार पर होता है.

5 मालसूची मूल्यांकन

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित लागत अथवा निवल वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(ii) संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक/ अनुमानित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांकित औसत लागत है।

6 राजस्व मान्यता

ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है।.

7 कर्मचारी लाभ

अर्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, भविष्य निधि और कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्रोद्भवन आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। उपदान, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावे और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार लेखाबद्ध की जाती है। बीमांकिक देयता कर्मचारियों के संदर्भ में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है।

8 उधार लागत

उधार लागतों को उस अवधि में व्यय के रूप में स्वीकार किया जाता है जिसमें वे उपार्जित हुई है।

लेखा विवरण 2011–2012 के भाग के तौर पर टिप्पणियां

1. कंपनी का गठन बीएचईएल और केरल सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम समझौते के आधार पर आरंभिक पूंजी ₹10 लाख के साथ किया गया था जिसमें बीएचईएल की होल्डिंग 51% और केरल सरकार के पास शेष 49% शेयर थे।
2. कंपनी का गठन 19.01.2011 को किया गया था। कंपनी का प्रथम वित्तीय वर्ष 19.01.2011 से 31.03.2012 तक का माना गया है।
3. कंपनी की अधिकृत पूंजी को 23.02.2011 को आयोजित सदस्यों की बैठक में बढ़ाकर ₹ 15 करोड़ कर दी गई है।
4. ये प्रचालन का प्रथम वर्ष होने से पिछले वर्ष अर्थात 2010–2011 के लिए कोई विवरण नहीं दिया जाएगा।
5. संयुक्त उद्यम समझौते के अनुसार कंपनी ने मैसर्स बीएचईएल द्वारा नियुक्त मूल्यांकनकर्ता द्वारा यथा मूल्यांकित ₹ 1050 लाख के केईएल कासरगोड के परिसर और संयंत्र एवं मशीनरी को अपने पास ले लिया। इसे बीएचईएल ने नकद रूप में 51 प्रतिशत स्टेक लेते हुए और शेष मैसर्स केईएल को शेयर जारी करते हुए, वित्तपोषित किया गया।
6. केईएल के 193 कर्मचारियों को भी नई कंपनी की सेवा में शामिल कर लिया गया।
7. कंपनी ने धारक कंपनी मैसर्स बीएचईएल से कार्यशील पूंजी समर्थन के लिए अनुरोध किया और बीएचईएल ने लघु अवधि ऋण के तौर पर @6.5% की दर से ₹ 170 लाख की राशि जारी की है। ब्याज की दर 14.02.2012 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत वार्षिक कर दी गईं और 31.03.2012 तक के ब्याज का पूर्ण भुगतान कर दिया गया।
8. कंपनी के स्वामित्व में मोगराल पुथुर पंचायत की आर एस नंबर 283/2 के तहत 11 एकड़ भूमि है।
9. लेखा वर्ष में ₹ 10000 से कम मूल्य की परिसंपत्तियों पर 100 प्रति मूल्यह्रास

प्रभारित किया गया	₹ 72511
सामान्य मूल्यह्रास	₹ 4173
अतिरिक्त वसूली की गई राशि	₹ 68338

10. ऋणदाताओं, ऋण प्राप्तकताओं, ठेकेदारों को अग्रिमों, जमाओं और उप ठेकेदारों/फैब्रिकेटर्स के पास पड़े स्टॉक/सामग्रियों के तहत दर्शाया गया शेष पुष्टि, पुनर्मिलान और समायोजन, यदि कोई है, के विषयाधीन है। पुनर्मिलान संचालित आधार पर किया जाता है और जहां कहीं आवश्यक समझा गया है दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रावधान कर दिया गया है।
11. व्यय
    - a. एजेंसी कमीशन का भुगतान - शून्य
    - b. अनुसंधान एवं विकास पर व्यय - शून्य
    - c. भुगतान किया गया किराया (गेस्ट हाउस) - ₹ 1.68 लाख
    - d. लेखा परीक्षकों को भुगतान– बहियों में प्रावधान किया गया है
        - i) वैधानिक लेखापरीक्षा शुल्क - ₹ 0.25 लाख
        - ii) अंतरिम लेखा परीक्षा शुल्क - ₹ 0.125 लाख
        - iii) वैट ऑडिट - ₹ 0.04 लाख
        - iv) कर लेखा परीक्षा - ₹ 0.025 लाख
    - e. आगंतुकों पर व्यय (आगंतुक व्यय) - ₹ 0.66 लाख
    - f. विदेश यात्रा का विवरण - शून्य
12. एएस7 के अनुसार प्रकटन - शून्य
13. सूक्ष्म और लघु उद्योगों को देय कुल बकाया - ₹ 3.02 लाख

14. मात्रात्मक विवरण–उत्पादन, बिक्री और अंतिम स्टॉक

	प्रारंभिक स्टॉक		उत्पादन		बिक्री		अंतिम स्टॉक	
मद	**मात्रा**	**मूल्य**	**मात्रा(नं.)**	**मूल्य**	**मात्रा(नं.)**	**मूल्य**	**मात्रा(नं.)**	**मूल्य**
बीएजीपी, 110केवीए तक	0	0	226.00	161.17	209.00	147.87	17.00	13.30
बीएजीपी, 110केवीए से ऊपर	0	0	37.00	95.06	26.00	56.59	11.00	38.47
25 कि.वा ट्रेन लाइटिंग अल्टरनेटर्स	0	0	421.00	865.91	410.00	849.38	11.00	16.53
320 केवीए/यू/एस डीजीसेट	0	0	9.00	569.15	9.00	569.15	0.00	0.00
विशेष अल्टरनेटर्स	0	0	11.00	41.70	0.00	0.00	11.00	41.70
डीजी सेट्स	0	0	4.00	39.45	4.00	39.45		
स्पेअर्स	0	0	0.00	89.44	0.00	89.36		0.08
सेवाएं	0	0	0.00	13.92	0.00	13.92		
संस्थापना	0	0	0.00	10.27	0.00	10.27		
जीएसओएस	0	0	6.00	152.52	6.00	152.52		
ईडी				198.87	0.00	185.25		13.62
कुल कारोबार				**2237.46**		**2113.76**		**123.70**

15. आयातित कच्चे माल की खपत

		खरीद		अंतिम स्टॉक		खपत	
मद	**यूनिट**	**मात्रा**	**मूल्य**	**मात्रा**	**मूल्य**	**मात्रा**	**मूल्य**
लेमिनेशन	कि.ग्रा	174316.50	171.12	49063.00	58.09	125253.50	113.03
डीजल ईंजन	नं.	10.00	282.60	0.00	0.00	10.00	282.60
तांबा	कि.ग्रा	28211.90	113.64	8165.88	41.42	20046.02	72.22
इस्पात एवं एल्युमीनियम	कि.ग्रा	109444.40	48.40	31785.75	16.71	77658.65	31.69
कास्टिंग	नं.	19648.00	187.53	10552.00	12.54	9096.00	174.99
बियरिंग एवं अन्य	नं.	2167.00	48.93	333.00	8.30	1834.00	40.63
अल्टरनेटर	नं.	6.00	12.37	0.00	0.00	6.00	12.37
बैटरी	नं.	3.00	0.91		0.00	3.00	0.91
कंट्रोल पैनल	नं.	7.00	25.27		0.00	7.00	25.27
इंजन अल्टरनेटरी सेट	नं.	3.00	18.50	0.00	0.00	3.00	18.50
जनरेटर्स	नं.	12.00	122.62		0.00	12.00	122.62
टोरोइडल कोर	नं.	1738.00	40.52		0.00	1738.00	40.52
अन्य			587.54	0.00	52.77	0.00	534.77
			1659.95		189.83		1470.12

16. आयातित और स्वदेशी सामग्री की खपत

	%	₹ लाख में
कच्चा माल:		
आयातित	2.76%	40.52
स्वदेशी	97.24%	1429.59
		1470.11
स्टोर्स एवं स्पेटर पार्टस		
आयातित		0.00
स्वदेशी		1.10
		0.00
आयातों की सीआईएफ वैल्यू		
कच्चा माल		40.52
पूंजीगत वस्तुएं		0.00
यात्रा के लिए विदेशी मुद्रा में व्यय		0.00
वस्तुओं के निर्यात पर विदेशी मुद्रा में आय		0.00

समेकित वित्तीय विवरण

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इसकी सहायक कम्पनियों और संयुक्त उद्यमों के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर निदेशक मंडल के लिए लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

हमने **भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड**, इसकी सहायक कम्पनियों और संयुक्त उद्यमों (बीएचईएल) समूह के संलग्न समेकित तुलनपत्र की 31 मार्च, 2012 की और इनसे संबंधित उस वर्ष में समाप्त सम तारीख हेतु समेकित लाभ हानि लेखे और समेकित नकद प्रवाह विवरण की भी यथास्थिति जांच की है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करना कम्पनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है और इन्हे अलग वित्तीय विवरणों तथा संघटक से संबंधित अन्य वित्तीय सूचना के आधार पर तैयार किया गया है। हमारा उत्तरदायित्व हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है।

हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। ये मानक यह अपेक्षा करते हैं कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाते और निष्पादन करते हैं कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक गलत विवरण से मुक्त है। लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले साक्ष्य की जांच शामिल होती है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धातों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन तथा साथ ही वित्तीय प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

हम सूचित करते हैं कि:

1. बीएचईएल में निम्नलिखित इकाइयों की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा करायी गई है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है और हमारी राय में जहां तक परिसम्पत्तियों, राजस्व तथा ईकाईयों के लिए निवल नकद प्रवाह का संबंध है, यह पूर्ण रूप में अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित है।

(₹ करोड़ में)

कम्पनी का नाम	परिसंपत्तियां	राजस्व	निवल नकद प्रवाह
क. सहायक कम्पनी			
भारत हेवी प्लेटस एंड वेसेल्स लिमिटेड	258.29	161.25	3.48
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमि.	19.86	21.31	0.01
ख. संयुक्त उद्यम			
एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट लिमिटेड	82.51	74.32	(-) 19.30
बीएचईएल – जीई गैस टरबाइन सर्विसेस प्रा.लि.	140.03	260.55	5.61
लातुर पावर कंपनी लिमि.	2.68	0.15	2.38

2. निम्नलिखित उद्यमों के संबंध में हमने लेखापरीक्षा नहीं की है। जहां तक हम संयुक्त उद्यमों के संबंध में शामिल परिसंपत्तियों और राजस्वों का संबंध है, उन पर हमारी राय पूर्ण रूप से प्रबंधन द्वारा हमें यथा प्रस्तुत अंतिम वित्तीय विवरणों पर आधारित है। चूंकि 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए इन संयुक्त उद्यमों के विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की गई थी अतः शेषों के लिए कोई परिवर्ती समायोजन संबद्ध समेकित वित्तीय विवरणों पर परिणामी प्रभाव हो सकते हैं। तथापि समेकित वित्तीय स्थिति में संयुक्त उद्यम का आयकर संगत रूपों में महत्वपूर्ण नहीं है।

(₹ करोड़ में)

	संयुक्त रूप में नियंत्रित एन्टिटीज़ में शेयर		
कम्पनी का नाम	**परिसंपत्तियाँ**	**राजस्व**	**निवल नकद प्रवाह**
उडनगुडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	33.50	0.07	(-)3.00
दादा धूनीवाले खंडवा प्रा. लि.	22.79	0.40	2.22
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	674.65	-	(-)5.04

3 पावर प्लांट पर्फ़ॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट्स लिमिटेड एवं बराक पावर प्राइवेट लिमिटेड, बीएचईएल के संयुक्त उपक्रम, के खातों को समेकित नहीं किया गया है, क्यों कि ये कंपनियाँ परिसमापन के अधीन हैं और निवेश मूल्य में कमी के लिए इक्विटी निवेश की पूरी राशि का प्रावधान किया गया है।

4. कम्पनी द्वारा वित्तीय विवरण दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट आफ इंडिया द्वारा जारी लेखाकरण मानक (एएस)–21 "समेकित वित्तीय विवरण" तथा एएस–27 "फाइनेन्सियल रिर्पोटिंग ऑफ इन्ट्रेस्ट्स इन ज्वायन्ट वेंचर्स" की अपेक्षाओं के अनुसार और समेकित वित्तीय विवरण में शामिल भारत हेवी इलेक्ट्रिक्ल्स लिमिटेड तथा इसकी सहायक कम्पनी और संयुक्त उद्यम के अगल वित्तीय विवरणों के आधार पर तैयार की गई है।

5. उक्त पैरा 3 के अध्याधीन, हम सूचित करते हैं कि हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के आधार पर तथा उक्त पैरा 1 में यथा वर्णित अलग–अलग लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों तथा पैरा–2 में यथा वर्णित अनन्तिम वित्तीय विवरणों पर विचार करने पर बीएचईएल ग्रुप के बारे में हमारी राय है कि उक्त समेकित वित्तीय विवरण भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धान्तों के अनुसार सत्य और वास्तविक दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(i) 31 मार्च, 2012 की यथास्थिति बीएचईएल समूह के कार्य स्थिति की समेकित तुलन पत्र के मामले में।

(ii) सम तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बीएचईएल समूह समेकित लाभ/हानि लेखे तथा लाभ के मामलों में और

(iii) सम तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बीएचईएल ग्रुप के समेकित नकद प्रवाह विवरण, नकद प्रवाह के मामले में।

कृते एस. एन. धवन एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआर एन नं. 000050एन

हस्ता./–
(सुरेश सेठ)
साझेदार
एम सं. 010577

कृते गान्धी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआर एन नं. 000458एन

हस्ता./–
(भूपेन्द्र सिंह)
साझेदार
एम सं. 092867

दिनांक : 23 मई, 2011
स्थान : नई दिल्ली

समेकित तुलन पत्र
31 मार्च, 2012 की यथास्थिति

(₹ करोड़ में)

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2012 को संख्याएं		31 मार्च, 2011 को संख्याएं	
I. निधियों के स्रोत :					
(1) शेयरधारकों की निधियां					
(क) शेयर पूंजी	1	**489.52**		489.52	
(ख)प्रारक्षित एवं अधिशेष	2	**24913.54**	**25403.06**	19665.49	20155.01
(2) अल्प ब्याज			**4.97**		
(3) गैर–चालू देनदारियां					
(क) दीर्घावधि ऋण	3	**282.07**		102.40	
(ख) अन्य दीर्घावधि देनदारियां	4	**7566.92**		9171.02	
(ग) दीर्घावधि प्रावधान	5	**5017.88**	**12866.87**	4931.89	14205.31
(4) चालू देनदारियां					
(क) लघु अवधि ऋण	6	**86.75**		94.03	
(ख) व्यापार भुगतान	7	**10369.17**		8163.07	
(ग) अन्य चालू देनदारियां	8	**16029.22**		14298.67	
(घ) लघु अवधि प्रावधान	9	**2670.24**	**29155.38**	2701.70	25257.47
कुल			**67430.28**		59617.79
II. परिसंपत्तियां					
(1) गैर चालू परिसंपत्तियां					
(a) अचल परिसंपत्तियां					
(i) मूर्त परिसंपत्तियां	10	**4196.67**		3288.15	
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां		**321.98**		321.56	
(iii) पूंजीगत कार्य–प्रगति में		**1739.20**		1746.27	
(iv) विकास अधीन अमूर्त परिसंपत्तियां		**24.21**	**6282.06**	10.36	5366.34
(b) गैर चालू परिसंपत्तियां	11	**5.94**		11.30	
(c) आस्थगित कर देनदानियां(निवल)	12	**1549.48**		2165.17	
(d) दीर्घावधि देनदारियां और अग्रिम	13	**957.45**		1088.06	
(e) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां	14	**9544.98**	**12057.85**	7398.47	10663.00
(2) चालू परिसंपत्तियां					
(a) माल सूचियां	15	**13525.48**		10903.48	
(b) व्यापार प्राप्तियां	16	**26530.53**		20252.04	
(c) नकदी एवं नकदी समकक्षता	17	**6734.33**		9706.41	
(d) लघु अवधि ऋण एवं अग्रिम	18	**2148.04**		2416.11	
(e) अन्य चालू परिसंपत्तियां	19	**151.99**	**49090.37**	310.41	43588.45
कुल			**67430.28**		59617.79
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां					
वित्तीय विवरणों के अन्य नोट्स	32				

संलग्न अनुसूची 1से 32 और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां समेकित वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	
(आई. पी. सिंह)	**(पी.के.बाजपेई)**	**(बी. प्रसाद राव)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस. एन. धवन एंड कंपनी	कृते गान्धी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स	चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000050एन	**एफआरएन–000458एन**
हस्ता./–	हस्ता./–
(सुरेश सेठ)	**(भूपिंदर सिंह)**
साझेदार	साझेदार
सदस्यता सं. 10577	सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 मई, 2012

समेकित लाभ–हानि लेखा
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए	
I.प्रचालनों से राजस्व (सकल)	20		**49897.57**		43635.73
घटाएं : उत्पाद शुल्क तथा सेवाएं			**2298.62**		1781.07
प्रचालनों से राजस्व (निवल)			**47598.95**		41854.66
II. अन्य प्रचालन आय	21		**756.27**		683.58
III. अन्य आय	22		**1272.03**		1026.93
कुल राजस्व (I to III)			**49627.25**		43565.17
IV. व्यय					
सामग्री खपत, निर्माण और इंजीनियरिंग व्यय	23		**29132.44**		23366.65
प्रगति अधीन कार्य में वृद्धि और तैयार वस्तुएं	24		**-829.65**		-126.18
कर्मचारी लाभ व्यय	25		**5529.77**		5452.60
वित्त लागत	26		**53.07**		56.38
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	10.1		**803.24**		546.37
उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा विवरण संबंधी अन्य व्यय	27		**3250.76**		2557.00
प्रावधान (शुद्ध)	28		**1405.53**		2721.46
घटाएं: आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्य की लागत			**104.11**		68.51
कुल व्यय			**39241.05**		34505.77
V. पूर्व अवधि समायोजन लाभ(हानि), विशिष्ट मदें और कर			**10386.20**		9059.40
VI. जोड़ें / घटाएं: पूर्व अवधि समायोजन (निवल)	29		**-19.13**		-1.79
VII. जोड़ें / घटनाएं: विशिष्ट मदें	30		**0.16**		7.75
VIII. वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ			**10367.23**		9065.36
IX. घटाएं: कर व्यय	31				
क) चालू कर		**2664.28**		3648.55	
ख) आस्थगित कर		**615.69**	**3279.97**	-636.55	3012.00
X. अल्प ब्याज से पूर्व वर्ष के लिए लाभ			**7087.26**		6053.36
घटाएं: अल्प ब्याज			**-0.18**		-
XI. वर्ष के लिए अल्प ब्याज उपरांत लाभ			**7087.44**		6053.36
प्रति शेयर अर्जन (मूल एवं विलयित) (रिपोर्ट में अनुसूची 32 के बिंदु सं. 16 का संदर्भ लें)			**28.96**		24.73
प्रति शेयर अंकित मूल्य (रिपोर्ट में अनुसूची 32 के बिंदु सं. 16 का संदर्भ ल)			**2.00**		2.00
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां					
वित्तीय विवरण के लिए अन्य नोट्स	32				

संलग्न अनुसूची 1 से 32 और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां समेकित वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग है।

कुल आय में संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों का हिस्सा **₹ 335.49 करोड़** (पिछला वर्ष ₹ 267.43 करोड़) शामिल है।

कुल आय में संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों का हिस्सा **₹ 279.18 करोड़** (पिछला वर्ष ₹ 216.20 करोड़) शामिल है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	
(आई. पी. सिंह)	**(पी.के.बाजपेई)**	**(बी. प्रसाद राव)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस. एन. धवन एंड कंपनी	कृते गान्धी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स	चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000050एन	**एफआरएन–000458एन**
हस्ता./–	हस्ता./–
(सुरेश सेठ)	**(भूपिंदर सिंह)**
साझेदार	साझेदार
सदस्यता सं. 10577	सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 मई, 2012

समेकित रोकड़ प्रवाह विवरण
31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

	2011-12	2010-11
क. प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
लाभ और हानि लेखा के अनुसार कर पूर्व निवल लाभ	**10367.23**	**9065.36**
समायोजन		
मूल्यह्रास / परिशोधन	805.91	546.69
पट्टा समानीकरण	-3.82	-14.05
प्रावधान (निवल)	540.70	628.04
पुनरांकित अशोध्य ऋण एवं एलडी	97.30	40.46
स्थाई सम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	-4.01	-4.27
वित्त लागत	53.07	56.38
ब्याज / लाभांश आय	-837.02	-647.34
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन पूर्व प्रचालन लाभ	**11019.36**	**9671.27**
निम्न के लिए समायोजन		
व्यापार तथा अन्य प्राप्तियाँ– वृद्धि / (कमी)	-8806.90	-7918.84
माल सूची में वृद्धि / (कमी)	-2615.91	-1744.55
व्यापार देय तथा अग्रिम में वृद्धि / (कमी)	2899.91	5632.75
प्रचालन में प्राप्त नकदी	**2496.46**	**5640.63**
भुगतान किया गया प्रत्यक्ष कर (वापसी को छोड़कर)	-3197.09	-2941.54
प्रचालन गतिविधियों में इस्तेमाल की गई निवल नकद राशि	**-700.63**	**2699.09**
ख. वित्तीय गतिधियों से नकद प्रवाह		
स्थाई परिसम्पत्तियों की खरीद	-1585.48	-2186.07
स्थाई परिसम्पत्तियों की बिक्री व निपटान	2.07	6.50
सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश	5.36	-5.36
ब्याज एवं लाभांश से आय	996.52	745.73
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नकदी	**581.53**	**1439.20**
ग.वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
ऋण	179.77	129.21
भुगतान किया गया लाभांश (लाभांश पर कर सहित)	-1818.93	-1473.81
वित्त लागत	-50.75	-65.30
वित्तीय गतिविधियों में प्रचुक्त निवल नकदी	**1689.91**	**1409.90**
घ. नकद तथा नकद समतुल्य में निवल कमी	**-2972.07**	**-150.02**
नकद तथा नकद समतुल्य का अनुशेष	9706.40	9856.42
नकद तथा नकद समतुल्य का इतिशेष	6734.33	9706.40

नोट
1. नकदी एवं नकदी समतुल्य में नकदी तथा बैंक शेष तथा बैकों में जमा आवधिक जमा सारी शामिल है
2. पूर्व वर्ष के आंकड़ों को जहां आवश्यक समझा गया है। रिग्रुप/ पुनः व्यवस्थित किया गया है।
3. नकद एवं नकद समतुल्य में ₹ 2.18 करोड़ (₹ 3.74 करोड़) की राशि शामिल है। जो निर्धारित बैंक खातों में अदावाकृत लाभांश के रूप में पड़ी हुई है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./–
(आई. पी. सिंह)
कंपनी सचिव

हस्ता./–
(पी.के.बाजपेई)
निदेशक (वित्त)

(बी. प्रसाद राव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम तिथि की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस. एन. धवन एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000050एन

हस्ता./–
(सुरेश सेठ)
साझेदार
सदस्यता सं. 10577

कृते गान्धी मिनोचा एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन–000458एन

हस्ता./–
(भूपिंदर सिंह)
साझेदार
सदस्यता सं. 092867

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 23 मई, 2012

1- शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े		31 मार्च, 2011 के आंकड़े	
अधिकृत				
₹ 2 प्रत्येक के 100,00,00,000 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष प्रत्येक ₹ 10 के 200,00,00,000 शेयर)		**2000.00**		2000.00
जारी, अंशदान तथा प्रदत्त		**489.52**		489.52
₹ 2 प्रत्येक के पूर्णतः भुगतेय 244,76,00,000 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष ₹ 10/–प्रत्येक के 48,95,20,000 इक्विटी शेयर)				
क) इनमें से ₹ 2 प्रत्येक के 122,38,00,000 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष ₹ 10 प्रत्ये के 24,47,60,000 इक्विटी शेयर) बोनस शेयरों के रूप में आबंटित किए गए।				
ख) बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का पुनर्मिलान निम्नानुसार निर्धारित किया गया:				
वर्ष के प्रारंभ में बकाया शेयर		**489520000**		489520000
₹10 से ₹ 2 प्रति शेयर के विघटन के रूप में वर्ष के दौरान जारी शेयर		**1958080000**		-
वर्ष के दौरान पुनर्खरीद किए गए शेयर				-
वर्ष के अंत में बकाया शेयर		**2447600000**		489520000
ग) वर्ष के अंत में 5 प्रतिशत से अधिक शेयर धारण कर रहे शेयर धारकों द्वारा धारित शेयरों का विवरण	शेयरों की सं०	धारित का प्रतिशत	शेयरों की सं०	धारित का प्रतिशत
भारत के राष्ट्रपति, साथ में उनके नामिती	**1657552000**	**67.72%**	331510400	67.72%
भारतीय जीवन बीमा निगम	**141433662**	**5.78%**	-	-
प्रति शेयर अंकित मूल्य		**2.00**		10.00

2 - प्रारक्षित और अधिशेष

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े		31 मार्च, 2011 के आंकड़े	
प्रारक्षित पूंजी				
प्रारंभिक शेष	**2.74**		2.74	
जोडें अतिरिक्त	-		-	
घटाएं: कटौतिया	-	**2.74**	-	2.74
सामान्य प्रारक्षित				
प्रारंभिक शेष	**18868.78**		14865.91	
जोड़े : लाभ तथा हानि लेखा से अंतरित	**5003.04**		4002.87	
घटाएं: कटौतियां		**23871.82**		18868.78
लाभ एवं हानि विवरण से अधिशेष				
प्रारंभिक शेष	**793.97**		537.96	
जोड़े: वर्ष के लिए निवल लाभ	**7087.44**		6053.36	
विनियोग के लिए उपलब्ध लाभ	**7881.41**		6591.32	
घटाएं: विनियोग -				
— सामान्य प्रारक्षित	**5003.04**		4002.87	
— लाभांश (₹ 618.93 करोड़, पिछले वर्ष ₹ 660.04 करोड़ के अंतरिम लाभांश सहित)	**1582.65**		1541.81	
— कार्पोरेट लाभांश कर (अंतरिम लाभांश पर कर **₹ 110.62 करोड़ सहित, पिछले वर्ष** ₹ 109.63 करोड़)	**256.74**	**1038.98**	252.67	793.97
		24913.54		19665.49

3 - दीर्घावधि उधार ऋण

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
प्रारक्षित		
पावर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमि. से ऋण	**158.38**	-
(येर्रामुरस थर्मल पावर प्रोजैक्ट से		
जुड़ी परिसंपत्तियों के तहत)	**158.38**	
अप्रारक्षित		
वित्त पट्टा दायित्वों की दीर्घावधि परिपक्वता	**123.69**	102.40
	123.69	102.40
	282.07	102.40

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **158.64 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 0.26 करोड़) का हिस्सा सम्मिलित हैं।

4 – अन्य दीर्घावधि देनदारियां

(₹ करोड में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
व्यापार देयताएं	**604.42**	383.62
ग्राहकों और अन्यों से प्राप्त अग्रिम	**6841.83**	8684.91
ठेकेदारों और अन्यों से जमा	**120.67**	102.49
	7566.92	9171.02

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **18.35 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 0.26 करोड़) के शेयर सम्मिलित

5 – दीर्घावधि प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
कर्मचारियों के लाभ के लिए प्रावधान	**2079.65**	1992.68
अनुबंधात्मक दायित्व	**2802.19**	2351.35
अन्य दीर्घावधि प्रावधान	**136.04**	126.95
कर हेतु प्रावधान (निवल अग्रिम कर/टीडीएस)	**-**	460.91
	5017.88	4931.89

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **4.54 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 0.26 करोड़) का हिस्सा है।

6 – लघु अवधि उधार

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
बैंकों से		
प्रारक्षित ऋण*		
कार्यशील पूंजी मांग ऋण	**84.49**	91.92
नकद ऋण	**0.12**	-
*(कच्चे माल, अवयवों, प्रगति अधीन कार्य, तैयार वस्तुओं, बुक ऋणों		
और अन्य चालू परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य की		
दोनों को गिरवरी रखकर प्रथम वसूली से प्रारक्षित)		
	84.61	91.92
अप्रारक्षित		
कंपनियों से	**0.08**	-
बाण्डों से	**2.06**	2.11
	2.14	2.11
	86.75	94.03

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **84.52 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 0.26 करोड़) का हिस्सा सम्मिलित है।

7 - व्यापार देयताएं

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
व्यापार देयताएं	**10258.24**	8120.23
स्वीकृतियां	**110.93**	42.84
	10369.17	8163.07

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **94.15 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 0.26 करोड़) का हिस्सा सम्मिलित है।

8 - अन्य चालू देनदारियां

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
वित्त पट्टा दायित्व की वर्तमान परिपक्वता	**62.68**	55.30
ग्राहकों और अन्यों से प्राप्त अग्रिम (समायोजन ऋण मूल्यांकन सहित)	**13181.90**	11751.32
ठेकेदारों और अन्यों से प्राप्त जमा	**448.05**	407.87
अदावाकृत लाभांश	**2.18**	3.74
अन्य देयताएं/देनदारियां	**2317.73**	2067.25
ब्याज उपार्जित लेकिन देय नहीं	**1.50**	0.25
ब्याज उपार्जित और पर देय:		
राज्य सरकार ऋण	**2.33**	2.33
वित्त लीज	**4.82**	3.75
बाण्ड और अन्य	**8.03**	6.86
	16029.22	14298.67

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **103.14 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 16.96 करोड़) का शेयर सम्मिलित है।

9 - लघु अवधि प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
कर्मचारी लाभों के लिए प्रावधान	**402.30**	902.71
प्रस्तावित लाभांश	**905.48**	881.77
कार्पोरेट लाभांश कर	**146.89**	143.05
अनुबंधात्मक दायित्व	**1065.68**	645.65
अन्य लघु अवधि प्रावधान	**149.89**	128.52
	2670.24	2701.70

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **11.11 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 12.38 करोड़) का शेयर सम्मिलित है।

10 - स्थायी परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
(i) मूर्त परिसंपत्तियां		
निवल ब्लॉक	**9531.28**	7890.43
घटाएं: संचित मूल्यह्लास	**5338.25**	4602.10
घटाएं: लीज समायोजन	**-3.64**	0.18
निवल ब्लॉक	**4196.67**	3288.15
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां		
सकल ब्लॉक (समेकन पर गुडविल सहित)	**485.87**	453.70
घटाएं: संचित मूल्यह्लास	**163.89**	132.14
निवल ब्लॉक	**321.98**	321.56
(iii) पूंजीगत कार्य प्रगति पर		
निर्माण कार्य प्रगति पर –सिविल	**376.51**	338.19
स्टोर्स का निर्माण (ट्रांजिट सहित), संयंत्र, मशीनरी और अन्य उपकरण	**9.99**	13.13
- इरेक्शन/फ्रब्रिकेशन के अधीन इरेक्शन की प्रतीक्षा में	**1078.62**	917.58
- मार्ग में	**273.79**	472.97
निर्माणाधीन पट्टा पर परिसंपत्तियां	**0.28**	4.40
	1739.20	1746.27
(iv) विकास अधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	**24.21**	10.36
	24.21	10.36
कुल	**6282.06**	5366.34

अनुसूची 10.1 में विवरणों को देखें

संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के ₹ **437.66 करोड़** (पिछले वर्ष ₹ 41.37 करोड़) का शेयर सम्मिलित है

अनुसूची 10.1
स्थायी परिसंपत्तियां–समेकित

(₹ करोड़ में)

सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास	निवल ब्लॉक				
विवरण	31.03.2011 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि/ समायोजन	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास/ समायोजन	31.03.2012 को लागत	पट्टा समायोजन लेखा	31.03.2012 तक मूल्यह्रास/ समायोज	31.03.2012 को	31.03.2011 को	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास/ परिशोधन
फैक्टरी/कार्यालय कॉम्प्लेक्स									
(i) मूर्त परिसंपत्तियां									
फ्री–होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	30.31	1.44		31.75			31.75	30.31	
पट्टाधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	6.05			6.05		0.39	5.66	5.67	0.01
सड़कें, पुल और पुलिया निर्माण	15.35	5.44		20.79		3.88	16.91	11.81	0.33
भवन	1080.62	271.07	4.94	1346.75		480.32	866.43	697.80	101.68
पट्टाधारी भवन	3.31			3.31		1.33	1.98	2.03	0.05
जल निकासी, जल–मल निकासी	19.19	2.66	0.05	21.80		11.50	10.30	8.22	0.52
रेलवे साइडिंग	11.19	3.86		15.05		8.66	6.38	3.00	0.46
लोकोमोटिव तथा वैगन	27.90	3.23		31.13		19.36	11.77	9.70	1.15
प्लांट तथा मशीनरी	4918.23	1126.93	8.78	6036.38		3421.69	2614.70	2014.29	525.73
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	139.21	1.69	-0.85	141.75		135.42	6.33	7.36	2.33
विद्युत सन्स्थापन	199.24	82.71	2.97	278.98		103.17	175.80	111.70	14.38
निर्माण उपकरण	189.43	29.76	1.80	217.39		138.88	78.50	75.52	26.62
वाहन	19.91	0.67	0.48	20.10		16.59	3.51	3.35	0.50
फर्नीचर ओर फ़िक्स्चर्स	32.50	13.26	0.06	45.70		13.90	31.80	20.71	2.31
कार्यालय एवं अन्य उपकरण	110.93	37.25	0.57	147.61		73.22	74.39	44.96	7.61
₹ 10000/– लागत की पूंजीगत संपत्तिया	77.43	21.61	1.41	97.63		97.63			21.61
पून्जी व्यय	0.44			0.44		0.44			
पट्टे में परिसंपत्तियाँ	497.15			497.15	3.64	497.00	3.79	4.15	4.18
पट्टे पर ली गई ईडीपी उपकरण	288.59	74.62	22.08	341.13		184.55	156.58	138.83	55.63
पट्टे पर लिए गए अन्य उपकरण और कार्यालय	4.00	2.57	0.14	6.43		2.56	3.87	2.40	0.99
कुल मूर्त परिसपत्तिया–फैक्टरी	7670.98	1678.77	42.43	9307.32	3.64	5210.49	4100.45	3191.81	766.09
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां									
समेकन पर गुडविल	185.87			185.87			185.87	185.87	
-आंतरिक रूप से विकसित अन्य									
अन्य	18.67	11.32	0.02	29.97		14.24	15.73	11.29	6.89
-अन्य									
साफ्टवेयर	114.98	4.94	0.04	119.88		110.00	9.88	16.43	11.49
तकनीकी ज्ञान	125.32	15.98		141.30		30.85	110.45	107.90	13.43
अन्य	8.80		-0.05	8.85		8.80	0.05		
कुल मूर्त परिसंपत्तियां–फैक्टरी	453.64	32.24	0.01	485.87		163.89	321.98	321.49	31.81
कुल फैक्टरी परिसंपत्तियां	8124.62	1711.01	42.44	9793.19	3.64	5374.38	4422.43	3513.30	797.90
टाउनशिप/आवासीय									
(i) मूर्त परिसंपत्तियां									
फ्री–होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	2.17			2.17			2.17	2.17	
पट्टेधारित भूमि (विकास व्यय सहित)	1.99			1.99		0.58	1.41	1.43	0.02
सड़कें, पुल, पुलिया निर्माण	5.29			5.29		3.02	2.27	2.35	0.08
भवन	134.89	0.72	0.66	134.95		65.85	69.10	70.52	2.07
पट्टाधारित भवन	0.27			0.27		0.20	0.07	0.08	0.01
जल निकासी, जल–मल निकासी, जलापूर्ति	17.36	0.05		17.41		14.34	3.07	3.42	0.39
प्लांट एवं मशीनरी	16.58	1.05	0.08	17.55		11.19	6.37	6.41	1.09
विद्युत सन्स्थापन	17.48	0.74	0.02	18.20		14.88	3.32	3.03	0.43
वाहन	1.08			1.08		1.01	0.07	0.08	0.01
फर्नीचर और जुड़नार	0.82	0.12		0.94		0.38	0.57	0.52	0.08
पट्टे पर लिया गया कार्यालय तथा अन्य उपकरण	19.22	2.60	0.15	21.67		13.87	7.80	6.40	1.07
₹ 10,000/– तक की स्थायी परिसंपत्तियाँ	2.36	0.09	0.01	2.44		2.44			0.09
कुल मूर्त परिसंपत्तियां–टाउनशिप	219.51	5.37	0.92	223.96		127.76	96.22	96.41	5.34
टाउनशिप परिसंपत्तियों का योग	219.51	5.37	0.92	223.96		127.76	96.22	96.41	5.34
कुल मूर्त परिसंपत्तियां	7890.49	1684.14	43.35	9531.28	3.64	5338.25	4196.67	3288.22	771.43
कुल अमूर्त परिसंपत्तियां	453.64	32.24	0.01	485.87		163.89	321.98	321.49	31.81
टाउनशिप और फैक्ट्री परिसंपतियों का योग	8344.13	1716.38	43.36	10017.15	3.64	5502.14	4518.65	3609.71	803.24
पिछले वर्ष	6857.57	1535.71	49.15	8344.13	-0.18	4734.24	3609.71	2608.81	546.37

31.03.2012की स्थिति के अनुसार सकल ब्लॉक में ₹ **59.20** करोड़ (गत वर्ष ₹ 49.99 करोड़) की एवं अप्रयुक्त परिसंपत्तियाँ शामिल है।
31.03.2012 की स्थिति के अनुसार निवल ब्लॉक में ₹ **0.18** करोड़ (गत वर्ष ₹ 0.19 करोड) की बेकार एवं अप्रयुक्त परिसंपत्तियाँ शामिल है।
सकल ब्लॉक में अनुसन्धान तथा परिसंपत्तियों के लिए कार्यकारी एजेन्सी के रूप में परिसंपत्तियों की खरीद लागत के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान शामिल नहीं है।
वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में कोई हानि नहीं हुई।
सकल ब्लॉक में संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **31.43** करोड़ (गत वर्ष ₹ 1.15 करोड़) का शेयर शामिल है।
वर्ष में मूल्सह्रास के लिए संयुक्त नियंत्रित इकाइयों का ₹ **1.28** करोड़ (गत वर्ष ₹ 1.15 करोड़) का शेयर शामिल है।

2011-12	2010-11
30.81	30.81

11 - गैर चालू निवेश

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े		31 मार्च, 2011 के आंकड़े	
दीर्घावधि निवेश (लागत पर)				
उडद्घृत (पूर्ण प्रदत्त) शेयरः				
व्यापार				
इंजीनियरिंग प्रोजैक्ट्स(इंडिया) लिमि. के प्रत्येक ₹ 10/– के 1402 (पिछले वर्ष 360) इक्विटी शेयर्स	*		*	
इंजीनियरिंग प्रोजैक्ट्स(इंडिया) लिमि. के प्रत्येक ₹ 10/– के 490 (पिछले वर्ष 490) इक्विटी शेयर्स	**0.01**		0.01	
एपी गैस पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के ₹ 10 के 728960 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष 728960).	**0.91**		0.91	
नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड के प्रत्येक ₹ 10/– के 5000000 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष 5000000)	**5.00**	**5.92**	5.00	5.93
सहायक कंपनियाँ				
भारत इलेक्ट्रिकल मशीन्स लि. के ₹ 10 प्रत्येक के 5355000 गत वर्ष 51000) मूल्य के इक्विटी शेयर				0.05
संयुक्त उद्यम कंपनियाँ				
पावर प्लांट पर्फ़ॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड के ₹ 10/– तक के 1999999 (पिछले वर्ष 1999999) इक्विटी शेयर	**2.00**		2.00	
घटाएँः मूल्य में कमी के हेतु प्रावधान	**2.00**		2.00	
– बराक पावर लिमिटेड के ₹ 10/– प्रत्येक के शून्य (पिछले वर्ष 50000) इक्विटी शेयर	**-**		0.05	
घटाएँः मूल्य में कमी हेतु प्रावधान	**-**		0.05	
गैर–व्यापार				
बीएचईएल हाउस बिल्डिंग कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड में ₹ 100 प्रत्येक के 3 शेयर	*		*	
बीएचपीवी एम्प्लॉईस कन्ज़्यूमर कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड में ₹ 10 प्रत्येक के 250 शेयर	*		*	
कफ़ परेड पर्सोलिस प्रेमिसिस कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, मुम्बई में ₹ 50 प्रत्येक के 20 शेयर	*		*	
हिल व्यू कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मुम्बई में ₹ 50 प्रत्येक के 20 शेयर**	*	**0.01**	*	0.01
अग्रिम में प्रदत्त शेयर राशि				
₹ 10 प्रत्येक के 50 शेयरों के आबंटन के लिए मैसर्स रीता एंटरप्राइसस के योयर राशि का अग्रिम भुगतान		*		*
₹ 10 प्रत्येक के 50 शेयरों के आबंटन के लिए मैसर्स आशीष एंटरप्राइसस, मुंबई को शेयर राशि का अग्रिम भुगतान		*		*
बीएचईएल इलेक्ट्रिक मशीन लि. (सहायक कंपनी)*		**-**		5.31
*₹ 1 लाख से कम मूल्य के				
		5.94		11.30
अनुद्धत निवेश का कुल मूल्य		**5.94**		11.30
निवेश के मूल्य में कमी के संबंध में कुल प्रावधान		**2.00**		2.05

12 - आस्थगित कर परिसंपत्तियां(निवल)

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
प्रावधान	**1021.00**	1821.04
वैधानिक देयता	**555.64**	411.99
मॉडवैट समायोजन	**75.57**	45.43
अन्य	**37.37**	9.65
	1689.58	2288.11
आस्थगित कर देयताएं		
अवमूल्यन	**140.10**	122.94
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	**1549.48**	2165.17

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **3.24** करोड़ (गत वर्ष ₹ 1.62 करोड़) का शेयर शामिल है।

13 - दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े		31 मार्च, 2011 के आंकड़े	
अग्रिम पूंजी	**308.52**		446.20	
जमा	**44.52**		38.67	
कर्मचारियों को ऋण	**1.68**		1.87	
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों को ऋण	**16.00**		-	
अन्यों को ऋण	**0.01**		0.02	
ब्याज उपार्जित और या ऋणों पर देय	**0.78**	**371.51**	1.39	488.15
अग्रिम(नकद वसूली योग्य या अन्य प्रकार से या प्राप्त किये जाने वाले मूल्य के लिए)				
क्रय हेतु	**402.95**		469.09	
अन्यों को	**118.02**	**520.97**	137.76	606.85
जमाएं				
कस्टम, पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास अधिशेष		**38.56**		34.00
अग्रिम कर/टीडीएस (कराधान हेतु निवल प्रावधान)		**71.90**		-
		1002.94		1129.00
घटाएं: प्रावधान		**45.49**		40.94
		957.45		1088.06
उप वर्गीकरण:-				
प्रारक्षित अच्छा माना		**17.81**		4.12
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**939.64**		1083.94
संदेहपूर्ण		**45.49**		40.94
		1002.94		1129.00

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **287.61** करोड़ (गत वर्ष ₹ 419.78 करोड़) का शेयर शामिल है।

14 - अन्य गैर–चालू परिसंपत्तिया

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े		31 मार्च, 2011 के आंकड़े	
दीर्घावधि प्राप्तियां	**11505.74**		8525.54	
घटाएं: अशोध्य और संदग्धि ऋण	**1749.90**		1034.16	
घटाएं–स्वतः मूल्य कटौती समायोजन खाता	**340.58**	**9415.26**	210.74	7280.64
अचल माल सूची	**176.62**		191.14	
घटाएं: अचल माल सूची के लिए प्रावधान	**68.70**	**107.92**	77.13	114.01
प्रचालन पूर्व खर्च / प्रारंभिक खर्च		**21.80**		3.82
		9544.98		7398.47
उप वर्गीकरणः दीर्घावधि व्यापार प्राप्तियां				
प्रारक्षित अच्छा माना		**-**		-
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**9415.26**		7280.64
संदेहपूर्ण		**2090.48**		1244.90
		11505.74		8525.54

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का दीर्घावधि व्यापार प्राप्य में ₹ **8194.77** करोड़ आस्थगित ऋण (गत वर्ष ₹ **6810.73** करोड़) शामिल है।
₹ **1.41** करोड़ (गत वर्ष ₹ **9.11** करोड़) का शेयर शामिल है।

15 - माल सूचियां

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े		31 मार्च, 2011 के आंकड़े	
कच्चा माल तथा संघटक	**4971.92**		3724.06	
मार्गस्थ सामग्री	**1859.24**	**6831.16**	1447.39	5171.45
चल रहा कार्य		**4841.46**		4142.29
(उप–टेकेदारों के साथ वस्तुओं सहित)				
तैयार माल	**953.79**		856.40	
मार्गस्थ अन्तर–प्रभाग अन्तरण में	**199.60**	**1153.39**	176.29	1032.69
भण्डार एवं स्पेअर्स				
उत्पादन	**214.56**		168.94	
ईंधन स्टोर्स	**15.19**		20.64	
विविध	**38.29**	**268.04**	27.64	217.22
फ़ैब्रिकेटर्स / टेकेदारों के पास सामग्री		**316.70**		237.07
खुले औज़ार		**46.38**		29.46
रद्दी माल (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)		**68.35**		73.30
मूल्यांकन की पद्धति के संबंध में महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति 8 का संदर्भ लें		**13525.48**		10903.48

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **13.84** करोड़ (गत वर्ष ₹ 1.96 करोड़) का शेयर शामिल है।

16 - व्यापार प्राप्तियां

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
छह माह से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	**10426.34**	9367.53
अन्य ऋण	**16924.51**	11753.65
	27350.85	21121.18
घटाएं : संदेहपूर्ण ऋणों एवं		
स्वतः मूल्य कमी समायोजन हेतु प्रावधान	**820.32**	869.14
	26530.53	20252.04
व्यापार प्राप्तियों में आस्थगित ऋण शामिल है		
- ₹ 6100.13करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 4090.74 करोड़)		
व्यापार प्राप्तियों में वितरित वस्तुओं के लंबित बिल शामिल हैं		
- ₹ 1717.07 करोड़ (पिछला वर्ष ₹ 1828.39 करोड़)		
व्यापार प्राप्तियों का विवरण :		
प्रारक्षित, अच्छा माना	**-**	**-**
अप्रारक्षित, अच्छा माना	**26530.53**	20252.04
संदेहपूर्ण	**820.32**	869.14
	27350.85	21121.18

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **117.73** करोड़ (गत वर्ष ₹ 76.94करोड़) का शेयर शामिल है।

17 - रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
बैंकों में अधिशेष *	**6367.06**	9262.22
चैक, डिमांड ड्राफ्ट के रूप में	**365.79**	433.95
नकदी और स्टैम्पस के रूप में	**1.27**	1.60
ट्रांजिट में प्रेषण	**-**	8.64
मार्जिन धन जमा	**0.21**	**-**
	6734.33	9706.41
अदावाकृत		
गैर–पुर्स्थापना लाभांश के तहत चिन्हित सहित*	**2.18**	3.74
गैर प्रत्यापवर्तनीय खाता	**19.28**	21.79

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **51.44** करोड़ (गत वर्ष ₹ 69.04 करोड़) का शेयर शामिल है।

18 - लघु अवधि ऋण और अग्रिमv

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े		31 मार्च, 2011 के आंकड़े	
ऋण				
कर्मचारियों को ऋण	**0.16**		0.15	
ऋण पर जारी सामग्री	**9.74**		10.05	
अन्य को ऋण	**0.01**		10.60	
सार्वजनिक प्रतिष्ठानों को ऋण	**4.00**		-	
अर्जित ब्याज और या ऋण पर देय	**1.59**	**15.50**	2.06	22.86
अग्रिम (नकद प्राप्तियां या किसी अन्य प्रकार या मूल्य के रूप में प्राप्त)				
कर्मचारियों के लिए	**32.21**		30.95	
क्रय हेतु	**963.03**		1039.18	
अन्य के लिए	**889.59**	**1884.83**	942.17	2012.30
जमा				Balance with
कस्टम, पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास अधिशेष		**295.01**		264.47
अन्य	**40.35**		199.00	
		2235.69		2498.63
घटाएं: संदेहपूर्ण ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान		**87.65**		82.52
		2148.04		2416.11
ऋणों और अग्रिमों का विवरण:-				
प्रारक्षित, अच्छा माना		**4.25**		-
अप्रारक्षित, अच्छा माना		**2143.79**		2416.11
संदेहपूर्ण		**87.65**		82.52
		2235.69		2498.63
सम्मिलित:				
निदेशकों से देय		-		*
अधिकारियों से देय		**0.15**		0.21

* ₹ 1 लाख से कम मूल्य

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **18.55** करोड़ (गत वर्ष ₹ 13.72 करोड़) का शेयर शामिल है।

19 - अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2012 के आंकड़े	31 मार्च, 2011 के आंकड़े
बैंक जमाओं और निवेशों पर अर्जित ब्याज	**151.37**	310.41
पट्टे पर परिसंपत्तियों से प्राप्त योग्य किराया	**0.62**	-
	151.99	310.41

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **1.11** करोड़ (गत वर्ष ₹ 0.54 करोड़) का शेयर शामिल है।

20 - अन्य प्रचालनों आयI

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
प्रतिफल रहित बिक्री	**44408.37**	38542.01
बाहरी इरेक्शन और अन्य सेवाओं से आय और वर्क्स ठेकों से राजस्व	**5489.20**	5093.72
	49897.57	43635.73

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **329.41** करोड़ (गत वर्ष ₹ 262.42 करोड़) का शेयर शामिल है।

21 - अन्य प्रचालन आयn

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
निर्यात प्रोत्साहन		**11.95**		42.89
लीज़ पर परिसंपत्तियों से किराये की आय	**0.93**		0.93	
लीज इक्वेलाइजेशन अकाउंट	**3.82**	**4.75**	14.05	14.98
स्क्रैप		**309.83**		272.46
बिक्री/अधिशेष के स्थानांतरण से प्राप्ति		**0.17**		0.05
अन्य		**429.57**		353.20
		756.27		683.58

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **0.06** करोड़ (गत वर्ष ₹ शून्य करोड़) का शेयर शामिल है।

22 - अन्य आयes

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
अन्य आय		
स्थायी परिसंपत्तियों और पूंजीगत स्टोर्स की बिक्री से लाभ (निवल)	**4.01**	4.27
निवेश पर लाभांश (दीर्घावधि–व्यापार)	**16.98**	14.99
विनिमय अंतर प्राप्ति (निवल)	**99.32**	100.33
अन्य (अनुसन्धान एवं विकास परियोजना पर भारत सरकार से प्राप्त ₹ 0.33 करोड (पिछला वर्ष ₹ 0.33 करोड़) सहित)	**331.46**	274.99
कुल (क)	**451.77**	394.58
ख. ब्याज आय		
ग्राहकों से	**2.56**	0.01
कर्मचारियों से	**0.00**	0.01
बैंकों से	**792.82**	614.76
अन्य	**24.88**	17.57
कुल (ख)	**820.26**	632.35
कुल अन्य आय योग (क+ख)	**1272.03**	1026.93

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **6.02** करोड़ (गत वर्ष ₹ 5.03 करोड़) का शेयर शामिल है।

23 - खपत सामग्री की लागत, इरेक्शन एवं इंजीनियरी व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.201 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
कच्चे माल और संघटकों की खपत	**24697.56**	19542.83
भण्डारों एवं स्पेअर्स की खपत	**569.04**	473.81
इरेक्शन तथा इंजीनियरी व्यय – अंशदाताओं को भुगतान	**3865.84**	3350.01
	29132.44	23366.65

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **251.96** करोड़ (गत वर्ष ₹ 191.89 करोड़) का शेयर शामिल है।

24 - चल रहे कार्य और तैयार माल में वृद्धि

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
कार्य की प्रगति				
अंतिम शेष	**4842.25**		4142.64	
प्रारंभिक शेष	**4142.64**	**699.61**	4338.11	-195.47
तैयार माल				
अंतिम शेष	**954.27**		858.93	
प्रारंभिक शेष	**859.13**	**95.14**	600.32	258.61
ट्रांजिट में अंतर प्रभागीय अंतरण		**34.90**		63.04
		829.65		126.18
टिप्पणी:				
तैयार माल में उत्पाद कर का हिस्सा:				
अंतिम शेष		**99.97**		81.96
प्रारंभिक शेष		**81.96**		53.06

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **0.26** करोड़ (गत वर्ष ₹ 0.11 करोड़) का शेयर शामिल है।

25 - कर्मचारी लाभ व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	**4643.66**	4577.84
उपदान निधि में अंशदान	**152.79**	224.85
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	**279.44**	272.25
समूह बीमा	**12.15**	9.90
कर्मचारी कल्याण व्यय	**441.73**	367.76
	5529.77	5452.60

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **11.08** करोड़ (गत वर्ष ₹ 9.28 करोड़) का शेयर शामिल है।

26 - वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
बैंकों / वित्तीय संस्थानों से ऋणों पर ब्याज	**26.70**	31.91
अन्य ऋण लागत	**26.37**	24.47
	53.07	56.38
घटाएं: उधार लागत पूंजीकृत	**0.00**	0.00
	53.07	56.38

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **0.29** करोड़ (गत वर्ष ₹ 0.25 करोड़) का शेयर शामिल है।

27 - उत्पादन, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण पर अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
रेजीडेंट परामर्शदाता प्रभार रॉयल्टी, तकनीकी प्रलेखीकरण,		
परामर्श प्रभार और अन्य परामर्श	**81.67**	135.38
किराया	**96.54**	81.51
उत्पाद कर	**248.70**	209.31
विद्युत एवं ईंधन	**515.10**	407.00
दरें और कर	**46.34**	38.63
सेवा कर	**15.16**	12.21
बीमा	**133.60**	109.36
मरम्मत:		
भवन	**80.39**	54.87
संयंत्र एवं मशीनरी	**36.51**	29.37
अन्य	**138.91**	119.96
निर्यात से संबंधित अन्य व्यय	**26.79**	33.14
बट्टाकृत निवेशों पर हानि	**0.09**	
वर्ष के दौरान बट्टाकृत अशोध्य ऋण	**22.68**	20.95
बाह्य ढुलाई प्रभार	**624.41**	359.55
यात्रा और वाहन	**185.51**	166.69
विविध व्यय	**887.19**	737.84
प्रभारित किये गये निर्णीत हर्ज़ाने	**74.53**	19.50
दान	**0.17**	0.18
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व और संधारणीय विकास पर व्यय	**36.47**	21.55
	3250.76	2557.00

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **15.28** करोड़ (गत वर्ष ₹ 8.96 करोड़) का शेयर शामिल है।

28 - प्रावधान (निवल)

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
सन्दिग्ध ऋण, निर्णीत हर्ज़ाने तथा ऋण और अग्रिम				
वर्ष के दौरान सृजित	**973.61**		730.86	
घटाएं: वर्ष के दौरान बट्टाकृत	**345.30**	**628.31**	242.14	488.72
अनुबंधात्मक दायित्व				
वर्ष के दौरान सृजित	**1198.64**		2699.41	
घटाएं: वर्ष के दौरान बट्टाकृत	**333.81**	**864.83**	605.99	2093.42
अन्य				
वर्ष के दौरान सृजित	**53.81**		166.14	
घटाएं: वर्ष के दौरान बट्टाकृत	**141.42**	**-87.61**	26.82	139.32
		1405.53		2721.46

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **0.46** करोड़ (गत वर्ष ₹ **3.98** करोड़) का शेयर शामिल है।

29 - पूर्व अवधि मदें (निवल)

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
आय				
प्रतिफल रहित बिक्री	**-19.32**		-1.74	
अन्य प्रचालन आय	**0.30**		-	
अन्य आय	**0.17**		-	
ब्याज आय	**-0.21**	**-19.06**	-	-1.74
व्यय				
कच्चे माल एवं संघटकों की खपत	**1.64**		0.24	
मूल्यह्लास	**2.67**		0.32	
विविध व्यय	**-4.24**	**0.07**	-0.51	0.05
		-19.13		-1.79

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **0.13** करोड़ (गत वर्ष ₹ शून्य.) का शेयर शामिल है।

30 - विशिष्ट मदें

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े	31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े
व्यय		
ब्याज की माफी	**-0.16**	-7.75
	-0.16	-7.75

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **शून्य करोड़** (गत वर्ष ₹ शून्य) का शेयर शामिल है।

31 - कर व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.3.2012 को समाप्त चालू वर्ष के आंकड़े		31.3.2011 को समाप्त पिछले वर्ष के आंकड़े	
a) वर्तमान कर				
वर्तमान वर्ष के लिए	**3296.26**		3730.00	
पूर्ववर्ती वर्षो के वापस लिखित में अतिरिक्त प्रावधान किया गया	**-631.98**	**2664.28**	-81.45	3648.55
b) आस्थगित कर प्रभार (क्रेडिट)		**615.69**		-636.55
		3279.97		3012.00

संयुक्त नियन्त्रित इकाइयों का ₹ **17.34** करोड़ (गत वर्ष ₹ 17.85) का शेयर शामिल है।

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार :

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार लेखाकरण की प्राद्भवन विधि तथा कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए है, जैसा कि कंपनी द्वारा निरंतर रूप में अपनाया जा रहा है।

2. स्थायी परिसंपतियां

(क) स्थायी परिसंपतियां (राज्य से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि से भिन्न) अधिग्रहण या निर्माण अथवा संचयित मूल्यह्रास को घटाकर बही मूल्य पर प्राप्त की जाती है।

(ख) लागत के अंतर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हों, में लिए गए पूंजी कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है। स्थायी परिसंपतियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/ऋणों के संबध में अवमूल्यन/पुनःमूल्यन जैसी आसाधारण घटनाओं के प्रभाव को लागत में जोड़ा/घटाया जाता है।

(ग) राज्य सरकार से निःशुल्क अधिग्रहित भूमि का मूल्य ₹ 1/– लगाया गया है, सिवाए इसके कि वह 16 जुलाई 1969 के पश्चात न अधिग्रहित की गई हो, क्यो कि उस मामलें में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी प्रारक्षित निधि में समतुंल्य जमा द्वारा अधिग्रहण मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

3. पट्टे (वित्तीय पट्टा)

क) (i) 01 अप्रैल 2001 से पूर्व पट्टे पर दी गई परिसंपत्तिया

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां सामान्य विक्रय–मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत की जाती है और उन्हे बिक्री के रूम में माना जाता है। उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण नीति के अनुसार समान किस्म की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। पट्टा किरायों के लिए समान प्रकार पट्टा समानीकरण लेखा के माध्यम से लिया जाता है। वित आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

(ii) 01 अप्रैल 2001 को अथवा उनके पश्चात पट्टे पर दी गई परिसंम्पत्तियां

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को समान्य बिक्री कीमत/उचित मूल्य/एनपीवी पर बिक्री के रूप में मान्यता दी जाती है। वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है। प्रारंभिक लागत को पट्टे के शुरू होने पर खर्च माना जाता है।

ख) 01 अप्रैल 2001 अथवा उसके पश्चात पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों को उचित मूल्य/एनपीवी/संविदाकृत कीमत पर पूंजीकृत किया जाता है। उक्त पर मूल्यह्रास उस दर से प्रभारित किया जाता है जो मूल्यह्रास पर लेखाकरण की नीति के अनुसार सम्पन किस्म की स्थायी परिसम्पत्तियों के लिए लागू होता है। मूल्यह्रास पर नीति यदि पट्टा परिसंपत्तियां पट्टेदार को पट्टा अवधि समाप्त होने पर लौटायी जानी है, तो इसे प्रयुक्त अवधि अथवा पट्टा अवधि जो भी कम हो, के लिए मूल्यह्रासित किया जाता है। पट्टा भुगतानों को पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के संबध में वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी में विभाजित कर दिया जाता है।

प्रचालन पट्टा

पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं। उनसे होने वाली पट्टा आय को पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

प्रचालन पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ व्यय माना जाता है।

4. अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां

क) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियो को लागत पर पूंजीकृत किया जाता है, यदि

(क) यह संभाव्य है कि भविष्य में परिसंपत्ति के कारण होने वाला आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होगा, और

(ख) कंपनी का परिसंपत्तियों पर नियंत्रण होगा, और

(ग) इन परिसंपत्तियों की लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है और ₹ 10,000 से अधिक है। अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों को उनकी अनुमानित उपयोगी अवधि में सीधी रेखा यथानुपात मासिक आधार पर परिशोधित किया जाएगा, जो सॉफ्टवेयर के मामले में तीन वर्षों और अन्य के मामले में दस वर्षों से अधिक नहीं होगी।

ख) (क) अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित अनुसंधान चरण के दौरान व्यय सहित अनुसंधान पर व्यय को होने वाले वर्ष में लाभ और हानि में प्रभारित किया जाता है।

(ख) अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियों पर लेखाकरण मानक के अनुसार मानदंड पूरी करने वाली अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के विकास चरण के दौरान व्यय सहित विकास पर किए गए यय को अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है।

ग) अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ अधिग्रहित स्थायी परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागते

उधार लागतें, जो अर्हक परिसंपत्तियों के विनिर्माण,

अधिग्रहण या निर्माण पर व्यय की जाती हैं, ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के भाग के रूप में शामिल की जाती है।

अर्हक परिसंपत्ति वह होती है जो अभिप्रेत उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से बारह महीने से अधिक का समय लेती है। अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है, जिसमें उन्हें खर्च किया जाता है।

6. मूल्यह्रास

1) स्थायी परिसंपत्तियों (संविदा के अधीन विदेशों में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यहास, उसे छोड़कर जहां मूल्यहास, तकनीकी रूप से आकलित अनुमानित उपयोगी अवधि के आधार पर निर्धारित दरों पर प्रभारित किया जाता है, कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी–रेखा विधि पर परिसंपत्तियों की कुल लागत तक प्रभारित किया जाता है, जो नीचे दर्शाया गया है –

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयंत्र			
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
स्वाचालित/अर्ध–स्वचालित मशीनें	10%	15%	20%
स्थापना उपकरण, पूंजीगत औजार तथा साज–समान	20 %		
टाउनशिप बिल्डिंग			
– द्वितीय श्रेणी	2.5%		
– तृतीय श्रेणी	3.5%		
रेलवे साइडिंग	8 %		
लोकोमोटिव तथा वैगन	8 %		
विद्युतीय संस्थापना	8 %		
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8 %		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा जल आपूर्ति	3.34%		
इलेट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	20 %		

स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि/से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार, यथानुपात मासिक आधार पर होता है,

(ii) दीर्घावधिक संविदाओं के अनुसरण में भारत से बाहर प्रयुक्त स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यहास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) ₹ 10,000 या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा उन परिसंपत्तियों, जिनका हासित मूल्य वर्ष के प्रारंभ में ₹ 10,000 या कम है, का पूर्णतः मूल्यहास होता है। जहां तक, टाउनशिप भवनों का प्रश्न है, वहां प्रति मकान की लागत ₹ 10,000 की सीमा के लिए आधार है।

iv) निर्माण/परियोजना स्थल पर सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि में पूर्णतः परिषोधित की जाती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युतीय संस्थापनाओं और इस प्रकार क अन्य समर्थकारी कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण, लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर अवशिष्ट मूल्य के रूप में 10 प्रतिशत प्रतिधारित करते हुए उन्हें मूल्यहासित किया जाता है।

(v) लकड़ी के ढांचों जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यहासित किया जाता है।

(vi) पट्टाधारित भूमि और भवनों को पट्टे की अवधि में परिशोधित किया जाता है। पट्टे पर ली गई भूमि पर निर्मित भवनों का मूल्यहास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी कम हो, में होता है।

बीजीजीटीएस के मामले में (50% जेवी)

स्थाई सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास प्रबंधन द्वारा यथा आकालित परिसम्पत्तियों के अर्थपूर्ण जीवन के लिए प्रत्यक्ष तरीका अपनाकर प्रदान किया जाता है। कम्पनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित मूल्यह्रास दरों को न्यूनतम दरें समझा जाता हैं। यदि परिसम्पत्ति के अधिग्रहण के समय अथवा उक्त अनुसूची में परिकल्पित की तुलना में शेष उपयोगी जीवन कम है, तो उपयोगी जीवन / शेष उपयोग जीवन के प्रबंधन के आकलन के आधार पर मूल्यह्रास उच्च दर पर दिया जाता है। इस नीति के अनुसरण में, परिसम्पत्तियां पर मूल्यह्रास प्रबंधन द्वारा यथा आंकलित स्थाई परिसंम्पत्तियों के निम्नलिखित अर्थपूर्ण जीवन पर आधारित दरों के अनुसार मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

परिसम्पत्ति की श्रेणी	आकलित अर्थपूर्ण जीवन (वर्ष)
प्लांट तथा मशीनरी	2–15
विद्युत संस्थापनाएं	3–10
सिविल स्ट्रक्चर	5–10
फर्नीचर तथा फिक्चर	1–8
कम्प्युटर	3
कार्यालय उपकरण	3–5

मूल्यह्रास का परिकलन परिसम्पत्तियें की खरीद/बिक्री माह से/तक के यथानुपात आधार पर किया जाता है। ₹ 5000/–से कम की अलग–अलग परिसम्पत्तियों खरीद वर्ष में पूर्ण रूप से मूल्यह्रासित की जाती है।

रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड के मामले में (46% जेवी)

विद्युत आपूर्ति अधिनियम, 1948 में निर्धारित दरों पर मूल्यह्रास प्रत्यक्ष तरीका अपनाकर दिया जाता है। उन परिसम्पत्तियों के संबंध में जिसके लिए विद्युत आपूर्ति अधिनियम, 1956 में दरों का निर्धारण नही है, मूल्यह्रास कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV के अंतर्गत निर्दिष्ट दरों पर प्रदान किया जाता है। परिसम्पत्तियों का मूल्सह्रास लागत की 90% तक किया जाता है और 10% अपशिष्ट मूल्य के रूप में रोक लिया जाता है। परिसम्पत्तियों के परिवर्धन पर मूल्यह्रास परिवर्धन की तारीख को देखे बिना पूरे वर्ष के लिए प्रावधान किया जाता है।

एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. के मामले में

स्थाई परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों के अनुसार प्रत्यक्ष तरीके से परिसम्पत्तियों की कुल लागत पर प्रभारित किया जाता है।

उडनगुडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन पर आधारित कुछ परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास सीधी लाइन पद्धति पर किया जाता है, जिसका आँकलन प्रबन्धन द्वारा किया जाता है। उच्च परिसंपत्तियों में मूल्यह्रास सीधी पंक्ति पद्धति पर कंपनी अधिनियम,1956 में निर्धारित दरों और रीति के अनुसार लगाया जाता है। अवधि के दौरान खरीदी/बेची गई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आनुपातिक रूप में प्रमाणित किया जाता है। ₹ 5,000 मूल्य तक की खरीदी गई परिसंपत्त्यिों पर

₹ 100/–मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है। प्रबन्ध निम्न मूल्य से परिसंपत्तियों के जीवन का अनुमान लगाती है:–

1. अस्थायी शैड 1 वर्ष
2. कम्प्यूटर वं पुर्ज़े 5 वर्ष

7. निवेश

(i) दीर्घावधिक निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा, ऐसे निवेशों में गिरावट को मान्यता दी जाती है और इसके लिए व्यवस्था की जाती है।

(ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत/उचित मूल्य, जो भी कम है, पर किए जाते हैं। अउद्धृत चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

(iii) निवेश की लागत में अधिग्रहण प्रभार जैसे, दलाली, शुल्क तथा ड्यूटी शामिल है।

मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि में लेखा प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

8. मालसूची मूल्यांकन

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित लागत अथवा निवल वसूलीयोग्य मूल्य जो भी कम हो, पर लिया जाता है।

(ii) संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों का मूल्यन वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के संबंध में लागत का अर्थ कारखाना लागत है, वास्तविक /अनुमानित कारखाना लागत में विनिर्मित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल, संघटकों, फुटकर औजारों, भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारांकित औसत लागत है।

(v) क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओं के लिए जहां संविदा की लागत के वर्तमान अनुमान और विक्रय मूल्य हानि दर्शाते हैं, वहां ऐसी संविदा के लिए प्रत्याशित हानि को तुरंत मान्यता प्रदान की जाती है, चाहे कार्य शुरू हो गया है या नहीं।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए–

जहां किसी संविदा का भाग होने वाली पृथक रूप से अभिज्ञात परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधीवर्तमान अनुमान हानि दर्शाता है, वहां ऐसी? परियोजना के संबंध में, जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि को मान्यता दी जाती है।

ग. प्रत्याशित हानि निर्धारण में प्राप्त कुल आय पर विचार किया जाता है, जिसमें निर्यातों/माने गए निर्यातों पर प्रोत्साहन भी शामिल होते हैं।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीदे/विनिर्मित संघटकों और अन्य सामग्रियों, जिन्हें अथिशेष घोषित किया गया हो, को तकनीकी अनुमानों के आधार पर अवशिष्ट मूल्य प्रतिधारित करने हुए राजस्व पर प्रभारित किया जाता है।

बीजीजीटीएस के मामले में 50% संयंक्त उद्यम

ट्रेड किए गए स्टॉक का मूल्य न्यूनतम लागत और निवल प्राप्त पर निकाला जाता है। लागत का निर्धारण पहले खरीदी पहले बेची पद्धति पर किया जाता है।

9 राजस्व मान्यता

ग्राहक के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अंतर्गत आंषिक पोतलदान द्वारा ग्राहक को प्रेषित किया गया माल आता है।

क. 1.04.2003 को या उसके बाद की गई निर्माण संविदाओंके लिए:

राजस्व को संविदा की कुल अनुमानित लागत पर सूचना तिथि तक व्यय की गई वास्तविक लागत की प्रतिशतता पर आधारित प्रतिशतता समापन विधि से मान्यता दी जाती है।

ख. अन्य सभी संविदाओं के लिए:

(i) लम्बे उत्पादन चक्र वाले मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों, बॉयलरों, बॉयलर ऑग्जिलियरी, कम्प्रेसरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबंध में बिक्री राजस्व को मान्यता तकनीकी अनुमानों पर दी जाती है। जब शिपमेंट का कुल मूल्य प्रापणीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर विचार किया जाता है। अन्यथा, उन पर वास्तविक/अनुमानित फैक्टरी लागत या प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत, जो भी कम हो, विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

(ii) निर्माण और परियोजना प्रबंध सेवाओं को निम्नलिखित आधार पर मान्यता दी जाती है–

पूर्णता की प्रतिशतता, अथवा अंतर्भूत मूल्य की गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(iii) प्रदान की गई इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय को पूरे किए गए कार्य की प्रतिशतता के आधार पर प्रापणीय मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

(iv) बीएचपीवी में निर्माण न किए गए उपस्कर/प्रणालियों और सिविल कार्य की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेषणों/परियोजना स्थल पर किए गए कार्यों पर आधारित होती है।

10. विदेशी मुद्रा लेन–देनों के लिए लेखाकरण

विदेशी मुद्रा लेन–देनों को लेन–देनों की तारीख को विद्यमान विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को वर्ष के अंत में विनिमय दरों पर रूपांतरित किया जाता है। लेन–देनों के निपटान और मौद्रिक मदों के रूपांतरण पर उत्पन्न हुए विनिमय अंतर को उस वर्ष जिसमें वे उत्पन्न होते हैं, में आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

11. अभिन्न विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों को मूर्त रूप देना

(i) आय तथा व्यय की मदों को मूल्यह्रास के अलावा औसत दर पर मूर्त रूप दिया जाता है, जिसे तत्संबंधी स्थायी परिसंपत्तियों के लिए अंगीकृत दरों पर परिवर्तित किया जाता है।

(ii) मौद्रिक मदों को अन्य दरों पर मूल रूप दिया जाता है, ऐतिहासिक लागत पर चलाई जाने वाली गैर–मौद्रिक मदों को सौदे की तारीख को लागू दरों पर मूर्त रूप दिया जाता है, उचित मूल्य पर चलाई जाने वाली गैर–मौद्रिक मदों की उस विदेशी मुद्रा पर विनिमय दर पर मूर्त रूप दिया जाता है जो मूल्य निर्धारित किए जाते समय विद्यमान होती है।

(iii) सभी रूपित भिन्नताओं को लाभ व हानि लेखा में लिया जाता है।

बीजीजीटीएस (50% जेवी) मामलें में

वर्ष के अंत में पड़े बकाया के विदेशी मुद्रा जोखिम का बचाव करने के लिए आगे के लिए संविदाए दी जाती है। प्रत्येक संविदा के प्रारम्भ में ऐसी सभी संविदाओं हेतु प्रीमियम अथवा डिस्काउंट का संविदा की समय सीमा पर व्यय अथवा आय के रूप में परिशोधन किया जाता है। ऐसी अग्रिम संविदा पर निम्नलिखित के बीच विनिमय अंतर होता है (i) सूचित तारीख को अथवा समझौता की तारीख में जहां सौदे का इस अवधि के दौरान समझौता किया जाता है, विनिमिय दरों पर मूर्त रूप दिए गए संविदा की विदेशी मुद्रा राशि अंतर और अग्रिम विनिमय संविदा के शुरू होने की तारीख अथवा अंतिम सूचित तारीख के पश्चात मुर्त रूप दी गई समान विदेशी मुद्रा। ऐसी अग्रिम संविदा को रद्द करने अथवा नवीकरण करने से होने वाले लाभ अथवा हानि को उस वर्ष के लिए आय अथवा व्यय के रूप में माना जाता है।

12. कर्मचारी लाभ

अर्जित अवकाश, अर्ध वेतन अवकाश, भविष्य निधि और कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्रोद्भूत आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। उपदान, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावे और सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए देयता बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार लेखाबद्ध की जाती है। बीमांकिक देयता कर्मचारियों के संदर्भ में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अधीन प्रतिपूर्ति होने वाले वर्ष में यथानुपात मासिक आधार पर प्रभारित की जाती है।

13. कंपनी द्वारा/के विरूद दावें

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन–देनों के अनुभवों द्वारा अनुपूरित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है।

(ii) निर्यात प्रोत्साहन, शुल्क वापसी, सीमा शुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे आदि प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्य वृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य के परिवर्तनों के संबंध में देय राशियों को केवल तभी राजस्व के रूप में माना जाता है जब संविदाओं से ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हों और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साघक्ष्य हो। तथापि वृद्धि अतिरिक्त मूल्य तक प्रतिबंधित होती है।

14. वारंटियों के प्रावधान

(i) **1.04.2003 को या उसके बाद किए गए निर्माण संविदाओं के लिएः**

कंपनी उत्तरोत्तर राजस्व पर के 2.5% पर वारंटी लागत देती है, जब उसे राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है और पूरी वारंटी अवधि में यही प्रतिशत बनाए रखा जाता है।

(ii) **अन्य सभी संविदाओं के लिएः**

वर्ष के अंत में वारंटी के अंतर्गत संविदाओं के लिए संविदात्मक दायित्वों का प्रावदान संविदा मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति वाली संविदाओं के मामले में पूरे किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

(iii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को जब भी व्यय किया जाता है, प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है और वर्ष के अंत में प्रावधानों पर प्रभारित किया जाता है।

15. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो। अचल मूल्यहास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है, जबकि गैर–मूल्यहास योग्य परिसंपत्तियों स संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व सबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते, तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर संबद्ध हैं, राजस्व के रूप में माना जाता है। गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नॉमिनल मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है, अगर वे निःशुल्क प्राप्त होते हैं।

32 लेखों पर समेकित टिप्पणियां

1. समेकित वित्तीय विवरण भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, (कंपनी) तथा इसकी सहायक कंपनियों तथा इसके संयुक्त उपक्रमों से संबंधित हैं। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किए गए हैं:

लेखाकरण का आधार:

i) सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण तथा संयुक्त उपक्रमों में इनके ब्याज को कंपनी की समान रिपोर्टिंग तारीख को बनाया जाता है।

ii) समेकित वित्तीय विवरण लेखांकन मानदंड (एएस) 21 – 'समेकित वित्तीय विवरण' तथा लेखांकन मानदंड (एएस 27) – 'संयुक्त उपक्रमों में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग' के अनुसार तैयार किए गए हैं।

समेकन के सिद्धांत:

(क) मूल कंपनी के वित्तीय विवरण तथा इसकी सहायक कंपनी लाइन दर लाइन आधार पर संयुक्त होती है जिसमें परिसपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय जैसी मदों की बुक वैल्यू को जोड़ा जाता है। जोड़ने से पूर्व इन मदों में से इंट्रा ग्रुप बैलेंस तथा इंट्रा ग्रुप लेन–देन और वसूले न गए लाभ अथवा हानियों को लेखांकन मानदंड (एएस21) – 'समेकित वित्तीय विवरणों' के अनुसार पूरी तरह समाप्त किया जाता है।

(ख) संयुक्त उपक्रमों के वित्तीय विवरण लाइन दर लाइन विधि के अनुसार यथानुपात होते हैं जिसमें परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय जैसी मदों को समेकन विधि से इसमें जोड़ा जाता है। जोड़ने से पूर्व इन मदों में से वसूले ने गए लाभ–हानि को लेखांकन मानदंड (एएस 27)– 'संयुक्त उपक्रमों में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग' के अनुसार यथानुपात रूप से समाप्त किया जाता है।

(ग) समेकित वित्तीय विवरण लेन–देन तथा इसी प्रकार की अन्य स्थितियों जैसी समान लेखांकन नीतियों का उपयोग करके तैयार किये जाते हैं। इन्हें महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों में किए विशेष उल्लेख आदि को छोड़कर कंपनी के अलग वित्तीय विवरणों की तरह प्रस्तुत किया जाता है।

(घ) कंपनी में शेयरों के अधिग्रहण के समय निवल परिसंपत्तियों में से सहायक कंपनी के निवेश में लागत का अंतर वित्तीय विवरणों में ख्याति अथवा पूंजीगत प्रारक्षित राशि, जैसा भी मामला हो, से देखा जा सकता है।

(ड़) वर्ष के लिए समेकित सहायक कंपनी की निवल हानि के अल्प ब्याज हिस्से का समायोजन समूह की आय के साथ किया जाता है ताकि कंपनी के शेयरधारकों के अनुकूल निवल आय पर पहुंचा जा सके।

(च) समेकित सहायक कंपनी की निवल देनदारियां के अल्प ब्याज हिस्से की पहचान की जाती है और कंपनी शेयरधारक की परिसंपत्तियों/देनदारियों और इक्विटी से अलग समेकित तुलन पत्र में प्रस्तुत की जाती हैं।

2. समेकित वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित कम्पनियों के परिणाम शामिल हैं:–

कम्पनी का नाम	देश जहां पर निगमित की गई	31.03.2012 की यथास्थिति शेयरधारिता अनुपात (%)	31.03.2011 की यथास्थिति शेयरधारिता अनुपात (%)
सहायक कंपनी			
1) भारत हेवी प्लेट एंड वेसेल्स लिमिटेड (बीएचपीवी)	भारत	100	100
2) बीएचईएल इलेक्ट्रिक मशींस लिमि.(बीएचईएल ईएमएल	भारत	51	-
संयुक्त उपक्रम			
1) बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड	भारत	50 प्रतिशत से कम एक शेयर	50 प्रतिशत से कम एक शेयर
2) एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि.	भारत	50	50
3) उडनगुड़ी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड	भारत	50	50
4) दादा धूनीवाले खंडवा प्राजेक्ट	भारत	50	50
5) रायचूर पावर कार्पोरेशन प्राजेक्ट	भारत	46	50
6) लातूर पावर कंपनी लिमिटेड	भारत	50	50

(क) बीएचपीवी और बीएचईएल ईएमएल के वित्तीय विवरण 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित विवरण के आधार पर समेकित किए गए हैं। बीएचईएल ईएमएल के प्रथमलेखा 19.01.2011 से 31.03.2012 तक तैयार किए गए हैं और तदनुसार इन पर समेकन हेतु विचार किया गया है।

(ख) बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस लिमिटेड, एवं एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड एक संयुक्त कम्पनी, संयुक्त उद्यम कम्पनी में हिस्से की गणना 31.03.2012 की यथास्थिति वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के आधार पर की जाती है।

(ग) पावर प्लांट परफार्मेंस इन्प्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल) में ब्याज की गणना समेकित वित्तीय विवरण में नहीं की गई है क्योंकि कंपनी परिसमापनाधीन है और इक्विटी निवेश की पूर्ण राशि निवेश के मूल्य में कमी के लिए उपलब्ध कराई गई है।

(घ) बराक पावर प्रा. लि. संयुक्त उद्यम में ब्याज की गणना समेकित वित्तीय विवरण में नहीं की गई है क्योंकि कंपनी परिसमापनाधीन है। बराक पावर प्रा लिमि में निवेश को बट्टाकृत किया गया है जिसके कारण इसे 11.10.2011 से बंद कर दिया गया है।

ड) उडनगुडी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड, रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और दादाधूनी वाले खंडवा संयुक्त उद्यम में हिस्से पर विचार 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित पर की गई है।

च) लातूर पावर कंपनी लिमि, बीएचईएल और एमपीजीसीएल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन 06.04.2011 को किया गया था। कंपनी के पहले लेखा को 06.04.2011 से 31.03.2012 तक की अवधि के लिए तैयार किया गया है। तदनुसार संयुक्त उद्यम में कम्पनी के हिस्से की गणना 06.04.2011 से 31.03.2012 की अवधि के अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित समेकित निवेश में की गई है।

			2011-2012	2010-2011
3	अग्रिम को छोड़कर संविदाओं की अनुमानित राशि, जिन्हें पूंजीगत खाते में निष्पादित किया जाता है और जिनके लिए प्रावधान नहीं किया जा सकता है।	₹ करोड़	**640.57**	1361.91
	उपयुक्त में अमूर्त परिसंपत्तियों का अधिग्रहण शामिल है।	₹ करोड़	**13.84**	5.11
	व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए, दीर्घावधि निर्माण अनुबंध होने के कारण सामग्री आदि के क्रय के लिए अन्य वचनबद्धताएं हो सकती हैं, जिन्हें सामान्य व्यवसाय प्रक्रिया नहीं माना गया है अतः इन्हें प्रकट नहीं किया गया है।			
4	भूमि तथा भवन में शामिल हैं			
क)	(i) एकड़ भूमि जिसके लिये औपचारिक हस्तान्तरण/ लीज़ डीड निष्पादित नहीं की गई है	एकड़	**9042.75**	9039.33
	(ii) फ़्लैटों की संख्या, जिनके लिये औपचारिक हस्तान्तरण/लीज़ डीड निष्पादित नहीं की गई है	संख्या	**12**	12
	(iii) भवनों की संख्या, जिनके लिये औपचारिकता हस्तान्तरण/लीज़ डीड निष्पादित नहीं की गई है	संख्यां	**1**	1
	(iv) स्टैम्प ड्यूटी (पहले से किए गए प्रावधान को छोड़कर) का भुगतान करने पर हिसाब में लिया जायेगा।	एकड़	**91.52**	91.52
	ख) एकड़ भूमि रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के विभागों तथा अन्य को छोड़कर लीज़ पर दी गई है	एकड़	**28.77**	28.77
	ग) एकड़ भूमि रक्षा मन्त्रालय को उपर्युक्त के लिये दी गई है जिसके लिये लाइसेन्स रखने हेतु सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन की प्रतीक्षा है	एकड़	**180.00**	180.00
	घ) एकड़ भूमि प्रतिफल कब्ज़े में है	एकड़	**122.94**	97.25
5	प्रत्येक ₹ 10,000 तक की अचल संपत्ति पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास देने पर लाभ में प्रमाण इस प्रकार है जहाँ पर पूर्व पूर्व वर्षों में ऐसे ब्याज को विचार नहीं लिया जाएगा,			
	लेखा वर्ष में ₹ 10,000 की परिसंपत्ति पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास को छोड़ लिया (चार्ज ऑफ़)	₹ करोड़	**23.06**	10.10
	उपर्युक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	₹ करोड़	**5.79**	2.99
	अधिक राशि प्रभारित की गई	₹ करोड़	**17.27**	7.11

6 प्रतिफल को घटाकर बिक्री

क	इसमें अंतरिम मूल्य पर आधारित शामिल है	₹ करोड़	**242.89**	0.70
ख	इसमें विक्रय संविदा के अनुसार किए गए दावे में वृद्धि प्रोद्भूत आधार पर, जहाँ तक नवीनतम इंडाइस उपलब्ध हैं	₹ करोड़	**2156.26**	1388.54
ग	इसमें ग्राहक के अनुरोध पर उनकी ओर से रोके गए उन उपकरणों की डिस्पैच शामिल है, जिसके लिए कंपनी को भुगतान प्राप्त हो चुका है; और	₹ करोड़	**31.95**	112.37
घ	इसमें संविदा की शर्त के अनुसार डिलीवरी में देरी के लिए मूल्य में कमी शामिल नहीं है (रिफ़ंड को छोड़कर) शामिल नहीं हैं	₹ करोड़	**263.79**	13.94

7 आकस्मिक देयताएँ:

कंपनी के विरुद्ध दावे, जिन्हें ऋण के रूप में नहीं माना

i)	क आय कर लंबित अपील	₹ करोड़	**48.86**	35.59
	ख जिनके लिए विरोध स्वरूप भुगतान किया और यह जमा अन्य' शीर्ष में शामिल है	₹ करोड़	**0.00**	2.65
ii)	क विक्रय कर मांग	₹ करोड़	**748.23**	521.61
	ख जिनके लिए विरोध स्वरूप भुगतान किया गया और यह ''वसूली योग्य अग्रिम'' शीर्ष में शामिल है	₹ करोड़	**105.99**	99.43
iii)	क उत्पाद कर मांग	₹ करोड़	**424.64**	339.92
	ख जिनके लिए विरोध स्वरूप भुगतान किया गया और यह ''वसूली योग्य अग्रिम'' शीर्ष में शामिल है	₹ करोड़	**10.64**	9.01
iv)	क सीमा शुल्क मांग	₹ करोड़	**2.66**	0.21
	ख जिसके लिए भुगतान किया गया और यह ''वसूली योग्य अग्रिम'' शीर्ष में शामिल है	₹ करोड़	**0.06**	0.06
v)	न्यायालय एवं मध्यस्थता मामले	₹ करोड़	**591.18**	409.66
vi)	क निर्णीत हर्जाने	₹ करोड़	**2299.28**	1401.11
	ख निर्णीत हर्जाने vi) क में शामिल एलडी के लिये	₹ करोड़	**1579.19**	825.70
vii)	क संविदाकारों के प्रतिदावे	₹ करोड़	**0.61**	0.61
viii)	क सेवा कर मांग	₹ करोड़	**151.31**	216.57
	ख जिनके लिये विरोध स्वरूप भुगतान किया गया	₹ करोड़	**0.00**	0.22
ix)	अन्य	₹ करोड़	**208.53**	209.87
x)	सहायक कंपनियों की ओर से दी गई कार्पोरेट गारंटी(बीएचपीवी)	₹ करोड़	**9.57**	-

(विभिन्न न्यायालय मामले और कृ तथा कंपनी द्वारा विवादित दावों को ध्यान में रखते हुए संसाधनों के बाह्य प्रवाह के रूप में वित्तीय प्रभाव का अभिनिश्चय इस चरण पर नहीं किया जा सकता)।

8 बैंकों से नकद ऋण सीमा कुल ₹ 3000 करोड़ (गत वर्ष ₹ 600 करोड़) है तथा बैंक गारंटी/ऋण सीमा मामले में कंपनी काउंटर गारंटी/क्षतिपूर्ति दायित्व ₹ 52000 करोड़ (गत वर्ष ₹ 49400 करोड़) है। इस कच्चे माल, संघटकों, चल रहे कार्य तैयार माल, भंडार, बुक ऋण तथा अन्य चालू परिसंपत्तियों, वर्तमान तथा भावी, को गिरवी रखने के माध्यम से बैंकों के संघ द्वारा मंजूर किया गया है। 31.03.2012 को बकाया गारंटी रू 38200 करोड़ (गत वर्ष ₹ 37474 करोड़) तथा 31.03.2012 को कॉर्पोरेट गारंटी ₹ 4448.14 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 4192करोड़) है।

9 विविध देनदारों, लेनदारों, ठेकेदारों के अनुबन्धों, जमा राशि तथा उप–ठेकेदारों/फ़ैब्रिकेटरों के पास पड़े स्टॉक/सामग्री बकाया शेष की पुष्टि, समाधान और परिवर्ती समायोजन यदि कोई हो, किया जाना है। समाधान एक उतत प्रक्रिया के रूप में किया गया है और जहाँ आवश्यक समझा गया है दिशानिर्देशों के अनुरूप आवश्यक प्रावधान किए गए हैं।

10 (क) लेखाकरण मानदंड एएस–7 (संशोधित) की अपेक्षानुसार 01.04.2003 को अथवा इसके बाद किये गये निर्माण अनुबन्धों से संबंधित प्रकटन निम्नलिखित हैः–

₹ करोड़

	2011-12	2010-11
वर्ष के लिए मान्य किया गया अनुबन्ध राजस्व	**42170.73**	37254.81
वर्ष के अंत में चल रही सविंदाओं के संबंध में :		
खर्च की गई लागत तथा मान्य लाभ (घटाएँ :मान्य हानियाँ)	**166825.51**	126691.73
अग्रिम प्राप्त राशि	**10257.22**	10971.55
प्रतिधारण राशि (आस्थगित ऋण)	**13533.88**	9716.66
उपयुक्त नेटिंग ऑफ़ करने के बाद ग्राहकों से देय के सम्बन्ध में		
परिसंपत्ति के रूप में कार्य अनुबन्ध के लिये ग्राहकों से देय सकल राशि	**2728.40**	4974.15
देयता के रूप में अनुबन्ध कार्य के लिये ग्राहकों को देय सकल राशि	**4030.50**	3418.65
आकस्मिकताएँ	-	-

(ख) लेखांकन मानदंड एएस–7 (आर) के अनुसार निर्माण अनुबन्धों के मामलों में कुल लागतों तथा कुल राजस्व के अनुमान 1 अप्रैल, 2003 को अथवा इसके बाद लगाये गये हैं। वर्ष के दौरान प्रबन्धन द्वारा आवधिक रूप से निर्माण अनुबन्धों को पुनरीक्षित एवं अद्यतन किया जाता है। हालांकि यह अनुमानों में परिवर्तन के प्रभाव की मात्रा का पता लगाना असाध्य है।

11 कंपनी ने छुट्टी देयता के सम्बन्ध में लोक उद्यम विभाग से इस विषय पर प्राप्त विशिष्ट अनुदेशों के अनुसार वर्ष के दौरान अवकाश नकदीकरण व्यय की गणना 30 दिन के माह आधार पर की है। ये पूर्व के 26 दिन के माह आधार पर अवकाश नकदीकरण की गणना के फार्मूले के बदले है। इस परिवर्तन से वर्ष 2011–12 के लिए कर पूर्व लाभ में ₹ 180.46 करोड का प्रभाव हुआ है। लेकिन कुछेक इकाइयों में कामगारों ने इस परिवर्तन के विरूध अपील दायर की है और न्यायालय ने अंतरिम स्थगनादेश दिया है। परिणामी प्रभाव की गणना, यदि कोई हुई, निपटान के वर्ष में की जाएगी।

12 व्युत्पन्न लिखतों से सम्बन्धित ब्यौरेः

क) व्युत्पन्न लिखतों, जिन्हें रक्षित किया गया है और दिनांक 31.03.2012 के बकाया शून्य है (पिछले वर्ष शून्य) है।

ख) विदेशी मुद्रा, जिन्हें व्युत्पन्न लिखतों तथा अन्यथा रक्षित नहीं किया जाता, निम्नानुसार हैं

		2011-12	2010-11
क) परिसंपत्तियाँ/प्राप्तव्य (अर्थात् देनदार)			
विदेशी मुद्रा में			
अमरीकी डॉलर में	करोड़ में	**55.72**	34.85
यूरो में	करोड़ में	**46.69**	34.32
एलवाईडी में	करोड़ में	**0.87**	0.94
आरओ में	करोड़ में	**0.03**	0.19
भारतीय मुद्रा में			
अमरीकी डॉलर में	₹ करोड़	**2779.88**	1553.17
यूरो में	₹ करोड़	**3123.98**	2127.66
एलवाईडी में	₹ करोड़	**35.60**	34.39
आरओ में	₹ करोड़	**4.48**	22.05
अन्य में	₹ करोड़	**43.59**	38.92

ख)	देयताएं (अर्थात ग्राहकों/लेनदारों में अग्रिम) विदेशी मुद्रा में			
	विदेशी मुद्रा में			
	अमरीकी डॉलर में	करोड़ में	**36.17**	29.92
	यूरो में	करोड़ में	**34.17**	32.26
	एलवाईडी में	करोड़ में	**1.49**	1.46
	भारतीय मुद्रा में			
	अमरीकी डॉलर में	₹ करोड़	**1818.06**	1349.37
	यूरो में	₹ करोड़	**2347.33**	2064.51
	एलवाईडी में	₹ करोड़	**62.18**	54.78
	अन्य में	₹ करोड़	**230.31**	115.28

13 क) विभागीय मरम्मत एवं रखरखाव पर खर्च का विवरण इस प्रकार हैः

	2011-12	**2010-11**
प्लान्ट एवं मशीनरी	**178.30**	157.27
भवन	**54.93**	45.54
अन्य	**36.75**	30.33
ख) निर्यात के सम्बन्ध में खर्चों में शामिल निर्यात पर एजेन्सी कमीशन	**17.54**	21.84
ग) अनुसन्धान एवं विकास पर खर्च	**321.26**	361.47
घ) किराया आवासीय	**74.68**	67.22
ङ) लेखापरीक्षकों को भुगतान		
लेखापरीक्षा फ़ीस	**0.52**	0.45
इसमें विदेश में किया गया भुगतान भी शामिल है।	**0.04**	0.01
खर्चों की प्रतिपूर्ति	**0.16**	0.18
कराधान मामले (प्रमाणन सहित)	**0.14**	0.11
इसमें विदेश में किया गया भुगतान भी शामिल है	**0.02**	0.01
अन्य सेवाएं	**0.34**	0.26
च) लागत लेखा परीक्षकों को भुगतान	**0.01**	0.01
छ) आवभगत पर व्यय	**8.05**	6.52
ज) विदेशी यात्रा पर व्यय	**17.20**	17.43
झ) प्रचार एवं जन सम्पर्क, वेतन, भत्तों एवं अन्य लाभों पर व्यय	**10.69**	10.07
अन्य व्यय	**15.29**	16.21
ण) निदेशकों की फीस	**0.25**	0.16

14 एएस–18 द्वारा अपेक्षित ''सम्बन्धित पक्षकार सम्बन्धी सूचना'' निम्नानुसार हैः

i) सम्बन्धित पक्षकार – संयुक्त उद्यम कम्पनियाँ

1 पावर प्लान्ट पर्फ़ॉर्मेन्स इम्प्रूवमेन्ट लिमिटेड

2 बीएचईएल – जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड

3 एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्टस प्राइवेट लिमिटेड

4 उडनगुडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

5 लातूर पावर कंपनी लिमि.

6 रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

7 दादा धूनी वाले खंडवा पावर लिमिटेड

ii) प्रबन्धन के शीर्ष अधिकारी

सर्वश्री /

बी.पी.राव, अनिल सचदेव (31.03.2012 तक), अतुल सराया, ओ.पी.भुटानी, एम.के.दूबे (25.06.2011 से) और पी.के.बाजपेई (01.07.2011 से), ए.एस.नागराज, पी.वी.श्रीधरन, एल.गोपालाकृष्णन, के.शमसुद्दीन, आनंद कुमार बंसल, पी.अशोक.वर्मा, सी.पी.सिंह, पी.के. वर्मा, अनिल गुप्ता, ए.के.गोस्वामी, सी.वी.राजगोपालन, बी.एस.राव, राजीव रंजन, जी.राजगोपाल, टी.जेयसीलन, एम.आर.कांबले, एच.एन. नारायण प्रसाद, आर,नागराज, मोहम्मद सुलेमान, विजेन्द्र नानावती, एम.जी.वाघमोडे, जे.के.श्रीनिवासन, वी.एस. पाटिल और वाई.के.रस्तोगी

iii) लेन–देन सम्बन्धी विवरण

संयुक्त उद्यम		**2011-12**	**2010-11**
सामान और सेवाओं की खरीद	₹ करोड	**98.14**	76.06
सामान और सेवाओं की बिक्री	₹ करोड	**654.23**	67.28
सेवाओं की प्राप्ति	₹ करोड	**97.52**	25.24
सेवाएँ प्रदान करना	₹ करोड	**46.98**	101.18
लाभांश आय	₹ करोड	**16.96**	14.99
रॉयल्टी आय	₹ करोड	**0.63**	0.78
शेयरों की खरीद	₹ करोड	**22.50**	354.02
वर्ष के अन्त में बीएचईएल को देय राशि	₹ करोड	**595.06**	59.68
वर्ष के अन्त में बीएचईएल द्वारा देय राशि	₹ करोड	**1022.24**	145.01
शेयर जारी करने के प्रति अग्रिम जमा	₹ करोड	**-**	-
सन्दिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	₹ करोड	**0.76**	0.02
दिये गये अग्रिम	₹ करोड	**8.36**	27.04

टिप्पणी: अधिकांश लेन–देन बीजीजीटीएस, एनबीपीपीएल और रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ किये जाते हैं

प्रबन्धन के शीर्ष अधिकारी (केएमपी)			
वेतन का भुगतान	₹ करोड	**2.90**	2.02
केएमपी के सम्बन्धी			
वर्ष के अन्त में बीएचईएल को देय राशियाँ	₹ करोड	**0.00**	0.00
वेतन का भुगतान	₹ करोड	**0.20**	0.20

15 पट्टा

1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद पट्टे पर दल गई परिसंपत्तियों का विवरण निम्नानुसार हैं:

i) **वित्त पट्टा:**

क. न्यूनतम पट्टा भुगतान की शेष राशि		**2011-12**	**2010-11**
एक वर्ष तक	₹ करोड	**82.04**	65.70

	एक वर्ष के बाद, किन्तु पाँच वर्षों तक	₹ करोड	**144.24**	120.63
	पाँच वर्षों के बाद	₹ करोड	**0.00**	0.00
	तुलन पत्र की तारीख को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	₹ करोड	**226.28**	186.33
ख)	उपर्युक्त क का वर्तमान मूल्य			
	एक वर्ष तक	₹ करोड	**62.68**	55.30
	एक वर्ष के बाद, किन्तु पाँच वर्षों तक	₹ करोड	**123.69**	102.40
	पाँच वर्षों के बाद	₹ करोड	**0.00**	0.00
	तुलन पत्र की तारीख को कुल वर्तमान मूल्य	₹ करोड	**186.37**	157.70
	ग) 1. वित्तीय प्रभार	₹ करोड	**39.91**	28.63
	ग) 2. अवशिष्ट मूल्य का वर्तमान मूल्य, यदि कोई है	₹ करोड	**0.01**	0.01

ii) कम्पनी अपने कर्मचारियों के लिये मकान, कार्यालय के भवन और ईडीपी उपस्कर आदि प्रचालन पट्टे पर लेती है, जो रद्दीकरण योग्य और आरद्दीकरण दोनों ही रूपों में होते हैं।

iii)	**प्रचालन पट्टा**		**2011-12**	**2010-11**
	अरद्दीकरण प्रचालन पट्टे के अन्तर्गत भावी न्यूनतम पट्टा			
	भुगतान निम्नानुसार हैं:			
	एक वर्ष तक	₹ करोड	**5.10**	5.24
	एक वर्ष के बाद, किन्तु पाँच वर्षों तक	₹ करोड	**5.80**	9.85
	पाँच वर्षों के बाद	₹ करोड	**1.49**	1.55
iv)	1.4.2001 से पहले पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के सम्बन्ध में			
	किराये से सम्बन्धित विवरण निम्नानुसार हैं:			
	परिसम्पत्तियों की लागत			
	भूमि एवं भवन	₹ करोड	**0.01**	0.01
	कम्प्यूटर एवं पेरिफ़ेरल्स	₹ करोड	**0.00**	0.00
	पट्टे की शीर्ष अवधि के लिये देय किराया			
	भूमि एवं भवन	₹ करोड	**0.02**	0.02
	कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	₹ करोड	**0.00**	0.00

16 प्रति शेयर अर्जन:

		2011-12	**2010-11**
गणना के लिये प्रयुक्त इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या			
प्रति शेयर अर्जन (ए)	संख्या करोड में	**244.760**	48.952
इक्विटी शेयर का कुल अंकित मूल्य	(₹)	**2.00**	10.00
अल्प ब्याज समायोजना उपरांत समूह का वर्ष का निवल लाभ (बी)	(₹ करोड़ मे)	**7087.44**	6053.36
प्रति शेयर मूल्य और डाइल्यूटेड अर्जन (बी)/(ए)	(₹)	**28.96**	123.66
प्रति शेयर मूल्य और डाइल्यूटेड अर्जन (बी)/(ए)- पुनःउल्लिखित	(₹)	**28.96**	24.73

क) वर्ष के दौरान कंपनी ने ₹ 10/– के अंकित मूल्य के वर्तमान इक्विटी शेयरों को प्रत्येक ₹ 2/– अंकित मूल्य के 5 इक्विटी शेयरों में पुनर्विभाजित किया है और रिकार्ड तिथि 04.10.2011 निर्धारित की गई थी। अतः तदनुसार पिछले वर्ष की प्रति शेयर मूल और मिश्रित आय को पुनर्लिखित किया गया है।

17 कंपनी ने दिनांक 30.09.2011 को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड–सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पैक्टस (डीआरएचपी) दिनांक 28.09.2011 दायर कर भारत सरकार की शेयरधारिता में से प्रदत्त इक्विटी पूंजी के 5 प्रतिशत को विनिवेश के लिए अनुरोध किया है। एफपीओ के लिए डीआरएचपी की वापसी के लिए भारी उद्योग विभाग/विनिवेश विभाग से 'अनापत्ति' प्राप्त होने के फलस्वरूप, निदेशक मण्डल ने दिनांक 03.04.2012 को अपनी बैठक में कंपनी ने सेबी के पास दायर डीआरएचपी की वापसी का अनुमोदन कर दिया।

18 लेखाकरण मानक – 29 से सम्बन्धित सूचना

(₹ करोड़ में)

क) निर्णीत हर्जाने	2011-12	2010-11
प्रारंभिक	**697.96**	483.25
वृद्धि	**558.82**	282.61
उपयोग/बट्टे खाते डाले गये/भुगतान	**-74.53**	-20.03
आहरण/समायोजन	**-11.63**	-47.87
अन्तिम शेष	**1170.62**	697.96
संविदागत दायित्व		
वृद्धि	**2997.00**	901.36
वृद्धि	**1198.64**	2699.41
उपयोग/बट्टे खाते डाले गये/भुगतान	**-133.48**	-99.09
आहरण/समायोजन	**-194.29**	-504.68
अन्तिम शेष	**3867.87**	2997.00

ख) निर्णीत हर्जाने कम्पनी की लेखाकरण नीति के अनुसार दिये जाते हैं और इन्हें निपटान के समय अथवा अन्यथा लेखों में उपयुक्त रूप से शामिल किया जाता है। निर्णीत हर्जाने से सम्बन्धित देयता का उल्लेख अनुसूची 32 की टिप्पणी संख्या 7 में किया गया है।

ग) संविदा के निबन्धनों एवं शर्तों के अनुसार, वारंटी सम्बन्धी दायित्वों को पूरा करने के लिए महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीति संख्या 14 के अनुसार संविदागत दायित्व सम्बन्धी प्रावधान संविदा राजस्व के 2.5 प्रतिशत की दर से किया जाता है। वारंटी दायित्व का वास्तविक व्यय सम्बन्धित संविदा के निबन्धनों एवं शर्तों के आधार पर संविदा दर संविदा एवं वर्ष दर वर्ष अलग–अलग हो सकते हैं।

19 ₹ एक लाख से कम आय–व्यय वाली मदों को पूर्व अवधि की मदों में शामिल नहीं किया जाता है।

20 कुछ मदों के लिये, कम्पनी एवं उसके संयुक्त उद्यम महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों में उल्लिखित भिन्न–भिन्न लेखाकरण नीतियों का अनुपालन करते हैं। तथापि इसका कोई ठोस प्रभाव नहीं पड़ता है। वार्षिक लेखे की प्रत्येक अनुसूची में टिप्पणी के द्वारा संयुक्त रूप से नियन्त्रित लोगों के शेयरों का उल्लेख किया गया है।

21 समेकित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष से कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा लागू कंपनीअधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार किए गए हैं। तदनुरूप प्रचालन चक्र के रूप में 12 माह की अवधि पर विचार करते हुए परिसंपत्तियों और देनदारियों को चालू औरगैर चालू के बीच वर्गीकृत किया गया है। संशोधित अनुसूची VI की अनुपालन का समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए अनुपालित किए जाने वाले मानक और मापन सिद्धांतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन वित्तीय विवरणों में प्रस्तुतिकरण और प्रकटन पर इसका महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, इसके परीणाम स्वरूप कंपनी ने इस वर्ष वर्गीकरण को पुष्ट करने के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्वर्गीकृत किया है।

22 - खंड सूचना – समेकित

(₹ करोड़ में)

	31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए			31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए		
क. प्रारंभिक खंड – व्यवसाय खंड						
	पावर	**उद्योग**	**कुल**	**पावर**	**उद्योग**	**कुल**
I. खंड राजस्व						
क. खंड राजस्व	38191.81	11717.71	**49909.52**	33427.96	10250.67	43678.63
ख. अन्तर–खंड राजस्व	-	-	**-**	-	-	-
ग. प्रचालन राजस्व बाह्य (क) – (ख)	38191.81	11717.71	**49909.52**	33427.96	10250.67	43678.63
II. खंड परिणाम						
क. खंड परिणाम	8238.79	3353.99	**11592.78**	7986.57	2292.39	10278.96
ख. अनाबंटित व्यय (निवल आय)			**1172.48**			1157.22
ग. ब्याज पूर्व लाभ, डीआई तथा आय कर (क) – (ख)			**10420.30**			9121.74
घ. ब्याज			**53.07**			56.38
ङ. आय कर पूर्व निवल लाभ (ग) – (घ)			**10367.23**			9065.36
च. आय कर			**3279.97**			3012.00
छ. आय कर उपरान्त निवल लाभ			**7087.26**			6053.36
III परिसम्पत्तियाँ तथा देयताएँ						
क. खंड परिसम्पत्तियाँ	45063.97	13592.64	**58656.61**	35609.99	11147.75	46757.74
ख. अनाबंटित परिसम्पत्तियाँ			**8773.65**			12870.85
ग. कुल परिसम्पत्तिया			**67430.26**			59628.59
घ. खंड देयताएँ	32447.46	8226.30	**40673.76**	29602.88	7342.43	36945.31
ङ. अनाबंटित व्यय (निवल आय)			**1348.49**			2528.32
च. अनाबंटित देयताएँ			**42022.25**			39473.63
IV अन्य सूचना						
क. अवधि के दौरान परिसम्पत्तियों (सीडब्ल्यूआईपी सहित) के अधिग्रहण के दौरान किया गया खर्च	1118.02	446.61		1645.25	456.88	
ख. मूल्यह्रास	599.74	152.70		409.34	123.15	
ग. नकद रहित व्यय (मूल्यह्रास के अलावा)	1397.25	122.87		2256.87	415.34	
ख. अनुपूरक खंड –						
भौगोलिक खंड–	भारत में	भारत से बाहर	**कुल**	भारत में	भारत से बाहर	कुल
1. प्रचालनों से निवल बिक्री/आय	48431.98	1477.54	**49909.52**	42262.67	1415.96	43678.63
2. कुल परिसंपत्तियां	66948.38	481.88	**67430.26**	59226.55	402.05	59628.59
3. स्थायी परिसंपत्तियां प्राप्त करने के लिए अवधि के दौरान किया गया खर्च	1600.42	0.15	**1600.57**	2140.05	1.42	2141.47

टिप्पणियां–

1. कंपनी के उत्पाद एवं सेवाओं के क्षेत्र, जिससे वे बाजार में प्रमुखता से पहचाने जाते हैं, उनके आधार पर 'पावर' एवं 'उद्योग' खंडों के अंतर्गत समूह बना दिए हैं।
2. बीजीजीटीएस (संयुक्त उपक्रम) गैस टर्बाइनों, इंजीनियरिंग सेवाओं, रिपेयर सेवाओं के लिए पुर्जों तथा संघटकों की बिक्री से संबंधित व्यवसाय में कार्यरत है अन्य संयुक्त उद्यम विद्युत परियोजनाओं की स्थापना के व्यवसाय से जुड़े हैं अथवा विद्युत व्यवसाय से जुड़े हैं और इन्हें 'विद्युत खंड' में माना गया है।
3. बीएचपीवी (सहायक कंपनी) इंडस्ट्रियल बॉयलर, उर्वरक, केमिकल्स तथा अन्य उपकरण के निर्माण एवं संस्थापना कार्य में लगी हुई है और बीएचईएल ईएमएल (सहायक कंपनी) रोटेटिंग इलेक्ट्रिकल मशीनों के विनिर्माण में संलग्न है, इसके व्यवसाय को 'उद्योग खंड' में माना गया है।

स्टेकहोल्डरों के लिए अतिरिक्त सूचना

दस वर्षों का सार

(₹ करोड़ में)

	2011-12	2010-11	2009-10	2008-09	2007-08	2006-07	2005-06	2004-05	2003-04	2002-03
I **अर्जन/आउटगोइंग्स**										
अर्जन										
कारोबार (सकल)	49510	43337	34154	28033	21401	18739	14525	10336	8662	7482
प्रचालनों से राजस्व (निवल)	47228	41566	32861	26212	19305	17237	13374	9527	8019	6930
अन्य प्रचालन आय	751	680	493	514	422	379	277	420	313	334
अन्य आय	1266	1021	1155	983	1023	445	280	236	200	167
कुल अर्जन	49245	43267	34509	27709	20750	18061	13931	10183	8532	7431
आउटगोइंग्स										
सामग्री, इरेक्शन तथा इंजीनियरिंग व्यय.	28908	23209	20672	17620	11821	10182	8145	5871	4230	3607
चालू कार्य एवं तैयार माल में कमी (वृद्धि)	(823)	(127)	(787)	(1152)	(827)	(181)	(386)	(540)	31	47
कर्मचारी लाभ व्यय	5466	5397	6540	2984	2608	2369	1879	1650	1640	1505
अन्य विनिर्माण, प्रशासनिक तथा बिक्री तथा वितरण व्यय (पूर्वावधि मदों सहित)	3242	2537	2057	1823	1644	1496	1177	1212	1363	1157
प्रावधान (निवल)	1403	2715	-934	1281	778	172	283	126	21	91
घटाएं: आंतरिक उपयोग के लिए किये गए कार्यों की लागत	104	68	121	61	38	28	36	19	24	18
वित्त लाभ एवं मूल्यह्लास से पूर्व आउटगोइंग्स	38092	33663	27427	22495	15986	14009	11062	8301	7260	6389
मूल्यह्रास, वित्त लागत एवं कर पूर्व लाभ	11153	9604	7082	5214	4763	4052	2869	1882	1272	1042
मूल्यह्रास	800	544	458	334	297	273	246	219	198	185
सकल लाभ	10353	9060	6624	4880	4466	3779	2623	1663	1074	857
वित्त लागत	51	55	33	31	36	43	59	81	60	55
कर पूर्व लाभ	10302	9005	6591	4849	4430	3736	2564	1582	1014	802
कराधान व्यय (निवल)	3262	2994	2280	1711	1571	1321	885	628	357	358
कर उपरांत लाभ	7040	6011	4311	3138	2859	2415	1679	953	657	444
लाभांश	1567	1525	1141	832	746	600	355	196	147	98
कॉरपोरेट लाभांश कर	254	249	191	141	127	93	50	27	19	13
प्रतिधारित लाभ	5219	4237	2979	2165	1986	1722	1274	731	491	333
II **कंपनी की संपत्तियां**										
स्थायी परिसंपत्तियां										
सकल ब्लॉक	9707	8050	6580	5225	4443	4135	3822	3629	3460	3349
घटाएं: संचयी मूल्यह्रास तथा पट्टा समायोजन	5410	4649	4165	3754	3462	3146	2840	2585	2365	2179
निवल ब्लॉक	4297	3401	2415	1471	981	989	982	1044	1095	1170
पूंजीगत चालू कार्य, अमूर्त सहित विकासाधीन परिसंपत्तियां	1348	1733	1530	1157	658	302	185	95	108	59
गैर चालू निवेश	462	439	80	52	8	8	8	9	29	10
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	1546	2164	1527	1840	1338	935	674	518	498	407
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम और अन्य गैर चालू परिसंपत्तियों	59123	51523	42915	36901	27906	20980	16331	13343	10425	8348
कुल परिसंपत्तियां	66776	59260	48467	41421	30892	23214	18180	15010	12155	9994

दस वर्षों का सार (जारी)

(₹ करोड़ में)

		2011-12	2010-11	2009-10	2008-09	2007-08	2006-07	2005-06	2004-05	2003-04	2002-03
III	**कंपनी की देनदारियां**										
	दीर्घावधि उधार	123	102	81	105	61	58	539	524	528	523
	देनदारियां एवं प्रावधान	41280	39004	32489	28377	20056	14368	10340	8459	6349	4764
	कुल देनदारियां	41403	39106	32570	28482	20117	14426	10879	8983	6877	5287
IV	**कंपनी का निवल मूल्य**										
	शेयर पूंजी	490	490	490	490	490	245	245	245	245	245
	प्रारक्षित निधि तथा अधिशेष	24883	19664	15427	12449	10285	8544	7057	5782	5051	4559
	घटाएं आस्थगित राजस्व व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	18	96
	निवल मूल्य	25373	20154	15917	12939	10775	8788	7301	6027	5278	4708
V	**निवल कार्यशील पूंजी**	17892	12551	10426	8524	7850	6612	5991	4884	4076	3584
VI	**नियोजित पूंजी**	22651	16391	12968	10091	8873	7640	7001	5950	5212	4772
VII	**मूल्य वर्धन**	19098	18476	13171	9894	8323	7182	5683	4254	3680	3248
VIII	**अनुपात**										
	कुल परिसंपत्तियों पर पीबीडीआईटी (%) #	17.7%	17.8%	15.8%	14.4%	17.6%	19.6%	17.3%	13.9%	11.5%	10.8%
	नियोजित पूंजी पर सकल लाभ (%) #	53.0%	61.7%	57.5%	51.5%	54.1%	51.6%	40.5%	29.8%	21.5%	18.4%
	कारोबार/सकल ब्लॉक ✦	5.1	5.4	5.2	5.4	4.8	4.5	3.8	2.8	2.5	2.2
	अर्जन प्रति शेयर (₹) ✦	28.76	24.56	17.61	12.82	11.68	9.86	6.86	3.90	2.69	1.81
	प्रति शेयर निवल मूल्य (₹)	103.67	82.34	65.03	52.86	44.02	35.90	29.83	24.62	21.56	19.24
	चालू अनुपात	1.43	1.32	1.32	1.30	1.40	1.50	1.60	1.58	1.65	1.76
	कुल ऋण/इक्विटी	0.01	0.01	0.01	0.01	0.01	0.01	0.08	0.09	0.10	0.11
	निवल मूल्य पर प्रतिफल	27.7%	29.8%	27.1%	24.3%	26.5%	27.5%	23.0%	15.8%	12.5%	9.4%
	सकल लाभ मार्जिन	20.9%	20.9%	19.4%	17.4%	20.9%	20.2%	18.1%	16.1%	12.4%	11.4%
	निवल लाभ मार्जिन	14.2%	13.9%	12.6%	11.2%	13.4%	12.9%	11.6%	9.2%	7.6%	5.9%

\# औसत निवल परिसंपत्तियों एवं नियोजित पूंजी के आधार पर

✦ आंकड़े 2011–12 में किए गए विभाजन पश्चात पूर्व के आधार पर और 1:1 के अनुपात में 2007–2008 में बोनस इश्यू पर आधारित हैं।

2011–2012 के लिए अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय के साथ भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित लाभ (स्टैंडएलोन) का समाधान

	टिप्पणियां	₹ करोड़ में	अमरीकी डालर (मिलियन)
भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित कर पश्चात लाभ (स्टैंडएलोन)		**7039.96**	**1376.07**
अमरीकी जीएएपी के अनुरूप होने के लिए समायोजन			
किराया आय (पट्टा)	1	(4.18)	(0.82)
संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों में निवेश से आय	2	30.61	5.98
कर्मचारी लाभ व्यय	3	(11.96)	(2.34)
अनुसंधान एवं विकास व्यय	4	(23.50)	(4.59)
मूल्यह्रास एवं ऋण परिशोधन व्यय	5	27.68	5.41
पूर्वावधि मदें (कराधान के लिए प्रावधान सहित, पूर्व वर्ष ₹ (-)21.83 करोड़)	6	(2.58)	(0.50)
आयकर समायोजन	7	(2.37)	(0.46)
अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय		**7053.66**	**1378.75**

1 अमरीकी डालर $ = ₹ 51.16 (क्लोजिंग विनिमय दर पर)

अमरीकी जीएएपी के अनुसार निवल आय. के साथ भारतीय जीएएपी के अधीन निर्धारित निवल लाभ के समाधान पर टिप्पणियां

निम्नलिखित टिप्पणियां भारतीय जीएएपी और अमरीकी जीएएपी के बीच अंतर और अमरीकी जीएएपी के अधीन निवल आय निकालने के लिए आवश्यक समायोजन दर्शाती हैं।

1. किराया आय (पट्टा)

   भारतीय जीएएपी के अनुसार दिनांक 1.4.2001 के पूर्व वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को सामान्य बिक्री मूल्य/उचित मूल्य/संविदाकृत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है और उस पर मूल्यह्रास परिभारित किया जाता है। पट्टा किराया आय पट्टा समकरण समायोजित करने के बाद मानी जाती है। वित्त पट्टे पर दी गई अमरीकी जीएएपी परिसंपत्तियों के अधीन वित्त आय केवल पट्टा अवधि में मानी जाती है।

2. संयुक्त उद्यमों और सहायक कम्पनियों में निवेश से आय

   भारतीय जीएएपी के अनुसार संयुक्त उद्यमों से लाभांश आय को मान्यता दी जाती है तथा संयुक्त उद्यमों में निवेश हेतु मूल्य में कमी के लिए, यदि कोई है, प्रावधान किया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन संयुक्त उद्यमों द्वारा आय/हानि के हिस्से को धारिता के समानुपात में आय विवरण में मान्यता दी जाती है।

3. कर्मचारी लाभ व्यय

   भारतीय जीएएपी प्रावधान के अनुसार अवकाश नकदीकरण (प्रतिपूरित अनुपस्थितियां) की गणना बीमांकिक आधार पर की जाती है।

4. अनुसंधान और विकास व्यय

   भारतीय जीएएपी के अनुसार विकास के लिए अनुसंधान और विकास व्यय अनुमानित उपयोगी अवधि हेतु पूंजीकृत एवं परिशोधित हैं, और मूल्यहास /परिशोधन के रूप में दर्शाया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन अनुसंधान और विकास परिसंपत्तियों का परिशोधन, अनुसंधान और विकास व्यय के रूप में प्रभारित किया जाता है।

5. मूल्यह्रास एवं ऋण परिशोधन

   भारतीय जीएएपी के अनुसार दिनांक 1.4.2001 के पूर्व वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आय विवरण पर प्रभारित किया जाता है। अमरीकी जीएएपी के अधीन वित्त पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां, वित्त आय को मान्यता दी जाती है। भारतीय जीएएपी के अनुसार अनुसंधान और विकास परिसंपत्तियों का परिशोधन मूल्यह्रास/परिशोधन के अधीन दर्शाया जाता है। अमरीकी जीएएपी के

अधीन अनुसंधान और विकास परिसंपत्ति का परिशोधन, आय विवरण में अनुसंधान एवं विकास के रूप में प्रभारित किया जाता है।?

6. पूर्वावधि मदें

भारतीय जीएएपी के अनुसार पूर्वावधि मदें वर्ष के लिए आय विवरण में अलग से सूचित की जाती हैं। अमरीकी जीएएपी के अधीन पूर्वावधि मदों को प्रतिधारित लाभों के अंतर्गत पूर्व वर्षों के समायोजन द्वारा लेखाकृत किया जाता है।

7. आयकर समायोजन

आयकर समायोजन अमरीकी जीएएपी समायोजनों पर किए गए है।

हमारी समतारीख रिपोर्ट के अनुसार
कृते गांधी मिनोचा एंड कं
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन 000458एन

हस्ता./–
मनोज भारद्वाज
साझेदार
एम नं. 098606

हस्ता./–
(पी. के. बाजपेई)
निदेशक (वित्त)

दिनांकः 27.07.2012
स्थानः नई दिल्ली

अमरीकी जीएएपी समाधान पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

हमने अमरीकी जीएएपी (समाधान) के अनुसार निम्नलिखित के अधीन निवल आय के लिए भारतीय जीएएपी के अंतर्गत दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के निवल लाभ के समाधान की लेखापरीक्षा की है।

समाधान कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर मत व्यक्त करना है। हमारे मत में पूर्ण रूप से लिए गए बुनियादी वित्तीय विवरणों के संबंध में विचार करने पर ऐसा समाधान, इसमें निर्धारित सूचनाओं को सभी तरह से सही रूप से प्रस्तुत करता है।

कृते गांधी मिनोचा एंड कं
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएन 000458एन

हस्ता./–
मनोज भारद्वाज
साझेदार
एम नं. 098606

दिनांक : 27.07.2012
स्थान : नई दिल्ली

आर्थिक मूल्यवर्धन (ईवीए)

आर्थिक मूल्यवर्धन "आर्थिक लाभों" को मापने के लिए संगत मानदंड है। आर्थिक मूल्यवर्धन (ईवीए) पूंजी की लागत कटौती करने के बाद कंपनी को कर पश्चात निवल प्रचालन लाभ है। कंपनियां, जो पूंजी लागत से अधिक अभिलाभ अर्जित करती हैं, शेयरधारकों के लिए धन सृजित करती है तथा दूसरी ओर पूंजी की लागत से कम प्रतिलाभ अर्जित करने वाली कंपनियां, शेयरधारकों का धन नष्ट करती हैं।

₹ करोड़ अन्यथा यदि उल्लेख हो

		2011-12	2010-11	2009-10	2008-09	2007-08
पूंजी की लागत						
इक्विटी की लागत	(%)	14.9	14.0	13.3	13.4	14.4
पूंजी की भारित औसत लागत (डब्ल्यूएसीसी)	(%)	15.0	14.1	13.3	13.4	14.4
नियोजित औसत पूंजी		19521	14680	11540	7751	6467
अर्थिक मूल्य वर्धन						
एनओपीएटी		6953	5867	4206	3047	2739
घटाएं : पूंजी की लागत		2921	2074	1536	1039	929
आर्थिक मूल्य वर्धन		4032	3793	2670	2008	1810
उद्यम मूल्य						
इक्विटी का बाजार मूल्य		62940	100971	117027	73944	100907
जोड़े : ऋण		193	163	128	149	95
घटाएं नकद तथा नकद समतुल्य		6672	9630	9790	10315	8386
उद्यम मूल्य		56461	91504	107365	63778	92616

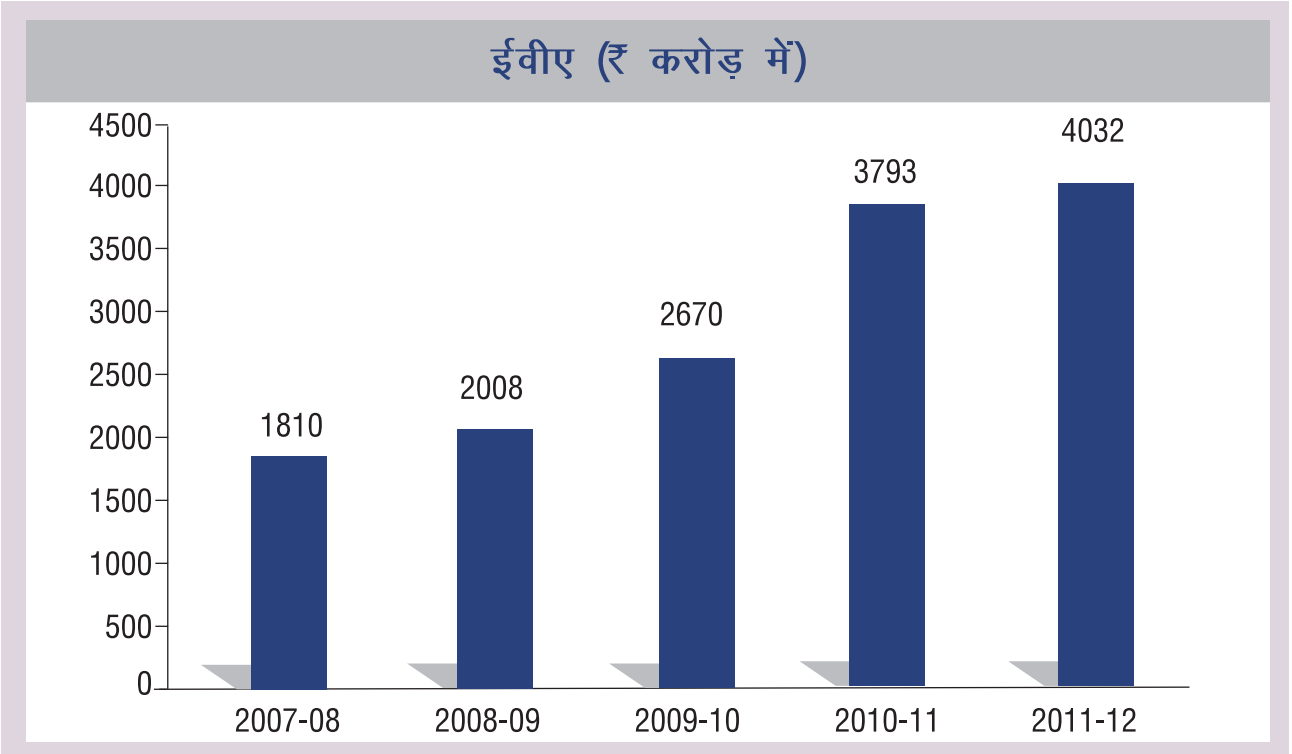

मूल्य वर्धन विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2011-12	2010-11	2009-10	2008-09	2007-08
क. मूल्य वर्धन का सृजन					
उत्पादन का मूल्य (घटाएं उत्पाद शुल्क)	47815	41527	33598	27351	20090
घटाएं–प्रत्यक्ष सामग्री, विद्युत एवं ईधन तथा ठेकेदारों को भुगतान	28717	23051	20427	17458	11767
वर्धित मूल्य	19098	18476	13171	9894	8323
घटाएं–अन्य परिचालन व्यय (निवल आय)	2479	3461	845	567	415
निवल मूल्य वर्धन	16619	15015	12326	9327	7908
उत्पादन मूल्य का प्रतिशत	34.76%	36.16%	36.69%	34.10%	39.36%
ख. मूल्य वर्धन का प्रयोग					
कर्मचारियों को भुगतान	5466	5410	5243	4113	3146
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	32.89%	36.03%	42.54%	44.10%	39.78%
मूल्यह्रास	800	544	458	334	297
निवल मूल्यह्रास का प्रतिशत	4.81%	3.62%	3.72%	3.58%	3.76%
वित्तीय प्रभार :					
– उधार पर ब्याज	51	55	34	31	35
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	0.31%	0.36%	0.27%	0.33%	0.44%
कर प्रावधान (आयकर, आस्थगित कर, एफबीटी कर तथा पूर्वावधि)	3262	2994	2280	1711	1571
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	19.63%	19.94%	18.50%	18.34%	19.87%
लाभांश (लाभांश कर सहित)	1821	1775	1332	974	873
निवल मूल्यवर्धन का प्रतिशत	10.95%	11.82%	10.81%	10.43%	11.04%
प्रतिधारित लाभ	5219	4237	2979	2164	1986
निवल मूल्यर्वधन का प्रतिशत	31.41%	28.22%	24.17%	23.21%	25.11%

वार्षिक योजना कार्य निष्पादन 2011–2012

(₹ करोड़ में)

निवेश की श्रेणी	2011-12	2010-11
योजनाएं	805	1204
आधुनिकीकरण और युक्तिकरण तथा अन्य	69	123
विज्ञान और प्रौद्योगिकी	8	45
ग्राहक परियोजना संबंधी पूंजी निवेश	240	283
कुल	**1122**	**1655**

राजकोष में अंशदान

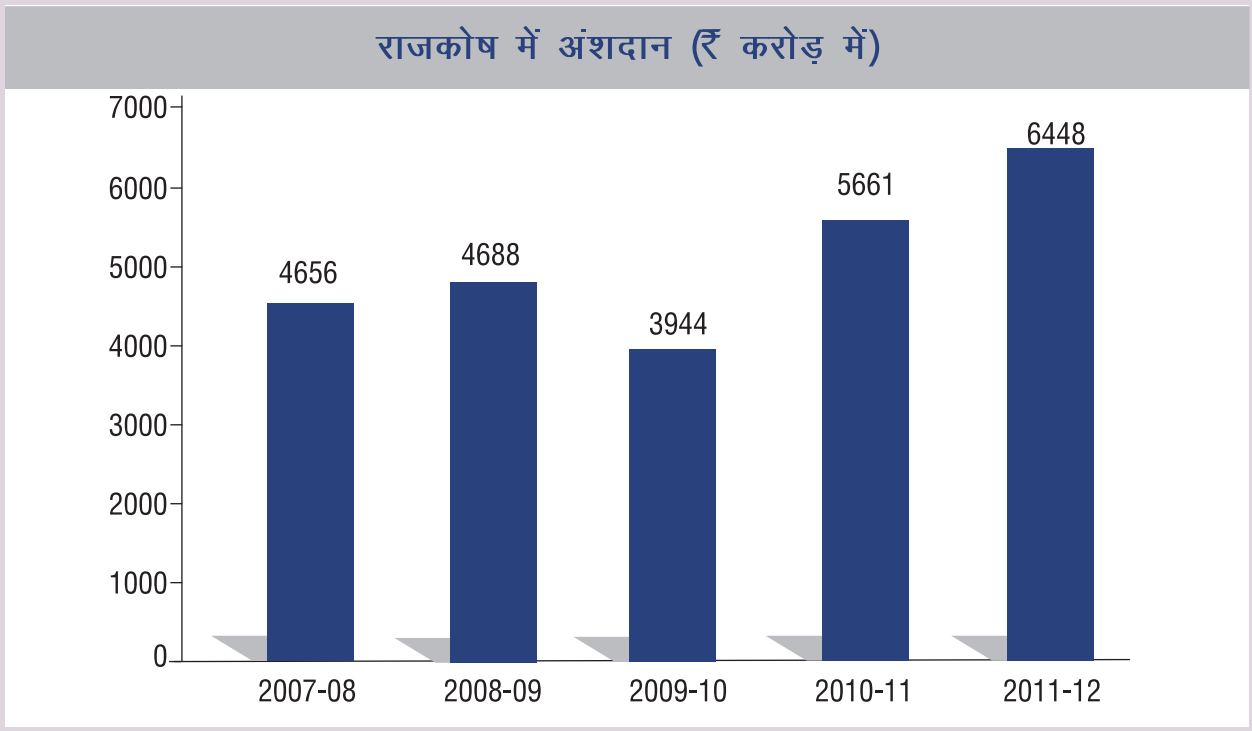

उत्पाद रूपरेखा

थर्मल विद्युत संयंत्र

- स्टीम जेनरेटर स्टीम टर्बाइन, टर्बो जेनरेटर सहित जीवाश्म ईंधन, न्यूक्लियर एवं संयुक्त चक्र उपयोगों के लिए 800 मेगावाट तक के लिए रिजेनरेटिव फ़ीड सुपरक्रिटिकल स्टीम साइकल मानदंडों वाले बॉयलरों एवं स्टीम टर्बाइनों तथा 1000 मेगावाट यूनिट आकार तक के समतुल्य जेनरेटरों का डिज़ाइन एवं निर्माण करने की क्षमता।
- 1000 मेगावाट तक के टीजी सेटों की उपर्युक्त आवश्यकता पूरी करते हुए कंडेन्सर कन्डेन्सेट एक्सट्रैक्शन पम्प, बॉयलर फ़ीड पम्प वॉल्व एवं हीट एक्सचेंजर।

न्यूक्लियर विद्युत संयंत्र

- 700 मेगावाट तक की क्षमता वाले स्टीम जेनरेटर और टर्बाइन तथा समतुल्य टर्बो–जेनरेटर, कंडेन्सर
- हीट एक्सचेंजर
- प्रेशर वेसल
- रिएक्टर वेसल्स

गैस आधारित विद्युत संयंत्र

- 25 से 292 मेगावाट (आईएसओ) उच्च श्रेणी की रेटिंग तक की गैस टर्बाइनें।
- उद्योग एवं यूटिलिटी उपयोगों के लिए गैस टर्बाइन आधारित सह–उत्पादन एवं संयुक्त चक्र प्रणालियां।

हाइड्रो विद्युत संयंत्र

- समरूप जेनरेटर सहित केपलान, फ्रेंसिस एवं पेल्टॉन प्रकार के कस्टम निर्मित परंपरागत हाइड्रो टर्बाइनें, समरूप मोटर जेनरेटर सहित पम्प टर्बाइनें 300 मेगावाट तक के समतुल्य मोटर जेनरेटर, 10 मेगावाट तक के समतुल्य जेनरेटरों सहित बल्ब टर्बाइन।
- लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के लिए समतुल्य मोटरों के साथ उच्च क्षमता के पम्प (150 मेगावाट तक)
- परंपरागत टर्बाइनों के लिए इलेक्ट्रो–हाइड्रॉलिक माइक्रोप्रोसेसर आधारित डिजीटल नियंत्रक
- लिफ्ट सिंचाई पम्पों के लिए माइक्रोप्रोसेसर आधारित डिजिटल कंट्रोलर
- 15 मेगावाट तक के पीएलसी आधारित कंपैक्ट डिजिटल नियंत्रक सहित अतिलघु/लघु हाइड्रो सेट
- हाइड्रो जेनरेटर और मोटरों के लिए स्टेटिक एक्साइटेशन सिस्टम
- हाइड्रो जेनरेटर और मोटरों के लिए ब्रुशलेश एक्साइटर
- विशेष प्रयोजन और मोटर जेनरेटर सेट
- हाइड्रो स्टेशनों के लिए गोलाकार बटरफ्लाई और रोटरी बाल्ब और सहायक उपकरण

डी जी विद्युत संयंत्र

- एचएसडी, एलडीओ, एफओ, एलएसएचएस, प्राकृतिक गैस/बायोगैस आधारित डीजल जेनरेटर विद्युत संयंत्र, टर्नकी आधार पर आपातकाल, पीकिंग तथा बेस लोड प्रचालनों के लिए 20 मेगावाट तथा 11 किलोवाट तक की वोल्टेज क्षमता वाले यूनिट।

औद्योगिक सेट

- 7 से 150 मेगावाट की क्षमता वाले औद्योगिक टर्बो सैट।
- ड्राइव उपयोगों तथा सह उत्पादन उपयोगों के लिए औद्योगिक स्टीम टर्बाइनें तथा गैस टर्बाइनें।
- 120 से 150 मेगावाट तक रिहीट स्टीम टर्बाइन और समतुल्य जेनरेटर

कास्टिंग एवं फ़ोर्जिंग

- परिष्कृत भारी कास्टिंग एवं क्रीप रोधी एलॉय स्टील, स्टेनलेस स्टील एवं ग्रेड की एलॉय स्टील जो सब–क्रिटिकल, सुपर क्रिटिकल तथा अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रॉद्योगिकी के उपकरणों हेतु सख़्त अन्तर्राष्ट्रीय विनिर्देशनों को पूरा सके।

बॉयलर

- कोयला, लिग्नाइट, तेल, प्राकृतिक गैस अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग करके 30 से 800 मेगावाट तक की क्षमता वाली यूटिलिटियों के लिए स्टीम जेनरेटर, 1000 मेगावाट यूनिट आकार तक के सुपरक्रिटिकल मानदंडों वाले बॉयलरों का निर्माण करने की क्षमता।
- कोयला, प्राकृतिक गैस, औद्योगिक गैस, बायोमास, लिग्नाइट, तेल, बेगास अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग कर 40 से 450 टन प्रति घंटे की क्षमता वाले औद्योगिक उपयोगों के लिए स्टीम जेनरेटर्स।
  - ❒ पल्वराइज्ड ईंधन फायर्ड बॉयलर
  - ❒ स्टोकर बॉयलर
  - ❒ बबलिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बशन (बीएफबीसी) बॉयलर
  - ❒ सर्कुलेटिंग फ्लुडाइज्ड बेड कम्बशन बॉयलर सीएफ़बीसी
  - ❒ हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर (एचआरएसजी)
  - ❒ सूखे ठोसों के 100 से 1000 टन प्रति दिन की क्षमता वाले कागज उद्योग के लिए रासायनिक रिकवरी बॉयलर।

बॉयलर ऑग्जीलियरीज

- **पंखे**
  - ❒ 40 से 1300 घनमीटर/सेकेंड तक की क्षमता और 400 से 1500 मिमी. डब्ल्यूसी तक दाब सहित 200 यूसी तक धूल भरी उष्म गैस प्रयोग और स्वच्छ वायु प्रयोग के लिए एक एवं दो चरण के एक्सियल रिएक्शन पंखे
  - ❒ 25 से 600 घन मीटर/सेकेंड तक की क्षमता और 300 से 700 तक मिमी डब्ल्यूसी तक दाब सहित 200 सी तक के स्वच्छ वायु और दग्ध गैस दोनों प्रयोगों के लिए एक्सियल इंपल्स पंखे
  - ❒ गैस कॉलम की 4 से 660 घन मीटर प्रति सेकेंड तक की क्षमता तथा 200 से 3000 तक की दाब वाली स्वच्छ हवा और धूल भरी गर्म गैसों के उपयोगों के लिए एकल एवं दोहरे सक्शन रेडियल पंखे।

- **एयर प्रीहीटर**
  - ❒ औद्योगिक और यूटीलिटी बॉयलरों के लिए ट्यूबुलर एयर प्रिहीटर
  - ❒ बॉयलरों और प्रोसेस फर्नेस के लिए रोटरी रिजेनरेटिव एयर प्रिहीटर
  - ❒ 800 मेगावाट तक की यूटीलिटी के लिए बडे रोटरी रिजेनेरेटिव एयर प्रिहीटर
- **पल्वेराइजर**
  - ❒ 67.5 मेगावॉट से 800 मेगावॉट क्षमता के थर्मल पावर स्टेषनों के लिए 18 टन/प्रति घंटे से 110 टन प्रति घंटे की क्षमता वाले कोयला फ़ायर्ड थर्मल स्टेशनों हेतु धीमी एवं मध्यम गति के बाउल मिल।
  - ❒ 110 मेगावॉट से 500 मेगावॉट तक के थर्मल पावर स्टेशनों के लिए 30 टन/प्रति घंटे से 110 टन/प्रति घंटे के उच्च राख संघटक वाले निम्न श्रेणी कोयला पल्वेराइजिंग के लिए ट्यूब मील।
- **इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रोसिपिटेटर (ईएसपी)**
  - ❒ बायोमास प्रज्जवलित बॉयलरों, सीमेंट संयंत्रों, इस्पात संयंत्रों, सोडा प्राप्ति बॉयलरों आदि सहित यूटीलिटी और औद्योगिक प्रयोगों के लिए 17 मिग्रा/ना.घ.मी. (99.97 प्रतिशत तक की क्षमता) तक निकासी उत्सर्जन सहित किसी भी क्षमता का इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिरेटर
- **गुइलोटाइन गेट्स और डैम्पर्स**
  - ❒ इलेक्ट्रिक/न्यूमेटिव एक्चुएटर के साथ गुलीटाइन गेट्स 6 मीटर ऊँचे और 7 मीटर चौड़े (स्प्लिट सहित) आकार वाले/सील एयर सहित 100% रिसाव रोधी
  - ❒ इलेक्ट्रिक/एक्चुएटर के साथ बाई–प्लेन डैम्पर्स 7 मीटर ऊँचे और 4.5 मीटर चौड़े आकार वाले 1 सील एयर सहित 100% रिसाव रोधी
  - ❒ इलेक्ट्रिक/न्यूमेटिक एक्चुएटर सहित लाउवर डैम्पर्स (सुलाबंद/नियमनकारी)/7 मीटर ऊँचे और 4.5 मीटर चौड़े आकार वाले
  - ❒ न्यूमैट्रिक एक्चुएटर के साथ कन्ट्रोल डैम्पर्स (रेग्युलेटिंग)। 7 मीटर ऊँचे (स्प्लिट निर्माण) एवं 4.5 मीटर चौड़े आकार के।
- यूटिलिटी एवं औद्योगिक उपयोग के लिए बैग फ़िल्टर
- समुद्री जल/लाइमस्टोन सल्री स्क्रबर के साथ फ़्लू गैस डिसएफराइज़ेशन (एफजीडी, प्रणाली)
- ऑक्सिलरी बॉयलरों और अन्य फ्लू गैस एक्ज़ॉस्ट उपयोगों के लिए स्टील चिमनी

सूट ब्लोअर्स

- 12.2 मीटर तक चलने वाले लम्बे रिट्रेक्टेबलर सूट ब्लोअर्स (एलआरएसबी)
- 6.9 मीटर तथा 8.3 मीटर लम्बाई तक चलने वाले फ़र्नेस टेम्परेचर प्रोब (एफटीपी)
- एयर के हीटरों के लिए फ़ॉर्वर्ड ब्लोविंग के साथ लम्बे रिट्रेक्टेबल नॉन–रोटेटिंग (एलआरएनआर) सूट ब्लोअर्स
- सीएफडीसी बॉयलर उपयोगों के लए एश डिस्चार्ज वाल्व
- इन्टीग्रल स्टार्टर के साथ सूट ब्लोअर्स
- पीएलसी अनुक्रमिक सूट ब्लाअर्स
- रैक टाइप लम्बे रिट्रैक्टेबल सूट ब्लोअर्स
- वॉल ब्लोअर्स
- रोटरी सूट ब्लोअर्स

वाल्व

- यटिलिटी एवं औद्योगिकी उपयोग के लिए उच्च दाब तथा निम्न दाब बायपास वाल्व एवं हाइड्रॉलिक प्रणाली
- 900 मिमी व्यास, 4500 (791 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर) के अधिकतम दाव श्रेणी और 650° सेंटीग्रेड तापक्रम तक स्टीम, तेल और गैस कार्यों के लिए उच्च और मध्यम प्रैशर वाल्व, गेट, ग्लोब के ढलंग और फोर्ज इस्पात, वन रिर्टन वाल्व (स्विंग चेक और पिस्टन लिफ्ट चैक) किस्म
- 900 एमएम अधिकतम श्रेणी 1500 एवं 650° सेन्टिग्रेड तक के हॉट–रिहीट एवं क़ोल्ड रिहीट आइसोलेटिंग डिवाइसिस
- 317 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर के निर्धारित दाब और 630° सेंटीग्रेड तक तापक्रम के लिए उच्च क्षमता के सुरक्षा वाल्व और 210 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटरके निर्धारित दाब तथा 593 डिग्री तक के निर्धारित तापमान के लिए स्वचालित विद्युत प्रचालित प्रैशर रिलीफ वाल्व
- 421 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर के निर्धारित दाब और 537° सेंटीग्रेड तक तापक्रम के लिए विद्युत प्रक्रिया और अन्य उद्योगों में प्रयोग हेतु सुरक्षा रिलीफ वाल्व
- 2700 मिमी आकार में अधिकतम ब्यास वाले रिएक्टिव–कम–एब्जॉर्बप्टिव टाइप साइलेंसर
- डायरेक्टर वाटर लेवल गेज
- एंगल ड्रेन वाल्व–टर्बाइन ड्रेन उपयोग के लिए सिंगल एवं मल्टी स्टेज सर्विस कन्ट्रोल वाल्व
- आरएच एंव एस एच स्प्रे लाइनों के लिए सप्रे सर्विस कंट्रोल वाल्व
- 800 मिमी ब्यास 105 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर दाब का 540° सेंटीग्रेड तापक्रम तक के निष्कर्षण लाइनों के लिए शीघ्र बंद होने वाले नन–रिर्टन वाल्व और कोल्ड रिहीड नन–रिटर्न वाल्व

पाइपिंग प्रणालियां

- सुपर क्रिटिकल सेटों सहित 1000 मेगावाट क्षमता तक के विद्युत स्टेशनों के लिए परिचालन जल पाइपिंग सहित विद्युत चक्र पाइपिंग, स्पिर भार हैंगर्स, परिवर्ती स्प्रिंग हैंगर्स, हैंगर संघटक, निम्न दाब पाइपिंग
- न्यूक्लियर विद्युत स्टेशनों, संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्रों, औद्योगिक बॉयलरों तथा प्रक्रिया उद्योगों में विद्युत संयंत्रों के लिए पाइपिंग प्रणालियां

सीमलेस स्टील ट्यूबें

- एएसटीएम/एपीआई और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टियों के लिए उपयुक्त कार्बन स्टील और निम्न मिश्रधातु स्टील में 21.3 से 133 मिमी तक के बाहरी ब्यास और 2 से 12.5 मिमी तक की मोटाई की सीमा सहित उष्म निर्मित और कोल्ड ड्रॉन सीमलेस स्टील ट्यूबें।
- राईफल्ड ट्यूब
- रिफ्लेड फिंड ट्यूब

हीट एक्सचेंजर तथा प्रेशर वेसेल्स

- सीएस/एएस/एसएस/नॉन फेरसशेल एवं ट्यूब हीट एक्सचेंजर तथा प्रेशर वेसेल्स.
- एयर कूल्ड हीट एक्सचेंजर
- स्टीम जेट एयर एजेक्टर
- डिएरेटर्स
- ग्लैंड स्टीम कंडेन्सर्स
- ड्रेन कूलर्स
- एलपी और एचपी भरण जल हीटर्स
- गैस कूलर्स, ऑयल कूलर्स, एयर कूलर्स

कंडेन्सर और हीट एक्सचेंजर

- सर्फेस कंडेन्सर :
  - ❒ 12.5 मेगावाट समुद्री
  - ❒ 20 से 500 मेगावाट थर्मल
  - ❒ 236 मेगावाट न्यूक्लियर
  - ❒ औद्योगिक कंडेन्सर
- फीड वाटर हीटर :
  - ❒ 20 से 500 मेगावाट थर्मल
  - ❒ 236 और 500 एवं 700 मेगावाट न्यूक्लियर
- आर्द्रता सेपरेटर और रि–हीटर्स :
  - ❒ 236 और 500 एवं 700 मेगावाट न्यूक्लियर
- टर्बो और हाइड्रोजेनेरेटरों के लिए ऑक्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स :
  - ❒ एयर कूलर्स (फ्रेम और ट्यूब किस्म
  - ❒ ऑयल कूलर्स (शेल और ट्यूब किस्म तथा प्लग–इन किस्म)
  - ❒ हाइड्रोजन कूलर्स (फ्रेम और ट्यूब किस्म)
- ट्रांसफॉर्मरों के लिए ऑक्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स :
  - ❒ ऑयल कूलर्स (शेल और ट्यूब किस्म एकल ट्यूब अथवा संकेंद्रिक दोहरा ट्यूब किस्म किस्म) (फ्रेम और ट्यूब किस्म)
- सामान्य प्रयोग के लिए ऑक्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स :
  - ❒ वाटर – वाटर कूलर्स (शेल और ट्यूब किस्म)
- निम्नलिखित के लिए औद्योगिक हीट एक्सचेंजर्स :
  - ❒ रिफाइनरी
  - ❒ पेट्रो–केमिकल्स
  - ❒ फर्टिलाइजर्स

पम्प

- 1000 मेगावाट तक की क्षमता वाली यूटीलिटियों के उपयुक्त विभिन्न प्रयोगों के लिए पम्प
- बॉयलर फीड पम्प (मोटर अथवा स्टीम टर्बाइन चालित)
- बॉयलर फीड बूस्टर पम्प
- कंडेन्सेट पम्प
- कूलिंग वाटर पम्प
- बूस्टर पम्प

विलवणीकरण और जल शोधन संयंत्र

- घरेलू और औद्योगिक प्रयोगों के लिए समुद्रीजल, उच्च खारे और अपशिष्ट जल के शोधन के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) आधारित विलवणीकरण संयंत्र
- सेवा/वहनीय/बॉयलर भरण मेक–अप आवश्यकताओं के लिए जल उत्पादन हेतु संयंत्र के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस विखनिजीकरण (आरओ–डीएम) संयंत्र
- आरओ प्रयोग के लिए उपयुक्त खारेजल के शोधन हेतु शोधन–पूर्व (मेम्ब्रेन आधारित/पारंपरिक) प्रणालियों की विभिन्न किस्में
- पुनः उपयोग एवं रिसाइकिल के लिए मल एवं अपशिष्ट जल शोधन संयन्त्र
- विलवणीकरण संयंत्रों का प्रचालन और अनुरक्षण

आटोमेशन और नियंत्रण प्रणालियां

- स्टीम जनरेटर/बायलर कंट्रोल
- स्टीम टरबाईन कंट्रोल्स
- बायलर फीड पंप (बीएफपी) ड्राइव टरबाईन कंट्रोल
- ऑफसाइट/आफ बेस कंट्रोल्स/बैलेंस ऑफ प्लांट कंट्रोल
- एश हेंडलिंग
- कोयला हेंडलिंग
- वाटर सिस्टम
- मिल रिजेक्ट सिस्टम
- कंडेन्सेट ऑन लाइन टॅयूब क्लीनिंग सिस्टम
- गैस बूटस्टर कम्प्रेसर
- हाइड्रो विद्युत संयंत्र नियंत्रण प्रणालियां
- गैस टरबाईन नियंत्रण प्रणाली
- न्यूक्लियर पावर प्लांट टरबाईन एवं सेकेंडरी साइकल कंट्रोल सिस्टम
- पावर ब्लॉक ऑफ सोलर थर्मल पावर प्लांट
- औद्योगिक स्वचालन
- सब–स्टेशन स्वाचालन प्रणाली (एसएएस) और पर्यवेक्षीय नियंत्रण तथा आंकडा अधिग्रहण प्रणालियां (स्काडा)
- इलेक्ट्रिक्ल कंट्रोल सिस्टम फॉर रिफाइनरीज
- एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम फॉर पावर प्लांट

पावर इलेक्ट्रानिक्स

- एक्साइटेशन सिस्टम
- एसी ड्राइव सिस्टम
- स्टेटिक स्टार्टस
- इंडक्शन हीटिंग इक्विपमेंट

ट्रांसमिशन सिस्टम कंट्रोल

- हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) सिस्टम
- फलेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम (एफएसीटीएस
  - ❒ फिक्स्ड सीरिज कम्पनसेशन (एफसीएस)/थाईरिस्टर कंट्रोल सीरिज कम्पनसेशन (टीसीएससी)
  - ❒ स्टेटिक वीएआर कम्पनसेटर (एसवीसी) सिस्टम
  - ❒ कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर (सीएसआर)
  - ❒ स्टेटिक कम्पनसेटर (एसटीएटसीओएम)

ट्रैक्शन ड्राइव सिस्टम

ट्रैक्शन ड्राइव सिस्टम, जिसमें ट्रैक्शन कन्वरटर, सहायक कन्वरटर और वाहन नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल है:

- 6 हजार एचपी जीटीओ/आईजीबीटी आधारित एसी लोकोमोटिव्स
- 1600एचपी एसी इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट (ईएमयूज)
- 1400 एचपी डीजल इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिटस (डीईएमयूज)

पावर सेमीकंडक्टर डिवाइसिस

- डायोडस–1400–4400वी/250–2000ए की रेंज तक
- बरिस्टर्स–1400–4400वी/250–2000ए की रेंज तक

सोलर फोटोवोल्टेईक प्रणालियां

- मोनो/मल्टी क्रिस्टेलीनसैल्स सैल्स (125 और 156 एमएम)
- मोनो/मल्टी क्रिस्टेलीनसैल्स मॉडयूल्स
- पीवी सिस्टम्सः ग्रिड इंटरेक्टिव, हाईब्रीड और स्टैंड अलोन पीवी पावर प्लांट्स
- स्पेस ग्रेड सौलर पीवी पैनल
- स्पेस ग्रेड बैटरियां

डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स

- इंटेग्रेटिड प्लेटफार्म मैनेजमेंट सिस्टम
- इंटेग्रेटिड ब्रिज सिस्टम
- मशीनी नियंत्रण कक्ष (एमसीआर) सिमुलेटर
- सभी रक्षा और अर्द्ध सैनिक बलों के लिए वाहनों, प्लेटफार्मों, राडारों, हथियारों, मिसाइलों और सीबीटी के लिए प्रशिक्षणु सिमुलेटर
- शस्त्र फायर नियंत्रण प्रणाली, एवियानिक्स, रेडियो संचार उत्पाद, इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम और पूर्व चेतावनी प्रणालियां

साफ्टवेयर सिस्टम समाधान

- मैरिट आर्डर रेटिंग
- कार्य निष्पादन विश्लेषण, डायग्नोस्टिक्स एवं ऑप्टिमाइजेशन (पीएडीओ)
- कार्यनिष्पादन गणना और आप्टिमाइजेशन सिस्टम
- डीसीएस से तृतीय पक्ष प्रणालियों के लिए ओपीसी संपर्क
- इंटरप्राइज एसेट मैनेजमेंट सिस्टम
- इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग
- ऑपरेटर ट्रेनिंग सिमुलेटर
- पावर हाउस इंटरानेट सॉफटवेयर
- अलार्म विश्लेषण प्रणाली
- रियल टाइम परफारमेंट डाटा मानीटरिंग सिस्टम
- हिस्टोरिकल रिप्ले सिस्टम

स्विचगियर

36 केवी तप वोल्टता रेटिंग और गैस विसंवाहित स्विचगियरों (36 केवी–145 केवी) के लिए भीतरी और बाहरी प्रयोगों हेतु विभिन्न किस्मों के माध्यम वैक्यूम स्विचगियर

- 12 केवी, 50 केए, 3500 एम्पियर तक के भीतरी स्विचगियर, थर्मल, न्यूक्लियर, हाइड्रो एवं कम्बाइंड साईकल पावर प्लांट प्राजेक्ट के लिए
- 36 केवी, 31.5 केए, 2500 एम्पियर तक के भीतरी स्विचगियर, उद्योग एवं रिफाइनरी के लिए
- 12 केवी, 25 केए, 1250 एम्पियर के भीतरी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स वितरण प्रणाली के लिए
- 36 केवी, 25 केए, 2000 एम्पियर के बाहरी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स ट्रांसमिशन एवं वितरण खंड के लिए
- 12 केवी, 25 केए, 1250 एम्पियर के बाहरी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स वितरण खंड के लिए
- 25 केवी, 25 केए, 1600 एम्पियर के बाहरी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स ट्रैक साईड रेलवे अनुप्रयोग के लिए
- 12 केवी ग्रामीण खंड के लिए आउटडोर पोल माउन्टेंड ऑटोरिक्लोजर/ सैक्शनेलाइनर कैपेसिटर स्विच
- रिफ़ाइनरियों, शहरी सब–स्टेशनों के लिए गैस विसंवाहित स्विचगियर 36 केवी – 25 केवी 1600 एम्पी
- ट्रान्स्मिशन खंड के लिए 145 केवी 40 केए 2500 एम्पी. के गैस इन्सुलेटेड स्विचगीयर
- एसएफ6 सर्किट ब्रेकर्स (145 केवी – 800 केवी)

बस डक्ट

- 800 मेगावाट तक की क्षमता यूटीलिटियों के जेनरेटर विद्युत उत्पादन के लिए उपयुक्त संबंद्ध उपस्कर सहित बस डक्ट

ट्रांसफॉर्मर

- 1200 केवी तक की वोल्टता के लिए विद्युत ट्रांसफॉर्मर
- जेनरेटर ट्रांसफॉर्मर (500एमवीए, 400 केवी, 3फेज/400एमवीए, 400 केवी, 1फेज तक)
- ऑटो ट्रांसफॉर्मर (1000एमवीए, 400केवी, 3फेज/600एमवीए, 400केवी, 1फेज/1000 एमवीए, 765केवी, 1फेज/1000 एमवीए, 1200 केवी, 1फेज तक)
- कन्वर्टर ट्रांस्फॉर्मर/स्मूदिंग रिएक्शन (600एमवीए, ±500केवी/254एमवीएआर, ±500केवी तक)
- शंट रिएक्टर (150 एमवीएआर, 420 केवी, 3 फेज/110 एमवीएआर, 765 केवी, 1 फेज तक)

- कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर (200 एमवीए, 420 केवी, 3 फेज/150 एमवीएआर, 420 केवी, 1 फेज/110 एमवीएआर, 765 केवी, 1 फेज तक)
- फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर (315 एमवीए, 400 केवी, 3 फेज तक)
- इंस्ट्रुमेंट ट्रांसफार्मर
  - 400 केवी तक के करंट ट्रांसफार्मर
  - 220 केवी तक के इलेक्ट्रो मेग्नेटिक वोल्टेज ट्रांसफार्मर
  - 400 केवी तक के कैपीसिटर वोल्टेज ट्रांसफार्मर
- विशेष ट्रांसफॉर्मर
  - 132 केवी, 66 केए तक रेक्टिफायर ट्रांसफॉर्मर
  - 33 केवी, 100 एमवीए तक फर्नेस ट्रांसफॉर्मर
- ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर
  - 25 केवी, 7475 केवीए तक फ्रेट लोको ट्रांसफॉर्मर
  - 25 केवी, 1550 केवीए तक एसीइएमयू ट्रांसफॉर्मर
- ईएसपी (एचवीआर) ट्रांसफॉर्मर 100 केवी 1400 एमए
- रेक्टिफ़ायर ट्रान्स्फ़ॉर्मर 120 के एएमपी, 132 केवी क्लास
- 15000 केवीए तक ड्राई टाईप ट्रांसफॉर्मर
  - 3.3 एमएच, 2700 एम्पियर तक स्मूदिंग रिएक्टर
  - 300 एमएच, 120 एम्पियर तक शुष्क किस्म रिएक्टर
  - 0.5 एमएच, 4600 एम्पियर तक डीसी चोक
- 15 एमवीए, 33 केवी तक के कास्ट रेजिन ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर अर्थिंग, फर्नेस, रेक्टिफायर, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेयर,फ्रेट लोको, एसी इएमयू और ट्रैक्शन के लिए विशेष ट्रांसफॉर्मर

इंसुलेटर्स

- हाई टेंशन सेरामिक इंसुलेटर्स
  - स्वच्छ एवं प्रदूषित वातावरणों के लिए 45 से 420 केएन तक इलेक्ट्रोमैकेनिकल शक्ति के एसी/डीसी उपयोगों के लिए डिस्क/सस्पेंशन इंसुलेटर। 800 केवी एसी और डीसी प्रयोगों के लिए उपयुक्त
  - रेडियो फ्री डिजाइन सहित 33 केवी तक के पिन इंसुलेटर्स
  - ट्रांसफार्मरों, एसएफ 6 सर्किट ब्रेकरों के लिए 800 केवी तक के हॉलो पोर्सिलेन
  - सब स्टेशन में प्रयोग के लिए बस पोस्ट और आइसोलेटरों के लिए 400 केवी तक के सॉलिड कोर इंसुलेटर
  - 25 केवी रेलवे ट्रेक्शन के लिए सॉलिड कोर पोर्सिलेन इंसुलेटर
  - 25 केवी रेलवे ट्रैक्शन और 400 केवी तक एचवीडीसी ट्रांसमिशन लाइनों के लिए इंसुलेटर
- वीयर प्रतिरोधी सामग्री (सेरालीन)
  - ताप विद्युत स्टेशनों में वीयर प्रतिरोधी प्रयोग तथा विभिन्न अन्य प्रयोगों के लिए सिरामिक लाइनर्स

औद्योगिक तथा विशेष सिरामिक

- बॉयलर ड्रम जल स्तर अनुवीक्षण (भेल विज़न प्रणाली) में प्रयुक्त ईडब्ल्यूएलआई–इलेक्ट्रॉनिक जल स्तर संकेतक, क्रिसमस ट्री वाल्व के लिए सिरामिक और टंगस्टन कार्बाइड फलो बीन्स

कंट्रोल पैनल

- एलटी स्विचगियर, स्कैप, थइरिस्टर, रेपकॉन और स्टेटकोन पैनल्स

कैपेसिटर्स

- पावर फैक्टर सुधार (मोटर कैपेसिटर्स) के लिए एच.टी. कैपेसिटर्स, 3.3 से 11 केवी डेल्टा कनेक्टेड कैपेसिटर बैंक
- शंट, सीरीज और एसवीसी (स्टेटिक वीएआर कम्पनशेसन) हार्मोनिक फिल्टर और एचवीडीसी प्रयोगों के लिए एच.टी. कैपेसिटर्स
- सीवीटी के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
- पीएलसीसी के लिए कपलिंग कैपेसिटर
- जेनरेटर और ट्रांसफॉर्मर के संरक्षण के लिए सर्ज कैपेसिटर
- ट्रैक्शन लोकोमोटिव के लिए रूफ कैपेसिटर

बुशिंग्स

- ट्रांसफॉर्मर प्रयोगों के लिए 52 से 400 केवी ओआईपी कंडेन्सर बुशिंग्स
- 25 केवी लोकोमोटिव बुशिंग्स
- केबल बॉक्स और वॉल बुशिंग्स जैसी विशेष प्रयोग बुशिंग्स

ऑन लोड टेप चेंजर्स (ओएलटीसी)

विद्युत ट्रांसफॉर्मर, फर्नेस ट्रांसफॉर्मर, स्टेशन ट्रांसफॉर्मर, रेक्टिफायर ट्रांसफॉर्मर आदि जैसे विभिन्न प्रयोगों के लिए ऑन लोड टैप चेंजर

- सिंगल/3 फ़ेज़ डिज़ाइन में 300 केवी, 1800 ए, 35 पोज़िशन तक के ऑनलोड टेप चेन्जर
- 400 केवी श्रेणी ट्रांसफॉर्मर तक के लिए ऑन लोड टैप चेंजर
- 300 केवी तक के लिए ऑफ सर्किट टैप स्विच

विद्युत मशीनें

एसी स्क्विरल केज, स्लिपरिंग, सिंक्रोनस मोटरों, बेरीएबल स्पीड मोटर्स, औद्योगिक अल्टरनेटरों तथा जोखिम क्षेत्रों के लिए मोटरों का उत्पादन नीचे वर्णित रेंज के अनुसार किया जाता है। विशेष प्रयोजनार्थ मशीनों का निर्माण अनुरोध पर किया जाता है।

- सुरक्षित क्षेत्र प्रयोग के लिए एसी मशीनें
  - इंडक्शन मोटरें
    - ❖ सिक्वरेल केज मोटर–150 केडब्ल्यू से 21000 केडब्ल्यू
    - ❖ स्लिपरिंग मोटर–150 केडब्ल्यू से 10000 केडब्ल्यू
  - सिंक्रोनस मोटरें
    - ❖1000 केडब्ल्यू से 20000 केडब्ल्यू
  - वैरिएबल स्पीड मोटर
    - ❖ 150 केडब्ल्यू से 21000 केडब्ल्यू (स्क्वायरल केज मोटर
    - ❖ 1000 केडब्ल्यू से 20000 केडब्ल्यू (सिंक्रोनस मोटर)

- जोखिमपूर्ण क्षेत्र में प्रयोगों के लिए एसी मशीनें (नियत गति अथवा वीएफडी के साथ)
  - ❒ फ्लेम प्रूफ स्क्वायरल केज इंडक्शन मोटरें (ईएक्स 'डी')
    - ❖ 150 केडब्ल्यू से 1500 केडब्ल्यू
  - ❒ नॉन स्पार्किंग स्किविरेल केज इंडक्शन मोटर (ईएक्स 'एन')
    - ❖ 150 केडब्ल्यू से 4000 केडब्ल्यू (अनुरोध पर उच्चतर रेटिंग)
  - ❒ इन्क्रीज्ड सेफ्टी स्क्वायरल केज इंडक्शन मोटर (ईएक्स 'ई')
    - ❖ 150 केडब्ल्यू से 4000 केडब्ल्यू (अनुरोध पर उच्चतर रेटिंग)
  - ❒ प्रेशराइज्ड मोटर (ईएक्स 'पी')
    - ❖ 150 केडब्ल्यू से 21000 केडब्ल्यू (स्क्वायरल केज मोटर)
    - ❖ 1000 केडब्ल्यू से 20000 केडब्ल्यू (सिंक्रोनस मोटर)
- मिल ड्यूटी मोटर
  - ❒ स्पीड बेस स्पीड >150 आरपीएम के साथ 150 केडब्ल्यू से 5000 केडब्ल्यू
- इंडस्ट्रियल आल्टनेटर्स (स्टीम टर्बाइन, गैस टर्बाइन तथा डीजल इंजन चालित)
  - ❒ 3000 केवीए से 25,000 केवीए
- इंडक्शन जेनेरेटर्स
  - ❒ 300 केवीए से 6000 केवीए
- वोल्टेज फ्रिक्वेंसी और एनक्लोजर्स
  - ❒ वोल्टेज एसी–415 वो. से 13800 वो.
  - ❒ फ्रिक्वेंसी – 50 हार्टज और 60 हार्टज
  - ❒ एनक्लोजर – एसपीडीपी, टीईटीवी, सीएसीडब्ल्यू, सीएसीए और डक्ट वेंटिलेटेड
- 160 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 2–पोल गैस टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स
- 33 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 4–पोल गैस टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स
- 160 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 2–पोल स्टीम टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स
- 33 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 4–पोल स्टीम टर्बाइन चालित जेनेरेटर्स
- 270 मेगावाट तक के गैस टर्बाइन जेनरेटर

कंप्रेसर्स

- उर्वरक, पेट्रो–रसायन, पाइपलाइन और इस्पात उद्योग के लिए अपेक्षित लगभग सभी किस्मों के गैस प्रहस्तन के विभिन्न औद्योगिक प्रयोगों के लिए स्टीम टबाईन/गैस टबाईन/मोटर द्वारा चालित भिन्न–भिन्न आकार के अपकेंद्रिक कंप्रेसर्स; सीमा अधिकतम 350 किग्रा/वर्ग सेंटीमीटर तक का विकास दाब और 900,000 Nm^3/घंटा की क्षमता शामिल करती है।

कंट्रोल गियर

- **औद्योगिक कंट्रोल गियर**
  - ❒ ईएसपी के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर्स
  - ❒ एल्टरनेटर्स एवं मोटर्स के लिए एक्साइटेशन कंट्रोल सिस्टम
  - ❒ पीएलसी आधारित डिजिटल कंट्रोल सहित वृहद धारा रेक्टिफायर्स
  - ❒ डिजीटल एवीआर और नियंत्रक
  - ❒ इस्पात, अल्युमीनियम, सीमेंट, कागज़, रबड़, खनन, चीनी और पेट्रो–रसायन उद्योगों में प्रयोग के लिए कंट्रोल पैनल और क्यूबिकल्स
- **ऑयल रिग कंट्रोल्स**
  - ❒ एसी विद्युत नियंत्रण कक्ष
  - ❒ डीसी विद्युत नियंत्रण कक्ष
  - ❒ पावर पैक (डीजी सेट)
  - ❒ एसी कन्ट्रोल मॉड्यूल
  - ❒ डीसी कन्ट्रोल मॉड्यूल
  - ❒ ड्रिलर कन्सोल
- **कंटेक्टर्स**
  - ❒ 660 वोल्ट तक वोल्टेज के लिए एलटी एयर ब्रेक टाइप एसी
  - ❒ 600 वोल्ट तक वोल्टेज के लिए एलटी एयर ब्रेक टाइप डीसी कंटेक्टर्स
  - ❒ 11केवी तक वोल्टेज के लिए एचटी वैक्यूम टाइप एसी
- **ट्रैक्शन कंट्रोल गियर**
  - ❒ एसी इलेक्ट्रिक एवं डीज़ल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव, ईएमयू, डीईएमयू, डीईटीसी मेट्रो रेलवे और अन्य ट्रैक्शन प्रयोगों के लिए कंट्रोल गियर उपस्कर
  - ❒ ट्रैक्शन उपयोगों के लिए ईपी कंटैक्टर्स, ईएम कंटैक्टर्स, ईएम रिले और ईपी ऑफलोड स्विचेज, आइसोलेटिंग स्विच, रेसिस्टर्स, रेसिस्टर्स पैनल आदि
  - ❒ मास्टर्स कंट्रोलर्स
  - ❒ डायनेमिक ब्रेकिंग रेसिस्टर्स
  - ❒ कंट्रोल क्यूबिकल्स
  - ❒ डीई लोको के लिए एक्साइटेशन कन्ट्रोल एवं वोल्टेज रेग्युलेटर पेनल
  - ❒ रेक्टिफायर्स
  - ❒ ऑक्जिलियरी कन्वर्टर्स
- **कंट्रोल और रिले पैनल**
  - ❒ 400केवी तक की वोल्टेज के लिए ईएचवी ट्रांसमिशन परियोजनाओं हेतु कंट्रोल और प्रोटेक्शन पैनल
  - ❒ सिक्रोनाईजिंग ट्रॉली/स्विंग पैनल
  - ❒ तापीय, न्यूक्लियर, हाइड्रो और संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र परियोजनाओं के लिए 600 मेगावाट तक बड़े जेनेरेटरों के लिए प्रोटेक्शन पैनल
  - ❒ एमवी स्विचगियर के लिए रिमोट कंट्रोल और रिले पैनर्ल
  - ❒ हाइड्रो सेट के लिए टर्बाइन गेज पैनल
  - ❒ आउटडोर–किस्म कंट्रोल पैनल और मार्शलिंग कियोस्क
  - ❒ रिमोट ट्रांसफॉर्मर टैप–चेंजर कंट्रोल पैनल

- एलटी स्विचगीयर, स्कैप एवं थाइरिस्टर पैनल

परिवहन उपस्कर

- **टैक्शन मशीनें**
  - सभी रेंज के लोको और ईएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन मोटर
  - सभी रेंज के लोको और ईएमयू के लिए डीसी ट्रैक्शन मोटर
  - सभी रेंज के डीई लोको और ईएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन एल्टरनेटर
  - 2000 केडब्ल्यू तक डीसी ट्रैक्शन जेनेरेटर
  - सभी किस्म की आवश्यकताओं के लिए मोटर जेनरेटर सेट
  - सभी किस्म की आवश्यकताओं के लिए ऑक्जिलियरी जेनरेटर और एक्सयूटर्स
  - रेडिएटर फैन के लिए एडी करेंट क्लच
  - डायनेमिक ब्रेकिंग प्रणाली के लिए डीसी ब्लोअर मोटर
  - ट्रैक्शन ग्रेडगियर और पिनियन
- **परिवहन प्रणाली**
  - ट्रैक्शन प्रणालियां
  - शहरी परिवहन प्रणालियां
  - एसी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव
  - एसी–डीसी दोहरा वोल्टता इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव
  - डीजल–इलेक्ट्रिक एवं डीजल हाइड्रोलिक लोकोमोटिव
  - बैटरी चालित लोकोमोटिव
  - ओएचई रिकार्डिंग–सह–टेस्ट कार
  - बॉगीज
  - डायनेमिक ट्रैक स्टेबिलाइजर्स
  - वेल वैगन
  - रेल–सह–सड़क वाहन
  - यूटीलिटी वाहन
  - बैलास्ट क्लिनिंग मशीन

ऑयल फील्ड उपस्कर

ऑयल रिग –

- 9000 मी. तक की गहराई के लिए एसी–एससीआर तथा एसी तकनीक के साथ विविध प्रकार की तटीय ड्रिलिंग रिंग मैचिंग ड्रा वर्क्स एवं होईस्टिंग उपकरण के साथ वर्क ओवर रिग, मोबाईल रिग, हेली रिग, डेजर्ट रिग सहित :
  - मास्ट तथा उपसंरचना
  - घूर्णन उपकरण
  - पम्प सहित मड प्रणाली
  - पावर पैक और रिग इलेक्ट्रिक्स
  - रिग इंस्ट्रुमेंटेशन
  - रिग यूटिलिटी तथा सहायक उपकरण
  - बीएचईएल और गैर–बीएचईएल निर्मित ऑयल रिगों का पुनःमार्जन और उन्नयन
  - सभी अपेक्षित रेन्जों के लिए डीसी ऑइल रिग
  - सभी अपेक्षित रेन्जों के लिए ऑइल रिग ऑल्टर्नेटर
- **ऑयल फील्ड उपस्कर**
  - 15000 पीएसआई तक वेल हेड्स और क्रिसमस ट्रीज, मड लाइन सस्पेंशन, चोक और किल मेनीफोल्ड, सीबीएम वेलहेड्स डीएसपीएमएच– मनीफोल्ड असेम्बली, मड वाल्व, ईएसपी हेंगर्स, ब्लॉक टाईप क्रिसमिस ट्री

वितरित विद्युत उत्पादन और लघु हाइड्रो संयंत्र

- 600 किवा रेटिंग तक विंड इलेक्ट्रिक जेनरेटर
- 25 मेगावाट तक की स्टेशन क्षमता के लघु हाइड्रो विद्युत संयंत्र

प्रणालियां और सेवाएं

- विद्युत उत्पादन प्रणालियां
- विद्युत उत्पादन प्रणालियां
- टर्नकी विद्युत स्टेशन/ईपीसी संविदाएं
- संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र
- सह उत्पादन प्रणालियां
- कैप्टिव विद्युत संयंत्र
- विद्युत स्टेशनों का आधुनिकीकरण और नवीकरण और आरएलए अध्ययन
- यूटीलिटियों के लिए सिमुलेटर्स सहित सॉफटवेयर पैकेज
- सभी उपर्युक्त प्रणालियों के लिए उत्पादन, कमीशनिंग, समर्थन सेवाएं, अतिरिक्त पुर्जा प्रबंधन और परामर्शी सेवाएं
- ट्रांसमिशन प्रणलियां
  - सबस्टेशन/स्विचयार्ड
  - शंट और सीरीज कंपनसेशन प्रणलियां
  - विद्युत प्रणाली विश्लेषण और नियंत्रण
  - एचवीडीसी ट्रान्समिशन प्रणलियां

औद्योगिक प्रणालियां

- सिविल और संरचनात्मक, यांत्रिक, विद्युतीय कार्य तथा स्वचालन प्रणालियों सहित संपूर्ण कोयला प्रहस्तन संयंत्र और राख प्रहस्तन संयंत्र
- संपूर्ण माइन विंडर सिस्टम्स
- कच्ची सामग्रियों के प्रसंस्करण और सुगठित बनाने, लौह निर्माण, प्राथमिक और गौण इस्पात निर्माण लंबे उत्पादों तथा चिपटे उत्पादों दोनो के लिए मिल तथा प्रोसेस लाइनों जैसे कास्टर्स और स्टील निर्माण के लिए संपूर्ण इलेक्ट्रिक्स, ड्राइव्स, कंट्रोल और स्वचालन प्रणालियां
- इस्पात तथा अन्य उद्योगों के लिए सिविल और संरचात्मक, यांत्रिक, विद्युतीय और स्वचालन प्रणालियों सहित संपूर्ण कच्ची सामग्री प्रहस्तन प्रणाली
- आल्युमीनियम संयंत्रों के लिए अल्युमीनियम स्मेल्टर तथा प्रसंस्करण मिलो के लिए उच्च धारा रेक्टिफायर हेतु संपूर्ण इलेक्ट्रिक्स और स्वचालन प्रणाली
- स्वचालित भंडारण और पुनः प्राप्ति प्रणालियां (एएसआरएस)
- हाइड्रो विद्युत संयन्त्रों के लिए बैलेन्स ऑफ़ प्लान्ट्स (बीओपी)

भारत में बीएचईएल

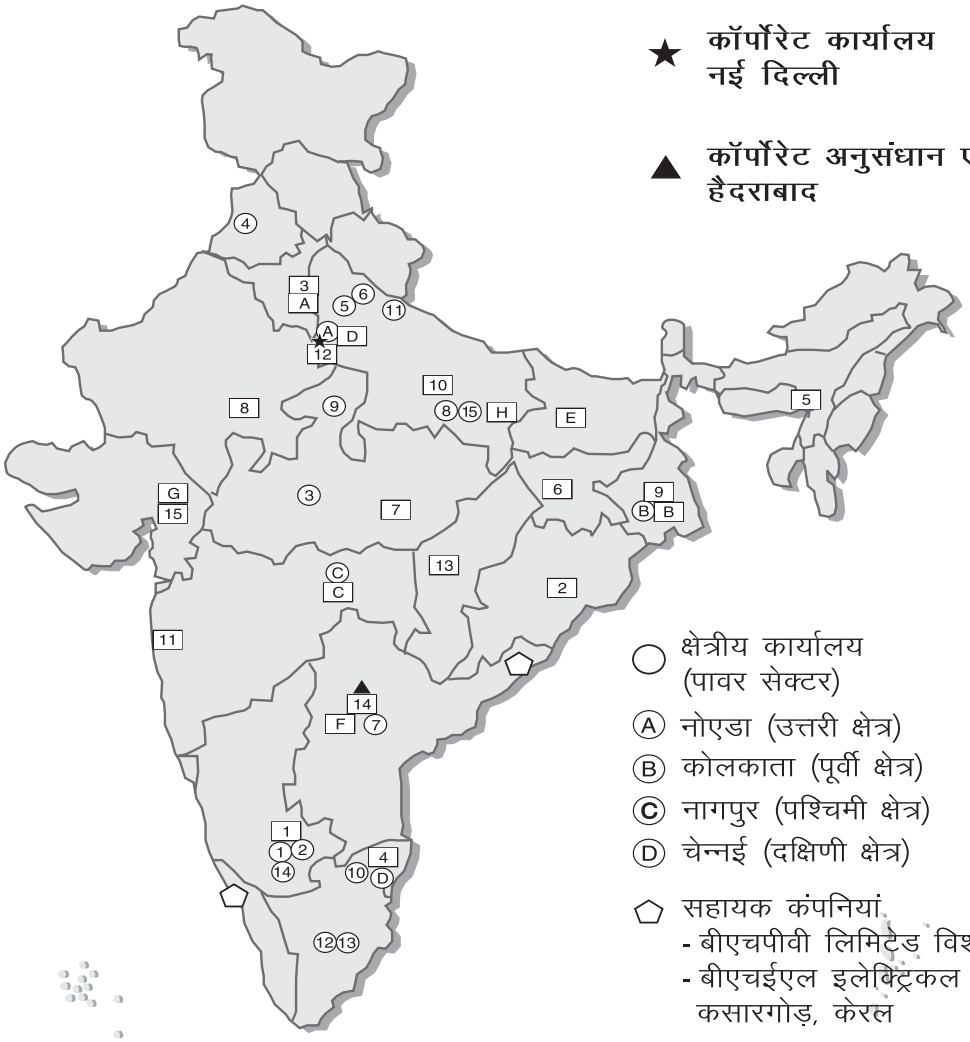

★ कॉर्पोरेट कार्यालय
नई दिल्ली

▲ कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास
हैदराबाद

○ क्षेत्रीय कार्यालय
(पावर सेक्टर)

Ⓐ नोएडा (उत्तरी क्षेत्र)
Ⓑ कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र)
Ⓒ नागपुर (पश्चिमी क्षेत्र)
Ⓓ चेन्नई (दक्षिणी क्षेत्र)

⬠ सहायक कंपनियां
- बीएचपीवी लिमिटेड विशाखापट्टनम
- बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड कसारगोड़, केरल

□ व्यवसाय कार्यालय

1	बेंगलूरु	10	लखनऊ
2	भुवनेश्वर	11	मुम्बई
3	चंडीगढ़	12	नई दिल्ली
4	चेन्नई	13	रायपुर
5	गुवाहाटी	14	सिकन्दराबाद
6	रॉंची	15	वड़ोदरा
7	जबलपुर		
8	जयपुर		
9	कोलकाता		

○ विनिर्माण इकाइयां

14 1 2	बेंगलूरु
3	भोपाल
4	गोइंदवाल
5 6	हरिद्वार
7	हैदराबाद
15 8	जगदीशपुर
9	झांसी
10	रानीपेट
11	रुद्रपुर
12 13	तिरुचिरापल्ली

□ सेवा केन्द्र

A	चंडीगढ़
B	कोलकाता
C	नागपुर
D	नोएडा
E	पटना
F	सिकन्दराबाद
G	वड़ोदरा
H	वाराणसी

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के सदस्यों की 48वीं वार्षिकी आडिटोरियम, बाराखंबा रोड (तानसेन मार्ग), नई दिल्ली–110001 में निम्नलिखित कार्य करने के लिए आयोजित की जाएगीः–

सामान्य कार्य

1. दिनांक 31 मार्च, 2012 की यथास्थिति कंपनी के लेखापरीक्षित तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लाभ और हानि तथा उसके साथ उस पर निदशकों और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना, विचार करना और स्वीकार करना।
2. वर्ष 2011–12 के लिए लाभांश घोषित करना।
3. श्री वी. के. जयरथ, जो चक्रानुक्रम द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे हैं उनके स्थान पर निदेशक नियुक्त करना और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं।
4. श्री ओ पी भुटानी जो चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनके स्थान पर निदेशक नियुक्त करना और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं।
5. श्री एस. रवि. जो चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनके स्थान पर निदेशक नियुक्त करना और पात्र होने पर स्वयं को पुनः नियुक्त करने के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं ।
6. 2012–13 के लिए लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक नियत करने के लिए बोर्ड को प्राधिकृत करना।

विशेष कार्य

7. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और अगर सही माना जाए तो आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना।

   'संकल्प किया जाता है कि श्री त्रिम्बकदास एस. जँवर, जिन्हें कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 11 अक्तूबर, 2011 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करने हेतु नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में एक सदस्य से लिखित सूचना प्राप्त की है कि उन्हें कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाए और एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है जिन्हें चक्रानुक्रम आधार पर सेवा निवृत्र किया जाना है।"

8. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और अगर सही माना जाए तो आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करनाः

   "संकल्प किया जाता है कि श्री आर.कृष्णन जिन्हें कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 10 मार्च, 2010 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करने हेतु नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में एक सदस्य से लिखित सूचना प्राप्त की है कि उन्हें कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाए और एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है, जिन्हें चक्रानुक्रम आधार पर सेवानिवृत्त किया गया।

9. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और अगर सही माना जाए तो आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करनाः

   "संकल्प किया जाता है कि श्री विजय शंकर मदान जिन्हें कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 1 अप्रैल, 2012 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करने हेतु नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में एक सदस्य से लिखित सूचना प्राप्त की है कि उन्हें कंपनी

के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाए और एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है जिन्हें चक्रानुक्रम आधार पर सेवानिवृत्त किया जाता है।

निदेशक मंडल की ओर से

नई दिल्ली
दिनाकः 13 अगस्त, 2012

हस्ता./–
(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

टिप्पणियां

1. बैठक में भाग लेने और मतदान के लिए हकदार सदस्य स्वयं अपने बदले बैठक में भाग लेने और मतदान करने के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का हकदार है और प्रतिनिधि को कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। विधिवत पूरा भरा गया प्रतिनिधि फार्म वार्षिक आम बैठक में निर्धारित समय के अड़तालीस घंटों (48 घंटों) पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए। खाली प्रतिनिधि फार्म संलग्न है।

2. ऊपर यथानिर्धारित विशेष कार्य के संबंध में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173(3) के अनुसरण में संगत व्याख्यात्मक विवरण यहां इसके साथ संलग्न है।

3. नियुक्ति और पुनः नियुक्ति के प्रस्तावित प्रत्येक निदेशकों का संक्षिप्त परिचय निदेशकों की रिपोर्ट के अनुबंध–2 के रूप में दिया गया है।

4. सर्वश्री वी के जैरथ, ओ पी भुटानी और एस. रवि निदेशक चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने पर स्वयं पुनःनियुक्ति के लिए प्रस्ताव करेंगे। तथापि, उनकी नियुक्ति की शर्त के अनुसार वी के जयरथ, ओ. पी. भुटानी और एस रवि का कंपनी के निदेशकों के रूप में कार्यकाल क्रमशः 11 नवंबर, 2012, 31 मई, 2013 और 9 मार्च 2014 को समाप्त होगा।

5. सदस्यो का रजिस्टर और कंपनी की शेयर अंतरण बहियां सदस्यों द्वारा अनुमोदित लाभांश के भुगतान, यदि कोई हो, के प्रयोजनार्थ दिनांक 10 सितंबर, 2012 से 19 सितंबर, 2012 (दोनों दिन शामिल) तक बंद रहेंगे।

6. सदस्यों को कंपनी को ईसीएस के माध्यम से प्रेषण करने में समर्थ बनाने के लिए विधिवत भरा हुआ और हस्ताक्षरित फार्म (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया) में अपने इलेक्ट्रानिक क्लीयरिंग सर्विस (ईसीएस) का अधिदेश प्रस्तुत करने का सुझाव दिया जाता है।

7. निदेशक मंडल ने वर्ष 2011–12 के दौरान अदा किए जा चुके 136 प्रतिशत (₹ 2.72 प्रति शेयर) प्रतिशत के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त, कम्पनी की चुकता शेयर पूंजी पर 184 प्रतिशत (₹ 2.72 प्रति शेयर) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

8. दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मंडल द्वारा यथा अनुशंसित इक्विटी शेयरों पर अंतिम लाभांश, जब कंपनी की वार्षिक आम बैठक में स्वीकृत किया जाता है, सदस्यों द्वारा लाभांश की घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर अर्थात दिनांक 18 अक्तूबर, 2012 को अथवा उसके पूर्व उन शेयरधारकों, जिनका नाम :

क शेयरों के संबंध में एन एस डी एल/सी डी एस एल द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली सूची के अनुसार 9 सितंबर 2012 को कारोबारी घंटो के बंद होने के समय शेयरों के लाभभोगी मालिक के नामों में इलैक्ट्रानिक मोड में रखा गया और

ख वास्तविक रूप में उन सभी वैद्य शेयरों के अन्तरण अनुरोधों को प्रभावी बनाने के पश्चात कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर में सदस्य के रूप में है जो 9 सितंबर, 2012 को कारोबारी घंटों के बंद होने पर अथवा उससे पूर्व कम्पनी /आर टी ए के साथ दर्ज कराया गया।

9. यथासंशोधित कंपनी अधिनियम की धारा 205 ग के साथ पठित धारा 205क(5) के अनुसरण में लाभांश की राशि जो 7 वर्षों की अवधि के लिए अदत्त/अदावाकृत रहती है, को केन्द्र सरकार की निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित करना अपेक्षित है। इसके बाद सदस्यों का उक्त राशि पर चाहे किसी भी प्रकार का दावा नहीं रहता। तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2004–05 के लिए अंतिम लाभांश, वित्तीय वर्ष 2005–06 के लिए अंतरिम लाभांश, वित्तीय वर्ष 2005–6 के लिए विशेष अंतरिम लाभांश, जो अदावाकृत रहता है, को उक्त खाते में क्रमशः दिनांक 28 अक्तूबर, 2012, 5 जनवरी, 2013 और 5 अप्रैल, 2013 को अंतरित किया जाना है।

   सदस्यों, जिन्होंने दिनांक 31 मार्च, 2005 को समाप्त अथवा उसके बाद किसी वित्तीय वर्ष (वर्षों) के लिए अभी तक अपने अंतिम लाभांश का दावा/नकदीकरण नहीं किया है, निर्दिष्ट 7 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पूर्व भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी से संपर्क कर सकते हैं।

10. सदस्य फार्म–2 ख (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया) में ऐसे किसी व्यक्ति को, जिनमें उनकी मृत्यु की दशा से कंपनी में उनके शेयर विहित होंगे, नामित करके कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 109क के अनुसार नामांकन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

11. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 224 (8) (कक) के साथ पठित धारा 619 (2) के अनुसरण में किसी सरकारी कंपनी के लेखापरीक्षक भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त अथवा पुनः नियुक्त किए जाते हैं और उनका पारिश्रमिक वार्षिक आम बैठक में कंपनी दवारा नियत किया जाता है। कार्य की मात्रा में वृद्धि और विद्यमान मुद्रास्फीति पर विचार करने के बाद आम बैठक वर्ष 2012–13 के लिए लेखापरीक्षकों का उपयुक्त पारिश्रमिक नियत करने के लिए निदेशक मंडल को प्राधिकृत कर सकती है।

12. कार्पोरेट सदस्यों से अनुरोध है कि वे बोर्ड प्रस्ताव की विधिवत प्रमाणित प्रति/पावर ऑट अटार्नी भेजें, जिसमें उन्होंने वार्षिक आम सभा में उनकी ओर से अपने प्रतिनिधि को उपस्थित होने और वोट देने के लिए अधिकृत किया गया है।

13. सदस्यों के पते में किसी परिवर्तन को तत्काल अधिसूचित करने का अनुरोध किया जाता है,

    i. अपने इलेक्ट्रानिक शेयर खाते के संबंध में अपने निक्षेपागार भागीदार (डीपी) को, और

    ii. लाभांश वारंट की तत्काल और सुरक्षित प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अपनी फोलियो संख्या, बैंक का नाम और खाता संख्या बताते हुए अपने वास्तविक शेयरों, अगर कोई हो, के संबंध में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय या रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट (मैसर्स कर्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमि) को भेजें।

14. सदस्य, जो अमूर्त रूप में शेयर धारित करते हैं, वे अपनी ग्राहक और डीपी आईडी संख्या लिखने का और जो वास्तविक रूप में शेयर धारित करते हैं, उनसे बैठक में भाग लेने के लिए उपस्थिति पर्ची में अपनी फोलियो संख्या लिखने का अनुरोध किया जाता है। तथापि, ऑडिटोरियम में प्रवेश स्थल पर काउंटर में उपलब्ध और उपस्थिति पर्ची से बदली जाने वाली प्रवेश पर्ची के आधार पर सख्ती से होगा।

15. सदस्यों से निम्नलिखित अनुरोध किया जाता है:

    i. बैठक के समय अपनी वार्षिक रिपोर्ट की प्रति, सूचना और उपस्थिति पर्ची लाएं।

    ii. सभी पत्राचार में अपनी फोलियो संख्या/डीपी एवं ग्राहक आईडी संख्या बताएं।

    iii. यह नोट कर लें कि सुरक्षा कारणों से ऑडिटोरियम के भीतर कोई ब्रीफकेस अथवा बैग ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

    iv. यह नोट कर लें कि वार्षिक आम बैठक में कोई उपहार वितरित नहीं किया जाएगा।

निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–
(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली
दिनाकः 13 अगस्त, 2012

सूचना का अनुबंध

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173(2) के अनुसरण में व्याख्यात्मक विवरण

निम्नलिखित व्याख्यात्मक विवरण इसके साथ दिनांक 13 अगस्त 2012 की सूचना के मद सं. 7, 8 और 9 में उल्लिखित कार्य से संबद्ध वास्तविक तथ्यों का वर्णन करता है।

मद संख्या 7

58 वर्षीय श्री. त्रिम्बकदास एस. जँवर विधि में स्नातक हैं। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार श्री त्रिम्बकदास एस. जँवर को 03 वर्ष की अवधि अर्थात 11.11.2013 तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, दिनांक 11.11.2010 से कंपनी के अपर निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने पर श्री. त्रिम्बकदास एस जंवर कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करेंगे और पुनःनियुक्त किए जाने के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने कंपनी के निदेशक पद पर श्री. त्रिम्बकदास एस जँवर की उम्मीदवारी के लिए ₹ 500 की जमा राशि के साथ एक सदस्य से प्रस्ताव करते हुए लिखित सूचना प्राप्त की है।

श्री. त्रिम्बकदास एस. जंवर को छोड़कर कंपनी के किसी भी निदेशक का इस संकल्प से कोई संबंध अथवा हित नहीं है।

निदेशक मंडल संकल्प को शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए सिफारिश करता है।

मद संख्या 8

57 वर्षीय श्री. आर कृष्णन आरईसी, त्रिची (अब एनआईटी) से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर हैं और उनके पास एमएसीटी (अब एमएएनआईटी), भोपाल से भारी विद्युत उपकरण के डिजाइन एवं उत्पादन में स्नातकोत्तर योग्यता है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार श्री. आर कृष्णन को पांच वर्ष की अवधि अथवा उनकी सेवानिवृत्ति की अवधि तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, दिनांक 01.04.2012 से कंपनी के अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने पर श्री. आर कृष्णन कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 कीधारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारित करेंगे और नियुक्त किए जाने के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने कंपनी

के निदेशक पद पर श्री. आर कृष्णन की उम्मीदवारी के रूप में एक सदस्य से ₹ 500 की जमा राशि के साथ प्रस्ताव करते हुए लिखित सूचना प्राप्त की है।

श्री. आर. कृष्णन को छोड़कर कंपनी के किसी भी निदेशक का संकल्प से संबंध अथवा हित नहीं है।

निदेशक मंडल संकल्प को शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए सिफारिश करता है।

मद संख्या 9

55 वर्षीय श्री. विजय शंकर मदान, औद्योगिक नीति और प्रोत्साहन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में अपर सचिव हैं। भारत सरकार के निर्देशो के अनुसार श्री. विजय शंकर मदान को दिनांक 19.07.2012 से कंपनी के अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने पर श्री. विजय शंकर मदान कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पदधारित करेंगे और नियुक्त किए जाने की पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने कंपनी के निदेशक पद पर श्री विजय शंकर मदान की उम्मीदवारी के रूप में एक सदस्य से ₹ 500 की जमा राशि के साथ प्रस्ताव करते हुए लिखित सूचना प्राप्त की है।

श्री विजय शंकर मदान को छोड़कर कंपनी के किसी भी निदेशक का संकल्प से संबंध अथवा हित नहीं है।

निदेशक मंडल संकल्प को शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए सिफारिश करता है।

निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./–
(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली
दिनाकः 13 अगस्त, 2012

यहां से काटिए

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय, बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

फोलियों / आईडी सं.

प्रतिनिधि (प्रॉक्सी) फार्म

शेयरों की संख्या

मैं/हम.....

जिला.....

.

.....का/के

.....

.....उपर्युक्त कंपनी का/के

सदस्य हूं/हैं और एतद्द्वारा.....जिला.....को अथवा.....

.उनकी अनुपस्थिति में.....जिला.....को मेरे/हमारे प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करता हूं/करते हैं, जो 19 सितम्बर, 2012 को आयोजित होने वाली 48वीं वार्षिक सामान्य बैठक में मेरी/हमारी ओर से मतदान करेंगे।

कृप्या रसीदी टिकट चिपकाएं

टिप्पणियां : क) फार्म पर कंपनी में दर्ज हस्ताक्षर के अनुसार टिकट के ऊपर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
ख) यह फार्म बैठक के आयोजन से अड़तालीस घंटे पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा कराया जाना चाहिए।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय, बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

उपस्थिति पर्ची

48वीं वार्षिक आम बैठक
जो कि बुधवार 19 सितंबर, 2012 को प्रातः 10.00 बजे फिक्की आडिटोरियम, बाराखंबा रोड (तानसेन मार्ग), नई दिल्ली–110 001 में होनी है)

उपस्थित सदस्य का नाम (साफ अक्षरों में भरें)

फोलियो/आईडी सं.

धारित शेयरों की सं.

प्रतिनिधि का नाम

(साफ अक्षरों में भरें यदि सदस्य के स्थान पर प्रतिनिधि भाग ले रहा हो)

मैं एततद्वारा 19 सितम्बर 2012 को आयोजित 48 वीं वार्षिक आम बैठक में अपनी उपस्थति दर्ज करता /करती हूं।

सदस्य/प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

(विधिवत भरी गई इस पर्ची को बैठक कक्ष कें प्रवेश द्वार पर सौंपा जाए।)

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय, बीएचईएल हाउस, सीरीफोर्ट, नई दिल्ली–110049

प्रिय शेयरधारक/शेयरधारकों

संदर्भ : इलेक्ट्रानिक समाशोधन देयताएं (ईसीएस) राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक समाशोधन द्वारा लाभांश का भुगतान

यदि आपने पहले से हमारे रजिस्ट्रारों यानि मैसर्ज कार्वी कम्प्युटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड या निक्षेपागार सहभागी (**डीमैट होल्डिंग के मामले में**), को एनईसीएस/बैंक लेखा विवरण प्रेषित नहीं किए है, तो आपसे हमारा अनुरोध है कि नीचे दिए गए फॉर्मेट में उक्त विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि 19 सितंबर, 2012 को आयोजित होने वाली कंपनी की 48वीं वार्षिक आम बैठक में घोषित होने वाले लाभांश का शीघ्र सुरक्षित एवं सही भुगतान किया जा सके।

कृप्या सुनिश्चित करें कि रजिस्ट्रारों/निक्षेपागार सहभागी को आपके द्वारा प्रस्तुत किए गए विवरण सही हैं, क्यो कि उनमें कोई त्रुटि होने पर लाभांश की राशि गलत खाते में जमा हो जाएगी।

एनईसीएस द्वारा लाभांश के भुगतान से लाभांश वारंट के कपटपूर्ण नकदीकरण को रोकने में सहायक होगा।

कृपया आपकी बेहतर सेवा करने के लिए हमारी सहायता करें।

भवदीय

हस्ता/–

(आई. पी. सिंह)
कंपनी सचिव

पीएसः यदि आपके पास डीमैट रूप में शेयर हैं तो अपने निक्षेपागार सहभागी को आपके बैंक खाता विवरणों/एन ईसीएस अधिदेश पर ध्यान देने का परामर्श दें।

एनईसीएस/ईसीएस अधिदेश/बैंक खाता विवरणों के लिए फार्म

मैं/हम.....एतदद्वारा बीएचईएल/अपने निक्षेपागार सहभागी को

❒ मेरे/हमारे लाभांश वारंट पर निम्न विवरण छापनें

❒ एनईसीएस द्वारा मेरे बैंक खातें में मेरी लाभांश राशि जमा करने हेतु प्रधिकृत करता हूँ/करते हैं

(जो लागू न हो, कृपया उसे काट दें)

मेरा/हमारा फोलियों सं.....या डीपी आईडी सं..... ग्राहक खाता सं.....

<u>बैंक खाते का विवरण :</u>

क.	**बैंक का नाम**	:	.....
ख.	शाखा का नाम (केवल अधिदेश के लिए पता)	:	....
ग.	एमआईसीआर चैक में दिए गए बैंक और शाखा के 9 अंकों की कोड संख्या	:	.....
घ.	आईएफएससी कोड		
ड.	खाते का प्रकार (बचत/चालू)	:	.....
च.	चैक बुक में दिए गए अनुसार खाता सं.	:	.....
छ.	शेयरधारक का एसटीडी कोड एवं दूरभाष सं.	:	.....

यदि एनईसीएस कार्यान्वित न हो सकी अथवा बैंक एनईसीएस को किसी कारण से समाप्त कर देता है, तो मैं/हम कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/ठहराएंगें।

प्रेषित करें:

मैसर्ज कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट : बीएचईएल
17–24, विट्ठल राव नगर,
माधापुर, हैदराबाद–500081

.....
शेयरधारक के हस्ताक्षर

.कृपया (i) अंकों की कोड सं. की यथार्थता के सत्यापन हेतु आपके उक्त लेखा से संबंधित आपके बैंक द्वारा जारी चैक या खाली रद्द किए गए चैक की प्रति और (ii) अपने **पैन कार्ड** की एक प्रति संलग्न करें।

फार्म 2 बी

(कृप्या कंपनी (केन्द्रीय सरकार) सामान्य नियम और प्रपत्र 1956 का नियम 4गगग और 5घ देखें

नामांकन फार्म

(व्यक्तिगत या संयुक्त रूप में आवेदन करने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा भरा जाएं)

मैं/हम.....एवं.....और.....भारत

हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के क्रमांक.....का/के शेयरधारक, नामांकन करना चाहता हूं/करते हैं तथा निम्न व्यक्ति (व्यक्तियों), जिसमें मेरी या जिनमें मेरी जिनमें हमारी मृत्यु होने पर अंतरण और/अथवा शेयरों से संबद्ध) देय राशि के सभी अधिकार निहित है, को नामित करता हूं/करते हैं।

नामिति/नामितियों के नाम एवं पता (पते)

नाम .....

पता .....

.....

जन्म तिथि* : .....

(*नामिति के नाबालिग होने के मामले में भरा जाएं)

** नामिति नाबालिग है, जिसका अभिभावक.....है

नाम व पता.....

.....

.....

(** यदि लागू न हों, तो हटा दिए जाएं)

हस्ताक्षर :.....

नाम :.....

पता :.....

दिनांक :.....

हस्ताक्षर :.....

नाम :.....

पता :.....

दिनांक :.....

हस्ताक्षर :.....

नाम :.....

हस्ताक्षर :.....

दिनांक : .....

दो गवाहों के पते, नाम एवं हस्ताक्षर

नाम एवं पता	**तिथि सहित हस्ताक्षर**
1.	
2.	

निर्देशः

1. केवल उन व्यक्तियों द्वारा ही नामांकन किया जा सकता है, जिन्होंने अपनी ओर से एकल या संयुक्त रूप से शेयरों के लिए आवेदन किया हो या धारक हो। सोसायटी, न्यास, कॉर्पोरेट निकाय, साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता, मुख्तारनामा धारक सहित गैर–व्यक्ति नामांकन नहीं कर सकते। यदि शेयर संयुक्त रूप से धारित किया जाता है तो सभी संयुक्त शेयरधारक नामांकन फार्म पर हस्ताक्षर करेंगे। नमूने के तौर पर स्थान उपलब्ध कराया गया है। यदि संयुक्त धारक अधिक हैं, तो शेयरों के धारकों तथा गवाह के हस्ताक्षर के लिए अधिक शीटें प्रयोग में लाई जा सकती हैं।
2. शेयरों के धारक द्वारा नाबालिग को नामित किया जा सकता है तथा उस स्थिति में धारक द्वारा अभिभावक का नाम और पता दिया जाएगा।
3. न्यास, सोसायटी, कॉर्पोरेट निकाय साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता या मुख्तारनामा धारक नामिती नहीं होगा। अनिवासी भारतीय प्रत्यावर्तन के आधार पर नामिती हो सकता है।
4. शेयर के अंतरण पर नामांकन विखंडित हो जाता है।
5. वैध उत्तराधिकारी के विरुद्ध नामिती के पक्ष में शेयर का अंतरण कंपनी द्वारा वैध रूप से डिस्चार्ज किया जाएगा।
6. कंपनी/कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता को नामांकन/नामांकन फार्म के संबंध में सूचना दो प्रतियों में देनी होगी, जो उसकी एक प्रति शेयरधारक को वापस करेगी/करेगा।
7. **यदि आपके पास डीमैट रूप में शेयर है तो कृपया अपने डिपोजिटरी पार्टीसिपेंट को नामाकंन के विवरण की सूचना भेज दें।**

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

बीएचईएल द्वारा नोएडा में आयोजित कैंसर जांच शिविर

बीएचईएल द्वारा का.सा.उ. प्रयासों के अंतर्गत आसाम में अक्षयपात्र की मिड–डे मील वैन हेतु अनुदान दिया गया।

बीएचईएल द्वारा झांसी में ग्रामीण महिलाओं हेतु व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यशाला

बीएचईएल द्वारा हरिद्वार के औरंगाबाद गांव के राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

बीएचईएल द्वारा गुज्जर बस्ती, पाथरी में आयोजित चिकित्सा शिविर

बीएचईएल द्वारा अक्षयपात्र की मिड–डे–मील योजना हेतु भारत में छः स्थानों पर आर.ओ.प्रणाली प्रदान की गई

बीएचईएल, तिरूचिरापल्ली द्वारा सिलाई मशीनें प्रदान की गईं

बीएचईएल ने देवरायनेरी गांव, तिरूचिराल्ली में विद्यालय भवन का निर्माण कराया

बैंकर्स

इलाहाबाद बैंक
आंध्रा बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा
केनरा बैंक
कॉरपोरेशन बैंक
सेंट्रल बैंक
इंडियन बैंक
इंडियन ओवरसीज बैंक
ओरिएण्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
पंजाब नेशनल बैंक
पंजाब एण्ड सिंध बैंक
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
स्टैट बैंक ऑफ हैदराबाद
सिंडिकेट बैंक
स्टैट बैंक ऑफ ट्रावनकौर
यूको बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
युनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया
विजया बैंक
आईडीबीआई बैंक
सीटी बैंक एन. ए
डच बैंक ए जी
दि हांगकांग एण्ड शंघाई बैंकिग कॉरपोरेशन लि.
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक
दि रायल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड एन. वी.
जे पी मोरगन
एक्सिस बैंक
दी फेडरल बैंक लि.
एचडीएफसी बैंक
कोटेक महिन्द्रा बैंक लि.
आईसीआईसीआई बैंक
इंडसिंड बैंक
येस बैंक

शेयर अंतरण एजेंट

मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट : बीएचईएल
दिल्ली : **105–108, अरुणाचल बिल्डिंग,**
: **19, बाराखम्बा रोड,**
: **नई दिल्ली – 110 001**
: **दूरभाष : 011–23324401, 43681700 / 01 / 02 / 21**
: **फैक्स : 011–23730743**
: **ई–मेल :** ksbldelhi@karvy.com

हैदराबाद का पता
यूनिट : बीएचईएल
: **17–24, विट्ठल राव नगर,**
माधापुर,
: **हैदराबाद–500 081**
दूरभाष : **040–44655000**
फैक्स : **040–44655024**
ई–मेल : madhusudhan@karvy.com
einwards.ris@karvy.com
वैबसाइट : www.karvycomputersshare.com

लेखा परीक्षक

एस.एन. धवन एंड कं., नई दिल्ली

गांधी मिनोचा एंड कं., नई दिल्ली

विनय कुमार एंड कंपनी, इलाहाबाद

जवाहर एंड एसोसिएटस, हैदराबाद

वी. नारायणन एंड कं., तिरूचि

पटेल मोहन रमेश एंड कं. बेंगलूर

एस. एल. छाजेड़ एंड कं., भोपाल

पी. एस. मूर्ति, एसोसिएटस, अरकोट

लागत लेखापरीक्षक

के.एल. जयसिंह एंड कंपनी
(इलैक्ट्रिक मोटर्स, एचईपी भोपाल के लिए)

गिईस एंड कंपनी
(स्टील ट्यूब्स एंड पाईप्स एसएसटीपी तिरुचि के लिए)

लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष	लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तारीख	लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट जमा करने की वास्तविक तारीख
2010-11	27.09.11	18.08.11
2011-12	31.12.12	अंतिम तारीख से पहले जमा कर दी जाएगी

पंजीकृत कार्यालय

बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट,
नई दिल्ली–110049 (भारत)
फोन : 66337000 (15 लाइन्स)
फैक्स : 011–66337533
http://www.bhel.com

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सिरि फोर्ट, नई दिल्ली–110 049, भारत
वेबसाइट :www.bhel.com

पॉवर | ट्रांसमिशन | उद्योग | परिवहन | अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत | तेल एवं गैस

प्रगति को गति . . . जीवन को ज्योति

भारत के हर घर से जुड़ा

Concept Communication